खण्ड-521, अंक-07
सोमवार, 08 फाल्गुन, शक संवत् 1944
(दिनांक 27 फरवरी, 2023 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(अट्ठारहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2023)

(खण्ड 521 में 10 अंक हैं)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2023

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय			पृष्ठ संख्या
उपस्थित सदस्य	...	...	1-8
प्रश्नोत्तर	...	...	9-167
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं (जारी)	...	...	167
मा0 सदस्य श्री अशोक कुमार के नाम की दो सूचनाओं पर मा0 अध्यक्ष के निर्देश	...	...	167-168
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं	...	...	168-170
जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत ग्राम दरियापुर से 11000 विद्युत लाइन गांव की आबादी से बाहर शिफ्ट कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	...	...	170
जनपद कानपुर में अर्मापुर कालपी रोड (कानपुर-दिल्ली हाई-वे) को जोड़ रही सड़क का वैकल्पिक मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	...	...	170-171
जनपद सन्तकबीर नगर के विधान सभा क्षेत्र धनघटा में लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	...	...	171
जनपद गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र सहजनवां में कतिपय सड़क निर्माण तथा चौड़ीकरण किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	...	...	171-172
जनपद झांसी की सदर विधान सभा क्षेत्र के प्रेमनगर (नगरा) क्षेत्र में राजकीय अस्पताल स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	...	...	172
जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना के विकास खण्ड बुढ़ाने के पूर्व ब्लाक प्रमुख द्वारा वर्तमान ब्लाक प्रमुख के कार्यालय में की गई तोड़-फोड़ के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	...		172-173
जनपद गोण्डा के विधान सभा क्षेत्र मेहनौन के अन्तर्गत विकास खण्ड-रुपईडीह विभाजित करके नया विकास खण्ड-खरगूपुर बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...		...	173

विषय	पृष्ठ संख्या
जनपद कौशाम्बी के नगर पालिका परिषद्, मंझनपुर के असकरनपुर-मंगरोहनी के उमाशंकर खरे की बाग से शिवालय तक मार्ग का चौड़ीकरण एवं मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	173
जनपद अलीगढ़ के नगर विकास सीमा विस्तार में शामिल हुए 35 गांव के सम्पूर्ण विकास के लिए धन आवंटित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	174
जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सलोन के अन्तर्गत ग्राम सभा बिरनावा से ग्राम रोखा तक कच्चे मार्ग का पक्का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	174
जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र सदर के अन्तर्गत ग्राम भिक्का माजरा व ग्राम खेडी पट्टी में स्वास्थ्य उपकेन्द्र बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	175
जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज के अन्तर्गत जमरावा, पट्टीशाह एवं एकौनागढ़ में पेयजल की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	175
जनपद मुरादाबाद के बिलारी तहसील में आइडिया खेल ग्राउण्ड को उच्च स्तरीय बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	176
जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र हरैया के अन्तर्गत परशुरामपुर की विकास खण्ड पिकौरा भट्ट में प्राइमरी स्कूल बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	176
जनपद अमेठी के विधान सभा क्षेत्र गौरीगंज के रामगंज से शाहगढ़ तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	176-177
जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत दुबौला से पचपेड़वा होते हुए महेशगंज तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	177
जनपद ललितपुर के नगर ललितपुर अन्तर्गत रामनगर से खिरकापुर में बूढ़े बाबा मंदिर के पास ब्याने नाले पर पुल बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	177

विषय	पृष्ठ संख्या
जनपद कानपुर में स्थित हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय में रिक्त नियमित पदों पर प्रोन्नति/भर्ती किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	177-178
जनपद सीतापुर के विधान सभा क्षेत्र सिधौली के अटरिया से धारवां-हमीरपुर तक जर्जर सड़क का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	178
औचित्य के प्रश्न की सूचनाएं	178
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा, वर्ष 2022 के द्वितीय व तृतीय सत्र में विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-301 के अधीन प्राप्त सूचनाओं पर कृत कार्यवाही का विवरण (सदन के पटल पर रखा गया)	179
पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की तेरहवीं वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा 2015-2016 (विलम्ब के कारणों सहित) (सदन के पटल पर रखा गया)	179
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की ''नियम समिति'' (2022-2023) का प्रथम प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया) ...	179-180
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का प्रथम प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया) ...	181
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का द्वितीय प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)...	181
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का तृतीय प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)...	181
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का चतुर्थ प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)...	181
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का पंचम् प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया) ...	182
सदन के पटल पर रखे गये प्रतिवेदनों पर चर्चा कराये जाने की मांग ...	182
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का प्रथम प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)	182

विषय			पृष्ठ संख्या
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का द्वितीय प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)	...	...	183
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का तृतीय प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)	...	...	183
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का चतुर्थ प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)	...	...	183
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का पंचम् प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)	...	...	183
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का षष्ठम् प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)	...	...	184
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का सप्तम् प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)	...	...	184
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का अष्टम् प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)	...	...	184
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का नवम् प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)	...	...	184
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का दशम् प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)	...	...	185
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का प्रथम प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)...	...		185

विषय			पृष्ठ संख्या
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का द्वितीय प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)	...		185
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का तृतीय प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)...	...		186
उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का चतुर्थ प्रतिवेदन (सदन के पटल पर रखा गया)...	...		186-187
कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं (जारी)	...	...	187-188
मा0 मुख्य मंत्री की तरफ से मा0 सदस्यों हेतु लन्च एवं चाय की व्यवस्था सम्बन्धी सूचना	...	...	188
कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं	...	...	188-194
उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) अध्यादेश, 2023 का अननुमोदन का संकल्प (अस्वीकृत)	...	...	194
उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक, 2023 (पारित)	...		194-207
उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023	...	...	207-209
वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा (जारी)	...		209-238
चर्चा में प्रतिभाग हेतु मा0 सदस्यों के लिये समय का निर्धारण	...		238
वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा	...		238-329
याचिकाओं का उपस्थापन (जारी)	...	...	329-330
श्री सचिन यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	...	...	330
डॉ0 अमित सिंह चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	...		330-331
डॉ0 आर0 के0 पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर एवं जनपद भदोही से सम्बन्धित एक-एक याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)...			331

विषय	पृष्ठ संख्या
डॉ0 डी0 सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	331-332
डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	332-333
श्री राजेश्वर सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (व्यपगत)	333
डॉ0 विनोद कुमार बिन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज एवं जनपद मिर्जापुर से सम्बन्धित 01-01 याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	333-334
डॉ0 सुनील पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	334
डॉ0 एम0 पी0 आर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	334-335
श्री अजय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित 03 याचिकाएं तथा जनपद गोण्डा से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)..	335
श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	336
श्री अनिल कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	336-337
श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद चित्रकूट से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	337
श्री अमिताभ बाजपेई, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)	338
श्री अरमान खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	338-339
याचिकाओं का उपस्थापन (जारी)	339
श्री अशरफ अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	339-340

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री अशोक कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	340-341
श्री ओम कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (व्यपगत)	341
श्री कमलाकान्त राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	341
श्री कवीन्द्र चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	341-342
श्री गणेश चन्द्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद सन्तकबीरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	342-343
श्री गौरव कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद बाराबंकी से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	343
श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	343-344
श्री चन्दन चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	344
श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	345
श्री चेतराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	345-346
श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	346
श्री छोटेलाल वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	347
श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	347-348
श्री जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	348

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव एवं जनपद झांसी से सम्बन्धित 01-01 याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	348-349
श्री जियाउद्दीन रिजवी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	349
श्री जियाउर्रहमान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	349
श्री जै किशन साहू, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	350
श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद महराजगंज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	350
श्री त्रिभुवन दत्त, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	351
श्री देवेन्द्र कुमार निम, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	351-352
श्री देवेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित 01 याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई) ...	352
श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	352
श्री पल्टूराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलरामपुर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	352-353
श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	353
श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)... ...	353
श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हाथरस से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	354
श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	354-355

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री प्रेम नरायन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	355
श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	356
श्री बृजेश कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	356-357
श्री बेचई सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	357
श्री बेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	358
श्री मनीष रावत, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं तथा प्रयागराज से सम्बन्धित 01 याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	358-359
श्री महेन्द्र नाथ यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (व्यपगत)	359
श्री महेन्द्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	359
श्री मूलचन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	359-360
श्री मोहम्मद हसन 'रूमी', सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)... ...	360
श्री मोहन वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद कुशीनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	360-361
श्री मौहम्मद फहीम इरफान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	361
श्री योगेश शुक्ला, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	361-362
श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	362
श्री रमेश जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद चन्दौली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	362-363

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री रमेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	363-364
श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	364
श्री राज प्रसाद उपाध्याय, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (व्यपगत)	364-365
श्री राजमणि कोल, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 04 याचिकाएं तथा जनपद भदोही से सम्बन्धित 01 याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	365
श्री राजपाल सिंह बालियान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	365-366
श्री राजेन्द्र कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	366-367
श्री राजेन्द्र सिंह पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	367
श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित 04 याचिकाएं तथा जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 01 याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	367-368
श्री राम फेरन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद श्रावस्ती से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	368-369
श्री राम अवतार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	369-370
श्री रामरतन कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद ललितपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	370
श्री राहुल राजपूत ''राहुल लोधी'', सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	370-371
श्री लकी यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	371-372
श्री लक्ष्मी राज सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	372

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद खीरी से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	372-373
याचिकाओं का उपस्थापन (जारी)	373
श्री वाचस्पति, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	373-374
श्री विकास गुप्ता, सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)	374
श्री विवेक कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	374-375
श्री विशम्भर सिंह यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद बांदा से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (व्यपगत)	375
श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	375-376
श्री श्याम सुन्दर, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	376
श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	376-377
श्री संग्राम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	377
श्री संदीप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	378
श्री समरपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	378-379
श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	379
श्री सर्वेश सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	380
श्री सुरेन्द्र चौरसिया, सदस्य, विधान सभा की जनपद देवरिया से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)	380-381

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री सौरभ श्रीवास्तव, सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	381
श्री स्वामी ओउ्मवेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (व्यपगत)	381
श्री हंसुराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	381-382
श्री हरिओम, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	382
श्री हरीश चन्द्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद बदायूं से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)	383
श्रीमती ओममणी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बांदा से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	383
श्रीमती गीता शास्त्री (पासी), सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	383-384
श्रीमती गुड़िया कठेरिया, सदस्य, विधान सभा की जनपद औरैया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	384
श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (व्यपगत)	385
श्रीमती विजमा यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	385
श्रीमती सरोज कुरील, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	385-386
श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	386
श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	387
श्री हरेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हापुड़ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं)	387-388
श्री महेश त्रिवेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गई)	388

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गईं) ...	388
श्री अध्यक्ष द्वारा सोविनियर्स (स्मृति चिन्ह) की दुकान के बारे में सूचना ...	389
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं	390-391
जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र सदर में टौंस नदी पर पुल बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री दुर्गा प्रसाद यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य... ...	391-393
जनपद गाजीपुर के विकास खण्ड सदर के ग्राम सभा जैतपुरा के प्रधान के कार्यों की टी0ए0सी0 जांच के सम्बन्ध में श्री वीरेन्द्र यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य ...	394
जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग से गौसगंज होते हुये नवादा मोड़ तक जर्जर मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में प्रो0 श्याम बिहारी लाल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य	395
पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चलने वाले यातायात में गोरखपुर-देवरिया, नगरा-रसड़ा पर कट न होने पर हो रही असुविधा के सम्बन्ध में श्री उमाशंकर सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर औद्योगिक विकास मंत्री का वक्तव्य	396-398
जनपद गोरखपुर में तरंग क्रासिंग ओवरब्रिज के नीचे ड्रेनेज सिस्टम व सड़क सुधार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल कुमार त्रिपाठी द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर नगर विकास मंत्री का वक्तव्य	399-401
जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र खुर्जा नगर में जेवर रोड रेलवे जंक्शन के पास एन0एच0-91 पर स्थित कैलाश हॉस्पिटल तक 4 किमी0 लम्बा बाइपास बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती मीनाक्षी सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य	401-402
जनपद चित्रकूट में कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में हो रही अनियमितताओं के सम्बन्ध में श्री अनिल प्रधान द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर कृषि मंत्री का केवल वक्तव्य ...	402-403

विषय			पृष्ठ संख्या
भदोही-मिर्जापुर सीमा पर सेमरा में व शास्त्री सेतु के पश्चिम मवैया के सामने कटान क्षेत्र से बांध बनाकर बाढ़ से बचाव के सम्बन्ध में श्री रत्नाकर मिश्रा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर जल शक्ति मंत्री का केवल वक्तव्य	...	...	404-405
नत्थियाँ	...	...	406-444

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा

सोमवार, दिनांक 27 फरवरी, 2023 ई0

विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11:00 बजे अध्यक्ष श्री सतीश महाना की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।

उपस्थित सदस्य-339

1. अंकित भारती, श्री — गाजीपुर
2. अंकुर तिवारी, श्री — सन्तकबीरनगर
3. अखिलेश, श्री — आजमगढ़
4. अखिलेश यादव, श्री — मैनपुरी
5. अजय, श्री — गोण्डा
6. अजय कुमार, श्री — बागपत
7. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
8. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
9. अतुल प्रधान, श्री — मेरठ
10. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
11. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
12. अनिल प्रधान, श्री — चित्रकूट
13. अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री — सन्तकबीरनगर
14. अनिल कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
15. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
16. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
17. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
18. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
19. अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्री — अलीगढ़
20. अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती — हाथरस
21. अभय सिंह, श्री — अयोध्या
22. अभिजीत सिंह 'साँगा', श्री — कानपुर नगर
23. अमन गिरि, श्री — लखीमपुर खीरी
24. अमरेश कुमार, श्री — लखनऊ
25. अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
26. अमित सिंह चौहान, डा0 — अयोध्या
27. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
28. अरमान खान, श्री — लखनऊ
29. अरुण कुमार, डॉ0 — बरेली
30. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
31. अलका सिंह, श्रीमती — हरदोई
32. अवधेश प्रसाद, श्री — अयोध्या
33. अवधेश सिंह, डॉ0 — वाराणसी
34. अशरफ अली खान, श्री — शामली
35. अशोक कुमार, श्री — रायबरेली
36. आकाश सक्सैना (हनी), श्री — रामपुर
37. आनन्द कुमार यादव, श्री — बहराइच
38. आर0 के0 पटेल, डॉ0 — जौनपुर
39. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़
40. आशा मौर्य, श्रीमती — सीतापुर
41. आशीष कुमार सिंह 'आशू', श्री — हरदोई
42. आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी', श्री — लखनऊ
43. आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री — बदायूं

44. आशुतोष शुक्ल, श्री उन्नाव
45. आशु मलिक, श्री सहारनपुर
46. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
47. उमर अली खान, श्री सहारनपुर
48. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
49. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
50. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
51. एम0 पी0 आर्य, डॉ0 बरेली
52. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
53. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
54. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
55. कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री आजमगढ़
56. कमाल अख्तर, श्री मुरादाबाद
57. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
58. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
59. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
60. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
61. कैलाश, श्री चन्दौली
62. कैलाश नाथ, श्री बलरामपुर
63. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
64. गणेश चन्द्र, श्री सन्तकबीरनगर
65. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
66. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
67. गुड़िया कठेरिया, श्रीमती औरैया
68. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
69. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
70. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
71. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
72. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
73. चन्द्रपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
74. चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), श्री फतेहपुर
75. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
76. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
77. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
78. जय कुमार सिंह जैकी, श्री फतेहपुर
79. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
80. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
81. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
82. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
83. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
84. जयमंगल, श्री महराजगंज
85. जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
86. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
87. जाहीद, श्री भदोही
88. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
89. जियाउर्रहमान, श्री मुरादाबाद
90. जी0 एस0 धर्मेश, डॉ0 आगरा
91. जीत लाल पटेल, श्री प्रतापगढ़
92. जै किशन साहू, श्री गाजीपुर
93. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
94. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
95. डी0 सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
96. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
97. त्रिभुवन दत्त, श्री अम्बेडकरनगर
98. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
99. दारा सिंह चौहान, श्री मऊ
100. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
101. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही

102. दीपक कुमार मिश्र ''शाका'', श्री देवरिया
103. दुधराम, श्री बस्ती
104. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
105. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
106. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
107. देवेन्द्र सिंह, श्री कासगंज
108. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बुलन्दशहर
109. धर्मराज सिंह यादव, श्री बाराबंकी
110. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
111. नन्दकिशोर, श्री गाजियाबाद
112. नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'', श्री प्रयागराज
113. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
114. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
115. नादिरा सुल्तान उर्फ बिटिया, श्रीमती कासगंज
116. नासिर कुरैशी, हाजी मुरादाबाद
117. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
118. निर्मल वर्मा, श्री सीतापुर
119. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
120. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
121. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
122. पंकज, श्री जौनपुर
123. पंकज कुमार मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
124. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
125. पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), श्री कुशीनगर
126. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
127. पल्लवी पटेल, डॉ0 कौशाम्बी
128. पिंकी सिंह, श्रीमती सम्भल
129. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
130. पूजा, श्रीमती आजमगढ़
131. पूनम संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
132. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
133. प्रकाश द्विवेदी, श्री बांदा
134. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
135. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री बुलन्दशहर
136. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
137. प्रदीप कुमार सिंह, श्री हाथरस
138. प्रदीप शुक्ला, श्री गोरखपुर
139. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
140. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
141. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
142. प्रवीण पटेल, श्री प्रयागराज
143. प्रसन्न कुमार, श्री शामली
144. प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री गोण्डा
145. प्रेम पाल सिंह धनगर, श्री फिरोजाबाद
146. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
147. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
148. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
149. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर
150. बाबूराम, श्री पीलीभीत
151. बाबूलाल, श्री आगरा
152. बावन सिंह, श्री गोण्डा
153. बिजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती देवरिया
154. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
155. बृजेश कटेरिया, इंजी0 मैनपुरी
156. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
157. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
158. बेदी, श्री गाजीपुर

159. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती — आगरा
160. ब्रजेश पाठक, श्री — लखनऊ
161. ब्रजेश यादव, श्री — बदायूं
162. ब्रिजेश, श्री — सहारनपुर
163. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री — आगरा
164. भूपेश चौबे, श्री — सोनभद्र
165. मदन भैया, श्री — मुजफ्फरनगर
166. मंजू त्यागी, श्रीमती — खीरी
167. मनीष असीजा, श्री — फिरोजाबाद
168. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री — कुशीनगर
169. मनीष रावत, श्री — सीतापुर
170. मनीषा, श्रीमती — हमीरपुर
171. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री — रायबरेली
172. मनोज कुमार प्रजापति, डॉ0 — हमीरपुर
173. मनोहर लाल, श्री — ललितपुर
174. मन्जू शिवाच, डॉ0 — गाजियाबाद
175. महबूब अली, श्री — अमरोहा
176. महेन्द्र, श्री — अमरोहा
177. महेन्द्र नाथ यादव, श्री — बस्ती
178. महेन्द्र पाल सिंह, श्री — गोरखपुर
179. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री — बदायूं
180. महेश त्रिवेदी, श्री — कानपुर नगर
181. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री — सिद्धार्थनगर
182. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री — हरदोई
183. मानवेन्द्र सिंह, श्री — शाहजहांपुर
184. मारिया अली, श्रीमती — बहराइच
185. मुकेश चौधरी, श्री — सहारनपुर
186. मुकेश चन्द्र वर्मा, डा0 — फिरोजाबाद
187. मुक्ता संजीव राजा, श्रीमती — अलीगढ़
188. मूल चन्द्र सिंह, श्री — जालौन
189. मेघश्याम, श्री — मथुरा
190. मो0 ताहिर खान, श्री — सुल्तानपुर
191. मोहन वर्मा, श्री — कुशीनगर
192. मोहम्मद हसन 'रूमी', श्री — कानपुर नगर
193. मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', श्री — कानपुर नगर
194. मौहम्मद फहीम इरफान, श्री — मुरादाबाद
195. योगेश धामा, श्री — बागपत
196. योगेश वर्मा, श्री — खीरी
197. योगेश शुक्ला, श्री — लखनऊ
198. रघुराज प्रताप सिंह, श्री — प्रतापगढ़
199. रजनी तिवारी, श्रीमती — हरदोई
200. रत्नाकर मिश्रा, श्री — मिर्जापुर
201. रमापति शास्त्री, श्री — गोण्डा
202. रमा शंकर सिंह, श्री — मिर्जापुर
203. रमेश, श्री — जौनपुर
204. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री — जौनपुर
205. रमेश जायसवाल, श्री — चन्दौली
206. रविदास मेहरोत्रा, श्री — लखनऊ
207. रवि शर्मा, श्री — झांसी
208. रवीन्द्र जायसवाल, श्री — वाराणसी
209. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री — अलीगढ़
210. रश्मि आर्य, डॉ0 — झांसी
211. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री — महोबा
212. आर0 के0 वर्मा, डॉ0 — प्रतापगढ़
213. राकेश प्रताप सिंह, श्री — अमेठी
214. राकेश पाण्डेय, श्री — अम्बेडकरनगर
215. राकेश राठौर, श्री — सीतापुर

216. राकेश सचान, श्री कानपुर देहात
217. रागिनी, डॉ0 जौनपुर
218. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 बरेली
219. राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री इटावा
220. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
221. राजपाल सिंह बालियान, श्री मुजफ्फरनगर
222. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री सुल्तानपुर
223. राजमणि, श्री प्रयागराज
224. राजीव कुमार, श्री अमरोहा
225. राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
226. राजीव सिंह ''पारीक्षा'', श्री झाँसी
227. राजेन्द्र कुमार, श्री प्रतापगढ़
228. राजेन्द्र कुमार, श्री मऊ
229. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
230. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
231. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर
232. राजेश चौधरी, श्री मथुरा
233. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
234. राजेश्वर सिंह, श्री लखनऊ
235. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
236. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
237. राम अवतार सिंह, श्री बिजनौर
238. रामकृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
239. रामकेश निषाद, श्री बांदा
240. रामखिलाड़ी सिंह, श्री सम्भल
241. राम चन्द्र यादव, श्री अयोध्या
242. रामदुलार, श्री सोनभद्र
243. रामनरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
244. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
245. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
246. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर
247. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
248. राम मूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
249. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
250. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
251. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
252. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
253. लकी यादव, श्री जौनपुर
254. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
255. लक्ष्मी राज सिंह, श्री बुलन्दशहर
256. लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
257. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
258. वाचस्पति, श्री प्रयागराज
259. विजमा यादव, श्रीमती प्रयागराज
260. विजयपाल (आढ़ती), श्री हापुड़
261. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
262. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
263. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर
264. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
265. विनोद कुमार बिन्द, डॉ0 मिर्जापुर
266. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
267. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
268. विपिन कुमार डेविड, श्री एटा
269. विपुल दुबे, श्री भदोही
270. वीरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
271. विवेक कुमार वर्मा, श्री पीलीभीत
272. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर

273. वीर विक्रम सिंह, श्री — शाहजहांपुर
274. वीरेन्द्र चौधरी, श्री — महराजगंज
275. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री — एटा
276. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री — अयोध्या
277. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री — देवरिया
278. शशांक त्रिवेदी, श्री — सीतापुर
279. शशांक वर्मा, श्री — खीरी
280. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री — बरेली
281. शाहिद मंजूर, श्री — मेरठ
282. शिव प्रताप यादव, डॉ0 — बलरामपुर
283. शिवपाल सिंह यादव, श्री — इटावा
284. श्याम प्रकाश, श्री — हरदोई
285. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 — बरेली
286. श्यामधनी राही, श्री — सिद्धार्थनगर
287. श्याम सुन्दर, श्री — रायबरेली
288. श्रीकान्त कटियार, श्री — उन्नाव
289. श्रीकान्त शर्मा, श्री — मथुरा
290. श्रीराम चौहान, श्री — गोरखपुर
291. संग्राम यादव, डॉ0 — आजमगढ़
292. संग्राम सिंह, श्री — बलिया
293. संजय कुमार शर्मा, श्री — बुलन्दशहर
294. संजय सिंह गंगवार, श्री — पीलीभीत
295. संजीव अग्रवाल, श्री — बरेली
296. संजीव कुमार गोंड, श्री — सोनभद्र
297. संजीव कुमार दिवाकर, श्री — एटा
298. संदीप कुमार सिंह, श्री — अलीगढ़
299. संदीप सिंह, श्री — प्रयागराज
300. सचिन यादव, श्री — फिरोजाबाद
301. सतीश चन्द्र शर्मा, श्री — बाराबंकी
302. सतीश महाना, श्री — कानपुर नगर
303. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री — कासगंज
304. सभाकुंवर, श्री — देवरिया
305. समरपाल सिंह, श्री — अमरोहा
306. सरवन कुमार निषाद, इंजी0 — गोरखपुर
307. सरिता भदौरिया, श्रीमती — इटावा
308. सरोज कुरील, श्रीमती — कानपुर नगर
309. सरोज सोनकर, श्रीमती — बहराइच
310. सलोना कुशवाहा, श्रीमती — शाहजहांपुर
311. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री — बाराबंकी
312. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री — प्रयागराज
313. सुनील कुमार शर्मा, श्री — गाजियाबाद
314. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर — फर्रुखाबाद
315. सुनील पटेल, डॉ0 — वाराणसी
316. सुभाष त्रिपाठी, श्री — बहराइच
317. सुरभी, डॉ0 — फर्रुखाबाद
318. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री — कुशीनगर
319. सुरेन्द्र चौरसिया, श्री — देवरिया
320. सुरेन्द्र मैथानी, श्री — कानपुर नगर
321. सुरेश कुमार, श्री — अमेठी
322. सुरेश कुमार खन्ना, श्री — शाहजहांपुर
323. सुरेश राही, श्री — सीतापुर
324. सुशांत सिंह, कुँवर — बिजनौर
325. सुशील कुमार शाक्य, श्री — फर्रुखाबाद
326. सुहेब उर्फ मन्नु अन्सारी, श्री — गाजीपुर
327. सैय्यदा खातून, श्रीमती — सिद्धार्थनगर
328. सोमेन्द्र सिंह तोमर, डॉ0 — मेरठ
329. सौरभ श्रीवास्तव, श्री — वाराणसी
330. स्वामी ओउ्मवेश, श्री — बिजनौर

331. हंसु राम, श्री — बलिया
332. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री — खीरी
333. हरिओम, श्री — कासगंज
334. हरिप्रकाश वर्मा, श्री — शाहजहांपुर
335. हरीश चन्द्र, श्री — बदायूं
336. हरेन्द्र सिंह, श्री — हापुड़
337. हाकिम लाल बिन्द, श्री — प्रयागराज
338. हिमान्शु यादव, श्री — बदायूं
339. हृदय नारायण सिंह पटेल, श्री — आजमगढ़

नोट :- मत्स्य मंत्री (श्री संजय निषाद), सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर), तथा आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु') भी सदन में उपस्थित थे।

[11:00] प्रश्नोत्तर

नत्थी (क)

तारांकित प्रश्न

प्रदेश के जनपदों में ट्रामा सेन्टर स्थापित करने तथा प्रदेश में न्यूरोलॉजी चिकित्सकों की नियुक्ति के सम्बन्ध में

*1-**श्री प्रसन्न कुमार-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के किन-किन जनपदों में ट्रामा सेन्टर स्थापित हैं तथा उक्त में से कितनों में न्यूरोलॉजी डॉक्टर्स नियुक्त हैं ? क्या सरकार ऐसे ट्रामा सेन्टर्स जिनमें न्यूरोलॉजी के चिकित्सक नहीं हैं, में जनहित में इनकी नियुक्ति करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

उप मुख्य मंत्री (श्री ब्रजेश पाठक)-

प्रदेश के 35 जनपदों में कुल 36 ट्रामा सेन्टर स्थापित हैं, जिसकी सूची संलग्न है। उक्त 36 ट्रामा सेन्टरों में से वर्तमान में 03 पूर्णरूप से क्रियाशील, 28 आंशिक क्रियाशील एवं 05 अक्रियाशील हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के ट्रामा सेन्टर में न्यूरोलॉजी चिकित्सक का पद सृजित नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में सेकेन्डरी केयर की सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। न्यूरोलॉजी की चिकित्सा सेवा टर्सियरी केयर के अन्तर्गत आती है, जो चिकित्सा शिक्षा विभाग के अन्तर्गत मेडिकल कालेजों एवं संस्थानों में उपलब्ध है।

श्री जाहीद-

माननीय अध्यक्ष जी मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है।

श्री अध्यक्ष-

अभी विधान सभा तो शुरू ही नहीं हुई है, व्यवस्था कहां से आ जाएगी, अभी तो कुछ शुरू ही नहीं किया। शुरू होने से पहले अगर कोई व्यवस्था उठा सकता है, तो बेग साहब आप ही उठा सकते हैं। शुरू होने से पहले अगर कोई व्यवस्था उठा सकता है, तो जाहीद बेग ही हो सकते हैं और कोई नहीं हो सकता है कि व्यवस्था से पहले व्यवस्था का प्रश्न। आप बैठ जाएं मैं प्रश्न ले रहा हूँ।

श्री प्रसन्न कुमार-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे प्रश्न पूछने का समय दिया। औसतन 50 से 60 मौतें प्रदेश में हर दिन होती हैं। आपातकालीन स्थिति में यदि मरीज को सही समय पर सही ट्रीटमेंट, सही डाक्टर और दवाइयां मिल जाएं तो वह बच सकता है। यह सम्भव है। परन्तु सरकार वादे तो बड़े-बड़े करती है। धरातल पर कुछ नहीं होता, फाइलें दफ्तर जाती रहती हैं, मेरा जिला शामली जिला है, और बीते वर्ष शामली जिले में 265 मौतें एक्सीडेंट से हुई हैं और कमाल की बात है 6 सितम्बर, 2020 में अखबार में खबर छपी कि एक करोड़ बीस लाख रुपये से ट्रॉमा सेन्टर शामली जिले में बन रहा है। लोगों को बड़ी खुशी हुई। लेकिन पता चला कि वह तो फाइल का हिस्सा बन कर रह गई। आज का जो प्रश्न है मेरा माननीय उप मुख्य मंत्री जी से कि इस प्रदेश में कितने ट्रामा सेन्टर हैं और सवाल का जवाब भी मुझे मिला है। लेकिन कुछ उलझा सा है, बताया गया है 36 ट्रामा सेन्टर खुले हैं। लिखने को 36 हैं, लेकिन काम 3 कर रहे हैं। इसमें बड़ी बात यह है कि काम 3 कर रहे हैं। मैं माननीय उप मुख्य मंत्री जी से यह कह रहा हूं कि 3 ही कह देते हैं कि ट्रामा सेन्टर हैं। जिन्दगी बचाने के लिए इस प्रदेश में कम से कम 75 ट्रामा सेन्टर होने चाहिए थे और उनमें से फाइलों में 36 हैं, 28 तो ऐसे हैं जो बिल्कुल काम ही नहीं कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

वह तो उत्तर में आ गया है आप अनुपूरक पूछिए।

श्री प्रसन्न कुमार-

माननीय अध्यक्ष जी, प्रश्न मेरा यही है कि यह जो पूर्णकालिक काम कर रहे हैं माननीय उप मुख्य मंत्री जी बताने का कष्ट करें कि यह क्या परिभाषा है कि सेन्टर 36 हैं और काम 3 कर रहे हैं। दूसरा प्रश्न यह है कि क्या शामली जिले में जो घोषणा हुई थी तो क्या वहां भी ट्रामा सेन्टर बनेगा कि नहीं बनेगा।

श्री ब्रजेश पाठक-

माननीय अध्यक्ष जी, हमारी प्रतिबद्धता है कि हम प्रदेश के सभी लोगों को उच्च कोटि की चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करायें। हमारी सरकार ने 2017 से लेकर अब तक इस दिशा में कड़े कदम उठाए हैं। चिकित्सकों की पहले कमी थी पहले मात्र सरकारी क्षेत्र में 13 मेडिकल कालेज थे। आज हम हर जनपद में मेडिकल कालेज खोल रहे हैं। चिकित्सकों को तैयार कर रहे हैं और ट्रामा सेन्टर हमारे पास अभी 36 चल रहे हैं। 36 के बारे में मैंने बताया कि चिकित्सकों की कमी की वजह से यह दिक्कत खड़ी हुई है और इसके लिये हमने परिवर्तन भी किया है। हमने विशेषज्ञ चिकित्सकों के 2382 पदों के अधियाचन भेजे हैं। इसके अतिरिक्त 1199 एन0एच0एम0 के अन्तर्गत संविदा पर रखे जाने हैं। विशेषज्ञ चिकित्सक सरकारी सेवाओं

में आने से कतराते थे इसीलिये अभी जो विज्ञापन हमने निकाला है जिसकी लास्ट डेट 18 मार्च है, उसमें खास बात यह है कि हमनें उनके वेतन को अभी मैक्सिमम 05 लाख तक बढ़ाया है। जैसे ही विशेषज्ञ चिकित्सक हमें मिलेंगे हम सभी ट्रामा सेन्टरों में व्यवस्थित ढंग से तथा सुचारु रूप से इलाज की व्यवस्था करायेंगे। इसके अलावा सभी मेडिकल कालेजों में हमारे जो ट्रामा सेन्टर चल रहे हैं उन सभी में टर्शियरी केयर की सुविधा उपलब्ध है। उन मेडिकल कालेजों में भी उच्च कोटि की चिकित्सा सुविधा मिले, इसके लिये भी प्रतिबद्धता के साथ हम काम कर रहे हैं। मैं शामली के बारे में मा0 सदस्य को बताना चाहता हूँ कि इनकी चिन्ता से मैं सहमत हूँ और वहाँ पर मैं दिखवा करके शीघ्र से शीघ्र कराने का प्रयास करूँगा।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य, मा0 मंत्री जी ने आश्वासन दे दिया है। अब अगला प्रश्न मा0 पंकज मलिक जी का है।

प्रदेश के जिला चिकित्सालयों में ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट की स्थापना के सम्बन्ध में

***2-श्री पंकज कुमार मलिक-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के किन जिला चिकित्सालयों में डेंगू के मरीजों के इलाज हेतु प्लेटलेट्स की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु कुल कितने ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट की स्थापना की गई है ? क्या सरकार प्रत्येक जनपद में ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट की स्थापना पर विचार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश के कुल 28 जिला चिकित्सालयों में डेंगू के मरीजों के इलाज हेतु प्लेटलेट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु एक-एक ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट संचालित है। (सूची संलग्न है)†

प्रदेश के 46 जनपदों में ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट की स्थापना/संचालन से सम्बन्धित कार्य पूर्ण हो गया है तथा उपकरण की उपलब्धता की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उक्त के संचालन हेतु मानव संसाधन का प्रशिक्षण कराया जा चुका है। जनपद एटा का जिला चिकित्सालय स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय में परिवर्तित हो चुका है।

उपरोक्तानुसार।

---

† देखिये नत्थी (क) आगे पृष्ठ संख्या-406 पर।

श्री पंकज कुमार मलिक-

मा0 अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैंने एक सवाल पूछा था कि क्या सरकार प्रत्येक जनपद में ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट की स्थापना करेगी ? सरकार का जवाब आया है कि 46 जनपदों में यह प्रोसेस में है। मैंने सभी जनपदों के बारे में पूछा था। मान्यवर, मुजफ्फरनगर में चल रहा है इसके लिये मैं धन्यवाद प्रकट करता हूँ। जैसे जनपद शामली की चर्चा हुयी तो अनुरोध है कि इन 46 जनपदों का आपने जो ब्यौरा दिया है, सभी जगह बहुत बुरा हाल है, कहीं-कहीं 40 प्रतिशत सामान पहुँचा है। मैं सिर्फ यह जानना चाहता हूँ कि अगर सरकार की मंशा पूरे प्रदेश को यह सुविधा उपलब्ध कराने की है तो इसमें विलम्ब क्यों हो रहा है ? मान्यवर, मेरा एक सवाल और है कि डेंगू चूंकि एक गम्भीर बीमारी है और जब हमारे पास अस्पताल अच्छे हैं, डाक्टर अच्छे हैं तो डेंगू के मरीजों को हायर सेन्टर पर क्यों भेजा गया ? मेरा तीसरा सवाल है कि क्या ऐसी कोई मशीन है जिसे एफेरेसिस मशीन कहते हैं, हो सकता है कि मुझे जो जानकारी मिली है वह सही है कि इसकी कैपेसिटी बहुत ज्यादा है और इसमें शायद कुछ ज्यादा प्लेटलेट्स बनती है और प्लेटलेट्स के जम्बो पैक बनते हैं। शायद कुछ मेडिकल कालेजों में यह मशीन उपलब्ध है। क्या सरकार इस पर विचार करेगी कि यह मशीन सभी अस्पतालों में उपलब्ध हो जाये ?

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी।

श्री ब्रजेश पाठक-

मा0 अध्यक्ष जी, हम सभी जनपदों में ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट लगाने पर काम कर रहे हैं। अभी 28 जनपदों में यह स्थापित हैं और 46 में जहाँ पर कुछ दिक्कतें बतायी हैं हम इसको 04 माह में पूरा करने का हर सम्भव प्रयास करेंगे। इसके अतिरिक्त हमारे 35 सरकारी मेडिकल कालेजों में भी ब्लड सेपरेशन यूनिट स्थापित है। यह हम प्राईवेट को छोड़कर बता रहे हैं कि 35 सरकारी मेडिकल कालेजों में यह व्यवस्था उपलब्ध है तथा कैन्सर संस्थान में अतिरिक्त रूप से यह व्यवस्था उपलब्ध है। हम प्रतिबद्ध हैं तथा जो कमियाँ हैं उनको हम लगातार दुरुस्त कर रहे हैं। हम इसको शीघ्र से शीघ्र करायेंगे, इसके लिये हमसे अफसरों ने 04 माह का समय लिया है। समय तो कम लिया है, लेकिन हमनें अपनी तरफ से 01 माह अतिरिक्त बढ़ा दिया है जिससे हमको कहने में दिक्कत न हो।

श्री पंकज कुमार मलिक-

मान्यवर, इसमें शामली को भी शामिल कर लें।

श्री ब्रजेश पाठक-

मा0 अध्यक्ष जी, इसमें शामली भी शामिल है।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद।

प्रदेश की आम जनता को सरकारी व निजी अस्पतालों में सस्ती और अच्छी दवायें उपलब्ध कराये जाने विषयक

***3-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के लोगों का सरकारी व निजी अस्पतालों में महंगी ब्रांडेड दवाओं के नाम पर हो रहे आर्थिक शोषण से सरकार परिचित है ? यदि हां, तो क्या सरकार आम जनता को सस्ती और अच्छी दवाएं उपलब्ध कराने हेतु अस्पतालों में जेनेरिक दवाएं साल्ट के नाम सहित लिखने और उनकी उपलब्धता रेट लिस्ट सहित सुनिश्चित कराने की योजना बनाएगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

सरकारी चिकित्सालयों में दवाई मुफ्त उपलब्ध करायी जाती है। निजी अस्पताल/चिकित्सक ब्राण्डेड अथवा जेनेरिक दवायें अपने स्वविवेक अनुसार प्रेस्क्राइब करते हैं। सरकार द्वारा प्रदेश के लोगों को महंगी ब्राण्डेड दवाओं से होने वाले अतिरिक्त खर्च से बचाने के लिए प्रदेश के निजी क्षेत्र व राजकीय चिकित्सालयों में कुल 1267 जन औषधि केन्द्र खोले गये हैं।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अन्तर्गत जन सामान्य को गुणवत्तापरक नान ब्राण्डेड जेनेरिक औषधियां सस्ती दरों पर उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था की गयी है तथा राजकीय चिकित्सालयों के चिकित्सकों को जेनेरिक दवाओं के आधार पर ही चिकित्सीय परामर्श प्रदान किये जाने हेतु शासनादेश निर्गत किया जा चुका है। जन औषधि केन्द्रों में जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता भारत सरकार के रासायनिक एवं उर्वरक मंत्रालय के अधीन नामित संस्था पी0एम0बी0आई0 (फार्मास्यूटिकल्स एण्ड मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इण्डिया) द्वारा की जाती है। जेनेरिक औषधियों की रेट लिस्ट सम्बन्धित स्टोर पर प्रदर्शित की जाती है।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

मा0 अध्यक्ष जी, सभी लोग इस बात से परिचित हैं कि सरकारी तथा निजी दोनों तरह के अस्पतालों को बीमारी जैसे ही इलाज की जरूरत है। जहाँ सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं का अभाव है तो निजी अस्पतालों में भी मरीजों के इलाज से ज्यादा उसके आर्थिक शोषण का इन्तजाम है। ज्यादातर सरकारी डाक्टर साल्ट की बजाय ब्राण्डेड दवाएं लिखते हैं। प्राईवेट अस्पताल मोटी ओ0पी0डी0 फीस, विभिन्न गैरजरूरी जाँचों तथा ब्राण्डेड दवाओं के जरिये मरीजों को बीमारी से शारीरिक नुकसान से ज्यादा आर्थिक नुकसान पहुँचा रहे हैं। हम

जिस इमारत में इस बिन्दु पर चर्चा कर रहे हैं उसी के नीचे चल रहे होम्योपैथिक अस्पताल तक में डाक्टर बाहर से दवाई खरीदने के लिये पर्चा लिखने को मजबूर हैं। साल्ट का नाम न लिखने, जन औषधि केन्द्रों पर नाम मात्र की दवाएं उपलब्ध होने तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा जन औषधि केन्द्र नहीं खुलने की वजह से जेनेरिक दवा खरीदना सम्भव नहीं हो पा रहा है। इसी गम्भीर परिस्थिति के मद्देनजर मैं सरकार को जनता के हितों का रक्षक मानते हुये मा0 मंत्री जी से पूछना चाहूँगा कि क्या मा0 मंत्री जी मेरे द्वारा बतायी गयी स्थिति से सहमत हैं ? क्या मा0 मंत्री जी सरकार को प्राईवेट डाक्टरों द्वारा मरीजों के हो रहे उपरोक्त शोषण को रोकने में सक्षम मानते हैं और यदि सक्षम नहीं मानते तो क्या मा0 मंत्री जी सरकार को इस हेतु सक्षम बनाने के लिये कोई कानून बनाने का आश्वासन यहाँ पर देंगे ? मा0 अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से पूछना चाहूँगा कि क्या सरकार डाक्टरों को प्रदेश में इलाज हेतु अस्पताल खोलने हेतु पंजीकरण एवं अनुमति देते समय उपरोक्त समस्याओं के निदानों को शर्तों के रूप में शामिल करेगी ? मा0 मंत्री जी, एक बहुत खास और गम्भीर बात है।

मा0 अध्यक्ष जी एक बहुत ही खास प्रश्न है हेपेटाइटिस-सी जो मेरी विधान सभा क्षेत्र के कई गांवों में बहुत बुरी तरह से फैला हुआ है यह एक बहुत बड़ी परेशानी है जिससे लोगों को बड़ी ही दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। क्या मा0 मंत्री जी हेपेटाइटिस सी की दवाई जिला अस्पताल के साथ ही प्रत्येक सी0एच0सी0 में भी उपलब्ध कराने और प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जन औषधि केन्द्र खोलने का आश्वासन देंगे ?

श्री ब्रजेश पाठक-

मा0 अध्यक्ष जी हम जेनरिक दवाईयाँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मा0 प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में उनके आशीर्वाद से यह योजना शुरू हुई और इसके लिए पूरे प्रदेश में 1267 जन औषधि केन्द्र हैं और इसके अलावा इसमें 155 सरकारी अस्पतालों में औषधि केन्द्र हैं, शेष निजी क्षेत्र में हैं। यह आंकड़ा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 9 हजार जन औषधी केन्द्र पूरे देश में हैं और अपने प्रदेश में 1267 की संख्या है। हम लगातार इस दिशा में काम कर रहे है और आज ही हम वाराणसी में 6 केन्द्रों का उद्घाटन करने जा रहे हैं। यह योजना 7 मार्च को आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने पूरे देश में जन औषधि केन्द्र के रूप में लागू की थी। जहां तक विषय हेपेटाइटिस की दवाईयों का है, हमारी जो एसेंशियल ड्रग लिस्ट है उसकी दवाईयाँ सभी जिला स्तरीय अस्पतालों में उपलब्ध रहती हैं, सी0एच0सी0 की अलग ड्रग लिस्ट है और पी0एच0सी0 की अलग ड्रग लिस्ट है। इसके अलावा यदि कोई समस्या है तो हम मा0 सदस्य से बात करके एसेंशियल ड्रग लिस्ट के अनुसार दवाईयाँ उपलब्ध कराने के लिए सुनिश्चित करेंगे।

श्री अध्यक्ष-

इरफान जी आपको कुछ पूछना है।

श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

नहीं मान्यवर।

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी मैं आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं मा0 मंत्री जी के संज्ञान में इस बात को लाना चाहता हूँ कि इसी तरह का मेरा भी प्रश्न था लेकिन उसे अतारांकित कर दिया गया। मैं दोनों उत्तरों की तुलना कर रहा था एक तारांकित प्रश्न जो कि मा0 इरफान जी का था उसके उत्तर में आपने लिखा है कि निजी क्षेत्र व राजकीय चिकित्सालयों में कुल 1267 जन औषधि केन्द्र खोले गये हैं और जो अतारांकित प्रश्न का उत्तर आया है उसमें संचालित जन औषधि केन्द्र की पूर्व संख्या 1357 है। यह दोनों उत्तर आपके ही द्वारा तैयार किए गये हैं लेकिन दोनों के जवाब अलग-अलग हैं। इससे मुझे लगता है कि इसमें कहीं न कहीं बहुत बड़ी लापरवाही हुई है और मुझे लगता है कि इसका आप जरूर संज्ञान लेंगे।

श्री ब्रजेश पाठक-

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 सदस्य ने जो कहा है हम उसका जरूर संज्ञान लेंगे और इसमें यदि कहीं कोई गड़बड़ी हुई है तो हम इसकी जांच भी करायेंगे और इसमें कार्यवाही भी होगी लेकिन हम प्रतिबद्धता के साथ फिर दोहरा रहे हैं कि ऐसी हमारे पास रोज दरखास्तें आती हैं और हो सकता है कि उस संख्या को लोगों ने शामिल किया हो, अगर त्रुटि हुई है तो हम इसमें सुधार जरूर करेंगे।

श्री समरपाल सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश के जो प्राइवेट अस्पताल हैं उनमें गरीबों का ईलाज कराने के लिए कितने प्रतिशत का प्राविधान किया गया है? गरीब का कोई इलाज नहीं करता, आप जो प्राइवेट अस्पतालों को लाइसेंस देते हैं उसमें कहा जाता है कि 10 प्रतिशत ईलाज मुफ्त किया जायेगा, लेकिन ऐसा कहीं नहीं होता है। कई प्राइवेट अस्पतालों में तो मैंने देखा है कि मरीज की मृत्यु हो जाती है और अस्पताल वाले उसकी बॉडी तक नहीं देते हैं, वह कहते हैं कि पहले पैसा जमा करो तब बॉडी मिलेगी। एक गरीब आदमी कहता है कि मेरे पास तो अन्तिम संस्कार करने के पैसे नहीं हैं, मैं पैसे कैसे जमा कर दूँ। क्या मा0 मंत्री जी बतायेंगे कि गरीबों के लिए इसमें क्या प्राविधान है ?

श्री ब्रजेश पाठक-

मा0 अध्यक्ष जी, जो प्राइवेट अस्पताल हैं उनको यदि हम सरकारी जमीन उपलब्ध कराते हैं तो एग्रीमेन्ट में इस चीज का प्राविधान होता है, लेकिन जो अपनी जमीन पर प्राइवेट अस्पताल बनाते हैं उसमें इस प्रकार का अनुबन्ध उनसे नहीं किया जाता है। यदि मा0 सदस्य की कोई स्पेसिफिक शिकायत है तो हम जांच कराकर कार्रवाई जरूर करेंगे।

***4-डॉ0 आर0 के0 वर्मा-**

[विस्तीर्णता के आधार पर निरस्त।]

प्रदेश में स्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा उच्च प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मानकानुसार पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति के सम्बन्ध में

***5-श्री मनोज कुमार पाण्डेय-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में स्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा उच्च प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में पैरामेडिकल के कितने पद स्वीकृत हैं तथा स्वीकृत पदों के सापेक्ष कितने पैरामेडिकल स्टाफ नियुक्त हैं ? क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर मानकानुसार पैरामेडिकल स्टाफों की तैनाती करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश में स्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा उच्च प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में पैरामेडिकल स्टाफ के कुल 10480 पद स्वीकृत हैं, जिनके सापेक्ष 8004 पदों पर पैरामेडिकल कार्मिक कार्यरत हैं।

जी हाँ।

पैरामेडिकल संवर्ग के फार्मासिस्ट तथा एक्स-रे टेक्नीशियन के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु अधियाचन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 के माध्यम से संविदा पर फार्मासिस्ट के 1478 कार्मिक तथा एक्स-रे टेक्नीशियन के 195 कार्मिक कार्यरत हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका आभार प्रकट करूँगा कि स्वास्थ्य जैसे महत्पूर्ण मुद्दे पर हमारे इस प्रश्न पर आपने बोलने का और अनुपूरक प्रश्न पूछने का अवसर दिया। आज स्वास्थ्य देश के लिए और देश में रहने वाले नागरिकों के लिए सबसे बड़ी एक आवश्यकता है। जहां पर पूरे विश्व में कोविड जैसी महामारी आई हो और उसके बाद डेंगू और अन्य तरह के तमाम संक्रामक रोग बहुत तेजी से प्रदेश और देश में आ रहे हैं। हम लोगों के यहां ग्रामीण अंचलों में सी0एच0सी0 और पी0एच0सी की व्यवस्था है । जब कोई दुर्घटना होती है या कोई मरीज इस तरह के बड़े रोगों से ग्रसित होता है तो सबसे पहले वह अपने निकटतम सी0एच0सी0 और पी0एच0सी0 पर जाता है। मा0 मंत्री जी स्थिति यह है कि तमाम सी0एच0सी0 और पी0एच0सी0 को अगर हम रिफर हॉस्पिटल कह दें तो कोई बेजा नहीं होगा। किसी मरीज के सर से खून बहता हुआ अगर देख लिया तो सी0एच0सी0 और पी0एच0सी0

वाले पट्टी भी नहीं करेंगे और जिला अस्पताल भेज देंगे और जिला अस्पताल वाले कहते हैं कि यह हेड इंजरी है इसे ट्रामा भेज दीजिए। आज तमाम जगहों पर यह समस्या आ रही है कि पैरामेडिकल स्टाफ जो आपकी स्वीकृति है उसके सापेक्ष बहुत कम है।

आपने हमारे प्रश्न का जो उत्तर दिया है उसमें स्वयं माना है कि दस हजार चार सौ अस्सी के सापेक्ष 8004 पैरामैडिकल स्टाफ है। लगभग 2200 पैरामेडिकल स्टाफ आपने स्वयं माना है कि आज की तारीख में कम है। पैरामेडिकल स्टाफ में अगर कम्पाउण्डर नहीं है तो सुई नहीं लगेगी। एनेस्थीसिया देने वाला नहीं है तो आपरेशन नहीं होंगे। एक्स-रे टैक्नीशियन नहीं है तो एक्स-रे नहीं होगा। अल्ट्रासाउण्ड के लिए व्यवस्था है, मशीन है मगर चलाने वाला नहीं है तो अल्ट्रासाण्ड नहीं हो पायेगा। माननीय मंत्री जी हम आपसे कहना भी चाहते हैं, पूछना भी चाहते हैं और सुझाव भी देना चाहते है कि जहां आपने लिखा कि बहुत जल्द इनकी नियुक्ति हम करेंगें। नियुक्ति के लिए सरकार प्रक्रियाधीन है। मैं आपसे यह प्रश्न पूछना चाहता हूं जो हमारा स्पष्ट प्रश्न है कि क्या सरकार के पास यह आंकड़े हैं कि उत्तर प्रदेश के सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 जिनमें एक डाक्टर के अलावा कोई आपके कुछ पैरामेडिकल स्टाफ नहीं है। हमारे पास कुछ दृष्टान्त हैं। दूसरा सी0एच0सी0 नेशनल हाई-वे पर स्थापित है और वहां आये दिन एक्सीडेन्ट और दुर्घटनाओं की बड़ी घटनायें होती हैं। इनको पूर्व में एक राज्य सरकार ने चिन्हित कराया था कि एक्सीडेन्ट बाहुल्य क्षेत्र कौन से हैं। ऊंचाहार में सी0एच0सी0 है। नेशनल हाई-वे पर स्थापित है। एन0टी0पी0सी0 परियोजना है वहां ब्वायलर फट गया था। 450 लोग घायल हुए थे, 96 लोगों की मृत्यु हुई थी। स्थिति यह थी कि हास्पिटल में कोई स्टाफ नहीं था। हम माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी का धन्यवाद देंगे। वे उस समय स्वास्थ्य मंत्री थे। इन्होंने हमारा फोन उठाया, हमने दुर्घटना बताई उसके बाद भी न जिले में कोई इलाज हो पाया न सी0एच0सी0 में। लखनऊ में आपने खुद जाकर कुछ लोगों को भर्ती कराया। ऐसे सी0एच0सी0 जो नेशनल हाई-वे पर स्थित हैं। दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में आते हैं। ऐसी बड़ी परियोजनाएं वहां पर लगी हुई हैं क्या उनको मिनी ट्रामा सेन्टर के रूप में सुविधायें देने पर सरकार विचार करेगी ? उसमें एक ऊंचाहार भी है। दूसरा हमारा प्रश्न है कि कोविड के समय बड़ी संख्या में वेन्टीलेटर लिये गये थे। उन वेन्टीलेटरों को जहां राज्य सरकार ने लिये थे वहीं बड़ी संख्या में स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी सरकार को सहयोग के रूप में उपलब्ध कराये थे। ऐसे कितने वेन्टीलेटर स्टेट ने क्रय किये हैं या उपलब्ध हैं ? उसके सापेक्ष जो पैरामेडिकल स्टाफ नार्म के हिसाब से होना चाहिए, वह कितने हैं ? वेन्टीलेटर के सापेक्ष कितने पैरामेडिकल स्टाफ की और आवश्यकता है ?

श्री ब्रजेश पाठक-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने जो सवाल पूछा है, यह पेरामेडिकल स्टाफ के बारे में है। हमने बताया कि दस हजार चार सौ अस्सी हमारे पास पद स्वीकृत हैं। जिसके अगेंस्ट हमारे पास आठ हजार चार पद हैं। इसके अलावा हमने तात्कालिक रूप से पदों को

भरने के लिए संविदा और आउट सोर्सिंग के माध्यम से रखा है। ऐसे हमारे पास चौदह सौ अठहत्तर कार्मिक संविदा पर हैं। 195 एक्स-रे टेक्नीशियन संविदा पर हैं। कुल मिलाकर 9677 पैरामेडिकल स्टाफ प्रदेश में काम कर रहा है। 803 की वैकेन्सी अभी है। इसके लिए हमने 677 का अधियाचन अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को भेजा है। जिसमें 456 एक्स-रे टेक्नीशियन हैं, 221 फार्मासिस्ट हैं। शेष जो पद हैं वे सीधी भर्ती के न होकर प्रमोशन से भरे जाने को लेकर हैं। इस पर हम कार्यवाही कर रहे हैं। अगला सवाल हाई-वे पर सी0एच0सी0 को ट्रामा सेन्टर बनाये जाने को लेकर है। जो दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र हैं। अभी पूर्व के सवाल के जवाब में बताया है कि हमारे पास 2017 के पहले जो हालात थे चिकित्सक हमारे पास नहीं थे। टर्शरी केयर के चिकित्सक डिस्ट्रिक्ट हेड क्वार्टर पर उपलब्ध करा पाये हैं। मेडिकल कालेज में हम दे पाये हैं। हमारी प्राथमिकता है। जैसे-जैसे हमारे पास चिकित्सक उपलब्ध होते जायेंगे। हम आगे बढ़ते जायेंगे। हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि हम बिल्कुल भी, जरा सी कहीं किसी स्तर पर लापरवाही नहीं होने देंगे। हर स्थिति से निपटने के लिए हमारी सरकार तत्पर है।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 अध्यक्ष जी, मैंने मा0 मंत्री जी से सवाल पूछा था कि दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र और जहां पर इस तरह की घटनाएं हुई हैं अधिक ऐसे 10-12 ही स्थान उत्तर प्रदेश में होंगे। हमारे ऊंचाहार में पिछले पांच वर्षों में 3458 एक्सीडेंट हुए जिसमें 2922 लोगों की इसमें जान गयी अगर आप देखेंगे तो यह उत्तर प्रदेश का सबसे दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र है जो कि नेट पर भी दिखाई दे रहा है। मैंने आपसे पूछा कि क्या सरकार उसे पैरा मिनी ट्रामा सेन्टर के रूप में सुविधाएं प्रदान कराएंगी। मैंने यह नहीं कहा कि उसें मिनी ट्रामा सेन्टर बना दीजिए। दूसरा हमारा जो सवाल था कि कितने वेंटिलेटर राज्य सरकार ने कोविड के समय खरीदे या स्वयंसेवी संस्थाओं ने दिये उनकी संख्या क्या है उनके सापेक्ष कितना पैरामेडिकल स्टाफ होना चाहिए और कितना तैनात है।

श्री माता प्रसाद पाण्डेय-

मा0 अध्यक्ष जी, मैंने पैरामेडिकल कर्मचारियों के बारे में सवाल पूछा था चाहे वह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हो या सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हो अथवा जिला चिकित्सालय हो सबमें पैरामेडिकल कर्मचारी कुछ न कुछ तो थे और आपने जिला मुख्यालय पर मेडिकल कालेज बना दिया और मेडिकल कालेज बनाने के बाद जिला अस्पताल को उसी में मर्ज कर दिया और मर्ज करने के बाद वहां रिलीव कराकर कहते हैं कि यहीं आकर ज्वाइन करो। इससे न तो मेडिकल कालेज में पैरामेडिकल स्टाफ रहेगा न ही अस्पताल में रहेगा।

श्री अध्यक्ष-

मा0 माता प्रसाद पाण्डेय जी, आज आपने यहां एक नोटिस नियम-56 में दी है। आप अभी पूछ लीजिए दोनों में विषय वही है।

श्री माता प्रसाद पाण्डेय-

मान्यवर, मैं मा0 मंत्री जी से यही जानना चाहता हूं कि वह ट्रेन्ड पैरामेडिकल स्टाफ से या संविदा स्टाफ से या आउटसोर्सिंग स्टाफ से जिन लोगों को आप लायेंगे तो वह कैसे ठीक से काम कर पायेंगे। मेडिकल कालेज में जो मेडिकल कालेज का हिस्सा जिला चिकित्सालय है तो क्यों न इन जिला चिकित्सालयों में जो पैरामेडिकल स्टाफ हैं उनको वहीं स्थायी रूप से रहने दिया जाए। इसमें सरकार से मेरा अनुरोध है कि इस पर आप क्या करेंगे।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी जो मा0 माता प्रसाद पाण्डेय जी ने नोटिस दिया था आप उसका भी जबाव दे दीजिए।

श्री ब्रजेश पाठक-

मान्यवर, जो पहले मनोज पाण्डेय जी ने पूछा है यह ट्रामा सेन्टर कनवर्ट के लिए एक्सीडेंट जोन में सुविधाओं के लिए इसमें सबसे बड़ी सुविधा न्यूरो सर्जन की होती है और बाकी उपकरण भी हम लगा देंगे लेकिन बगैर न्यूरो सर्जन के काम बन नहीं पायेगा और आपकी चिन्ता से हम सहमत हैं और परीक्षण करायेंगे यदि हम कहीं से कुछ चिकित्सक अर्जित कर पायेंगे तो जरूर हम इस पर विचार करेंगे। दूसरी बात जो वेंटिलेटर की आपने पूछी है वह मूल प्रश्न से सम्बन्धित नहीं है। आप हमको भेजो उसका लिखित में हम जबाव दें देंगे पत्र के माध्यम से। वरिष्ठ सदस्य मा0 माता प्रसाद जी ने जो पूछा है उसमें हम जानते हैं कि जो मेडिकल कालेज कनवर्ट किये हैं जिला अस्पताल में तो तीन वर्ष के बाद उनको अपने मूल विभाग में जाना था और दोनों विभाग अलग-अलग हैं और हम दोनों विभागों का काम देखते हैं और हम आपकी चिंता से सहमत हैं और हम किसी भी स्थिति व परिस्थिति में सिद्धार्थनगर ही नही पूरे प्रदेश के सभी नए मेडिकल कालेजों में हम स्टाफ की कमी नहीं होने देंगे। जब तक वहां बेहतर स्किल स्टाफ नहीं आ जायेगा तब तक उनको हम कार्यरत रखेंगे। आपने जो कहा कि क्या ऐसा कर सकते हैं तो इस बात का हम परीक्षण करा लेंगे और यदि हम कर सकते है तो जरूर करेंगे।

प्रदेश में जनसंख्या के सापेक्ष सरकारी अस्पतालों की संख्या बढ़ाये जाने विषयक

***6-श्री अभय सिंह-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में जनसंख्या के सापेक्ष वर्तमान में सरकारी अस्पतालों की संख्या में कमी है? यदि हां, तो क्या सरकार प्रदेश में जनसंख्या के सापेक्ष सरकारी अस्पतालों की संख्या (प्रत्येक जनपद में) बढ़ाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक

जी नहीं।

प्रदेश में पर्याप्त संख्या में सरकारी चिकित्सालय/स्वास्थ्य इकाईयाँ संचालित हैं।

संसाधनों की उपलब्धता, आवश्यकता व जनहित के दृष्टिगत समय-समय पर आवश्यकतानुसार प्रदेश सरकार द्वारा चिकित्सालय स्थापित किये जाते हैं।

उपरोक्तानुसार।

श्री अभय सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, हमारा प्रश्न था कि जनसंख्या के सापेक्ष क्या अस्पतालों की व्यवस्था है तो जबाव आया है जी नहीं। क्या सरकारी अस्पतालों की कमी है तो जबाव आया है जी नहीं। हम यह कहना चाहते हैं कि भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक है और जो भारत सरकार की गाइडलाइन है और सारे राज्यों के लिए बाध्यता है उसमें 80 हजार की आबादी से लेकर 1 लाख 20 हजार की आबादी तक के लिए एक सी0एच0सी0 होना चाहिए और 30 हजार की आबादी के लिए एक पी0एच0सी0 होना चाहिए। हम बहुत दूर नहीं जाते हैं अपने ही जिले मे देख लेते हैं हमारे यहां के ब्लाक में 2 लाख की आबादी है बीकापुर ब्लाक है सवा दो लाख की आबादी में वहां एक-एक सी0एच0सी0 है और दो-दो पी0एच0सी0 है । यहां मानक में कमी है क्या आप इस मानक को पूरा करेंगे।

दूसरा प्रश्न यह है कि मेडिकल कालेज बन रहे हैं। मा0 मुख्य मंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना है। बहुत अच्छी बात है कि 45 मेडिकल कालेज बन रहे हैं। हमारा प्रदेश देश में सबसे आगे होगा इसके लिए हम आपकी मंशा को बधायी देना चाहते हैं। लेकिन हम यह भी कहना चाहते हैं कि जो यह मेडिकल कालेज बन रहे हैं जब इनका एन0एम0सी0 का परीक्षण और इन्स्पेक्शन होता है तो अलग-अलग अस्पतालों से डाक्टरों को अटैच कर लिया जाता है उनकी वीडियो बनती है, परेड होती है और उनको मेडिकल कालेज की मान्यता मिल जाती है। उसके बाद वह डाक्टर रहते नहीं हैं। मिलते नहीं हैं। तो हमारा मंत्री जी से अनुरोध है कि जहाँ-जहाँ मेडिकल कालेज बन रहा है वहाँ के स्थानीय जनप्रतिनिधियों को उन डाक्टरों की एक सूची उपलब्ध करा दी जाये जिससे जनप्रतिनिधि की जानकारी में रहे कि हमारे यहाँ मेडिकल कालेज बना है और वहाँ पर यह-यह तैनाती है। जैसे हमारे यहाँ राजा दशरथ मेडिकल कालेज है। वहाँ पर एक डाक्टर पारस खरबंदा हैं उनकी नियुक्ति वहाँ पर है लेकिन उनकी अगर मोबाइल लोकेशन देख ली जाये तो वह यहाँ पर लखनऊ में पैथालॉजी चलाते हैं कभी अयोध्या नहीं जाते हैं। तो हम आपसे कहना चाहते हैं कि 45 मेडिकल कालेज बन गये लेकिन क्या जो 45 जिला अस्पतालों को आपने मेडिकल कालेज में कनवर्ट कर दिया तो क्या फिर से 45 जिला अस्पताल बनाने का काम करेंगे। अगर करेंगे तो कब तक ?

श्री ब्रजेश पाठक-

मान्यवर, हमारे पास जिला स्तरीय 125 अस्पताल हैं जिनमें महिला अस्पताल भी हैं और कहीं विशेष अस्पताल भी है। हमारे पास सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 943 हैं। जो कम से कम ब्लाक स्तर पर होता है या कम से कम एक लाख की जनसंख्या होनी चाहिए और यह 2011 के आंकड़े से हमने लिया है। 2011 के बाद जो परिवर्तित जनसंख्या हुयी है वह इसमें शामिल नहीं है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हमारे पास 3654 हैं और इसमें 30 हजार की जनसंख्या हम लेते हैं और न्यूनतम एक दूसरे के अस्पताल की दूरी 5 किमी0 होना चाहिए। इसके अलावा हमारे पास विशिष्ठ श्रेणी के 278 अस्पताल हैं। हमारे पास पूरे प्रदेश में जो सब सेन्टर हैं 25848 हैं। जिसमें हमने हेल्थ वेलनेस सेन्टर भारत सरकार के सहयोग से इसी में 21675 हैं यह हमने कन्वर्ट किये हैं। यह हमने कम से कम 5000 की जनसंख्या पर बनाये है। पूरे प्रदेश को बेहतर से बेहतर चिकित्सा व्यवस्था देने के लिए हम लोग काम कर रहे हैं। हर स्थिति में लोगों को बेहतर व्यवस्थायें मिलें निःशुल्क दवाइयाँ मिलें, जांच हों इसके लिये लगातार सुधार और प्रयास जारी है। जो मा0 अभय जी ने कहा है कि मेडिकल कालेजों में चिकित्सक रहते नहीं हैं, आते नहीं हैं आपने विशेष रूप से जिनका नाम लिया है हम उनकी जांच कराकर जरूर कार्रवाई करेंगे और ऐसी स्थिति को हम बिलकुल स्वीकार नहीं करेंगे।

प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में वर्ष 2023-2024 में सी0टी0 स्कैन/एम0आर0आई0 मशीन स्थापित कराये जाने विषयक

***7-डॉ0 संग्राम यादव-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कितने जिला अस्पतालों में सी0 टी0 स्कैन तथा एम0आर0आई0 की मशीनों की सुविधा उपलब्ध नहीं है ? क्या सरकार जनहित में प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में वर्ष 2023-24 में सी0 टी0 स्कैन/ एम0आर0आई0 मशीन स्थापित करने की योजना बनाएगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश के 08 जनपदों-अमरोहा, एटा, मैनपुरी, सम्भल, शामली, सन्तरविदासनगर, मिर्जापुर एवं प्रतापगढ़ के जिला चिकित्सालयों में सी0टी0 स्कैन मशीनों की सुविधा उपलब्ध नहीं है तथा जनपद प्रयागराज व वाराणसी में एम0आर0आई0 की सुविधा है।

जनपद अमरोहा, एटा, मैनपुरी, सम्भल, शामली, संतरविदासनगर, मिर्जापुर एवं प्रतापगढ़ में सी0टी0 स्कैन की सुविधा पी0पी0पी0 मोड पर उपलब्ध कराये जाने हेतु सेवा प्रदाता का चयन कर लिया गया है।

एम0आर0आई0 की जाँच की आवश्यकता मेडिकल कालेज स्तर के चिकित्सालयों पर होती है। यद्यपि ई0सी0आर0पी0 फेज-2 योजना के अन्तर्गत जनपद आजमगढ़, बांदा,

गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, गोण्डा, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद एवं सहारनपुर में एम0आर0आई0 मशीन स्थापित किये जाने की कार्यवाही उ0प्र0 मेडिकल सप्लाई कार्पोरेशन लि0 द्वारा की जा रही है।

प्रश्न नहीं उठता।

डा0 संग्राम यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, हम आपके आभारी हैं कि आपने महत्वपूर्ण प्रश्न पर बोलने का हमें अवसर दिया। मान्यवर, हमने मा0 मंत्री जी से जानना चाहा था कि उत्तर प्रदेश के किन-किन जिला अस्पतालों पर एम0आर0आई0 और सी0टी0 स्कैन की सुविधा उपलब्ध है। मंत्री जी ने उसका विस्तार से उल्लेख कर दिया। विशेषकर आजमगढ़ के परिप्रेक्ष्य में मा0 मंत्री जी ने कहा कि वहाँ पर एम0आर0आई0 मशीन स्थापित किये जाने की कार्रवाई उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई लि0 द्वारा की जा रही है। हम इसके लिए मा0 मंत्री जी का धन्यवाद देते हैं कि आपने आजमगढ़ जनपद के जिला अस्पताल में एम0आर0आई0 मशीन लगाने की दिशा में आगे बढ़ने का काम किया। उसके लिए हम आपका बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं। मान्यवर, आजमगढ़ आबादी के हिसाब से बहुत बड़ा जनपद है और वहाँ पर जो राजकीय मेडिकल कालेज स्थापित है वह पूर्ण क्षमता से संचालित नहीं हो पा रहा है। आये दिन मशीनें खराब हैं डाक्टर्स की उपलब्धता नहीं है विषय विषेशज्ञ डाक्टरों की भी कमी है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप एक बार उसका निरीक्षण कर लें क्योंकि वह पूर्वांचल के अंदर अगर वह पूरी क्षमता के साथ संचालित हो जाये तो जनता का बहुत लाभ होगा। दूसरी तरफ हमारे अतरौलिया विधान सभा क्षेत्र में बनारस और लुम्बिनी मार्ग पर स्थित, 40 किमी0 की दूरी है आजमगढ़ से, मा0 अखिलेश यादव जी की सरकार से सौ विंग का जिला लेवल का अस्पताल बनाने का काम किया था और 100 बेड का एम0सी0एच0 विंग भी बनाने का काम किया था। उस समय की तत्कालीन सरकार ने जितने भी डाक्टर्स और अन्य सुविधायें हो पायी थीं उसको करके संचालित करने का काम किया था। जब कोविड आया तो वह अस्पताल बहुत बेहतरीन तरीके से ए-लेवल अस्पताल के तरीके से काम कर रहा था। मैं आज इस सदन में वहाँ के डाक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, कर्मचारियों का और अस्पताल से जुड़े लोगों की प्रशंसा करता हूँ और आपसे निवेदन करता हूँ कि चूंकि वह मुख्य मार्ग फोर लेन मार्ग पर स्थित है यदि वहाँ पर आप ट्रामा सेन्टर स्थापित करने करने पर विचार करेंगे तो उससे जनता को बहुत लाभ मिलेगा और दूसरी तरफ अगर कुछ महिला डाक्टर, और विशेषज्ञ डाक्टर चाइल्ड स्पेशलिस्ट, न्यूरो सर्जन और रेडियोलाजिस्ट, पैथालाजिस्ट डाक्टरों की नियुक्ति कर देंगे तो केवल आजमगढ़ ही नहीं, मेरी विधान सभा क्षेत्र तो बार्डर है। अम्बेडकरनगर, सन्तकबीरनगर जनपदों का उससे बहुत लाभ होगा। तो मेरी आपसे प्रार्थना है कि जहाँ मशीनें दे रहे हैं, डाक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ नियुक्त करेंगे वहीं पर आप ट्रामा सेन्टर बनाने की दिशा में आप निश्चित रूप से प्रयास

करेंगे। पूरी जनता उससे बहुत लाभान्वित होगी। कुछ दलाल किस्म के लोग जरूर अस्पताल को डिस्टर्ब करने का प्रयास करते हैं लेकिन जब से वह अस्पताल बना, चूंकि वह ग्रामीण क्षेत्र में है हम सब राजनीतिज्ञ मिलकर बड़ा सहयोग करते हैं कि किसी को असुविधा न हो। क्योंकि आजकल डाक्टर्स को अस्पताल तक पहुंचाने में कितनी कठिनाई होती है उसको आप भलीभांति जानते हैं कि वह गाँव में नहीं रहना चाहते। उनके सामने तरह-तरह की दिक्कत है। उनके बच्चों की पढ़ाई आदि की दिक्कत है। तो मान्यवर, मैं इसमें आपका स्पष्ट उत्तर चाहता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि इतना भारी-भरकम बजट है तो इस दिशा में आप जरूर आगे बढ़ेंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री ब्रजेश पाठक-

मान्यवर, हमारे पास सिर्फ 8 जनपद बचे हैं जहाँ सी0टी0 स्केन मशीन नहीं लगी है। लेकिन हम लोग यह जल्दी ही लगा लेंगे। मा0 सदस्य की इच्छानुसार हम एम0आर0आई0 की मशीन भी लगा रहे हैं, टेण्डर की प्रक्रिया चल रही है शीघ्र ही यह हो जायेगा। दूसरा, जो आपने महिला एवं बाल रोग विशेषज्ञ, रेडियोलाजिस्ट, ट्रामा सेन्टर के लिए कहा है हम जैसे-जैसे उपलब्धता होगी हम चिन्ता करेंगे। विशेष रूप से अतरौलिया में जो बना हुआ है। जैसे-जैसे उपलब्धता होती जायेगी हम करते जायेंगे।

श्री इकबाल महमूद-

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी जानना चाहता हूँ कि आपके भाषणों में मैंने सुना कि प्रदेश के अन्दर मरीजों की संख्या बहुत बढ़ गयी है। उसके लिए मैं आपको बधाई दूंगा कि आप इतनी सुविधायें वहाँ दे रहे हैं। गरीबों की समस्या सबसे बड़ी है। जिस क्षेत्र से मैं आता हूँ उस जनपद का नाम सम्भल है। सम्भल जो प्रथ्वीराज के जमाने में देश की टेम्परेरी राजधानी रहा है। वहाँ के लिए मैं आपसे निवेदन करूंगा कि वहाँ के जिला अस्पताल में एक सी0टी0 स्कैन और एक एम0आर0आई0 मशीन लगवाने की कृपा करें।

श्री ब्रजेश पाठक-

मान्यवर, हम सम्भल में सी0टी0 स्कैन मशीन लगाने जा रहे हैं और एम0आई0आई0 मशीन लगाने पर विचार करेंगे।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, जो मा0 मंत्री जी से उत्तर दिया है इसी से सम्बन्धित मेरा प्रश्न है। मा0 मंत्री जी ने कहा कि एम0आर0आई0 की जांच की आवश्यकता मेडिकल स्तर पर है। मान्यवर, केवल एम0आर0आई0 मशीन लग जाने से जांच नहीं होती है। उसके लिए स्टाफ की आवश्यकता पड़ती है। रेडियोलाजिस्ट की आवश्यकता पड़ती है तो मै आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि 45 मेडिकल कालेजों में कितने मेडिकल कालेजों में रेडियोलाजिस्ट की सुविधा उपलब्ध है अगर उपलब्ध नहीं है तो उसको कब तक उपलब्ध कराने की कृपा करेंगे।

श्री ब्रजेश पाठक-

मान्यवर, यह चिकित्सा शिक्षा विभाग से सम्बन्धित है हम आपको इसकी सूचना भेज देंगे। हम आपकी चिन्ता से सहमत हैं और प्रतिबद्ध हैं कि करेंगे। लेकिन जैसे-जैसे हमारे पास संसाधन होंगे और विशेषज्ञ चिकित्सक आयेंगे मैं करूंगा।

प्रदेश के प्रत्येक जनपद में ट्रामा सेन्टर स्थापित करके पूर्ण क्षमता से संचालित कराये जाने विषयक

***8-डॉ0 रागिनी-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में ट्रामा सेन्टर स्थापित हैं ? यदि हां, तो जनपदों के ट्रामा सेन्टर पूर्ण क्षमता से संचालित हो रहे है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नही, तो क्या सरकार प्रत्येक जनपद में ट्रामा सेन्टर स्थापित करके पूर्ण क्षमता से संचालित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश के 35 जनपदों में 36 ट्रामा सेन्टर स्थापित हैं, जिनमें से 03 ट्रामा सेन्टर पूर्ण रूप से क्रियाशील, 28 ट्रामा सेन्टर आंशिक रूप से क्रियाशील तथा 05 अक्रियाशील हैं। उक्त ट्रामा सेन्टरों में स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने की कार्यवाही की जा रही है जिससे पूर्ण क्षमता के साथ संचालित किया जा सके। सूची संलग्न†है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

डॉ0 रागिनी-

मान्यवर, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे प्रश्न करने का अवसर प्रदान किया है। मैंने मा0 उप मुख्य मंत्री जी से प्रश्न किया था कि हमारे प्रदेश में कुल कितने ट्रामा सेन्टर हैं और ऐसे कितने ट्रामा सेन्टर हैं जो अपनी फुल कैपेसिटी के साथ पूर्ण क्षमता से कार्यशील है तो उत्तर में आया कि पूरे प्रदेश में सिर्फ 03 ट्रामा सेन्टर हैं जो फुल कैपेसिटी के हैं। यह बड़ा ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रदेश की 25 करोड़ की आबादी जिसमें एक देश की ताकत है और उत्तर प्रदेश की मासूम जनता के वोट से सेन्ट्रल सरकार बनती हैं। और यहां पर सिर्फ 03 ही ट्रामा सेन्टर है। मान्यवर, आपके माध्यम से यह भी बताना चाहूँगी कि ट्रामा सेन्टर ऐसी

---

† देखिये नत्थी (ख) आगे पृष्ठ संख्या-407 पर।

जगह होता है जहां पर आए दिन रोड ट्रैफिक एक्सीडेण्ट हों, जिस तरह से प्रयागराज में बम धमाका एवं गन शॉट इनर्जी हो, घर में लोग गिर जाते हैं या फिर बर्न इनर्जी हो जो कि बहुत ही कष्टदायक होती है, इनका इलाज ट्रामा सेन्टरों में होता है और हमारे पास सिर्फ 03 ट्रामा सेन्टर ही हैं।

अगर हम मिनिस्ट्री ऑफ रोड एण्ड ट्रान्सपोर्ट एण्ड हाई-वे सेन्ट्रल का डेटा देखें तो उसने अनुसार उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा रोड एक्सीडेण्ट हो रहे है। चाहे स्टेट हाई-वे हो, चाहे नेशनल हाई-वे हो, एक्सप्रेस-वे हो या फिर चाहे ग्रामीण की सड़कें हों। मेरा सवाल यह है कि क्या सरकार जनपदवार ट्रामा सेन्टर की स्थापना करायेगी और अगर करायेगी तो कब तक करायेगी? क्या आप अपने इस कार्यकाल में आश्वासन देते हैं कि आप जनपदवार ट्रामा सेन्टर स्थापित करेंगे? साथ-ही-साथ मैं यह कहना चाहती हूँ कि उत्तर प्रदेश की 30 प्रतिशत से ज्यादा आबादी आर0बी0आई0 डेटा के अनुसार बिलो पावर्टी लाईन है और उसके बाद लो-सोशियो इकोनॉमी की जो हमारी जनसंख्या है वह बहुत ही हाई है। जब भी इस प्रकार के ट्रामा सेन्टर होते है, बहुत गंभीर तरीके की चोटें लगती हैं, उस व्यक्ति को बहुत दिनों तक आई0सी0यू0 में रहना पड़ता है और उसका खर्चा बहुत ज्यादा आता है। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से यह भी जानना चाहती हूँ कि इस दौरान जब तक आप ट्रामा सेन्टर स्थापित नहीं कर पा रहे हैं, जितने भी हमारे लोग हैं, इर रिस्पेक्टिव ऑफ टर्म्स एण्ड कन्डीशन वह जहां पर भी भर्ती होते हैं तो क्या सरकार उनके उपचार का खर्चा उठाने के लिए तैयार है और क्या आप आश्वासन देते हैं? मेरा आखिरी प्रश्न यह है कि जब तक हम ट्रामा सेन्टर स्थापित नहीं कर लेते हैं उस दौरान में जितने हमारे अस्पताल हैं, चाहे वह जिला अस्पताल हो या फर्स्ट कान्टेक्ट जिसको हम कम्यूनिटी हेल्थ सेन्टर कह रहे हैं वहां पर जो भी हमारे डॉक्टर्स काम कर रहे हैं। ए0टी0एल0एस0 (एडवान्स ट्रामा लाईफ सपोर्ट) का एक कोर्स होता है जिसमें डाक्टरों को सिखाया जाता है कि जब भी ट्रामा के केसेज आएं तो उन्हें किस प्रकार से हैण्डिल किया जाए। हर विभाग का डॉक्टर इस चीज को नहीं जानता है तो क्या इसके लिए सरकार अपनी तरफ से कोई योजना बनायेगी कि सारे डॉक्टर जो इमरजेन्सी में काम कर हैं उन्हें ए0टी0एल0एस0 के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्रदान करेगी ?

श्री ब्रजेश पाठक-

मान्यवर, मा0 सदस्या का प्रश्न है, प्रश्न संख्या-01 का ही लगभग रूपान्तर है। हम पुनः कह रहे हैं कि हमारे पास 36 ट्रामा सेन्टर हैं जिसमें से 03 ट्रामा सेन्टर पूर्ण रूप से संचालित है। आप जानते है कि चिकित्सकों की कमी है, उन्हें हम बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं, हमने विज्ञापन भी निकाले हैं और हमने वेतन बढ़ाने के लिए भी लिखा है पहले ढ़ाई लाख रुपये था लेकिन अब हमने उसे पांच लाख रुपये करने का काम किया है। इसके अलावा नौ ट्रामा सेन्टर चिकित्सा शिक्षा विभाग के हैं वह भी काम कर रहे हैं। हर जिले में

मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं वहां पर ट्रामा सेन्टर के मरीजों का इलाज किया जायेगा और हम इस पर भी काम कर रहे है कि कुल 75 जनपदों के मेडिकल कॉलेज में टर्शरी केयर की सारी सुविधाएं उपलब्ध हों। डॉक्टर साहब ने जो प्रशिक्षण के लिए सुझाव दिया है उसके लिए हम सम्बन्धित अधिकारियों से बात करेंगे और उनका सुझाव बहुत अच्छा है।

डॉ0 रागिनी-

मान्यवर, मैं मा0 मंत्री जी से पूछना चाहूँगी कि जो ट्रामा सेन्टर का आश्वासन दिया जा रहा है उसका अगर समय सुनिश्चित हो जाए तो मुझे लगता है कि यहां पर जितने भी मा0 सदस्य हैं वह अपने क्षेत्र में जवाब देने के लिए तैयार रहेगें कि यह समय दिया गया है। दूसरा मेरा मा0 मंत्री जी से निवेदन है कि जनपद जौनपुर में चार बेड के आई0सी0यू0 के साथ एक ट्रामा सेन्टर है जो सिरकोनी में काम कर रहा है तो क्या वहां पर आई0सी0यू0 बेड्स को बढ़ाया जायेगा और जो मूलभूत सुविधाएं है क्या वहां पर प्रोवाइड की जायेंगी?

श्री ब्रजेश पाठक-

मान्यवर, हम आई0सी0यू0 बेड बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं, हमने कई जगहों पर बेड बढ़ाए है और जनपद जौनपुर में आई0सी0यू0 बेड बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

डॉ0 रागिनी-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी समय-सीमा कब तक निर्धारित करेंगे?

श्री अध्यक्ष-

किसी भी प्रश्न में समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती, माननीय मंत्री जी का आश्वासन आ गया है कि वे उसे करेंगे।

प्रदेश में सरकारी अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती संख्या के अनुपात में बेड एवं अन्य मेडिकल सुविधा हेतु कार्य योजना बनाये जाने विषयक

***9-डॉ0 पल्लवी पटेल-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती संख्या के अनुपात में बेड एवं अन्य मेडिकल सुविधाओं का अभाव होने के कारण मरीजों का इलाज सुचारु रूप से नहीं हो पा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार मेडिकल सुविधा हेतु कोई कार्य योजना बनायेगी ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

प्रदेश में जिला स्तरीय चिकित्सालयों को मिलाकर कुल 403 चिकित्सा इकाईयाँ संचालित हैं, जिसमें 125 जिला स्तरीय चिकित्सालय तथा 278 विशिष्ट चिकित्सालय सम्मिलित हैं। उक्त के अतिरिक्त कुल 943 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं 3654 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के द्वारा मरीजों का इलाज सुचारु रूप से हो रहा है।

चिकित्सा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण एक सतत् प्रक्रिया है। राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा को शीर्ष प्राथमिकता प्रदान करते हुये उपलब्ध संसाधनों से चिकित्सा सुविधाओं में सुधार किया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

***10-श्री तुफानी सरोज-**

[विस्तीर्णता के आधार पर निरस्त।]

***11-श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', श्री राजपाल सिंह बलियान, श्री स्वामी ओउ्मवेश तथा श्री अनिल कुमार-**

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में छुट्टा जानवरों से अपनी फसलों को बचाने के लिए किसानों द्वारा खेतों में लगाये गये कंटीले और ब्लेड वाले लोहे के तार को प्रतिबंधित कर दिया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार किसानों के फसलों को छुट्टा जानवरों से बचाने के लिये कोई ठोस एवं सार्थक नीति बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज तथा नागरिक सुरक्षा पशुधन मंत्री (श्री धर्मपाल सिंह)-

जी हां।

शासनादेश संख्या-4324/सैंतीस-2-2018-5(53)/2018, दिनांक 02-01-2019 द्वारा उ0प्र0 के समस्त ग्रामीण/शहरी स्थानीय निकायों (ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगमों) में अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल की स्थापना एवं संचालन नीति का पूर्व में प्रख्यापन किया गया है।

उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में 303 स्थायी वृहद गौसंरक्षण केन्द्र की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

शासनादेश संख्या-3256/सैंतीस-2-2019-30(4)/2019, दिनांक 08-08-2019 द्वारा मा0 मुख्य मंत्री निराश्रित/बेसहारा गौवंश सहभागिता योजना के अन्तर्गत निराश्रित/बेसहारा गौवंश को इच्छुक कृषकों/पशुपालकों/अन्य व्यक्तियों को सुपुर्द कर निराश्रित गौवंश को संरक्षित किया जा रहा है।

प्रश्न नहीं उठता।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

माननीय अध्यक्ष जी, आज यह बड़ा गम्भीर विषय है, इम्पॉर्टेन्ट क्वेश्चन है। आज प्रदेश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर आधारित है। जिस तरह से आवारा पशुओं की वजह से हमारे किसानों की फसलों को जो क्षति पहुंच रही है, यह सत्तापक्ष या विपक्ष का सवाल नहीं है, यहां पर ज्यादातर माननीय सदस्य कृषि बैकग्राउण्ड से आते हैं, किसानों की लागत पिछले वर्षों से बढ़ गयी है, चाहे खाद की कीमत हो, चाहे कृषि की कीमत हो, बीज की कीमत हो, सबकी कीमतें बढ़ीं, जिसका सीधा असर किसान की लागत पर पड़ा और अंत में जब किसान अपनी बुआई कर लेता है तो उसके सामने जो सबसे बड़ा लक्ष्य है वह अपनी फसल को बचाने का है। जो आंकड़े सामने हैं वह बताते हैं कि लगभग पिछले पांच वर्षों में 17 प्रतिशत वृद्धि आवारा पशुओं में हुई है। 11 लाख 15 हजार के आंकड़े खुद सरकार की वेबसाइट पर हैं। जब हम लोग क्षेत्र में जाते हैं। हम कितनी भी विकास की बात कर लें, किसान एक ही सवाल पूछता है कि हम अपनी फसल को कैसे बचाएं? दिनभर वह किसान फसल की तैयारी करता है, सिंचाई करता है, बुआई करता है, रोपाई करता है और रात भर उसके परिवार के सदस्य चाहे बुजुर्ग हों, बच्चे हों, महिलाएं हों, उनके पास एक ही काम है कि वे लाठी लेकर पूरी रात अपनी फसल की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। जो कटीले तार किसान ने अपनी फसल की सुरक्षा के लिए लगाये थे, उस पर सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है। ठीक है, क्योंकि उससे गौवंश को नुकसान पहुंच रहा था। हम सब गौवंश का पालन करते हैं, मेरे पास भी गौशाला है, 200 से अधिक गौवंश उसमें रहता है। हम सब उनकी सेवा करते हैं पर जो बड़ा प्रश्न है वह यह है कि गौवंश की सुरक्षा भी होनी चाहिए और किसान की फसल की सुरक्षा भी होनी चाहिए। मेरा पहला प्रश्न है कि क्या सरकार कोई ऐसी ठोस नीति बनाएगी जिसमें आवारा पशुओं से जिस फसल का नुकसान हो रहा है, उसका नुकसान बचे? दूसरा, क्या सरकार कोई ऐसा सिस्टम बनाएगी जिससे किसानों की फसल को जो नुकसान हो रहा है उसकी समीक्षा हो सके ? और तीसरा, किसान की जिस फसल का नुकसान हो रहा है क्या सरकार उस पर मुआवजा देने के लिए कोई नीति बनाएगी? ये मेरे तीन सीधे प्रश्न हैं।

श्री अध्यक्ष-

इस प्रश्न में दो प्रश्न श्री राजपाल सिंह बलियान और श्री स्वामी ओउ्मवेश जी भी अपना प्रश्न पूछ सकते हैं।

(विपक्ष के किसी सदस्य ने कहा कि डॉ0 पल्लवी पटेल जी आ गयी हैं, उनका प्रश्न ले लीजिए।)

श्री अध्यक्ष-

उनके प्रश्न का समय बीत चुका है, अगर लास्ट में समय बचेगा तो उनका प्रश्न ले लेंगे।

श्री राजपाल सिंह बलियान-

मान्यवर, मेरा भी यही प्रश्न है कि कांटेदार तारों पर रोक लगा दी, हम उससे सहमत है कि गौवंश घायल न हो, लेकिन किसान का जो नुकसान हो रहा है उसकी भरपाई के लिए कोई योजना बनाई है या बनाने की कोई योजना है ? ये मेरा प्रश्न है।

श्री स्वामी ओउमवेश-

धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान किसान की फसल, जो पशुओं के द्वारा बर्बाद हो रही है, उधर दिलाना चाहता हूं। किसान बहुत महंगा बीज लेकर, महंगा खाद लेकर अपनी फसल को बोता है और फिर सुरक्षा के लिए दिन भर वहीं रहता है और रात को जागता है। किसान अपनी फसल को बचाने के लिए कंटीले तार का इस्तेमाल करता है। सरकार ने उसको प्रतिबन्धित कर दिया है। मैं पशुधन मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि जब तक पशुओं को संरक्षण गृहों में नहीं भेजा जाता, तब तक क्या कंटीले तार लगाने की अनुमति सरकार किसानों को देगी ? मेरा दूसरा प्रश्न है, किसान अपनी फसल को बचाने के लिए सारी रात जागता है और कई बार साँड़ किसान को मार देता है, बुरी तरह से मार देता है और वह खत्म हो जाता है। क्या सरकार उसका मुआवजा देने पर विचार करेगी ? मैं माननीय मंत्री जी से इसके बारे में पूछना चाहता हूँ।

श्री धर्मपाल सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, विपक्ष किसान के माध्यम से, किसान का सहारा लेकर कसाइयों को बचाना चाहती है।

(विपक्ष के कई सदस्य खड़े हो गए)

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री जी की पूरी बात आ जाए। आप उनकी बात सुन लीजिए। इसके बाद मैं आपको अवसर दूँगा, आप प्रश्न कर लीजिएगा। आप लोग बैठिए। पूरा उत्तर आ जाने दीजिए। माननीय अवधेश जी, आप बैठिए।

श्री धर्मपाल सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, कुछ किसान ऐसे आरीदार तार लगाते हैं, जो जहरीले होते हैं, आरीदार होते हैं, उनसे गाय का सीना कट जाता है और गाय तड़प-तड़प कर मरती है। इसलिए आरीदार तारों को सरकार ने प्रतिबन्धित कर दिया, लेकिन जो गुम्मेदार तार होते हैं, जिनसे उनकी स्किन कट जाती है, परन्तु बाद में ठीक हो जाती है। किसान खेतों की रखवाली के लिए लगा सकता है। आरीदार तार लगाने को प्रतिबन्धित कर दिया गया है, क्योंकि वह जहरीले होते हैं, उससे गाय की छाती कट जाती है, फिर वह सड़ती है और उसके बाद तड़प-तड़प कर मरती है। इसलिए सरकार ने इसको प्रतिबन्धित कर दिया है। गुम्मेदार तार

किसान लगा सकता है। मान्यवर, सरकार चिन्तित है, निराश्रित गौवंश को आश्रय स्थल पर पहुँचाने के लिए। मान्यवर, 302 स्थायी गौ-आश्रय सरकार ने बनाने का काम किया है। इन आश्रय स्थलों पर जो निराश्रित गौवंश हैं, उनको पहुँचाने का काम करेंगे। हमारे पास इस समय 5723 अस्थायी गौ-आश्रय स्थल हैं, जिनमें 8,50,269 संरक्षित गौवंश हैं। मान्यवर, वृद्ध गौ-संरक्षण केन्द्र 267 हैं, जिसमें 12,09,953 निराश्रित गौवंश संरक्षित हैं और मान्यवर, कान्हा गौ आश्रय 210 हैं, जिसमें 79,902 निराश्रित गौवंश संरक्षित हैं। मान्यवर, काँजीहाउस 319 हैं, जिसमें 15,929 निराश्रित गौवंश को संरक्षित करने का काम किया है। मान्यवर, इस तरीके से 6,529 की संख्या में निराश्रित गौवंश को रखने के अस्थाई, स्थाई गौ-संरक्षण केन्द्र बनाये गए हैं, जिसमें 10,76,053 गौवंश संरक्षित हैं। मान्यवर, अभी बजट में भी गौवंश को सुरक्षित और संरक्षित स्थान देने के लिए 750 करोड़ का बजट योगी सरकार ने आवंटित किया है। वृद्ध गौ-संरक्षण केन्द्र के लिए 120 करोड़ का बजट आवंटित किया है और कान्हा गौशाला एवं सड़कों पर बेसहारा ऐसे घूमने वाले निराश्रित गौवंश के लिए 100 करोड़ का बजट दिया गया है। इस तरीके से योगी सरकार पूरी तरीके से चिन्तित है। जल्दी ही किसानों के खेतों में, सड़कों पर निराश्रित गौवंश दिखायी नहीं देंगे।

श्री अध्यक्ष-

अब श्री अवधेश जी आप पूछ लीजिए।

(सदस्य श्री अजय कुमार के खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य, आप बैठिए। मैंने तो स्वयं बालियान जी को उनका नाम लेकर बुलाया, वह खड़े ही नहीं हो रहे थे। आप कृपया बैठिए।

श्री अवधेश प्रसाद-

मान्यवर, मैं आपका आभारी हूं कि आज ऐसा सवाल मा0 सदन और आपके समक्ष आया है जो किसानों से जुड़ा हुआ सवाल है। किसान हमारे देश का अन्नदाता है, लेकिन आज वह बहुत परेशान है और सरकार की तरफ से कहा गया है कि हम किसानों की आय को दोगुनी करेंगे और आय को दोगुनी करने के लिए मा0 मुख्य मंत्री जी ने अपने भाषण में बड़ी-बड़ी डींगों को हांका कि इतना गेहूं मिल गया, इतना पैसा मिल गया। क्या बिजली का बिल माफ कर दिया, क्या दवाई का दाम कम कर दिया, क्या इन्होंने यूरिया खाद, डाई खाद्य मुफ्त में दे दिया। अगर किसानों के लिए किसी ने काम किया है तो हमारे मा0 मुख्य मंत्री अखिलेश यादव जी ने किया था, इन्होंने किसानों के लिए मुफ्त सिंचाई का काम किया था। मेरा सीधा सवाल यह है कि आज जो अवारा साँड़ों के बारे में बात आई है यह बहुत चिन्ता का विषय है और किसानों की अगर रात बीतती है तो वह खेतों में ही बीतती है। यह साँड़ हमारी खेती को

चरते हैं और जान भी लेते हैं। अपने विधान सभा क्षेत्र मिल्कीपुर में कम से कम दो दर्जन से ज्यादा किसानों का नाम, पता और किस तारीख को सांड़ों ने मारा है और कितने मरे हैं और कितने जोखिम हैं और सरकार से यह चाहा कि सरकार इनको कोई आर्थिक सहायता देगी, सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। यह गौशालाओं की बात करते हैं, गौशालाओं में गाय मर रही हैं उनको न वहां पानी की व्यवस्था है और न ही चारे की व्यवस्था है। इस महंगाई में 30 रुपए में कौन-सी गाय का पेट भर जाएगा। हमारा सवाल न पक्ष का सवाल है और न ही विपक्ष का सवाल है यह पूरे किसानों का सवाल है जिससे सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी मा0 सदस्य दुखी और पीड़ित हैं, इसलिए नियम-49 के तहत हम इस पर चर्चा की मांग करते हैं और कितने लोग मरे हैं इसकी सूची जारी करें।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, गौवंश की सुरक्षा के साथ-साथ क्या किसानों की फसलों को नुकसान हो रहा है, उस पर सरकार कोई नीति बनाएगी, कितना असंवेदनशील जवाब आया सरकार की तरफ से, इसकी उम्मीद नहीं की जा सकती थी। जब यह सवाल उठ ही गया है, तो मैं पूछना चाहती हूं कि गौशालाओं में सैकड़ों की संख्या में गाय और गौवंश मर रहे हैं और सरकार की नीतियों के कारण 9 सौ रुपए प्रति गौवंश जो सरकार पैसा दे रही है क्या आप भूसे का दाम जानते हैं, क्या उस कम पैसे में किसी गौवंश की सुरक्षा हो सकती है, उसका पेट भर सकता है और दूसरा सवाल है कि जिस गौशालाओं की बात कर रहे है आज सारे सदस्य बैठे हैं पूछ लीजिए किसी भी ग्राम सभा में कोई भी प्रधान अपने यहां गौशाला खोलने के लिए तैयार नहीं हैं, इसकी वजह क्या है ? सरकार न उन गौशालाओं को पोषित कर रही है और न वहां पर कोई जरूरी इन्तजाम कर पा रही है, न पानी की व्यवस्था है और न ही शेड की व्यवस्था है और गौशालाओं में गाय मर रही हैं। मैं पूछना चाहती हूं कि क्या सरकार उसके लिए जिम्मेदार है कि नहीं है और अगर सरकार जिम्मेदार है तो वह स्वीकार करे सदन में कि गौशालाओं में जो गाय मर रही हैं वह सरकार की गलत नीतियों के कारण मर रही हैं और जवाब दें मा0 मंत्री जी कि यह सरकार किसानों को मुआवजा देगी कि नहीं देगी इसका सीधा जवाब दें।

श्री अध्यक्ष-

आपने सीधा प्रश्न तो पूछा नहीं।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, मेरा सीधा सवाल है कि किसानों को मुआवजा मिलेगा कि नहीं। किसानों को मुआवजा मिलेगा कि नहीं, बिल्कुल सीधा सवाल है।

श्री धर्मपाल सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, गौशालाएँ धार्मिक संस्थानों द्वारा चलाई जाती हैं जिनको चन्दा इत्यादि दिया जाता है, उनका अपना अलग है।

(कतिपय सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने का प्रयास करने पर शोर की स्थिति एवं शोर के मध्य)

श्री अध्यक्ष-

अरे, पूरा उत्तर आने दीजिए न। पहले उत्तर तो आने दीजिए।

श्री धर्मपाल सिंह-

सरकार के द्वारा अनुदान, जो निराश्रित गौवंश की गौशालाएँ हैं, उनको हम मदद देते हैं। राज्य वित्त आयोग से भी धन देने का काम करते हैं। इसमें कोई कमी नहीं रखी जा रही है। गौ-आश्रय स्थलों को मजबूत करके पूरा इन्तजाम किया जा रहा है। अध्यक्ष जी, हम आपसे एक और अनुरोध करते हैं कि आज कैसी विडम्बना है कि गायों को पकड़कर तहसीलों में भर देना, बाजारों में भर देना, यह काम वे लोग करते हैं जो सरकार को बदनाम करना चाहते हैं। इस विषय पर सरकार पूरी तरह चिन्तनशील है, संवेदनशील है। निराश्रित गौवंश को किसी भी हाल में छोड़ा नहीं जाएगा। हम लोग गौशाला खोलने के लिए भी अनुदान दे रहे हैं, कोई भी मा0 सदस्य यदि गौशाला खोले तो हम उसको 30 एकड़ भूमि का फ्री पट्टा देंगे और 30 साल के लिए देंगे, पाँच हजार गाय भी देंगे, क्योंकि निराश्रित गायों को उनके आश्रय स्थलों तक पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता है। योगी सरकार गायों को पूरा संरक्षण दे रही है, आगे भी संरक्षण देने का काम करती रहेगी। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

इस प्रश्न पर पूरे 15 मिनट लगे हैं। अब तारांकित प्रश्न संख्या-12

श्री अजय कुमार-

मान्यवर, बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है।

श्री अध्यक्ष-

देखिए पूरे 15 मिनट इस एक प्रश्न में लगे हैं। मैंने पूरा समय दिया है।

श्री अजय कुमार-

मान्यवर, मेरा भी बहुत महत्वपूर्ण क्वेश्चन है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न सभी महत्वपूर्ण हैं, उनका वाला भी महत्वपूर्ण है। आप उनसे पूछ लीजिए, अगर उनका प्रश्न महत्वपूर्ण न हो तो हम उनको बैठा दें। अगर आपका प्रश्न महत्वपूर्ण है तो उनका भी महत्वपूर्ण है। सभी प्रश्न महत्वपूर्ण हैं यहाँ जितने भी प्रश्न लगे हैं। मैंने पहले भी प्रश्न किया था कि कोई भी मा0 सदस्य जिसका प्रश्न महत्वपूर्ण न हो, वह प्रश्न न लगाए। इसलिए जितने भी प्रश्न लगे हैं, सब महत्वपूर्ण हैं।

प्रदेश के मेडिकल कालेजों में कोविड-19 से पूर्व की भाँति के नियमों के अनुरूप मेडिकल कालेज में आने वाले समस्त मरीजों को ओ0पी0डी0 में डाक्टरों एवं उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप उपचार कराये जाने विषयक

***12-श्री वीरेन्द्र कुमार यादव-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के अधिकांश मेडिकल कालेजों सहित किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ में प्रतिदिन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन रजिस्टर्ड मात्र 200 मरीजों को ओ0पी0डी0 में डाक्टरों द्वारा देखे जाने से अन्य जनपदों से आने वाले गम्भीर रूप से बीमार व्यक्तियों/मरीजों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है ? यदि हाँ, तो क्या सरकार कोविड-19 से पूर्व की भाँति के नियमों के अनुरूप मेडिकल कालेज में आने वाले समस्त मरीजों को ओ0पी0डी0 में डाक्टरों एवं उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप उपचार का प्रबन्ध करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

अधिकांश मेडिकल कालेजों/संस्थानों में औसतन 1000 से 6000 तक मरीज देखे जाते हैं। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में संचालित प्रत्येक विभाग की ओ0पी0डी0 में औसतन 200 मरीज (प्रति विभाग) का रजिस्ट्रेशन कराये जाने की व्यवस्था की गयी है। मरीजों के इलाज हित में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन स्लॉट खाली होने पर दूर-दराज से आने वाले मरीजों का आफ लाइन रजिस्ट्रेशन की भी व्यवस्था की गयी है। इस प्रकार चिकित्सा विश्वविद्यालय में लगभग 5000 से 6000 मरीज प्रतिदिन ओ0पी0डी0 तथा ट्रामा सेन्टर इमरजेन्सी में 300 से 350 गम्भीर मरीजों का प्रतिदिन उपचार किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त ई-संजीवनी/ ई-ओ0पी0डी0 के माध्यम से भी चिकित्सालय में लगभग 500 से 1000 मरीजों का उपचार किया जाता है। इसके अतिरिक्त भी यदि मरीजों की संख्या बढ़ती है, तो उन्हें वापस न करते हुए समुचित उपचार मुहैया कराया जाता है।

राजकीय मेडिकल कालेजों में आने वाले समस्त मरीजों को कोविड-19 से पूर्व की भाँति नियमों के अनुरूप मेडिकल कालेज में तैनात चिकित्सकों द्वारा उपलब्ध संसाधनों के अनुसार चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।

प्रश्न ही नहीं उठता।

श्री वीरेन्द्र कुमार यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं कि जो मैंने प्रश्न लगाया था उस पर उन्होंने उत्तर दिया है, उसके साथ ही उसका अनुपूरक है कि क्या मंत्री जी बताने का कष्ट करेंगे कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में जो स्लॉट भरा जाता है, अगर उससे ज्यादा मरीज हो गए तो मरीजों को ओ0पी0डी0 में दिखाने की क्या व्यवस्था है, दूसरा मेडिकल

कॉलेजों में भर्ती होने के लिए दूर-दराज से जो गरीब लोग आते हैं, उनको बेड नहीं मिल पाता है और यह कहा जाता है कि बेड खाली नहीं हैं, इस स्थिति में स्ट्रेचर पर भी या एम्बुलेंस में ही लोग दम तोड़ देते हैं। क्या मंत्री जी उस बेड की उपलब्धता बताने का कष्ट करेंगे ? इसके साथ ही एक विषय मेरे जनपद गाजीपुर का है, हमारे नेता मा0 श्री अखिलेश यादव जी ने वहाँ पर 300 बेड का मेडिकल कॉलेज बनवाने का काम किया था और आज की स्थिति यह है कि वहाँ पैरामेडिकल स्टाफ की काफी कमी है। दवा की भी कमी है और डॉक्टर की भी कमी है। जिससे जो लोग गाँवों से आते हैं उनको फौरन बनारस भेज दिया जाता है। वहाँ की स्थिति काफी गम्भीर है। मा0 मंत्री जी उसके साथ ही हमारे विधान सभा क्षेत्र की दो सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 हैं, बिरनो और मर्दह। बिरनो और मर्दह की स्थिति यह है कि वहाँ पैरामेडिकल स्टाफ की कमी है और उसके साथ ही डॉक्टरों की भी कमी है। वहाँ एक्स-रे मशीन और अल्ट्रासाउण्ड मशीन दोनों नहीं हैं। इसलिए मैं आपसे यह कहना चाहता हूँ कि वहाँ सी0एच0सी0 और पी0एच0सी0 पर अल्ट्रासाउण्ड और एक्स-रे मशीन की व्यवस्था कराने का काम करें और जहाँ डॉक्टरों की कमी है, पैरामेडिकल स्टाफ की कमी है वहाँ भी उपलब्धता कराने का कष्ट करें।

श्री ब्रजेश पाठक-

मान्यवर, कोविड के कारण जो दिक्कतें थीं, वह पूरी तरह से समाप्त हो गई हैं। किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज सहित सभी मेडिकल कॉलेजों में सुचारु रूप से इलाज चल रहा है। के0जी0एम0सी0 में हम प्रतिदिन 200 मरीजों का विभागवार ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करते हैं। इसके अलावा हम प्रतिदिन लगभग 05 से 06 हजार मरीज ओ0पी0डी0 में देखते हैं। ट्रॉमा सेण्टर में 300-350 मरीजों का प्रतिदिन इलाज किया जाता है। इसके अलावा, लगभग 1000 मरीज हमारे पास संजीवनी ऐप के माध्यम से हम ऑनलाइन भी देखते हैं। कोविड-19 के पूर्व की व्यवस्थाएँ समाप्त हो गई हैं और जो आंकड़ा है उसे हम आपके, सदन के समक्ष रखना चाहते हैं।

एस0जी0पी0जी0आई0 में कोविड वर्ष के दौरान 1 लाख 5 हजार मरीज हमने प्रति वर्ष देखे। वर्ष 2022-2023 में यह संख्या 5 लाख 90 हजार है। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में कोविड के दौरान हमने 3 लाख 83 हजार मरीज देखे हैं। वर्ष 2022-2023 में हमने 12 लाख 24 हजार मरीज देखे हैं। डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में कोविड के दौरान हमने 1 लाख 4 हजार मरीज देखे हैं। वर्ष 2022-2023 में हमने 5 लाख 26 हजार मरीजों का उपचार किया है, 14 जो हमारे स्वशासी मेडिकल कालेज हैं उसमें कोविड के दौरान हमने 56 लाख मरीज देखे थे और वर्ष 2022- 2023 में हमने 85 लाख मरीज देखे हैं, इसके अलावा हमारे जो 13 राजकीय मेडिकल कालेज हैं उनमें कोविड के दौरान हमने 85 लाख 80 हजार मरीज देखे हैं और वर्ष 2022-23 में हमने 1 करोड़ 17 लाख मरीजों का उपचार किया है।

श्री वीरेन्द्र कुमार यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, हमारे प्रश्नों का उत्तर नहीं आ पाया है।

श्री अध्यक्ष-

आप ही पहले पूछ लीजिए।

श्री वीरेन्द्र कुमार यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, मैंने मा0 मंत्री जी से पूछा कि जो गाजीपुर जनपद में मेडिकल कालेज है वहाँ पैरामेडिकल के स्टाफ की कमी है उसमें कोई उत्तर नहीं आया, दवा की कमी है इस पर उत्तर नहीं आया, मर्दह और बिरनो की जो सी0एच0सी0 है उस पर उत्तर नहीं आया। मैं आपसे चाहता हूँ कि इस पर उत्तर दिला दें।

श्री ब्रजेश पाठक-

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 सदस्य जो सवाल पूछ रहे हैं यह सवाल चिकित्सा शिक्षा का है और चिकित्सा व्यवस्था के सम्बन्ध में स्वास्थ्य विभाग के बारे में सवाल पूछ रहे हैं। जो आपने कहा था उसके सम्बन्ध में आप यदि हमें पत्र लिख देंगे तो हम उसका जवाब भी देंगे और प्रयास करेंगे कि आपकी इच्छानुसार वहाँ काम हो।

श्री लालजी वर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, यह बात सही है कि किंग जार्ज मेडिकल कालेज या राम मनोहर लोहिया या एस0जी0पी0जी0आई0 में काफी मरीज देखे जा रहे हैं इसमें कोई शंका नहीं है। लेकिन मान्यवर, उसके बावजूद भी प्रत्येक दिन बहुत से मरीज वापस किये जाते हैं और ट्रामा से बहुत से मरीजों को भेज दिया जाता है कि आप बलरामपुर हास्पिटल चले जाइये या कहीं और चले जाइये। इसका जो सबसे बड़ा कारण है कि जो जिला स्तर पर मेडिकल कालेज हैं या ग्रामीण क्षेत्रों में जो मेडिकल कालेज हैं वह पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं वहाँ विषय विशेषज्ञ जो डाक्टर होते हैं, सुपर स्पेशियलिटी के जो डाक्टर होते हैं, वह वहाँ पर नहीं हैं। इसलिए इस समस्या को दूर करने के लिए जो हमारे लखनऊ के इन तीनों संस्थानों में अतिभार हैं, उस भार को कम करने के लिए मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि जो अन्य मेडिकल कालेज हमारे हैं, अब तो उनकी संख्या 45 हो गयी है, उन सारे मेडिकल कालेजों या पहले से जो 23 चल रहे हैं, काफी अच्छे ढंग से जो चल रहे हैं, चाहे वह गोरखपुर हो, इलाहाबाद हो या अम्बेडकरनगर हो, जालौन है, उरई है, कन्नौज है, आजमगढ़ है इस तरह के जो मेडिकल कालेज पहले से चल रहे हैं। इन मेडिकल कालेजों में सुपर स्पेशियलिटी के विभाग संचालित करने पर सरकार विचार करेगी और यदि विचार करेगी तो कब करेगी ? दूसरा जो ट्रामा में भीड़ आती है, उसका भी एक कारण है कि आज पूरी दुनिया में सबसे अधिक मौत ट्रामा से है, तो इस बात को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक जो मेडिकल कालेज हैं उनमें ट्रामा सेन्टर बनाये जाने की आवश्यकता है।

श्री अध्यक्ष-

ट्रामा पर दो-तीन प्रश्न आ चुके हैं, उसका उत्तर आ चुका है, जो नहीं आया है वह पूछ लें। ट्रामा के ऊपर बहुत डिटेल में उत्तर आ चुका है।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, वह स्वास्थ्य विभाग का था, यह चिकित्सा शिक्षा का है। इसलिए मा0 मंत्री जी ने उसमें जवाब नहीं दिया। मैं आपके माध्यम से जानना चाहूँगा कि जिस तरह से लखनऊ के के0जी0एम0यू0 में ट्रामा सेन्टर संचालित है उसी तरह से अन्य जो जिला स्तर के मेडिकल कालेज हैं, उनमें भी ट्रामा सेन्टर संचालित करेंगे, जिससे कि यहाँ पर अतिभार न होने पाये और इस समस्या का निदान हो।

श्री ब्रजेश पाठक-

मा0 अध्यक्ष जी, जो अभी हमने आपको सूचना दी थी। अब तक हम मेडिकल कालेजज और पी0जी0आई0 को मिलाकर 2 करोड़ 25 लाख से ज्यादा मरीज 11 महीने में देख चुके हैं और अभी एक महीना बाकी है, जो मा0 वर्मा जी का सुझाव है, हम उस सुझाव से सहमत हैं और हमारा मानना है कि जैसे-जैसे हमें विशेषज्ञ चिकित्सक मिलते जाएंगे, हम ट्रामा सेन्टर में चिकित्सकों की संख्या भी बढ़ाएंगे और जो सुविधायें हैं, वह भी बढ़ाएंगे और आपकी माँग से हम सहमत हैं, लेकिन अभी हमने विशेषज्ञ चिकित्सकों के सम्बन्ध में जो विज्ञापन निकाला है उसकी बाद की स्थिति क्या होगी और जैसे-जैसे उपलब्धता होगी हम काम करके आगे बढ़ेंगे।

श्री लालजी वर्मा-

क्या सभी मेडिकल कालेजों में इसे कराएंगे ?

श्री ब्रजेश पाठक-

हाँ, सभी मेडिकल कालेजों में कराएंगे।

प्रदेश में आयुष्मान कार्ड के प्रयोग व छूटे हुए पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाये जाने विषयक

***13-श्री उमाशंकर सिंह-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में आयुष्मान कार्ड प्रयोग हेतु कितने व कौन-कौन से अस्पताल पंजीकृत हैं ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बन गए हैं ? यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ? क्या सरकार उक्त योजना से छूटे हुए पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्य मंत्री जन आरोग्य अभियान के अन्तर्गत वर्तमान में सूचीबद्ध समस्त राजकीय एवं निजी चिकित्सालयों की संख्या-3,356 है, जहाँ लाभार्थी आयुष्मान कार्ड के माध्यम से अपना इलाज निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं।

वर्तमान में उ0प्र0 में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्य मंत्री जन आरोग्य अभियान के अन्तर्गत कुल 2,52,89,481 आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं एवं शेष लाभार्थी के आयुष्मान कार्ड विशेष अभियान के माध्यम से सतत् रूप से बनाये जा रहे हैं।

प्रदेश में आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य सतत् रूप से चल रहा है, जिसका परिणाम है कि अब तक प्रदेश में 2.52 करोड़ से भी अधिक लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किये जा चुके हैं। छूटे हुये पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड विशेष अभियान के माध्यम से सतत् रूप से बनाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। जिन पात्र लाभार्थियों के किन्हीं कारणवश आयुष्मान कार्ड नहीं बन सके हैं, वह भी इलाज के समय अपना कार्ड बनवाकर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

प्रारम्भ में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ एस0ई0सी0सी0-2011 की पात्रता सूची में चिन्हित 1.18 करोड़ परिवारों को मिल रहा था, तदोपरान्त मुख्य मंत्री जन आरोग्य अभियान के अन्तर्गत एस0ई0सी0सी0-2011 की पात्रता सूची से वंचित लगभग 8.43 लाख परिवारों को सम्मिलित किया गया। इसी क्रम में 40 लाख अन्त्योदय कार्डधारक परिवारों को भी योजना में सम्मिलित किया गया है। इसी क्रम में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के पंजीकृत श्रमिकों को भी योजनान्तर्गत आच्छादित किया गया।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री उमाशंकर सिंह-

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने अनुपूरक करने का मौका दिया। मा0 अध्यक्ष जी, मेरा यह प्रश्न लाने का उद्देश्य मा0 मंत्री जी से यह है कि जब गाँव का मरीज जो आयुष्मान कार्ड उसको मिला हुआ है। जब वह कार्ड हॉस्पिटलों में लेकर जाता है तो तमाम ऐसे हॉस्पिटल्स हैं जो यह कहकर मना कर देते हैं कि हम आयुष्मान कार्ड पर आपका इलाज नहीं करेंगे। वह हम लोगों से सम्पर्क करते हैं फिर हम लोग जब हॉस्पिटल से बात करते हैं तो उनका यह कहना है कि हमारा भी बहुत सारा बकाया इस सरकार पर है, जो मिल नहीं रहा है तो हम लगातार उस पर भुगतान करके अपनी लॉयबिलिटी नहीं बढ़ाएंगे। इस प्रश्न को लाने का मेरा यही उद्देश्य था। मा0 अध्यक्ष जी, मैंने माननीय मंत्री जी से पूछा था

कि कुल कितने ऐसे चिकित्सालय हैं, जो आयुष्मान कार्ड से आच्छादित हैं ? माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में बताया है कि निजी चिकित्सालयों की संख्या-3,356 है। इसी में मेरा जो दूसरा प्रश्न था, तो मैं आपके माध्यम से आग्रह करूँगा चूंकि वह सूची लम्बी हो जाती तो मा0 मंत्री जी, केवल मुझे ही नहीं बल्कि मुझे लगता है कि सभी मा0 जनप्रतिनिधियों को वह सूची उपलब्ध करा दें तो काफी सुविधा होगी। मेरा दूसरे पैरा का जो प्रश्न है, उसमें मैं सरकार से पूछा था कि क्या सरकार यह भी बतायेगी कि पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बन गये हैं ? तो सरकार ने यह माना है कि नहीं, अभी शेष लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड विशेष अभियान के माध्यम से सतत् रूप से बनाये जा रहे हैं। इसमें मेरा सवाल है कि यह कार्ड कब तक बनाये जाने का लक्ष्य है ? एक लक्ष्य निर्धारित हो जाये कि हम कब तक बना देंगे। मेरा तीसरा सवाल है कि क्या सरकार उक्त योजना से छूटे हुये पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने पर विचार करेगी ? हालाँकि इस पर सरकार का उत्तर आना चाहिए कि जी हाँ, लेकिन यह उत्तर नहीं आया है, खैर, यह तो अधिकारियों की त्रुटि है परन्तु मेरे कहने का मतलब है कि जो छूटे हुये लोग हैं, इनको कब तक आयुष्मान कार्ड बनाकर संयुक्त कर देंगे ?

श्री ब्रजेश पाठक-

मान्यवर, वर्ष 2011 के जो आँकड़े हैं, उस आधार पर हमको आयुष्मान कार्ड बनाने थे। ऐसे लगभग 1.18 करोड़ परिवारों को पहले से चिन्हित किया गया था। इसमें से जो वंचित लोग रह गये थे, ऐसे 8.43 लाख जो परिवार थे, उनको भी आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ दिया जा रहा है। मा0 अध्यक्ष जी, इसके अलावा जब फिर भी आँकड़ा पूरा नहीं हुआ तो हमने 40 लाख जो अन्त्योदय कार्ड धारक थे, उनको इसमें समाहित कर दिया। फिर भी कमी रह गयी चूंकि सेन्सेक्स के आधार पर, वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर जब हम लोग गांव में गये तो वह व्यक्ति उपलब्ध नहीं थे। तो हमको जो भारत सरकार से लक्ष्य मिला है, उतनी संख्या हम पूरी करेंगे तो हमने जो अन्य वंचित परिवार थे, जो पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं, उनको हमने शामिल किया है। ऐसे 11.65 लाख लोग हैं, जिनको हमने पात्रता की सूची में शामिल कर लिया है। इसके लिए हम गांव-गांव अभियान चला रहे हैं। जो हमारी आशा वर्कर्स हैं और जो हमारे पंचायत सहायक हैं, उनके मोबाइल पर हमने डाटा अपलोड कर दिया है। गांव में जाकर लाभार्थी का फोटो खींचकर कार्ड बनाने की प्रक्रिया चल रही है। यह हमारा लक्ष्य है और जिसे हम शीघ्रातिशीघ्र प्राप्त करेंगे। जो इलाज वाली व्यवस्था आपने बतायी है, उसमें अगर कोई अस्पताल मना करता है तो स्पेसिफक रूप से आप हमें जरूर बतायें। वह सूची हम आप सभी मा0 सदस्यों को उपलब्ध करायेंगे जो हमारे लिस्टेड हॉस्पिटल्स हैं।

श्री अध्यक्ष-

उमाशंकर जी, आपको कुछ पूछना है ?

श्री उमाशंकर सिंह-

मान्यवर, ठीक है, मा0 मंत्री जी ने वह तिथि नहीं बतायी है, शीघ्र बताया है।

श्री अध्यक्ष-

अब तिथि तो बतायी नहीं जा सकती, आपको भी मालूम है कि तिथि नहीं बतायी जा सकती।

श्री उमाशंकर सिंह-

जी मान्यवर, ठीक है, धन्यवाद।

प्रदेश के समस्त सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 केन्द्रों पर डायलिसिस मशीन उपलब्ध कराते हुए टेक्नीशियनों की भी नियुक्ति कराये जाने विषयक

***14-श्री पंकज (अनुपस्थित)-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में किडनी के बढ़ते हुए मरीजों की डायलिसिस प्रदेश के बड़े-बड़े शहरों में ही उपलब्ध होने के कारण किडनी के अधिकांश मरीजों की डायलिसिस की सुविधा समय से प्राप्त न होने की दशा में मृत्यु हो जा रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि प्रदेश के सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है ? यदि हाँ, तो उक्त का विवरण क्या है ? क्या सरकार प्रदेश के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर डायलिसिस मशीन उपलब्ध कराते हुए टेक्नीशियनों की भी नियुक्ति करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

जी नहीं।

डायलिसिस की आवश्यकता गुर्दे की गम्भीर बीमारी से ग्रसित लोगों के लिये होती है। ऐसे मरीज सामान्यतः अन्य रोगों से भी ग्रसित होते हैं, जिसके लिये गुर्दा रोग विशेषज्ञ, फिजिशियन, सर्जन आदि विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं विशिष्ट जांचों की आवश्यकता होती है। उनको उच्च स्तर पर सन्दर्भन की भी आवश्यकता पड़ती है। डायलिसिस सुविधा जिला स्तरीय चिकित्सालयों में दी जा रही है। वर्तमान में प्रदेश के जनपद स्तरीय चिकित्सालयों में डायलिसिस की निःशुल्क सुविधा हेतु पी0पी0पी0 मोड पर 72 हीमोडायलिसिस यूनिट संचालित हैं।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

(सम्बन्धित सदस्य का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित रहने पर)

(मा0 सदस्य डा0 रागिनी के अपने स्थान से अपनी बात कहने पर)

श्री अध्यक्ष-

नहीं, अतारांकित नहीं है, अगर वह प्रश्नकर्ता सदस्य उपस्थित होते तो आपको अवसर मिल जाता, वह नहीं हैं। यदि 20 प्रश्न खत्म हो जाएंगे तब किसी का इंट्रेस्ट होगा तो उस पर पूछ सकते हैं, यह उसका नियम है।

प्रदेश में होम्योपैथिक चिकित्सा विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती के सम्बन्ध में

***15-श्री मनोज कुमार पारस (अनुपस्थित)-**

क्या आयुष मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में होम्योपैथिक चिकित्सा विभाग में होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी/कर्मचारियों के स्वीकृत पदों के सापेक्ष वर्तमान में कितने पद रिक्त हैं ? क्या सरकार उक्त रिक्त पदों पर भर्ती करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

आयुष तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (डा0 दयाशंकर मिश्र 'दयालु')-

होम्योपैथिक चिकित्सा विभाग में होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी/कर्मचारियों के स्वीकृत पदों के सापेक्ष वर्तमान में रिक्त पदों का विवरण संलग्न† है।

जी हाँ।

चिकित्साधिकारी के रिक्त पदों को भरे जाने हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज को अधियाचन भेजे जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। फार्मासिस्ट के रिक्त 703 पदों को भरे जाने हेतु उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ को अधियाचन प्रेषित किया जा चुका है। आयोग की संस्तुति प्राप्त होते ही नियुक्ति कर दी जायेगी। चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरा जा रहा है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के सभी सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने विषयक

***16-श्री अतुल प्रधान (अनुपस्थित)-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के सभी सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 पर दवाओं की उपलब्धता सरकार सुनिश्चित करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

---

†देखिये नत्थी (ग) आगे पृष्ठ संख्या-408 पर।

श्री ब्रजेश पाठक-

सरकार द्वारा प्रदेश के सभी सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 पर आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जा रही है। इस हेतु उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाईज कार्पोरेशन की स्थापना की गयी है। कार्पोरेशन द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों में स्थित जनपदीय औषधि भण्डार गृहों तक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाती है, जहां से सम्बन्धित परिधिगत चिकित्सा इकाइयां अपनी आवश्यकतानुसार औषधियों की प्राप्ति सुनिश्चित करती हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में कोरोना महामारी के पुनः सक्रिय होने पर प्रदेश वासियों को उक्त के संक्रमण से बचाने तथा उचित इलाज के सम्बन्ध में

***17-श्री महबूब अली-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कोरोना महामारी के पुनः सक्रिय होने पर प्रदेश वासियों को उक्त के संक्रमण से बचाने तथा उचित इलाज हेतु किए गए इन्तजामों का विवरण सरकार सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 अथवा कोविड जैसी बीमारी के संक्रमण से बचाने तथा उचित इलाज हेतु किये गये व्यवस्था का विवरण निम्नवत् है :-

प्रदेश के समस्त जनपदों में डेडिकेटेड उपचार केन्द्रों की स्थापना की गई है जहां वेन्टीलेटर एवं एच0एफ0एन0सी0 सुविधा के साथ प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई हैं।

प्रदेश के समस्त जनपदों में कोविड-19 रोग की जाँच हेतु बी0एस0एल0-2 प्रयोगशालायें क्रियाशील की गयी है।

चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ को नियमित रूप से प्रभावी केस मैनेजमेन्ट हेतु समय-समय पर प्रशिक्षित किया जाता है।

कोविड-19 के प्रभावी नियंत्रण एवं उपचार हेतु समस्त रिपोर्टों के संकलन एवं विश्लेषण हेतु एक रियल टाइम ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है।

एकीकृत कोविड कन्ट्रोल एण्ड कमाण्ड सेन्टर की स्थापना कर रोगी/सम्भावित रोगी, टेस्टिंग इकाई, एम्बुलेन्स सेवा एवं उपचार केन्द्र के मध्य एक प्रभावी संवाद एवं समन्वय स्थापित किया गया है।

राज्य एवं जनपद स्तर पर क्रियाशील काल सेन्टरों के माध्यम से रोगियों को समुचित परामर्श एवं मार्ग-दर्शन किया जाता है।

रोगियों को घर बैठे जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत एक लैब रिपोर्ट लिंक जारी किया गया है, जिसके द्वारा प्रदेश की जनता लाभान्वित हो रही है।

कोविड-19 की रोकथाम, नियंत्रण एवं बचाव हेतु प्रदेश के समस्त जनपदों में समय-समय पर चिकित्सालयों की क्रियाशीलता एवं अन्य आवश्यक संसाधनों हेतु मॉकड्रिल से सम्बन्धित गतिविधियाँ सम्पादित की गई हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री महबूब अली-

मान्यवर, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। कोविड जैसी महामारी से सम्बन्धित मेरा प्रश्न है, जो कि आज नहीं है, लेकिन वह अपने पीछे बहुत सी ऐसी बीमारियाँ छोड़ गयी है जिसमें शायद हो सकता है कि अभी तक सरकार के द्वारा कोई व्यवस्था भी इस मामले में नहीं की गयी है। कोविड के वक्त तो प्रदेश का हर व्यक्ति सोचता था कि न जाने कब मौत आ जाये, अपने परिवार को, अपने यार-रिश्तेदारों को, अपने ताल्लुकदारों को बचाने के लिए वह लगा था। हर व्यक्ति के साथ-साथ मैंने भी 50 लाख रुपये उस वक्त दिया था कि वेंटिलेटर लग जाये, लेकिन कहीं न कहीं आज मंत्री जी का जो जवाब आया है कि वेन्टीलेटर तो लगाने का प्रयास किया गया है, लेकिन वेन्टीलेटर लगाने के बाद उन्हें संचालित करने के लिए, उन्हें चलाने के लिए क्या टेक्निकल लोगों की व्यवस्था की गयी है ?

मुझे नहीं लगता कि ऐसे टेक्निकल लोगों की व्यवस्था की गयी है। आपके पीछे मेरे अपने ही जनपद के साथी बैठे हैं, ऐसा नहीं है कि मैं खुद खड़ा हूं। हसनपुर सी0एच0सी0 में आक्सीजन प्लाण्ट आज तक पूर्ण रूप से चालू नहीं हुआ है। अमरोहा की तो जानकारी आपको होगी ही कि वहां जिस हाल में आक्सीजन पाइप लगा है, वहां एक बेड नहीं है, अपने पीछे बैठे विधायक से पूछ लीजिये, ये व्यवस्थाएं हैं आपकी और मेरे ख्याल से कोविड के बाद से गम्भीर बीमारियों से आज लोगों की ज्यादा मौतें हो रही हैं, कोई तैयारी/नीति नहीं बनायी गयी है। इसलिए मैं सीधा प्रश्न मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि किन परिस्थितियों में आक्सीजन प्लाण्ट और वेन्टीलेटर हेतु कितने प्रशिक्षित कर्मियों की भर्ती की गयी है-नम्बर एक और दूसरा नम्बर है, भविष्य में कोरोना को रोकने हेतु आप समस्त पी0एच0सी0 और सी0एच0सी0 में आक्सीजन प्लाण्ट और वेन्टीलेटर कब तक लगवायेंगे ? गम्भीर बीमारी फैल रही है उनके इलाज के लिए क्या आपने कोई नीति बनायी है ? बहुत सिम्पल से सीधे-सीधे 02 क्वेश्चन हैं माननीय मंत्री जी से।

श्री ब्रजेश पाठक-

माननीय अध्यक्ष जी, कोरोना से निपटने के लिए हमारी सरकार ने व्यापक इन्तजाम किये हैं। मैं आभार प्रकट करना चाहता हूं आदरणीय प्रधानमंत्री जी का जिनकी कृपा से पूरे देशवासियों को कोरोना वैक्सीन की डोज लगी और हम सब सुरक्षित हैं। दुनिया के कई विकसित राष्ट्र अभी भी कोरोना महामारी से जूझ रहे हैं वहां हाहाकार मचा हुआ है, लॉकडाउन है। हम जितने लोग यहां बैठे हैं सब लोगों को वैक्सीन लगायी जा चुकी है, 39 करोड़ 20 लाख डोज दिये गये हैं, जो एक रिकार्ड है पूरे देश में। इसके अलावा अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य को मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि हमारे जो सी0एच0सी0 स्तर के हास्पिटल्स हैं सभी में आक्सीजन प्लाण्ट सक्रिय हैं और हम लोगों ने इसके लिए मार्कड्रिल भी किया था। विशेष रूप से आपने अमरोहा के हास्पिटल की चर्चा की है हम आज ही वहां के मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय से बात करके अगर स्पेशियली वहां कोई दिक्कत है तो उसको दिखवायेंगे और जहां तक कर्मचारियों की आपने बात की तो एक्जेक्ट आंकड़ा तो हम बाद में दे पायेंगे, लेकिन हमारे पास पर्याप्त संख्या है, हम किसी भी स्तर से कोई कोताही नहीं बरतेंगे। अपने सभी हास्पिटल्स में कोविड की बीमारी एवं अन्य बीमारियों को लेकर समस्त व्यवस्थाएं करने के लिए सुनिश्चित ढंग से हम काम कर रहे हैं।

श्री महबूब अली-

मैंने पहले क्वेश्चन में मंत्री जी से प्रशिक्षित कर्मियों की भर्ती की आपसे बात की थी दूसरा मैंने अपने जनपद के किसी सी0एच0सी0 का नाम लिया था, आपके पीछे विधायक जी बैठे हैं, उनसे पूछ लीजिये।

श्री अध्यक्ष-

आपने सी0एच0सी0 का जो नाम लिया था, उसके बारे में उन्होंने तो कह दिया न कि उसको दिखवा लेंगे।

श्री महबूब अली-

मैं यह नहीं कह रहा हूं मान्यवर, मैंने प्रशिक्षित अल्फाज कहा है कि ऐसी कोई भर्ती की गयी है, भर्ती के विषय में अभी तक मुझे सूचना नहीं। वेन्टीलेटर जैसी कीमती मशीनों को अगर कोई चला रहा है तो मेरे ख्याल से अनट्रेन्ड लोगों द्वारा चलाना उचित नहीं। दूसरा-आप लगातार प्रयास कर रहे हैं, अभी आप कहेंगे कि प्रश्न से हटकर है ऐसा नहीं है। आप कोशिश कर रहे हैं स्वास्थ्य के क्षेत्र में, अभी हमारे मुख्य मंत्री जी यहां खड़े होकर एलान करके गये हैं कि जिन जनपदों के अन्दर मेडिकल कालेज नहीं हैं वहां आप मेडिकल कालेज बनायेंगे। जो डिस्ट्रिक हास्पिटल्स हैं आपने उन्हें मेडिकल कालेज तो बना दिया, लेकिन क्या दूसरा डिस्ट्रिक हास्पिटल भी बनाने की बात है ?

श्री अध्यक्ष-

अभी थोड़ी देर पहले ही यह प्रश्न तो आ चुका है। जो भी हाउस की प्रापर्टी है वह सभी के लिए है।

श्री महबूब अली-

मान्यवर, मैं पहले ही अनुरोध कह रहा हूं। इसलिए मेरा अनुरोध है मेरे अपने जनपद में भी मेडिकल कालेज नहीं है। क्या एम0आर0आई0 और सिटी स्कैन भी डिस्ट्रिक हास्पिटल में लगाने का आप आदेश देंगे ?

श्री अध्यक्ष-

इसका उत्तर भी आ चुका है।

प्रदेश में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल प्रशिक्षण क्षेत्र में सुधार हेतु योजना के सम्बन्ध में

***18-श्री शहज़िल इस्लाम अंसारी-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल प्रशिक्षण क्षेत्र में सुधार हेतु सरकार ने कोई योजना बनाई है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? क्या सरकार मिशन निरामया अभियान के अन्तर्गत प्रदेश में नर्सिंग व पैरामेडिकल प्रशिक्षण क्षेत्र में किए गये सुधारों का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष 2022 में वार्षिक परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचितापूर्ण आयोजित कराये जाने हेतु 550 से अधिक परीक्षा केन्द्रों की लाइव सीसी टीवी कैमरों के माध्यम से उ0प्र0 स्टेट मेडिकल फैकल्टी में स्थापित एक केन्द्रीकृत नियंत्रण कक्ष से निगरानी की व्यवस्था की गयी है। परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करने के लिए केन्द्रीय समन्वित उड़नदस्ते भी बनाये गये थे।

अधिक से अधिक छात्र नर्सिंग क्षेत्र में आकर्षित हों और रोजगार की सम्भावनाएं तलाश पाएं, इसके लिए 'हर घर एक नर्स' सोशल मीडिया अभियान चलाया गया।

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संस्थानों की गुणवत्ता सुधार हेतु प्रदेश के अच्छे नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संस्थानों को कम गुणवत्ता वाले संस्थानों के साथ जोड़ कर सूचना एवं सहयोग के आपसी आदान-प्रदान से इनके बीच गुणवत्ता के अन्तर को कम किया गया है।

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों से छात्रों को जागरूक करने के लिए उ0प्र0 स्टेट मेडिकल फैकल्टी द्वारा प्रदेश के राजकीय इण्टर कालेजों व निजी क्षेत्र के स्कूलों में करियर परामर्श सत्र का आयोजन भी किया जाता है।

उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा प्रदेश को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के क्षेत्र में अग्रणी केन्द्र बनाने के लिए अक्टूबर, 2022 में मिशन निरामया का शुभारम्भ किया गया। मिशन निरामया के 06 मुख्य अवयव हैं-नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संस्थानों की गुणवत्ता रेटिंग, संस्थानों के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम, निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षाएं, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल करियर परामर्श सत्र, उ0प्र0 स्टेट मेडिकल फैकल्टी के लिए एक डिजिटल प्लेटफार्म का निर्माण तथा नर्सिंग एवं पैरामेडिकल क्षेत्र में रोजगार का सृजन करना है। सरकार द्वारा उपर्युक्त कार्यक्रमों के माध्यम से नर्सिंग एवं पैरामेडिकल प्रशिक्षण क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार किया जा रहा है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री शहजिल इस्लाम अंसारी-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि अधिक से अधिक छात्र नर्सिंग क्षेत्र में आकर्षित हों और रोजगार की सम्भावनाएं तलाश पाएं इसके लिए हर घर एक नर्स का अभियान चलाया जा रहा है तो मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाह रहा हूं कि प्रचार-प्रसार की कोई व्यवस्था सरकार ने की है तो बता दें। दूसरा प्रश्न मेरा यह है कि पैरामेडिकल प्रशिक्षण क्षेत्र में सुधार हेतु सरकार ने जो योजना बनाई है उसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए भी कोई व्यवस्था रखी गयी है, बरेली मण्डल, मुरादाबाद मण्डल, सहारनपुर मण्डल में अगर कोई व्यवस्था है तो माननीय मंत्री जी बताने का कष्ट करें ?

श्री ब्रजेश पाठक-

माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से हम सदन को बताना चाहते हैं कि मेडिकल कॉलेज के साथ-साथ सभी जनपदों में जहाँ-जहाँ राजकीय मेडिकल कॉलेज खुलेंगे, हम हर मेडिकल कॉलेज में नार्सिग कॉलेज खोलने के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया शुरू कर दिये हैं। अभी हमने नर्सिंग पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए मिशन निरामया का प्रारम्भ किया है और हमको मिशन निरामया इसलिए बनाना पड़ा, हमने आयोग के माध्यम से नर्सेज के कुछ पद विज्ञापित किये थे। 4 हजार पदों के लिए 1 लाख आवेदन आये और उसमें हम लगभग 3 हजार नियुक्तियाँ कर पाये, 1 हजार पद खाली रह गये। पता चला कि नर्सिंग कॉलेज ऐसे चल रहे थे, जिनके पास न अस्पताल था, न ही उनके पास पढ़ाने के लिए फैकल्टी थी, इसकी वजह से हम लोगों ने मिशन निरामया प्रारम्भ किया। इसके लिए हमने 6 प्रमुख बिन्दु रखे हैं, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संस्थानों की गुणवत्ता रेटिंग करा रहे हैं, संस्थानों के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम प्रारम्भ किये हैं। निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षायें कराया है और हम लोगों ने उसे कैमरे की निगरानी में कराया। पहले स्वकेन्द्र परीक्षा प्रणाली थी, यानी जो परीक्षार्थी जहाँ पढ़ रहा है, वहीं इम्तिहान भी दे रहा था, इसको हमने समाप्त किया। पहले नर्सिंग कॉलेज से जो रिजल्ट

आता था, उसमें 85 परसेन्ट लोग पास हो जाते थे। जैसे ही हमने स्वकेन्द्र परीक्षा प्रणाली समाप्त की और कैमरे की निगरानी में कराई, वहीं रिजल्ट 25 प्रतिशत रह गया। हमें गुणवत्तापरक् नर्सेज भी मिलें, इसके लिए हम प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। इसके लिए हमने यू0पी0 स्टेट मेडिकल फैकल्टी के लिए एक डिजिटल प्लेटफार्म भी बनाया है और नर्सिंग एवं पैरामेडिकल क्षेत्र में रोजगार के लिए हम इण्टर कालेजों में भी जा करके बच्चों की काउंसिलिंग कर रहे हैं कि नर्सिंग और पैरामेडिकल के क्षेत्र में आप आइये और लगातार हमारा इस सम्बन्ध में प्रयास जारी है। जहाँ तक माननीय सदस्य का सवाल है, घर-घर वाला तो अभी समय नहीं आया है, लेकिन अस्पतालों में नर्सेज रहें, इसके लिए हम सुनिश्चित व्यवस्था करेंगे।

नेता विरोधी दल (श्री अखिलेश यादव)-

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ, हालाँकि इन्होंने बहुत विस्तार से अपने विभाग के बारे में बताया है। मैंने पिछली बार भी यही कहा था कि माननीय मंत्री जी को बजट बहुत ज्यादा नहीं मिलता, जिसकी वजह से वह काम नहीं कर पा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इस बजट में पर्याप्त बजट मिला होगा। अध्यक्ष महोदय, मुझे माननीय मंत्री जी से यह जानना है कि आप लगातार विज्ञापन निकालते हैं और विज्ञापन के बाद उसको आप कैन्सिल कर देते हैं, फिर विज्ञापन निकालते हैं। सबसे प्रेस्टीजियस इन्स्टीट्यूशन कैंसर इस्टीट्यूट, लखनऊ में है। आपने विज्ञापन निकाला, क्या वह एन0एम0सी0 के मानक से विज्ञापन था ? फिर आपने विज्ञापन कैन्सिल कर दिया। इसी तरह सैफई यूनिवर्सिटी में आपने विज्ञापन निकलवाया और फिर आपने विज्ञापन कैंसिल कर दिया, कारण क्या है ? क्या आप किसी को खुश करने के लिए या किसी का इन्तजार कर रहे हैं कि जब उसका कोर्स पूरा हो पायेगा तो इस विज्ञापन के माध्यम से उसको शामिल कर दिया जायेगा। माननीय मंत्री जी मुझे उम्मीद है कि आप बतायेंगे क्योंकि 45 मेडिकल कॉलेज हैं, मैं सबके लिए नहीं पूछ रहा हूँ, केवल 02 इंस्टीट्यूशन्स के बारे में पूछ रहा हूँ। कैंसर इंस्टीट्यूट में पर्याप्त पद जो खाली हैं, वह कब तक भरे जायेंगे ?

श्री ब्रजेश पाठक-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय नेता विरोधी दल जी ने जो सवाल पूछा है, वह मूल प्रश्न से हट करके है। लेकिन हम इस सवाल का जवाब आपको देंगे और आज ही हम अधिकारियों से बात करेंगे कि ऐसा क्यों हुआ और आपकी चिन्ता से हम सहमत हैं तथा इसको हम पूरा करेंगे।

प्रदेश में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की पदोन्नति के सम्बन्ध में

***19-श्री अखिलेश-**

क्या बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विगत 10 वर्षों में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की पदोन्नति नहीं की गई है ? यदि हाँ, तो उक्त के क्या

कारण हैं ? क्या सरकार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की पदोन्नति करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री (श्रीमती बेबी रानी मौर्य)-

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकत्री से मुख्य सेविका के 292 पदों के सापेक्ष चयन की कार्यवाही वर्ष 2013-2014 (कट आफ तिथि 01-07-2010) में दिनांक 08-08-2014 को सम्पन्न की गई।

उक्त सम्पन्न चयन कार्यवाही से असन्तुष्ट/अचयनित अभ्यर्थियों (आंगनबाड़ी कार्यकत्री) में से कई अभ्यर्थियों द्वारा मा0 उच्च न्यायालय/विभिन्न आयोगों में चयन प्रक्रिया के सम्बन्ध में याचिकाएँ/शिकायतें दाखिल की गयीं, साथ ही मा0 जनप्रतिनिधियों एवं अन्य स्तरों से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के उपरान्त वर्ष 2017 में आंगनबाड़ी कार्यकत्री से मुख्य सेविका के 351 रिक्त पदों के सापेक्ष दिनांक 01-07-2017 को कट ऑफ तिथि निर्धारित कर चयन प्रक्रिया आरम्भ की गयी।

जी हाँ।

वर्तमान में कट ऑफ तिथि 01-07-2017 निर्धारित करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकत्री से मुख्य सेविका के पद पर चयन की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी है, जो आगामी 03 माह में पूर्ण कर ली जाएगी।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री अखिलेश-

मान्यवर, लोक सेवक हित में काम करने वाले, ऐसे बड़े वर्ग की समस्याओं के बारे में आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से मैं जानना चाहता हूँ कि अगर इनसे लोक सेवक के रूप में काम लिया जाता है तो इन्हें सुविधायें और व्यवहार क्यों नहीं मिल पाता है। मेरा आशय आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों सहायिकाओं और मुख्य सेविकाओं से है। वर्ष 2017 में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से पदोन्नति के लिए आवेदन मांगे गये थे। लगातार 5 साल के लम्बे इन्तजार के बाद वर्ष 2023 में सूची जारी की गई। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि इस बीच में जिन सेविकाओं की उम्र 50 साल की हो गई और उन्हें प्रमोशन से वंचित हो जाना पड़ा उसकी जिम्मेदारी किसकी है। जिन लोगों ने लगातार 50 साल तक इस प्रकरण को लटकाये रखा क्या सरकार उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी और साथ ही पदोन्नति से वंचित रह गई कार्यकत्रियों की भरपाई सरकार करेगी। यदि नहीं तो क्यों।

श्रीमती बेबी रानी मौर्य-

मान्यवर, हमारे माननीय विधायक जी का प्रश्न था। वह यह था कि क्या बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री यह बतायेंगे कि विगत 10 वर्षों में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की

पदोन्नति नहीं की गई। इसके जवाब में मैं माननीय विधायक जी को बताना चाहूंगी कि बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकत्री से मुख्य सेविका के 292 पदो के सापेक्ष चयन की कार्रवाई वर्ष 2013-2014 में की गई। जो कट ऑफ तिथि 01-07-2010 को थी वह सम्पन्न कर दी गई है। जो माननीय विधायक जी ने दूसरा प्रश्न पूछा है उसकी प्रक्रिया चल रही है, लेकिन जो बीच में एक और सवाल पूछा है, उसके विषय में मैं आपको यह बताना चाहूँगी कि जनपदों से डाटा प्राप्त किये जाने में विलम्ब हुआ तथा प्राप्त डाटा में त्रुटियां होने के कारण उन्हें सुधारने में समय लगा। वर्तमान में डाटा का सुधार कर लिया गया है। शीघ्र ही प्रक्रिया पूर्ण कर ली जायेगी।

श्री अध्यक्ष-

अब प्रश्नों का समय समाप्त हुआ।†

श्री अजय कुमार-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। आज मेरा अतारांकित प्रश्न-188 था जिसमें मैने पूछा था कि क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में आवारा पशुओं से.....

श्री अध्यक्ष-

इसके ऊपर तो बहुत चर्चा हो गई। इसके ऊपर मैंने 15 मिनट दिये हैं।

श्री अजय कुमार-

मान्यवर, बहुत गम्भीर प्रश्न है। फसलों को नुकसान तथा जनवरों के हमले से किसानों की मौतें हो रही हैं और किसान घायल भी हो रहे हैं। मंत्री जी ने कहा जी नहीं। इसका मतलब यह निकाला जा रहा है कि आवारा पशुओं से फसलों का कोई नुकसान नहीं हो रहा है तथा जानवरों के हमले से किसानों की मौत नहीं हो रही है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपने किस सन्दर्भ में क्या पूछा है, मंत्री जी ने क्या उत्तर दिया है क्योंकि अब इसका उत्तर नहीं आ सकता है। अगर आपको लगता है कि प्रश्न का उत्तर गलत है तो आप उस उत्तर का एक प्लेटफार्म है, नियम है उसके अन्तर्गत आप उत्तर दो जिसने गलत उत्तर दिया होगा मंत्री जी उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

श्री अजय कुमार-

मान्यवर, यह तो सदन को गुमराह करने वाला है।

---

† नत्थी (क) के तारांकित प्रश्न सं0-19 के उपरान्त प्रश्नों का समय समाप्त हुआ।

श्री अध्यक्ष-

वह गुमराह हुआ कि नहीं हुआ यह कैसे पता चलेगा। हो सकता है सही रास्ते पर चल रहा हो।

श्री अजय कुमार-

मान्यवर, यह गलत बात है।

श्री अध्यक्ष-

यह गलत है या सही है यह उसके ऊपर निर्भर करेगा। अब मंत्री जी इसका उत्तर नहीं दे पायेंगे। माननीय मंत्री जी, जो उन्होंने उत्तर दिया है आप इसका संज्ञान ले लीजियेगा। यह जो प्रश्न माननीय सदस्य कह रहे हैं आप इसके बारे में जानकारी कर लीजियेगा। मेरा आपसे यह निवेदन है।

प्रदेश में स्वास्थ्य केन्द्रों में केन्द्रवार व जिलेवार स्वास्थ्य सम्बन्धित वाहनों के सम्बन्ध में

***20-श्री महेन्द्र नाथ यादव-**

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में स्थित अलग-अलग स्वास्थ्य केन्द्रों में केन्द्रवार व जिलेवार कुल कितने-कितने स्वास्थ्य सम्बन्धित वाहनों की व्यवस्था है तथा इनमें से वर्तमान में कितने चलायमान हैं व कितने खराब हैं ? क्या सरकार खराब वाहनों को चलायमान करने के लिए कोई कार्यवाही करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश में केन्द्रवार व जिलेवार कुल 197 नग स्वास्थ्य सम्बन्धी वाहन एवं 233 नग शव वाहन मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के स्तर पर उपलब्ध हैं। इनमें से वाहन खराब होने पर सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी द्वारा वाहनों की मरम्मत करा ली जाती है।

उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में कुल 2270 एम्बुलेंस के माध्यम से 102 नेशनल एम्बुलेंस सेवा गर्भवती महिलाओं व 01 वर्ष तक की आयु के नवजात शिशुओं को निःशुल्क चिकित्सकीय परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु एवं प्रदेश में स्थित अलग-अलग स्वास्थ्य केन्द्रों में केन्द्रवार व जिलेवार 108 ई0एम0टी0एस0 एम्बुलेंस सेवा के अन्तर्गत 2200 एम्बुलेंसों तथा ए0एल0एस0 एम्बुलेंस सेवा के अन्तर्गत 250 एम्बुलेंसों की व्यवस्था है, जो क्रियाशील है।

वर्तमान में समस्त वाहन चलयमान हैं तथा वाहन खराब होने पर जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों द्वारा समय-समय पर नियमानुसार मरम्मत सम्बन्धी कार्यवाही कराकर वाहनों को चलायमान किया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

अतारांकित प्रश्न

1-डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

[माननीय सदस्य द्वारा वापस लिया गया।]

प्रदेश के जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में डाक्टरों के स्वीकृत रिक्त पदों पर नियुक्ति के सम्बन्ध में

2-श्री प्रसन्न कुमार-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के कितने जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में डाक्टरों के स्वीकृत पदों के सापेक्ष वर्तमान में कितने पद रिक्त हैं ? क्या सरकार उक्त रिक्त पदों पर शत-प्रतिशत नियुक्ति करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

प्रदेश के जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों के स्वीकृत 19011 पदों के सापेक्ष वर्तमान में 6957 पद रिक्त हैं।

उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत एवं पुनर्योजन द्वारा कुल 1903 चिकित्सक एवं वाक-इन इन्टरव्यू के माध्यम से 288 चिकित्सक तैनात हैं।

चिकित्सक के पदों को भरने की कार्यवाही समय-समय पर सीधी भर्ती व पदोन्नति द्वारा सम्पादित की जाती है। लेवल-2 के विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों के 2382 पदों को भरे जाने हेतु अधियाचन उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, उ0प्र0, प्रयागराज को प्रेषित किया गया है। उ0प्र0 लोक सेवा आयोग से चयनोपरान्त चिकित्सकों की उपलब्धता के आधार पर चिकित्सकों की तैनाती की जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नही उठता।

प्रदेश में मोतियाबिन्द मरीजों के आपरेशन के सम्बन्ध में

3-श्री प्रसन्न कुमार-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में सरकार द्वारा संचालित तीन वर्षीय नेत्र ज्योति अभियान के अन्तर्गत दिनांक 17-10-2022 तक प्रदेश में कितने एवं कहां-कहां मोतियाबिंद मरीजों के आपरेशन किये जा चुके हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश में राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता एवं दृष्टिदोष नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित होने वाले तीन वर्षीय नेत्र ज्योति अभियान के अन्तर्गत दिनांक 17-10-2022 तक मोतियाबिन्द के 3,26,073 मरीजों के ऑपरेशन किये जा चुके हैं, उक्त तिथि तक प्रदेश के जनपदों में किये गये मोतियाबिन्द आपरेशन का संख्यावार विवरण संलग्न† है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के प्रत्येक जनपदों में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालयों में नियुक्ति के सम्बन्ध में

4-श्री प्रसन्न कुमार-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के प्रत्येक जनपदों में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय स्थित है ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि उक्त कार्यालयों में स्वीकृत पदों के सापेक्ष वर्तमान में कितने पद रिक्त हैं ? क्या सरकार उक्त रिक्त पदों पर शत-प्रतिशत नियुक्ति करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

जी हाँ।

सैनिक कल्याण विभाग के अन्तर्गत जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारियों के कार्यालयों में कुल 667 स्वीकृत पदों के सापेक्ष वर्तमान में 203 पद रिक्त हैं।

रिक्त पदों पर नियुक्ति की कार्यवाही संगत नियमों/समय-समय पर निर्गत शासनादेशों/आदेशों की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाती है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में चिकित्सा विश्वविद्यालयों की स्थापना के सम्बन्ध में

5-श्री अनिल प्रधान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि 01 अप्रैल, 2017 से 22 दिसम्बर, 2022 तक प्रदेश में कितने चिकित्सा विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या सरकार प्रदेश के बुन्देलखण्ड

---

† देखिये नत्थी (घ) आगे पृष्ठ संख्या-409-410 पर।

क्षेत्र के चित्रकूटधाम मण्डल में चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना कराए जाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ, 01 अप्रैल, 2017 से 22 दिसम्बर, 2022 तक प्रदेश में अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ की स्थापना की गयी है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

चिकित्सा शिक्षा में गुणवत्ता एवं एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक ही सम्बद्धता देने वाली विश्वविद्यालय स्थापित करना उपयुक्त है। अतः बुन्देलखण्ड क्षेत्र के चित्रकूटधाम मण्डल में सम्प्रति चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

उक्तानुसार।

जनपद आजमगढ़ मुख्यालय में न्यूरो विभाग में चिकित्सक एवं एक्स-रे टेक्नीशियन की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

6-डॉ0 हृदय नारायण सिंह पटेल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ मुख्यालय में न्यूरो विभाग में चिकित्सक एवं एक्स-रे टेक्नीशियन की सुविधा उपलब्ध नहीं है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनपद आजमगढ़ मुख्यालय पर उक्त सुविधा उपलब्ध करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

मण्डलीय जिला चिकित्सालय आजमगढ़ में न्यूरो फिजीशियन/न्यूरो सर्जन का पद स्वीकृत नहीं है, न ही कार्यरत है। मण्डलीय जिला चिकित्सालय में एक्स-रे टेक्नीशियन की सुविधा उपलब्ध है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद चित्रकूट के जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं खोह में स्थित 200 बेड के मातृत्व एवं शिशु चिकित्सालय में सृजित पदों के सापेक्ष चिकित्सकों की नियुक्तियां कराये जाने के सम्बन्ध में

7-श्री अनिल प्रधान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद चित्रकूट के जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं खोह में स्थित 200 बेड के मातृत्व एवं शिशु चिकित्सालय में कितने पद सृजित हैं ? सृजित पदों के सापेक्ष उपर्युक्त सभी चिकित्सालयों

में कितने पदों पर नियुक्ति दी गई है तथा कितने पद खाली हैं ? क्या सरकार सृजित पदों के सापेक्ष चिकित्सकों की नियुक्तियां कराएगी, यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद चित्रकूट के जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं खोह में स्थित 200 बेड के मातृत्व एवं शिशु चिकित्सालय में विभिन्न प्रकार के भिन्न-भिन्न स्रोतों से भरे जाने वाले सृजित/स्वीकृत पदों की संख्या निम्नवत् है :-

चिकित्सालय का नाम	सृजित/स्वीकृत पदों की संख्या
जिला संयुक्त चिकित्सालय	162
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (06)	131
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (29)	125
200 बेड एम0सी0एच0 विंग खोह, चित्रकूट	196

जनपद चित्रकूट के जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं खोह में स्थित 200 बेड के मातृत्व एवं शिशु चिकित्सालय में कार्यरत एवं रिक्त पदों की सूचना निम्नवत् है :-

चिकित्सालय का नाम	सृजित/स्वीकृत पदों की संख्या	कार्यरत पद	रिक्त पद
जिला संयुक्त चिकित्सालय	162	91	71
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (06)	131	86	45
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (29)	125	74	51
200 बेड एम0सी0एच0 विंग खोह, चित्रकूट	196	31	165
कुल	**614**	**282**	**322**

चिकित्सालयों में कतिपय विधा के विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को पूर्ण किये जाने हेतु अधियाचन लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज को प्रेषित किया गया है। इसके अतिरिक्त संविदा एवं पुनर्नियोजन के माध्यम से भी चिकित्सकों की तैनाती की जाती है।

रिक्त पदों को सीधी भर्ती एवं पदोन्नति के माध्यम से भरना एक सतत् प्रक्रिया है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में जिला अस्पताल की भांति प्रत्येक विधान सभा क्षेत्रों में 100 शैय्या युक्त अस्पताल बनवाये जाने के सम्बन्ध में

8-श्री अखिलेश-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में जिला अस्पताल की भांति प्रत्येक विधान सभा क्षेत्रों में 100 शैय्या युक्त अस्पताल बनवाने पर सरकार विचार करेगी ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के नगर पालिका में आम जनमानस की परेशानियों को देखते हुए 100 शैय्या युक्त अस्पताल बनवायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

उपरोक्तानुसार।

राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता व प्रदेश के वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर निर्णय लिया जाता है। शासनादेश संख्या-596 (क)/पाँच-6-17-43 (जी)/2017, दिनांक 06-05-2017 द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रदेश में विभाग द्वारा नये निर्माण के स्थान पर निर्मित/निर्माणाधीन चिकित्सालयों को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु आवश्यक मानव/वित्तीय संसाधनों की अभिवृद्धि हेतु समुचित कार्यवाही करने को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी।

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत देवीदासपुर प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्र में वर्षवार भवन आदि के अनुरक्षण पर व्यय एवं भवन व कर्मचारियों के बने क्वार्टर्स को ठीक कराये जाने के सम्बन्ध में

9-श्री सुभाष त्रिपाठी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्र देवीदासपुर में वर्ष 2017-18, 2018-19, 2019-20, 2020-21 तथा 2021-22 में वर्षवार भवन आदि के अनुरक्षण पर कितना धन व्यय किया गया है ? क्या सरकार को जानकारी है कि उक्त प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्र का भवन व कर्मचारियों के बने क्वार्टर्स बहुत खराब हालत में हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त भवनों को ठीक करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ। प्राथ0 स्वा0 केन्द्र, देवीदासपुर में अनुरक्षण पर वर्ष 2017-18, वर्ष 2018-19, वर्ष 2019-20 व वर्ष 2020-21 में शून्य तथा वर्ष 2021-22 में रुपये 2,28,043/- का व्यय किया गया है।

जी नहीं। उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भवन व कर्मचारियों के बने क्वार्टर्स उपयोग में लाये जाने योग्य है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर अस्पताल व आवासीय क्वार्टर्स में पानी सप्लाई की व्यवस्था

10-श्री सुभाष त्रिपाठी

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्दों पर अस्पताल व आवासीय क्वार्टर्स में पानी सप्लाई की व्यवस्था नहीं है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त केन्द्रों पर पानी सप्लाई की व्यवस्था कराएगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विश्वेश्वरगंज व चिरैयाटांड (हुजूरपुर) के अस्पताल एवं आवासीय क्वार्टर्स में जलापूर्ति की व्यवस्था है तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पयागपुर के अस्पताल में पानी सप्लाई है, परन्तु टंकी जर्जर होने के कारण आवासीय क्वार्टर्स में पानी सप्लाई की वैकल्पिक व्यवस्था की गयी है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नेवासी व हुजूरपुर के अस्पतालों में जलापूर्ति की व्यवस्था है तथा इनके आवासीय क्वार्टर्स निष्प्रयोज्य हैं एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामनगर, खजुरी, पहलवारा तथा खुटेहना में पाइप लाइन में खराबी होने के कारण अस्पताल एवं आवासीय क्वार्टर्स में पानी की सप्लाई बाधित है। उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में जलापूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था की गयी है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत सामुदायिक व प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्रों पर महिला प्रसव व ऑपरेशन की सुविधा एवं रात्रि में प्रसव व ऑपरेशन हेतु विद्युत सप्लाई की वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

11-श्री सुभाष त्रिपाठी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत किन-किन सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्दों पर महिला प्रसव व

ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है ? क्या सरकार को जानकारी है कि कतिपय केन्द्रों पर रात्रि में प्रसव व ऑपरेशन हेतु विद्युत सप्लाई न रहने पर वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था उपलब्ध नहीं है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था कराएगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के अन्तर्गत सामुदायिक स्वा0 केन्द्र, विशेश्वरगंज, पयागपुर, हुजूरपुर तथा प्राथ0 स्वा0 केन्द्र, तेंदुआ कबीर, मुण्डेरवा, विशेश्वरगंज बाजार, देवीदासपुर में प्रसव की सुविधा एवं एफ0आर0यू0 सामु0 स्वा0 केन्द्र, पयागपुर में आपरेशन की सुविधा उपलब्ध है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं उपकेन्द्रों में रात्रि में प्रसव हेतु विद्युत सप्लाई न रहने पर वैकल्पिक व्यवस्था हेतु इन्वर्टर उपलब्ध है एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पयागपुर में वैकल्पिक व्यवस्था हेतु जनरेटर एवं इन्वर्टर से विद्युत की सप्लाई व्यवस्था उपलब्ध है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत प्रसव/ऑपरेशन से सम्बन्धित मूलभूत सुविधाओं के सम्बन्ध में

12-श्री सुभाष त्रिपाठी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत किन-किन स्थानों पर महिला प्रसव/ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है ? क्या ऐसे सभी स्थानों पर प्रसव/ऑपरेशन से सम्बन्धित मूलभूत सुविधाएं सरकार उपलब्ध करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, विशेश्वरगंज एवं हुजूरपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तेंदुआ कबीर, मुण्डेरवा, विशेश्वरगंज बाजार एवं देवीदासपुर तथा उपकेन्द्र मनकापुर, प्रतापपुर तरहर, गुजरा, तकिया, कटका, अनुभापुर एवं लौदा महोली में महिला के सामान्य प्रसव की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

एफ0आर0यू0 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पयागपुर में सामान्य प्रसव एवं ऑपरेशन दोनों सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

13-श्री सुभाष त्रिपाठी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत कितने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं ? क्या सरकार बतायेगी कि उक्त सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्दों पर एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध है ? यदि नहीं, तो क्या सरकार उक्त सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के अन्तर्गत तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विश्वेश्वरगंज, पयागपुर, हुजूरपुर हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पयागपुर में एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध है एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विश्वेश्वरगंज एवं हुजूरपुर में एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध नहीं है। चिकित्सालयों पर साज-सज्जा एवं उपकरण की सुविधा उपलब्ध कराना एक निरन्तर प्रक्रिया है, जो संसाधनों की उपलब्धता एवं आवश्यकता पर निर्भर है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुरादाबाद सहित प्रदेश में संचालित जिला चिकित्सालय तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सक व चिकित्सक कर्मचारियों के नियुक्ति व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

14-श्री जियाउर्रहमान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद सहित पूरे प्रदेश में वर्तमान में संचालित जिला चिकित्सालय तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सक व विशेषज्ञ और चिकित्सक कर्मचारियों के कितने पद सृजित हैं एवं उसके सापेक्ष कितने पद रिक्त हैं ? क्या सरकार रिक्त पदों पर समय-सीमा निर्धारित कर नियुक्ति करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं तो क्यों ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि उक्त जिला चिकित्सालयों व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मानकानुसार जेनेरिक दवाएं उपलब्ध हैं ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद मुरादाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सक/विशेषज्ञ चिकित्सक के 156 पद एवं जिला चिकित्सालय में 54 पद स्वीकृत हैं, जिसके सापेक्ष चिकित्सक एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों के 119 पद रिक्त हैं।

जनपद मुरादाबाद में वॉक-इन-इन्टरव्यू के माध्यम से 01 विशेषज्ञ चिकित्सक एवं 01 चिकित्सक (एम0बी0बी0एस0) एवं पुनर्योजन के माध्यम से 04 विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात हैं। प्रदेश में पी0एम0एच0एस0 संवर्ग के चिकित्सक एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों के 19011 पद स्वीकृत हैं, जिसमें जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भी सम्मिलित हैं। कुल स्वीकृत चिकित्सकों के 19011 पदों के सापेक्ष 6957 चिकित्सक के पद रिक्त हैं।

उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत एवं पुनर्योजन द्वारा कुल 1903 चिकित्सक एवं वाक-इन इन्टरव्यू के माध्यम से 288 चिकित्सक तैनात हैं।

चिकित्साधिकारियों के रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा की जाती है। तद्नुसार चिकित्साधिकारियों के 2382 पदों को भरे जाने हेतु अधियाचन उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, उ0प्र0, प्रयागराज को प्रेषित किया गया है। उ0प्र0 लोक सेवा आयोग से चयनोपरान्त चिकित्सकों की उपलब्धता के आधार पर चिकित्सकों की तैनाती की जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाईज कार्पोरेशन द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों में स्थित जनपदीय औषधि भण्डार गृहों तक जेनेरिक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाती है। सम्बन्धित परिधिगत चिकित्सा इकाइयों (विशिष्ट चिकित्सालय, जिला चिकित्सालय, सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0) द्वारा अपनी आवश्यकतानुसार औषधियाँ जनपदीय औषधि भण्डार गृहों से प्राप्त की जाती हैं।

विवरण संलग्न† है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, फिरोजाबाद में कैथलैब, इको कार्डियोग्राफी, आवश्यक भवन निर्माण एवं संचालन हेतु मानव संसाधन उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

15-श्री मनीष असीजा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, फिरोजाबाद में कैथलैब, इको-कार्डियोग्राफी, आवश्यक भवन निर्माण एवं

---

† देखिये नत्थी (ङ) आगे पृष्ठ संख्या-411-416 पर।

संचालन हेतु मानव संसाधन उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में प्रधानाचार्या, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, फिरोजाबाद के द्वारा प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा-3, लखनऊ को प्रेषित पत्रांक एफजेडडी/2022/455 दिनांक 21 मई, 2022 को प्राप्त हुआ ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक

जी हाँ।

वर्तमान में नवस्थापित चिकित्सा विद्यालयों में बेसिक स्पेशियलिटी विधाओं की सेवाएँ संचालित है एवं इनमें अभी नीतिगत स्तर पर सुपर स्पेशियलिटी सेवायें (यथा कैथलैब इत्यादि) संचालित करने का निर्णय नहीं लिया गया है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रदेश में जनपदवार वर्ष 2017 से दिनांक 25-07-2022 तक गौशालाओं के निर्माण के सम्बन्ध में

16-श्री राजपाल सिंह बालियान-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वर्ष 2017 से दिनांक 25-07-2022 तक कुल कितनी गौशालाओं का निर्माण किया गया है एवं निर्मित गौशालाओं में से कितनी गौशाला संचालित हैं तथा इनके निर्माण पर कुल कितनी धनराशि व्यय की गई है ? क्या सरकार उक्त गौशालाओं का विवरण जनपदवार सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

गौशाला एक धर्मार्थ संस्था है जिसका निर्माण व संचालन निजी/स्वयंसेवी संस्था एवं दानोत्तरीय धार्मिक व अन्य संस्थाओं द्वारा किया जाता है।

लागू नहीं होता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना में आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के सम्बन्ध में

17-श्री राजपाल सिंह बालियान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने कि कृपा करेंगे कि जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना में दिनांक 02-09-2022 तक आयुष्मान योजना के अन्तर्गत कितने आयुष्मान कार्ड बनाये गये हैं तथा कितने बनाया जाना शेष है ? क्या सरकार शेष आयुष्मान कार्ड बनवायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना में दिनांक 02-09-2022 तक आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 23,695 आयुष्मान कार्ड बनाये गये हैं तथा 14,266 आयुष्मान कार्ड बनाया जाना शेष है।

सरकार का प्रयास है कि शीघ्र से शीघ्र लक्षित लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड प्राप्त हो सके, इस हेतु सरकार द्वारा निरन्तर विशेष अभियान चलाकर लक्षित लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जा रही है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कौशाम्बी की विधान सभा क्षेत्र सिराथू के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों/उच्च प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सक एवं विशेषज्ञ की उपलब्धता के सम्बन्ध में

18-डॉ0 पल्लवी पटेल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने कि कृपा करेंगे कि जनपद कौशाम्बी की विधान सभा क्षेत्र सिराथू सहित अधिकांश सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों/उच्च प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मानक के अनुरूप चिकित्सक एवं विशेषज्ञ की उपलब्धता सरकार सुनिश्चित कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां।

विभिन्न विशेषज्ञता के चिकित्सकों के पदों पर चयन किये जाने हेतु अधियाचन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज को प्रेषित किया गया है। लोक सेवा आयोग से चयनित विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध होने पर आवश्यकतानुसार नियुक्ति/तैनाती की जायेगी।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज में नवनिर्मित 100 बेड के अस्पताल के संचालन के सम्बन्ध में

19-श्री बेचई सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने कि कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज में नवनिर्मित 100 बेड के अस्पताल को संचालित कर दिया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार यह बतायेगी कि उक्त अस्पताल में कितने डाक्टर, फार्मासिस्ट, नर्स, सफाई कर्मी तैनात हैं ? क्या सरकार के संज्ञान में है कि 100 बेड के अस्पताल में पैथोलॉजी लैब संचालित नहीं होने के कारण मरीजों को बाहर महंगे दामों में जांच करानी पड़ रही है, जिस कारण मरीजों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल में

पैथोलाजी लैब, एक्स-रे व अन्य जांच की व्यवस्था कराते हुए अस्पताल में तैनात डाक्टर व अन्य कार्मिकों के नाम तथा मोबाइल नम्बर की सूची सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां। जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज में नवनिर्मित 100 बेड का अस्पताल स्थानीय व्यवस्था पर संचालित है।

उक्त अस्पताल में 11 डाक्टर, 02 फार्मासिस्ट, 02 नर्स, 01 सफाई कर्मी तैनात हैं।

उक्त अस्पताल में पैथोलॉजी लैब सामु0 स्वा0 केन्द्र लालगंज से संचालित है। किसी भी मरीज को अन्यत्र जांच हेतु बाहर नहीं भेजा जाता है।

उक्त अस्पताल में पैथोलॉजी लैब, एक्स-रे आदि संचालित है। अस्पताल में तैनात डाक्टर व अन्य कार्मिकों के नाम तथा मोबाइल नम्बर की सूची संलग्न† है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत बरदह, ठेकमा व लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एण्टी वेनम एन्जेक्शन व एण्टी रैबीज इन्जेक्शन उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

20-श्री बेचई सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत बरदह, ठेकमा व लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एण्टी वेनम इन्जेक्शन व एण्टी रैबीज इन्जेक्शन नहीं रहने के कारण पीड़ितों को बाजार से महंगे दामों में खरीदना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर एण्टी वेनम व एण्टी रैबीज इन्जेक्शनों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि विगत पांच वर्षों में उक्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर कितनी मात्रा में एण्टी वेनम इन्जेक्शन व एण्टी रैबीज इन्जेक्शन उपलब्ध कराये गये थे ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालगंज, ठेकमा, बरदह के अतिरिक्त सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एण्टी स्नेक वेनम एवं एण्टी रैबीज वैक्सीन की उपलब्धता निरन्तर बनी रहती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आने वाले सभी रोगियों को इसकी निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है।

---

† देखिये नत्थी (च) आगे पृष्ठ संख्या-417 पर।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

उक्त तीनों सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर विगत पांच वर्षों में कुल एण्टी रेबीज वैक्सीन 22210 डोज एवं एण्टी स्नेक वेनम 1960 वायल की आपूर्ति की गयी है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज में निर्मित महिला चिकित्सालय में डाक्टर, फार्मासिस्ट, दवायें व अन्य चिकित्सीय उपकरण की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में

21-श्री बेचई सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज में निर्मित महिला चिकित्सालय का भवन निर्माण किस कार्यदायी संस्था से कितनी लागत में किस वर्ष कराया गया ? क्या यह सही है कि उक्त महिला अस्पताल में मरीजों का इलाज नहीं किया जा रहा है एवं सिर्फ टीकाकरण किया जा रहा है ? यदि हां, तो उक्त के क्या कारण हैं ? क्या सरकार जनहित में महिला अस्पताल में समुचित डाक्टर, फार्मासिस्ट, दवाएं व अन्य समस्त चिकित्सकीय उपकरण, सफाई कर्मी आदि की व्यवस्था करते हुए उक्त महिला अस्पताल को संचालित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालगंज, आजमगढ़ को उच्चीकृत कर 100 शैय्या चिकित्सालय का निर्माण कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद् द्वारा किया जा रहा है, जिसकी लागत रुपये 2460.68 लाख है एवं कार्य वर्ष 2016 में स्वीकृत हुआ है। उक्त 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय को क्रियाशील कर दिया गया है।

उपरोक्तानुसार ।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा में ट्रामा सेन्टर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में

22-श्री मोहन वर्मा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा में ट्रामा सेन्टर नहीं होने की स्थिति में सड़क दुर्घटना में घायलों को 36 किमी0 दूर गोरखपुर लेकर जाना पड़ता है जिससे घायल अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में दम तोड़ देते हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्र में ट्रामा सेन्टर का निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद कुशीनगर में नगर पालिका हाटा में नेशनल हाई-वे-28 के बगल में 30 बेड का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हाटा संचालित है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हाटा में 04 एम0बी0बी0एस0 चिकित्साधिकारी तैनात हैं, जिनके द्वारा आम-जनमानस का एवं सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों का उपचार किया जाता है।

भारत सरकार की गाइड लाइन के अनुसार 02 ट्रामा सेन्टर के बीच की दूरी 100 किमी0 होनी चाहिए। 35 किमी0 दूर जनपद मुख्यालय पर संयुक्त चिकित्सालय, कुशीनगर स्थित है, जहां पर 24 घण्टे इमरजेन्सी सुविधायें उपलब्ध हैं।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बाराबंकी के विधान सभा क्षेत्र जैदपुर के कस्बा सतरिख के पास सप्तरिषी प्राचीन आश्रम एवं देवघर माता जी के मन्दिर के जीर्णोद्धार के सम्बन्ध में

23-श्री गौरव कुमार-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बाराबंकी के विधान सभा क्षेत्र जैदपुर के अन्तर्गत ब्लाक हरख के अन्तर्गत कस्बा सतरिख के पास सप्तरिषी प्राचीन आश्रम एवं देवघर माता जी के मंदिर का जीर्णोद्धार सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री (श्री जयवीर सिंह)-

जी नहीं।

उपरोक्तानुसार।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा किसी धार्मिक स्थल/आश्रम/मंदिर आदि के जीर्णोद्धार का कार्य नहीं कराया जाता है, अपितु उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा चिन्हित किए गए

12 पर्यटन सर्किट (परिपथ) के अन्तर्गत आने वाले स्थलों एवं ऐसे स्थल जहां पर बड़ी संख्या में पर्यटकों/श्रद्धालुओं का आगमन होता है, वहां पर पर्यटकों/श्रद्धालुओं के सुविधार्थ मूलभूत पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का सृजन किये जाने सम्बन्धी कार्यवाही की जाती है।

प्रदेश में कर्मचारियों/अधिकारियों के नीति विरुद्ध अटैचमेंट के सम्बन्ध में

24-श्री वीर विक्रम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कर्मचारियों/अधिकारियों के अटैचमेंट पर रोक लगी है ? यदि हां, तो क्या सरकार को जानकारी है कि सी0एम0ओ0, शाहजहाँपुर द्वारा ए0सी0एम0ओ0 डा0 वागीश वैश्य का बरेली दन्त सर्जन का ददकौल से तिलहर सी0एच0सी0 तथा वैश्य का मदनापुर सी0एच0सी0 से तिलहर सी0एच0सी0 तथा अन्य कई कर्मचारी/अधिकारियों का अटैचमेंट नीति के विरुद्ध किया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उपरोक्त अटैचमेंट को निरस्त करायेगी ? क्या सरकार शासन की मंशा के विपरीत सी0एम0ओ0, शाहजहाँपुर के विरुद्ध भी कार्रवाई करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

शासनादेश दिनांक 11-07-2022 यथासंशोधित शासनादेश दिनांक 30-09-2022 द्वारा कोविड चिकित्सालयों को कार्यशील बनाने हेतु सम्बद्ध किये गये चिकित्सक/पैरामेडिकल स्टाफ, मा0 उच्च न्यायालय/राजभवन/ऐसी महत्वपूर्ण संस्थाओं/कार्यालयों, साचीज/यू0पी0एम0एस0 सी0एल0 के अतिरिक्त सचिवालय डिस्पेंसरी तथा प्रदेश के विभिन्न चिकित्सालयों में विशेष परिस्थितियों यथा चिकित्सीय आधार/दाम्पत्य नीति से आच्छादित चिकित्साधिकारियों/कर्मियों को छोड़ते हुए सम्बद्धता समाप्त की गयी है।

डा0 वागीश वैश्य, उप जिला कुष्ठ अधिकारी का अटैचमेंट अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बरेली मण्डल, बरेली द्वारा दिनांक 01-12-2022 को निरस्त कर दिया गया है, जिसके क्रम में डा0 वैश्य द्वारा दिनांक 02-12-2022 को उप जिला कुष्ठ अधिकारी के पद पर योगदान ग्रहण कर लिया गया है। डा0 जसमीता प्रकाश, डेंटल सर्जन को उनकी पारिवारिक समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तिलहर में कार्य करने हेतु लगाया गया था, जिन्हें उनकी मूल तैनाती के स्थान पर वापस कर दिया गया है। वैश्य मदनापुर को सी0एच0सी0 तिलहर अटैच नहीं किया गया है, बल्कि वैश्य की कमी होने के कारण उनके द्वारा सामु0 स्वा0 केन्द्र, मदनापुर के साथ-साथ सामु0 स्वा0 केन्द्र, तिलहर का कार्य देखा जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

25-[प्रश्न हटाया गया]

प्रदेश में कैंसर/किडनी/हार्ट के मरीजों को आयुष्मान कार्ड जारी किये जाने के सम्बन्ध में

26-श्री जवाहर लाल राजपूत-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-क-7 न0-089101 जो कि प्रदेश में कैंसर/किडनी/ हार्ट के मरीजों को आयुष्मान कार्ड जारी किये जाने विषयक था, दिनांक 22 अगस्त, 2022 अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

उक्त पत्र के क्रम में चिकित्सा अनुभाग-1 के पत्र संख्या-वी0आई0पी0-65/पांच-1-2022, दिनांक 10 अक्टूबर, 2022 द्वारा मा0 सदस्य को वस्तुस्थिति से अवगत कराया जा चुका है कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्य मंत्री जन आरोग्य अभियान का लाभार्थी समूह पूर्व निर्धारित मानकों पर निर्धारित है, उक्त मानकों के अनुसार लाभार्थियों का चयन करते हुये डाटाबेस स्थिर किया जा चुका है, जिसमें वर्तमान स्थिति में किसी नये समूह को सम्मिलित किया जाना प्राविधानित नहीं है। किन्तु यहां यह अवगत कराना है कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्य मंत्री जन आरोग्य अभियान के अन्तर्गत कैंसर/किडनी/हार्ट के मरीजों के इलाज का प्राविधान है और अब तक उक्त बीमारियों से ग्रसित 68,423 मरीजों के सापेक्ष 1,90,373 दावे प्रस्तुत हुये (दावों की संख्या मरीजों की संख्या से अधिक है, क्योंकि उक्त बीमारियों से ग्रसित कई मरीजों ने कई बार चिकित्सालय में भर्ती होकर उपचार प्राप्त किया है) जिन्हें योजनान्तर्गत निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

एक्सप्रेस-वे/नेशनल हाई-वे/राज्य मार्ग एवं अत्यन्त दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र में उच्च प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर ट्रामा सेन्टर की सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

27-श्री उमाशंकर सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विगत वर्षों में मोटर दुर्घटना की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत समस्त एक्सप्रेस-वे/नेशनल हाई-वे/राज्य मार्ग एवं अत्यन्त दुर्घटना

बाहुल्य क्षेत्र में उच्च प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर ट्रामा सेन्टर की सुविधायें एवं चिकित्सकों की नियुक्ति पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

राष्ट्रीय राजमार्गों पर 100 किमी0 की दूरी पर भारत सरकार की गाईड लाइन के अनुसार ट्रामा सेन्टर स्वीकृत किये गये है। वर्तमान में प्रदेश के 35 जनपदों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत 36 ट्रामा सेन्टर स्थापित हैं, जिसमें 31 ट्रामा सेन्टर क्रियाशील हैं। (सूची संलग्न† है)।

वर्तमान में शासनादेश संख्या-596 (क)/पाँच-6-17-43(जी)/2017, दिनांक 06-05-2017 द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रदेश में विभाग द्वारा नये निर्माण के स्थान पर निर्मित/निर्माणाधीन चिकित्सालयों को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु आवश्यक मानव/वित्तीय संसाधनों की अभिवृद्धि हेतु समुचित कार्यवाही करने की प्राथमिकता निर्धारित किये जाने की नीति निर्धारित की गयी है।

जेनेरिक दवाओं की बिक्री एवं उसके प्रचार-प्रसार के सम्बन्ध में

28-श्री उमाशंकर सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में एक ही साल्ट/फार्मूला के होने के बावजूद ब्रॉन्डेड दवायें जेनेरिक दवाओं से कई गुना महंगी होती हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार निजी क्षेत्र में इलाज कराने वाले नागरिकों की सुविधा हेतु जेनेरिक दवाओं की बिक्री एवं उसके प्रचार-प्रसार के लिए प्रदेश में माडलशापों की श्रृंखला बनाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

एक ही साल्ट/फार्मूला के होने के बावजूद ब्रॉन्डेड दवायें जेनेरिक दवाओं से कई गुना महंगी होती हैं।

सरकार निजी क्षेत्र में इलाज कराने वाले नागरिकों की सुविधा हेतु जेनेरिक दवाओं की बिक्री एवं उसके प्रचार-प्रसार के लिये प्रदेश के राजकीय चिकित्सालयों एवं निजी क्षेत्रों में जन औषधि केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन किये जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में संचालित जन औषधि केन्द्र की कुल संख्या-1357 है।

उपरोक्तानुसार।

---

† देखिये नत्थी (छ) आगे पृष्ठ संख्या-418 पर।

प्रदेश में सरकारी एम्बुलेंस के रख-रखाव के सम्बन्ध में

29-श्री अनिल प्रधान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में सरकारी एम्बुलेंसों के रख-रखाव की जिम्मेदारी वर्तमान में किस कार्यदायी संस्था को दी गई है तथा उक्त कार्यदायी संस्था द्वारा इन सभी एम्बुलेंसों के रख-रखाव के लिए स्वास्थ्य विभाग से प्रति एम्बुलेंस कितनी धनराशि ली जा रही है ? क्या सरकार उक्त विवरण को सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश में सरकारी एम्बुलेंसों के रख-रखाव हेतु कार्यदायी संस्था का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र0-सं0	एम्बुलेन्स सेवा	कार्यदायी संस्था
1	108 ई0एम0टी0एस0	108 इमरजेन्सी मेडिकल ट्रांसपोर्ट सर्विसेज ईस्ट एवं वेस्ट (यू0पी0)
2	ए0एल0एस0	मेडकेयर 365 मेडिकल प्रा0लि0
3	102 नेशनल एम्बुलेंस सर्विसेज	मेसर्स 102 मदर चाइल्ड सर्विसेज (यू0पी0)

विभाग एवं सेवा प्रदाता के मध्य हुए अनुबन्ध के अनुसार सेवा प्रदाता को एम्बुलेंस के संचालन हेतु प्रति एम्बुलेंस प्रति माह देय धनराशि में समस्त व्यय निहित हैं।

एम्बुलेंसों के रख-रखाव हेतु सेवा प्रदाता को विभाग द्वारा पृथक से कोई भुगतान नहीं किया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के समस्त जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों के पदों पर भर्ती के सम्बन्ध में

30-श्री अनिल प्रधान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि दिनांक 01 अप्रैल, 2022 से दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 तक प्रदेश के समस्त जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों, हड्डी रोग विशेषज्ञों, महिला चिकित्सकों के कितने नए पदों पर भर्ती की गई है ? क्या सरकार उक्त विवरण को सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

दिनांक 01 अप्रैल, 2022 से 31 दिसम्बर, 2022 तक प्रदेश के समस्त जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कुल 259 चिकित्सकों की भर्ती हुई है, जिसमें हड्डी रोग विशेषज्ञों के 09 एवं विशेषज्ञ महिला चिकित्सकों के 115 नये पदों पर भर्ती की गयी है।

जी हाँ।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ के अतरौलिया में महिला चिकित्सक की तैनाती के सम्बन्ध में

31-डॉ0 संग्राम यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र अतरौलिया में वर्ष 2017 से संचालित एम0सी0एच0 विंग (मैटरनल एण्ड चाइल्ड हेल्थ अतरौलिया, आजमगढ़) 100 शैय्या युक्त अस्पताल में महिला चिकित्सक की तैनाती न होने से महिलाओं को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार महिलाओं के समुचित इलाज हेतु उक्त अस्पताल में महिला चिकित्सक की तैनाती करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र अतरौलिया में वर्ष 2017 से संचालित एम0 सी0एच0 विंग 100 शैय्या युक्त चिकित्सालय, अतरौलिया, आजमगढ़ में डा0 नम्रता सिंह, महिला चिकित्साधिकारी तैनात हैं।

चिकित्साधिकारियों के रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा की जाती है। तद्नुसार चिकित्साधिकारियों के 2382 पदों को भरे जाने हेतु अधियाचन उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, उ0प्र0, प्रयागराज को प्रेषित किया गया है। उ0प्र0 लोक सेवा आयोग से चयनोपरान्त चिकित्सकों की उपलब्धता के आधार पर चिकित्सकों की तैनाती की जाती है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्र देवीदास की टंकी को ठीक कराये जाने के सम्बन्ध में

32-श्री सुभाष त्रिपाठी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर अन्तर्गत प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्र देवीदास की टंकी खराब होने के कारण निष्प्रयोज्य है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त टंकी को ठीक कराकर हास्पिटल व आवासीय क्वार्टर्स में पानी सप्लाई की व्यवस्था करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, देवीदास चिकित्सालय व आवासीय क्वार्टर्स में टंकी से पानी की सप्लाई की जा रही है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पयागपुर में भवनों के अनुरक्षण हेतु धन आवंटन कराये जाने के सम्बन्ध में

33-श्री सुभाष त्रिपाठी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पयागपुर में भवनों के अनुरक्षण हेतु वर्ष 2017-18, 2018-19, 2019-20, 2020-21 व 2021-22 में वर्षवार कितना-कितना धन आवंटित किया गया है ? यदि नहीं, तो भवनों के अनुरक्षण हेतु धन आवंटित न किये जाने के क्या कारण हैं ? क्या सरकार उक्त भवनों के अनुरक्षण हेतु धन उपलब्ध कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां।

जनपद बहराइच के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पयागपुर में भवनों के अनुरक्षण हेतु वर्ष 2017-18 में रु0 3,87,466.00 आवंटित है, वर्ष 2018-19 में धन आवंटित नहीं हुआ है, 2019-20 में धन आवंटित नहीं हुआ है, 2020-21 में धन आवंटित नहीं हुआ है व 2021-22 में धन आवंटित नहीं हुआ है।

भवन उपयोग में लाये जाने योग्य है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

जनपद अयोध्या के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में लिपिकों के स्थानान्तरण की जानकारी के सम्बन्ध में

34-श्री अभय सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अयोध्या के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के कितने लिपिकों का वर्ष 2021 में स्थानान्तरण किया गया है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां।

जनपद अयोध्या के चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के 32 लिपिकों का वर्ष 2021 में स्थानान्तरण हुआ।

जी हां। इकाईवार विवरण निम्नवत् है :-

क्र0-सं0	इकाई का नाम	संख्या
1	मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अयोध्या	20
2	प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक, जिला चिकित्सालय (पुरुष), अयोध्या	02
3	प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक, जिला चिकित्सालय (महिला), अयोध्या	02
4	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, श्री राम चिकित्सालय, अयोध्या	01
5	100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, कुमारगंज, अयोध्या	01
6	सम्भागीय चिकित्सा एवं परिवार कल्याण प्रशिक्षण केन्द्र, दर्शन नगर, अयोध्या	01
7	कार्यालय अपर निदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अयोध्या मण्डल, अयोध्या	05
	कुल संख्या	**32**

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद बदायूँ के राजकीय मेडिकल कॉलेज में मरीजों को प्रदान किये जाने वाली सुविधाओं के सम्बन्ध में

35-श्री हिमान्शु यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बदायूँ के राजकीय मेडिकल कालेज में मरीजों की सुविधा के लिए एम0आर0आई0, सी0टी0 स्कैन, अर्थोपेडिक विभाग में फिजियोथिरैपी यूनिट और ब्लड बैंक की स्थापना सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

राजकीय मेडिकल कालेज, बदायूँ में ई0सी0आर0पी0-2 के अन्तर्गत एम0आर0आई0 मशीन की स्थापना तथा सी0एस0आर0 के अन्तर्गत सी0टी0 स्कैन मशीन की स्थापना किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, जबकि आर्थोपेडिक विभाग में फिजियोथेरेपी यूनिट स्थापित नहीं है।

राजकीय मेडिकल कालेज, बदायूँ में ब्लड बैंक स्थापित है एवं वर्तमान में सुचारु रूप से क्रियाशील है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

प्रदेश के वक्फ विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती के सम्बन्ध में

36-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वक्फ विभाग में स्वीकृत पद के सापेक्ष कितने कर्मी वर्तमान में तैनात हैं ? क्या सरकार शेष रिक्त पदों पर किसी निश्चित अवधि में शत-प्रतिशत तैनाती करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

वक्फ विभाग के अन्तर्गत सर्वे कमिश्नर वक्फ, उ0प्र0 संगठन में स्वीकृत 300 पद के सापेक्ष 68 कार्मिक तैनात हैं। तृतीय श्रेणी में सीधी भर्ती के रिक्त पदों को भरे जाने हेतु अधियाचन उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को भेजा गया है। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के पदोन्नति से सम्बन्धित फीडर कैडर में कार्यरत कर्मी पात्रता सूची में न आने के कारण प्रोन्नति की कार्यवाही नहीं की जा सकी है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद ललितपुर में पर्यटन केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में

37-श्री रामरतन कुशवाहा-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद ललितपुर में पर्यटन की दृष्टि से बुन्देलखण्ड क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु पर्यटन केन्द्र बनाने सम्बन्धी योजना सरकार ने बनाई है ? यदि हां, तो क्या ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

जी नहीं, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटन केन्द्र बनाने सम्बन्धी कार्यवाही नहीं की जाती है।

प्रश्न ही नहीं उठता।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद ललितपुर के विकास खण्ड बिरधा की मजरा चांदपुर में स्थित चंदेल कालीन तालाब का विकास कराये जाने के सम्बन्ध में

38-श्री रामरतन कुशवाहा-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद ललितपुर के विधान सभा क्षेत्र ललितपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड बिरधा की ग्राम पंचायत चीराकोडर के मजरा चांदपुर में

स्थित चंदेल कालीन तालाब का पर्यटन की दृष्टि से विकास कराने हेतु सरकार ने कोई योजना बनाई है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

सूचना एकत्र की जा रही है।

प्रदेश में सरकार द्वारा संचालित मदरसों में शिक्षकों की नियुक्ति आयोग से कराने विषयक

39-श्री मोहन वर्मा-

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि सरकार द्वारा संचालित मदरसों में प्रबन्धकों के द्वारा शिक्षकों की नियुक्ति में भ्रष्टाचार की लगातार शिकायतों के बाद सरकार द्वारा संचालित मदरसों में प्रबन्धकों द्वारा नियुक्ति पर सरकार रोक लगाते हुए मदरसा शिक्षकों की नियुक्ति आयोग से कराने पर सरकार विचार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

एतद्विषयक कोई प्रस्ताव शासन के विचाराधीन नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

40-श्री मोहन वर्मा-

[03-बुधवार के अतारांकित प्रश्न सं0-205 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद कुशीनगर के ब्लाक मोतीचक के ग्राम बेदूपार स्थित प्राचीन सोनमती माता के मंदिर का सौन्दर्यीकरण कराये जाने विषयक

41-श्री मोहन वर्मा-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा के ब्लाक मोतीचक के ग्राम बेदूपार स्थित प्राचीन सोनमती माता के मंदिर का सौन्दर्यीकरण कराये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-ख-7 न0-014893, दिनांक 30-08-2022 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा के ब्लाक मोतीचक के ग्राम बेदूपार स्थित प्राचीन सोनमती माता मन्दिर के पर्यटन विकास हेतु स्थलीय निरीक्षण कराया गया। वर्तमान में स्थल पर पर्यटकों/श्रद्धालुओं के सुविधार्थ मूलभूत पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का सृजन किए जाने के सम्बन्ध में आगणन गठित कराए जाने की कार्यवाही प्रचलन में है।

प्रश्न नहीं उठता।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, फिरोजाबाद में 05 अतिरिक्त डायलिसिस मशीनों की स्थापना के सम्बन्ध में

42-श्री मनीष असीजा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, फिरोजाबाद में स्थापित डायलिसिस यूनिट में प्रतिदिन आने वाले मरीजों की बढ़ती हुयी संख्या के दृष्टिगत 05 अतिरिक्त डायलिसिस मशीनों की स्थापना हेतु मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय फिरोजाबाद के द्वारा महाप्रबन्धक, प्रोक्योरमेण्ट, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 को प्रेषित पत्रांक जि0चि0/डायलिसिस/ 2021/1400, दिनांक 16-05-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

05 बेड बढ़ा दिये गये हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ में पूर्व की भांति निःशुल्क इलाज की सुविधा पुनः बहाल करने के सम्बन्ध में

43-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के हास्पिटल ब्लाक में निःशुल्क इलाज पूर्णतया बन्द कर देने के कारण गरीब तथा असहाय मरीजों को इलाज में दिक्कतें आ रही हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में पूर्व की भांति निःशुल्क इलाज की सुविधा पुनः बहाल करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के हास्पिटल ब्लाक में आने वाले निर्धन तथा असहाय मरीजों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं यथा-आयुष्मान भारत योजना, जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य संरक्षण कार्यक्रम, एच0आई0वी0/एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री एवं मुख्य मंत्री राहत कोष एवं असाध्य रोग मद से पात्रता के अनुसार निःशुल्क एवं रियायती दरों पर इलाज एवं जाँच की सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। उक्त के अतिरिक्त इमरजेन्सी सेवा में आने वाले मरीजों को भर्ती होने के 48 घंटे तक निःशुल्क

चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। इसके अतिरिक्त चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न स्तर के चिकित्सालयों में प्रदेश के रोगियों के लिये निःशुल्क/ अति न्यून दरों पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है।

जी नहीं।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश में उप स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण की योजना के सम्बन्ध में

44-श्री संग्राम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में उप स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण की कोई योजना सरकार में प्रचलित है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना को भी उक्त योजना में सम्मिलित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां। प्रदेश में उप स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण हेतु वर्तमान में 15वां वित्त आयोग व प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना प्रचलित है।

जी हां।

विधान सभा क्षेत्र फेफना के ब्लाक गडवारा, हनुमानगंज व सोहांव में क्रमशरू 05, 06 एवं 06 (कुल 17) भवन विहीन उपकेन्द्रों को योजनान्तर्गत सम्मिलित करते हुए इनके निर्माण की कार्यवाही निःशुल्क भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित होने के पश्चात् की जायेगी।

उपरोक्तानुसार।

जनपद बलिया में प्रवाहित मंगई नदी में जिला प्रशासन द्वारा कतिपय जातियों को मछली पकड़ने पर प्रतिबन्ध के सम्बन्ध में

45-श्री संग्राम सिंह-

क्या मत्स्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के फेफना विधान सभा क्षेत्र में प्रवाहित मंगई नदी में मल्लाह, बिन्द, निषाद जाति के लोगों द्वारा पूर्व में मछली पकड़ने का कार्य किया जाता था, किन्तु वर्तमान में जिला प्रशासन द्वारा मल्लाह, निषाद, बिन्द जाति को मछली पकड़ने पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त का शासनादेश सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

मत्स्य मंत्री (डा0 संजय निषाद)-

जी नहीं।

राजस्व अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या-1/2019/33/एक-2-2019-19 (रिट)/2018 दिनांक 10 जनवरी, 2019 संलग्न† है, के अनुसार नदियों में मत्स्य आखेट हेतु कोई प्रतिबन्ध नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मानक के अनुरूप चिकित्सकों तथा पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती के सम्बन्ध में

46-श्री संग्राम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनकर तैयार हो गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को शुरू किये जाने हेतु मानक के अनुरूप चिकित्सकों तथा पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती कर उक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन प्रारम्भ करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गड़वार बनकर तैयार है तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चितबड़ागाँव निर्माणाधीन है। वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गड़वार पर 01 चिकित्साधिकारी एवं 01 फार्मासिस्ट, 01 स्टाफ नर्स, 01 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से संचालित है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चितबड़ागाँव का निर्माण पूर्ण होते ही मानक के अनुरूप चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती की जायेगी।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के पी0एच0सी0 एवं सी0एच0सी0 केन्द्रों पर एक्स-रे एवं अल्ट्रासाउण्ड की समुचित व्यवस्था के सम्बन्ध में

47-श्री मनोज कुमार पारस-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के पी0एच0सी0 एवं सी0एच0सी0 केन्द्रों में जहां पर एक्स-रे एवं अल्ट्रासाउण्ड की समुचित व्यवस्था नहीं है, को चिन्हित कर

---

† देखिये नत्थी (ज) आगे पृष्ठ संख्या-419-422 पर।

उक्त केन्द्रों पर एक्स-रे एवं अल्ट्रासाउण्ड की समुचित व्यवस्था सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश के 370 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर ई0सी0आर0पी0-2 प्रोग्राम के तहत डिजिटल एक्स-रे मशीन (ड्राई व्यू प्रिन्टर के साथ) की स्थापना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत प्रक्रियाधीन है तथा समय-समय पर प्रदेश के मुख्य चिकित्साधिकारियों द्वारा प्रेषित मांग-पत्रों के आधार पर बजट की उपलब्धता के अनुसार एक्स-रे मशीन उपलब्ध करायी जाती है।

अल्ट्रासाउण्ड मशीन की स्थापना रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती तथा बजट की उपलब्धता के आधार पर की जाती है। शासनादेश दिनांक 07-02-2023 द्वारा जनपदों में निजी अल्ट्रासाउण्ड केन्द्रों के माध्यम से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवसों पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क अल्ट्रासाउण्ड सेवायें प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में निर्देश दिये गये।

वर्तमान में प्रदेश के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एक्स-रे एवं अल्ट्रासाउण्ड मशीन को स्थापित करने का प्राविधान नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद झाँसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में नेत्र संस्थान (आई इंस्टीट्यूट) की स्थापना के सम्बन्ध में

48-श्री रवि शर्मा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झाँसी में नेत्र संस्थान (आई इंस्टीट्यूट) की कमी के चलते नेत्र चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने में विद्यार्थियों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है और शिक्षा ग्रहण करने के लिए झाँसी से बाहर जाना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनपद झाँसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में एम्स की तर्ज पर नेत्र संस्थान (आई इंस्टीट्यूट) की स्थापना करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज, झांसी में नेत्र रोग विभाग स्थापित है। नेत्र रोग विभाग में यू0जी0 तथा पी0जी0 कोर्स संचालित है, जिसमें शिक्षण कार्य कराया जा रहा है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज, झाँसी में भर्ती मरीजों के लिए सर्दी से बचाव हेतु गुणवत्तापूर्ण कम्बल उपलब्ध कराये जाने विषयक

49-श्री रवि शर्मा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झाँसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों को बढ़ती सर्दी में जो कम्बल उपलब्ध कराये जा रहे हैं, वह कम मोटाई के कारण सर्दी का बचाव करने में सक्षम नहीं हैं ? यदि हाँ, तो क्या सरकार महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झाँसी में भर्ती मरीजों के लिए सर्दी से बचाव हेतु गुणवत्तापूर्ण कम्बल उपलब्ध करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज, झांसी में मरीजों को कम्बल मानक के अनुरूप प्रदान किया जाता है। मरीज को आवश्यकतानुसार कम्बल उपलब्ध कराया जाता है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

प्रदेश के समस्त जिला चिकित्सालयों में सेन्ट्रल ऑक्सीजन सिस्टम लगाये जाने के सम्बन्ध में

50-श्री बेचई सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के किन-किन जिला स्तरीय चिकित्सालयों में सेन्ट्रल आक्सीजन सिस्टम सक्रिय है तथा किन-किन जनपदों में वर्तमान तक सेन्ट्रल आक्सीजन सिस्टम नहीं लगाया गया है ? क्या सरकार जनहित में प्रदेश के समस्त जिला चिकित्सालयों में सेन्ट्रल आक्सीजन सिस्टम लगाये जाने हेतु कार्यवाही करेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

प्रदेश के 48 जनपदों के जिला स्तरीय चिकित्सालयों में सेन्ट्रल आक्सीजन सिस्टम सक्रिय है (सूची संलग्न)† तथा शेष 27 जनपदों अमेठी, अयोध्या, अमरोहा, बलिया, बलरामपुर, बांदा, बाराबंकी, बिजनौर, बुलन्दशहर, इटावा, फतेहपुर, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, गाजीपुर, गोण्डा, हमीरपुर, हापुड़, कानपुर देहात, कासगंज, महोबा, मैनपुरी, प्रयागराज, सहारनपुर,

---

† देखिये नत्थी (झ) आगे पृष्ठ संख्या-423-428 पर।

शाहजहाँपुर, शामली, श्रावस्ती एवं उन्नाव में सेन्ट्रल आक्सीजन सिस्टम लगाये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालगंज, बरदह, ठेकमा व अन्य सभी केन्द्रों पर एण्टी वेनम एवं एण्टी रैबीज के इन्जेक्शन की उपलब्धता के सम्बन्ध में

51-श्री बेचई सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालगंज, बरदह, ठेकमा में व अन्य सभी केन्द्रों पर सांप काटने (एण्टी वेनम) एवं एण्टी रैबीज के इन्जेक्शन उपलब्ध हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार यह भी बतायेगी कि विगत वर्षों में कितनी मात्रा में उक्त स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए इन्जेक्शन दिये गये तथा कितनी खपत हुई व कितने इन्जेक्शन की उपलब्धता स्टाफ में हर समय रखे जाने का प्रावधान है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

उक्त तीनों स्वास्थ्य केन्द्रों पर विगत 05 वर्षों में कुल ए0आर0वी0 22210 डोज एवं ए0एस0वी0 1960 वायल ए0एस0वी0 की आपूर्ति की गयी, जिसके सापेक्ष कुल 21600 डोज ए0आर0वी0 एवं 1626 वायल ए0एस0वी0 की खपत की गयी है। मांग के अनुरूप स्टाक में उपलब्धता सुनिश्चित कराने का प्राविधान है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालगंज, ठेकमा व बरदह में किडनी, कैंसर, न्यूरो बीमारियों के इलाज की सुविधा हेतु चिकित्सकों की तैनाती के सम्बन्ध में

52-श्री बेचई सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालगंज, ठेकमा व बरदह में किडनी, कैंसर,

न्यूरो बीमारियों के इलाज की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को दूर जाकर इलाज कराना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर उक्त बीमारियों के इलाज हेतु चिकित्सकों की तैनाती करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

वर्तमान में प्रदेश में प्रति सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मानक के अनुसार 16 पद सृजित हैं, जिसमें चिकित्सकों के निम्नानुसार कुल 06 पद सृजित किये जाने का प्राविधान है :-

1-फिजीशियन

2-सर्जन

3-स्त्री रोग विशेषज्ञ

4-एनेस्थेटिस्ट

5-रेडियोलॉजिस्ट

6-दन्त शल्यक

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर पद के सृजन सम्बन्धित मानक में कैंसर, न्यूरो, किडनी बीमारियों के इलाज हेतु विशेषज्ञ चिकित्सकों के पद सृजन का कोई प्राविधान नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के पश्चिम विधान सभा क्षेत्र में स्थित रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में नवनिर्मित बर्न यूनिट का संचालन व मानकानुसार चिकित्सकों की नियुक्ति के सम्बन्ध में

53-श्री अरमान खान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के पश्चिम विधान सभा क्षेत्र में स्थित रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में नवनिर्मित बर्न यूनिट का संचालन प्रारम्भ करेगी ? यदि हां, तो कब ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या सरकार उक्त चिकित्सालय में स्थाई तौर पर ई0एम0ओ0 सहित मानकानुसार चिकित्सकों की नियुक्ति करेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

जनपद लखनऊ के पश्चिम विधान सभा क्षेत्र में स्थित रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में नवनिर्मित बर्न यूनिट की बिल्डिंग में सर्जरी ओ0पी0डी0 चल रही है तथा उपकरणों की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

चिकित्सालय में 02 नियमित ई0एम0ओ0 तैनात हैं।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में एन0आई0सी0यू0 की स्थापना एवं एम0आर0आई0 व सी0टी0 स्कैन मशीन की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

54-श्री अरमान खान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के पश्चिम विधान सभा क्षेत्र में स्थित रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में बच्चों के इलाज के लिये अभी तक एन0आई0सी0यू0 की स्थापना नहीं की गई है तथा मरीजों के लिए एम0आर0आई0 एवं सी0टी0 स्कैन मशीन स्थापित नहीं की गई है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त चिकित्सालय में सुविधा उपलब्ध करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

नियोनेटल इन्सेंटिव केयर यूनिट एवं एम0आर0आई0 मशीन की स्थापना टर्शरी केयर के चिकित्सालयों (मेडिकल कालेज) के स्तर की है।

सी0टी0 स्कैन की सुविधा उपरोक्त चिकित्सालय में उपलब्ध नहीं है। जनपद लखनऊ में निःशुल्क सी0टी0 स्कैन की सुविधा डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ, डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ एवं लोक बन्धु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ में उपलब्ध है।

चिकित्सालयों में उपकरण की स्थापना एक निरन्तर प्रक्रिया है, जो संसाधन की उपलब्धता एवं आवश्यकता पर निर्भर है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ में स्थित धार्मिक स्थल श्री बुद्धेश्वर महादेव मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य की गुणवत्ता और मानकों की जांच के सम्बन्ध में

55-श्री अरमान खान-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के पश्चिम विधान सभा क्षेत्र में स्थित आस्था के प्रतीक एवं प्राचीनकाल के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल श्री बुद्धेश्वर महादेव

मंदिर में विगत वित्तीय वर्ष में कार्यदायी संस्था के माध्यम से सौंदर्यीकरण व अन्य कार्य मानकों के विपरीत हुए और सौंदर्यीकरण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया है ? क्या सरकार उक्त सौंदर्यीकरण कार्य की गुणवत्ता और मानकों की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

जनपद लखनऊ के पश्चिम विधान सभा क्षेत्र में स्थित श्री बुद्धेश्वर महादेव मंदिर पर पर्यटकों/श्रद्धालुओं हेतु मूलभूत पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं हेतु वित्तीय वर्ष 2021-22 में पर्यटन विभाग द्वारा राज्य सेक्टर योजना के अन्तर्गत स्वीकृत धनराशि रु0 347.68 लाख प्लस जी0एस0टी0 (वास्तविक भुगतान के आधार पर) की परियोजना में कराये जा रहे निर्माण कार्यों के मानक एवं गुणवत्ता की जांच कराये जाने की कार्यवाही प्रचलन में है।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं मानक के सम्बन्ध में जांच की कार्यवाही पूर्ण होने के पश्चात्, जांच में दोषी पाए जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ में के0जी0एम0यू0 के अतिरिक्त शव विच्छेदन गृह की स्थापना व शव विच्छेदन गृह में निर्धारित चिकित्सकों की संख्या में वृद्धि के सम्बन्ध में

56-श्री अरमान खान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ में वर्तमान में मृतकों के शव विच्छेदन व पोस्टमार्टम के लिये केवल एक शव विच्छेदन गृह के0जी0एम0यू0 में ही संचालित है, जिसमें शवों के पोस्टमार्टम में अत्यधिक समय लगता है और मृतकों के परिजनों को कष्ट उठाना पड़ता है ? क्या सरकार जनपद लखनऊ में और स्थानों पर शव विच्छेदन गृह की स्थापना करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या वर्तमान समय में के0जी0एम0यू0 में संचालित शव विच्छेदन गृह में अधिक शव पोस्टमार्टम के लिये इस शव विच्छेदन गृह में शव पोस्टमार्टम करने की समय-सीमा तथा निर्धारित चिकित्सकों की संख्या में वृद्धि करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

के0जी0एम0यू0, लखनऊ में पूर्व से सम्बन्धित शव विच्छेदन गृह को शासनादेश दिनांक 30-03-2015 द्वारा आधुनिक चीरघर 12 बॉडी हेतु उच्चीकृत किया गया है, जो निर्माणाधीन है।

जी नहीं।

प्रत्येक जनपद में एक शव विच्छेदन गृह का प्राविधान है। लखनऊ में के0जी0एम0यू0 में आधुनिक चीरघर निर्माणधीन है।

वर्तमान में शव विच्छेदन प्रतिदिन 02 चिकित्सकों द्वारा प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक किया जाता है। निर्धारित समय में सभी शव विच्छेदन का कार्य पूर्ण कर शव पुलिस/सम्बन्धी को प्राप्त करा दिया जाता है। आकस्मिकता की स्थिति में जिलाधिकारी की अनुमति से रात्रिकाल में भी शव विच्छेदन का कार्य किया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में मेडिकल प्रवेश परीक्षा हेतु प्राइवेट कोचिंग सेन्टर की फीस निर्धारित कराये जाने व सरकार द्वारा छात्रों को प्रमोट करने हेतु सरकारी फ्री कोचिंग सेन्टर स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में

57-श्री महबूब अली-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में मेडिकल प्रवेश परीक्षा हेतु कितने प्राइवेट कोचिंग सेन्टर हैं तथा उनकी फीस कितनी निर्धारित है ? क्या सरकार नीट आदि की प्रवेश परीक्षा हेतु सभी प्राइवेट कोचिंग सेन्टर की फीस निर्धारित करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या सरकार छात्रों को प्रमोट करने हेतु सरकारी फ्री कोचिंग सेन्टर स्थापित करेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

मेडिकल प्रवेश परीक्षा हेतु संचालित प्राइवेट कोचिंग सेन्टर तथा उनकी फीस सम्बन्धी सूचना उपलब्ध नहीं है।

इस सम्बन्ध में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

समाज कल्याण विभाग के शासनादेश संख्या-112/2022/2441/26-03-2022-1541/2016, दिनांक 18-10-2023 द्वारा मुख्य मंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे सिविल सेवा परीक्षा, पी0सी0एस0, जे0ई0ई0, नीट, एन0डी0ए0, सी0डी0एस0 इत्यादि हेतु प्रतिभाशाली तथा उत्साही विद्यार्थियों को निःशुल्क साक्षात प्रशिक्षण/ऑनलाइन प्रशिक्षण/सलाह प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में मार्गदर्शी सिद्धान्त निर्गत किये गये हैं।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में विगत 3 वर्षों में जिला अस्पतालों में डायलसिस यूनिट में बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण मरीजों की मृत्यु के सम्बन्ध में

58-श्री महबूब अली-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विगत 03 वर्षों में जिला अस्पतालों में डायलिसिस यूनिट में बिजली आपूर्ति न होने के कारण कितने मरीजों की मृत्यु होने के मामले प्रकाश में आए हैं ? क्या सरकार ऐसी मौतों को रोकने हेतु जिम्मेदारी तय करते हुए कदम उठाएगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश के जिला अस्पतालों में डायलिसिस यूनिट में बिजली आपूर्ति न होने के कारण विगत 03 वर्षों में किसी भी मरीज की मृत्यु नहीं हुई है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश में निजी मदरसों के सर्वे एवं मदरसों तथा अरबी, उर्दू एवं फारसी भाषा के विकास हेतु सरकारी योजना के सम्बन्ध में

59-श्री महबूब अली-

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में निजी मदरसों का सर्वे कराया जा रहा है ? यदि हाँ, तो उक्त के क्या कारण हैं ? क्या सरकार ने मदरसों तथा अरबी, उर्दू एवं फारसी भाषा के विकास हेतु कोई नई योजना बनाई है ? यदि हाँ, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी नहीं।

उपरोक्तानुसार।

जी नहीं।

उपरोक्तानुसार।

एतद्विषयक कोई प्रस्ताव शासन के विचाराधीन नहीं है।

60-[प्रश्न हटाया गया]

61-[प्रश्न हटाया गया]

62-[प्रश्न हटाया गया]

जनपद मुजफ्फरनगर के कतिपय कब्रिस्तानों की चहारदीवारी का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में

63-श्री चन्दन चौहान-

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र मीरापुर के अन्तर्गत ग्राम तेवड़ा में 8 कब्रिस्तान में से कतिपय 4 कब्रिस्तानों की चहारदीवारी बनी है तथा शेष कब्रिस्तानों की चहारदीवारी का निर्माण नहीं हुआ है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त ग्राम के शेष कब्रिस्तानों की चहारदीवारी का निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हां।

शेष कब्रिस्तान की चहारदीवारी के निर्माण का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

उक्तानुसार।

जनपद मुजफ्फरनगर में कम्युनिटी हेल्थ सेन्टर, भोपा सी0एच0सी0 को फर्स्ट रेफरल यूनिट में परिवर्तित कराये जाने के सम्बन्ध में

64-श्री चन्दन चौहान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र मीरापुर में कम्युनिटी हेल्थ सेन्टर, भोपा सी0एच0सी0 को फर्स्ट रेफरल यूनिट सरकार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र मीरापुर के कम्युनिटी हेल्थ सेन्टर, भोपा को फर्स्ट रेफरल यूनिट में परिवर्तित करने का मानक पूर्ण नहीं है। भोपा के निकट सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जानसठ में फर्स्ट रेफरल यूनिट स्थापित है।

उपरोक्तानुसार।

फर्स्ट रेफरल यूनिट स्थापित किये जाने हेतु न्यूनतम 5 लाख की आबादी का मानक एवं 150 प्रसव भार प्रतिमाह का मानक निर्धारित है। सी0एच0सी0 भोपा की आबादी लगभग 3 लाख है तथा प्रसव भार प्रतिमाह लगभग 50 से 70 है।

जनपद बलिया के सोनबरसा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में निर्माणाधीन 100 बेड के अस्पताल का निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण आम जनता को इलाज में परेशानी के सम्बन्ध में

65-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत सोनबरसा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में निर्माणाधीन 100 बेड का अस्पताल

का निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण आम जनता को इलाज में परेशानी उठानी पड़ रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल का समय-सीमा निर्धारित कर निर्माण कार्य पूर्ण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सोनबरसा बैरिया पर चिकित्सक, पैरामेडिकल एवं अन्य स्टाफ तैनात हैं तथा मानकानुसार दवायें एवं अन्य जांच उपलब्ध हैं, जिससे आम-जन को चिकित्सीय सेवायें प्रदान की जा रही हैं।

वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद शाहजहाँपुर के कतिपय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी चिकित्साधिकारियों के संरक्षण में सरकारी धन के दुरुपयोग के सम्बन्ध में

66-श्री वीर विक्रम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शाहजहाँपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा की तहसील तिलहर व विकास खण्ड कलान, विकास खण्ड मिर्जापुर तथा तहसील जलालाबाद में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी चिकित्साधिकारियों के संरक्षण में सरकार द्वारा दी गयी धनराशि के उपयोग में अनियमितता कर रंगाई-पुताई, डीजल के फर्जी बिल वाउचर, कमीशन के आधार पर फर्नीचर व स्टेशनरी खरीदना एवं नर्सों से अवैध धन उगाही की शिकायतें सरकार को प्राप्त हुई हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार प्रश्नकर्ता से साक्ष्य लेकर उक्त की जांच करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जलालाबाद, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मिर्जापुर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कलान व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तिलहर की जांच समिति बनाकर करायी गयी । उक्त जांच आख्या में सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पुताई व रंगाई का फर्जी बिल वाउचर बनाने एवं फर्नीचर एवं स्टेशनरी कमीशन के आधार पर खरीदे जाने सम्बन्धी कोई साक्ष्य नहीं मिले। इसके अतिरिक्त स्टाफ नर्सों ने लिखित रूप से दिया है कि उनसे किसी प्रकार की धन उगाही नहीं की जाती है और न ही प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों के संरक्षण में सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद में आयुष्मान भारत योजना तथा मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना में कुल लाभार्थियों की संख्या एवं दिनांक 26-12-2022 तक वितरण किये गये आयुष्यमान गोल्डेन कार्ड के सम्बन्ध में

67-श्री मनीष असीजा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना तथा मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना में वर्तमान में कुल कितने पात्र लाभार्थी हैं ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि उक्त लाभार्थियों को दिनांक 26-12-2022 तक कुल कितने आयुष्मान गोल्डेन कार्ड वितरण किये गये हैं तथा कितने के शेष हैं ? क्या सरकार शेष आयुष्मान गोल्डेन कार्डों को वितरित करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद फिरोजाबाद में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना तथा मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना में वर्तमान में कुल 7,65,574 पात्र लाभार्थी हैं।

दिनांक 26-12-2022 तक कुल 2,57,458 आयुष्मान गोल्डेन कार्ड बनाये एवं वितरित किये गये हैं तथा 5,08,116 शेष हैं।

जी हाँ।

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत चिन्हित लाभार्थियों के आयुष्मान गोल्डेन कार्ड बनाये जाने की सतत् प्रक्रिया है, जिसमें लाभार्थी स्वयं अपने प्रयास के माध्यम से तथा विभाग द्वारा अभियान चलाकर कार्ड बनाये जाते हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एण्टी वेनम, एण्टी स्नेक वैक्सीन की उपलब्धता के सम्बन्ध में

68-श्री संग्राम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के किन-किन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एण्टी वेनम, एण्टी स्नेक वैक्सीन उपलब्ध है ? उक्त का विवरण क्या है ? क्या सरकार की जानकारी में है कि एण्टी स्नेक वेनम की सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्धता न होने के कारण सर्प दंश से लोगों की मौत हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त

वैक्सीन की उपलब्धता उक्त केन्द्रों पर सुनिश्चित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा समस्त राजकीय चिकित्सालयों में एण्टी स्नेक वेनम उपलब्ध करायी जाती है।

विधान सभा क्षेत्र फेफना में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरही, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रतसड़ तथा वयना पर एण्टी स्नेक वेनम वैक्सीन उपलब्ध है।

विधान सभा क्षेत्र फेफना में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरही पर 150 वायल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रतसड़ पर 194 वायल तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वयना पर 200 वायल एण्टी स्नेक वेनम वैक्सीन उपलब्ध है।

एण्टी स्नेक वेनम पर्याप्त मात्रा में चिकित्सा इकाइयों पर उपलब्ध है तथा इसकी कमी से किसी की मृत्यु नहीं हुई है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रतसड़ में ओ0पी0डी0 की व्यवस्था एवं मानक के अनुरूप चिकित्सकों की तैनाती के सम्बन्ध में

69-श्री संग्राम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रतसड़ बनकर तैयार है ? यदि हां, तो उक्त भवन स्वास्थ्य विभाग को हस्तगत कराकर चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ तथा सफाई कर्मियों की मानक के अनुरूप तैनाती करते हुए चिकित्सालय में ओ0पी0डी0 की व्यवस्था शुरू कर दी गयी है ? यदि हां, तो सरकार बताएगी कि उक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कौन-कौन सी सुविधाएं मरीजों के लिए उपलब्ध हैं ? क्या सरकार की जानकारी में है कि मानक के अनुरूप चिकित्सकों की तैनाती न होने से मरीजों को समस्याएं हो रही हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार मानक के अनुरूप चिकित्सकों की तैनाती करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रतसड़ बनकर तैयार है।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रतसड़ को हस्तगत कर दिया गया है तथा 01 चिकित्साधिकारी, 01 फार्मासिस्ट, 01 एल0टी0, 02 स्टाफ नर्स, 01 डी0आर0ए0 एवं 01 सफाई कर्मचारी की तैनाती करते हुये ओ0पी0डी0 की व्यवस्था शुरू कर दी गयी है।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रतसड़ में प्रसव सम्बन्धी एवं समस्त प्रकार की जांच मरीजों के लिये उपलब्ध हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मानक के अनुसार चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती के सम्बन्ध में

70-श्री संग्राम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनकर तैयार हो गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त केन्द्र पर मानक के अनुसार चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गढवार बनकर तैयार है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गढवार पर 01 चिकित्साधिकारी को सम्बद्ध किया गया है तथा 01 फार्मासिस्ट, 04 स्टाफ नर्स एवं अन्य स्टाफ तैनात है और चिकित्सालय सुचारु रूप से संचालित है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद रायबरेली के कतिपय विकास खण्डों की ग्राम सभाओं में छुट्टा जानवरों के सम्बन्ध में

71-श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-018/25/04/022 जो कि जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचन्दपुर के विकास खण्डों सतावं,

खीरों, हरचन्दपुर, लालगंज की ग्राम सभाओं में छुट्टा जानवरों के सम्बन्ध में था उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हां।

विधान सभा क्षेत्र हरचन्दपुर के अन्तर्गत कुल 04 विकास खण्ड हैं, जिनमें कुल 12 गौ-आश्रय स्थल संचालित हैं। इन स्थलों में कुल 2330 गौवंश संरक्षित किये गये हैं।

विकास खण्ड सतावं में कांजी हाउस बरउवा संचालित है, जिसमें 32 गौवंशों को संरक्षित किया गया है। इसी प्रकार ग्राम सभा मलिकामऊ पूरे रत्ती का पुरवा एवं अस्थायी गौ-आश्रय स्थल टिकरा में दो-दो अतिरिक्त शेड का निर्माण किया जा रहा है तथा विकास खण्ड खीरों में अस्थायी गौ आश्रय स्थल गोनामऊ में अतिरिक्त शेड निर्माण एवं ग्राम सभा दुकनहा में नवीन गौ-आश्रय स्थल का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है।

उक्त के अतिरिक्त विकास खण्ड लालगंज में ग्राम सभा सेमरपहा में अस्थायी गौ-आश्रय स्थल एवं विकास खण्ड हरचन्दपुर के ग्राम सभा पश्चिम गांव में अस्थायी गो आश्रय स्थल निर्माणाधीन है। विकास खण्ड हरचन्दपुर, सतावं व खीरों में बड़ी गौशाला/गौ अभ्यारण बनाये जाने हेतु अपेक्षित भूमि तथा प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। अतः उक्त विकास खण्डों में बडी गौशाला/गौ-अभ्यारण्य बनाये जाने का अवसर नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद के कस्बा हाथवन्त के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं गाँव कटैना हर्षा में प्राथमिक उप स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सक की तैनाती कराये जाने के सम्बन्ध में

72-श्री सचिन यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के कस्बा हाथवन्त के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं गाँव कटैना हर्षा में प्राथमिक उप स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सक तैनात कर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के कस्बा हाथवन्त में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित नहीं है, बल्कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खैरगढ़ में स्थापित है तथा गांव कटैना हर्षा में स्थापित प्राथमिक उप स्वास्थ्य केन्द्र के स्थान पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित है, जिस पर डा0 आसिम कुरैशी, चिकित्सा अधिकारी तैनात हैं।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद के कस्बा खैरगढ़ व हाथवन्त के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्वीपर एवं वार्डब्वाय की तैनाती कराये जाने के सम्बन्ध में

73-श्री सचिन यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के कस्बा खैरगढ़ व हाथवन्त के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्वीपर एवं वार्डब्वाय न होने के कारण इलाज के लिए भर्ती मरीजों को असुविधा का सामना करना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर समय-सीमा निर्धारित कर स्वीपर एवं वार्डब्वाय की तैनाती करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के अन्तर्गत स्थापित सामु0 स्वा0 केन्द्र क्रमशः खैरगढ़ व हाथवन्त के चिकित्सा केन्द्र पर वार्डब्वाय श्री सुनील कुमार की तैनाती है एवं स्वीपर के पद पर श्री रमेश की तैनाती है तथा प्रा0 स्वा0 केन्द्र हाथवन्त पर वार्डब्वाय के पद पर श्री विजय सिंह की तैनाती है तथा श्री पी0 सिंह, स्वीपर कम चौकीदार के पद पर तैनात हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के कस्बा एका के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक्स-रे व अल्ट्रासाउण्ड मशीनें लगवाये जाने के सम्बन्ध में

74-श्री सचिन यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के कस्बा एका के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक्स-रे व अल्ट्रासाउण्ड मशीनों की कमी होने के कारण मरीजों को इलाज कराने में असुविधा हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र पर एक्स-रे व अल्ट्रासाउण्ड मशीनें लगवायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद फिरोजाबाद के तहसील जसराना में कस्बा एका के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक्स-रे व अल्ट्रासाउण्ड मशीनों की कमी होने के कारण मरीजों को इलाज कराने हेतु निकटतम् स्वास्थ्य केन्द्र अथवा स्वशासी राजकीय मेडिकल कालेज, फिरोजाबाद में रेफर किया जाता है जहाँ

मरीजों को एम्बुलेंस 102/108 द्वारा मय ई0एम0टी0 भेजा जाता है, वहाँ मरीजों का नियमानुसार एक्स-रे व अल्ट्रासाउण्ड किया जाता है।

प्रदेश के 370 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर ई0सी0आर0पी0-2 प्रोग्राम के तहत डिजिटल एक्स-रे मशीन की स्थापना की कार्यवाही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से प्रक्रियाधीन है, जिसमें उपरोक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भी सम्मिलित है तथा समय-समय पर प्रदेश के मुख्य चिकित्साधिकारियों द्वारा प्रेषित मांग-पत्रों के आधार पर बजट की उपलब्धता के अनुसार एक्स-रे मशीन उपलब्ध करायी जाती है।

अल्ट्रासाउण्ड मशीन की स्थापना रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती बजट की उपलब्धता के आधार पर की जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राजा परीक्षित नगरी पाढ़म व पेंडत स्थित जखईया महाराज मंदिर को विकसित करने के सम्बन्ध में

75-श्री सचिन यादव-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राजा परीक्षित नगरी पाढ़म व पेंडत स्थित जखईया महाराज मंदिर को विकसित करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

जी नहीं।

प्रस्तावित स्थल वर्तमान में ग्रामीण पर्यटन के अन्तर्गत चयनित नहीं है।

जनपद आजमगढ़ की तहसील लालगंज के ग्राम सभाओं में वंचित विधवा/निराश्रित महिलाओं का डोर टू डोर सर्वेक्षण कराकर उन्हें पेंशन योजना का लाभ दिलाये जाने के सम्बन्ध में

76-श्री बेचई सरोज-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगी कि जनपद आजमगढ़ की तहसील लालगंज के ग्राम सभाओं में कितनी विधवा/निराश्रित महिलाओं को पेंशन का लाभ वर्तमान में दिया जा रहा है तथा कितनी विधवा/निराश्रित महिलाएं वंचित हैं ? क्या सरकार वंचित विधवा/निराश्रित महिलाओं का डोर टू डोर सर्वेक्षण कराकर उन्हें पेंशन योजना का लाभ दिलायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती बेबी रानी मौर्य-

जनपद आजमगढ़ की तहसील लालगंज की ग्राम सभाओं में कुल 6969 लाभार्थियों को पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना का लाभ वर्तमान में दिया जा रहा है। योजनान्तर्गत तहसील लालगंज के सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी के पोर्टल पर कुल 19 आवेदन-पत्र पेन्शन स्वीकृति हेतु प्राप्त हुए हैं, जिनके सत्यापन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

विभाग द्वारा समय-समय पर तहसील व ब्लाक स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन कर पात्र लाभार्थियों को पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना का लाभ अनुमन्य कराया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

उ0प्र0 मदरसा शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं के अंक-पत्र में नाम, जन्म तिथि आदि सुधार किये जाने की नियमावली बनाये जाने के सम्बन्ध में

77-श्री मोहन वर्मा-

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि अंक-पत्र में भूल सुधार करने के लिए मदरसा शिक्षा बोर्ड के द्वारा कोई समय-सीमा अथवा मानक तैयार किया गया है ? क्या सरकार बतायेगी कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के नियमानुसार अंक-पत्र में किसी भी प्रकार की त्रुटि सुधार कराने के लिए अंक-पत्र प्राप्ति के दिन से तीन साल के अन्दर अंक-पत्र में नाम, माता-पिता का नाम, जन्म तिथि आदि की त्रुटि में सुधार करने का प्राविधान के सापेक्ष मदरसा बोर्ड में अंक-पत्र में नाम, जन्म तिथि आदि सुधार किये जाने के नियम का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्या सरकार उक्त हेतु कोई नियमावली बनायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हां।

उ0प्र0 मदरसा शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं के अंक-पत्र में भूल सुधार हेतु एक वर्ष की समय-सीमा निर्धारित है।

प्रश्न नहीं उठता है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

जनपद बहराइच के अस्पतालों में आउटसोर्सिंग कम्पनियों के कर्मचारियों का बकाया मानदेय का भुगतान कराये जाने के सम्बन्ध में

78-श्री सुभाष त्रिपाठी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के अस्पतालों में किन-किन आउटसोर्सिंग कम्पनियों के कुल कितने पदों पर कर्मचारी नियुक्त हैं ? क्या सरकार बतायेगी कि इन कर्मचारियों को समय से मानदेय दिया जा रहा है ? यदि नहीं, तो दिनांक 20 दिसम्बर, 2022 तक किन-किन आउटसोर्सिंग कम्पनियों के कितने कर्मचारियों का कितने माह का मानदेय बकाया है ? क्या सरकार उक्त कर्मचारियों का बकाया मानदेय का भुगतान समय-सीमा निर्धारित कर करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद बहराइच की अधीनस्थ चिकित्सा इकाइयों पर चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर मेसर्स अवनी परिधि से आउटसोर्सिंग के माध्यम से वार्डब्वाय, स्वीपर कम चौकीदार, चौकीदार के पद पर कुल 46 कर्मचारी रखे गये हैं।

जी हां।

प्राप्त उपस्थिति प्रमाण-पत्र एवं सेवा प्रदाता एजेंसी द्वारा प्रस्तुत बिलों के अनुसार माह दिसम्बर, 2022 तक के मानदेय का भुगतान किया जा चुका है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

79-[प्रश्न हटाया गया]

एस0एन0 मेडिकल कालेज, आगरा में कैंसर रोग के मरीजों के उच्च स्तरीय इलाज एवं जांच हेतु पेट सी0टी0 स्कैन की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में

80-श्री मनीष असीजा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि एस0एन0 मेडिकल कॉलेज, आगरा में कैंसर रोग के मरीजों के उच्च स्तरीय इलाज एवं जांच हेतु पेट सी0टी0 स्कैन की स्थापना कराये जाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं। वर्तमान में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं की रिक्त पदों पर भर्ती के सम्बन्ध में

81-श्री सचिन यादव-

क्या बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में आंगनबाड़ी में 52 हजार रिक्त पदों पर भर्ती करने की सरकार की कोई योजना है ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती बेबी रानी मौर्य-

प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। भारत सरकार के पत्र संख्या-11/4/2021-सीडी-I (इ-95706), दिनांक 01-08-2022 द्वारा 'सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0' के सम्बन्ध में निर्गत दिशा-निर्देशों में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं की नियुक्ति हेतु शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट एवं आयु 18 वर्ष से 35 वर्ष निर्धारित की गई है, जो दिनांक 01 अगस्त, 2022 के बाद होने वाली नियुक्ति में प्रभावी होगी। उक्त के क्रम में प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं की चयन प्रक्रिया हेतु शासनादेश निर्गत किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। शासनादेश निर्गत होने के उपरान्त समस्त औपचारिकतायें पूर्ण करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही पूर्ण कर ली जायेगी।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कौशाम्बी के कड़ा ब्लॉक कछुआ में ट्रामा सेन्टर को समय-सीमा निर्धारित कर संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में

82-डॉ0 पल्लवी पटेल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कौशाम्बी के विधान सभा क्षेत्र सिराथू के कड़ा ब्लॉक कछुआ में ट्रामा सेन्टर का कार्य पूर्ण हुए 10 महीने के बाद भी शुरू नहीं हो पाया है ? यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ? क्या सरकार उक्त ट्रामा सेन्टर को समय-सीमा निर्धारित कर संचालित करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

उक्त ट्रामा सेन्टर स्थानीय व्यवस्था पर क्रियाशील है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर के ब्लाक सुकरौली व मोतीचक में बने पशु चिकित्सालय निष्प्रयोज्य होने के पश्चात् नवीन पशु चिकित्सालय के निर्माण के सम्बन्ध में

83-श्री मोहन वर्मा-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा के ब्लाक सुकरौली व मोतीचक में बने पशु चिकित्सालय निष्प्रयोज्य होने के पश्चात् नवीन पशु चिकित्सालय के निर्माण के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-ख-7 नम्बर-130518, दिनांक 12-09-2022 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हां।

जनपद कुशीनगर की विधान सभा क्षेत्र हाटा के ब्लाक सुकरौली व मोतीचक में पशु सेवा केन्द्र के पुनर्निर्माण की कार्यवाही क्रमित है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा में नवीन पशु सेवा केन्द्र स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में

84-श्री मोहन वर्मा-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा में पशु सेवा केन्द्र गांव बनकटा एवं खोड्ढा में स्थापित कराने हेतु प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-ख-7 नं0-130530 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हां।

पत्र में उल्लिखित ग्राम बनकटा एवं खोड्ढा, विधान सभा क्षेत्र हाटा, जनपद कुशीनगर में लाभान्वित होने वाले कुल पशुओं की संख्या क्रमशः लगभग 350 एवं 300 है। उक्त दोनों ग्राम सभा से लगभग 04 किमी0 की दूरी पर पशु सेवा केन्द्र सुकरौली संचालित है। इसके अतिरिक्त उक्त दोनों ग्रामों में नवीन पशु सेवा केन्द्र हेतु विभाग के पक्ष में निःशुल्क एवं निर्विवादित भूमि भी उपलब्ध नहीं है। अतः उक्त दोनों ग्रामों में नवीन पशु सेवा केन्द्र स्थापित किये जाने का अवसर नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद अयोध्या में विकास क्षेत्र अमानीगंज में 50 शैय्या अस्पताल में डाक्टरों की तैनाती तथा दवाओं का प्रबन्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

85-श्री अवधेश प्रसाद-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अयोध्या में विकास क्षेत्र अमानीगंज में 50 शैय्या अस्पताल जो खुलिया दो गांव में बन कर तैयार है, में डाक्टरों की तैनाती तथा दवाओं का प्रबन्ध कराकर उक्त अस्पताल का संचालन सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद अयोध्या के विकास क्षेत्र अमानीगंज खुलिया दो गांव में 50 शैय्या अस्पताल का कार्य पूर्ण न होने के कारण हस्तगत नहीं कराया गया है।

हस्तगत होने के उपरान्त अस्पताल का संचालन कराया जायेगा।

उपरोक्तानुसार।

86-श्री चन्दन चौहान-

[02-बुधवार के अतारांकित प्रश्न संख्या-205 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जिलाधिकारी, फिरोजाबाद द्वारा अपर मुख्य सचिव, महिला कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ को प्रेषित कतिपय पत्रांक द्वारा राजकीय बाल गृह (बालक) फिरोजाबाद के नवीन भवन निर्माण के सम्बन्ध में

87-श्री मनीष असीजा-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगी कि जिलाधिकारी, फिरोजाबाद द्वारा अपर मुख्य सचिव, महिला कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ को प्रेषित पत्रांक : 552-54/जि0अ0/जि0प्रो0का0/ रा0बा0गृ0नि0/2018-19, दिनांक 27-08-2018 के द्वारा राजकीय बाल गृह (बालक) फिरोजाबाद के नवीन भवन निर्माण हेतु, नामित कार्यदायी संस्था से प्राप्त नवीन आगणन प्रस्ताव के अनुरूप वांछित धनराशि आवंटन के सम्बन्ध में पत्र उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती बेबी रानी मौर्य-

जी हाँ।

राजकीय बाल गृह (बालक) फिरोजाबाद के नवीन भवन निर्माण हेतु नामित कार्यदायी संस्था उ0प्र0 प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा दिनांक 04-01-2022 को उपलब्ध कराये गये आगणन प्रस्ताव रु0 995.62 लाख का मूल्यांकन एवं औचित्य का परीक्षण/आँकलन प्रायोजना

रचना एवं मूल्यांकन प्रभाग से कराया गया । प्रायोजना रचना एवं मूल्यांकन प्रभाग द्वारा की गयी पृच्छाओं के क्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी फिरोजाबाद के पत्र दिनांक 02-02-2023 द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त बाल गृह के निर्माण हेतु चयनित भूमि पर हाईटेंशन वायर होने के कारण विद्युत विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र नहीं दिया गया । अतः नवीन भूमि चयनित कर विभाग के पक्ष में हस्तान्तरित की गयी है। कार्यदायी संस्था से पुनः आगणन/प्रस्ताव प्राप्त किया जा रहा है। तत्पश्चात् उक्त भवन का निर्माण कार्य पूर्ण करा दिया जायेगा।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद सहारनपुर के विकास खण्ड मुजफ्फराबाद के ग्राम रनडॉल में बने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के संचालन का समय-सीमा निर्धारित कराये जाने के सम्बन्ध में

88-श्री उमर अली खान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र बेहट, विकास खण्ड मुजफ्फराबाद के ग्राम रनडॉल में बने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जिसका निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, परन्तु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का अभी तक संचालन नहीं हो पाया ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन समय-सीमा निर्धारित कर करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

वर्तमान में जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र बेहट, विकास खण्ड मुजफ्फराबाद के ग्राम रनडॉल में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को क्रियाशील किया जा चुका है तथा ओ0पी0डी0 सेवायें संचालित हैं।

यहाँ पर 02 चिकित्सक, 01 स्टाफ नर्स, 02 फार्मासिस्ट, 01 वार्डब्वाय एवं 01 चतुर्थ श्रेणी कर्मी नियुक्त है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कानपुर नगर के जिला महिला अस्पताल में नवनिर्मित एन0आई0सी0यू0 में स्टाफ की नियुक्ति कराये जाने के सम्बन्ध में

89-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के जिला महिला अस्पताल में नवनिर्मित एन0आई0सी0यू0 में स्टाफ की नियुक्ति कराकर उक्त को क्रियाशील सरकार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद कानपुर नगर के जिला महिला अस्पताल में नवनिर्मित एन0आई0सी0यू0 को क्रियाशील किये जाने के लिए पद सृजन की कार्यवाही प्रचलित है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में डेंगू की बीमारी की रोकथाम, उपचार एवं बचाव की व्यवस्था के सम्बन्ध में

90-डॉ0 रागिनी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विगत दो वर्षों में डेंगू की बीमारी में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि बीमारी रोकथाम हेतु कोई व्यवस्था की गई है ? यदि हां, तो जिन स्थानों पर फॉगिंग नहीं की गई है, के लिए जिम्मेवारों के विरुद्ध कोई कार्रवाई की गई है ? यदि हां, तो क्या ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश में विगत वर्षों में डेंगू रोग की स्थिति निम्नवत् है :-

रोग का नाम	वर्ष		प्रतिशत में कमी
	2021	2022	
डेंगू	29750	19821	33.37

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि वर्ष 2021 के सापेक्ष वर्ष 2022 में डेंगू रोग में 33.37 प्रतिशत की कमी हुई है।

डेंगू रोग के रोकथाम, उपचार एवं बचाव हेतु प्रत्येक वर्ष कार्य योजना बनाई जाती है, जिसके अनुसार प्रदेश के समस्त जनपदों में समस्त प्रकार की उपचारात्मक एवं निरोधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाती है। वर्ष 2022 में भी डेंगू रोग की रोकथाम हेतु राज्य कार्य योजना बनाई गयी है एवं जनपदों को निर्गत की गयी है।

डेंगू रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने व आउट ब्रेक जैसी स्थिति होने पर डेंगू रोग के त्वरित रोकथाम व नियंत्रण करने के लिये प्रदेश के प्रत्येक जनपद से ब्लाक स्तरीय 02 चिकित्सा अधिकारियों का 02 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

प्रदेश में स्थापित एस0एस0एच0 लैब द्वारा सम्भावित डेंगू रोगियों के जांच हेतु आवश्यक एलाईजा किट (आई0जी0एम0 व एन0एस0-1) की आपूर्ति मेडिकल सप्लाईज कार्पोरेशन, उ0प्र0 तथा एलाईजा आई0जी0एम0 किट की आपूर्ति एन0आई0पी0, पुणे द्वारा की जा रही है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद जौनपुर में वर्ष 2021-22 में डेंगू के रोगियों के उपचार एवं उच्च संस्थानों में रेफर किये जाने तथा डेंगू के बढ़ते प्रकोप को रोकने के सम्बन्ध में

91-डॉ0 रागिनी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर में वर्ष 2021-22 में डेंगू के कितने रोगियों का उपचार हुआ है तथा कितने रोगियों को उच्च संस्थानों में रेफर किया गया है ? क्या सरकार ने डेंगू के बढ़ते प्रकोप को रोकने हेतु कोई योजना बनाई है ? यदि हां, तो वह योजना क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद जौनपुर में वर्ष 2021 में डेंगू के 122 रोगियों एवं 2022 में 1,160 रोगियों का उपचार किया गया है।

वर्ष 2021 में समस्त 122 रोगियों का जनपद में ही इलाज किया गया था, कोई रोगी किसी अन्य चिकित्सालय के लिये सन्दर्भित नहीं किया गया था। वर्ष 2022 में कुल चिन्हित 1,160 रोगी में से 1,084 रोगी जनपद में उपचारित किये गये हैं एवं 58 रोगियों द्वारा अपने व्यक्तिगत कारणों से अन्य जनपद में जैसे वाराणसी, प्रयागराज एवं लखनऊ में इलाज कराया गया है। जनपद में कुल 18 रोगियों को उनके व्यक्तिगत अनुरोध पर उच्च स्तरीय चिकित्सालयों में इलाज हेतु सन्दर्भित किया गया।

जी हाँ।

डेंगू के बढते प्रकोप को रोकने हेतु निम्नलिखित कार्यवाही की गयी है :-

1-जनपद के समस्त प्राथमिक/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जनपद चिकित्सालय में किसी भी प्रकार के बुखार के रोगी को सम्भावित डेंगू रोगी मानते हुए एन0एस0-1 जाँच करायी गयी है।

2-जनपद के समस्त प्राथमिक/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जनपद चिकित्सालय में उपचार के लिये डेडिकेटेड/आईसोलेटेड डेंगू वार्ड स्थापित किया गया है।

3-वेक्टर वार्न डिजीज बीमारी के एपिडिमिक पूर्व गतिविधियों के अन्तर्गत संचारी रोगों जैसे डेंगू, मलेरिया, कालाजार स्क्रबटाइफस आदि बीमारी की रोकथाम के लिये संचरण काल के पहले बीमारी के स्रोतों को समाप्त करने एवं जन जागरूकता हेतु वर्ष में निम्नलिखित चरणों में संचारी अभियान चलाया गया है :-

माह अप्रैल, 2022, माह जुलाई, 2022, माह अक्टूबर, 2022।

4-डेंगू एक मच्छर जनित संक्रामक बीमारी है। प्रभावी सभी तरीकों में से सबसे अधिक प्रभावी एडीज मच्छर के प्रजनन स्रोतों का विनष्टीकरण किया जाना होता है। विनष्टीकरण हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकत्रियों द्वारा माह जुलाई से माह नवम्बर तक कुल 3,896 विनष्टीकरण कराया गया है। नगरीय क्षेत्र में कुल कार्यरत 73 आशा कार्यकत्रियों एवं 09 दैनिक डीबीसी चेकर्स से विनष्टीकरण की कार्यवाही करायी गयी है।

नगरीय क्षेत्र में सघन डेंगू मच्छर के घनत्व को कम करने के लिये नगर पालिका परिषद्, नगर पंचायत द्वारा नियमित अन्तराल पर एन्टीलार्वा छिड़काव, मैलाथियान फॉगिंग, इन्डोर छिड़काव पूरे संचरण काल में कराया गया है।

ग्रामीण क्षेत्र में मच्छरों के घनत्व को कम करने के लिये एन्टीलार्वा छिड़काव, मैलाथियान फॉगिंग एवं इन्डोर छिड़काव का कार्य प्रत्येक विकास खण्ड के सहायक पंचायत अधिकारी के देख-रेख में सफाई कर्मियों द्वारा नियमित अन्तराल पर कराया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद जौनपुर में सरकारी डायलिसिस यूनिट में मरीजों के डायलिसिस के सम्बन्ध में

92-डॉ0 रागिनी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर में उपलब्ध सरकारी डायलिसिस यूनिट में कितने मरीजों का लोड है तथा कितनी डायलिसिस कराने हेतु तथा प्रतीक्षा अवधि कितनी रहती है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जिला चिकित्सालय, जौनपुर में स्थापित डायलिसिस यूनिट में प्रत्येक दिवस कुल 30 मरीजों की 03 शिफ्ट में डायलिसिस होती है। डायलिसिस यूनिट में कुल 10 बेड हैं, जिसमें 09 बेड निगेटिव एवं 01 बेड एच0सी0वी0 पॉजिटिव के हैं तथा 05 बेड बढ़ाये जाने की स्वीकृति दी गयी है, जो कि क्रियाशील करने हेतु प्रक्रियाधीन है।

जिला चिकित्सालय, जौनपुर में दिनांक 13-02-2023 तक 145 मरीजों की प्रतीक्षा सूची है। डायलिसिस में किसी मरीज की मृत्यु/किडनी प्रत्यारोपड़ के उपरान्त ही प्रतीक्षा सूची के अनुसार नये मरीजों की भर्ती की जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुरादाबाद के ग्राम भदासना में निर्मित हवाई अड्डे से उड़ान शुरू करने के सम्बन्ध में

93-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद के ग्राम भदासना में निर्मित हवाई अड्डे से उड़ान शुरू करने हेतु डायरेक्टर जनरल सिविल एविएशन (नागर

विमानन निदेशालय, डीजीसीए) द्वारा लगाई गई आपत्तियों का निराकरण से सम्बन्धित संक्षिप्त प्रगति का विवरण सरकार सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

मुरादाबाद नो-फ्रिल्स एयरपोर्ट से उड़ानों के संचालन हेतु एयरोड्रोम लाइसेन्स के लिए नागर विमानन महानिदेशालय, भारत सरकार में आवेदन किया गया है जो प्रक्रियाधीन है। एयरोड्रोम लाइसेन्स प्राप्त करने का कार्य भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा अवगत कराया गया है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डी0जी0सी0ए0), भारत सरकार द्वारा की गयी कतिपय आपत्तियों का निराकरण किया जा चुका है तथा कतिपय आपत्तियों का निराकरण डी0जी0सी0ए0 द्वारा अन्तिम निरीक्षण के समय भौतिक रूप से किया जाना है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा डी0जी0सी0ए0 से अन्तिम निरीक्षण करने एवं एयरोड्रोम लाइसेन्स जारी करने का अनुरोध किया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के वीरांगना झलकारी बाई महिला चिकित्सालय में वाहन पार्किंग की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में

94-श्री राम अचल राजभर-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के वीरांगना झलकारी बाई महिला चिकित्सालय में वाहन पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से चिकित्सालय में आने वाले महिला मरीजों एवं तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनहित में वीरांगना झलकारी बाई महिला चिकित्सालय, लखनऊ में वाहन पार्किंग व्यवस्था करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं। चिकित्सालय से 200 मी0 परिधि के अन्दर नगर निगम मल्टी लेबल पार्किंग, हजरतगंज लखनऊ तथा प्रधान डाकघर में पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

95-[प्रश्न हटाया गया।]

96-[प्रश्न हटाया गया।]

97-[प्रश्न हटाया गया।]

होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी स्व0 डा0 सुरेन्द्र नारायण शुक्ल के जी0पी0एफ0 की शेष धनराशि तथा माह नवम्बर, 2022 के वेतन भुगतान कराये जाने के सम्बन्ध में

98-श्री बावन सिंह-

क्या आयुष मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी स्व0 डा0 सुरेन्द्र नारायण शुक्ल के जी0पी0एफ0 की शेष धनराशि तथा माह नवम्बर, 2022 के वेतन भुगतान के विषय में निदेशक, होम्योपैथी उ0प्र0, 8वाँ तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ के पत्रांक-नि0हो0/81/83, लखनऊ, दिनांक 21 जुलाई, 2022 द्वारा जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी, अयोध्या को आदेश दिये गये थे ? यदि हां, तो क्या उक्त देयकों का भुगतान करा दिया गया है ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डा0 दयाशंकर मिश्र 'दयालु'-

जी हाँ।

300 दिवस का अवकाश नगदीकरण, जी0आई0एस0 एवं जी0पी0एफ0 का 90 प्रतिशत भुगतान किया जा चुका है। जी0पी0एफ0 10 प्रतिशत का भुगतान महालेखाकार द्वारा स्वीकृत किया जाना है उन्हें पत्र प्रेषित कर दिया गया है। दिनांक 01-11-2010 से 05-12-2010 तक का लंबित वेतन भुगतान कर दिया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज से प्रभावित जिलों में वर्ष 2022 में पशुओं की मौत तथा बीमारी से निपटने के उपायों के सम्बन्ध में

99-श्रीमती पिंकी सिंह-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कौन-कौन से जिले पशुओं में लम्पी स्किन डिज़ीज से प्रभावित हैं तथा उक्त बीमारी से प्रभावित जिलों में वर्तमान वर्ष 2022 में कितने पशुओं की मौत हो चुकी है ? क्या सरकार उक्त बीमारी से निपटने के किये गये उपायों का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

प्रदेश के 32 जनपद लम्पी स्किन डिजीज (एल0एस0डी0) से प्रभावित हुए, जिनका विवरण निम्नवत् है :-

आगरा, अलीगढ़, अमरोहा, औरैया, बागपत, बरेली, बिजनौर, बदायूं, बुलन्दशहर, एटा, इटावा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, हापुड़, हाथरस जालौन, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, महोबा, मैनपुरी, मथुरा, मुरादाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सहारनपुर, सम्भल, शामली शाहजहाँपुर एवं वाराणसी।

उक्तानुसार प्रभावित जनपदों में 655 गौवंश की मृत्यु हुई।

शासनादेश संख्या-1593/सैंतीस-2-2022, दिनांक 23-08-2022 द्वारा प्रदेश में लम्पी स्किन बीमारी की मिशन मोड में रोकथाम हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत करते हुए वृहद् अभियान चलाकर रिंग वैक्सीनेशन एवं बेल्ट वैक्सीनेशन के माध्यम से कुल 15787400 गौवंश का टीकाकरण किया गया एवं एण्टीलार्वा दवाई का छिड़काव तथा फागिंग भी कराया गया। पशु मेला/हाट, पशु प्रर्दशनी एवं पशुओं के परिवहन पर पूर्णयता प्रतिबन्ध लगाते हुए प्रभावित गौवंश को स्वस्थ गौवंश के साथ रखने पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया गया । अस्थायी डेडिकेटेड गौ-आश्रय स्थल निर्मित किये गये। उक्त कार्यक्रमों के सघन अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण हेतु टीम 9 का गठन किया गया तथा नोडल अधिकारी नामित किये गये, जिनके द्वारा प्रभावित जनपदों का सघन भ्रमण किया गया।

प्रभावित जनपदों में त्वरित प्रतिक्रिया दल का गठन किया गया। इसके साथ ही प्रदेश स्तर पर एवं प्रत्येक जनपद में कन्ट्रोल रूम भी स्थापित किये गये।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद चित्रकूट के संयुक्त जिला चिकित्सालय में एम0आर0आई0 मशीन लगवाये जाने के सम्बन्ध में

100-श्री अनिल प्रधान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद चित्रकूट के संयुक्त जिला चिकित्सालय में एम0आर0आई0 मशीन न होने के कारण मरीजों को उपचार हेतु प्रयागराज और लखनऊ जाना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार संयुक्त जिला चिकित्सालय, चित्रकूट में एम0आर0आई0 मशीन लगवाएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां।

एम0आर0आई0 की जांच मेडिकल कालेज के स्तर की जांच है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के जिला चिकित्सालयों में आम-जनमानस को निःशुल्क चिकित्सीय सेवायें उपलब्ध करायी जाती हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश के होम्योपैथिक विभाग में माह मई-जून, 2022 में मृतक आश्रित कोटे में हुई नियम विरुद्ध नियुक्तियों के सम्बन्ध में

101-श्री शहज़िल इस्लाम अंसारी-

क्या आयुष मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के होम्योपैथिक विभाग में माह मई-जून, 2022 में मृतक आश्रित कोटे से हुई नियुक्तियां नियम विरुद्ध होने की जानकारी

सरकार को है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त प्रकरण में की गई कार्रवाई तथा प्रमुख तथ्य सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डा0 दयाशंकर मिश्र 'दयालु'-

इस सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त हुई है। उक्त प्रकरण की जाँच करायी जा रही है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा के ब्लाक मोतीचक के अजीजनगर सोहसा दुबौली, ग्राम पंचायत सिकटिया में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण के सम्बन्ध में

102-श्री मोहन वर्मा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा के ब्लाक मोतीचक के अजीजनगर सोहसा दुबौली मुख्य पिच मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत सिकटिया में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हेतु आराजी नं0-806 रकबा, 0.324 हेक्टेयर भूमि पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-ख-7 न0-56270, दिनांक 12-12-2022 को उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही हुई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां।

प्रश्नगत प्रकरण में शासन के पत्र संख्या-वी0आई0पी0-27/पांच-6-2022, दिनांक 09-02-2023 द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें से आख्या मांगी गयी। महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें के पत्र संख्या-2053/14फ/नि0अ0/2022-23, दिनांक 20-02-2023 द्वारा अवगत कराया गया है कि उक्त क्षेत्र सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मोतीचक (मथौली) से लाभान्वित हो रहा है। ग्राम पंचायत सिकटिया में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण से आस-पास की सिकटिया, दुबौली, मु0ज0 सिकटिया की लगभग 8,000 जनसंख्या को लाभ मिलेगा, जो मानकानुसार 30,000 की जनसंख्या से कम है। अतः प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाने का अवसर नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा में पशुओं के समुचित चिकित्सा सुविधा के लिए पॉलीक्लीनिक निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में

103-श्री मोहन वर्मा-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा में पशुओं के समुचित चिकित्सा सुविधा के लिए पॉलीक्लीनिक निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-ख-7 नं0-56259, दिनांक 12-12-2022 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हां।

पत्र में उल्लिखित पशु चिकित्सालय, हाटा जनपद कुशीनगर के परिसर में मात्र 312 वर्ग मीटर ही भूमि उपलब्ध है, जो कि पशु चिकित्सा पॉलीक्लीनिक की स्थापना हेतु अपर्याप्त है, पशु चिकित्सा पॉलीक्लीनिक हेतु लगभग 01 हेक्टेयर (10,000 वर्ग मीटर) भूमि की आवश्यकता होती है तथा भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् (वी0सी0आई0) के अनुसार जिला स्तरीय पशु चिकित्सालय पर ही प्रथमतः पशुचिकित्सा पॉलीक्लीनिक स्थापित किये जाने का सुझाव दिया गया है। वर्तमान में भूमि की उपलब्धता के अनुरूप जनपद के सदर पशु चिकित्सालय/निकटस्थ पशु चिकित्सा पॉलीक्लीनिक की स्थापना की कार्यवाही विभाग द्वारा की जा रही है। अतः प्रश्नगत पशु चिकित्सालय हाटा परिसर में नवीन पशु चिकित्सा पॉलीक्लीनिक स्थापित किये जाने का अवसर नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर दवाइयाँ उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

104-डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में जनपद चिकित्सालयों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मरीजों को दवाइयां न उपलब्ध होने के कारण निजी मेडिकल स्टोर्स पर महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त चिकित्सालयों पर उपलब्ध कराई जाने वाली दवाइयों की सूची सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जा रही है। इस हेतु उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाईज कार्पोरेशन की स्थापना की गयी है। कार्पोरेशन द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों में स्थित जनपदीय औषधि भण्डार गृहों तक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाती है, जहां से सम्बन्धित परिधिगत चिकित्सा इकाइयां (विशिष्ट चिकित्सालय, जिला चिकित्सालय सी0एच0सी0 व पी0एच0सी0 इत्यादि) अपनी आवश्यकतानुसार औषधियों की प्राप्ति सुनिश्चित करती है।

उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाईज कार्पोरेशन के नियत्रंणाधीन वेयर हाउसों के माध्यम से चिकित्सा इकाइयों को उपलब्ध करायी जाने वाली 286 प्रकार की ई0डी0एल0 औषधियों की सूची संलग्न[†] है।

प्रश्न नहीं उठता।

[†] देखिये नत्थी (ञ) आगे पृष्ठ संख्या-429-435 पर।

प्रदेश सरकार के द्वारा प्रदेश को निश्चित अवधि में छुट्टा पशुओं से मुक्त बनाने की योजना के सम्बन्ध में

105-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वर्तमान में आवारा पशु का आंकड़ा सरकार के पास उपलब्ध है ? क्या सरकार ने प्रदेश को किसी निश्चित अवधि में छुट्टा पशु मुक्त बनाने की योजना बनाई है ? यदि हां, तो क्या उक्त योजना में अब तक पकड़े गए छुट्टा पशुओं का विवरण सरकार सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हां।

शासनादेश संख्या-4324/सैंतीस-2-2018-5(53)/2018, दिनांक 02-01-2019 द्वारा उ0प्र0 के समस्त ग्रामीण/शहरी स्थानीय निकायों (ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगमों) में अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल की स्थापना एवं संचालन नीति का पूर्व में प्रख्यापन किया गया है।

उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में 303 स्थायी वृहद गौ संरक्षण केन्द्र की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

शासनादेश संख्या-307(1)/सैंतीस-2-2023-5(53)/18 टी0सी0-2, दिनांक 08-02-2023 द्वारा दिनांक 31-03-2023 तक शत-प्रतिशत निराश्रित गौवंश को आश्रय स्थलों/केन्द्रों में संरक्षित किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

प्रदेश में अब तक कुल 1058996 निराश्रित गौवंशों को संरक्षित किया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के विभिन्न जनपदों की गौशालाओं के रख-रखाव हेतु वर्ष 2022 तथा वर्ष 2023 के बजट के धनराशि की व्यवस्था के सम्बन्ध में

106-श्री अवधेश प्रसाद-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विभिन्न जनपदों में कितनी गौशालायें हैं और उन गौशालाओं के रख-रखाव हेतु वर्ष 2022 तथा वर्ष 2023 के बजट के धनराशि की कोई व्यवस्था है ? यदि हां, तो उक्त का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

प्रदेश में गौशाला अधिनियम, 1964 के अन्तर्गत 589 पंजीकृत गौशालायें संचालित है। गौशालाओं के रख-रखाव हेतु बजट में धनराशि की कोई व्यवस्था प्राविधानित नहीं है।

शासनादेश संख्या-2557/सैंतीस-2-2017, दिनांक 15-12-2017 में विद्यमान व्यवस्थानुसार पंजीकृत गौशालाओं में संरक्षित पशुओं की संख्या के आधार पर आंकलन कर गौशाला की संख्यात्मक क्षमता व भौतिक निरीक्षण के समय गौशाला में उपलब्ध गौवंश की वास्तविक संख्या में से जो कम हो, को मानक मानते हुए उसके 70 प्रतिशत की संख्या को मानक के रूप में स्वीकार करते हुए उसके सापेक्ष वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता की स्थिति में रु0-30/- प्रतिदिन प्रति गौवंश के आधार पर कुल 365 दिनों के लिए भरण-पोषण हेतु अनुदान दिया जाता है।

उपर्युक्तानुसार ।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ स्थित मेडिकल कालेज सहित ट्रामा सेन्टर, पी0जी0आई0 तथा डा0 राम मनोहर लोहिया संस्थान आदि चिकित्सालयों में बेड की संख्या बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में

107-श्री अवधेश प्रसाद-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ स्थित मेडिकल कालेज सहित ट्रामा सेन्टर, पी0जी0आई0 तथा डॉ0 राम मनोहर लोहिया संस्थान आदि चिकित्सालयों में बेड के अभाव में गम्भीर रूप से पीड़ित मरीजों की भर्ती न होने के कारण मरीजों का सुचारु रूप से इलाज नहीं हो पा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनहित में उपरोक्त चिकित्सालयों में बेड की संख्या बढ़ायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद लखनऊ स्थित किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के ट्रामा सेन्टर, एस0जी0पी0जी0आई0 तथा डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ आदि चिकित्सा संस्थानों में गम्भीर रूप से बीमार मरीजों के इलाज हेतु पर्याप्त बेड उपलब्ध है जिन पर मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

गम्भीर बीमारियों से ग्रस्त रोगियों के चिकित्सा उपचार की सुविधा विस्तारित किये जाने के उद्देश्य से एस0जी0पी0जी0आई0, लखनऊ में 558 बेड क्षमता वाले नवनिर्मित इमरजेन्सी मेडिसिन एवं रीजनल ट्रान्सप्लान्ट सेन्टर का संचालन प्रारम्भ हो गया है। डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की इमरजेन्सी में 65 बेड्स बढ़ाए जा रहे हैं।

उक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के विकास खण्डों के ग्रामों में गौशालाएं स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में

108-श्री अवधेश प्रसाद-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के विकास खण्डों के ग्रामों में गौशालाएं स्थापित करने की कोई नीति है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी नहीं।

गौशाला एक धर्मार्थ संस्था है जिसका निर्माण व संचालन निजी/स्वयंसेवी संस्था एवं दानोत्तरीय धार्मिक व अन्य संस्थाओं द्वारा किया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

शासनादेश संख्या-4324/सैंतीस-2-2018-5(53)/2018, दिनांक 02-01-2019 द्वारा उ0प्र0 के समस्त ग्रामीण/शहरी स्थानीय निकायों (ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगमों) में अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल की स्थापना एवं संचालन नीति का प्रख्यापन किया गया है। उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में 303 स्थायी वृहद गौ संरक्षण केन्द्र की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

प्रदेश की वीरागंना झलकारी बाई कोरी के सम्मान में अस्पताल बनवाये जाने के सम्बन्ध में

109-श्री अवधेश प्रसाद-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश की वीरांगना झलकारी बाई कोरी के सम्मान में सरकार अस्पताल बनवाने पर विचार करेगी जिसमें गरीबों का निःशुल्क इलाज हो सके ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

जनपद-लखनऊ में वीरांगना झालकारी बाई के नाम से चिकित्सालय संचालित है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद कौशाम्बी में कैंसर इंस्टीट्यूट की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में

110-डॉ0 पल्लवी पटेल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कौशाम्बी में कैंसर रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु कैंसर इंस्टीट्यूट की स्थापना करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

इस प्रकार का कोई प्रकरण/प्रस्ताव शासन में प्राप्त/विचाराधीन नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद कौशाम्बी की सिराथू विधान सभा क्षेत्र के पी0एच0सी0 तथा सी0एच0सी0 अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में

111-डॉ0 पल्लवी पटेल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कौशाम्बी की सिराथू विधान सभा क्षेत्र के पी0एच0सी0 तथा सी0एच0सी0 अस्पताल में दवाओं के अभाव में गरीब मरीजों को इलाज कराने में असुविधा होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त केन्द्रों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी ? यदि हां, तो कब तक? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद कौशाम्बी के विधान सभा क्षेत्र सिराथू के अन्तर्गत 06 पी0एच0सी0 में पर्याप्त मात्रा में औषधि उपलब्ध है। स्वास्थ्य केन्द्रों पर आये हुए मरीजों को उनकी बीमारी के अनुरूप उपचार हेतु पर्याप्त औषधि उपलब्ध करायी जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर के समस्त सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 पर मानक के अनुरूप चिकित्सक/पैरामेडिकल स्टाफ तथा सफाई कर्मचारियों की तैनाती कराये जाने के सम्बन्ध में

112-श्री पंकज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर में स्थित समस्त सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 पर मानक के अनुरूप कितने चिकित्सक/पैरामेडिकल स्टाफ तथा सफाई कर्मचारियों की तैनाती है ? यदि नहीं, तो क्या सरकार उक्त केन्द्रों पर मानक के अनुरूप चिकित्सक/पैरामेडिकल स्टाफ तथा सफाई कर्मचारियों की तैनाती करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर में दो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सतहरिया एवं सुजानगंज है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सतहरिया के अन्तर्गत विशेषज्ञ चिकित्सक के स्वीकृत 05 पद के सापेक्ष 01 विशेषज्ञ चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ के स्वीकृत 08 पद के सापेक्ष 07 पैरामेडिकल स्टाफ एवं स्वीपर के स्वीकृत 01 पद के सापेक्ष स्वीपर आउट सोर्सिंग पर तैनात है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सतहरिया के अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुंगराबादशाहपुर, नीभापुर, तरहटी एवं पवारा है, जिनमें चिकित्सक के स्वीकृत 05 पद के सापेक्ष

10 चिकित्सक (05 चिकित्सक एन0एच0एम0 द्वारा संविदा से तैनात) पैरामेडिकल स्टाफ के स्वीकृत 11 पद के सापेक्ष 07 पैरामेडिकल स्टाफ (06 पैरामेडिकल स्टाफ एन0एच0एम0 द्वारा संविदा) से तैनात तथा स्वीपर के स्वीकृत 03 पद के सापेक्ष तैनाती नहीं है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुजानगंज के अन्तर्गत विशेषज्ञ चिकित्सक के स्वीकृत 07 पद के सापेक्ष 03 विशेषज्ञ चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ के स्वीकृत 08 पद के सापेक्ष 04 पैरामेडिकल स्टाफ तथा स्वीपर के स्वीकृत 01 पद के सापेक्ष 01 स्वीपर तैनात है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुजानगंज के अन्तर्गत अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रेम का पुरा, बेलवार, ईटहॉ, एवं वीरमॉव बाजार हैं, जिनमें चिकित्सक के स्वीकृत 04 पद के सापेक्ष 02 चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ के स्वीकृत 12 पद के सापेक्ष 13 पैरामेडिकल स्टाफ (04 पैरामेडिकल स्टाफ एन0एच0एम0 द्वारा संविदा से तैनात) एवं स्वीपर के स्वीकृत 04 पद के सापेक्ष 03 स्वीपर तैनात है।

मानक के अनुरूप चिकित्सकों/पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती एक सतत् प्रक्रिया है, जिसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा उ0प्र0 लोक सेवा आयोग/अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से सीधी भर्ती व प्रोन्नति के माध्यम से चिकित्सक/पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराये जाते है एवं सफाई कर्मचारी आउटसोर्सिंग के माध्यम से उपलब्ध कराये जाते हैं।

उपरोक्तानुसार

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद जौनपुर के विकास खण्ड मुंगराबादशाहपुर स्थित समस्त सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 पर बाल रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति किये जाने के सम्बन्ध में

113-श्री पंकज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विकास खण्ड मुंगराबादशाहपुर स्थित समस्त सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 पर बाल रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति किये जाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद जौनपुर के विकास खण्ड-मुंगराबादशाहपुर के अन्तर्गत सामु0 स्वा0 केन्द्र सतहरिया पर बाल रोग विशेषज्ञ का पद सृजित है व एक बाल रोग विशेषज्ञ तैनात हैं। इसके अतिरिक्त विकास खण्ड मुंगराबादशाहपुर के अन्तर्गत संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (ब्लाक स्तरीय) मुंगराबादशाहपुर, नीभापुर, तरहटी, पवांरा पर बालरोग विशेषज्ञ का पद सृजित नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट, वन डेस्टिनेशन ओ0डी0ओ0पी0 के अन्तर्गत जनपद जौनपुर के केराकत विधान सभा क्षेत्र को विकसित करने के सम्बन्ध में

114-श्री तुफानी सरोज-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट, वन डेस्टिनेशन ओ0डी0ओ0पी0 के अन्तर्गत जनपद जौनपुर के किस क्षेत्र को चिन्हित किया गया है ? क्या सरकार उक्त जनपद में केराकत विधान सभा क्षेत्र में ओ0डी0ओ0पी0 के अन्तर्गत किसी क्षेत्र को विकसित करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

उ0प्र0 पर्यटन विभाग के अन्तर्गत वन डिस्ट्रिक्ट, वन डेस्टिनेशन नामक योजना प्रचलित नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद वाराणसी, गाजीपुर (लहूरी काशी) तथा जौनपुर (सिराजे हिन्द) को पर्यटन व तीर्थाटन के क्रम में विकसित करने के सम्बन्ध में

115-श्री तुफानी सरोज-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद वाराणसी, गाजीपुर (लहूरी काशी) तथा जौनपुर (सिराजे हिन्द) को पर्यटन व तीर्थाटन के क्रम में विकसित करने की कोई योजना सरकार में प्रचलित है ? यदि हां, तो उसका प्रारूप क्या है? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

जी हां।

जनपद वाराणसी, जौनपुर एवं गाजीपुर को पर्यटन के विभिन्न आयामों में विकसित किए जाने हेतु निम्नवत् योजनाएं संचालित/प्रस्तावित है :-

1-जनपद वाराणसी, जौनपुर एवं गाजीपुर में पर्यटन के समेकित विकास हेतु जनपद स्तर पर जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद का गठन किया गया है।

2-उक्त जनपदों में पर्यटन को विकसित करने के दृष्टिगत महत्वपूर्ण स्थलों पर पर्यटन विकास योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। आगामी वर्षों में भी जिला योजना, राज्य सेक्टर योजना एवं पर्यटन विकास की अन्य सेक्टर की योजनाओं के अन्तर्गत उनकी गाइडलाइंस व मानक के अनुसार स्थलों के पर्यटन विकास की कार्यवाही वित्तीय व्यवस्था की उपलब्धता के अनुसार की जानी प्रस्तावित है।

3-ईकोटूरिज्म से सम्बन्धित स्थलों एवं क्षेत्रों को चिन्हित कर वित्तीय व्यवस्था की उपलब्धता के अनुसार ईकोटूरिज्म परियोजनाएं क्रियान्वित की जानी प्रस्तावित हैं।

4-जनपद वाराणसी में गंगा महोत्सव, देव दीपावली, बोट फेस्टिवल एवं बैलून फेस्टिवल इत्यादि का आयोजन किया गया, आगामी वर्ष में भी उक्त जनपदों में मेला महोत्सव एवं अन्य पर्यटन व सांस्कृतिक गतिविधियों का वित्तीय व्यवस्था की उपलब्धता के अनुसार आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में मानक के अनुरूप चिकित्सक, रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, स्टाफ नर्स, वार्ड ब्याय की तैनाती किये जाने के सम्बन्ध में

116-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में मानक के अनुरूप चिकित्सक रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, स्टाफ नर्स, वार्ड-ब्वाय की तैनाती है ? यदि नहीं, तो क्यों? क्या सरकार की जानकारी में है कि सर्जरी विभाग, पैथोलाजी विभाग, रेडियोलाजी विभाग में चिकित्सकों की तैनाती न होने के कारण आम जनता के इलाज में कठिनाई हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त विभागों में चिकित्सकों की तैनाती करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां। डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में स्वीकृत पदों के सापेक्ष चिकित्सक, रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, स्टाफ नर्स, वार्ड ब्याय तैनात हैं।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता। उक्त विभागों में स्वीकृत पदों के सापेक्ष चिकित्सक तैनात है तथा मरीजों को समुचित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजनान्तर्गत परिवार के कमाऊ सदस्य की मृत्यु होने पर उनकी विधवा को तीस हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने के पश्चात् उसी वर्ष अनिवार्य रूप से उनका विधवा पेंशन स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में

117-श्री तुफानी सरोज-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजनान्तर्गत परिवार के कमाऊ सदस्य की मृत्यु होने पर उनकी विधवा को तीस हजार रुपये

की आर्थिक सहायता देने के पश्चात् उनको अनिवार्य रूप से विधवा पेंशन स्वीकृत कर दी जाती है ? यदि हां, तो वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22 में दिनांक 08-08-2022 तक प्रदेश में कितनी ऐसी विधवा महिलाओं को पारिवारिक लाभ की सहायता के साथ ही उसी वर्ष पेंशन भी स्वीकृत करी गयी है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती बेबी रानी मौर्य-

जी नहीं।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजनान्तर्गत परिवार के कमाऊ सदस्य, जिनकी आयु 18 से 59 वर्ष हो, की मृत्यु हो जाने पर उनके आश्रितों को रु0 30,000/- की एकमुश्त आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित 'निराश्रित महिला पेंशन योजना' के अन्तर्गत 18 वर्ष से अधिक आयु की निराश्रित महिलाओं को रु0 1000/- की मासिक पेंशन दी जाती है।

राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना की लाभार्थी विधवा द्वारा आवेदन करने पर नियमानुसार पेंशन स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के कल्याण सिंह कैंसर संस्थान चकगजरिया में स्थापना दिवस से लेकर दिनांक 28-11-2022 तक स्वीकृत बेडों के सापेक्ष कुल भर्ती मरीजों के विवरण के सम्बन्ध में

118-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के कल्याण सिंह कैंसर संस्थान चकगजरिया कुल कितने बेड का संस्थान है तथा स्थापना दिवस से लेकर दिनांक 28-11-2022 तक स्वीकृत बेडों के सापेक्ष कुल कितने मरीजों को भर्ती किया गया है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान में कुल 734 बेड का प्राविधान किया गया है। संस्थान अक्टूबर 2020 से प्रारम्भ हुआ है। वर्तमान में संस्थान में कुल 250 बेड क्रियाशील हैं। संस्थान में नवम्बर 2022 तक कुल 9427 मरीज भर्ती हो चुके हैं।

उक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में आवारा पशुओं से किसानों की फसलों को नुकसान से बचाव हेतु योजना बनाये जाने के सम्बन्ध में

119-श्री चंदन चौहान-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में आवारा (छुट्टा) पशुओं से किसानों की फसलों को नुकसान से बचाने हेतु कोई योजना बनायी गयी है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हां।

शासनादेश संख्या-4324/सैंतीस-2-2018-5(53)/2018, दिनांक 02-01-2019 द्वारा उ0प्र0 के समस्त ग्रामीण/शहरी स्थानीय निकायों (ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगमों) में अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल की स्थापना एवं संचालन नीति का पूर्व में प्रख्यापन किया गया है।

उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में 303 स्थायी वृहद् गौ संरक्षण केन्द्र की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में समस्त प्रजनन योग्य पशुओं को निःशुल्क कृत्रिम गर्भाधान से आच्छादित किये जाने के सम्बन्ध में

120-श्री चंदन चौहान-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में अन्य राज्यों की भांति पशुओं का सीमेन मुफ्त में/सब्सिडी देने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हां।

दिनांक 15-09-2019 से सम्पूर्ण प्रदेश में राष्ट्रीय गोकुल मिशन अन्तर्गत संचालित की जा रही राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (एन0ए0आई0पी0) अन्तर्गत समस्त प्रजनन योग्य पशुओं को निःशुल्क कृत्रिम गर्भाधान से आच्छादित किया जा रहा है। कृत्रिम गर्भाधान कार्य हेतु केन्द्रीय मूल्यांकन इकाई (सी0एम0यू0) द्वारा ए-ग्रेड प्रमाणित वीर्य उत्पादन केन्द्रों द्वारा उत्पादित उच्च गुणवत्ता के वीर्य स्ट्राज निःशुल्क प्रत्येक जनपदों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रश्न नहीं उठता।

121-[प्रश्न हटाया गया।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के अन्तर्गत सी0एच0सी0 एवं लैब में टेक्नीशियन की संख्या बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में

122-डॉ0 रागिनी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के अन्तर्गत सी0एच0सी0 एवं लैब में मरीजों का ओवरलोड तथा तकनीशियन की कमी से चिकित्सीय परीक्षण में परेशानी हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त केन्द्रों पर तकनीशियन की संख्या बढ़ायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के अन्तर्गत सी0एच0सी0 मछलीशहर पर 01 नियमित लैब टेक्नीशियन व 05 संविदा के लैब टेक्नीशियन कार्यरत हैं एवं सी0एच0सी0 बरसठी पर 01 नियमित लैब टेक्नीशियन व 02 संविदा के लैब टेक्नीशियन कार्यरत हैं। सामु0 स्वा0 केन्द्र मछलीशहर व बरसठी पर सुचारु रूप से पैथालॉजी लैब में परीक्षण हो रहे हैं।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

जनपद जौनपुर के ब्लाक मछलीशहर सी0एच0सी0 में अतिरिक्त सफाई कर्मी की नियुक्ति के सम्बन्ध में

123-डॉ0 रागिनी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के ब्लाक मछलीशहर सी0एच0सी0 में ओ0पी0डी0 एवं ओ0टी0 में सफाई कर्मी की कमी है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त केन्द्रों पर अतिरिक्त सफाई कर्मी की नियुक्ति करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं,

स्थायी रूप से सृजित स्वीपर के 02 पद हैं। दोनों पदों पर स्वीपर नियुक्त कर दिये गये हैं, जिनके द्वारा साफ-सफाई की सम्पूर्ण व्यवस्था अच्छी तरह से की जाती है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

लखनऊ स्थित किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (के0जी0एम0यू0) के हृदयरोग विभाग में तैनात कतिपय डाक्टरों द्वारा मरीजों को प्राइवेट इलाज कराने के लिए बाध्य किये जाने की शिकायत के सम्बन्ध में

124-श्री शहज़िल इस्लाम अंसारी तथा श्री महेन्द्र नाथ यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (के0जी0एम0यू0) के हृदयरोग विभाग में तैनात कतिपय डाक्टरों द्वारा मरीजों को प्राइवेट इलाज कराने के लिए बाध्य किये जाने की शिकायतें सरकार को प्राप्त हुई हैं ? क्या सरकार उक्त की जांच कर दोषियों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

वर्तमान में हृदयरोग विभाग में ऐसी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुयी है। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा अवगत कराया गया है कि विश्वविद्यालय के कार्डियोलॉजी विभाग के सभी डाक्टरों द्वारा मरीजों का इलाज विभाग में ही किया जाता है। कभी किसी को प्राइवेट इलाज के लिये बाध्य नहीं किया जाता है।

यदि इस प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है तो विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय परिनियमावली 2011 एवं अधिनियम 2002 में प्राविधानित व्यवस्था के अनुरूप सम्बन्धित कार्मिक के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाती है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश के सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों से निकलने वाले जहरीले मेडिकल अपशिष्ट के सुरक्षित प्रबन्धन की योजना के सम्बन्ध में

125-श्री शहज़िल इस्लाम अंसारी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों से निकलने वाले जहरीले मेडिकल अपशिष्ट के सुरक्षित प्रबन्धन की कोई योजना प्रचलित है ? यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

प्रदेश में जहरीले मेडिकल अपशिष्ट के सुरक्षित निस्तारण बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट रूल्स 2016 तथा संशोधित गाइडलाइन फार बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेन्ट एण्ड डिस्पोजल फैसिलिटीस 2016 का अनुपालन किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा पोषित गतिविधियों के सुदृढ़ीकरण हेतु यू0पी0एम0एस0सी0एल0 द्वारा की गयी केन्द्रीकृत निविदा के माध्यम से प्रदेश के जिला स्तरीय चिकित्सालयों/विशिष्ट चिकित्सालयों/सी0एच0सी0/यू0पी0एच0सी0 (ब्लाक स्तरीय यू0पी0एच0सी0 एवं जिला स्तरीय यू0पी0एच0सी0) पर उत्सर्जित होने वाले बायोमेडिकल वेस्ट के सेग्रिगेशन, कलेक्शन, ट्रान्सपोर्टेशन एवं डिस्पोजल के लिये सेवाप्रदाता का चयन किया जाता है। चयनित सेवाप्रदाता द्वारा प्रदेश के सरकारी अस्पतालों यथा 125 जिला स्तरीय चिकित्सालयों, 279 विशिष्ट चिकित्सालय (एम0सी0एच0 विंग, ट्रामा सेन्टर, मानसिक रोग चिकित्सालय एवं नेत्र चिकित्सालय), 943 सी0एच0सी0 एवं 598 यू0पी0एच0सी0 (ब्लाक स्तरीय यू0पी0एच0सी0 एवं जिला स्तरीय यू0पी0एच0सी0) एवं पंजीकृत 12192 गैर सरकारी अस्पतालों के लिये सेग्रिगेशन, कलेक्शन, ट्रान्सपोर्टेशन एवं डिस्पोजल का कार्य कराया जा रहा है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद में किराये के भवनों में संचालित कतिपय स्वास्थ्य उपकेन्द्रों के लिये निजी भवन बनाने की योजना के सम्बन्ध में

126-श्री सचिन यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में संचालित 41 स्वास्थ्य उप केन्द्र जो किराये के भवनों में संचालित हैं के लिये निजी भवन बनाने की सरकार की कोई योजना है ? यदि हां, तो क्या ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

वर्तमान में जनपद फिरोजाबाद में 15वें वित्त आयोग एवं प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन योजनान्तर्गत किराये के भवनों में संचालित कुल 56 उपकेन्द्रों के भवन निर्माण कराये जाने हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद में आयुष्मान योजना के अन्तर्गत निजी अस्पतालों को जोड़ने के सम्बन्ध में

127-श्री सचिन यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में आयुष्मान योजना के अन्तर्गत निजी अस्पतालों को जोड़ने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित है ? यदि हां, तो

कब तक ? क्या सरकार जनपद फिरोजाबाद में आयुष्मान योजना से जुड़ने वाले निजी एवं सरकारी अस्पतालों की सूची उपलब्ध करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

राज्य के समस्त जनपदों में आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनान्तर्गत निजी चिकित्सालयों की सूचीबद्धता एक सतत् प्रक्रिया है। निर्धारित दिशा-निर्देश के अनुसार निजी चिकित्सालय एच0ई0एम0 पोर्टल के माध्यम से आवेदन कभी भी कर सकते हैं। जनपद फिरोजाबाद में अब तक योजनान्तर्गत कुल 12 निजी चिकित्सालय सूचीबद्ध हैं।

उपरोक्तानुसार।

जी हाँ। (सूची संलग्न)†

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुजफ्फरनगर में मल्टी सेक्टोरल डेवलपमेन्ट प्रोग्राम के अन्तर्गत स्वीकृत आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण हेतु दूसरी किस्त जारी कराये जाने के सम्बन्ध में

128-श्री पंकज कुमार मलिक-

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुजफ्फरनगर में मल्टी सेक्टोरल डेवलपमेन्ट प्रोग्राम के अन्तर्गत स्वीकृत आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण हेतु दूसरी किस्त जारी कर दी गई है ? यदि नहीं, तो क्या सरकार उक्त हेतु दूसरी किस्त जारी कर निर्माण कार्य करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हाँ। जनपद मुजफ्फरनगर में मल्टी सेक्टोरल डेवलपमेन्ट प्रोग्राम के अन्तर्गत कुल 390 आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत हैं, जिनमें से 09 आंगनबाड़ी केन्द्र ड्राप किये जा चुके हैं। शेष 381 आंगनबाड़ी केन्द्रों में से 347 आंगनबाड़ी केन्द्रों की सम्पूर्ण धनराशि निर्गत की जा चुकी है। अवशेष 34 आंगनबाड़ी केन्द्रों की द्वितीय किश्त की धनराशि निर्गत करने की कार्यवाही की जा रही है।

उपरोक्तानुसार ।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुजफ्फरनगर के जडौदा में राजकीय इण्टर कालेज के निर्माण कार्य हेतु राज्यांश निधि की अवशेष धनराशि अवमुक्त कराये जाने के सम्बन्ध में

129-श्री पंकज कुमार मलिक-

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुजफ्फरनगर के जडौदा में राजकीय इण्टर कालेज के निर्माण कार्य हेतु राज्यांश निधि की अवशेष धनराशि

---

† देखिये नत्थी (ट) आगे पृष्ठ संख्या-436 पर।

अवमुक्त कर दी गई है ? यदि नहीं, तो क्या सरकार उक्त की अवशेष धनराशि अवमुक्त कर निर्माण कार्य पूर्ण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हाँ। राजकीय इण्टर कालेज जडौदा (पूर्ववर्ती नाम सिखरेड़ा) की राज्यांश की धनराशि रु0 39.370 लाख अवमुक्त कर दी गयी है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता ।

प्रदेश में आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथ विभागों में तैनात तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मियों का उक्त विभागों में अन्तर्विभागीय स्थानान्तरण व तैनाती पर विचार किये जाने के सम्बन्ध में

130-श्री अतुल प्रधान-

क्या आयुष मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथ विभागों में तैनात तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मियों का उक्त विभागों में अन्तर्विभागीय स्थानान्तरण व तैनाती पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर मिश्र ''दयालु''-

सेवा नियमावली में इस प्रकार का कोई प्राविधान नही है ।

तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कार्मिक अपने विभाग द्वारा प्रख्यापित सेवा नियमावली के अधीन नियुक्त होकर कार्यरत होते हैं। इन कार्मिकों के अन्तर्विभागीय स्थानान्तरण एवं तैनाती की कोई व्यवस्था सेवा नियमावली में प्रख्यापित नहीं है।

उत्तर प्रदेश जनहित गारण्टी अधिनियम-2011 के समस्त विभाग हेतु अधिसूचित 10 सेवायें होम्योपैथी विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा अनुपालन की अद्यतन स्थिति के सम्बन्ध में

131-डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

क्या आयुष मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश जनहित गारण्टी अधिनियम 2011 के अन्तर्गत सरकारी सेवकों के सेवा सम्बन्धी 10 सेवाएं समस्त विभागों के अनुपालनार्थ अधिसूचित की गई हैं ? यदि हां, तो आयुष विभाग के अन्तर्गत आयुष अनुभाग-2 के अन्तर्गत आने वाले समस्त सरकारी सेवकों के सेवा सम्बन्धी उक्त 10 सेवाओं के अनुपालन की अद्यतन स्थिति क्या है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री दयाशंकर मिश्र ''दयालु''-

जी हाँ।

''उत्तर प्रदेश जनहित गारण्टी अधिनियम-2011'' के समस्त विभाग हेतु अधिसूचित 10 सेवायें होम्योपैथी विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा भी उपलब्ध करायी जा रही हैं।

जी हां।

विवरण संलग्न† है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज में निर्मित महिला चिकित्सालय केन्द्र कटघर में आम जनमानस के लिए ओ0पी0डी0 सेवा में चिकित्सक की तैनाती के सम्बन्ध में

132-श्री बेचई सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज में निर्मित महिला चिकित्सालय केन्द्र कटघर में आम-जनमानस के लिए ओ0पी0डी0 सेवा आरम्भ कर दी गई है ? यदि हां, तो किन-किन मर्ज के चिकित्सक की तैनाती की गई है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज में निर्मित महिला चिकित्सालय केन्द्र कटघर में 01 महिला चिकित्सक एवं 01 नर्स की तैनाती की गयी है, जिनके द्वारा गर्भवती महिलाओं का ए0एन0सी0 चेकअप एवं अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रम का कार्य सम्पादित किया जाता है। बुधवार एवं शनिवार को ए0एन0एम0 द्वारा बच्चों का टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

लखनऊ के ठाकुरगंज स्थित सौ शैय्या नगरीय सामुदायिक चिकित्सालय (पूर्व टी0बी0 अस्पताल) में दूरबीन विधि द्वारा पेट के आपरेशन हेतु समुचित उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में

133-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने कि कृपा करेंगे कि लखनऊ के ठाकुरगंज स्थित सौ शैय्या नगरीय सामुदायिक चिकित्सालय (पूर्व टी0बी0 अस्पताल) में दूरबीन विधि द्वारा पेट के आपरेशन हेतु आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं ? यदि नहीं, तो क्या स्वास्थ्य सुविधाओं के दृष्टिगत समुचित उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

---

† देखिये नत्थी (ठ) आगे पृष्ठ संख्या-437 पर।

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

जनपद लखनऊ के ठाकुरगंज स्थित 100 शैय्या नगरीय सामुदायिक चिकित्सालय (पूर्व टी0बी0 अस्पताल) में दूरबीन विधि द्वारा पेट के आपरेशन हेतु लेप्रोस्कोपी सेट विद् इन्स्ट्रूमेन्टस सिंगल चिप कैमरा टेक्नोलाजी एवं एनेस्थिसिया वर्क स्टेशन बनाने हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत कर दी गयी है। उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कार्पोरेशन द्वारा उपकरण क्रय किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के निःशुल्क उपचार के सम्बन्ध में

134-श्री मनीष असीजा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में राष्ट्रीय बाल चिकित्सा कल्याण (आर0बी0एस0के0) योजना के अन्तर्गत सरकार स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों (18 वर्ष के नीचे) का निःशुल्क इलाज कराया जाता है ? यदि हाँ, तो जनपद फिरोजाबाद में उक्त योजना के अन्तर्गत पात्र बच्चों की संख्या कितनी है एवं वर्ष 2019-20, 21-22 में दिनांक 26/12/2022 तक कितने बच्चों का इस योजना के अन्तर्गत निःशुल्क इलाज कराया गया है ? क्या सरकार उक्त का तहसील/ ब्लॉकवार स्तर पर विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

पात्र उपचारित बच्चों की कुल संख्या वर्षवार निम्नवत् है :-

2019		2020		2021		2022 (26-12-2022 तक)	
पात्र बच्चे	उपचारित बच्चे	पात्र बच्चे	उपचारित बच्चे	पात्र बच्चे	उपचारित बच्चे	पात्र बच्चे	उपचारित बच्चे
10310	10148	1143	1130	1518	1506	4854	4844

विवरण संलग्न† है।

प्रश्न नहीं उठता।

---

† देखिये नत्थी (ड) आगे पृष्ठ संख्या-438 पर।

जनपद चित्रकूट स्थित मडफा महादेव के प्राचीन मंदिर में विद्युत और पेयजल की व्यवस्था के सम्बन्ध में

135-श्री अनिल प्रधान-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद चित्रकूट स्थित मडफा महादेव के प्राचीन मन्दिर में विद्युत और पेयजल की व्यवस्था सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

जनपद चित्रकूट स्थित मडफा महादेव के प्राचीन मंदिर में पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए जल आपूर्ति एवं विद्युत व्यवस्था हेतु प्रस्ताव तैयार किए जाने की कार्यवाही गतिशील है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ में संचालित निजी चिकित्सालयों की कुल संख्या एवं उनमें अग्निशमन की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में

136-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ में संचालित निजी चिकित्सालयों की कुल कितनी संख्या है ? क्या सरकार की जानकारी में है कि उक्त निजी चिकित्सालयों में अग्निशमन की कोई व्यवस्था नहीं है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त निजी चिकित्सालयों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए अग्निशमन उपकरण को स्थापित कराये जाने की कार्यवाही करेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

वर्तमान में जनपद लखनऊ में संचालित निजी चिकित्सालयों की संख्या-747 है।

उक्त निजी चिकित्सा प्रतिष्ठानों द्वारा पंजीकरण के समय पोर्टल पर फायर फाइटिंग सिस्टम/अग्निशमन उपकरण से सम्बन्धित अभिलेख/फोटो संलग्न कर प्रेषित की जाती है। तदोपरान्त सम्बन्धित निजी चिकित्सा प्रतिष्ठान का निरीक्षण/अभिलेखीय परीक्षण करते हुए पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण की कार्यवाही की जाती है। साथ ही समय-समय पर मुख्य चिकित्साधिकारी, लखनऊ के स्तर से टीम गठित कर निजी चिकित्सालयों में अग्निशमन उपकरणों की क्रियाशीलता एवं उपलब्धता का निरीक्षण भी किया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के सरकारी अस्पतालों में 2-डी ईको की क्रियाशील मशीनों की सुविधा प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में

137-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के कितने सरकारी अस्पतालों में 2-डी ईको की सुविधा प्रदत्त है ? 2-डी ईको की कुल कितनी मशीनें क्रियाशील हैं ? क्या सरकार को जानकारी है कि बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ में विगत दो वर्षों से 2-डी ईको की मशीन बन्द होने के कारण मरीजों को निजी डायग्नोस्टिक सेन्टरों में इलाज हेतु भेजा जा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त बन्द 2-डी ईको मशीन को क्रियाशील करेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद लखनऊ में के0जी0एम0यू0, एस0जी0पी0जी0आई0, डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान एवं डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ में 2-डी ईको की सुविधा उपलब्ध है।

2-डी इको की कुल 04 मशीनें क्रियाशील हैं।

जी नहीं। बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ में विगत 02 वर्षों से 2-डी ईको की मशीन बन्द होने के कारण मरीजों को के0जी0एम0यू0, डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय लखनऊ, डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान तथा एस0जी0पी0जी0आई0 लखनऊ में इलाज हेतु भेजा जा रहा है।

उक्त बन्द 2-डी ईको मशीन रिपेयर योग्य नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल में एम0आर0आई0 मशीन उपलब्ध कराए जाने के सम्बन्ध में

138-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल के 150वें स्थापना दिवस पर 4 फरवरी, 2019 को एम0आर0आई0 भवन का मुख्य मंत्री द्वारा शिलान्यास किया गया था? यदि हां, तो क्या उक्त एम0आर0आई0 मशीन बलरामपुर चिकित्सालय को उपलब्ध करा दी गयी है? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या सरकार उक्त का उत्तरदायित्व निर्धारित कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए बलरामपुर चिकित्सालय को एम0आर0आई0 मशीन उपलब्ध कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां।

बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ में एम0आर0आई0 भवन का निर्माण उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड लखनऊ द्वारा किया गया है। एम0आर0आई0 मशीन भवन को कार्यदायी संस्था द्वारा दिनांक 23-01-2023 को हस्तगत करा दिया गया है।

जी नहीं।

वर्तमान में ई0सी0आर0पी0 फेज-2 योजना के अन्तर्गत प्रथम चरण में बलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ में एम0आर0आई0 मशीन स्थापित किये जाने हेतु उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एम0आर0आई0 मशीन क्रय किया जाना प्रक्रियाधीन है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ में होने वाली समस्त जांचों को निःशुल्क किये जाने पर विचार किये जाने के सम्बन्ध में

139-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के हास्पिटल ब्लाक में होने वाली समस्त जांचें तथा एक्स-रे हेतु शुल्क निर्धारित कर दिये जाने से गरीब जनता अपना इलाज करवाने में अपने को असहाय पा रही है? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त हास्पिटल में होने वाली समस्त जांचों को निःशुल्क किये जाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

शासनादेश दिनांक 27 अगस्त, 2019 द्वारा डा0 राम मनोहर लोहिया संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ का विलय डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में किये जाने के फलस्वरूप सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा संस्थानों की शुल्क संरचना के अनुरूप ही डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के हास्पिटल ब्लाक में होने वाली समस्त जाँचों तथा एक्स-रे शुल्क का निर्धारण किया गया है, जो दिनांक 22 अप्रैल, 2022 से संस्थान में प्रभावी है।

डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में आने वाले निर्धन तथा असहाय मरीजों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं यथा-आयुष्मान भारत योजना, जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य संरक्षण कार्यक्रम, एच0आई0वी0/एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री एवं मुख्य मंत्री राहत कोष एवं असाध्य रोग मद से पात्रता के अनुसार निःशुल्क एवं

रियायती दरों पर इलाज एवं जांच की सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। उक्त के अतिरिक्त इमरजेन्सी सेवा में आने वाले मरीजों को भर्ती होने के 48 घंटे तक निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

इसके अतिरिक्त चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न स्तर के चिकित्सालयों में प्रदेश के रोगियों के लिये निःशुल्क/अतिन्यून दरों पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

डॉ0 राम मनोहर लोहिया आर्युर्विज्ञान संस्थान लखनऊ में पर्चे का मूल्य पूर्व की भांति 1 रुपया निर्धारित करने पर विचार किये जाने के सम्बन्ध में

140-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के हास्पिटल ब्लाक में एक रुपये में बनने वाले पर्चे का मूल्य अब 100 रुपये कर दिया गया है? यदि हां, तो उक्त पर्चे का मूल्य बढ़ाये जाने से आम जनता को इलाज में कठिनाई हो रही है? यदि हां, तो क्या सरकार पर्चे का मूल्य पूर्व की भांति 1 रूपया निर्धारित करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

डॉ0 राम मनोहर लोहिया संयुक्त चिकित्सालय का विलय डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में किये जाने के उपरान्त दिनांक 22-04-2022 को संस्थान के हास्पिटल ब्लाक के पर्चे का मूल्य भी संस्थान के शुल्क संरचना के समान किया गया है।

जी नहीं।

संस्थान का पर्चा शुल्क छः माह तक प्रभावी है। इससे रोगियों को बार-बार पर्चा शुल्क नहीं देना होता है, जिससे रोगियों को सुविधा होती है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपर्युक्तानुसार।

प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्रों में कैंसर रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु जनपद जौनपुर अथवा वाराणसी में कैंसर इन्स्टीट्यूट की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में

141-श्री पंकज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्रों में कैंसर रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु जनपद जौनपुर अथवा वाराणसी में कैंसर इन्स्टीट्यूट की स्थापना कराने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में कैंसर रोगियों को उत्कृष्ट कोटि की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज सहित केन्द्र सरकार के नियंत्रणाधीन बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय कैंसर सेन्टर संचालित है। अतः पृथक से जौनपुर अथवा वाराणसी में कैंसर इन्स्टीट्यूट की स्थापना का प्रस्ताव नहीं है।

उक्तानुसार।

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुजानगंज, मुंगराबादशाहपुर पर आपात कालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर विचार किये जाने के सम्बन्ध में

142-श्री पंकज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुजानगंज, मुंगराबादशाहपुर पर आपात कालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सुजानगंज में आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद अयोध्या में बहुत पुराने एवं जर्जर हो चुके सैकड़ों पौराणिक मन्दिरों का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में

143-श्री अवधेश प्रसाद-

क्या संस्कृति मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अयोध्या में सैकड़ों पौराणिक मन्दिर चूँकि बहुत पुराने एवं जर्जर हो चुके हैं, को विशेष अनुदान देकर सरकार जीर्णोद्धार करेंगे ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

उ0प्र0 राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा राज्य संरक्षित स्मारकों का जीर्णोद्धार समय-समय पर करवाया जाता है। जनपद अयोध्या में स्थित राम-जानकी, राज मंदिर, गुप्तार घाट राज्य संरक्षित स्मारक हैं, जिसका विभाग द्वारा समय-समय पर वार्षिक रख-रखाव एवं अनुरक्षण कार्य करवाया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र मिल्कीपुर में सांडों और आवारा पशुओं से किसानों की खेती और जान बचाने के उपाय के सम्बन्ध में

144-श्री अवधेश प्रसाद-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र मिल्कीपुर में सांडों और आवारा पशुओं द्वारा किसानों को बड़े पैमाने पर खेती की क्षति हो रही है ? क्या सरकार उक्त क्षेत्र में आवारा पशुओं से किसानों की खेती और किसानों की जान बचाने के लिए सरकार कोई उपाय करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी नहीं।

जी हां।

शासनादेश संख्या-4324/सैंतीस-2-2018-5(53)/2018, दिनांक 02-01-2019 द्वारा उ0प्र0 के समस्त ग्रामीण/शहरी स्थानीय निकायों (ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगमों) में अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल की स्थापना एवं संचालन नीति का पूर्व में प्रख्यापन किया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

145-श्री अवधेश प्रसाद-

[03-मंगलवार के अतारांकित प्रश्न संख्या-201 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद शामली के जिला संयुक्त चिकित्सालय में निर्मित बर्न यूनिट भवन में उपचार हेतु उपकरण, जरनल सर्जन एवं स्टाफ आदि की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

146-श्री प्रसन्न कुमार-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शामली के जिला संयुक्त चिकित्सालय में निर्मित बर्न यूनिट भवन में उपचार हेतु उपकरण, जनरल सर्जन एवं स्टाफ आदि कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त बर्न यूनिट भवन में उक्त सुविधा उपलब्ध करायेगी? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद शामली के जिला संयुक्त चिकित्सालय में निर्मित बर्न यूनिट भवन में उपचार हेतु उपकरण की सुविधा उपलब्ध है। बर्न यूनिट में पद सृजन विचाराधीन है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

के0जी0एम0यू0 लखनऊ में अगस्त, 2022 में सम्पादित एम0सी0एच0 न्यूरोसर्जरी विभाग में अनुत्तीर्ण छात्रों की परीक्षा पुनः कराये जाने के सम्बन्ध में

147-डॉ0 संग्राम यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि के0जी0एम0यू0 लखनऊ में अगस्त, 2022 में सम्पादित एम0सी0एच0 न्यूरोसर्जरी विभाग में कितने छात्र उत्तीर्ण तथा कितने अनुत्तीर्ण हुये हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखते हुये अनुत्तीर्ण छात्रों की परीक्षा पुनः करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, उ0प्र0 लखनऊ में माह अगस्त, 2022 में सम्पादित एम0सी0एच0 न्यूरोसर्जरी विषय की परीक्षा में कुल 08 परीक्षार्थियों ने भाग लिया था, जिसमें 06 परीक्षार्थी उत्तीर्ण एवं 02 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण हुये।

अनुत्तीर्ण छात्रों की पूरक परीक्षा माह दिसम्बर, 2022 में सम्पादित कराई गई, जिसका परिणाम दिनांक 27 जनवरी, 2023 को घोषित किया गया है, जिसमें दोनों छात्र उत्तीर्ण घोषित हुये।

उक्तानुसार।

प्रश्न हीं नहीं उठता।

148-श्री महेंद्र नाथ यादव-

[02-बुधवार के अतारांकित प्र0सं0-204 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद फिरोजाबाद में जिला चिकित्सालय की चहारदीवारी एवं आवासीय भवनों का अधूरा कार्य पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में

149-श्री मनीष असीजा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में जिला चिकित्सालय की चहारदीवारी एवं आवासीय भवनों के निर्माण कार्य की दिनांक 6/12/2017 को स्वीकृति को लागभग 5 वर्ष होने के पश्चात भी धनाभाव के कारण कार्य अधूरा है ? यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त कार्य हेतु शेष स्वीकृत बजट धनराशि आवंटित कराते हुये पूर्ण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां।

जनपद फिरोजाबाद के जिला चिकित्सालय की चहारदीवारी एवं आवासीय भवनों के निर्माण कार्य हेतु चतुर्थ किश्त के रूप में धनराशि रुपये 2,73,49,840.00/- अवमुक्त किया गया है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में निर्माण किए जा रहे 386 नए स्वास्थ्य उपकेन्द्रों को बनाने की निर्धारित समय-सीमा एवं जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना में कुल प्रस्तावित स्वास्थ्य उपकेन्द्रों की योजना के सम्बन्ध में

150-श्री सचिन यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में निर्माण किए जा रहे 386 नए स्वास्थ्य उपकेन्द्रों को बनाने की कोई समय-सीमा निर्धारित है? यदि हाँ, तो कब तक? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या सरकार बतायेगी कि जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना में कितने स्वास्थ्य उपकेन्द्र बनाने की योजना प्रस्तावित है ? क्या सरकार उक्त विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

शासनादेश दिनांक 12-10-2022 द्वारा स्वीकृत 386 उपकेन्द्रों के भवन निर्माण की समय-सीमा लागत के सापेक्ष शत-प्रतिशत धनराशि की उपलब्धता की स्थिति में कार्यदायी संस्था के साथ एम0ओ0यू0 निष्पादन की तिथि से 5 माह 15 दिन निर्धारित है।

प्रश्न नही उठता।

जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के अन्तर्गत 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में शासनादेश दिनांक 10-08-2022 द्वारा स्वीकृत 09 उपकेन्द्रों, शासनादेश दिनांक 12-10-2022 द्वारा स्वीकृत 01 उपकेन्द्र, शासनादेश दिनांक 30-12-2022 द्वारा स्वीकृत 06 उपकेन्द्रों तथा पी0एम0अभीम योजनान्तर्गत मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 द्वारा स्वीकृत 02 उपकेन्द्र कुल प्रस्तावित 18 नग स्वास्थ्य उपकेन्द्रों के भवन निर्माण की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत की जा चुकी है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत में दुग्ध विकास को प्रोत्साहन दिये जाने हेतु डेयरी स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में

151-श्री तुफानी सरोज-

क्या दुग्ध विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत में दुग्ध विकास को प्रोत्साहन दिये जाने हेतु सरकार डेयरी स्थापित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी नहीं।

टिप्पणी की आवश्यकता नहीं।

जनपद जौनपुर, क्लस्टर दुग्ध संघ वाराणसी के अन्तर्गत आच्छादित है। जनपद जौनपुर में उपार्जित दूध का प्रसंस्करण वाराणसी में स्थापित डेरी प्लान्ट (क्षमता 04 लाख लीटर प्रतिदिन) में किया जाता है। दिसम्बर, 2021 से दुग्ध संघ वाराणसी का संचालन/प्रबन्धन, एन0डी0डी0बी0 द्वारा किया जा रहा है।

गत वर्ष 2021-22 में जनपद जौनपुर में औसतन 78 दुग्ध समितियों से कुल दुग्ध उपार्जन 2001 लीटर प्रतिदिन रहा है तथा वाराणसी डेयरी प्लान्ट की क्षमता का औसत उपयोग मात्रा 28000 लीटर प्रतिदिन रही है, जो स्थापित क्षमता की मात्र 07 प्रतिशत है।

अतः उपरोक्त के दृष्टिगत निकट भविष्य में जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत में डेयरी स्थापित किया जाना औचित्यपूर्ण नहीं है।

प्रदेश में स्थापित गौ-संरक्षण केन्द्रों पर गौवंश की कुल संख्या तथा उनसे प्राप्त होने वाले गोबर व गौमूत्र के निस्तारण की व्यवस्था तथा दिनांक 21-09-22 तक गौवंशों के गोबर व गौमूत्र की बिक्री से प्राप्त धनराशि के प्रयोग के सम्बन्ध में

152-श्री तुफानी सरोज-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में स्थापित वृहद गौ-संरक्षण केन्द्रों तथा गौ-आश्रय केन्द्रों पर गौ-वंशों की कुल कितनी संख्या है तथा उन गौ-वंशों से प्राप्त होने वाले गोबर तथा गौ-मूत्र के निस्तारण की क्या व्यवस्था है ? क्या सरकार बताएगी की दिनांक 21-09-2022 तक गौ-वंशों के गोबर तथा गौ-मूत्र की बिक्री कर कितनी धनराशि प्राप्त की गयी तथा उन धनराशि का प्रयोग किन मदों में किया गया ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

दिनांक 06-02-2023 तक ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में स्थापित 6569 गो आश्रय स्थलों (अस्थायी गौ आश्रय स्थल/कान्हा गौशाला/कांजी हाउस/वृहद गौ संरक्षण केन्द्र) में कुल 1056936 गौवंश संरक्षित हैं तथा इन गौवंशों से प्राप्त गोबर/गौमूत्र से कम्पोस्ट खाद तैयार की जाती है, जिसका उपयोग प्रक्षेत्रों पर चारा उत्पादन में किया जाता है।

गौ आश्रय स्थलों (अस्थायी गौ आश्रय स्थल/कान्हा गौशाला/कांजी हाउस/वृहद गौ संरक्षण केन्द्र) पर तैयार की जाने वाली कम्पोस्ट खाद के विक्रय का कोई प्राविधान नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश की बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए रानी लक्ष्मीबाई योजना के अन्तर्गत जनपद जौनपुर के केराकत विधान सभा क्षेत्र में बालिकाओं को सुरक्षा प्रशिक्षण दिलाये जाने के सम्बन्ध में

153-श्री तुफानी सरोज-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगी कि प्रदेश की बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए रानी लक्ष्मीबाई योजना प्रदेश में लागू है ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि उक्त योजना के अन्तर्गत जनपद जौनपुर के केराकत विधान सभा क्षेत्र में कुल कितनी बालिकाओं को सुरक्षा प्रशिक्षण दिलाया गया है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती बेबी रानी मौर्य-

तेजाब हमले से पीड़ित महिलाओं, दहेज हत्या की पीड़िताओं के बच्चों, अश्लील प्रयोजनों हेतु बच्चों का उपयोग के साथ-साथ रेप पीड़ित बालिकाओं/महिलाओं को आर्थिक क्षतिपूर्ति प्रदान करने के निमित्त उ0प्र0 रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष नियमावली दिनांक 06-02-2015 को प्रख्यापित की गयी है। इस नियमावली के अन्तर्गत भारतीय दण्ड संहिता अपराध से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की धारा-4/6 तथा भारतीय दण्ड संहिता की धारा-302 के साथ पठित लैंगिक अपराध से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की धारा-4/6 के प्रकरणों में रुपये एक लाख से दस लाख तक की क्षतिपूर्ति प्रदान किये जाने के साथ ही साथ पीड़िताओं व उनके अवयस्क आश्रितों हेतु चिकित्सीय व शैक्षणिक सहायता का प्राविधान है।

उपरोक्तानुसार उ0प्र0 रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजनान्तर्गत बालिकाओं को सशक्त बनाने हेतु सुरक्षा दिलाया जाना प्राविधानित न होने के कारण किसी भी बालिका को सुरक्षा प्रशिक्षण नहीं दिया गया है।

उपरोक्तानुसार।

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलसचिव के विरुद्ध जांच की अद्यतन स्थिति के सम्बन्ध में

154-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलसचिव के विरुद्ध जांच शासन में प्रचलित है ? यदि हां, तो क्या सरकार जांच की अद्यतन स्थिति सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, उ0प्र0, लखनऊ में वर्तमान में कुलसचिव के पद पर श्रीमती रेखा एस0 चौहान कार्यरत हैं, जिनके विरुद्ध शासन स्तर पर कोई भी जाँच प्रचलित नहीं है।

उपरोक्तानुसार

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत के सी0एच0सी0 एवं पी0एच0सी0 केन्द्रों में दवाओं की उपलब्धता व रात्रि के समय चिकित्साधिकारियों की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में

155-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत के कतिपय सी0एच0सी0 एवं पी0एच0सी0 केन्द्रों पर दवाओं की उपलब्धता तथा केन्द्रों पर तैनात चिकित्साधिकारी तथा स्टाफ रात्रि के समय उपलब्ध न होने के कारण इमरजेन्सी सेवाओं का लाभ मरीजों को नहीं मिल पा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त केन्द्रों में दवाओं की उपलब्धता कराये जाने एवं रात्रि के समय चिकित्साधिकारियों की केन्द्रों पर इमरजेन्सी सेवा दिये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर दवाओं की उपलब्धता निरन्तर बनी रहती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्साधिकारी एवं पैरामेडिकल स्टाफ/स्टाफ रात्रि निवास करते हैं।

उ0प्र0 मेडिकल सप्लाई कार्पोरेशन से दवाओं की उपलब्धता हमेशा बनी रहती है। चिकित्साधिकारी एवं पैरामेडिकल स्टाफ/स्टाफ रात्रि निवास करके सभी राजकीय कार्यों को सम्पादित करते हैं तथा इमरजेन्सी सेवा 24x7 प्रतिदिन उपलब्ध रहती है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के सोनवानी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर समुचित इलाज, उपकरण व दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में

156-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के सोनवानी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आम-जन मानस की सुविधा हेतु समुचित इलाज एवं उपकरण व दवाओं की व्यवस्था सरकार सुनिश्चित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद बलिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सोनवानी पर आम जनमानस की सुविधा हेतु समुचित इलाज एवं उपकरण व मानकानुसार दवाएं उपलब्ध हैं, जिनसे आम-जन मानस को चिकित्सा सुविधा का लाभ दिया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद झांसी के एरच नगर में भगवान विष्णु के तीन अवतार वाराह, नृसिंह एवं बामन अवतार की ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थल बेतवा नदी के मड़िया घाट को पक्का बनवा कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने विषयक

157-श्री जवाहर लाल राजपूत-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झांसी के एरच नगर में भगवान विष्णु के तीन अवतार वाराह, नृसिंह एवं बामन अवतार की ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थल बेतवा नदी के मड़िया घाट को पक्का बनवा कर एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 2 जनवरी, 2023 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

जी हां।

जनपद झांसी के एरच में मड़िया घाट के निर्माण का आगणन गठित कराया गया है, जिसके क्रम में नियमानुसार परीक्षणोपरान्त औचित्य पाये जाने पर कार्य कराया जाना प्रस्तावित है।

प्रश्न नहीं उठता।

जिला अस्पताल मेरठ में भर्ती होने वाले मरीजों की सुविधा हेतु सभी वार्डों को वातानुकूलित कराने पर विचार किये जाने के सम्बन्ध में

158-श्री अतुल प्रधान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला अस्पताल मेरठ में भर्ती होने वाले मरीजों की सुविधा हेतु क्या सरकार सभी वार्डों को वातानुकूलित कराने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जिला चिकित्सालय, मेरठ में भर्ती होने वाले मरीजों की सुविधा हेतु वार्डों में आवश्यकतानुसार ए0सी0 लगे हुये हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

लखनऊ विधान सभा क्षेत्र के अलीगंज में स्थित फतेहपुर में संक्रामक बीमारी के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन किये जाने के सम्बन्ध में

159-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ विधान सभा क्षेत्र के अलीगंज में स्थित फतेहपुर में संक्रामक बीमारी के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत इस क्षेत्र में नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन सरकार करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत 15वें वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान के सापेक्ष नगरीय क्षेत्रों में नगरीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर किराये के भवनों में खोले जाने प्रस्तावित हैं। किराये के भवनों के चयन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, जिसमें लखनऊ विधान सभा क्षेत्र के अलीगंज में स्थित वार्ड संख्या-89 वार्ड फतेहपुर में नगरीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर भी सम्मिलित है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के पी0एम0एच0एस0 संवर्ग के कतिपय लेवल के चिकित्सकों के पदोन्नति में विलम्ब के कारणों व लम्बित पदोन्नति की जानकारी के सम्बन्ध में

160-डॉ0 संग्राम यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के पी0एम0एच0एस0 संवर्ग उ0प्र0 के लेवल-4 एवं लेवल-3 के चिकित्सकों का ए0सी0आर0 की लिस्ट महानिदेशक द्वारा 30 जून, 2022 को पदोन्नति हेतु भेजी गयी थी ? यदि हां, तो लेवल-4 से 5 तथा लेवल-3 से 4 की पदोन्नति कर दी गयी है ? यदि नहीं, तो विलम्ब के क्या कारण हैं ? क्या सरकार को जानकारी है कि उक्त लिस्ट के कतिपय चिकित्सक 31 दिसम्बर, 2022 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त लम्बित पदोन्नतियां करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ के पत्र दिनांक 31-05-2022 द्वारा चयन वर्ष 2021-22 हेतु लेवल-4 के चिकित्साधिकारियों का लेवल-5 के पद पर चयन हेतु प्रस्ताव तथा पत्र दिनांक 15-07-2022 द्वारा संशोधित प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया, जिसके साथ चिकित्सा अधिकारियों के अनुपलब्ध वर्षों की ए0सी0आर0 भी उपलब्ध करायी गयी।

पुनः महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें के पत्र दिनांक 30-09-2022 द्वारा चयन वर्ष 2022-23 हेतु लेवल-4 के चिकित्साधिकारियों का लेवल-5 के पद पर चयन हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया, जिसके साथ सम्बन्धित चिकित्सा अधिकारियों का ए0सी0आर0 भी उपलब्ध कराया गया।

महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें के पत्र दिनांक 12-09-2022 द्वारा चयन वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 हेतु लेवल-3 से लेवल-4 के पद पर चयन के सम्बन्ध में प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया, जिसके साथ ए0सी0आर0 की लिस्ट उपलब्ध करायी गयी। पुनः महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें के पत्र दिनांक 30-09-2022 द्वारा संशोधित प्रस्ताव एवं पत्र दिनांक 07-11-2022 एवं 05-12-2022 द्वारा अनुपूरक प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया। प्रस्ताव त्रुटिपूर्ण होने के दृष्टिगत शासन के पत्र दिनांक 27-01-2023 के क्रम में महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें के पत्र दिनांक 13-02-2023 द्वारा चयन वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 हेतु लेवल-3 से लेवल-4 के पद पर चयन के सम्बन्ध में संशोधित प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया, जिसके साथ लेवल-3 के सम्बन्धित चिकित्सा अधिकारियों के ए0सी0आर0 की लिस्ट उपलब्ध करायी गयी।

लेवल-4 से लेवल-5 के पद पर शासन के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 30-12-2022 द्वारा पदोन्नति प्रदान कर दी गयी है। लेवल-3 से लेवल-4 के पद पर पदोन्नति हेतु महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें के पत्र दिनांक 13-02-2023 द्वारा संशोधित प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है।

उपरोक्तानुसार।

जी हाँ।

शासन के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 30-12-2022 द्वारा पी0एम0एच0एस0 संवर्ग में लेवल-4 के चिकित्साधिकारियों को लेवल-5 के पद पर पदोन्नति प्रदान कर दी गयी है। लेवल-3 से लेवल-4 पर पदोन्नति के प्रस्ताव का परीक्षण किया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में पी0एम0एच0एस0 कैडर लेवल चार/छः के रिक्त पदों पर पदोन्नति किये जाने के सम्बन्ध में

161-डॉ0 संग्राम यादव-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में पी0एम0एच0एस0 कैडर लेवल चार के 105 पद रिक्त हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त रिक्त पदों पर पदोन्नति करेगी ?

यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि पी0एम0एच0एस0 कैडर लेवल छः के पदों पर भी पदोन्नति करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

अवगत कराना है कि पी0एम0एच0एस0 संवर्ग में लेवल-4 के 2825 पद स्वीकृत हैं, जिसके सापेक्ष दिनांक 01-02-2023 तक 1026 पद रिक्त हैं।

जी हां।

पदोन्नति की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

चयन वर्ष 2022-23 में लेवल-6 के पद पर शासन के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 23-11-2022 द्वारा 08 चिकित्सकों, शासन के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 04-01-2023 द्वारा 03 चिकित्साधिकारियों एवं शासन के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 13-02-2023 द्वारा 01 चिकित्साधिकारी को पदोन्नति प्रदान की गयी है। इस प्रकार लेवल-6 के पद पर पदोन्नति की कार्यवाही सम्पन्न कर ली गयी है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद शाहजहांपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय जिला क्षय रोग चिकित्सालय तथा सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 में संचालित किराये के वाहनों की संख्या तथा उसमें 01-01-2021 से 01-11-2022 तक डलवाये गये डीजल/पेट्रोल के सम्बन्ध में

162-श्री वीर विक्रम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शाहजहांपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय जिला क्षय रोग चिकित्सालय तथा सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 में किराये के कितने वाहन किस-किस तिथि से संचालित हैं तथा किस-किस वाहन में कितना-कितना डीजल/पेट्रोल 01-01-2021 से 01-11-2022 तक किस-किस माह में कब-कब डलवाया गया ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद शाहजहांपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय जिला क्षय रोग चिकित्सालय तथा सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 में अनुबन्ध के आधार पर किराये के 46 वाहन माह दिसम्बर, 2021 से संचालित हैं। इन संचालित वाहनों में राजकीय धनराशि से कोई भी पेट्रोल/डीजल नहीं डलवाया गया है।

जी हां। सूची संलग्न† है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद शाहजहांपुर में जिला क्षय रोग कार्यालय तथा समस्त पी0एच0सी0, सी0एच0सी0 पर 10 वर्षों से अधिक समय से तैनात डाक्टर, लेखाकार तथा एल0टी0 को चिन्हित कर उनका पटल परिवर्तन/स्थानान्तरण किये जाने के सम्बन्ध में

163-श्री वीर विक्रम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला क्षय रोग कार्यालय शाहजहांपुर में कितने डाक्टर एवं लेखाकार तथा जनपद की समस्त पी0एच0सी0/सी0एच0सी0 पर कितने एल0टी0 तथा कर्मचारी 10 वर्षों से अधिक समय से एक ही पटल पर तैनात हैं ? क्या सरकार उपरोक्त डाक्टर, लेखाकार तथा एल0टी0 को चिन्हित कर उनका पटल परिवर्तन/स्थानान्तरण करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जिला क्षय रोग कार्यालय में कोई भी चिकित्सक व लेखाकार एक ही पटल पर 10 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत नहीं है। समस्त पी0एच0सी0/सी0एच0सी0 पर एल0टी0 तथा अन्य कर्मचारी जो 10 वर्ष से अधिक समय से एक पटल पर तैनात थे उनका विगत वर्ष पटल परिवर्तन कर दिया गया था।

प्रश्न ही नहीं उठता।

प्रश्न ही नहीं उठता।

प्रश्न ही नहीं उठता।

प्रदेश में पी0एम0 केयर फण्ड से सरकारी चिकित्सालयों में जीवन रक्षक प्रणाली (वेन्टीलेटर) की उपलब्धता तथा अक्रियाशील वेन्टीलेटरों को ठीक कराये जाने के सम्बन्ध में

164-डॉ0 पल्लवी पटेल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में पी0एम0 केयर फण्ड से कितने सरकारी चिकित्सालयों में जीवन रक्षक प्रणाली (वेन्टीलेटर) उपलब्ध कराये गये तथा वर्तमान में कितने क्रियाशील एवं कितने अक्रियाशील हैं ? क्या सरकार अक्रियाशील वेन्टीलेटरों को ठीक कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

---

† देखिये नत्थी (ढ) आगे पृष्ठ संख्या-439 पर।

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश में पी0एम0 केयर फण्ड से 3542 जीवन रक्षक प्रणाली (वेन्टीलेटर) उपलब्ध हैं। वर्तमान में 3503 क्रियाशील एवं 38 अक्रियाशील हैं।

खराब होने पर नियमानुसार प्रक्रिया का पालन करते हुये ठीक कराने की कार्यवाही की जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कौशाम्बी के जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स आदि को पृथक करने की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

165-डॉ0 पल्लवी पटेल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कौशाम्बी के जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स आदि को पृथक करने की सुविधा सरकार उपलब्ध करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जिला संयुक्त चिकित्सालय, कौशाम्बी के ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स आदि को पृथक करने हेतु वर्तमान में ब्लड कम्पोनेन्ट सेप्रेशन यूनिट हेतु कतिपय उपकरण उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराने के उपरान्त यूनिट को स्थापित कराते हुये उत्तर प्रदेश खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग से पंजीकरण कराने के उपरान्त प्लेटलेट्स आदि के पृथक करने की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद शाहजहांपुर के सी0एम0ओ0 आफिस के अन्तर्गत सी0एच0सी0 तिलहर, मदनापुर, जलालाबाद, कलान, मिर्जापुर में सफाई, पुताई, बिल्डिंग मरम्मत में 01-04-20 से 01-12-22 तक सरकारी धन के दुरुपयोग की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में

166-श्री वीर विक्रम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शाहजहांपुर के सी0एम0ओ0 आफिस के अन्तर्गत सी0एच0सी0 तिलहर, मदनापुर, जलालाबाद, कलान, मिर्जापुर में 01-04-20 से 01-12-22 तक सरकारी बजट में सफाई, पुताई, बिल्डिंग मरम्मत के फर्जी या ज्यादा राशि के बिल बनवाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है ? क्या सरकार उक्त की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

जनपद शाहजहांपुर के सी0एम0ओ0 आफिस के अन्तर्गत सी0एच0सी0 तिलहर, मदनापुर, जलालाबाद, कलान, मिर्जापुर में 01-04-2020 से 01-12-2022 तक सरकारी बजट में सफाई, पुताई, बिल्डिंग मरम्मत के फर्जी या ज्यादा राशि के बिल बनवाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किये जाने सम्बन्धी शिकायत की जाँच मुख्य चिकित्साधिकारी, शाहजहाँपुर द्वारा समिति बनाकर करायी गयी, जिसमें फर्जी बिल बनाकर भुगतान किये जाने की शिकायत निराधार पायी गयी।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में जनपदों के प्रत्येक सी0एच0सी0 पर डायलिसिस उपकरण लगाये जाने के सम्बन्ध में

167-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में किडनी के मरीजों की बेतहाशा बढ़ोत्तरी होने से किडनी की बीमारी से ग्रसित मरीजों को पर्याप्त उपचार न मिलने की स्थिति में उनकी असमय मौत हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार प्रत्येक जनपदों के प्रत्येक सी0एच0सी0 पर डायलिसिस उपकरण लगाएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

जनपद स्तरीय चिकित्सालयों में डायलिसिस की निःशुल्क सुविधा हेतु पी0पी0पी0 मोड पर 72 हीमोडायलिसिस यूनिट संचालित हैं।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के सरकारी अस्पतालों में हृदय रोगों की जांच हेतु 2-डी ईको की सुविधा के सम्बन्ध में

168-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के किन-किन सरकारी अस्पतालों में हृदय रोगों की जांच हेतु 2-डी ईको की सुविधा प्रदत्त है ? क्या प्रदत्त अस्पतालों में 2-डी ईको की सुविधा मरीजों को दी जा रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि मार्च, 2022 से दिनांक 15 अगस्त, 2022 तक कुल कितने लोगों का 2-डी ईको किया गया है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद-लखनऊ में के0जी0एम0यू0, एस0जी0पी0जी0आई0, डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ में 2-डी ईको की सुविधा उपलब्ध है।

उपरोक्तानुसार।

मार्च, 2022 से दिनांक 15-08-2022 तक कुल 23,278 लोगों का 2-डी ईको किया गया है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के हास्पिटल ब्लाक में एम0आर0आई0 के बढ़ाये गए शुल्क को पूर्व की भांति 2500 रुपये करने पर विचार किये जाने के सम्बन्ध में

169-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के हास्पिटल ब्लाक में होने वाले एम0आर0आई0 जांच का शुल्क 2500 रुपये से बढ़ाकर 4000 रुपये कर दिया गया है, जिससे आम लोगों को जांच कराने में परेशानी आ रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार एम0आर0आई0 के बढ़ाये गये शुल्क को पूर्व की भांति 2500 रुपये करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के अन्तर्गत संचालित हास्पिटल ब्लाक तथा संस्थान के अन्य विभागों के अन्तर्गत एम0आर0आई0 जांच का शुल्क अलग-अलग दरों पर लिया जाना नियम संगत नहीं होने के कारण दिनांक 22-04-2022 को संस्थान में प्रचलित दरों को हास्पिटल ब्लाक पर भी लागू किया गया है।

डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में आने वाले निर्धन तथा असहाय मरीजों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं यथा-आयुष्मान भारत योजना, जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य संरक्षण कार्यक्रम, एच0आई0वी0/एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री एवं मुख्य मंत्री राहत कोष एवं असाध्य रोग मद से पात्रता के अनुसार निःशुल्क एवं रियायती दरों पर इलाज एवं जाँच की सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। उक्त के अतिरिक्त इमरजेन्सी सेवा में आने वाले मरीजों को भर्ती होने के 48 घण्टे तक निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

इसके अतिरिक्त चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न स्तर के चिकित्सालयों में प्रदेश के रोगियों के लिये निःशुल्क/अति न्यून दरों पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत के कतिपय सी0एच0सी एवं पी0एच0सी0 केन्द्र पर एण्टी रैबीज इन्जेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में

170-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र केराकत के कतिपय सी0एच0सी0 एवं पी0एच0सी0 केन्द्र पर एण्टी रैबीज इन्जेक्शन उपलब्ध है ? यदि हां, तो क्या सरकार बताएगी कि प्रत्येक माह कितनी मात्रा में एण्टी रैबीज का इन्जेक्शन उपलब्ध कराया जाता है ? यदि नहीं, तो क्या सरकार उक्त सभी केन्द्रों पर एण्टी रैबीज इन्जेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर प्रति माह लगभग 140 वायल की आवश्यकता प्राप्त होती है। उसके अनुसार उपलब्ध कराया जाता है।

वर्तमान समय में सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एण्टी रैबीज इन्जेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एण्टी रैबीज इन्जेक्शन लगाया जाता है, क्योंकि वहां पर पर्याप्त मरीज उपलब्ध हो जाते हैं। नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर पर्याप्त मरीज उपलब्ध न होने के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एण्टी रैबीज वैक्सीन लगाने की सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बलिया के सोनबरसा, बैरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर डाक्टरों एवं स्टाफ की मानकानुसार तैनाती कराये जाने के सम्बन्ध में

171-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सोनबरसा, बैरिया में डाक्टरों एवं स्टाफ की कमी है ? यदि हां, तो क्या सरकार आम-जन मानस की सुविधा हेतु उक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर डाक्टरों एवं स्टाफ की मानकानुसार तैनाती करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सोनबरसा, बैरिया में चिकित्सा अधिकारी के स्वीकृत 07 पद के सापेक्ष 04 चिकित्साधिकारी, पैरामेडिकल

स्टाफ के 09 स्वीकृत पद के सापेक्ष 05 पैरामेडिकल स्टाफ, स्टाफ नर्स के 03 स्वीकृत पद के सापेक्ष 03 स्टाफ नर्स तैनात हैं।

लोक सेवा आयोग/अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को प्रेषित अधियाचन के क्रम में चयनित अभ्यर्थी उपलब्ध होने पर आवश्यकतानुसार नियुक्ति/तैनाती की जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद जौनपुर के अन्तर्गत बदलापुर तथा महराजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का उच्चीकरण तथा जीर्णोद्धार व सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में

172-श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा महराजगंज का उच्चीकरण तथा जीर्णोद्धार व सौन्दर्यीकरण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 20 बेड का कोविड वार्ड, परिसर में सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य पूर्ण कराया जा चुका है तथा प्रथम सन्दर्भन इकाई के रूप में संचालित है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, महराजगंज में श्रेणी-2 आवास प्रथम तल एवं श्रेणी-1 आवास तथा आर0सी0सी0 ओवरहेड टैंक का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद गोण्डा के खम्हरिया-बभनजोत एवं वीरपुर छपिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के भवन की मरम्मत तथा मूलभूत व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में

173-श्री प्रभात कुमार वर्मा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोण्डा के खम्हरिया-बभनजोत एवं वीरपुर छपिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जर्जर हैं तथा मूलभूत व्यवस्था न होने के कारण मरीजों को असुविधा हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त केन्द्रों के भवन की मरम्मत तथा मूलभूत व्यवस्था कराकर संचालित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद-गोण्डा के खम्हरिया एवं वीरपुर-छपिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भवन जर्जर नहीं है। चिकित्सीय कार्य संचालित हो रहा है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खम्हरिया में सामान्य मरम्मत की आवश्यकता है। इसके लिये एन0एच0एम0 योजना में धनराशि रुपये 2.74 लाख स्वीकृत है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

174-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

[02-मंगलवार के अतारांकित प्र0सं0-206 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

प्रदेश में रेप पीड़ित महिलाओं को आर्थिक सहायता एवं पुनर्वास की कार्य योजना विषयक

175-श्री अतुल प्रधान-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में रेप पीड़ित महिलाओं को आर्थिक सहायता एवं पुनर्वास की कोई योजना सरकार की है ? यदि हां, तो उक्त योजना से जनपद मेरठ में विगत पाँच वर्षों में कितनी महिलाओं को लाभान्वित किया गया है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती बेबी रानी मौर्य-

तेजाब हमले से पीड़ित महिलाओं, दहेज हत्या की पीड़िताओं के बच्चों, अश्लील प्रयोजनों हेतु बच्चों का उपयोग के साथ-साथ रेप पीड़ित बालिकाओं/महिलाओं को आर्थिक क्षतिपूर्ति प्रदान करने के निमित्त उ0प्र0 रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष नियमावली दिनांक 06-02-2015 को प्रख्यापित की गयी है। इस नियमावली के अन्तर्गत भारतीय दण्ड संहिता अपराध से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की धारा-4/6 तथा भारतीय दण्ड संहिता की धारा-302 के साथ पठित लैंगिक अपराध से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की धारा-4/6 के प्रकरणों में रुपये एक लाख से दस लाख तक की क्षतिपूर्ति प्रदान किये जाने के साथ ही साथ पीड़िताओं व उनके अवयस्क आश्रितों हेतु चिकित्सीय व शैक्षणिक सहायता का प्राविधान है।

दिनांक 06-02-2015 से वर्तमान तक उपरोक्त वर्णित धाराओं के अन्तर्गत जनपद मेरठ में हुए भुगतान का विवरण निम्नलिखित है :-

क्र0-सं0	आई0पी0सी0/पाक्सो की धारा	प्रकरणों की संख्या	भुगतान धनराशि (रुपये में)
1	376 घ	38	2,50,00,000
2	4 पाक्सो	97	2,89,00,000
3	6 पाक्सो	13	37,00,000
4	302 के साथ पठित 4/6 पाक्सो	01	10,00,000

प्रश्न नहीं उठता।

लखनऊ के अलीगंज स्थित बाल एवं महिला चिकित्सालय परिसर की भूमि पर स्वास्थ्य निदेशालय व औषधीय नियंत्रक के कार्यालय को अन्यत्र स्थानान्तरित कराये जाने के सम्बन्ध में

176-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ के अलीगंज स्थित बाल एवं महिला चिकित्सालय परिसर की भूमि पर स्वास्थ्य निदेशालय व औषधीय नियंत्रक के कार्यालय स्थापित किये गये हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार विस्तार के दृष्टिगत अन्यत्र स्थानान्तरित करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हां। जनपद लखनऊ के अलीगंज स्थित बाल एवं महिला चिकित्सालय परिसर की भूमि पर स्वास्थ्य निदेशालय व औषधीय नियंत्रक के कार्यालय स्थापित किये गये हैं।

जी नहीं।

वर्तमान में विस्तार की कोई योजना विचाराधीन नहीं है।

प्रदेश में आगरा मेडिकल कालेज में कैंसर उपचार हेतु स्थापित माइक्रो सेलेक्ट्रान ब्रेकी थेरेपी खराब पड़े मशीन का अपग्रेडेशन कराने अथवा नयी मशीन स्थापित कराये जाने पर विचार किये जाने के सम्बन्ध में

177-श्री मनीष असीजा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में आगरा मेडिकल कालेज में कैंसर उपचार हेतु स्थापित माइक्रो सेलेक्ट्रान ब्रेकी थेरेपी मशीन विगत 2 वर्षों से खराब होने के कारण कैंसर रोगियों को अन्यत्र इलाज के लिये जाने को मजबूर होना पड़ रहा है ? यदि हाँ, तो क्या सरकार आगरा मेडिकल कालेज में स्थापित उक्त मशीन का अपग्रेडेशन कराने अथवा नयी मशीन स्थापित कराये जाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ। राजकीय मेडिकल कालेज, आगरा के रेडियोथेरेपी विभाग में स्थापित एच0डी0आर0 (माइक्रो सेलेक्ट्रान ब्रेकी थेरेपी) मशीन वर्तमान में मरम्मत योग्य नहीं है। रेडियोथेरेपी विभाग हेतु नयी एच0डी0आर0 (माइक्रो सेलेक्ट्रान ब्रेकी थेरेपी) मशीन की स्थापना की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद शाहजहांपुर की सी0एच0सी0 तिलहर, मदनापुर, जलालाबाद, कलान, मिर्जापुर में बिल्डिंग की मरम्मत कार्य में सरकारी धन के दुरुपयोग की जांच के सम्बन्ध में

178-श्री वीर विक्रम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शाहजहांपुर के सी0एम0ओ0 ऑफिस के अन्तर्गत सी0एच0सी0 तिलहर, मदनापुर, जलालाबाद, कलान, मिर्जापुर में 01-04-20 से 01-12-22 तक सरकारी बजट में सफाई, पुताई, बिल्डिंग मरम्मत के फर्जी या ज्यादा राशि के बिल बनवा कर सरकारी धन निकाल कर दुरुपयोग किया गया है ? क्या सरकार उपरोक्त सी0एच0सी0 को आवंटित बजट के सापेक्ष व्यय धनराशि की जांच करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

जनपद शाहजहांपुर के सी0एम0ओ0 आफिस के अन्तर्गत सी0एच0सी0 तिलहर, मदनापुर, जलालाबाद, कलान, मिर्जापुर में 01-04-2020 से 01-12-2022 तक सरकारी बजट में सफाई, पुताई, बिल्डिंग मरम्मत के फर्जी या ज्यादा राशि के बिल बनवाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किये जाने सम्बन्धी शिकायतों की जाँच मुख्य चिकित्साधिकारी, शाहजहाँपुर द्वारा समिति बनाकर करायी गयी, जिसमें फर्जी बिल बनाकर भुगतान किये जाने की शिकायत निराधार पायी गयी।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद शाहजहांपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परौर, विकास खण्ड कलान की बिल्डिंग में दबंगों द्वारा जानवरों का भूसा व स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में बाँधे गये जानवरों से मुक्त कराये जाने के सम्बन्ध में

179-श्री वीर विक्रम सिंह-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शाहजहांपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परौर, विकास खण्ड कलान में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की बिल्डिंग में मुख्य चिकित्सा अधिकारी शाहजहांपुर एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कलान के संरक्षण में दबंगों द्वारा स्वास्थ्य केन्द्र की बिल्डिंग एवं आवासों में जानवरों का भूसा भरा गया है व स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में जानवर बंधे हुए हैं ? क्या सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की बिल्डिंग दबंगों से कब्जा मुक्त करवा कर कार्रवाई करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद शाहजहांपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परौर, विकास खण्ड कलान की बिल्डिंग व आवासों में दबंगो द्वारा जानवरों का भूसा नहीं भरा गया है और न ही जानवर बाँधे जाते हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बिजनौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नूरपुर में स्वीकृत विशेषज्ञ चिकित्सकों, स्वीपर, चौकीदार, माली के पदों पर नियुक्ति की कार्यवाही विषयक

180-श्री राम अवतार सिंह सैनी-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बिजनौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नूरपुर में स्वीकृत विशेषज्ञ चिकित्सकों, स्वीपर, चौकीदार, माली के पदों पर नियुक्ति के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-ख-6 नं0-968985, दिनांक 10-5-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में पी0एम0 केयर फण्ड से सरकारी चिकित्सालयों में उपलब्ध कराये गये अक्रियाशील वेन्टीलेटरों को ठीक कराये जाने के सम्बन्ध में

181-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पी0एम0 केयर फण्ड से प्रदेश के कितने सरकारी चिकित्सालयों में उपलब्ध कराये गये जीवन रक्षक प्रणाली (वेन्टीलेटर) में कुल कितने वर्तमान में क्रियाशील एवं कितने अक्रियाशील हैं ? क्या सरकार अक्रियाशील वेन्टीलेटरों को ठीक कराएगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश में पी0एम0 केयर फण्ड से 3542 जीवन रक्षक प्रणाली (वेन्टीलेटर) उपलब्ध हैं। वर्तमान में 3503 क्रियाशील एवं 38 अक्रियाशील हैं।

खराब होने पर नियमानुसार प्रक्रिया का पालन करते हुये ठीक कराने की कार्यवाही की जाती है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद जौनपुर के केराकत विधान सभा क्षेत्र के समस्त सी0एच0सी0 एवं पी0एच0सी0 पर एण्टी स्नेक वेनम इन्जेक्शन उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

182-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के केराकत विधान सभा क्षेत्र के कितने सी0एच0सी0 एवं पी0एच0सी0 पर एण्टी स्नेक वेनम इन्जेक्शन उपलब्ध हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त का विवरण उपलब्ध कराते हुए समस्त सी0एच0सी0 एवं पी0एच0सी0 में एण्टी स्नेक वेनम इन्जेक्शन उपलब्ध कराने का कार्य करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद जौनपुर के केराकत विधान सभा क्षेत्र के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एण्टी स्नेक वेनम इन्जेक्शन उपलब्ध है।

जनपद जौनपुर के केराकत विधान सभा क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र थानागद्दी, अमहित, जय गोपालगंज, बगथरी, खड़हर डगरा, बारी, बेलांव, हीरापुर मचहटी, बजरंग नगर एवं हिसामपुर में 2-2 वायल एण्टी स्नेक वेनम इन्जेक्शन उपलब्ध है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, केराकत में 39 वायल, मुफ्तीगंज में 02 वायल एवं डोभी में 16 वायल एण्टी स्नेक वेनम इन्जेक्शन उपलब्ध है।

प्रश्न नहीं उठता।

पी0एम0 केयर फण्ड से प्रदेश के मेडिकल कालेजों तथा चिकित्सा विश्वविद्यालयों में कुल उपलब्ध अक्रियाशील वेन्टीलेटरों को ठीक कराये जाने के सम्बन्ध में

183-श्री तुफानी सरोज-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पी0एम0 केयर फण्ड से प्रदेश के कितने मेडिकल कालेजों तथा चिकित्सा विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराये गये वेन्टीलेटरों में से कितने क्रियाशील हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण उपलब्ध कराते हुए बन्द वेन्टीलेटरों को ठीक कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

पी0एम0 केयर फण्ड से प्रदेश के मेडिकल कालेजों तथा चिकित्सा विश्वविद्यालयों में कुल उपलब्ध 2497 वेन्टीलेटर में से 2315 वेन्टीलेटर क्रियाशील एवं 182 वेन्टीलेटर अक्रियाशील हैं।

वेन्टीलेटर की ए0एम0सी0/सी0एम0सी0/मरम्मत हेतु कार्यवाही प्रकियाधीन है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद लखनऊ के के0जी0एम0यू0 के कतिपय चिकित्सकों द्वारा सेवा अवधि में पुस्तक लिखकर पब्लिकेशन इत्यादि के माध्यम से लाभ कमाकर प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से निजी गतिविधि में संलिप्त होने के सम्बन्ध में

184-श्री सीताराम वर्मा-

क्या उप मुख्य मंत्री मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के के0जी0एम0यू0 के कतिपय चिकित्सक सेवा अवधि में पुस्तक लिखकर पब्लिकेशन इत्यादि के माध्यम से लाभ कमाकर प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से निजी गतिविधि में संलिप्त हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त चिकित्सा शिक्षकों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली, 2011 (यथासंशोधित) की धारा-41 10.03 (छः) (ङ) में वैयक्तिक पदोन्नति हेतु निम्न अधिमानी मानदण्ड और निबन्धन इंगित है :-

''सम्बन्धित अध्यापक के पास अध्यापन, शोध, प्रकाशन/पुस्तक और व्यवसायिक परिणाम के सम्बन्ध में उत्कृष्ट पहचान होनी चाहिए।''

उक्त के अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति के सन्दर्भ में मा0 कुलाधिपति के आदेश संख्या-3019/32-जी0एस0/2020, दिनांक 18-05-2021 के अनुपालन में निर्धारित बेसिक एकेडमिक एवं ए0पी0आई0 स्कोर में भी प्रत्येक पुस्तक प्रकाशन हेतु 10 अंक एवं पुस्तक में अध्याय प्रकाशन हेतु 5 अंक निर्धारित है।

इससे स्वतः ही स्पष्ट है कि पुस्तक लिखकर प्रकाशन कराना शिक्षकों की नियुक्ति एवं वैयक्तिक पदोन्नति हेतु महत्वपूर्ण है, जिसे प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से निजी गतिविधि में संलिप्त होना नहीं माना जा सकता है।

प्रश्न ही नहीं उठता है।

प्रश्न ही नहीं उठता है।

प्रश्न ही नहीं उठता है।

के0जी0एम0यू0, लखनऊ के कुलसचिव व कुलपति को प्रतिवादी बनाकर वर्ष 2018 से 2022 तक मा0 उच्च न्यायालय एवं मा0 सर्वोच्च न्यायालय में दर्ज किये गये तथा उक्त मुकदमों की पैरवी में वर्षवार व्यय धन का विवरण व मुकदमों में हो रहे अधिक व्यय के लिए उत्तरदायी के विरुद्ध कार्यवाही विषयक

185-श्री सीताराम वर्मा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के0जी0एम0यू0 के कुल सचिव व कुलपति को प्रतिवादी बनाकर वर्ष 2018 से 2022 तक वर्षवार कुल कितने मुकदमे मा0 उच्च न्यायालय एवं मा0 सर्वोच्च न्यायालय में दर्ज किये गये तथा उक्त मुकदमों की पैरवी में वर्षवार कुल कितना धन व्यय किया गया ? क्या सरकार उक्त का विवरण देगी ? क्या सरकार बतायेगी कि सरकारी धन को मुकदमे में खर्च करने की कोई सीमा है ? क्या सरकार मुकदमों में हो रहे अधिक व्यय के लिए उत्तरदायी के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ । विवरण निम्नवत् है :-

	वर्ष 2018	वर्ष 2019	वर्ष 2020	वर्ष 2021	वर्ष 2022	कुल
माननीय उच्च न्यायालय में मामलों की संख्या	54	64	80	74	70	342
माननीय सर्वोच्च न्यायालय में मामलों की संख्या	1	-	-	1	-	2

उक्त मुकदमों की पैरवी में व्यय धनराशि का विवरण :-

	वर्ष 2018-19 (रुपये)	वर्ष 2019-20 (रुपये)	वर्ष 2020-21 (रुपये)	वर्ष 2021-22 (रुपये)	वर्ष 2022 दिसम्बर तक (रुपये)	कुल (रुपये)
माननीय उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में केसों की पैरवी में व्यय धनराशि	8,66,915	1,18,58,345	47,67,119	7,37,993	52,49,915	2,34,81,257

उपरोक्तानुसार।

मुकदमों में हो रहे व्यय की सीमा विश्वविद्यालय के विरुद्ध दायर वादों की संख्या तथा विश्वविद्यालय के हित की महत्ता पर निर्भर करती है। अतः मुकदमे में खर्च करने की सीमा निर्धारित नहीं है।

चिकित्सा विश्वविद्यालय की सर्वोच्च शाषी निकाय कार्यपरिषद् द्वारा मा0 उच्च न्यायालय में मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ताओं के प्रतिवाद शुल्क/शुल्क का निर्धारण किया जाता है। अतः मुकदमों में अधिक व्यय के लिये किसी व्यक्ति को उत्तरदायी नहीं ठहराया गया है।

उक्तानुसार।

उक्तानुसार।

प्रदेश में छुट्टा जानवरों से हो रही सड़क दुर्घटनाओं एवं गौआश्रयों में पशुओं की मौतों को रोकने के लिए कोई ठोस कार्य योजना बनाए जाने पर विचार किये जाने के सम्बन्ध में

186-डा0 मुकेश चन्द्र वर्मा-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में गौवंश आश्रयों में बन्द पशुओं का विभिन्न कारणों से मरने वाले एवं क्षेत्र में छुट्टा घूम रहे जानवरों का अलग-अलग विवरण सम्बन्धित ग्राम पंचायत अथवा ब्लाक स्तर पर तैयार किया गया है ? यदि हां, तो इसकी जिम्मेदारी किस अधिकारी को सौंपी गयी है ? क्या यह सही है कि भूख से आश्रयों में तथा छुट्टा घूम रहे अन्ना जानवर सड़कों पर वाहनों से टकराकर प्रतिदिन हजारों की संख्या में दुर्घटनाएं कर रहे हैं एवं स्वयं मर रहे हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त की जिम्मेदारी निर्धारित करने एवं छुट्टा जानवरों से हो रही सड़क दुर्घटनाओं एवं गौ-आश्रयों में मौतों को रोकने के लिए कोई ठोस कार्य योजना बनाए जाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हां।

ग्राम पंचायत अधिकारी।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

शासनादेश संख्या-4324/सैंतीस-2-2018-5(53)/2018, दिनांक 02-01-2019 द्वारा उ0प्र0 के समस्त ग्रामीण/शहरी स्थानीय निकायों (ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगमों) में अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल की स्थापना एवं संचालन नीति का प्रख्यापन किया गया है।

उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में 303 स्थायी वृहद् गौ-संरक्षण केन्द्र की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

प्रदेश के बागपत जिले में मेडिकल कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में

187-डॉ0 अजय कुमार-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के हर जिले में एक मेडिकल कालेज स्थापित करने के दृष्टिगत क्या सरकार बागपत जिले में भी मेडिकल कालेज की स्थापना करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

जनपद बागपत में भारत सरकार की वायबिलिटी गैप फण्डिंग योजना के अन्तर्गत मेडिकल कॉलेज स्थापित करने हेतु निविदा प्रक्रिया गतिमान है एवं निविदा प्रकिया इसी वित्तीय वर्ष के अन्त तक सम्पादित कर ली जायेगी।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में आवारा पशुओं से छुटकारे की योजना बनाये जाने के सम्बन्ध में

188-डॉ0 अजय कुमार-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में आवारा पशुओं से फसलों को नुकसान तथा जानलेवा हमलों से किसानों की मौतें तथा घायल हो रहे हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार आवारा पशुओं से छुटकारे की योजना बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

शासनादेश संख्या-4324/सैंतीस-2-2018-5(53)/2018, दिनांक 02-01-2019 द्वारा उ0प्र0 के समस्त ग्रामीण/शहरी स्थानीय निकायों (ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगमों) में अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल की स्थापना एवं संचालन नीति का पूर्व में प्रख्यापन किया गया है।

जनपद कानपुर नगर के सरकारी अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेज में पी0एम0 केयर फण्ड से स्थापित वेन्टीलेटर की संख्या व उक्त वेन्टीलेटरों को क्रियाशील किये जाने के सम्बन्ध में

189-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि कानपुर नगर के सरकारी अस्पतालों व मेडिकल कॉलेज में पी0एम0 केयर फण्ड से भेजे गए वेन्टीलेटर की संख्या कितनी है तथा उक्त में से वर्तमान में कितने क्रियाशील हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद-कानपुर नगर के सरकारी अस्पतालों में पी0एम0 केयर फण्ड से 36 तथा मेडिकल कालेज, कानपुर में 15 वेन्टीलेटर स्थापित हैं एवं सभी क्रियाशील हैं।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

कानपुर नगर के उर्सला हॉस्पिटल में हेपेटाइटिस-सी के मरीजों का डायलिसिस बिना टीका करने फिर उसी संक्रमित मशीन से सामान्य मरीजों का डायलिसिस करने की शिकायत पर उक्त दोषी चिकित्सा अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई किये जाने के सम्बन्ध में

190-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि कानपुर नगर के उर्सला हॉस्पिटल में हेपेटाइटिस-सी के मरीजों का डायलिसिस बिना टीका करने फिर उसी संक्रमित मशीन से सामान्य मरीजों का डायलिसिस किये जाने की शिकायतें सरकार को प्राप्त हुई हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त हेतु दोषी चिकित्सा अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

कानपुर नगर के उर्सला हॉस्पिटल में हेपेटाइटिस-सी के मरीजों का डायलिसिस बिना टीका करने फिर उसी संक्रमित मशीन से सामान्य मरीजों का डायलिसिस किये जाने की शिकायत के सम्बन्ध में जांच समिति का गठन किया गया। जांच समिति द्वारा दोषी पाये गये कर्मचारी श्री मनीष कठेरिया, सीनियर डायलिसिस टेक्नीशियन की सेवायें सम्बन्धित फर्म द्वारा समाप्त की जा चुकी हैं। इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इस हेतु एस0ओ0पी0 तैयार कराकर लागू कर दी गयी है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फतेहपुर के जहानाबाद विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक मन्दिरों का जीर्णोद्धार एवं मरम्मतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में

191-श्री राजेन्द्र सिंह पटेल-

क्या पर्यटन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फतेहपुर के जहानाबाद विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक मन्दिरों का जीर्णोद्धार एवं मरम्मतीकरण सरकार कराएगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा किसी धार्मिक स्थल/मंदिर आदि के जीर्णोद्धार का कार्य नहीं कराया जाता है, अपितु उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा चिन्हित किए गये 12 पर्यटन सर्किट (परिपथ) के अन्तर्गत आने वाले स्थलों एवं ऐसे स्थल जहां पर बड़ी संख्या में पर्यटकों/श्रद्धालुओं का आगमन होता है, वहां पर पर्यटकों/श्रद्धालुओं के सुविधार्थ मूलभूत पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का सृजन किये जाने सम्बन्धी कार्यवाही की जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद, विकास खण्ड देवमई, ग्राम पंचायत दुबेपुर में उप स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में

192-श्री राजेन्द्र सिंह पटेल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद, विकास खण्ड देवमई, ग्राम पंचायत दुबेपुर में उप स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कार्य सरकार कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

उपरोक्तानुसार।

विकास खण्ड देवमई के ग्राम देवमई प्रथम में स्थापित उप स्वास्थ्य केन्द्र जिसका राजकीय भवन पूर्व से ही निर्मित है, से ग्राम पंचायत दुबेपुर आच्छादित है। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत दुबेपुर से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र देवमई की दूरी लगभग 02 किलोमीटर है। अतएव नियमानुसार उपलब्ध मानकों के आधार पर ग्राम पंचायत दुबेपुर में अलग से उपकेन्द्र निर्मित कराये जाने का अवसर नहीं है।

जनपद फिरोजाबाद में महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा की स्थापना हेतु कतिपय पत्रों पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में

193-श्री मनीष असीजा-

क्या संस्कृति मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में राष्ट्र के गौरव, महान स्वतंत्रता सेनानी महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा की स्थापना हेतु प्रश्नकर्ता का मुख्य मंत्री, पर्यटन मंत्री, अपर मुख्य सचिव, पर्यटन विभाग को प्रेषित पत्रांक क-6 नं0 516839, क-6 नं0 516838, क-6 न0-516837, दिनांक 16-05-2022 उन्हें प्राप्त हुये हैं ? यदि हां, तो उक्त पत्रों पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

जी नहीं।

प्रश्न में उल्लिखित सन्दर्भ किसी भी माध्यम से प्राप्त नहीं हुए हैं। उल्लेखनीय है कि सन्तों, महात्माओं, महापुरुषों, सम्पूज्य जनों की प्रतिमा स्थापित करने का कार्य गृह (पुलिस) अनुभाग-3 के शासनादेश सं0-3460पी/छः पु0-3-2008-25पी, दिनांक 23-09-2008 में

उल्लिखित दिशा-निर्देशों एवं शर्तों की पूर्ति करने वाले प्राप्त प्रस्तावों पर शासन द्वारा विचार किया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ के मेडिकल कालेज चक्रपानपुर में गम्भीर रोग जैसे किडनी, कैंसर, न्यूरो बीमारियों के इलाज की सुविधा एवं चिकित्सक उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

194-श्री नफीस अहमद-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ के मेडिकल कालेज चक्रपानपुर में गम्भीर रोग जैसे किडनी, कैंसर, न्यूरो बीमारियों के इलाज की सुविधा एवं चिकित्सक उपलब्ध न होने से रोगियों को दूर जाकर इलाज कराना पड़ता है ? यदि हां, तो क्या सरकार मेडिकल कालेज चक्रपानपुर में उक्त रोगों के इलाज हेतु सुविधाएं एवं चिकित्सकों की नियुक्ति सुनिश्चित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

आवश्यकतानुसार।

जनहित में मेडिकल कालेज चक्रपानपुर में आने वाले गम्भीर रोगों से ग्रसित मरीजों को जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, आब्स एण्ड गायनो एवं आर्थोपेडिक्स विभाग आदि में तैनात विशेषज्ञ चिकित्सा शिक्षकगण से समुचित उपचार किया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के फार्मेसी विभाग में विगत 20 वर्षों से एक ही स्थान पर कार्यरत आचार्य (प्रोफेसर) के सम्बन्ध में

195-श्री मनोज कुमार पारस-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के फार्मेसी विभाग में कुल कितने आचार्य (प्रोफेसर) हैं, जो विगत 20 वर्षों से अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के फार्मेसी विभाग में कोई भी आचार्य (प्रोफेसर) 20 वर्षों से अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत नहीं हैं।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

वर्ष 2022 में प्रदेश में साँड़ों के हमले से आम-जन मानस की मृत्यु एवं उक्त समस्या के खात्मे हेतु किए गए प्रयासों के सम्बन्ध में

196-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विगत वर्ष 2022 में कितने लोगों की जान सांड़ों के हमले में गई है ? क्या उक्त समस्या के शत-प्रतिशत खात्में हेतु किए गए प्रयासों का ब्यौरा सरकार सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

प्रदेश में साँड़ों के हमले से आम-जनमानस की मृत्यु की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

निराश्रित गौवंश के संरक्षण एवं भरण-पोषण हेतु किये गये प्रयासों का विवरण निम्नानुसार है :-

शासनादेश संख्या-4324/सैंतीस-2-2018-5(53)/2018, दिनांक 02-01-2019 द्वारा उ0प्र0 के समस्त ग्रामीण/शहरी स्थानीय निकायों (ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगमों) में अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल की स्थापना एवं संचालन नीति का प्रख्यापन किया गया है।

उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में 303 स्थायी वृहद् गो-संरक्षण केन्द्र की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज और होम्योपैथी फार्मेसी स्थापित होने एवं होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के उत्थान हेतु विगत 5 वर्षों में किए गए प्रयासों के सम्बन्ध में

197-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या आयुष मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कहां-कहां होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज और होम्योपैथी फार्मेसी स्थापित हैं ? क्या सरकार होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के क्षेत्र के उत्थान हेतु विगत 5 वर्षों में किए गए प्रयासों का ब्यौरा सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डा0 दयाशंकर मिश्र 'दयालु'-

जी हाँ। प्रदेश में स्थापित 09 राजकीय तथा 02 निजी क्षेत्र के होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेजों की सूची संलग्न है। (संलग्नक-1)†

---

† देखिये नत्थी (ण) आगे पृष्ठ संख्या-440-443 पर।

प्रदेश में राजकीय क्षेत्र में कोई होम्योपैथी फार्मेसी स्थापित नहीं है तथा निजी क्षेत्र में 34 होम्योपैथी फार्मेसी स्थापित हैं। (संलग्नक-2)

जी हाँ।

ब्यौरा संलग्न है। (संलग्नक-3)

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में आयुष्मान कार्ड से फर्जी इलाज दिखाकर निजी अस्पतालों द्वारा किए जा रहे घोटाले को रोकने की योजना बनाये जाने के सम्बन्ध में

198-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में आयुष्मान कार्ड से फर्जी इलाज दिखाकर निजी अस्पतालों द्वारा किए जा रहे घोटाले से सरकार परिचित है? यदि हां, तो क्या उक्त प्रकरणों को रोकने की कोई योजना सरकार बनाएगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पूर्णतः आई0टी0 आधारित योजना है, जिसमें चिकित्सालयों द्वारा ऑनलाइन इलाज की प्रक्रिया को दर्शाते हुये चिकित्सीय दावे प्रस्तुत किये जाते हैं एवं त्रिस्तरीय परीक्षणोपरान्त चिकित्सीय दावों के ऑनलाइन भुगतान किये जाते हैं तथा आवश्यकतानुसार देय राशि संशोधित करते हुये भुगतान किया जाता है। तकनीकी कमी प्रदर्शित होने की स्थिति में चिकित्सीय दावे निरस्त कर दिये जाते हैं एवं अनियमितता की स्थिति में सम्बन्धित चिकित्सालय से वसूली भी की जाती है।

चिकित्सालयों की कार्य-प्रणाली का परीक्षण समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर किया जाता है, इसके लिये स्टेट एण्टी फ्राड यूनिट का गठन किया जा चुका है। स्टेट एण्टी फ्राड यूनिट, नेशनल फ्राड यूनिट एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुरूप क्रियाशील है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मेरठ में पशु चिकित्सालयों व उपकेन्द्रों पर सृजित व रिक्त पदों पर नियुक्ति के सम्बन्ध में

199-श्री अतुल प्रधान-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मेरठ में पशु चिकित्सालयों व उपकेन्द्रों पर किस-किस श्रेणी के कितने पद सृजित हैं तथा उक्त के सापेक्ष वर्तमान में कितने कर्मियों की तैनाती की गई है ? क्या सरकार रिक्त पदों पर नियुक्तियाँ करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी हाँ।

जनपद मेरठ में पशु चिकित्सालयों व उपकेन्द्रों पर उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी श्रेणी-1, पशु चिकित्साधिकारी श्रेणी-2, पशुधन प्रसार अधिकारी श्रेणी-3, वेटनरी फार्मासिस्ट श्रेणी-3 एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्रेणी-4 के पद सृजित हैं। वर्तमान में उक्त सृजित पदों के सापेक्ष तैनात कर्मियों का विवरण निम्नलिखित है :-

पदनाम	स्वीकृत पद	कार्यरत
उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी श्रेणी-1	03	03
पशु चिकित्साधिकारी श्रेणी-2	28	27
पशुधन प्रसार अधिकारी श्रेणी-3	66	64
वेटनरी फार्मासिस्ट श्रेणी-3	28	22
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्रेणी-4	99	97

जी हाँ।

पशु चिकित्साधिकारी श्रेणी-2 सीधी भर्ती का पद है, जिस पर चयन की कार्यवाही उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा की जाती है। उक्त पदों पर उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति की कार्यवाही शासन द्वारा की जा रही है।

पशुधन प्रसार अधिकारी संवर्ग व वेटनरी फार्मासिस्ट की सेवा नियमावली प्रख्यापित कराये जाने की कार्यवाही गतिमान है।

वित्त (वेतन आयोग) अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या-वे0आ0-2-2052/दस-59 (एम)/2008, दिनांक 08-09-2010 के अनुसार चतुर्थ श्रेणी के किसी भी पद पर नियुक्ति नहीं की जायेगी तथा चतुर्थ श्रेणी के रिक्त होने वाले पदों पर केवल आउटसोर्सिंग के माध्यम से व्यवस्था की जाय, के तहत व्यवस्था की कार्यवाही क्रमित है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मेरठ में वर्ष 2018 से 31 मार्च, 2022 तक नकली दूध एवं दूध से बने पदार्थों में मिलावट के प्रकरण के सम्बन्ध में

200-श्री अतुल प्रधान-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मेरठ में नकली दूध एवं दूध से बने पदार्थों में मिलावट के कितने प्रकरण वर्ष 2018 से 31 मार्च, 2022 तक सरकार के संज्ञान में आये हैं ? क्या सरकार बतायेगी कि उक्त में संग्रहीत नमूनों पर क्या कार्यवाही की गयी है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

वित्तीय वर्ष 2018 से 31 मार्च, 2022 तक जनपद मेरठ में नकली दूध व दूध से बने पदार्थों में मिलावट के कुल नमूने 646 (दूध के 231 नमूने अधोमानक एवं मिथ्याछाप + 43 नमूने असुरक्षित एवं दूध से बने पदार्थों में 267 अधोमानक मिथ्याछाप/नियमों का उल्लघंन+ 105 नमूने असुरक्षित) पाये गये। उक्त में खाद्य पदार्थ दूध के मानक के अनुरूप नहीं पाये गये, कुल 231 प्रकरणों में सम्बन्धित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध अभियोजन कार्यवाही में मा0 न्याय निर्णायक न्यायालय में अर्थदण्ड से सम्बन्धित कुल 224 वाद दायर किये गये। शेष 07 प्रकरणों के सम्बन्ध में मा0 न्यायालय में वाद दायर किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। मा0 न्याय निर्णायक न्यायालय में दायर कुल 224 वादों में से 156 वादों को निर्णीत करते हुये कुल रु0 1,09,07,000/- (रु0 एक करोड़ नौ लाख सात हजार) का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है तथा शेष 68 वाद मा0 न्याय निर्णायक न्यायालय में विचाराधीन है। असुरक्षित प्रकृति के 43 प्रकरणों में मा0 न्यायिक न्यायालय में कारावास एवं अर्थदण्ड से सम्बन्धित कुल 34 वाद दायर किये गये हैं। शेष 09 प्रकरणों में मा0 न्यायालय में वाद दायर किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उक्त अवधि में दूध से बने खाद्य पदार्थों के मानक के अनुरूप नही पाये गये 267 सम्बन्धित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध अभियोजन कार्यवाही में मा0 न्याय निर्णायक न्यायालय में अर्थदण्ड से सम्बन्धित कुल 248 वाद दायर किये गये है, जिसमें से 189 वादों को निर्णीत करते हुये रु0 1,39,40,500/- (रुपये एक करोड़ उन्तालीस लाख चालीस हजार पाँच सौ मात्र) का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है, शेष 59 वाद मा0 न्यायालय में विचाराधीन हैं। शेष 19 प्रकरणों में वाद दायर किया जाना प्रक्रियाधीन है। असुरक्षित प्रकृति के 105 प्रकरणों में मा0 न्यायिक न्यायालय में कारावास एवं अर्थदण्ड से सम्बन्धित कुल 86 वाद दायर किये गये हैं, जो विचाराधीन हैं तथा शेष 19 प्रकरणों में वाद दायर किया जाना प्रक्रियाधीन है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में अल्ट्रासाउण्ड, एम0आर0आई0, सी0टी0 स्कैन मशीन की उपलब्धता व जनपद शामली के जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउण्ड, एम0आर0आई0, सी0टी0 स्कैन मशीन उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

201-श्री प्रसन्न कुमार-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के कितने जनपदों में सरकारी अस्पतालों में अल्ट्रासाउण्ड, एम0आर0आई0, सी0टी0 स्कैन मशीन नहीं हैं ? क्या सरकार प्रदेश में स्थित उक्त ऐसे जिला अस्पतालों विशेषकर जनपद शामली के जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउण्ड, एम0आर0आई0, सी0टी0 स्कैन मशीन उपलब्ध कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद शामली के अतिरिक्त सभी जनपदों के जिला चिकित्सालयों में अल्ट्रासाउण्ड मशीन उपलब्ध है।

प्रदेश के 02 जनपदों के जिला चिकित्सालयों में एम0आर0आई0 मशीन की सुविधा उपलब्ध है।

प्रदेश के 08 जनपदों के जिला चिकित्सालयों में सी0टी0 स्कैन मशीन की सुविधा उपलब्ध नहीं है तथा शेष सभी जनपदों में सी0टी0 स्कैन मशीन की सुविधा उपलब्ध है। एम0आर0आई0 मशीन की सुविधा मेडिकल कालेज स्तर की सुविधा है।

प्रदेश के चिकित्सालयों में उपकरण उपलब्ध कराने की एक निरन्तर प्रक्रिया है, जो संसाधन की उपलब्धता एवं आवश्यकता के अनुरूप की जाती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फतेहपुर के विकास खण्ड-खजुहा, ग्राम सिजौली में श्री सोहन लाल द्विवेदी जी (राष्ट्र कवि) की मूर्ति की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में

202-श्री राजेन्द्र सिंह पटेल-

क्या संस्कृति मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद, विकास खण्ड-खजुहा, ग्राम सिजौली में श्री सोहन लाल द्विवेदी जी (राष्ट्र कवि) की मूर्ति की स्थापना सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद, विकास खण्ड-खजुहा के ग्राम सिजौली, जो श्री सोहन लाल द्विवेदी जी (राष्ट्र कवि) की जन्म स्थली है, में उनकी मूर्ति की स्थापना से सम्बन्धित समुचित प्रस्ताव प्राप्त होने पर नियमानुसार अग्रेतर कार्यवाही की जायेगी।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फतेहपुर के विकास खण्ड-खजुहा, ग्राम नन्दापुर में शहीद त्रिदेव प्रसाद के अधूरे स्मारक को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में

203-श्री राजेन्द्र सिंह पटेल-

क्या संस्कृति मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद, विकास खण्ड-खजुहा, ग्राम नन्दापुर में शहीद त्रिदेव प्रसाद का अधूरा स्मारक को सरकार पूर्ण करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

सूचना एकत्र की जा रही है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद के चंद्रवार में पुरातत्व महत्व के प्राचीन भगवान चन्दाप्रभु के मन्दिर, चन्द्रवार (फिरोजाबाद) के उद्गम स्थल महाराजा चन्द्रसेन जी के किले, यमुना के घाटों के समग्र विकास एवं सौंदर्यीकरण के सम्बन्ध में

204-श्री मनीष असीजा-

क्या पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद के चन्द्रवार में पुरातत्व महत्व के प्राचीन भगवान चन्द्राप्रभु के मन्दिर, चन्द्रवार (फिरोजाबाद) के उद्गम स्थल महाराजा चंद्रसेन जी के किले, यमुना के घाटों के समग्र विकास एवं सौंदर्यीकरण हेतु प्रश्नकर्ता का मुख्य मंत्री, पर्यटन मंत्री, अपर मुख्य सचिव, पर्यटन विभाग को प्रेषित पत्रांक संख्या क्रमशः क-6 न0-516040, क-6 न0-516039, क-6 न0-516038, दिनांक 13-04-2022 प्राप्त हुये हैं ? यदि हां, तो उक्त पत्रों पर अब तक क्या कार्रवाई की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयवीर सिंह-

माननीय विधायक का पत्रांक-क 6 न0-516038, दिनांक 13-4-2022 प्राप्त हुआ है।

माननीय विधायक द्वारा प्रेषित पत्र में प्रस्तावित स्थलों के अन्तर्गत मा0 विधायक जी की संस्तुति पर जनपद फिरोजाबाद स्थित चंद्रवार में दिगम्बर जैन मन्दिर के पर्यटन विकास हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में राज्य योजना के अन्तर्गत शासन द्वारा आंकलित लागत रु0 190.52 लाख (12 प्रतिशत जी0एस0टी0 सहित) के सापेक्ष रु0 172.33 लाख + जी0एस0टी0 (वास्तविक भुगतान के आधार पर) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किस्त के रूप में रु0 150.00 लाख की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है।

जनपद फिरोजाबाद में यमुना किनारे स्थित चन्द्रवार क्षेत्र के समेकित विकास के सम्बन्ध में उल्लेखनीय है कि उक्त क्षेत्र के विकास हेतु परियोजना तैयार कराई गयी है, जिसमें कई क्षेत्र में कतिपय भूमि सम्बन्धी विवाद की स्थिति उत्पन्न होने के दृष्टिगत प्रस्तावित परियोजना में निर्विवाद भूमि वाले कार्यों पर संशोधित आगणन गठित कराते हुए दिनांक 09-02-2023 को आहूत हुई अप्रेजल बैठक में आगणन प्रस्तुत किया जा चुका है, आगणन की समीक्षा उपरान्त प्रायोजना के सम्बन्ध में लिए गए निर्णय एवं विभागीय आय-व्ययक में उपलब्ध वित्तीय व्यवस्था के अनुसार प्रायोजना की स्वीकृति के सम्बन्ध में अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

प्रश्न ही नहीं उठता।

लखनऊ उत्तर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत फैजुल्लागंज में स्वीकृत 50 शैय्या के अस्पताल के निर्माण प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में

205-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ उत्तर विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत फैजुल्लागंज में स्वीकृत 50 शैय्या के अस्पताल के निर्माण हेतु भूमि पूजन गत वर्ष से लम्बित है ? यदि हां, तो क्या सरकार स्वास्थ्य की दृष्टि से संवेदनशील फैजुल्लागंज क्षेत्र में प्रश्नगत अस्पताल का निर्माण प्रारम्भ करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

शासनादेश संख्या-945/पांच-6-2022, दिनांक 13-06-2022 द्वारा फैजुल्लागंज में 50 शैय्या चिकित्सालय के निर्माण हेतु यू0पी0 स्टेट कन्स्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन लिमिटेड को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। उक्त अस्पताल की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति जारी नहीं हुई है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद चित्रकूट के संयुक्त जिला चिकित्सालय में प्रसव एवं हड्डी रोग आपरेशन की सुविधा आरम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में

206-श्री अनिल प्रधान-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद चित्रकूट के संयुक्त जिला चिकित्सालय में प्रसव एवं हड्डी रोग आपरेशन की सुविधा नहीं है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त चिकित्सालय में प्रसव तथा हड्डी रोग आपरेशन सुविधा आरम्भ करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जनपद चित्रकूट के संयुक्त जिला चिकित्सालय में प्रसव एवं हड्डी रोग आपरेशन की सुविधा उपलब्ध है तथा चिकित्सालय में मेजर व माइनर आपरेशन सम्पादित किये जाते हैं।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में स्वशाषी राज्य चिकित्सालय महाविद्यालय, फिरोजाबाद के अवशेष कार्यों को पूर्ण कराने हेतु पुनरीक्षित आगणन सम्बन्धी शिकायती-पत्रों पर कार्यवाही कराये जाने के सम्बन्ध में

207-श्री मनीष असीजा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में स्वशाषी राज्य चिकित्सालय महाविद्यालय, फिरोजाबाद के अवशेष कार्यों को पूर्ण कराने हेतु पुनरीक्षित आगणन (अस्पताल भवन का परिसर बदलने, दर वृद्धि एवं अतिरिक्त मदों के कारण) रु0 23227.87 लाख में से अवमुक्त धनराशि के पश्चात् अवशेष धनराशि रु0 966.13 लाख को अवमुक्त कराने की स्वीकृति हेतु प्रश्नकर्ता का प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग, लखनऊ को प्रेषित पत्रांक-क-6 न0-516322, दिनांक 17-11-2021 एवं जिलाधिकारी, फिरोजाबाद द्वारा प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग, लखनऊ को प्रेषित पत्रांक-2108-ओ0एस0डी0, दिनांक 14-08-2021 प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्रों पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

जी हाँ।

प्रश्नगत पत्र पर सम्प्रति शासन स्तर पर कार्यवाही प्रचलित है।

प्रश्न नहीं उठता।

मल्टी सेक्टोरियल योजना के अन्तर्गत जनपद मुरादाबाद सहित प्रदेश में अपूर्ण परियोजनाओं की कुल संख्या एवं उक्त परियोजनाओं को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में

208-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मल्टी सेक्टोरियल योजना के अन्तर्गत जनपद मुरादाबाद सहित प्रदेश में कितनी परियोजनाएं अपूर्ण हैं ? क्या सरकार किसी निश्चित अवधि तक उक्त परियोजनाओं को पूरा कराने का कार्य करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

मल्टी सेक्टोरल योजना के अन्तर्गत जनपद मुरादाबाद समेत प्रदेश में 1218 परियोजनाएं अपूर्ण/निर्माणाधीन हैं।

जी हाँ। उक्त निर्माणाधीन 1218 परियोजनाओं को चरणबद्ध रूप से वर्ष 2025 तक पूर्ण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में दुग्ध उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डेयरी पैथोलॉजी कॉलेज खोलने की योजना के सम्बन्ध में

209-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या दुग्ध विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में दुग्ध उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डेयरी पैथोलॉजी कॉलेज खोलने की सरकार की कोई योजना है ? यदि हां, तो उक्त का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश में सम्भावित कोविड-19 की तीसरी लहर के मद्देनजर प्रदेशवासियों को संक्रमण से बचाने हेतु प्रभावी कार्य योजना बनाये जाने के सम्बन्ध में

210-डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में सम्भावित कोविड-19 की तीसरी लहर के मद्देनजर प्रदेशवासियों को संक्रमण से बचाने हेतु कोई प्रभावी कार्य योजना सरकार बनाएगी ? यदि हां, तो उक्त का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

बनायी गयी है।

प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 की किसी भी सम्भावित लहर के प्रभावी रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु निम्नलिखित तैयारियाँ की गई हैं :-

प्रदेश के समस्त जनपदों में डेडिकेटेड उपचार केन्द्रों की स्थापना की गई है, जहां वेन्टीलेटर एवं एच0एफ0एन0सी0 सुविधा के साथ प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

प्रदेश के समस्त जनपदों में कोविड-19 रोग की जाँच हेतु बी0एस0एल0-2 प्रयोगशालायें क्रियाशील की गयी हैं।

चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ को नियमित रूप से प्रभावी केस मैनेजमेन्ट हेतु समय-समय पर प्रशिक्षित किया गया है।

कोविड-19 के प्रभावी नियंत्रण एवं उपचार हेतु समस्त रिपोर्टों के संकलन एवं विश्लेषण हेतु एक रियल टाइम आनलाइन पोर्टल विकसित किया गया।

एकीकृत कोविड कन्ट्रोल एण्ड कमाण्ड सेन्टर की स्थापना कर रोगी/सम्भावित रोगी, टेस्टिंग इकाई, एम्बुलेन्स सेवा एवं उपचार केन्द्र के मध्य एक प्रभावी सम्वाद एवं समन्वय स्थापित किया गया है। राज्य एवं जनपद स्तर पर क्रियाशील कॉलसेन्टरों के माध्यम से रोगियों को समुचित परामर्श एवं मार्ग-दर्शन किया जाता है।

रोगियों को घर बैठे जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत एक लैब रिपोर्ट लिंक जारी किया गया है, जिसके द्वारा प्रदेश की जनता लाभान्वित हो रही है।

कोविड-19 की रोकथाम, नियंत्रण एवं बचाव हेतु प्रदेश के समस्त जनपदों में समय-समय पर चिकित्सालयों की क्रियाशीलता एवं अन्य आवश्यक संसाधनों हेतु मॉकड्रिल से सम्बन्धित गतिविधियाँ सम्पादित की गई हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के चिकित्सालयों में लगायी गई ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट (बी0सी0एस0) मशीनों के सम्बन्ध में

211-डॉ0 पल्लवी पटेल-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के कितने चिकित्सालयों में ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट (बी0सी0एस0) लगायी गई हैं ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि उक्त चिकित्सालयों में कितनी मशीनें ठीक प्रकार से कार्य कर रही हैं तथा कितनी खराब पड़ी हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण देगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रजेश पाठक-

प्रदेश के 28 जनपदों में ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट संचालित है।

सूची संलग्न है।†

प्रदेश के 28 जनपदों में ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट की सभी मशीनें क्रियाशील हैं।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के प्राइवेट अस्पतालों में स्थापित मेडिकल स्टोर्स पर सभी दवाओं के जेनेरिक विकल्प तथा रेट लिस्ट चस्पा कराने का कानून बनाये जाने के सम्बन्ध में

212-श्री महबूब अली-

क्या उप मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के प्राइवेट अस्पतालों में स्थापित मेडिकल स्टोर्स पर सभी दवाओं के जेनेरिक विकल्प तथा रेट लिस्ट चस्पा कराने का कानून सरकार बनाएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

---

† देखिये नत्थी (त) आगे पृष्ठ संख्या-444 पर।

श्री ब्रजेश पाठक-

जी नहीं।

प्रश्न ही नहीं उठता।

राज्य सरकार द्वारा सरकारी चिकित्सालयों में 286 ई0डी0एल0 दवायें निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश के राजकीय चिकित्सालयों में 155 जन औषधि केन्द्रों व निजी क्षेत्र में 1112 जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से जन-सामान्य को अत्यन्त सस्ती दरों पर उच्च गुणवत्ता की जेनेरिक दवायें उपलब्ध करायी जाती हैं।

वर्तमान में निजी चिकित्सालयों को एवं उनमें स्थापित मेडिकल स्टोर्स को दरें प्रदर्शित करने हेतु निर्देशित करने की कोई नीति नहीं है।

जनपद फिरोजाबाद में बालगृह के निजी भवन का निर्माण कार्य समयावाधि में पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में

213-श्री सचिन यादव-

क्या महिला कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगी कि जनपद फिरोजाबाद में बाल गृह के निजी भवन का निर्माण कार्य समयावधि निर्धारित कर सरकार पूर्ण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती बेबी रानी मौर्य-

जी हाँ।

जनपद फिरोजाबाद में राजकीय बाल गृह (बालक) के भवन निर्माण हेतु पूर्व में चयनित भूमि पर हाईटेंशन वायर होने के कारण विद्युत विभाग द्वारा अनापत्ति नहीं दी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, फिरोजाबाद के पत्र दिनांक 08-02-2023 द्वारा अवगत कराया गया है कि राजकीय बाल गृह (बालक) के भवन निर्माण हेतु नवीन भूमि का चयन कर विभाग के पक्ष में भूमि हस्तान्तरित की गयी है। पुनः आगणन/प्रस्ताव प्राप्त किया जा रहा है। तत्पश्चात् उक्त भवन का निर्माण कार्य पूर्ण करा दिया जायेगा।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

मण्डलीय अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को संयुक्त निदेशक पदनामित किये जाने के सम्बन्ध में

214-श्री मोहन वर्मा-

क्या अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मण्डलीय अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को संयुक्त निदेशक पदनामित किया जा सकता है ? क्या शेषनाथ पाण्डेय

एवं आर0पी0 सिंह को राज्यपाल महोदय के आदेश के क्रम में शासनादेश संख्या क्रमशः 3514/52-1-2013-1(59)/10 टी0सी0 एवं 3515/52-1-2013-1(59)/10 टी0सी0, दिनांक 07-08-2013 द्वारा दो वर्ष हेतु विहित परिवीक्षा पर रखने हेतु पदोन्नति की गयी थी ? क्या परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने से पूर्व ही शासनादेश संख्या-393/52-1-2015-1(59)/10 टी0सी0, दिनांक 04-02-2015 द्वारा उपरोक्त दोनों ही अधिकारियों को मौलिक रूप से उप निदेशक के पद पर ग्रेड-पे 7600/- में अवैध रूप से पदोन्नति की गयी है ? यदि हां, तो दोनों संयुक्त निदेशकों के विरुद्ध सरकार कार्रवाई करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री धर्मपाल सिंह-

जी नहीं।

वेतन समिति (2008) के दसवें प्रतिवेदन (भाग-2) में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सम्बन्ध में की गयी संस्तुतियों विषयक निर्गत वित्त (वेतन आयोग) अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या-वे0आ0-2-394/दस-54(एम)/2008 टी0सी0, दिनांक 18-03-2011 के क्रम में अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-942/52-1-2011-1(170)/09, दिनांक 11-07-2011 द्वारा विभाग के मुख्यालय में विद्यमान उप निदेशक के 02 पदों को संयुक्त निदेशक पदनामित किया गया है तथा भविष्य में इन पदों को उप निदेशक (पूर्व पदनाम मण्डलीय अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी) के पदों से पदोन्नति कर भरे जाने की व्यवस्था की गयी।

जी हाँ।

श्री शेषनाथ पाण्डेय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, मेरठ एवं श्री आर0पी0 सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, रामपुर को क्रमशः शासन के विज्ञप्ति/नियुक्ति संख्या-3514/52-1-2013-1(59)/10 टी0सी0, दिनांक 07-08-2013 एवं 3515/52-1-2013-1(59)/10 टी0सी0, दिनांक 07-08-2013 द्वारा मण्डलीय अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर मौलिक रूप से पदोन्नति करते हुए 02 वर्ष की विहित परिवीक्षा अवधि पर रखा गया था।

जी नहीं।

कार्मिक अनुभाग-1 के अधिसूचना संख्या-14/13/2/1997-का-1-2013, दिनांक 30-12-2013 द्वारा प्रख्यापित उ0प्र0 सरकारी सेवक परिवीक्षा नियमावली-2013 में स्थापित प्राविधानानुसार पदोन्नति की गयी।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न ही नहीं उठता।

प्रश्न ही नहीं उठता।

[12:33] नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

नियम-301 के अन्तर्गत आज दिनाँक 27 फरवरी, 2023 को कुल 82 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिसमें निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनाएं स्वीकार की गई हैं :-

श्री अध्यक्ष-

ये जो सूचनाएं होती हैं, वह सुबह 10:00 बजे ली जाती हैं। 10:00 बजे लेने का मतलब है कि हम यह मानते हैं कि मा0 सदस्य यहाँ उपस्थित रहेंगे। उपस्थित नहीं हैं, इसका मतलब उनका प्रश्न किसी और ने लगाया है, इस बात को हम गम्भीरता से लेंगे।

श्रीमती राजबाला सिंह (अनुपस्थित), श्री राम अवतार सिंह सैनी (उपस्थित), श्री सुरेन्द्र मैथानी (उपस्थित), श्री गणेश चन्द्र (उपस्थित), श्री प्रदीप शुक्ला (उपस्थित), श्री रवि शर्मा (उपस्थित), श्री राजपाल सिंह बालियान (उपस्थित), श्री विनय कुमार द्विवेदी (उपस्थित), डॉ0 पल्लवी पटेल (उपस्थित), श्री अनिल पाराशर (उपस्थित), श्री अशोक कुमार (उपस्थित)।

मा0 सदस्य श्री अशोक कुमार के नाम की दो सूचनाओं पर मा0 अध्यक्ष के निर्देश

श्री अध्यक्ष-

दोनों अशोक कुमार आप ही हैं।

श्री अशोक कुमार-

मान्यवर, मैं सलोन विधान सभा क्षेत्र से हूँ।

श्री अध्यक्ष-

इसका मतलब आप पहले वाले अशोक कुमार नहीं हैं, या यहाँ से गलत हो गया है। एक व्यक्ति की दो सूचनाएं नहीं ली जा सकती हैं। क्या श्री अशोक कुमार जनपद हरदोई की सूचना आपने ही लगाई है ?

श्री अशोक कुमार-

मान्यवर, मैंने जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सलोन के अन्तर्गत ग्राम सभा बिरनावा से ग्राम रोखा तक कच्चे मार्ग को पक्का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में सूचना लगायी है।

श्री अध्यक्ष-

हमारे प्रमुख सचिव इसकी जानकारी करें कि श्री अशोक कुमार, जनपद हरदोई ने संविदा के ऊपर सूचना लगायी है कि नहीं। अगर और कोई मा0 अशोक कुमार सदस्य हैं, तो बताइए। अगर और कोई मा0 सदस्य नहीं हैं, इन्होंने सूचना नहीं लगायी है, तो मुझे इसकी सूचना हाउस छूटने से पहले चाहिए, ताकि मैं हाउस में सूचना दे सकूँ कि इस प्रकार की सूचनाएं कितनी गम्भीरता के साथ ली जा सकती हैं। ये बहुत गम्भीर है।

नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएँ (क्रमागत)

श्री अध्यक्ष-

श्री प्रसन्न कुमार (उपस्थित), श्रीमती ऊषा मौर्या (उपस्थित), श्री जाहिद बेग (अनुपस्थित), श्री विशम्भर सिंह यादव (अनुपस्थित), श्री इन्द्रजीत सरोज (अनुपस्थित), श्री मौहम्मद फहीम इरफान (उपस्थित), श्री अजय सिंह, जनपद बस्ती (अनुपस्थित), श्री राकेश प्रताप सिंह (उपस्थित)।

श्री अध्यक्ष-

तीन मा0 सदस्य अनुपस्थित हैं और चौथे मा0 सदस्य श्री अशोक कुमार की सूचना के बारे में हमारे प्रमुख सचिव बताएंगे कि कहाँ पर त्रुटि है। जो चार मा0 सदस्य श्री जाहिद बेग, श्री विशम्भर सिंह यादव, श्री इन्द्रजीत सरोज एवं श्री अजय सिंह अनुपस्थित हैं, उनके बदले अब मैं प्रतीक्षा सूची में से लाइन से चार नाम पढ़ूँगा । श्री कविन्द्र चौधरी (उपस्थित), श्री रामरतन कुशवाहा (उपस्थित), श्री हाकिम लाल बिन्द (उपस्थित) एवं श्री मनीष रावत (उपस्थित) हैं। जो मा0 सदस्य अनुपस्थित हैं, उनको आप लोग धन्यवाद दे दीजिएगा कि आपकी अनुपस्थिति के कारण हमारी सूचनाएं स्वीकार कर ली गईं।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनाएं स्वीकार की गयीं :-

पहली सूचना श्री राम अवतार सिंह की जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत ग्राम दरियापुर से 11000 विद्युत लाइन गांव की आबादी से बाहर शिफ्ट कराए जाने के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्री सुरेन्द्र मैथानी की जनपद कानपुर में अर्मापुर कालपी

रोड (कानपुर दिल्ली हाई-वे) को जोड़ रही सड़क का वैकल्पिक मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री गणेश चन्द्र की जनपद सन्तकबीरनगर के विधान सभा क्षेत्र घनघटा में लोक निर्माण विभाग का निरीक्षण भवन का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री प्रदीप शुक्ला की जनपद गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र सहजनवा में कतिपय सड़क निर्माण तथा सड़क मार्ग चौड़ीकरण किये जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना श्री रवि शर्मा की जनपद झांसी की सदर विधान सभा क्षेत्र के प्रेम नगर (नगरा) क्षेत्र में राजकीय अस्पताल स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में है, छठी सूचना श्री राजपाल सिंह बालियान की जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना के विकास खण्ड बुढ़ाने के पूर्व ब्लाक प्रमुख द्वारा वर्तमान ब्लाक प्रमुख के कार्यालय में की गई तोड़-फोड़ के सम्बन्ध में है, सातवीं सूचना श्री विनय कुमार द्विवेदी की जनपद गोंडा के विधान सभा क्षेत्र मेहनौन के अन्तर्गत विकास खण्ड-रुपईडीह विभाजित करके नया विकास खण्ड-खरगूपुर बनाये जाने के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना डॉ0 पल्लवी पटेल की जनपद कौशाम्बी के नगर पालिका परिषद् मंझनपुर के असकरनपुर मंगरोहनी के उमाशंकर खरे की बाग से शिवालय तक मार्ग का चौड़ीकरण एवं मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है, नौवीं सूचना श्री अनिल पाराशर की जनपद अलीगढ़ के नगर विकास सीमा विस्तार में शामिल हुए 35 गांव के सम्पूर्ण विकास के लिए धन आवंटित किये जाने के सम्बन्ध में है, दसवीं सूचना श्री अशोक कुमार की जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सलोन के अन्तर्गत ग्राम सभा बिरनावा से ग्राम रोखा तक कच्चे मार्ग को पक्का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, ग्यारहवीं सूचना श्री प्रसन्न कुमार की जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र सदर के अन्तर्गत ग्राम भिक्का माजरा व ग्राम खेडी पट्टी में स्वास्थ्य उपकेन्द्र बनवाए जाने के सम्बन्ध में है, बारहवीं सूचना श्रीमती ऊषा मौर्या की जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज के अन्तर्गत जमरावा, पट्टीशाह एवं एकौनागढ़ में पेयजल की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना श्री मौहम्मद फहीम इरफ़ान की जनपद मुरादाबाद के बिलारी तहसील में आइडिया खेल ग्राउण्ड को उच्च स्तरीय बनाये जाने हेतु है, चौदहवीं सूचना श्री अजय सिंह की जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र हरैया के अन्तर्गत परशुरामपुर की विकास खण्ड पिकौरा भट्ट में प्राइमरी स्कूल बनवाए जाने के सम्बन्ध में है, पन्द्रहवीं सूचना श्री राकेश प्रताप सिंह की जनपद अमेठी के विधान सभा क्षेत्र गौरीगंज के रामगंज से शाहगढ़ तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, सोलहवीं सूचना श्री कविन्द्र चौधरी की जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत दुबौला से पचपेड़वा होते हुए महेशगंज तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, सत्रहवीं सूचना श्री रामरतन कुशवाहा की

जनपद ललितपुर के नगर ललितपुर अन्तर्गत रामनगर से खिरकापुर में बूढ़े बाबा मंदिर के पास ब्याने नाले पर पुल बनवाए जाने के सम्बन्ध में है, अट्ठारहवीं सूचना श्री हाकिम लाल बिन्द की जनपद कानपुर में स्थित हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय में रिक्त नियमित पदों पर प्रोन्नति/भर्ती किये जाने के सम्बन्ध में है तथा उन्नीसवीं सूचना श्री मनीष रावत की जनपद सीतापुर के विधान सभा क्षेत्र सिधौली के अटरिया से धारवां हमीरपुर तक जर्जर सड़क का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में है।

(सदन की सहमति से स्वीकृत सभी सूचनाएं पढ़ी हुई मानी गईं।)

जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत ग्राम दरियापुर से 11000 विद्युत लाइन गांव की आबादी से बाहर शिफ्ट कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम अवतार सिंह-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान अत्यन्त लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर ले जाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र-24, नूरपुर, जनपद-बिजनौर के ग्राम दरियापुर में आबादी के मध्य से मकानों के ऊपर हाई वोल्टेज 11 हजार विद्युत लाइन गुजर रही है। जिससे इस गाँव में काफी जनहानि एवं दुर्घटनाएँ घटित होती रहती हैं। प्राथमिकता के आधार पर 11 हजार वोल्टेज को गाँव की आबादी से बाहर शिफ्ट कराया जाय।

अतः इस लोक महत्व के प्रश्न पर सरकार से अविलम्बनीय वक्तव्य दिये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद कानपुर में अर्मापुर कालपी रोड (कानपुर दिल्ली हाई-वे) को जोड़ रही सड़क का वैकल्पिक मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सुरेन्द्र मैथानी-

[महोदय, अवगत कराना है कि जी0 टी0 रोड लोहारन भट्टा से विजय नगर स्थित डबल पुलिया तक नहर पटरी तक मार्ग हेतु स्थान वर्षों से रिक्त पड़ा हुआ था। जिस पर कोई भी मार्ग नहीं था, जिसका निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। जो कि पूरे कानपुर नगरवासियों के लिये यह एक नये मार्ग के रूप में विकसित हुआ है। जिसके कारण अत्यधिक जाम से ग्रसित क्षेत्र अब जाम मुक्त हो चुका है। उक्त मार्ग के ही आगे ठीक इसी प्रकार का स्थल जिसकी लम्बाई लगभग 03 किमी0 की रोड बनाने हेतु उपलब्ध है। जो कि अर्मापुर कालपी रोड

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

(कानपुर, दिल्ली हाई-वे) पर जाकर जुड़ता है, यदि इस पर भी एक वैकल्पि मार्ग का निर्माण करा दिया जाये तो इससे कानपुर वासियों के लिये और सुगमता हो जायेगी और कानपुर वासियों को एक और नया मार्ग प्राप्त हो जायेगा। अतः आपसे निवेदन है कि उपरोक्त रिक्त स्थान पर एक वैकल्पिक मार्ग का निर्माण जनहित में कराया जाना अति आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद सन्तकबीर नगर के विधान सभा क्षेत्र धनघटा में लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री गणेश चन्द्र-

[महोदय, अवगत कराना है की विधान सभा क्षेत्र धनघटा के अन्तर्गत लोक निर्माण विभाग का निरीक्षण भवन का निर्माण कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है। यह जिला बस्ती, गोरखपुर व अम्बेडकरनगर से सटा हुआ है। अयोध्या से नेपाल को जाने वाला राम जानकी मार्ग है। जिसमें आये हुए अतिथियों को ठहरने की असुविधा होती है। जबकि निरीक्षण भवन के लिये ग्राम पंचायत गागरगाड़ (धनघटा) में लोक निर्माण विभाग की भूमि उपलब्ध है। निरीक्षण भवन का निर्माण अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बिनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्रवाई की माँग करता हूँ।]

जनपद गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र सहजनवां में कतिपय सड़क निर्माण तथा चौड़ीकरण किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रदीप शुक्ला-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जनपद-गोरखपुर की सहजनवां विधान सभा क्षेत्र में निम्न कार्य का कराया जाना जनहित में नितान्त आवश्यक है :-

1-ग्राम पंचायत अड्लापार में कालेश्वर बनौड़ा रोड से तिनहरा होते हुए दिनारा अंमटौरा तक सड़क के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य।

2-पिपरौली मेन मार्केट से बनोड़ा तक रोड का सुदृढ़ीकरण कार्य।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

3-ग्राम पंचायत नन्दापार से सीयर होते हुए भगवानपुर तक रोड के मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।

4-ग्राम पंचायत कन्दराई में जरलहौ मुख्य मार्ग से बरवल माफी तक सड़क के सुदृढ़ीकरण का कार्य।

5-कालेश्वर-गोरखपुर मुख्य मार्ग झुगिया को जाने वाली सङ्क, Manu Hospital तक सड़क मरम्मत कार्य तथा झुगिया से सरैया होते हुए कुरमौल तक मरम्मत का कार्य।

अतः मा0 महोदय से अनुरोध है कि इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुए शीघ्र कार्रवाई किये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद झांसी की सदर विधान सभा क्षेत्र के प्रेमनगर (नगरा) क्षेत्र में राजकीय अस्पताल स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रवि शर्मा-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र झाँसी-सदर के प्रेमनगर (नगरा) क्षेत्र एक बड़े भू-भाग में फैला हुआ है, जिसकी आबादी लगभग 01 लाख से ज्यादा है। उक्त क्षेत्र में नगर निगम के 06 वार्ड सम्मिलित हैं, लेकिन महानगर के इतने बड़े क्षेत्र और आबादी के बावजूद यहाँ पर स्वास्थ्य सुविधाएँ एकदम अपर्याप्त हैं। यहाँ के निवासियों को अपने इलाज के लिए प्रेमनगर (नगरा) से सीधे शहर के राजकीय जिला अस्पताल आना पड़ता है, जो कि प्रेमनगर (नगरा) से कई किलोमीटर दूर है। आकस्मिक चिकित्सा की स्थिति में इस क्षेत्र के निवासियों के लिए हालात अत्यन्त पीड़ाजनक हो जाते हैं। प्राथमिक एवं आकस्मिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त एक अस्पताल अत्यन्त आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में सभी सुविधाओं से युक्त एक राजकीय अस्पताल स्थापित कराये जाने की माँग क्षेत्र की जनता अनेक वर्षों से कर रही है। जनहित में प्रेमनगर (नगरा) क्षेत्र जो कि एक बड़े भू-भाग में फैला हुआ है, में सभी सुविधाओं से युक्त एक राजकीय अस्पताल स्थापित किया जाना आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई करने की माँग करता हूँ।]

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना के विकास खण्ड बुढ़ाने के पूर्व ब्लाक प्रमुख द्वारा वर्तमान ब्लाक प्रमुख के कार्यालय में की गई तोड़-फोड़ के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजपाल सिंह बालियान-

[महोदय, आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर आकृष्ट कराना चाहता हूँ जनपद-मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

के विकास खण्ड-बुढ़ाना के वर्तमान ब्लाक प्रमुख श्रीमती पल्लो देवी हैं वहाँ पर ब्लाक बुढ़ाना में तीन व्यक्तियों की एक समिति बना दी गई। विकास खण्ड-बुढ़ाना के पूर्व ब्लाक प्रमुख बब्लू ने ब्लाक में जाकर वर्तमान ब्लाक प्रमुख के आफिस का ताला तोड़ दिया व वहाँ पर लगे सूचीपट्ट को तोड़कर चूर-चूर कर दिया। वर्तमान ब्लाक प्रमुख की तरफ से पुलिस को सूचित किया गया, किन्तु पुलिस की जाँचोपरान्त आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से उक्त घटना में प्राथमिकी दर्ज कराकर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद गोण्डा के विधान सभा क्षेत्र मेहनौन के अन्तर्गत विकास खण्ड-रुपईडीह को विभाजित करके नया विकास खण्ड-खरगूपुर बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री विनय कुमार द्विवेदी-

[महोदय, अगवत कराना है कि जनपद गोण्डा के विधान सभा क्षेत्र-295, मेहनौन के अन्तर्गत विकास खण्ड रूपईडीह जनपद की सबसे बड़ी विकास खण्ड है जिसका क्षेत्रफल काफी बड़ा है, जनहित में इस विकास खण्ड को विभाजित करके नवसृजित विकास खण्ड खरगूपुर बनाया जाना अत्यन्त आवश्यक है। जिसका प्रस्ताव जनपद द्वारा शासन को भेजा जा चुका है। जो शासन में विचाराधीन है, जिसकी स्वीकृति किया जाना जनहित में नितान्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद कौशाम्बी के नगर पालिका परिषद् मंझनपुर के असकरनपुर मंगरोहनी के उमाशंकर खरे की बाग से शिवालय तक मार्ग का चौड़ीकरण एवं मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 पल्लवी पटेल-

[महोदय, मैं सदन के संज्ञान में अति महत्वपूर्ण विषय लाना चाहता हूँ कि जनपद कौशाम्बी के नगर पंचायत मंझनपुर के असकरनपुर मंगरोहनी में उमाशंकर खरे, राजेन्द्र खरे की बाग से शिवालय तक का मार्ग सँकरा एवं अति क्षतिग्रस्त होने के कारण आये दिन दुर्घटनाऐं होती रहती हैं। उक्त मार्ग का चौड़ीकरण करते हुए सुदृढ़ीकरण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है।

अतः इस लोक महत्व के गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने की मांग करती हूँ।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद अलीगढ़ के नगर विकास सीमा विस्तार में शामिल हुए 35 गांव के सम्पूर्ण विकास के लिए धन आवंटित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अनिल पाराशर-

[महोदय, जनपद अलीगढ़ के नगर निगम की सीमा का विस्तार 35 गाँव सम्मिलित करते हुए किया गया है। नगर निगम में सम्मिलित हुए गांवों के विकास की भौगोलिक स्थिति काफी दयनीय है। यह काफी पिछड़े हुये गाँव हैं जिनमें सड़के, नाली, प्रकाश व पानी आदि की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है । अलीगढ़ ताला उद्योग के नाम से विख्यात है, जिसके चहुमुखी विकास की चाबी नगर निगम के पास है। जनहित में नगर निगम अलीगढ़ के सीमा विस्तार में सम्मिलित किये गये 35 गाँवों के समग्र विकास हेतु धन आवंटित किया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए नगर निगम अलीगढ़ के सीमा विस्तार में सम्मिलित किये गये 35 गाँवों के समग्र विकास हेतु धन आवंटित किये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सलोन के अन्तर्गत ग्राम सभा बिरनावा से ग्राम रोखा तक कच्चे मार्ग का पक्का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अशोक कुमार-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद रायबरेली के ब्लॉक-डीह के अन्तर्गत ग्राम सभा बिरनावा से ग्राम रोखा तक मार्ग कच्चा और जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। आजादी के बाद से आज तक इस मार्ग को बनवाने की ओर किसी भी सरकार का ध्यान नहीं गया है, जबकि ग्राम बिरनावा से ग्राम रोखा विधान सभा क्षेत्र की सबसे बड़ी ग्राम सभाएं हैं जिनमें लगभग 20 हजार की आबादी निवास करती है। ग्राम सभा बिरनावा से ग्राम रोखा तक आने-जाने हेतु ग्रामीणों को लगभग 15 किलोमीटर घूमकर आना-जाना पड़ता है। इन दोनों ग्राम सभाओं के मध्य सम्पर्क मार्ग बन जाने से यह दूरी घटकर मात्र 7-8 किलोमीटर रह जायेगी और इस मार्ग के बनने से लगभग 20 हजार से अधिक की आबादी लाभान्वित होगी। जनहित में उक्त सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र सदर के अन्तर्गत ग्राम भिक्का माजरा व ग्राम खेडी पट्टी में स्वास्थ्य उपकेन्द्र बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रसन्न कुमार-

[महोदय, आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ।

विधान सभा क्षेत्र-10 सदर, शामली के अन्तर्गत ग्राम भिक्का माजरा व ग्राम खेडी पट्टी में चिकित्सा की कोई व्यवस्था न होने के कारण ग्रामवासियों को आपातकालीन स्थिति में जिला मुख्यालय शामली जाना पडता है, दूरी अधिक होने व रात्रि में कोई साधन न मिलने के कारण मरीजों को तरह-तरह की समस्याओं का सामना करना पड रहा है। ग्राम भिक्का माजरा एवं ग्राम खेडी पट्टी के मध्य में स्वास्थ्य उपकेन्द्र की स्थापना के लिए अनेकों बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया है, जिस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। महोदय उक्त दोनों ग्रामों के मध्य में चिकित्सा उपकेन्द्र होने से दोनो ग्रामों से अलग भी क्षेत्रीय जनता को चिकित्सा में सुविधा मिलेगी। उपकेन्द्र की स्थापना न होने से क्षेत्रीय जनता में सरकार के प्रति भारी जनाक्रोश व्याप्त है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त प्रकरण में कार्रवाई किये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज के अन्तर्गत जमरावा, पट्टीशाह एवं एकौनागढ़ में पेयजल की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती ऊषा मौर्या-

[महोदय, सादर अनुरोध के साथ अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज अन्तर्गत ग्राम जमरावा, पट्टीशाह एवं एकौनागढ़ के इर्द-गिर्द में पेयजल की विकराल समस्या है, उपरोक्त गाँवों में गंगा के तलेटी क्षेत्र के निचले इलाकों में पेयजल की कोई सुविधा न होने के कारण वहां के ग्रामवासियों को अत्यन्त कठिनाई का सामना करना पड़ता है तथा वहां के बुजुर्ग व युवा लोग दूषित पानी पीने के कारण तमाम बीमारियों से जूझ रहे हैं। आम लोग लगभग पिछले 20 वर्षों से इन्हीं समस्याओं से पीड़ित हैं।

अतः महोदय से अनुरोध है कि इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कर उक्त स्थानों पर स्वास्थ्य विभाग की टीम से जांच कराये जाने तथा पानी की टंकी की स्थापना कराये जाने की ओर आकृष्ट करना चाहती हूँ।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद मुरादाबाद के बिलारी तहसील में आइडिया खेल ग्राउण्ड को उच्च स्तरीय बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

[महोदय, तहसील बिलारी, जिला-मुरादाबाद में खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के लिये खेल स्टेडियम का होना आवश्यक है। नगर बिलारी में जिला पंचायत की भूमि पर आइडिया खेल ग्राउण्ड है, मगर उसमें खेलने के लिये पिच, खिलाड़ियों के बैठने की व्यवस्था, पर्याप्त रोशनी व्यवस्था, ग्राउण्ड की चहारदीवारी नहीं है, जिसके चलते खिलाड़ियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। स्टेडियम बनने से छिपी खेल प्रतिभाओं को नगर व क्षेत्र का नाम रोशन करने का मौका मिलेगा। नगर बिलारी में स्थित एकमात्र खेल ग्राउण्ड भी बदहाल हालत में है। इसके सम्बन्ध में कई बार मांग भी जा चुकी है, परन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

अतः मैं इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के प्रश्न पर सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए तहसील बिलारी जिला-मुरादाबाद के नगर बिलारी के आइडिया ग्राउण्ड को खेल स्टेडियम बनवाये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र हरैया के अन्तर्गत परशुरामपुर की विकास खण्ड पिकौरा भट्ट में प्राइमरी स्कूल बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अजय सिंह-

[महोदय, जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र हरैया के अन्तर्गत परशुरामपुर के विकास खण्ड पिकौरा भट्ट में प्राइमरी स्कूल न होने से छोटे-छोटे बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने हेतु बहुत दूर जाना पड़ता है। अतः पिकौरा भट्ट में एक प्राइमरी स्कूल बनवाया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल कार्रवाई कराए जाने की मांग करता हूं।]

जनपद अमेठी के विधान सभा क्षेत्र गौरीगंज के रामगंज से शाहगढ़ तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राकेश प्रताप सिंह-

[महोदय, विकास खण्ड-गौरीगंज, जिला-अमेठी के अन्तर्गत निम्न सम्पर्क मार्ग रामगंज से भुसियावा वाया शाहगढ़ सड़क का निर्माण कार्य जो सालों से अधूरा पड़ा हुआ है जिससे वहाँ के जनमानस को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, उक्त मार्ग पर बरसात के दिनों में निकलना दूभर हो जाता है, जिससे वहाँ के जनमानस में काफी रोष व्याप्त हो गया है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः मैं इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के प्रश्न पर सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए उक्त CRF के अन्तर्गत रामगंज से भुसियावा वाया शाहगढ़ सड़क के अधूरे पड़े सम्पर्क मार्ग को पूरा कराये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत दुबौला से पचपेड़वा होते हुए महेशगंज तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री कविन्द्र चौधरी-

[महोदय, जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज में दुबौला से पचपेड़वा होते हुए महेशगंज मार्ग अत्यन्त जर्जर स्थिति में है, जिसका निर्माण कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस विषय पर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करते हैं।]

जनपद ललितपुर के नगर ललितपुर के अन्तर्गत रामनगर से खिरकापुर में बूढ़े बाबा मंदिर के पास ब्याने नाले पर पुल बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम रतन कुशवाहा-

[महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र-226, ललितपुर के नगर ललितपुर अन्तर्गत रामनगर से खिरकापुर में बूढ़े बाबा मन्दिर के पास ब्याने नाले पर पुल न होने से क्षेत्र के निवासियों को काफी चक्कर काटकर आना-जाना पड़ता है। बांस-बल्ली के सहारे लोग पटरा डालकर आते-जाते हैं, जिससे अक्सर दुर्घटनायें हो जाती हैं। इस नाले पर काफी समय पुल के निर्माण की मांग की जा रही है, परन्तु अधिकारियों की उदासीनता के कारण अभी तक इसके निर्माण के सम्बन्ध में कोई कार्यवाही न होने से आम-जनमानस में निराशा एवं आक्रोश व्याप्त है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए उपरोक्त नाले पर पुल का निर्माण कराये जाने हेतु कार्यवाही की मांग करता हूँ।]

जनपद कानपुर में स्थित हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय में रिक्त नियमित पदों पर प्रोन्नति/भर्ती किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री हाकिम लाल बिन्द-

[महोदय, मैं एक लोक महत्व के विषय की ओर माननीय सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जनपद कानपुर में स्थित हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय में विगत कई वर्षों से नियमित पद वर्कशाप सुपरिन्टेंडेंट, पुस्तकालयाध्यक्ष, उप कुलसचिव तथा सहायक कुलसचिव के पद रिक्त चल रहे हैं।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः मैं नियम-301 के माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर में नियमित उक्त रिक्त पदों के सापेक्ष प्रोन्नति/भर्ती के माध्यम से भरने हेतु कार्रवाई कारवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद सीतापुर के विधान सभा क्षेत्र सिधौली के अटरिया से धारवां-हमीरपुर तक जर्जर सड़क का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनीष रावत-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि जनपद सीतापुर के ग्राम हमीरपुर से सीतापुर रोड अटरिया तक की सड़क की दशा बहुत खराब हो गयी है, जिस पर चलना मुश्किल हो गया है, बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने की वजह से आए दिन गाड़ियाँ पलट जाती हैं, लोग चोटिल हो रहे हैं। दुर्घटनायें बढ़ गयी हैं।

अतः आपसे अनुरोध है कि विधान सभा क्षेत्र सिधौली में अटरिया से धारवां हमीरपुर तक बनी जर्जर एवं क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण करवाये जाने के लिए कार्रवाई किये जाने हेतु मैं सदन से मांग करता हूँ।]

औचित्य के प्रश्न की सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज नियम-300 के अर्न्तगत 2 सूचनाएं प्राप्त हुयीं और दोनों नियम-300 में नहीं आती हैं इसलिए अस्वीकार की जाती हैं।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, इसमें बहुत गम्भीर विषय है, किसी के जीवन-मरण से सम्बन्धित है।

श्री अध्यक्ष-

इस हाउस में श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' का नाम लिया जाए तो हम यह समझते हैं कि इनको सारे के सारे नियम मालूम हैं, अगर 2000 के बाद गत वर्ष शिक्षकों का बकाया वेतन भी अगर नियम-300 में आता है, तब मैं तो सुबह से शाम तक नियम-300 ही सुनूंगा। यह किसी भी हालत में नियम-300 में नहीं आती है, मैं इसको नहीं सुनूंगा मुझे क्षमा करें, यह ग्राह्यता में ही नहीं है और यह लगाने वाले को भी सोचना चाहिए कि यह ग्राह्यता में आएगी कि नहीं।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा वर्ष 2022 के द्वितीय व तृतीय सत्र में विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-301 के अधीन प्राप्त सूचनाओं पर कृत कार्यवाही का विवरण†

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रेदश की 18वीं विधान सभा के द्वितीय सत्र 2022 (दिनांक 19-02-2022 से 23-09-2022 तक) एवं विधान सभा के तृतीय सत्र, 2022 (दिनांक 05-12-2022 से दिनांक 06-12-2022 तक) में उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-301 के अधीन सूचनाओं पर कृत कार्यवाही का विवरण उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रक्रिया सम्बन्धी निदेश संख्या-14 (3) की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूं।

[12:31] पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की तेरहवीं वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा 2015-2016†

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की तेरहवीं वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा 2015-2016 को कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा-395 (1) (बी) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-4 में कुछ नहीं है। अब मद सं0-5

उत्तर प्रदेश अट्ठारहवीं विधान सभा की ''नियम समिति'' (2022-2023) का प्रथम प्रतिवेदन†

श्री राजेश त्रिपाठी-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश की 18वीं विधान सभा की नियम समिति (2022 2023) का प्रथम प्रतिवेदन, जो उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार दिये जाने के सम्बन्धी नियमों से सम्बन्धित है, उसको मैं पटल पर रखता हूं।

अध्यक्ष-

आज बहुत ही महत्वपूर्ण प्रतिवेदन नियम समिति के द्वारा सदन के अन्दर प्रस्तुत किया गया है। सभी डिवाइसेस के ऊपर यह अपलोड कर दिया जाए और इसकी प्रतियां भी बँटवा दी जाएं। यह जो एक नयी परम्परा उत्कृष्ट विधायक से सम्बन्धित है, क्योंकि उत्कृष्ट सांसदों से

---

† छापा नहीं गया।

सम्बन्धित हम लोगों ने देखा था कि पार्लियामेंट में उत्कृष्ट सांसद को पुरस्कार देने का एक नियम है। तो उसके ऊपर मेरी मा0 मुख्य मंत्री जी से चर्चा हुयी और उन्होंने इस बात के ऊपर स्वीकृति दी कि हम उत्तर प्रदेश में भी उत्कृष्ट विधायक से सम्बन्धित एक नियमावली बनाएं, उसमें एक एस0ओ0पी0 बनायें, इसमें सारी चीजें लिखित हैं, इसमें जो हमारे यंग विधायक हैं उनका प्रोत्साहन करने के लिए यह पुरस्कार दिया जायेगा। इसमें विधान सभा की गरिमा को मेंटेन करने के लिए, सदस्यों का क्या रोल हो सकता है और इसमें नयी स्टैंडर्ड्स प्रैक्टिसेज हैं, उसको कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं उस नियम में यह भी है। इसमें नए सदस्यों को उत्कृष्ट विधायक का पुरस्कार दिया जाएगा, इसमें बहुत सारे सदस्य ऐसे हैं कि उनके भाषण से उनके वक्तव्य से, या उनके सुझाव से, उनकी बात-चीत से बहुत सारी चीजें इस सदन में एडॉप्ट करने का भी मैंने प्रस्ताव रखा है।

यदि किसी सदस्य का सुझाव बहुत अच्छा होगा तो यह सदन उसको भी एडॉप्ट करेगा, जो जन-कल्याणकारी होगा, नियमों के अन्तर्गत प्रदेश के हित में होगा। जो विधायी व्यवस्था है उसको भी मजबूत करने के लिए इसमें है। पूरा प्रतिवेदन है और विस्तृत है इसमें कैसे समिति होगी, कैसे चयन किया जायेगा, कौन समिति के सदस्य होंगे, उत्कृष्ट विधायक के लिए क्या-क्या मानक रखे गये हैं। मैं चाहूँगा कि हम सब लोग इसको देखें। चूँकि पूरे वर्ष के लिए दिया जायेगा, तो अभी यह वर्ष 2023 शुरू हुआ है और उसका पहला सत्र है। इस वर्ष जितनी भी सिटिंग होंगी उसके साथ-साथ माननीय सदस्यों का आचरण, उनका व्यवहार, उनका अपने क्षेत्र में किस प्रकार का इमेज है, क्षेत्र में किस प्रकार की बात-चीत करते हैं, जिस जनता ने उनको चुना है उनके प्रति कैसा समर्पण है। बहुत सारे मानक इसमें हैं। हम पूरी की पूरी एक टीम लगायेंगे, जो उत्कृष्ट विधायक को सर्च करेगी। बहुत सारे माननीय सदस्यों ने कहा कि इसमें आवेदन ले लिये जाएं तो इसमें 403 सदस्य आवेदन दे सकते हैं, लेकिन हमको आवेदन नहीं लेना है, बल्कि सर्च करना है। हमें ढूंढना है कि इसमें कौन सा विधायक उत्कृष्ट विधायक की श्रेणी के अन्तर्गत आ सकता है। हम किसको यह सम्मान दे सकते हैं। उत्तर प्रदेश की विधान सभा ने इसको प्रारम्भ किया है। आज इस अवसर पर मैं 403 मा0 सदस्यों को शुभकामनायें देता हूँ कि

(सभी सदस्यों ने मेजें थपथपायीं।)

आपके व्यवहार, आपके आचरण, आपके काम, आपकी योग्यता से आप जो अपनी बात रखते हैं, उससे यह सदन भी बहुत कुछ जानकारी कर सकेगा और इस सदन के माध्यम से प्रदेश के जनमानस के बीच में भी हम एक अच्छा सन्देश दे सकेंगे। हम सब लोग इसको पढ़ेंगे ऐसा मेरा निवेदन है और इस वर्ष का पुरस्कार अगले वर्ष दिया जायेगा।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का प्रथम प्रतिवेदन†

श्री मुकेश चौधरी-

मान्यवर, माननीय सभापति जी की अनुपस्थिति में मैं पंचायती राज समिति (2022-2023) के प्रतिवेदन सदन में प्रस्तुत कर रहा हूँ।

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का प्रथम प्रतिवेदन, जो जनपद-मथुरा, आजमगढ़, प्रतापगढ़, प्रयागराज, चित्रकूट, महराजगंज तथा देवरिया की जिला पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों से सम्बन्धित शिकायती पत्रों पर आधारित है, को प्रस्तुत करता हूँ।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का द्वितीय प्रतिवेदन†

श्री मुकेश चौधरी-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का द्वितीय प्रतिवेदन, जो जनपद हरदोई, गाजीपुर, बलिया, सिद्धार्थनगर, बुलन्दशहर, प्रतापगढ़ तथा रामपुर की जिला पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों से सम्बन्धित शिकायती पत्रों पर आधारित है, को प्रस्तुत करता हूँ।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का तृतीय प्रतिवेदन†

श्री मुकेश चौधरी-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का तृतीय प्रतिवेदन, जो जनपद बुलन्दशहर, मेरठ, गौतमबुद्धनगर, रायबरेली तथा लखनऊ की जिला पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों से सम्बन्धित शिकायती पत्रों पर आधारित है, को प्रस्तुत करता हूँ।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का चतुर्थ प्रतिवेदन†

श्री मुकेश चौधरी-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का चतुर्थ प्रतिवेदन, जो जनपद प्रतापगढ़, जौनपुर, मऊ, गाजीपुर, सुल्तानपुर, अमेठी तथा रामपुर की जिला पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों से सम्बन्धित शिकायती पत्रों पर आधारित है, को प्रस्तुत करता हूँ।

---

† छापा नहीं गया।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का पंचम प्रतिवेदन†

श्री मुकेश चौधरी-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश अट्ठारहवीं विधान सभा की पंचायती राज समिति (2022-2023) का पंचम प्रतिवेदन, जो जनपद-फिरोजाबाद, मथुरा, शामली, गाजीपुर, सम्भल तथा बरेली की जिला पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों से सम्बन्धित शिकायती पत्रों पर आधारित है, को प्रस्तुत करता हूँ।

सदन के पटल पर रखे गये प्रतिवेदनों पर चर्चा कराये जाने की मांग

नेता विरोधी दल (श्री माता प्रसाद पाण्डेय)-

मान्यवर, जो रिपोर्ट यहां सदन के पटल पर रखी जाती है। इस पर कोई विशेष चर्चा नही हो पाती है। पंचायती राज समिति अभी पिछली बार बनी थी मेरा आपसे अनुरोध है कि इन प्रतिवेदनों पर एक दिन एक घंटे की आप जब भी समय दें तो इस पर चर्चा करा दीजिए जिससे सब लोगों को जानकारी हो जाए कि क्या-क्या त्रुटियां रही हैं और क्या-क्या हुआ है क्योंकि इसमें नियम भी है कि इस पर प्रतिवेदनों पर चर्चा भी होनी चाहिए लेकिन आज तक प्रतिवेदनों पर कभी चर्चा हुई नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

मैं इसको दिखवा लूंगा आपसे विचार-विमर्श करके जैसा भी आपका सुझाव होगा अगर इस प्रकार से पहले कुछ हुआ है तब भी दिखवा लेंगे और अगर नही हुआ है और उसके नियम हैं तब भी दिखवा लेंगे। दोनो तरीके से दिखवा लेंगे।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का प्रथम प्रतिवेदन†

श्री मनीष असीजा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति, (2022-2023) का प्रथम प्रतिवेदन, जो भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष 2005-2006 (वाणिज्यिक) में उल्लिखित कानपुर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कम्पनी लिमिटेड से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

---

† छापा नहीं गया।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का द्वितीय प्रतिवेदन†

श्री मनीष असीजा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का द्वितीय प्रतिवेदन, जो भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष 2004-2005 (वाणिज्यिक) में उल्लिखित उ0प्र0 राज्य उत्पादन निगम लिमिटेड से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूं।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का तृतीय प्रतिवेदन†

श्री मनीष असीजा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का तृतीय प्रतिवेदन, जो भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष 1990-1991 (वाणिज्यिक) में उल्लिखित उ0प्र0 पावर कार्पोरेशन लिमिटेड, से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का चतुर्थ प्रतिवेदन†

श्री मनीष असीजा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का चतुर्थ प्रतिवेदन, जो भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष 2013-2014 (वाणिज्यिक) में उल्लिखित मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूं।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का पंचम् प्रतिवेदन†

श्री मनीष असीजा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का पंचम प्रतिवेदन, जो भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष 2012-2013 व 2016-2017 (वाणिज्यिक) में उल्लिखित उ0प्र0 प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लिमिटेड, से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

---

† छापा नहीं गया।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का षष्ठम् प्रतिवेदन†

श्री मनीष असीजा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति,(2022-2023) का षष्ठम् प्रतिवेदन, जो भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष (1999-2000), (2006-2007) एवं (2007-2008) (वाणिज्यिक) में उल्लिखित पिकप से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का सप्तम् प्रतिवेदन†

श्री मनीष असीजा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का सप्तम् प्रतिवेदन, जो भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष (2009-2010), (2011-2012) एवं (2013-2014) (वाणिज्यिक) में उल्लिखित उ0प्र0 पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का अष्टम् प्रतिवेदन†

श्री मनीष असीजा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का अष्टम् प्रतिवेदन, जो भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष (2012-2013) (वाणिज्यिक) में उल्लिखित यू0पी0 प्रोजेक्ट्स कार्पोरेशन लि0 से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

[12:43] उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का नवम् प्रतिवेदन†

श्री मनीष असीजा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का नवम् प्रतिवेदन, जो भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष (2010-2011) (वाणिज्यिक) में उल्लिखित उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद् से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

---

† छापा नहीं गया।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का दशम् प्रतिवेदन†

श्री मनीष असीजा-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2022-2023) का दशम् प्रतिवेदन, जो भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष (2013-2014) (वाणिज्यिक) में उल्लिखित उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-21

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का प्रथम प्रतिवेदन†

श्री सुनील कुमार शर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का प्रथम प्रतिवेदन, जो स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के प्रतिवेदन वर्ष (2013-2014) में उल्लिखित नगर विकास विभाग के अधीन नगर पालिका परिषद्, उन्नाव से सम्बन्धित ऑडिट आपत्तियों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

[12:45] उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का द्वितीय प्रतिवेदन†

श्री सुनील कुमार शर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का द्वितीय प्रतिवेदन, जो स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के प्रतिवेदन वर्ष (2013-2014) में उल्लिखित आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के अधीन मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण से सम्बन्धित ऑडिट आपत्तियों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

---

† छापा नहीं गया।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा-परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का तृतीय प्रतिवेदन†

श्री सुनील कुमार शर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का तृतीय प्रतिवेदन जो स्थानीय निधि लेखा-परीक्षा विभाग के प्रतिवेदन वर्ष (2010-2011), (2011-2012) तथा (2012-2013) में उल्लिखित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधीन क्रमशः डॉ0 जवाहर लाल रोहतगी नेत्र चिकित्सालय कानपुर, सीतापुर नेत्र चिकित्सालय बरेली, कमला नेहरू चिकित्सालय प्रयागराज, भारतीय चिकित्सा परिषद उ0प्र0 लखनऊ एवं गांधी नेत्र चिकित्सालय अलीगढ़ से सम्बन्धित ऑडिट आपत्तियों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

उत्तर प्रदेश की अट्ठारहवीं विधान सभा की प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा-परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का चतुर्थ प्रतिवेदन †

श्री सुनील कुमार शर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा-परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति (2022-2023) का चतुर्थ प्रतिवेदन जो स्थानीय निधि लेखा-परीक्षा विभाग के प्रतिवेदन वर्ष (2015-2016) में उल्लिखित आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के अधीन अयोध्या विकास प्राधिकरण से सम्बन्धित ऑडिट आपत्तियों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

अब अगली मद संख्या-25 में याचिकाएं हैं इसे बाद में ले लेंगे।

(इसी मध्य कई सदस्यों के अपने-अपने स्थानों से मद संख्या-25 लिये जाने का अनुरोध करने पर)

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्यगण, अभी आय-व्ययक पर चर्चा बाकी है। उसके बाद याचिका ले लेंगे। मा0 वर्मा जी, आप बतायें कि याचिकाएं कब लें ?

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, बाद में ले लें।

---

† छापा नहीं गया।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है। मेजॉरिटी का मत है कि याचिका बाद में ले ली जायें। अतः याचिकाएं बाद में ले जी जायेंगी। मद संख्या-26, 27 एवं 28 में कुछ नहीं है। अब मद संख्या-29

[12:47] कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 27 फरवरी, 2023 को नियम-56 के अन्तर्गत कुल 14 सूचनाएं प्राप्त हुयीं, जिनमें से शलाका के आधार पर निम्नलिखित सूचनाएं चयनित की गयीं। प्रथम तीन सूचनाओं को ग्राहयता हेतु सुना जायेगा तथा एक सूचना पर शासन का ध्यान आकर्षित किया जायेगा। पहली सूचना श्री उमाशंकर सिंह की जनपद प्रयागराज में दिनांक 24 फरवरी, 2023 को राजू पाल हत्याकांड से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है। दूसरी सूचना श्री माता प्रसाद पाण्डेय की जनपद-सिद्धार्थनगर का जिला चिकित्सालय जो कि मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध कर दिया गया है, के पैरामेडिकल कर्मचारियों का स्थानान्तरण लखनऊ मुख्यालय में करने के सम्बन्ध में है। तीसरी सूचना श्री लालजी वर्मा की जनपद अम्बेडकरनगर के एन0टी0पी0सी0 टांडा एवं अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण के सम्बन्ध में है।

आदरणीय श्री माता प्रसाद पाण्डेय जी की जो सूचना थी । आपने उस समय पूछ लिया था और मा0 मंत्री जी ने उसका जवाब दे दिया था। वह अब चले गये हैं। उस समय भी मैंने आपसे निवेदन किया था कि आप अगर बाद में कहना चाहें तो आपने कहा कि मैं अभी कह देता हूँ।

नेता विरोधी दल (श्री माता प्रसाद पाण्डेय)-

मा0 अध्यक्ष जी, अगर संसदीय कार्य मंत्री जी सुन लेंगे तो काम हो जायेगा।

अध्यक्ष-

मा0 माता प्रसाद पाण्डेय जी, वह विषय तो आपने रख ही दिया। मैंने उस समय भी आपसे निवेदन किया था।

मैंने उस समय भी आपको बताया था कि आपकी सूचना स्वीकार है अगर आप बाद में पूछना चाहें तो पूछ सकते हैं और यदि आप अभी पूछना चाहते हैं तो पूछ सकते हैं। इस पर आपने उसी समय प्रश्न पूछ लिया था। क्योंकि मा0 मंत्री जी चले गये हैं और आपकी सूचना की तैयारी करके आये थे अगर मा0 मंत्री जी न होते तो माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी आपके प्रश्न का उत्तर दे देते। इसके अलावा आप कुछ पूछना चाहते हैं तो मैं मा0 मंत्री जी से निवेदन कर लूंगा कि आपके जितने भी क्वेश्चन हैं उनका संज्ञान लेकर उत्तर दे दें।

श्री माता प्रसाद पाण्डेय-

ठीक है।

श्री अध्यक्ष-

एक नम्बर पर श्री माता प्रसाद पाण्डेय जी का प्रश्न हुआ था और दूसरे नम्बर पर श्री उमाशंकर सिंह जी का है।

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, 24 फरवरी, 2023 को प्रयागराज में हुई घटना के सम्बन्ध में, चूँकि आपने इसे स्वीकार किया है मैं आपका आभारी हूँ। शनिवार के दिन महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा के समय मा0 मुख्य मंत्री जी।

मा0 मुख्य मंत्री की तरफ से मा0 सदस्यों हेतु लन्च एवं चाय की व्यवस्था सम्बन्धी सूचना

श्री अध्यक्ष-

एक मिनट, एक सूचना आई है जिसके लिए मैं बीच में रोक रहा हूँ। आज सोमवार से माननीय मुख्य मंत्री जी के सुझाव पर, उनके निर्देश पर मा0 वित्त मंत्री जी ने जितने दिन बजट के ऊपर सामान्य चर्चा होगी और जितने दिन मद लिए जायेंगे, विभाग वार चर्चा होगी सभी दिनों के लिए यहां पर विधान सभा की कैन्टीन में सभी मा0 सदस्यों के लिए 12 बजे से लन्च तैयार हो जायेगा और शाम को 5 बजे से लेट नाईट तक जब तक बैठेंगे तब तक वहां पर चाय और स्नैक्स की व्यवस्था की गयी है। यह मुझे सूचना देनी थी।

श्री इकबाल महमूद-

मान्यवर, रात के 12 बजे तक बैठेंगे तो डिनर की भी व्यवस्था करा देते?

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इस पर विचार कर लेंगे।

कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं (क्रमागत)

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, उस चर्चा के दौरान जब मा0 नेता सदन जी को बोलना था तो हम सब विपक्ष के साथियों की तरफ से उस बात को संज्ञान में लाया गया। मेरा और मेरी पार्टी का जो मत है क्योंकि हमारी पार्टी कभी भी, चूँकि इधर से हमारे नेता प्रतिपक्ष आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी ने कहा कि बसपा का नाम नहीं लिया जा रहा है। बसपा का यह इतिहास रहा है कि किसी भी आपराधिक व्यक्ति को कभी बर्दाश्त नहीं करती है। सांसद विधायक कोई भी हो उसके ऊपर भी बहुजन समाज पार्टी की सरकार के समय में कार्यवाही हुई

है। जब बहन सुश्री मायावती जी मुख्य मंत्री थीं और हमारी पार्टी के सांसद के ऊपर एक आरोप लगा, उस आरोप के चलते चूँकि एक सांसद होने के नाते उसकी गिरफ्तारी पुलिस वाले नहीं कर पा रहे थे, बहन जी को यह महसूस हुआ तो उन्होंने मुख्य मंत्री आवास पर उस सांसद को बुला लिया था।

अध्यक्ष-

क्या आप बहुजन समाज पार्टी की उपलब्धियाँ बता रहे हैं ? आप विषय बतायें।

श्री उमाशंकर सिंह-

मान्ययर, मैं उसी पर आ रहा हूँ यह बात परसों आ गयी थी इसलिए यह बात लाना जरूरी था कि बसपा का क्या चरित्र रहा है। अध्यक्ष जी, चूँकि इस समय जब हम सदन में बैठे हैं जिस तरह से माफियाओं ने इतना बड़ा कृत्य किया है, इसके लिए मैं आपके माध्यम से मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी से आग्रह करूँगा कि इसकी उच्च स्तरीय जांच करायी जाय और उच्च स्तरीय जांच कराकर जो दोषी हों उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाय। मा0 अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी से आग्रह करूँगा कि जो मुख्य गवाह उमेश पाल जी थे उनकी पत्नी को कम से कम 5 करोड़ रुपये और एक सरकारी नौकरी तथा जो मृत कान्सटेबल है उनके परिवार को भी 5 करोड़ रुपये और एक सरकारी नौकरी देने का काम किया जाय। आपके माध्यम से मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी से अपील करूँगा कि इसमें किसी तरह का भेद-भाव न किया जाय और उच्च स्तरीय जांच कराकर जो दोषी हो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाय।

(विधायक श्री लालजी वर्मा के खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

***वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मान्यवर, नियम-56 में न तो यह नियम है और न ही यह परम्परा है। मान्यवर, आज नियम 56 के माध्यम से माननीय उमाशंकर जी ने यह विषय उठाया है। 24-02-2023 को शाम को 5.00 बजे की यह अत्यंत दुखद घटना है। प्रयागराज में थाना धूमनगंज क्षेत्र में यह घटना हुई। मैं समझता हूं कि हम लोग संचार माध्यमों का संज्ञान सदन में नहीं लेते हैं लेकिन फिर भी बहुत बड़े पैमाने पर इसको टेलीवीजन पर और अन्यथा उसको बाकायदा दिखाया गया कि यह घटना किस प्रकार हुई। मान्यवर, यह तो बहुत ही दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी निन्दा जितनी की जाये, कम है। लेकिन घटना की जो पृष्ठभूमि है वह मैं सदन के सामने रखना चाहता हूं। 2005 में श्रीमती पूजा पाल पत्नी स्वर्गीय राजू पाल द्वारा अपने पति

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

की दिनांक 25-01-2005 को हुई हत्या के सम्बन्ध में अपराध संख्या-34/2005, धारा-147, 148, 149, 302, 307, 506, 120, आई0पी0सी0 तथा 7 लॉ क्रिमिनल अमेण्डमेन्ट एक्ट सरकार बनाम अतीक अहमद आदि के विरुद्ध थाना धूमनगंज प्रयागराज पर पंजीकृत कराया गया था। इस मुकदमें में मृत कृष्ण कुमार पाल उर्फ उमेश पाल उसमें एक महत्वपूर्ण गवाह थे। साथ ही इसी मुकदमें की गवाही की वजह से इस हत्या के तार जुड़े हैं। वर्ष 2007 में यह कृष्ण कुमार पाल उर्फ उमेश पाल के अपहरण के सम्बन्ध में एक मुकदमा और पंजीकृत हुआ। क्राइम नम्बर 270/7 धारा 147, 148, 149, 323, 341, 342, 364, 504, 506, 34 आई0पी0सी0 व 7 लॉ क्रिमिनल अमेण्डमेन्ट एक्ट यह भी थाना धूमनगंज में पंजीकृत हुआ सरकार बनाम अतीक अहमद। यानी जो उसमें मुख्य रूप से मुल्जिम थे वह इसमें भी थे। अतीक अहमद आदि के विरुद्ध पंजीकृत हुआ। इस अभियोग को कृष्ण कुमार पाल द्वारा जल्दी सुनवाई के लिए मामला उच्च न्यायालय में गया था। उसमें 16-01-2023 को यह आर्डर हुआ कि दो महीने के अन्दर ट्रायल कनक्लूड करें। इसके खिलाफ मामला सुप्रीम कोर्ट में गया। 17-02-2023 को सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा कि 6 हफ्ते में ट्रायल पूरा करें। मुकदमे में कृष्ण कुमार पाल उर्फ उमेश पाल एवं अन्य सभी गवाहों की गवाही पूर्ण हो चुकी है। कृष्ण कुमार पाल उर्फ उमेश पाल की सुरक्षा के लिए दो सशस्त्र पुलिस कर्मी गनर दिये गये थे। मान्यवर यह उसकी पृष्ठभूमि है, जिसकी वजह से अभी तक जो विवेचना हुई है, उसके आधार पर यह निष्कर्ष है कि इस घटना के तार उस पृष्ठभूमि से जुड़े हैं। किसी न किसी मर्डर में कोई न कोई कारण जरूर होता है। बिना कारण के मर्डर नहीं होता। इसलिए यह बताना आवश्यक था। साथ ही उसमें एक व्यक्ति की, एक सिपाही की डेथ हो गयी, संदीप की। लेकिन जो दूसरा सिपाही है उसकी स्थिति भी गम्भीर बनी हुई है। राघवेन्द्र सिंह को 26-02-23 को प्रयागराज से लखनऊ तक ग्रीन कॉरीडोर बनाकर एस0जी0पी0जी0आई0 में भर्ती कराया गया है।

मान्यवर, पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के द्वारा 10 टीमों का गठन किया गया है ताकि इसमें जल्दी से जल्दी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हो सके और यह मुकदमा जो पंजीकृत हुआ है इसका क्राइम नम्बर 114/23 है और थाना दूमनगंज में शाम 6 बजे पंजीकृत है इसमें भी अतीक अहमद पर धारा 147, 148, 149, 302, 307, 506, 534, 120 बी आई0पी0सी0-3 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम व 7 क्रिमिनल लॉ अमेण्डमेन्ट एक्ट थाना धूमनगंज, प्रयागराज में एफ0आई0आर0 पंजीकृत हुई है। पुलिस कमिश्नर के द्वारा जो सूचना दी गयी है उसमें 10 टीमें बनाई गयी हैं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए और एस0टी0एफ0 उत्तर प्रदेश की टीम को भी घटना के अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगाया गया है और घटना में सम्मलित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुरस्कार घोषित करने की भी योजना है हो सकता है हो भी गया हो। सरकार ने इसको बहुत ही गम्भीरता से लिया है उस दिन भी जब माननीय नेता विरोधी दल ने यह मांग उठाई थी तो उस दिन भी माननीय मुख्य मंत्री जी ने इसका संज्ञान लेकर इस

बात को कहा था कि हम किसी को भी जो भी उसमें दोषी पाया जायेगा वह छोड़ा नहीं जायेगा चाहे वह किसी भी स्तर का व्यक्ति हो और हर तरह से मैं भी आपको सदन के माध्यम से पूरे सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं और जैसा का माननीय उमाशंकर जी ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति चाहे वह किसी भी स्तर का हो कहीं पर हो जो भी इसमें दोषी पाया जायेगा उसको निश्चित रूप से सजा जरूर मिलेगी। यह नियम-56 में नहीं आता है।

श्री अध्यक्ष-

मैंने श्री उमाशंकर जी का सुना मा0 मंत्री जी को सुना यह नियम 56 में नहीं आता है इसको अग्राहय करते हैं। यह पूरा विषय आ चुका है इसको परसों भी सुना गया और इसके सन्दर्भ में पूरी बात हो चुकी है।

***श्री लालजी वर्मा-**

मान्यवर, एक महत्वपूर्ण प्रश्न है हमारे यहां टांडा में अम्बेडकरनगर जिले में एन0टी0पी0सी0 का प्रोजेक्ट है 1320 मेगावाट का साथ में अल्ट्रा सीमेंट फैक्टरी है और एन0टी0पी0सी0 की राख को जहां ले जाकर इकट्ठा किया जाता है वह 600 एकड़ में फैला हुआ है। जब गर्मी के दिनों में आंधी चलती है विशेषकर जब सीमेंट बनाने का काम अल्ट्रा सीमेंट फैक्टरी करती है तो जो धूल उड़ती है उससे हमारे क्षेत्र में कम से कम एक दर्जन गांव में लोगों का बाहर बैठना मुश्किल हो जाता है कि इतनी धूल उड़ती है। इसी तरह से एन0टी0पी0सी0 की राख का जो बंधा है और थोड़ी भी आंधी चल जाये या हवा चल जाये तो आप देखेंगे कि सारे गावों में लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है और जिसके कारण बीमारी भी फैल रही है और उस राख को ढोने के लिए ट्रक से बाहर ले जाने का काम होता है और जब बाहर वह ले जाने का काम करते है टांडा मार्ग से तो उससे भी धूल उड़ती है और अगल बगल के गांवो में मकदूमनगर, बहेरा, हुसेनपुर सुधाना, उत्वापुर आदि में से टांडा शहर तक वह राख उड़ कर जाती है। जिसके कारण बड़े पैमाने पर पर प्रदूषण फैल रहा है और बार-बार हम लोगों ने आग्रह किया लेकिन उसका समुचित उपाय नहीं हो रहा है और पानी का ठीक से छिड़काव नहीं हो रहा है। एन0टी0पी0सी0 द्वारा एक रास्ता निकाला गया था कि राख ढोने का काम बाहर से किया जायेगा आबादी से नहीं किया जायेगा लेकिन रास्ता न बना होने के कारण जो हमारी मुख्य सड़क है उससे ट्रक गुजरते हैं। जिसके कारण उस क्षेत्र में आम लोगों का जीवन ठीक से चल पाना मुश्किल हो रहा है। मेरा भी गांव उसी के इर्द-गिर्द है मैं एक दिन जब निकला तो कही कुछ दिखाई ही नहीं पड़ रहा था ऐसा लग रहा था कि क्या हो गया है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

तो इस तरह का प्रदूषण है इसलिये मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि इस विषय पर विस्तृत चर्चा करा दें जिससे इस समस्या का समाधान हो सके।

वन एवं पर्यावरण मंत्री (डॉ0 अरूण कुमार)-

माननीय अध्यक्ष महोदय, सम्मानित सदस्य श्री लालजी वर्मा ने आज नियम-56 की सूचना के अन्तर्गत जो नोटिस दी है उसके सम्बन्ध में अवगत कराना है कि माननीय सदस्य ने कहा है कि फैक्ट्री से उत्सर्जित राख के कारण जीवन निवर्हन कर पाना मुश्किल है। जिस पर मैंने वहां की फैक्ट्री से सूचना मंगवाई है लेकिन इसमें यह नहीं लिखा है कि जो राख इकट्ठी होती है वह कहाँ जाती है जिसके बारे में मैं मालूम कर लूँगा । माननीय वर्मा जी बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं। मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेण्ट लिमिटेड, अम्बेडकरनगर वर्ष 2004 से स्थापित तथा संचालित है जिसमें दो चिमनियाँ हैं जिनमें वायु प्रदूषण नियंत्रण को रोकने और उनकी जांच करने के यंत्र लगे हुये हैं ताकि किसी तरह का प्रदूषण ना हो। जहां तक इकाई के फ्लाई ऐश के ट्रांसपोर्टेशन का सवाल है तो यह टैंकर के माध्यम से किया जाता है। उद्योगों में डस्ट के नियंत्रण हेतु समय-समय पर जल छिड़काव किया जाता है। उद्योग द्वारा फ्लू गैसों के अनुश्रवण हेतु स्थापित चिमनी में प्राविधान किया है। बोर्ड द्वारा जारी आदेशों के क्रम में उद्योग की चिमनी के सम्बन्ध में आई0सी0ई0एम0एस0 की व्यवस्था की गई है जो संचालित पाई गई। जहां तक मेसर्स एन0टी0पी0सी0, विद्युतनगर, टाण्डा, अम्बेडकरनगर का सवाल है तो उसके बारे में मैं यही कहूँगा कि उद्योग में विद्युत उत्पादन प्रक्रिया में कोयले के प्रज्जवलन से राख उत्सर्जित होती है जिसके निस्तारण हेतु राख में जल मिश्रित करते हुए उद्योग से पाइप लाइन के माध्यम से ऐश डाइट तक पहुँचाये जाने की व्यवस्था स्थापित है तथा ऐश डाइट से जनित उत्प्रवाह को पुनः चक्रित कर ऐश डिस्टलरी बनाने में प्रयोग किया जाता है। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण की दृष्टि से भी चिमनियाँ लगी हुई हैं वायलर्स हैं। वायु प्रदूषण नियंत्रण के रूप में पृथक-पृथक स्थापित है। उद्योग द्वारा ब्लू गैसों के अनुश्रवण हेतु स्थापित चिमनियों में व्यवस्था है। बोर्ड द्वारा जारी निर्देशों के अनुक्रम में उद्योग द्वारा निस्तारित हो रहे चिमनी आनलाइन उत्सर्जन मापन सिस्टम की स्थापना कर ली गई है। माननीय सदस्य द्वारा जिन ग्रामों में राख उड़ने के कारण बीमारी होने की बात कही गई है उसके सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी अम्बेडकरनगर से आख्या मांगी गई है जो प्रतीक्षित है।

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, जहां पर ऐश डाई इकट्ठा हो रही है वह एरिया लगभग 600 एकड़ का है जो पूरी तरह से ऐश डाई से भरा हुआ है और पहाड़ की तरह कई गुना ऊँचा हो गया है। अगर उस पर समय-समय पर जल छिड़काव होता रहे तो निश्चित रूप से नहीं उड़ेगा, लेकिन जल छिड़काव ना करने से वह हमेशा उड़ता रहता है। मैं माननीय मंत्री जी

से निवेदन करूँगा और स्वागत करूँगा कि एक बार यह हमारे यहां पर आ जायें और सीमेण्ट फैक्ट्री को अपने सामने चलवाकर देख लें क्योंकि वहां से आख्या भेजी गई है कि जब सीमेण्ट फैक्ट्री चलती है तो राख नहीं उड़ती है । मैं माननीय मंत्री जी के भोजन इत्यादि की पूरी व्यवस्था करूँगा और पूरा स्वागत करूँगा, मेरा अनुरोध है कि माननीय मंत्री जी मेरे साथ वहां पर चलकर वास्तविकता देख लें।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री जी उद्योग मंत्री नहीं हैं। फैक्ट्री चलने के बाद वहां पर प्रदूषण ना हो इनका काम यह देखने का है।

श्री लालजी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी वहां चलकर स्वयं देख लें कि फैक्ट्री से राख उड़ने पर ईद-गिर्द के लोग बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। वहां यह स्थिति होती है कि हम जो कपड़ा पहनते हैं वह राख के कारण पूरे काले हो जाते हैं। आप स्वयं देख लें और इसकी जांच करा लें तो निश्चित रूप से मेरी बात को सही पायेंगे। मेरा अनुरोध है कि इस गंभीर समस्या का समाधान करा दिया जाये।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय वर्मा जी ने जो प्रश्न उठाया है उसके बारे में वहां पर जो व्यवस्थायें विद्यमान हैं, माननीय मंत्री जी ने उसकी वहां से रिपोर्ट मंगाकर अवगत करा दिया है। माननीय सदस्य अगर उसके विपरीत कोई बात कह रहे हैं तो जाहिर सी बात है कि वहां पर व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी। हम यह मानकर चलते हैं कि माननीय सदस्य बिल्कुल ठीक कह रहे हैं और वहां पर जरूर कोई ना कोई प्राब्लम होगी। चाहे वह प्राब्लम आँखों की हो, चाहे शरीर की हो या फिर सांस लेने की हो। अगर वहां पर वायु प्रदूषण की समस्या है तो हम उसको अलग से दिखवा लेंगे और वहां के जिलाधिकारी से आज ही बात करके रिपोर्ट मंगवाकर कार्यवाही करायेंगे। जैसा कि माननीय मंत्री जी ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग से रिपोर्ट प्राप्त कर रहे है तो हम इसमें भी कार्यवाही करायेंगे। निश्चित रूप से इस समस्या का समाधान होना चाहिये। मैं आज इस बात को सुनिश्चित कराऊँगा।

श्री अध्यक्ष-

मैंने माननीय लालजी वर्मा जी को सुना और माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी को सुना। इसमें सरकार की तरफ से समुचित उत्तर आ गया है और यह सूचना नियम-56 में नहीं आती है इसलिये मैं इसे अस्वीकार करता हूँ। अगली सूचना श्री जिया उर रहमान बर्क की है जिसमें उन्होंने श्रीमती शाबिरा खातून पत्नी श्री महबूब आलम, 301, तृतीय तल, सरवरी

अपार्टमेण्ट, बर्लिंगटन कम्पाउण्ड, कैंट रोड, कैसरबाग, लखनऊ का पुलिस द्वारा उत्पीड़न करने का विषय उठाया है। मैं सूचना पर शासन का ध्यान आकृष्ट कराता हूँ और इसमें जो भी कार्यवाही अपेक्षित हो वह कराई जाये।

[01:09] उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) अध्यादेश, 2023 का अननुमोदन का संकल्प

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से संकल्प प्रस्तुत करती हूँ कि यह सदन उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) अध्यादेश, 2023 का अननुमोदन करता है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि यह सदन उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) अध्यादेश, 2023 का अननुमोदन करता है।

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

[01:12] उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक, 2023

आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री नितिन अग्रवाल)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक, 2023 पर विचार किया जाये।

श्री अध्यक्ष-

सभी सदस्य इसमें रुचि लें क्योंकि जनरली कहा जाता है कि सदन के माननीय सदस्य विधेयक पर रुचि नहीं लेते हैं। जितने भी सदस्य इस विषय पर बोलेंगे मैं सभी को इस पर बोलने की अनुमति दूँगा। अगर विषय के बारे में जानकारी नहीं है तो कोई बात नहीं है। विषय के बाहर नहीं बोलियेगा और बिना जानकारी के नहीं बोलियेगा।

श्री नितिन अग्रवाल-

माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में चीनी कारखानों द्वारा उत्पादित शीरा मूल्य के नियंत्रण, भण्डारण, श्रेणीकरण, आपूर्ति, वितरण के विनियमों का उपबन्ध करने के लिए उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण अधिनियम, 1964 अधिनियमित किया गया है। प्रदेश में 158 चीनी मिले हैं जिसमें केवल 120 इकाईयाँ चीनी का निर्माण और बाईप्रोडक्ट शीरा का उत्पादन करती हैं। इसी के साथ यह देखा गया है कि प्रदेश में खाण्डसारी इकाईयाँ बहुत तेजी के साथ आईं और वह भी चीनी बनाने लगीं। साथ ही उन खाण्डसारी इकाईयों में चीनी के बाईप्रोडक्ट शीरे का उत्पादन भी होने लगा। प्रायः यह भी देखा गया कि खाण्डसारी इकाईयों से निर्मोचित शीरे की अनियंत्रित व अनियमित बिक्री हो रही है। इसको लाने का उद्देश्य हमारा मुख्य उद्देश्य यही

था कि जो शीरा अनियंत्रित है और जो इस अधिनियम के अन्तर्गत नहीं आता है हम उस पर कैसे नियंत्रण स्थापित करें। प्रदेश सरकार कृतसंकल्पित है और दृढ़ता के साथ काम कर रही है कि उत्तर प्रदेश में अवैध शराब का निर्माण पूरी तरह से बंद हो, जो लोग इसको कर रहे हैं हम उनके खिलाफ कार्यवाही कैसे करें और अवैध शराब के निर्माण का जो सोर्स है उसको हम कैसे रोकें। इसको लाने का मुख्य उद्देश्य हमारी सरकार का यही है और इसी कारण हम अध्यादेश लेकर आये हैं कि खाण्डसारी चीनी मिलों से जो शीरा निकलता है वह चूंकि अनियमित है और अनियंत्रित है इसलिये उसे नियंत्रित करें और इस अधिनियम के अन्दर लाकर इसको रोका जाये। ऐसी परिस्थिति में खाण्डसारी इकाईयों से जो बाईप्रोडक्ट के रूप में शीरा आ रहा था उसके सम्व्यवहार और कारोबार को विनियमित किया जाना समीचीन हो गया था। मान्यवर, उसके संव्यवहार और कार्यभार को विनियमित किया जाना समीचीन हो गया था क्योंकि शीरे का मद्यसारिक पान में अवैध संपरिवर्तन से राजस्व का भारी नुकसान होता है बल्कि मानव जीवन का भी भारी नुकसान हो रहा था।

ऐसी परिस्थितियों में मौजूदा सरकार को चीनी उद्योगों के साथ-साथ खाण्डसारी चीनी निर्माण ईकाइयों से निर्मोचित शीरे की बिक्री आपूर्ति और वितरण का विनियामक शुल्क अधिरोपित करने के लिए प्रेरित किया ताकि हम इस तरीके के निर्मुक्त शीरे पर परिवेक्षण एवं नियत्रंण में उपगत लागत एवं व्यय की पूर्ति कर सकें। सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद राज्य सरकार के लिए चीनी कारखानों द्वारा उत्पादित शीरे के साथ-साथ खाण्डसारी चीनी विनिर्माण ईकाईयों द्वारा उत्पादित शीरे की बिक्री के आपूर्ति, भण्डारन, श्रेणीकरण के बेहतर नियत्रंण एवं विनियमन के लिए विद्यमान अधिनियम की सुसंगत धाराओं में संशोधन करना अति आवश्यक हो गया था और मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि हम लोग इसमें एक रेगुलेटरी फीस भी ला रहे हैं क्योंकि चीनी मिलों में इंस्पेक्टर के साथ-साथ स्टॉफ नियुक्त होता है। इसी के साथ-साथ जोनवार शीरा टेस्टिंग प्रयोगशालाएं स्थापित की गयी हैं, इन्टीग्रेटेड चीनी मेनेजमेण्ट सप्लाई सिस्टम के अन्तर्गत चीनी मिल में शीरे के उत्पादन से लेकर इसके विक्रय की सम्पूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाइन किया है। हमारा विभाग कॉस्ट इंकर कर रहा है उस कॉस्ट को देखते हुए हम एक रेगुलेटरी फीस लेकर आए हैं जो 20 क्विंटल की रेगुलेटरी फीस है, जिसको चीनी मिलों के साथ-साथ खाण्डसारी चीनी मिलों पर भी लगाया जायेगा। करीब 294 पंजीकृत खाण्डसारी ईकाइयां उत्तर प्रदेश में हैं और इसका बाई-प्रोडेक्ट शीरा है वह प्रदेश में करीब एक लाख 47 हजार क्विंटल शीरे का उत्पादन करती हैं। सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि अनियंत्रित शीरे को नियंत्रित किया जाए। उसको नियंत्रित करने के लिए मैं इस अधिनियम को लेकर आया हूँ और मैं चाहता हूँ कि यह सदन क्योंकि यह जन-मानस का एक महत्वूपर्ण विषय है। जान-माल को कोई खतरा न हो, अवैध शराब से किसी भी व्यक्ति की जान न जाए। इस पर हम लोगों

ने काफी हद तक कंट्रोल किया है। उसके लिए मैं यह अध्यादेश लेकर आया हूँ और मैं सदन से अनुरोध करूँगा कि हम एकुजट एवं एकमत होकर इस अध्यादेश को पारित करें। मान्यवर, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

***श्री माता प्रसाद पाण्डेय-**

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक, 2023 को इस सदन की एक प्रवर समिति के सुपुर्द कर दिया जाय जो अपना प्रतिवेदन एक माह के अन्दर सदन में प्रस्तुत करे।

मान्यवर, यद्यपि हम ऐसे क्षेत्र से आते हैं जहां पर खाण्डसारी मिलें नहीं हैं। वहां राब बनता है, राब द्रव के रूप में होता है अभी तक उन पर कोई भी टैक्स नहीं लगता था। आप इस अध्यादेश के माध्यम से उन पर भी टैक्स लगाने जा रहे हैं और जो खाण्डसारी यूनिट है, जब आपकी मिलें पूरा गन्ना नहीं पेर पाती हैं, वह पूरा गन्ना नहीं खरीद पाती हैं तो यही किसानों को सबसे ज्यादा लाभ देती हैं लेकिन मूल्य तो गन्ना मिल के बराबर ही देते हैं, उनकी रिकवरी गन्ना मिल के बराबर आती नहीं है। अगर शीरे पर भी मिल की तरह नियत्रंण हो जायेगा तो गन्ने का मूल्य दे नहीं पायेंगे क्योंकि चीनी रिकवरी मिल के अनुरूप होती तो यह दे सकते थे। अगर आप टैक्स लगा देंगे तो खाण्डसारी मिलें कमजोर हो जायेंगी। जिससे किसानों का नुकसान होगा। आप कह रहे हैं कि किसान शराब बनाते हैं। अरे, शराब राब से ही नहीं बल्कि गुड़ और महुआ से भी बनाते हैं और मा0 मंत्री जी नदी के किनारे यूरिया डालकर भी शराब बनाते हैं।

माननीय मंत्री जी, शीरे से शराब बनाना आप रोक नहीं पाएंगे। बिहार में पूरी बन्दी है क्या बन्द हो पा रहा है, रोज पकड़े जाते हैं, इसलिए हम नकली शराब न बनायें, देहातों में नकली शराब न जाए उसके लिए हम शीरा पर नियंत्रण लगा रहे हैं, यह कारण क्यों बता रहे हैं। आपको कारण कोई दूसरा बताना चाहिए, कारण तो यह है कि मिल वालों का घाटा हो रहा है, जो प्राइवेट ले रहे हैं उनको फायदा हो रहा है। मिल वाले काफी पैसा देकर खरीद रहे हैं इसलिए उनको महंगा पड़ जा रहा है इसलिए आप जो कुछ ये विधेयक लाए हैं यह शुगर फैक्ट्री के मालिकों के हित में है, किसानों के हित में यह नहीं है। किसानों के हित में तब होता जब किसानों के लिए भी आप कुछ करते, न रिकवरी है, न आप उनको सुविधा देते हैं, गन्ने का मूल्य हिसाब से तय करते हैं लेकिन किसान भी मिल के हिसाब से पैसा लेता है और शीरा भी नहीं बेच पाएगा तो गन्ने के दाम के भुगतान का क्या होगा, यह होगा कि ये सारी खांडसारी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मिलें बंद हो जाएगी और किसानों का गन्ना खेतों में बड़े पैमाने पर खड़ा रह जाएगा इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है, वैसे मैं इस पर संशोधन दे नहीं पाया था, घर चला गया था, अब हर कारखाने के साथ आपने खांडसारी भी जोड़ दिया है, यही तो किया है न। जहां भी शीरा ऐक्ट में मिल और कारखाना था वहां खांडसारी भी कर दिया है और खांडसारी को कारखाना में लगा दिया, क्या खांडसारी कारखाना है? क्या कारखाने की सुविधा खांडसारी मिलों को आप दे रहे हैं ? वैसी सुविधा आप दे रहे हों आप अपने भाषणों में बताइएगा। इस विधेयक में 2(ठ) देखिए, जिसमें लिखा है कि 'चीनी सिरप' का तात्पर्य गन्ना के सांद्रित रस से है जिसमें कुल घुला ठोस अंश 50 डिग्री के अन्यून हो, जैसा कि ब्रिक्स द्वारा उपदर्शित हो। 50 डिग्री ब्रिक्स के नीचे उसे किसी वैक्यूम पैन चीनी कारखाना में ब्रिक्स प्रतिशत द्वारा उपदर्शित सांद्रता पर आधारित गाढ़ा रस या रस के रूप में माना जा सकता है। अब यह भी आप मान लेंगे कैसे होगा? मैं बहुत ज्यादा नहीं कहूंगा, मान्यवर, अभी और लोग भी बोलेंगे बस एक चीज आपसे कहूंगा कि यह एक्ट किसानों के विरोध में है और सन् 1964 में लागू हुआ था। सन् 1964 में शुगर मिलों पर शीरा नियंत्रण-आबकारी नियंत्रण लागू था जिसे वर्ष 2023 में अध्यादेश चीनी मिलों के साथ खांडसारी यूनिट भी लागू कर रहे हैं। मैं केवल एक ही बात आपसे कहना चाहता हूं कि इससे केवल भ्रष्टाचार बढ़ेगा, ये रोज वहां जांच करेंगे और इससे सबसे ज्यादा गन्ना मूल्य प्रभावित होगा क्योंकि खांडसारी वह दाम नहीं दे पाएगी जो दाम किसान वहां पा रहे हैं, वह नहीं पाएंगे। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि इसको आप प्रवर समिति में भेज दीजिए, वहां इस पर खण्डशः विचार हो जाए और खण्डशः विचार करने के बाद, फिर वह सदन में आए और इस पर चर्चा हो, फिर आप इसे पास कराइए क्योंकि इससे तो बड़ा नुकसान हो जाएगा।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

माननीय अध्यक्ष जी, वैसे तो वरिष्ठ सदस्य माननीय माता प्रसाद पाण्डेय जी ने सारे पक्ष रख दिये हैं लेकिन मैं माननीय मंत्री जी से केवल इतना ही कहना चाहती हूं, जो कि मेरा सुझाव है कि अगर टैक्स उतना ही रखा, जिस तरह से खांडसारी चीनी मिलों पर रखने की बात आपने इसमें की है और उसकी आपने वजह भी बताई है कि क्योंकि उस पर आपको स्टॉफ रखना पड़ेगा। इसका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा क्योंकि जो गन्ने के मूल्य की बात आदरणीय सदस्य जी ने कही, वह ये दे नहीं पाएंगे। ये खांडसारी मिलें बन्द होंगी और जो किसानों की खरीद होती है, किसान अपने गन्ने को बेचकर जो कुछ कमा पा रहे हैं। वह भी सीधे-सीधे प्रभावित होगा, इसलिये इसको प्रवर समिति को भेजा जाय और वहां पर इस पर विस्तृत चर्चा हो, क्योंकि पूरी तरह से यह गन्ना किसानों को प्रभावित करने वाला यह संशोधन है, इस पर पुनर्विचार कर लें।

श्री उमाशंकर सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय श्री माता प्रसाद पाण्डेय जी ने और आदरणीया आराधना मिश्रा जी ने जो संशोधन प्रस्ताव रखा है, मैं उससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं। अध्यक्ष जी, आदरणीय माता प्रसाद पाण्डेय जी ने सारी चीजें बहुत डिटेल में रखी हैं। इसमें जो सबसे ज्यादा चिन्ता का विषय है, मान्यवर, यह अधिनियम 1964 को लागू हुआ था और जो हम इसे प्रवर समिति को सुपुर्द करने की बात कह रहे हैं, इसका मात्र उद्देश्य यह है कि माननीय मंत्री जी ने अपने उद्देश्य और कारण में जिस बात का उन्होंने व्याख्यान किया है, यह उसमें कितने गम्भीर हैं और कितनी इसमें हम जल्दबाजी कर रहे हैं ? अध्यक्ष जी, चूंकि राज्य विधान मण्डल में नहीं था और पूर्वोत्तर विनिश्चय को क्रियान्वित करने के लिये तुरन्त विधायी कार्यवाही की जानी आवश्यक थी। अतः राज्यपाल द्वारा दिनांक 06 फरवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण संशोधन अध्यादेश, 2023, उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या-1 प्रख्यापित किया गया। यानी हम इसमें जल्दबाजी दिखाये, जबकि हमारा दिसम्बर में भी सत्र था, हम उस दिसम्बर में भी इस विधेयक को ला सकते थे। हम जानते हैं कि फरवरी में फिर हमारा सत्र आ रहा है, लेकिन इस बीच में जिस समय सत्र नहीं था, उसको हमने महामहिम राज्यपाल से अनुमोदन कराकर लागू कर दिया। मेरा मतलब है कि जो 1964 से व्यवस्था दी गई थी, मान्यवर, भारतीय जनता पार्टी की 06 साल से सरकार भी है, 06 साल में इसके पहले भी तमाम अध्ययन हुए होंगे, क्या उस समय यह विषय नहीं आया, जैसा आज माननीय मंत्री जी दारू बनाने की बात कह रहे हैं ? मान्यवर, हम इसके पक्षधर नहीं हैं कि अवैध दारू बने या अवैध इसका इस्तेमाल हो। हमारा संशोधन लाने का उद्देश्य केवल यह है कि हम जल्दबाजी में ऐसा कुछ न करें, नहीं तो हमें 15 दिन, 01 महीना या अगले सत्र में फिर संशोधन लाना पड़ेगा। इसलिये इसको प्रवर समिति को सुपुर्द करें। क्योकि इसमें जल्दबाजी इसलिये भी प्रतीत होती है कि आप दिखा रहे हैं कि उस समय सत्र नहीं था, इसलिये हमने इसको 06 फरवरी को ही लागू कर दिया। इसलिये मेरा आग्रह है कि इसको प्रवर समिति को सुपुर्द कर दीजिये। यद्यपि संख्या बल में आपकी संख्या ज्यादा है, लेकिन उसमें विस्तृत चर्चा हो जायेगी, हो सकता है कि उसमें कुछ और चीजें निकल कर आ जायें, जिससे हमें बार-बार संशोधन न लाना पड़े। इसलिये आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आदरणीय माता प्रसाद पाण्डेय जी के संशोधन प्रस्ताव पर बल देता हूं और फिर आपसे आग्रह करता हूं कि इसे प्रवर समिति को सुपुर्द कर दिया जाये जो अपना प्रतिवेदन 01 माह के अन्दर देगी। सदस्यों के नाम बाद में दे दिये जायेंगे।

श्री अध्यक्ष-

विधेयक आने के पहले मैंने एक निवेदन किया था। मैं सभी सदस्यों को यह फ्लोर ओपेन कर रहा हूं, जिन्होंने इस विधेयक को पढ़ा था, क्योंकि विधेयक पिछले सप्ताह पुरः स्थापित कर दिया गया था और इसको चर्चा के लिये आज रखा गया था। यदि कोई और माननीय सदस्य इस पर अपना विचार रखना चाहते हैं तो वह रख सकते हैं।

(सदस्य, श्री लालजी वर्मा के बोलने का प्रयास करने पर)

माननीय वर्मा जी आपको सबसे लास्ट में। कोई अन्य माननीय सदस्य जिन्होंने इस विधेयक को पढ़ा हो, यह बात मैं यहां पर इसलिये कह रहा हूं, आज जिस समय मैंने यह कहा है कि उत्कृष्ट विधायक को दिया जायेगा तो उत्कृष्ट विधायक ने विधेयकों के ऊपर कितना संज्ञान लिया है, उसको कितना पढ़ा है ? कानून बनाने में कितनी रुचि किसकी हो सकती है, इसलिये मैं आज इस बात को कह रहा हूं।

श्री राम अवतार सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे इस विधेयक पर बोलने का मौका दिया, इसके लिये आपको धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष जी, मैं जिस क्षेत्र से आता हूं वहां पर गन्ने का उत्पादन होता है। लिक्विड फार्म में भी राब बनायी जाती है और वह बिक्री हेतु जाती है। अगर लिक्विड फार्म में वह शीरे में सम्मिलित हो जायेगी तो निश्चित रूप से वह यूनिट्स बन्द हो जायेगी और किसानों का जो गन्ना बिकता है, वह उन यूनिटों से खत्म हो जायेगा, मेरा आपसे निवेदन है कि उसमें इतनी गुन्जाइश रखी जाए कि जो राब बनती है, उसे शीरे की परिभाषा से अलग किया जाए, यह मेरा अनुरोध है।

श्री अनिल पाराशर-

माननीय अध्यक्ष जी, यह बिल आबकारी मंत्री जी के द्वारा रखा गया है। मैं अलीगढ़ से सम्बन्ध रखता हूं और शीरा नियंत्रण विधेयक में जो व्यवस्था की गई है, उसमें मैं समझता हूं कि जो हमारी कुटीर उद्योग है, विशेष रूप से अलीगढ़ में जो मूर्ति ढलाई का काम होता है, उसमें जहां आवश्यकता होती है, ढलाई में काम करने वाले मजदूरों को उसमें शीरा निश्चित रूप से समान रूप से नहीं मिल पाता है। आज यह देखा जा रहा है कि चाहे मूर्ति ढलाई का काम हो या तम्बाकू का काम हो अन्य किसी रास्ते से शीरा आता है वह शीरा वहां पर मिलता है और अवैध तरीके से इसका भण्डारण किया जाता है। मैं निश्चित रूप से इस शीरा नियंत्रण अधिनियम के लिये आपको बधाई देना चाहूंगा कि शीरा नियंत्रण के माध्यम से जो नियम आयेगा। इसका विनियमितीकरण जब होगा तो निश्चित रूप से आबकारी विभाग द्वारा कन्ट्रोल के रूप में छोटी-छोटी इकाईयां हैं। जिसको एक कुन्टल दो कुन्टल और पांच कुन्टल छोटी-छोटी मात्रा में शीरा मिलेगा उसको निश्चित रूप से जो अब तक समस्या आई है उसे हम लोग अलीगढ़ में फेस करते हैं। पिछली बार देखा गया कि अलीगढ़ में अवैध भण्डारण के कारण दो लोगों की मौत भी हुई। जब नियंत्रण के अधीन होगा डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम तो निश्चित रूप से आबकारी के माध्यम से गन्ना उत्पादन इकाइयों को व खाण्डसारी को इसका लाभ मिलेगा और इसका निश्चित रूप से पूरे प्रदेश के किसानों को लाभ मिलेगा मैं इसका समर्थन करता हूं।

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, मा0 माता प्रसाद पाण्डेय जी ने आज विस्तार से चर्चा की। आज प्रदेश में गन्ना किसानों का उत्पादन का बहुत बड़ा भाग खाण्डसारी मिलों के द्वारा भी पेरा जाता है। पहले ऐसे तमाम अवसर आये हैं जब गन्ना जलाया भी जाता था, लेकिन इधर मिल के दाम न बढ़ने के बावजूद भी आज इन खाण्डसारी मिलों से तथा इसके बाद क्रेसर से जो उत्पादन हो रहा है जिसके कारण गन्ना किसानों को अपनी फसल जलाना नहीं पड़ता है वह बेच लेते हैं चाहे दाम भले ही कम मिले। खाण्डसारी मिलें चीनी मिलों का मुकाबला नहीं कर सकती हैं। खाण्डसारी मिल पर शीरा का जो उत्पादन होता है उस पर जब आपका कोई नियंत्रण नहीं है तो दाम उसका ज्यादा पा जाते हैं और जब उसका दाम ज्यादा पा जाते हैं तो उससे जो चीनी बनाने में उनको कम पैसा मिलता है उसकी भरपाई कर लेते हैं और जिसके कारण किसान को वह दाम उतना दे ले जाते हैं जितना चीनी मिल देती है। अगर आप उन पर भी इस तरह का नियंत्रण करेंगे और टैक्स लगायेंगे तो नियंत्रण करना कोई गलत बात नहीं है और वह भी टैक्स चीनी मिल के बराबर तो निश्चित रूप से वह घाटे में चली जाती है और जब घाटे में जायेगी तो वह बन्द हो जायेगी तो इससे किसान का अन्ततोगत्वा नुकसान होगा तो इसलिये मैं यह चाहूंगा कि इस पर पुनर्विचार करें, नियंत्रण कोई गलत बात नहीं है, लेकिन टैक्स उनके ऊपर लगाकर उनके उत्पादन को मजबूत करना और कम दाम पर बेचना तो निश्चित रूप से वह नुकसानदायक होगा उससे किसान को नुकसान उठाना पड़ेगा।

आज जो चीनी मिलें घाटे में हैं उसके पीछे भी एक बहुत बड़ा कारण है कि उनका जो शीरा उत्पादन है वह एक सीमित दाम पर लिया जाता है जिसके कारण वह कभी-कभी घाटे में रहती है। विशेषकर जो सरकारी मिले हैं सब घाटे में चल रही हैं तो इसलिये हम चाहेंगे कि जो खाण्डसारी मिल हैं उसको इससे छूट देनी चाहिये वह कहां बेच रहे हैं यह देख सकते हैं, उस पर टैक्स लगाकर और वह भी चीनी मिल के बराबर टैक्स लगाकर वह किसानों को नुकसान पहुंचाने वाला होगा इसलिये मैं चाहूंगा कि इस पर वह प्रवर समिति में ले जायें जब एक-एक खण्ड पर विचार होगा तो उससे यह निकलकर आ जायेगा कि किसान को घाटा न होने पाये, किसान के गन्ने से फिर से दिक्कत न होने पाये यह एक समस्या का हल होगा जो उचित होगा। बहुत से ऐसे बिल हैं विशेष रूप से केन्द्र सरकार और भारत सरकार में बहुत सारे बिल पहले प्रवर समिति को जाते थे और प्रवर समिति इसका अध्ययन करके एक समुचित अगर कोई कमी वेशी आती थी तो उसको दूर करके उसे भेजते थे और लोक सभा में लाते थे तो इस तरह से प्रवर समिति का मतलब यह नहीं हुआ कि हम उसको नकार रहे हैं। प्रवर समिति का मतलब है कि उसमें अगर इस तरह से जल्दबाजी में कोई कमियां रह गई हैं तो वह भी उससे दूर होगी इसलिये आपसे आग्रह है कि मा0 माता प्रसाद पाण्डेय जी के प्रस्ताव को स्वीकार कर लें और सत्ता पक्ष को इसको स्वीकार करना चाहिये कि हम प्रवर समिति में भेज रहे हैं, इन्हीं की अध्यक्षता में बैठक होगी, एक-एक बिन्दु पर विचार हो जायेगा, जो सुझाव अच्छा लगेगा उसको स्वीकार करें। जो सुझाव अच्छा न लगे उसको आप काट देंगे। उसके बाद

प्रतिवेदन आ जायेगा। अगर उसके आधार पर बिल पास होगा तो फिर एक अच्छा विधेयक पास हो सकेगा। मान्यवर, कई बार आपने भी देखा होगा कि एक बिल हम पास करते हैं और दूसरे सत्र में आते-आते उसी बिल में हम फिर संशोधन ले आते हैं तो उस समस्या का भी निदान होगा। ऐसा मेरा मानना है, इसलिये मैं चाहूंगा कि इसको आप प्रवर समिति में भेजने की कृपा करें।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 माता प्रसाद पाण्डेय जी ने जो विषय रखा है तो उन्होंने यह भी कहा कि इसमें राब के ऊपर टैक्स लग रहा है और यह भी कहा कि हमारी तरफ खाण्डसारी यूनिट नहीं है। मान्यवर, हम दो बातों को क्लियर कर दें, हिमालय पर्वत को देखकर कि हिमालय पर्वत का पानी, यानी हमने जमीन के पानी देखकर हम हिमालय पर्वत पर पहुंच गये कि उसको नुकसान हो जायेगा। पानी जमीन का है और हिमालय पर्वत के ऊपर बता रहे हैं कि नुकसान हो जायेगा। सवाल यह है कि गन्ना किसान अपना गन्ना बेचेगा या तो कोल्हू पर बेचेगा या फिर खाण्डसारी यूनिट पर बेचेगा। लेकिन हम उस खाण्डसारी यूनिट पर सीधे-सीधे कोई प्रभाव डालने नहीं जा रहे हैं। खाण्डसारी यूनिट या तो पहले गुड़ बनाती है, गुड़ बेचती है या फिर राब बनाती है। गन्ने के रस से या तो राब बनती है या गुड़ बनता है। गन्ने के रस से जो राब बनती है, जब उस राब को सेण्ट्रीफ्यूगल में पेरते हैं, उसके बाद शक्कर निकलती है तो वह उसका बाई प्रोडक्ट है वह सीधा-सीधा उसका प्रोडक्ट नहीं है वह सीधा-सीधा उसको प्रभावित करने नहीं जा रहा है। ऐसे तो फिर कोई चीज बन ही नहीं सकती है। जहां तक राब के टैक्स की बात है तो राब को पूरी तरह से अलग रखा गया है। हमारे एक मा0 सदस्य ने पीछे खड़े होकर कहा कि साहब उसके ऊपर टैक्स लग रहा है। आज की तारीख में राब टैक्स से बाहर है, गुड़ टैक्स से बाहर है। लेकिन जब वह लेबिल्ड होगा या पैक्ड होगा तो फिर लेबिलिंग/पैकिंग के आधार पर उसके ऊपर 05 परसेण्ट टैक्स है। अगर राब खुली है तो जितना चाहो शरबत पियो, उसे जितना चाहो बेचो-खरीदो, कुछ भी करो, आज की तारीख में उसके ऊपर कोई टैक्स नहीं है। हम जी0एस0टी0 काउंसिल में बैठते हैं, इसलिये हमको मालूम है। यह बीच में आया था, एक गलतफहमी पैदा हुई थी कि राब और गुड़ को भी उसमें शामिल कर दिया गया है, लेकिन उसको क्लैरिफाई कर दिया गया। अगर आप चाहेंगे तो हम आपको उसकी पूरी प्रोसीडिंग भी देंगे, आप कहेंगे तो हम दे देंगे। आज की तारीख में राब जो गन्ने के रस से बनती है, उसी प्रॉसेस से गुड़ बनता है तो गुड़ के ऊपर भी टैक्स नहीं है, अगर वह लेबिल्ड और पैक्ड नहीं है। लेबिल्ड और पैक्ड होगा तो उस पर 05 परसेण्ट लगेगा। लेबिल्ड और पैक्ड राब होगी तो उस पर भी 05 परसेण्ट लगेगा। लेकिन खुली राब और खुले गुड़ के ऊपर किसी भी प्रकार का कोई टैक्स नहीं है । जो किसान का गन्ना है वह खाण्डसारी यूनिट पर जायेगा और खाण्डसारी यूनिट उसे लेगा, उसका इससे कोई लिंक ही नहीं है। ये तो केवल रेगुलेटरी फीस की बात कर रहे हैं, ये टैक्स की बात ही नहीं कर रहे हैं और ये टैक्स लगा भी नहीं सकते हैं, यह क्षेत्राधिकार तो जी0एस0टी0 काउंसिल का है। ये टैक्स लगा भी नहीं सकते, ये केवल रेगुलेटरी फीस लगा सकते हैं और ये रेगुलेटरी फीस की बात कर रहे हैं। जो

अनलिमिटेड तरीके से शीरा जिसने जिसका पाया, जहां चाहा जैसे प्रयोग किया, प्रयोग किया तो किया नहीं तो दुरुपयोग किया। अभी हमारे अलीगढ़ के एक मा0 सदस्य ने उसके ऊपर सपोर्ट भी किया। हम इस बात को क्लैरिफाई करने के लिये खड़े हुए थे कि उन दोनों चीजों को क्लब नहीं किया जाना चाहिये। गन्ने के रस से राब बनेगी, राब को जब सेण्ट्रीफ्यूगल में डाला जायेगा तो उससे शक्कर निकलेगी। उसका बाई प्रोडक्ट शीरा है और उस शीरे से शराब बनती है। शीरे का सबसे ज्यादा प्रयोग शराब में ही होता है। शीरे का एक नम्बर का प्रयोग शराब में ही होता है।

श्री नितिन अग्रवाल-

मा0 अध्यक्ष जी, आदरणीय माता प्रसाद पाण्डेय जी बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं, विधान सभा के अध्यक्ष भी रहे हैं। सबसे पहले तो मैं यह क्लैरिफाई कर दूं। अभी आदरणीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने भी अपने सम्बोधन में क्लैरिफाई किया है। हम जो यह बिल लेकर आये हैं, संशोधन लेकर आये हैं, इसमें किसी भी किसान पर कोई टैक्स नहीं लगाया जा रहा है। अभी मा0 सदस्य ने कहा था कि इसमें किसानों पर टैक्स लग रहा है। दूसरा अगर गन्ना मूल्य की बात की जाये, मा0 पाण्डेय जी ने गन्ना मूल्य की भी बात की थी। मैं बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार में पिछले पांच साल में जितना गन्ना मूल्य का भुगतान हुआ है, उतना पहले की किसी भी सरकार में नहीं हुआ है। हमने एक लाख नब्बे हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान किया है। खाण्डसारी इकाइयों को प्रमोट करने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा खाण्डसारी इकाइयों को स्वीकृत किया गया था और 100 घण्टे के अन्दर हमने खाण्डसारी इकाइयों को लाइसेंस देने का काम किया। आज उसी का परिणाम है कि प्रदेश में 294 खाण्डसारी की इकाइयां खुली हैं। हम केवल यह एक रेगुलेटरी फीस ले रहे हैं, यह रेगुलेटरी फीस है, जो केवल शीरे को रेगुलेट करेगी।

इस पर न गुड़ पर कोई टैक्स है, न राब पर कोई टैक्स है। इसमें केवल जो बाई प्रोडक्ट शीरा निकलता है जब चीनी बनती है तो उसका जो बाई प्रोडक्ट शीरा निकलता है, केवल उसका इस्तेमाल अवैध शराब के निर्माण में न हो उसकी रोकथाम हो जाये, उसको रोकने के लिये हम यह रेगुलेटरी फीस लगा रहे हैं और हां, खाण्डसारी यूनिट पर हमारे विभाग का कोई भी अधिकारी नहीं जायेगा। हम उसको एक ऑनलाइन पोर्टल दे देंगे, वह जितना गन्ना उसमें क्रश करेंगे, वह केवल हमें उस ऑनलाइन पोर्टल में उसकी सूचना दे देंगे जितना गन्ना पेरते हैं, उसका एक परसेण्टेज डिफाइन होता है कि इतना गन्ना पेरने के बाद इतना शीरा निकलता है। हमारे विभाग में ऑटोमेटिक उसकी सूचना आ जायेगी कि उन्होंने इतना गन्ना क्रश किया है तो इतना शीरा उनके पास आया है, केवल उसको रेगुलेट करने के लिये यह रेगुलेटरी फीस है और हमारे पास पूरी सूचना होगी कि कितना शीरा उनके पास उनलब्ध है और उसको नियंत्रित करने के लिये हम इसमें संशोधन लेकर आये हैं। इसके अलावा इसमें और कोई भी और किसी भी प्रकार का टैक्स हम किसी पर भी नहीं लगाने जा रहे हैं।

(सदस्य श्री रविदास मेहरोत्रा के अपने स्थान पर खड़े होकर बोलने के प्रयास पर)

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य देखिये मैंने सबको बुलाकर अवसर दिया था। मैंने सबको बुलाया और सबसे पूछा कि कोई बाकी तो नहीं है, अब कोई सुनने का विषय नहीं है। मैंने पूर्व में पूरा अवसर दिया है। इस प्रकार से बोलना अनुशासनहीनता होगी, मैंने तीन बार पूछा था कि क्या कोई बोलना चाहता है ? अब नहीं, अब आप बैठ जायें।

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक, 2023 को इस सदन की एक प्रवर समिति के सुपुर्द कर दिया जाय, जो अपना प्रतिवेदन एक माह के अन्दर सदन में प्रस्तुत करे ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

अब प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक, 2023 पर विचार किया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

खण्ड-2 से खण्ड-11 तक तथा खण्ड-1, प्रस्तावना व शीर्षक

उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक, 2023

उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण अधिनियम, 1964 का अग्रतर संशोधन करने के लिये

विधेयक

भारत गणराज्य के चौहत्तरवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

1-(1) यह अधिनियम उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) अधिनियम, 2023 कहा जायेगा।

(2) यह दिनांक 06 फरवरी, 2023 से प्रवृत्त हुआ समझा जायेगा।

उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-24 सन् 1964 की धारा-2 का संशोधन

2-उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) अधिनियम, 1964 (जिसे आगे मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा-2 में-

(क) खण्ड (क) (क-2) के रूप में पुनर्संख्यांकित किया जायेगा और इस प्रकार पुनर्संख्यांकित उक्त खण्ड के पूर्व निम्नलिखित खण्ड बढ़ा दिये जायेंगे, अर्थात् :-

''(क) 'बी-हैबी शीरे' का तात्पर्य बी-मासेक्यूट के परिशोधन के परिणामस्वरूप प्राप्त शीरे से है, जिसमें पूर्ववर्ती तीन चीनी मौसमों की उसी अवधि के दौरान वैक्यूम पैन चीनी कारखाना में समरूप प्रक्रिया से प्राप्त औसत शुद्धता के सदृश शुद्धता निहित है;

(क-1) 'ब्रिक्स' का तात्पर्य ब्रिक्स डेंसिटोमेट्रिक स्केल पर व्यक्त विलयन के घनत्व से और इसमें घुलित ठोस पदार्थ के प्रतिशत को प्रकट किये जाने से है।''

(ख) खण्ड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

''(घ) 'शीरा' का तात्पर्य गन्ना के रस या चीनी चाशनी से चीनी या खाण्डसारी चीनी के विनिर्माण के दौरान उपोत्पाद के रूप में उत्पादित भारी, गहरे रंग के लसदार द्रव से है, जब इस रूप में या किसी मिश्रण के रूप में द्रव में चीनी अन्तर्विष्ट हो और इसमें राब या गुड़ से उत्क्रम प्रक्रिया के माध्यम से चीनी विनिर्माण के दौरान प्राप्त उपोत्पाद भी सम्मिलित है।''

(ग) खण्ड (घ-1) निकाल दिया जायेगा;

(घ) खण्ड (ङ) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

''(ङ) 'अध्यासी' का तात्पर्य उस व्यक्ति से है जिसका चीनी कारखाना या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई के मामलों में अन्तिम नियंत्रण हो और इसमें चीनी कारखाना या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई का प्रबन्ध अभिकर्ता सम्मिलित है।''

(ङ) खण्ड (ज) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड बढ़ा दिया जायेगा, अर्थात् :-

''(ज-1) 'खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई' का तात्पर्य किसी आरक्षित क्षेत्र में खाण्डसारी चीनी के विनिर्माण या उत्पादन में लगी हुई या साधारणतया लगी हुई किसी इकाई से है और जो किसी यांत्रिक शक्ति द्वारा संचालित किसी क्षैतिज कोल्हू की सहायता से उत्पादित गन्ना रस की उठायी-धरायी करने योग्य हो।''

(च) खण्ड (झ) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

''(झ) 'आपूर्ति' का तात्पर्य किसी चीनी कारखाना या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई के अध्यासी द्वारा अपनी इकाई या किसी अन्य इकाई यथा आसवनी या किसी शीरा आधारित उद्योग को शीरा प्रदान करने से है।''

(छ) खण्ड (ञ) निकाल दिया जायेगा;

(ज) खण्ड (ञ) के प्रश्चात् निम्नलिखित खण्ड बढ़ा दिये जायेंगे, अर्थात् :-

''(ट) 'गन्ना रस' का तात्पर्य किसी वैक्यूम पैन चीनी कारखाना में सल्फाइटीकरण या शोधन प्रक्रिया द्वारा प्राप्त प्राथमिक रस, द्वितीयक रस, मिश्रित रस तथा निर्मल रस से है।''

(ठ) 'चीनी सिरप' का तात्पर्य गन्ना के सांद्रित रस से है जिसमें कुल घुला ठोस अंश 50 डिग्री से अन्यून हो, जैसा कि ब्रिक्स द्वारा उपदर्शित हो। 50 डिग्री ब्रिक्स के नीचे उसे किसी वैक्यूम पैन चीनी कारखाना में ब्रिक्स प्रतिशत द्वारा उपदर्शित सांद्रता पर आधारित गाढ़ा रस या रस के रूप में माना जा सकता है।''

धारा-5 का संशोधन

3-मूल अधिनियम की धारा-5 में शब्द ''कारखाना'', जहां कहीं आया हो, के पश्चात् शब्द ''या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई'' बढ़ा दिये जायेंगे।

धारा-6 का संशोधन

4-मूल अधिनियम की धारा-6 में शब्द ''कारखाना'', जहां कहीं आया हो, के पश्चात् शब्द ''या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई'' बढ़ा दिये जायेंगे।

धारा-7 का संशोधन

5-मूल अधिनियम की धारा-7 में शब्द ''कारखाना'', जहां कहीं आया हो, के पश्चात् शब्द ''या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई'' बढ़ा दिये जायेंगे।

धारा-8 का संशोधन

6-मूल अधिनियम की धारा-8 में,-

(क) उपधारा (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा रख दी जायेगी, अर्थात् :-

''(1) नियंत्रक, राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से, आदेश द्वारा किसी चीनी कारखाना या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई के अध्यासी से, शीरे की उतनी मात्रा ऐसे व्यक्ति को जैसा कि आदेश में विनिर्दिष्ट किया जाय, विहित रीति से विक्रय करने अथवा आपूर्ति करने की अपेक्षा कर सकता है और अध्यासी को किसी संविदा के होते हुए भी उक्त आदेश का अनुपालन करना होगा।''

(ख) उपधारा (2) के खण्ड (ख) में शब्द ''कारखाना'', जहां कहीं आया हो, के पश्चात् शब्द ''या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई'' बढ़ा दिये जायेंगे।

(ग) उपधारा (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा रख दी जायेगी, अर्थात् :-

''(4) राज्य सरकार, समय-समय पर, शीरे के भण्डारण, परिरक्षण, वितरण, आपूर्ति, विक्रय, परिवहन, ट्रैकिंग और निगरानी को विनियमित करने के उद्देश्य से ऐसी रीति से जैसा कि विहित की जाय और ऐसी दरों पर जैसा कि राज्य सरकार द्वारा गजट में अधिसूचना द्वारा अवधारित की जाय, किसी चीनी कारखाना या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई से किसी प्रकार के शीरा का विक्रय या उसकी आपूर्ति, या तो अपनी निजी इकाई या किसी अन्य इकाई यथा आसवनी या किसी शीरा आधारित उद्योग को किये जाने पर, विनियामक शुल्क अधिरोपित कर सकती है और ऐसा विनियामक शुल्क चीनी कारखाना अथवा खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई के अध्यासी से वसूल किया जाएगा।''

स्पष्टीकरण :- इस अधिनियम के प्रयोजन के लिए समस्त चीनी कारखाने और साथ ही साथ खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाइयाँ, आबद्ध इकाइयों की शीरे की आबद्ध खपत पर विचार किये बिना, समान रूप से विनियमन के अध्यधीन होंगी।

धारा-10-क का संशोधन

7-मूल अधिनियम की धारा-10-क में शब्द ''कारखाना'' के पश्चात् शब्द ''या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई'' बढ़ा दिये जायेंगे।

धारा-17 का संशोधन

8-मूल अधिनियम की धारा-17 में शब्द ''कारखाना'' के पश्चात् शब्द ''या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई'' बढ़ा दिये जायेंगे तथा शब्द ''अन्तरित'' के स्थान पर शब्द ''विक्रीत'' रख दिया जायेगा।

धारा-18 का संशोधन

9-मूल अधिनियम की धारा-18 में,-

(क) पार्श्वांकित शीर्षक में शब्द ''कारखानों'' के पश्चात् शब्द ''या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाइयाँ'' बढ़ा दिये जायेंगे;

(ख) शब्द ''कारखाना'' जहाँ कहीं आया हो, के पश्चात् शब्द ''या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाई'' बढ़ा दिये जायेंगे।

10-मूल अधिनियम की धारा 22 में शब्द ''कारखानों'' जहाँ कहीं आया हो, के पश्चात् शब्द ''या खाण्डसारी चीनी विनिर्माणकर्ता इकाइयाँ'' बढ़ा दिये जायेंगे और शब्द ''प्रशासनिक प्रभार'' के स्थान पर शब्द ''विनियामक शुल्क'' रख दिये जायेंगे।

उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या-1 सन् 2023

निरसन और व्यावृत्ति

11-(1) उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) अध्यादेश, 2023 एतद्द्वारा निरसित किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी उपधारा (1) में निर्दिष्ट अध्यादेश द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम के उपबन्धों के अधीन कृत कोई कार्य या की गई कोई कार्यवाही, इस अधिनियम द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम के सह प्रत्यर्थी उपबन्धों के अधीन कृत या की गई समझी जायेगी मानो इस अधिनियम के उपबन्ध सभी सारवान समयों में प्रवृत्त थे।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि खण्ड-2 से खण्ड-11 तक तथा खण्ड-1, प्रस्तावना व शीर्षक इस विधेयक के अंग माने जायें ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री नितिन अग्रवाल-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से यह प्रस्ताव करता हूं कि उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक, 2023 पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश शीरा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक, 2023 पारित किया जाए ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

[01:42] उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023

संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से यह प्रस्ताव करता हूं कि उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023 पर विचार किया जाए।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023 पर विचार किया जाए ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

खण्ड-2 तथा खण्ड-1 प्रस्तावना व शीर्षक

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023

(जैसा उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा पारित हुआ)

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) अधिनियम, 1980 का अग्रतर संशोधन करने के लिये

विधेयक

भारत गणराज्य के चौहत्तरवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

संक्षिप्त नाम व प्रारम्भ

1-(1) यह अधिनियम उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) अधिनियम, 2023 कहा जायेगा।

(2) यह गजट में प्रकाशित किये जाने के दिनांक से प्रवृत्त होगा।

उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-23 सन् 1980 की धारा-26-क का संशोधन

2-(1) उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियां और पेंशन) अधिनियम, 1980 की धारा-26-क में, उपधारा (1) तथा उपधारा (2) में, शब्द 'दस हजार' के स्थान पर 'पच्चीस हजार' रख दिये जायेंगे।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, इसके बारे में बता तो दें की क्या है ?

श्री अध्यक्ष-

बता दीजिए।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

इसको एक लाइन में बता देते हैं।

श्री अध्यक्ष-

एक लाइन में बता दें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, वर्ष 2016 में जो मा0 सदस्यों की पेंशन को रिवाइज किया गया था, उसमें एक बात छूट गई थी कि जो विधायक 16 सितम्बर, 2016 से पूर्व दिवंगत हो गये उनकी पारिवारिक पेंशन पूर्व की भाँति 10 हजार ही रह गयी, उनकी पत्नियों की या पति की, वह उसमें शामिल नहीं हो पाया था, इसलिए आज हम यह संशोधन लाये हैं कि उनको जो 10 हजार पेंशन मिलती थी, उसके स्थान पर अब 25 हजार रुपये मिलेगी।

(मेजों की थपथपाहट)

यह हम लोग ला रहे हैं। यही उसमें संशोधन का एक मात्र कृत्य है और मैं समझता हूँ कि इस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं इसीलिए आप लोगों ने इसमें कुछ नहीं दिया है।

श्री अध्यक्ष-

इसमें चर्चा की कोई आवश्यकता नहीं है। नहीं, यह ऐसा कोई विषय है भी नहीं।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, इससे 312 लोग प्रभावित होंगे। 287 लोग मा0 सदस्य विधान सभा के पारिवारिक पेंशन वाले हैं और 25 लोग विधान परिषद् वाले हैं, तो सभी लोगों को अब 10 हजार के स्थान पर 25 हजार मिलेंगे। मा0 माता प्रसाद जी अध्यक्ष थे उस समय यह वर्ष 2016 में ये पेंशन रिवाइज हुई थी। मैं भी उसमें था।

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से यह प्रस्ताव करता हूँ कि उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023 पारित किया जाये।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियाँ और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2023 पारित किया जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

[01:45] वित्तीय वर्ष 2023-24 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा†

श्री अध्यक्ष-

अब हम वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा करेंगे। मेरे पास दोनों तरफ के मा0 सदस्यों की सूची है। एक-एक करके हम सदस्यों को बुलायेंगे। यह चर्चा हम

नोट :-† दिनांक 25-02-2023 की कार्यवाही से।

रात 8.30 बजे तक जारी रखेंगे। 8.30 के बाद जो अन्य औपचारिक विषय जैसे याचिकाएँ और नियम-51 की सूचनायें हैं, उन्हें लिया जायेगा। 9 बजे तक आज यह सदन चलेगा। माननीय श्री मनीष असीजा।

श्री महबूब अली-

मान्यवर, नियम-51 पहले ले लेते।

श्री अध्यक्ष-

वह रात को ले लेंगे। बैठिए, इसी बहाने थोड़ी देर। आपसे लोग सीखते हैं न, इसीलिए मैंने जानबूझ कर नहीं लिया कि आप यहां बैठेंगे तो हम सब लोगों को और मुझे भी ऊर्जा मिलेगी।

श्री मनीष असीजा-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे उत्तर प्रदेश के अब तक के इतिहास के सबसे बड़े बजट पर अपनी बात रखने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ और इस जनहित के और कल्याणकारी बजट के पक्ष में अपनी बात को रखना चाहता हूँ। साधारण भाषा में इन्टरप्रिटेट किया जाये तो बहुत सामान्य तरीके से जैसे हम सब लोग अपने घरों में, अपने घर की व्यवस्था चलाते हैं, वही एक बड़ा स्वरूप है, जिसमें हम अपने पूरे प्रदेश को एक परिवार समझ कर उसमें व्यवस्था करते हैं। कोई भी घर यदि चलता है तो उसकी दो-तीन प्रमुख शर्तें हैं, पहली उसका मुखिया कमाऊ होना चाहिए, दूसरी उसमें सूझ-बूझ होनी चाहिए कि जो पैसे कमाकर लाये वह सही तरीके से, सही ढंग से खर्च करे और तीसरी कि जो उसका खर्चा है, वह परिवार और परिवार के सदस्यों के भविष्य को अच्छा बनाने का काम करे। यह सामान्य सी बजट की एक न्यूनतम आवश्यकता होती है। यदि हम इसको इस तरह से देखें कि घर का मुखिया कमाऊ हो, तो मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की, मा0 योगी जी के नेतृत्व की सरकार ने जो पिछला 5 साल है, उसमें यह भूमिका बखूबी अंजाम दी है और हमारी आलोचना करने वाले साथी जब यह लगातार बोल रहे थे कि राजस्व की प्राप्ति नहीं होगी तो विकास कार्य कैसे होंगे ? पूँजीगत व्यय कैसे बढ़ेंगे ? तो मैं उनकी बात सुनकर यह सोच में पड़ रहा था कि आखिर वह किस आधार पर कह रहे हैं ? आदरणीय लालजी वर्मा जी ने लगातार इसी विषय पर बात रखी थी। मैं आर0बी0आई0 के आंकड़ों से यह बताना चाहता हूँ कि जिस पक्ष से हमारे बजट की आलोचना हुई है, उनके वर्ष 2012 से 2017 तक के कार्यकाल में कुल शुद्ध राजस्व की प्राप्तियाँ 9.90 लाख करोड़ थीं, उसकी तुलना में योगी वन सरकार की जो राजस्व प्राप्तियाँ हैं, वह लगभग दूनी, 16.40 लाख करोड़ है। माननीय अध्यक्ष जी, और यह तब है, जब कोरोना

की महामारी न केवल प्रदेश में अपितु पूरे देश और दुनिया ने इस महामारी को झेला था। विपक्ष के साथियों को यह बात भी ध्यान में आ जाये कि इन्होंने अपने समय में, पूरे 5 साल में जितना पैसा राजस्व के रूप में एकत्रित किया था, माननीय योगी जी के नेतृत्व में और माननीय वित्त मंत्री जी आपके वित्तीय कुशल प्रबंधन के आधार पर, अब हमारा आने वाला जो 2022-23 के साथ 2023-24 के बजट का प्रस्ताव है, इनके 5 साल से ज्यादा तो हम इन्हीं 2 सालों में साढ़े 10 लाख करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति करने जा रहे हैं। इसके पीछे का भी तो कोई कारण होगा। आखिर हमें जब राजस्व की अगर प्राप्ति हुई है और समाज के ऊपर कोई अधिक, किसी पर कोई परेशानी खड़ी नहीं हुई है तो यह कैसे हो गया ?

माननीय अधिष्ठाता महोदय, यह हुआ माननीय योगी जी के तेजस्वी, पारदर्शी, निष्पक्ष और कर्मठ प्रशासन के आधार पर, यह हुआ खन्ना जी के लम्बे, सूझ-बूझ भरे अनुभव के आधार पर। ट्रांसफर उद्योग चलता था अधिकारी काम नहीं कर सकते थे, व्यवस्था पंगु थी, भ्रष्टाचार था, उसके कारण से बजट के ऊपर प्रभाव पड़ता था, जिसे समाप्त किया गया। वित्तीय प्रबन्धन को सुगठित किया गया। ईज ऑफ डूईग के माध्यम से प्रदेश की और पूरे देश में ही नहीं अपितु विश्व में एक ऐसी छवि बनी जिसके आधार पर हमारे यहां निवेश बढ़ा, रोजगार बढ़ा, राजस्व की प्राप्ति बढ़ी। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को और खासकर विपक्ष के साथियों को यह बताना चाहता हूं कि राज्य में राजस्व के जो खुद के स्रोत हैं उसमें सबसे प्रमुख आबकारी, परिवहन, खनन, कर एवं निबन्धन आदि हैं। इनकी हालत इनके समय में क्या थी और माननीय योगी जी के नेतृत्व में क्या हुई इस ट्रांसफार्मेशन को अगर आप सुनेंगे तो आपको आश्चर्य होगा। इनकी सरकार आबकारी विभाग में वर्ष 2012-13 में रु0 9,782 करोड़ की वसूली की और माननीय योगी जी की पहली साल में वसूली हुई रु0 17,320 करोड़ की, जो पहले वर्ष में ही दुगुनी हो गई और योगी-1 का जो आखिरी साल था, वर्ष, 2021-22 उसमें बढ़कर चौगुनी रु0 36,321 करोड़ हो गयी, इसको अगर सीधे-सीधे हम समुराईज करें तो आपने रु0 63,263 करोड़ आबकारी से पूरे 05 साल में राजस्व वसूला और वहीं योगी-1 की सरकार में यह आंकड़ा रु0 1,34,953 करोड़ पर आ गया, जो लगभग दूने से ऊपर था। कोरोना की महामारी साथ-साथ चल रही है। एक ही मद में अगर हम दुगने से ज्यादा राजस्व की वसूली कर पाये तो कैसे कर पाये आप सब लोग जानते हैं। शराब माफिया का तत्कालीन सत्ता दल के लोगों से और सत्ता तंत्र से जो गठजोड़ था उसका खामियाजा उत्तर प्रदेश के नागरिकों को भुगतना पड़ा। सरकार की आंखें बन्द थीं, पैसा लुटता रहा, राजस्व की प्राप्ति नहीं हुई जो बात हमारे लिए कही जा रही है वह इनके ऊपर लागू हुई अगर पैसा नहीं आएगा तो खर्चा कैसे होगा। एक और रोचक परिस्थिति माननीय वित्त मंत्री जी आपके भी ध्यान में लाना चाहता हूं।

(इस समय अपराह्न 01 बजकर 49 मिनट पर अधिष्ठाता डा0 मंजू शिवाच पीठासीन हुईं)

समाजवादी पार्टी के आखिरी साल में परिवहन विभाग में वर्ष 2016-17 में राजस्व की प्राप्ति हुई रु0 5148 करोड़ और उसके अगले साल योगी-1 सरकार के पहले साल में ये बढ़कर रु0 6349 करोड़ हो गयी। हमें ये नहीं समझ आ रहा कि एक महीना मार्च के बाद जब अगली सरकार आयी तो 25 परसेंट की बढ़ोत्तरी हो गयी और जो आगे चलकर इनके 05 साल में रु0 19,790 करोड़ की जगह योगी-1 सरकार में रु0 33,518 करोड़ राजस्व की प्राप्ति हुई, जो कि दुगनी है। कौन नहीं जानता कि उस समय कोरोना था और यह कौन नहीं जानता कि परिवहन विभाग की उस समय क्या हालत थी। समानान्तर व्यवस्थाएं चल रही थीं, परिवहन विभाग को कोई पूछता नहीं था। डग्गामार बसें जिलों में सड़कों की छाती पर दौड़ती थीं। इन सारी अव्यवस्थाओं के कारण से तत्कालीन समय में हमें राजस्व की हानि हुई, जनता को नुकसान हुआ। खनन विभाग में वर्ष 2016-17 में आपके आखिरी साल रु0 1,547 करोड़ और माननीय योगी जी के पहले साल में रु0 3,243 करोड़, दुगने से अधिक राजस्व की प्राप्ति हुई। पहले ही एक साल में खनन में इतना बड़ा गैप, अगर 05 साल, 10 साल बाद इतना पैसा आता तो विपक्ष कह भी सकता था कि आपने कोई विशेष प्रयास कर लिया। वही का वही सिस्टम चल रहा था, सरकार बदलने का ये प्रभाव हुआ और ये क्या कारण था जिसको सब लोग जानते हैं। मैं विपक्ष के साथियों से कहना चाहता हूं कि आपने अपने वक्तव्य में अनावश्यक रूप से बहुत आलोचना की, लेकिन एक प्रसिद्ध दार्शनिक का वक्तव्य है कि 'झाँकने की कुछ बेहतरीन जगहों में से एक जगह अपना गिरेबान भी है'।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य जल्दी कर लीजिए, 9 मिनट हो गये हैं।

श्री मनीष असीजा-

मा0 अधिष्ठाता महोदया, मैंने अध्यक्ष जी से समय लिया था। मैं आपके माध्यम से विपक्ष से कहना चाहता हूँ कि स्टाम्प पंजीयन के शुल्क में हमारी बढ़ोत्तरी है और जो मैंने दूसरा बिन्दु बोला था कि बजट में अगर हमारी आय बढ़ी हुई रहेगी तो उसको हम किस प्रकार नियोजित करेंगे, क्या हमारी वरीयता के क्षेत्र होंगे। यही मंशा जाहिर करती है कि हम प्रदेश का विकास कैसे करने जा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ कि किसी भी प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए जो एक मानक वाले क्षेत्र हैं, इसमें लॉ एण्ड आर्डर है, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण है, पेयजल एवं स्वच्छता है, आवास है, शहरी विकास है, सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन सहायता है, कृषि एवं सम्बन्धित गतिविधियाँ हैं, ग्रामीण विकास है, सिंचाई एवं बाढ़ नियन्त्रण है, ऊर्जा इन्फ्रास्ट्रक्चर, सड़कें, पुल, एक्सप्रेस-वे आदि हैं, शिक्षा, खेल, कला, संस्कृति, एस0सी0एस0टी0, ओ0बी0सी0 एवं अल्पसंख्यक समाज के लिए कल्याणकारी योजनायें हैं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, इसमें भी साफ दिखता है कि पिछली सरकार की और माननीय योगी जी की सरकार की वरीयतायें क्या थीं। मैंने अपने उद्बोधन में शुरू में ही कहा था कि किसी परिवार का मुखिया कमाऊ होना चाहिए, यह पहली शर्त है और कमाने के अलावा उसको सूझ-बूझ भी होनी चाहिए। घर में दवाई और पढ़ाई के लिए, सामान्य जरूरतों के लिए उसकी पहली जरूरत होती है और अगर उसके बदले वह शौक, मौज, अय्याशी या इस प्रकार का कोई खर्चे करे जैसे गाड़ी, ए0सी0 तो वह कोई अच्छा घर नहीं चलने वाला है। यह देखिये, गृह विभाग में जब समाजवादी पार्टी की सरकार का आखिरी साल था तो 13,646 करोड़ खर्चा हुआ, यह वास्तविक आँकड़े हैं, आर0बी0आई0 के आँकड़े हैं। मैं विपक्ष के साथियों से कहता हूँ कि इन आँकड़ों की पुष्टि करें और माननीय योगी जी की जो योगी वन का आखिरी वर्ष है, तो यह बढ़कर 24,140 करोड़ हो गया, दुगने से भी अधिक हो गया। इसका परिणाम आपके सामने है।

आज पुलिस के पास इन्फ्रास्ट्रक्चर है, उनके पास उपकरण हैं, उनके जीवन को बढ़ाने के लिए उनके आवश्यक आवास हैं। हर विधायक जानता है कि हर जिले में किस प्रकार से वह आगे बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के क्षेत्र में सपा सरकार के आखिरी साल 2016-17 में 15,784 करोड़ वास्तविक खर्चा हुआ था और माननीय योगी जी के नेतृत्व में आखिरी साल जो 2021-22 था, उसमें वास्तविक खर्चा 26,328 करोड़ हुआ है। इसी में ही अगर पाँच सालों की तुलना करें तो समाजवादी पार्टी के पाँच सालों में 59,161 करोड़ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के क्षेत्र में खर्चा किया है, वहीं माननीय योगी जी के नेतृत्व में माननीय खन्ना जी के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 1,02,840 करोड़ इसमें खर्चा किया है, यह दुगने का फर्क है, इसके परिणाम सामने हैं। कोविड जैसी महामारी में यह बजट आवंटन की सूझ-बूझ का परिचायक था, लगभग 13 करोड़ निःशुल्क टेस्ट हुए एवं लगभग 40 करोड़ से अधिक निःशुल्क डोज से टीकाकरण कराया गया। स्वास्थ्य के ऊपर हर दिन कमी बताई जाती है, जो इनको बताने का अधिकार है। लेकिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपहास किया जाये, यह कहाँ की बात है। 45 जिलों में मेडिकल कॉलेज चल रहे हैं, 14 जनपदों में निर्माणाधीन हैं। बार-बार इसकी खिल्ली उड़ाई जाती है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, एन0एम0सी0, नेशनल मेडिकल काउंसिल है, इनकी मान्यता से उत्तर प्रदेश में एम0बी0बी0एस0 की सीटें 4,540 से बढ़कर 8,528 हो गई हैं, लगभग दुगनी हो गई हैं। इसी प्रकार पी0जी0 की सीटें 1,221 से बढ़कर 2,868 हो गई हैं, लगभग ढाई गुनी हो गई हैं और सुपर स्पेशियलिटी की सीटें 120 से बढ़कर 180 हो गई हैं। महोदया, मैं आपके माध्यम से विपक्ष के साथियों से पूछना चाहता हूँ कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में कहीं कोई कमी होती है। आलोचना करना आपका अधिकार है। लेकिन इतने डॉक्टर बन रहे हैं तो क्या यह चिकित्सा के परिवार कल्याण

के क्षेत्र में अपनी सकारात्मक भूमिका नहीं लगायेंगे ? इसके साथ-साथ 300 नर्सिंग/ पैरामेडिकल के नये कोर्स इस वक्त संचालित किये जा रहे हैं। मैं इसके लिए भी माननीय योगी जी को और अपने उप मुख्य मंत्री माननीय ब्रजेश पाठक जी को बहुत बधाई देना चाहता हूँ कि इस वरीयता के क्षेत्र में आपने इतना बड़ा आवंटन किया है।

मान्यवर, पेयजल आपूर्ति स्वच्छता के पहले ही साल में योगी जी की सरकार में 4 गुना का ज्यादा बजट आवंटन किया गया है। पूरे 5 साल में इस सरकार ने जहाँ 27071 करोड़ रुपये का निवेश किया है वहीं पर सपा सरकार में मात्र 12597 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। यह लगभग दोगुने से ज्यादा है। पेयजल के क्षेत्र में कितने बड़े-बड़े काम हुये हैं माननीय मुख्य मंत्री जी ने अपने सम्बोधन में कहा है। गर्मी आती थी ट्रेन से पानी पहुंचाया जाता था। आज हर घर नल योजना प्रारम्भ है। इसका भी मजाक उड़ाया जाता है। पौधा लगा है, उसका पेड़ बन रहा है, उसकी छाया भी आयेगी और फल भी आयेगा, लेकिन उसका इन्तजार करने की जगह केवल आलोचना है। शहरी विकास क्षेत्र में 5 साल में सपा सरकार द्वारा 18 हजार 223 करोड़ रुपये खर्च किये गये। भारतीय जनता पार्टी योगी-1 में 57045 करोड़ रुपये लगभग तीन गुना से ज्यादा शहरी नियोजन के क्षेत्र में खर्चा किया गया है। समाज कल्याण एवं पोषण के क्षेत्र में लगभग डेढ़ गुने से ज्यादा फर्क है। इसके परिणाम आपके सामने हैं। निराश्रित विधवा पेंशन 500 से बढ़ाकर 1000 हो गई। इसके साथ-साथ सबसे महत्वपूर्ण बात है कि माननीय योगी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार में कोई भी निराश्रित महिला हो, कोई भी दिव्यांग पेंशन के लिए लाभार्थी हो, कोई भी वृद्धावस्था पेंशन के लिए लाभार्थी हो अगर आप पात्र हों तो सरकार आपको देने के लिए बैठी है। इसके साथ-साथ मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना है, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना जो संकट के समय रेहड़ी पटरी के लोग हैं पूरे भारत में सबसे ज्यादा साढ़े 10 लाख पथ विक्रेताओं को कितनी बड़ी मदद मिली है, यह हम सब लोग जानते हैं। यह सब वह क्षेत्र हैं जहाँ पर बहुत कमजोर हिस्सा है इनकी तरफ किसी ने ध्यान नहीं दिया है केवल बड़ी-बड़ी बातें करना इससे घर नहीं चलता और यह उत्तर प्रदेश भी एक घर है और इस घर के मुखिया श्री योगी जी हैं यह उत्तर प्रदेश के नागरिकों के लिए एक सौभाग्य की बात है। कृषि के क्षेत्र में दोगुना निवेश है मैं आंकड़ों पर न जा करके इसको छोटा करता हूँ। मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि यह किसान के पक्ष के लोग हैं हम किसान के विरोधी हैं। इनका पहला वाक्य ही इस बात से शुरू होता है कि हम किसानों के हितैषी नहीं हैं। आपके 5 साल में गेहूँ की खरीद हुई 94 लाख मीट्रिक टन। योगी-1 सरकार में हुई 219.12 लाख मीट्रिक टन। आपने भुगतान किया 12,800 करोड़ का और योगी जी की सरकार ने भुगतान किया 40 हजार करोड़ का। किसान के हितैषी आप हैं धान की खरीद

आपने की 123 लाख मीट्रिक टन योगी-1 सरकार ने धान की खरीद की है 280 लाख मीट्रिक टन। आपने भुगतान किया 17 हजार करोड़ का। योगी सरकार ने किया 50 हजार करोड़ का। तो बताओ किसान का हितैषी कौन है, आप या हम ?

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अपनी बात समाप्त करें।

श्री मनीष असीजा-

मान्यवर, उत्तर प्रदेश पहला ऐसा राज्य बना है जहाँ उत्तरी क्षेत्र में किसानों को सिंचाई के लिए निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराने का यह वायदा नहीं यह घोषणा कर दी गई है। पहले आपके नारों में ऐसा हुआ करता था। योगी जी की सरकार में खन्ना जी के बजट ने इसको साकार किया है। उसकी प्रशंसा तो आपको करनी चाहिए। ग्राम विकास क्षेत्र में देख लीजिये, सिंचाई एवं बाढ़ नियन्त्रण के क्षेत्र में देख लीजिये । कोई क्षेत्र देख लीजिये हर जगह डेढ़ से दोगुना ज्यादा निवेष किया गया है। अगर आपका निवेश था तो उससे दोगुना है, उससे तिगुना है। यह प्रायरिटी सेक्टर है। घर में बच्चे की फीस के लिए पैसा न दे करके आपने क्लब में और इधर उधर के कामों में पैसा खर्च किया है। मेरा यह तुलना का भाव है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, आप अपनी बात को जल्दी ही समाप्त कर दीजिए। आपकी कोई स्थानीय समस्या हो, तो उसका जिक्र कर लीजिए।

श्री मनीष असीजा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आप सबको पता है कि शिक्षा में क्या स्थिति हुई है? कितनी बड़ी संख्या में हमारे बच्चों का पंजीकरण शिक्षा के क्षेत्र में हुआ है। आवास के क्षेत्र में बताना चाहता हूँ कि लगभग 40 लाख आवास तैयार होकर खड़े हुए हैं। आपके समय आवास की क्या स्थिति थी ? ये आवास बेघरों को मिले हैं। इसमें कोई जाति धर्म नहीं देखा गया है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, आधे मिनट में आप अपनी बात खत्म कर लीजिए।

श्री मनीष असीजा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं एक-दो बातें और रखकर अपनी बात समाप्त कर दूँगा। यहाँ पर सामाजिक न्याय की बातें होती हैं। हम लोगों के बारे में, योगी जी के बारे में कुछ भी उपहास किया जाता है, लेकिन मैं एक ऐसा तथ्य आपके सामने रख रहा हूँ, जिसको जानकर

सदन भी थोड़ा आश्चर्यचकित होगा। मा0 मुख्य मंत्री जी प्रदेश के मुख्य मंत्री होते हैं। पक्ष के भी होते हैं, विपक्ष के भी होते हैं। उनकी कलम की शक्ति के ऊपर कोई बन्दिश नहीं होती है। 'मा0 मुख्य मंत्री विवेकाधीन कोष' के माध्यम से गरीबों को, विशेषकर बीमारों को सहायता देने का काम किया जाता था। मा0 वित्त मंत्री जी, बसपा के शासनकाल में अट्ठारह हजार चार सौ बासठ लाभार्थी थे और धन आवंटन केवल 84 करोड़ हुआ था। समाजवादी पार्टी की सरकार में लाभार्थियों की संख्या बयालिस हजार पाँच सौ आठ थी और आवंटन 5 सौ 52 करोड़ हुआ था। मान्यवर, मा0 मुख्य मंत्री विवेकाधीन कोष की बात बता रहा हूँ कि योगी-वन की सरकार में लाभार्थियों की संख्या छियासी हजार छः सौ बीस थी और निर्गत सहायता 1395 करोड़।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, अब आप अपनी बात को समाप्त करें।

श्री मनीष असीजा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं विपक्ष के साथियों से कहना चाहता हूँ कि इसमें किसका पक्ष लिया जा रहा है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, अब आप अपनी बात को समाप्त करें। आपको बोलते हुए 21 मिनट हो चुके हैं।

श्री मनीष असीजा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, योगी-2 सरकार का आगाज देखिए कि 01-04-2022 से अब तक उन्तीस हजार तीन सौ बयालिस लाभार्थियों को मा0 मुख्य मंत्री जी के माध्यम से उनके असाध्य रोगों में सहायता मिल चुकी है, जिसकी धनराशि 529 करोड़ है। आपने पाँच साल में जितना दिया था, योगी-2 की सरकार में पहले ही साल इतनी धनराशि निर्गत कर दी गयी है, अभी तो शेष समय बाकी है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, धन्यवाद।

श्री मनीष असीजा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, कई-कई बार रोगियों के साथ दिक्कत होती है। डाक्टरों की अनुपस्थिति होती है। यह सतत् प्रक्रिया है, पर आपको इसकी भी चर्चा करनी चाहिए कि मा0 योगी जी के नेतृत्व में 72 जनपदों में 788 डायलिसिस की मशीनें निःशुल्क काम कर रही हैं। साल में लगभग नौ लाख डायलिसिस निःशुल्क होती हैं। डायलिसिस का जो रोगी होता है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, अब आप अपनी बात समाप्त करें। आपको बोलते हुए लगभग 30 मिनट हो गए हैं। श्री रमापति शास्त्री जी।

श्री मनीष असीजा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं अन्तिम बात कह कर अपनी बात समाप्त करता हूँ। मुझे अपनी मर्यादा इसलिए भी ध्यान में रखनी पड़ेगी, क्योंकि मैं ऊपर से भी समय का ध्यान रखने के लिए कहता हूँ। मैं अन्तिम बात कह कर अपनी बात समाप्त करता हूं। मैं विपक्ष के साथियों की लगातार मनःस्थिति देखता हूँ। ये मा0 खन्ना जी की खूब तारीफ करते हैं कि ये अनुभवी हैं, हम इनसे सीखते हैं। ये खन्ना जी की तारीफ तो करते हैं, लेकिन खन्ना जी के बजट का समर्थन नहीं करते हैं। मैंने आपकी आंखों में झांककर देखा, तो आपकी स्थिति मुझे उस लड़के की तरह दिखी कि वह अपने जीवन साथी को पसन्द करने के लिए अपने माता-पिता के साथ गया, लड़की उसे पसंद आ गयी है, पिता जी दहेज के चक्कर में डण्डी मार रहे हैं और लड़का कुछ कहे, तो नहीं बेटा। आपको बजट तो पसन्द आ रहा है, लेकिन आपके ऊपर दबाव है। इसी में योगी जी के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकार, मा0 वित्त मंत्री जी के अनुभव और निष्पक्ष सर्वग्राही दृष्टि के इस बजट के प्रस्तावों का समर्थन करता हूं, जोकि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का बजट है, युवाओं के भविष्य की राह को प्रस्तुत करने वाला बजट है, यह महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भर बनाने वाला बजट है, यह किसानों के जीवन में उजाला लाने वाला बजट है, यह श्रमिकों, कामगारों, हस्तशिल्पियों की प्रतिभा निखारने का बजट है, यह उद्यमियों, व्यापारियों को सुरक्षा, प्रगति प्रदान करने वाला बजट है, यह शहरों, गांवों के अन्दर खुद की क्षमता को पंख लगाने वाला बजट है, आत्मनिर्भर बनाने वाला बजट है। प्रदेश में अराजकता का समूल नष्ट करने वाला बजट है, यह ठिठक के खड़े प्रत्येक जाति, धर्म, क्षेत्र एवं राजनीतिक विचार रखने वाले नागरिकों को मुख्य धारा पर लाने वाला बजट है और विपक्ष के लाख लांछनों के वाबजूद, आप लोगों की आलोचना और उपहास करने के वाबजूद योगी जी के नेतृत्व वाला यह जो बजट है, यह आपको और आपके समर्थकों को, आपके चाहने वालों के जीवन में भी कल्याण लाने वाला बजट है, मा0 अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार।

श्री रमापति शास्त्री-

मा0 अधिष्ठाता महोदया, बहुत-बहुत धन्यवाद जो आपने मुझे इस बजट पर बोलने का मौका दिया। सर्वप्रथम इस शानदार बजट के प्रस्तुतीकरण के लिए, प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी और उनके कुबेर वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना सहित पूरी टीम

को मैं हार्दिक बधायी देता हूं। यह बजट रामराज की परिकल्पना पर आधारित है। ऐसे रामराज जहां

दैहिक, दैविक भौतिक तापा, रामराज नहीं काहुहि ब्यापा।

नाहि दरिद्र कोउ दुखी न दीना, नाहि अबुध न लक्षण हीना।

सब सुन्दर सब शुभग शरीरा, जो तन पाये भजे रघुवीरा।

ऐसे रामराज की परिकल्पना के आधार पर शामिल है। यह बजट गरीब कल्याण के लिए समर्पित है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ताकत देकर प्रदेश के सर्वांगीण विकास की मदद करेगा। सर्व स्पर्शी, सर्व समावेशी और हर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। बजट का आकार बढ़ाकार 6.90 लाख करोड़ करना उत्तर प्रदेश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को दर्शाता है। राजकोषीय घाटे का लक्ष्य घटाकर 3.48 प्रतिशत करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। एक जनपद, एक मेडिकल कालेज, एक जिला उत्पाद की योजना प्रदेश के त्वरित तथा परिवहन की दृष्टि से एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक गलियारों का सृजन तथा निर्माण 11696 किलोमीटर लम्बाई में ग्रामीण मार्गों का निर्माण, जल मिशन के अर्न्तगत साढ़े 19 हजार करोड़ का बजट, पायलट प्रोजेक्ट के रूप में पूरे प्रदेश में युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण हेतु टैबलेट, स्मार्ट फोन वितरण करने की योजना का लक्ष्य बेहतर परिणाम देने वाला है। पर्यटन विकास के लिए इस बजट में महत्वपूर्ण घोषणा हुयी है। प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटन विकास के लिए आधारभूत संरचना की वृद्धि की गयी है। अयोध्या, वाराणसी, चित्रकूट विन्ध्याचल, मथुरा, गोरखपुर व अन्य पर्यटन स्थलों का विकास सौन्दर्यीकरण अत्यन्त महत्वपूर्ण योजना के अन्दर की गयी है। इस प्रकार यह बजट रामराज की व्यवस्था पर आधारित है और इसकी कल्पना पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने की थी कि अन्तिम व्यक्ति तक जब तक कोई सुविधा नहीं पहुंचती है तब तक इसको अधूरा माना जाएगा। उन्होंने कहा था कि अन्तिम व्यक्ति के पास पहुंचने तक लोगों को चलना पड़ेगा, निकलना पड़ेगा। उन्होंने एक महामंत्र दिया था। चरैवेति, चरैवेति, मतलब कि चलते रहो, चलते रहो और हमारे धर्म शास्त्रों ने भी कहा है, कलि सयानों भवति संजिहानास्ततो जा छपरा उतिष्ठा व्रतायाम कृतम सवतते चर्म चरैवेति, चरैवेति। मतलब कि चलते रहो, चलते रहो। इसी को हमारी सरकार ने चल करके आज बजट की जो प्रस्तुति की है यह सराहनीय है, इसके लिए मैं आपको तथा उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि इस प्रकार से बजट को प्रस्तुत करके आखिरी पायदान पर खड़े उन लोगों की व्यवस्था को ठीक करने का काम किया है। मैं आपका भी और उत्तर प्रदेश सरकार का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ कि इस प्रकार का बजट प्रस्तुत करके सभी सामान्य लोगों तक पहुँचाने का काम करेंगे। बहुत ज्यादा समय न ले करके आपको भी बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ, उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ, मा0 मंत्रि-मण्डल को धन्यवाद देना चाहता हूं और

आप सबको भी धन्यवाद देना चाहता हूँ कि हम सब मिल करके इस उच्च कोटि के बजट को हर वर्ग तक पहुँचाने का काम करेंगे। हमारे यहाँ कहा जाता है कि-

'हर हाथ को मिलेगा काम,
हर खेत को मिलेगा पानी,
दुल्हन बनकर फिर से सजेगी,
अपनी धरती रानी।'

इस व्यवस्था को ठीक करके आगे बढ़ाने के लिए हम सब तत्पर हैं और यह बजट प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनायेगा। मैं सरकार का बहुत-बहुत आभारी हूँ और आपका भी आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। धन्यवाद।

श्री गुलाम मौहम्मद-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बजट चर्चा पर बोलने का मौका दिया। यह एक लोक-लुभावन बजट है और ऐसा बजट, जो न किसानों का भला कर पा रहा है न ही मजदूर तक कोई बात पहुँच पा रही है, आसानियाँ नहीं बल्कि उलझनें पेश की जा रही हैं। एक शेर के माध्यम से मैं अपनी बात की शुरुआत करना चाहूँगा कि-

हमको मालूम है, जन्नत की हकीकत लेकिन,
दिल को खुश रखने का गालिब यह ख्याल अच्छा है।

मान्यवर, इन्वेस्टर्स समिट के बाद बहुत लम्बी फेहरिस्त बनायी है कि इतने लाख करोड़ के इन्वेस्टमेंट हो रहे हैं, लेकिन पिछली जो इन्वेस्टर्स समिट हुई थी उसके नतीजे भी हमारे सामने हैं। इसको भी जेहन में रख करके 33.50 लाख करोड़ रुपये के इन्वेस्टमेंट आ रहे हैं, सुन करके कानों को अच्छा लग रहा है। ऐसा लग रहा है कि पूरा प्रदेश इस इन्वेस्टमेंट से खुशहाली के रास्ते पर आ जायेगा। लेकिन यह भी एक सपना बन कर न रह जाए, हमें इसका अंदेशा है। इसके अलावा अधिष्ठाता महोदय, हम ऐसे क्षेत्र से आते हैं जो चौधरी चरण सिंह साहब की कर्मभूमि है और वहाँ पर बहुतायत में गन्ने की खेती होती है और गन्ने की खेती पर ही वहाँ के 70 प्रतिशत लोगों की आजीविका निर्भर है। लेकिन कितना बुरा हाल है, अभी हमारे कृषि मंत्री, गन्ना मंत्री इन सबके बयानात आये कि हमने 1 लाख 96 हजार करोड़ का पेमेण्ट कर दिया, लेकिन यह नहीं बता पा रहे हैं कि पेमेण्ट बाकी कितना है ? बहुत सी मिलों का पिछले साल का गन्ना मूल्य का भुगतान भी बाकी है। ऐसे हालात में न तो एक रुपया बढ़ाया जा रहा है और न पर्चियों पर कोई गन्ना मूल्य लिखा जा रहा है। अजीब स्थिति है। किसी माल को आदमी खरीदता, बेचता है तो उसकी कीमत तय होती है। लेकिन वाह रे किसान कितनी हिम्मत है कि बगैर भाव के ऐसे ही अपना गन्ना सेण्टर्स पर डाल रहे हो और सामने जो सरकार बैठी हुई है वह यह भी नहीं कर रही है कि 10, 20 या 50 रुपया बढ़ाना

हो वह गन्ना मूल्य बढ़ा दें कि पेमेण्ट हम थोड़ा ठहर करके देंगे, चलो हम गन्ने का मूल्य बढ़ा करके आपको दे रहे हैं तो ऐसी स्थिति में वहाँ का गन्ना किसान क्या करे? मिलों के पास जाते हैं।

मान्यवर, मिलों के पास जाते है, वहां वह अपने पैसे पर ब्याज लेते हैं। लेकिन हमारे पैसे पर न कोई ब्याज है, जबकि 14 दिन में पेमेंट की बात कही गई थी और 14 दिन के अन्दर अगर पेमेंट नहीं किया गया तो उस पर ब्याज देने की बात कही गई थी। यह सरकार कह रही है कि हम किसानों के हितैषी हैं। इसके अलावा चूंकि वह प्रदेश का ऐसा हिस्सा है जहां पर लोगों को माना जाता है कि बहुत खुशहाल एरिया है। बहुत खुशहाल क्षेत्र है, लेकिन जो छुट्टा पशु जो स्टे एनिमल हैं उनके हालात अगर आप वहां पर देखेंगे पूस की रात एक कहानी लिखी थी मुँशी प्रेमचन्द साहब ने और उसमें एक कैरेक्टर था हल्कू का अगर हल्कू के वक्त में यह मरखने और मारने वाले पशु होते तो शायद हल्कू की जान भी न बचती। यहां इतने लोगों की मौत हो रही है मेरे ही क्षेत्र में दसियों, बीसियों लोगों की मौत हो गई। कुछ ऐसा रिजर्व क्षेत्र बना दिया जाए जिसमें गाय तो चरती रहें, लेकिन सांड़ों को उधर ही कहीं ले जाएं। उधर ही कहीं कुछ बना दें गंगा के किनारे या गोरखपुर में किसी नदी के किनारे। मैं यह समझता हूं कि जो पॉलिसी बनाते हैं वह अधिकारी के कहने पर इसी तरह की पॉलिसी बना देते हैं। अपने आप सोच समझ कर पॉलिसी नहीं बन रही है। शायद यह मालूम ही नहीं कि गाय बछिया के अलावा बछड़े भी देती है और बछड़ों का पहले तो इस्तेमाल होता था हल में चलते थे, गाड़ी में चलते थे, लेकिन आज जब उनका इस्तेमाल नहीं है तो उनको घर पर कौन रखेगा। तो उनका कुछ न कुछ तो सोचना चाहिए था और आज वहां लोग बहुत परेशान हैं। लोगों की छोटी-छोटी जोतें रह गई हैं और उस जोत में जब वह सारी फसल को चर जाते हैं तो उससे बड़ा नुकसान होता है। आदमी के पूरे के पूरे साल का पूरे वर्ष की आमदनी चली जाती है, लुट जाती है और वह आदमी परेशान रहता है, इसके अलावा चूंकि टाइम कम है और बोलना ज्यादा है तो मेरी सिर्फ यह दरख्वास्त है कि एक इण्टरमीडिएट शिक्षा का मैं बजट पढ़ रहा था। उसमें शिक्षकों को रखने की बात आई। रोजगार का बजट पढ़ रहा था उसमें शिक्षकों को रखने की बात आई। जो राजकीय कालेजेज हैं उनमें शिक्षकों की भर्ती की बात कही गई है। इसी तरह से जो सहायता प्राप्त प्राइवेट संस्थाएं है उनमें उन लोगों की कुछ भर्ती हुई यह भी हमने मान लिया। लेकिन बड़ी विडम्बना है कि जो अल्पसंख्यक संस्थाएं हैं, अल्पसंख्यक घोषित संस्थाएं हैं, जो सहायता प्राप्त संस्थाएं हैं, उनमें ऐसा अटका दिया गया है कि एक्ट में संशोधन हुआ और जो थे वह अटके हुए पड़े हैं उसमें कोई नियुक्ति नहीं हो रही है। हम कहते हैं कि कोई न कोई प्रक्रिया बनाइए, उसमें कोई न कोई नियुक्ति का तरीका बनाइए, लेकिन उसमें कुछ नही हो पा रहा है। वहाँ पर बच्चों की जिन्दगी दूभर हो रही है उनको शिक्षा नहीं मिल पा रही है और टीचर्स की तादात बराबर घटती जा रही है और पढ़ाई का सिलसिला

बहुत ही खराब हो चुका है। इस पर गौर करना चाहिए क्योंकि जब आप एक पॉलिसी बना रहें है रोजगार की पॉलिसी बना रहें हैं, शिक्षा के लिए पॉलिसी बना रहें हैं तो वह सबको ध्यान में रखकर होनी चाहिए। मेरी दरख्वास्त है कि इस तरफ सोचा जाए जहां तक श्रमिकों का सवाल है श्रमिक कल्याण योजना है इसमें मेरी थोड़ी सी दरख्वास्त है और सुझाव भी है कि रजिस्ट्रेशन ज्यादा से ज्यादा कराए जाएं और उनको कुछ सुविधाएं देकर के कराए जाए। एक कानून व्यवस्था का मामला है बहुत बुरा हाल है ढिंढोरा पीटते रहें अपनी कमर थपथपाते रहें लेकिन सच्चाई यह है कि झूठी एफ0आई0आर0 होती है और उन पर लूट खसोट होती है बहुत बुरा हाल है इसी तरह से हेल्थ के मामले में अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। अगर आकड़े लिए जाए मेरे यहाँ कई गांव ऐसे हैं जहां पर पचास-पचास लोगों की मौत हुई है। लेकिन अगर यहां पर सरकारी आकड़ों में देखा जाए तो वहाँ एक, दो कोई होगा बाकी सबके नाम नदारद हैं। अगर आकड़े लिए जाएं तो दस गुनी तादाद बढ़ जाएगी। दस गुनी जिस पर हम पीठ थपथपा रहे हैं और अभी भी हम कोई व्यवस्था नहीं कर पा रहें हैं।

मा0 अधिष्ठाता जी, आपके माध्यम से मैं सरकार से एक दरख्वास्त और करना चाहता हूँ कि जो भी पॉलिसीज बन रही हैं, पूरब की जो स्कैटर्ड आबादी है, मजरे हैं, छोटी-छोटी आबादियाँ हैं, उसको लेकर के बन रही हैं। मिसाल के तौर पर जैसे बेसिक शिक्षा का मामला है तो 03 किलोमीटर की दूरी पर स्कूल की बात की गयी है। मान्यवर, आप भी वहीं से रिप्रेजेन्ट करती है, आपका विधान सभा क्षेत्र हमारे पड़ोस का ही है। हमारे पश्चिम में बड़े-बड़े गाँव हैं। एक-एक गाँव में दस-दस पन्द्रह-पन्द्रह, बीस-बीस हजार की आबादी है तो ऐसे हालात में वहाँ पर भी वही 03 किलोमीटर वाला पैरामीटर है और यहाँ भी वही पैरामीटर है। इस पर सोच समझ कर पॉलिसीज बनायी जानी चाहियें ताकि ज्यादा से ज्यादा जनता को इसका फायदा मिले।

मा0 अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, आप लिखकर दे दीजिये । मा0 सदस्य, आप संक्षिप्त कर लीजिये। साढ़े नौ मिनट हो गये हैं।

श्री गुलाम मौहम्मद-

मा0 अधिष्ठाता जी, इसी तरह से एक बहुत इम्पॉर्टेन्ट इश्यू है कि जो हमारी स्मॉल स्केल इण्डस्ट्रीज है उनके लिये बहुत छोटा-सा बजट रखा गया है। इस पर थोड़ा-सा ध्यान दिया जाना चाहिये। मेरा एक और विषय बिजली से सम्बन्धित है। हमारे यहाँ आबादियाँ बढ़ती रहती हैं तो बिजली के तार जहाँ से गुजर रहे हैं, बिजली की लाईन जहाँ से गुजर रही हैं वह बहुत खतरनाक हो चुकी हैं। अगर उसको उतरवाने की बात करें तो अधिकारी विधायक निधि की

बात करते है कि विधायक से लिखवा लो। जब बिल आप ले रहे हैं, पैसा आप वसूल रहे हैं, हर तरह से आप जिम्मेदार हैं, लेकिन उसको उतरवायेगा विधायक। मेरा यह कहना है कि उनको इसे सरकारी खर्चे पर उतरवाना चाहिये।

मा0 अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, आप जल्दी समाप्त करें। आपके 10 मिनट हो चुके हैं।

श्री गुलाम मौहम्मद-

मा0 अधिष्ठाता महोदया, मैंने अपनी बात शेर पर ही शुरू की थी और मैं अपनी बात एक शेर पर ही खत्म करूंगा। यह शेर मैं अपनी ही नहीं बल्कि अपनी पूरी कम्यूनिटी की तरफ से पेश कर रहा हूँ कि 'ऐ मादरे वतन सब तेरे लिये है। ऐ मादरे वतन सब तेरे लिये है। मेरा जहन, मेरा अमल और मेरा खून-ए-जिगर भी। ऐ मादरे वतन, मेरा खून-ए-जिगर भी।' मा0 अधिष्ठाता जी, मैं आपके माध्यम से यह दरख्वास्त करना चाहता हूँ कि अभी मैं पर्यटन का बजट पढ़ रहा था। एक भी स्थान ऐसा नहीं है जो माईनॉरिटीज से सम्बन्धित हो। इस तरह का रवैया न हो। बेहतर हो कि सब स्थानों को देखा जाये। इन्हीं अल्फाज के साथ मैं अपनी बात खत्म करता हूँ। धन्यवाद।

मा0 अधिष्ठाता-

धन्यवाद। मा0 सदस्य श्री रामचन्द्र यादव जी।

(सदस्य श्री रामचन्द्र यादव जी के अनुपस्थित रहने पर)

मा0 अधिष्ठाता-

मा0 डा0 सुरभी।

***डा0 सुरभी-**

मा0 अधिष्ठाता महोदया, धन्यवाद। सर्वप्रथम मैं अपना दल 'एस' के संस्थापक यशस्वी डा0 सोनेलाल पटेल जी को श्रद्धासुमन अर्पित करती हूँ। उत्तर प्रदेश की जब बात होती है तो हमेशा यह कहा जाता है कि देश की राजनीति की दिशा और दशा दोनों उत्तर प्रदेश तय करता है। राजनीति में इतना महत्व रखने वाला उत्तर प्रदेश अर्थव्यवस्था में उतना ही महत्वपूर्ण देने से क्यों चूक गया। यह सोचने वाली बात है। शायद लम्बे समय से जिन पार्टियों ने उत्तर प्रदेश की सत्ता की कमान सम्भाल रखी थी उन्हें केवल सत्ता से मतलब था उत्तर प्रदेश के विकास से नहीं, लेकिन आज उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राजनीति के साथ ही

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अर्थव्यवस्था में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिये तैयार है। भारत को पाँच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का मार्ग उत्तर प्रदेश खुद एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनकर प्रशस्त करेगा। मा0 अधिष्ठाता महोदया, किसी भी अच्छी आर्थिक नीति का आधार होता है कि लोगों की तत्कालीन जरूरतों को पूरा करते हुये अर्थव्यवस्था को लॉगटर्म अर्थात् लम्बे समय के लिये मजबूत करें और हम अगर बजट की एनॉलिसिस को ध्यान से देखेंगे तो हम देखेंगे कि उत्तर प्रदेश लगातार अपने ऋण को चुकाता हुआ आ रहा है जो अन्य राज्यों से कहीं ज्यादा उच्च स्तर का है।

मैं माननीय प्रधानमंत्री जी के नए भारत के सपने से प्रेरित और मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के इस ऐतिहासिक बजट का समर्थन करती हूँ। इस बार के बजट में हर समाज के हर एक वर्ग के और अर्थव्यवस्था के हर एक क्षेत्र को पर्याप्त धनराशि आवंटित हुई है। डा0 होने के नाते सर्वप्रथम मैं अपने बहुत ही विद्वान वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहती हूँ कि उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन में 12 हजार करोड़ की धनराशि आवंटित की है। मेरी विधान सभा क्षेत्र कायमगंज में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जो कि बहुत ही सुचारु रूप से चल रहा है मैं चाहती हूँ कि इसका उच्चीकरण हो जाय जिससे वहां के ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को और भी सुविधा प्राप्त होगी। अभी मैंने सुना, हमारे वरिष्ठ सदस्य ने स्वास्थ्य विभाग का कुछ उल्लेख किया तो मैं बताना चाहती हूँ कि सरकार के इस बार के बजट में केवल स्वास्थ्य विभाग के लिए 7.3 प्रतिशत की राशि आवंटित हुई है। इसका अगर हम ऐवरेज निकाले तो इस देश के सभी राज्य केवल 6.3 प्रतिशत राशि ही आवंटित करते हैं। एक डा0 होने के नाते मुझे इस बात का गर्व है कि स्वास्थ्य विभाग में विशेष तौर पर ध्यान दिया गया है। एक बड़े अर्थशास्त्री कहते हैं कि समाज सुधार के लिए महिला सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण योगदान होता है। जहां महिलायें रोजगार में होती है, आत्मनिर्भर होती हैं वहीं शिशु मृत्यु दर भी बहुत कम होता है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको बताना चाहती हूँ कि मेरी कायमगंज विधान सभा क्षेत्र में राजा द्रौपद की नगरी कम्पिल है जहां से द्रौपदी आती है और हमारे एक मा0 सदस्य ने द्रौपदी को शस्त्र उठाने को कहा था तो मैं उसी से सम्बन्धित कुछ पंक्तियों का यहां पर उल्लेख करना चाहती हूँ कि ''जोरो की हुंकार भरी है भारत की नारी ने, दहली देखों पार करी है अब भारत की नारी ने, धरती से लेकर अंबर तक कोना-कोना खंगाला है, खोले हैं पंख उड़ान भरी है, मोदी योगी युग की नारी ने''। मा0 मुख्य मंत्री सामूहिक विभाग योजना में 600 करोड़ की राशि आवंटित की गयी है जिसमें पिछड़े वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु 150 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है। इसके लिए मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी का और हमारी पार्टी की नेता श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी का भी धन्यवाद करूँगी क्योंकि उन्होंने पिछड़े वर्ग के लिए हमेशा आवाज उठायी है। मैं आपके समक्ष यह भी कहना

चाहती हूँ कि हमारी सरकार यह चाहती है कि महिलायें केवल सुरक्षा की रिसीवर न हों गिवर भी हो सकती हैं। इसी के मद्देनजर हमारी सरकार ने कानून एवं शान्ति व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए तीन महिला पी0ए0सी0 बटालियन का गठन भी किया है। हम सब इस बात को मानते हैं कि किसी भी राज्य को विकास के पथ पर ले जाने की पहली शर्त ही कानून व्यवस्था होती है और इस बेहतर कानून व्यवस्था का असर हमारे ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में 35 लाख करोड़ से अधिक निवेश प्राप्त हुए है, यह इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है। मैं अन्त में अपनी विधान सभा क्षेत्र में राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज की मांग करती हूँ क्योंकि यह हमारी बालिकाओं के लिए अति आवश्यक है। इसकी मांग मैं आपके माध्यम से करना चाहती हूँ और एक शिवारा नगर पंचायत की घोषणा आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी से मांगना चाहती हूँ, समय-सीमा को देखते हुए, आपका बहुत-बहुत आभार धन्यवाद।

***श्री इकबाल महमूद-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपसे एक प्रार्थना है कि जिस तरह माननीय असीजा जी को 25 मिनट का टाइम दिया था।

श्री अधिष्ठाता-

नहीं, उन्होंने अध्यक्ष जी से समय लिया था ।

श्री इकबाल महमूद-

आप भी तो अधिष्ठाता हैं, आप मुझे समय दे दीजिए। अधिष्ठाता महोदय, आज बजट पर बात चल रही है। मगर यहां देखा गया है कि बजट पर पांच मिनट और बाकी आरोप-प्रत्यारोप, पक्ष-विपक्ष पर ज्यादा चर्चा हुई। मैं भी उसी तर्ज पर अपनी बात रखना चाहता हूं। अधिष्ठाता जी, हम लोग जनता से चुनकर आते हैं और जनता जनार्दन है। सातवीं बार मुझे मौका मिला। मुझसे पहले मेरे पिता श्री नवाब महमूद हसन खां तीन बार सदस्य रह चुके। मगर आज तक जो माहौल प्रदेश की जनता के बीच और विधान सभा में अन्दर पिछले 6 साल से चल रहा है, ऐसा वातावरण पीछे कभी देखने को नहीं मिला। आपसी भाईचारा, मोहब्बत और प्यार इसका कोई जिक्र विधान सभा में नहीं होता। एक दूसरे की आलोचना करना, वाह-वाही लूटने का काम हो रहा है। जबकि विधान सभा नियम बनाने के लिए बनी है। जनता को अच्छी सुविधायें पहुंचाने के लिए बनी है। जनता के हित में काम करने के लिए बनी है। मगर इस पर काम कम हो रहा है और आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा लग रहे हैं। यहां योगी जी पहली बार जब मुख्य मंत्री बने तो हमें उम्मीद लगी कि एक पीठ का पीठाधीश्वर, योगी और

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अच्छा पार्लियामेन्टेरियन उत्तर प्रदेश की सरकार का मुखिया बना है। हमें उससे बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा। मगर अफसोस हमारी उम्मीदों पर पानी फिर गया। जो चीजें हम सोच रहे थे उस पर अमल नहीं हुआ। योगी जी इस प्रदेश के मुखिया हैं। काबिल व्यक्ति हैं। हम उम्मीद करते थे कि प्रदेश उनसे सीख लेकर आगे बढ़ेगा। मगर नफरती बातें यहां पर हुईं। एक समुदाय विशेष के ऊपर खास नजर रखकर राजनीति को आगे बढ़ाने का काम हुआ। यह अफसोस की बात है। प्रदेश में कांवड़ यात्रायें निकली। माननीय योगी जी ने उनका सम्मान किया। हमें भी खुशी हुई। हमने भी सम्मान किया। दूसरी तरफ अगर देखा जाये तो हमारे रोजे और नमाज पर भी पाबन्दी लगा दी गयी। हमारे साथ जो होता था रमजानों में रोजे रखने पर लोग इफ्तार की पार्टी दिया करते थे। 1996 में यहां के मुख्य मंत्री आदरणीय श्री कल्याण सिंह जी रोजा इफ्तार कराया करते थे। उन्होंने हमें भी बुलाया। हमने उनसे पूछा कि कहां आना है तो वे बोले कि मेरे आवास पर कालीदास मार्ग पर हम वहां गये हमने कहा कि हमें नमाज भी पढ़नी है। वे बोले पढ़ो पूरा मैदान पड़ा है। हमने वह भी वक्त देखा है। हमने देश के अन्दर भी देखा है कि विपक्ष के नेताओं को किस कदर अहमियत दी जाती थी। केन्द्र के अन्दर श्री नरसिम्हा राव जी की सरकार थी। यू0एन0ओ0 में भारत का पक्ष रखने के लिए आदरणीय बाजपेई जी को उन्होंने भेजा था। विपक्ष में थे। इस चीज का अभाव आज-कल हो रहा है। इस तरह की कोई बात देखने को नहीं मिल रही है। हम आपस में बैठें हैं। जनता के बीच में जायेंगे और अपनी उपलब्धियां बतायेंगे। मगर एक दूसरे की जाति पर, एक दूसरे के धर्म पर अटैक करना अच्छी बात नहीं है। भगवान के यहां सबको जाना है। अल्लाह के यहां सबको जाना है। उसको यह हिसाब नहीं देना है कि दुनिया में क्या किया ? भगवान के प्रति, अल्लाह के प्रति तुमने क्या किया इसका जवाब देना है।

अधिष्ठाता महोदय, देश कहां जा रहा है प्रदेश कहां जा रहा है। बहुत जरूरी है कि हम सब इस पर विचार करें। हमारी जनता हमें देखती है हमारे यहां टीवी लग गये हैं और टीवी लगकर संदेश पूरे प्रदेश, देश व दुनिया में जा रहा है और सभी लोग हमको देख रहे हैं। हमें सोचना चाहिए कि इस विधान सभा में बैठकर जनता के लिए क्या कर रहे हैं। आदरणीय योगी जी जब पहली बार मुख्य मंत्री बने और उनकी सीट खाली हुई वहां चुनाव हुआ तो हमारे मत्स्य पालन मंत्री के बेटे समाजवादी पार्टी के कैंडीडेट थे वह वहां से जीते। जनता जनार्दन है मैं फिर कह रहा हूं कि जनता ने उन्हें जिताया तो जनता के जीते हुए व्यक्ति पर और जनता के जीते हुए विधायक पर आरोप नहीं लगाना चाहिए यह आरोप सीधा-सीधा जनता के ऊपर लगता है जिस जनता ने उन्हें जिताया हो। इन सब बातों के साथ-साथ अब बजट पर भी कुछ बात बता देता हूं कि परिवहन विभाग के बजट में बहुत कुछ दिया गया मगर धरातल पर कुछ नहीं दिया रोडवेज की बसों के हालात आप देख रहे हैं हमारे साथी विधायक चौधरी समरपाल सिंह जी ने कहा कि कुत्ते की दुम भी लग जाती है तो बसों का डेंट करवाना पड़ जाता है और

आज हालात यह है कि बसें पूरी नहीं हैं रोड़वेज की इसलिए ही प्राइवेट बसें लगायी जा रही हैं। प्राइवेट बसों के मालिकों को तो फायदा हो रहा है मगर रोडवेज के बजट में नुकसान दिखाया जा रहा है। हमारे यहां सम्भल में जब से देश आजाद हुआ है तब से किराये की जमीन के ऊपर रोडवेज बस अड्डा चल रहा है। हमने मंत्री जी से भी कई बार कहा कि बस अड्डा बनवाये वहां पर सम्भल से बहुत सारे लोग दिल्ली, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़ आदि बहुत सारी जगह जाते हैं इसलिए वहां एक डिपो होना चाहिए। मेरी बात मा0 परिवहन मंत्री जी तक पहुंचेगी। बिजली विभाग में मैंने अपनी विधायक निधि से करोड़ों रुपया दिया और उसको ठीक कराने का काम करवाया। इसको ठीक करने की जिम्मेदारी सरकार की थी और सरकार इसको ठीक कराती लेकिन उनके पास फण्ड ही नहीं है। पहले हमने देखा शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के अन्दर एस0डी0ओ0 और जेई हुआ करते थे और उनका सामान का एक स्टोर हुआ करता था और सामान वहां होता था तो जो कमियां होती थी वह स्टोर में रखे सामान से ठीक करा दिया करते थे लेकिन आज कहीं स्टोर का नाम ही नहीं है। बिजली का तार गिर गया, और 50 से 100 मीटर लगना है तो कहते है कि हमारे पास है ही नहीं आप अपनी निधि से दे दीजिए। अब आप ही बताईये कि हमारी निधि इसमें लगेगी। अब करोड़ो- अरबों का बजट दिया है विद्युत विभाग को। ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं और फुंक इसलिए रहे हैं क्योकि उनके ऊपर भार ज्यादा है इसलिए उन सभी का सर्वे कराकर उनका भार बढ़ाना चाहिए। हम बिजली मंत्री से मांग करते है कि वह सम्भल की बिजली की व्यवस्था पर पूरा जोर दें। किसानों और मजदूरों को बिजली का लाभ समय पर मिलना चाहिए। सम्भल के अन्दर पढ़ाई की व्यवस्था बहुत ही खराब है। स्कूल हैं, कालेज हैं, लेकिन टीचर्स नहीं हैं। माननीय अखिलेश यादव जी की सरकार में वहां पर तीन-चार नये इण्टरमीडिएट कालेज खोले गये थे और करोड़ों रुपये खर्च करके उनकी बिल्डिंग बन गई है। वहां पर विद्यार्थी हैं मगर पढ़ाने के लिए टीचर नहीं हैं। सरकार का करोड़ों रुपये लगने के बावजूद उस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मैं समझता हूँ कि यह राजनीति नहीं होनी चाहिये कि यह स्कूल समाजवादी पार्टी ने बनाये थे इसलिये हम इनको चालू नहीं होने देंगे। यह अच्छी बात नहीं है। अगर हमारे बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करेंगे तभी देश आगे बढ़ेगा। देश को आगे बढ़ाने के लिए अच्छी शिक्षा जरूरी है और शिक्षा प्राप्त करने के बाद में अच्छी नौकरी जरूरी है। प्रतियोगिता के इस दौर में बच्चे कैसे आगे बढ़ पायेंगे जब उनके साथ इस तरह का व्यवहार होगा।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य 11 मिनट हो गये हैं। कृपया थोड़ा जल्दी कर लीजिये।

श्री इकबाल महमूद-

मैंने आपसे स्पेशल रिक्वेस्ट की थी और आपने कहा था कि मैं आपको समय दूँगी।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य कृपया एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर लीजिये।

श्री इकबाल महमूद-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोलना चाहता हूँ। मैंने कोविड के दौर में सम्भल में पी0एच0सी0 में आक्सीजन प्लाण्ट लगाने के लिए अपनी विधायक निधि से 50 लाख रुपये की धनराशि दी थी। वहां के अधिकारियों ने मुझसे कहा कि आप हमारे मण्डल में पहले विधायक हैं जिन्होंने यह काम किया है। मगर तीन-चार महीने तक वह प्लाण्ट नहीं लगा। जब मैंने पता किया तो मालूम चला कि विधायक निधि तो आ गई है। जब मैंने पूछा कि लगा क्यों नहीं तो बताया गया कि इसे रोक दिया गया है। मैंने पूछा कि आखिर क्यों रोक दिया गया है तो बताया गया कि प्रदेश सरकार से इस सम्बन्ध में कुछ गाइडलाइन आनी है तब इसे लगाया जायेगा । जनता परेशान है और उसको आक्सीजन नहीं मिल पा रही है और यह गाइडलाइन का बहाना बनाकर विलम्ब करते रहे। बाद में मालूम हुआ है कि इसको प्रधानमंत्री योजना से ले लिया गया है और हमारा पैसा नहीं लिया गया। हेल्थ ए0टी0एम0 को माननीय सदस्यों के बीच में विधान सभा परिसर में दिखाया गया था। हमने उसके लिए अपनी निधि से पैसा दिया था कि चार महीने होने के बावजूद आज तक वहां पर हेल्थ ए0टी0एम0 नहीं लगा है। अगर यह लग जाता तो हजारों लोग इससे फायदा उठाते लेकिन उनको आज प्राइवेट लैब में खर्च करना पड़ रहा है। सरकारी डाक्टर बाहर से जांच कराने को लिख रहे हैं और जनता प्राइवेट पैथालाजी में जाकर पैसा खर्च कर रही है। मैं उम्मीद करता हूँ कि इस विभाग के मंत्री अगर मेरी बात सुन रहे होंगे तो वह हमारे यहां जल्द से जल्द हेल्थ ए0टी0एम0 लगवाने की कृपा करेंगे। मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

गन्ना विकास एवं चीनी मिलें राज्य मंत्री (श्री संजय सिंह गंगवार)-

माननीया अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे वित्तीय वर्ष 2023-2024 चीनी मिल के बजट अनुमानों पर बोलने का मौका दिया जिसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। अभी मैं अपने बहुत वरिष्ठ सदस्य को सुन रहा था जिन्होंने कहा कि विधान सभा मण्डप में जो कार्यवाही होती है उसको देश ही नहीं दुनिया के लोग देखते हैं। मैं वर्ष 2017 में पहली बार चुनकर आया था और 2022 में दोबारा चुनकर आया, लेकिन मैंने पिछले छह सालों में देखा है कि जब भी महामहिम राज्यपाल जी अभिभाषण के लिए इस सदन में उपस्थित होती हैं तो हमारे विपक्ष के साथी हो-हल्ला मचाते हैं जिसे पूरा देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया देखती है। कम से कम देर आये दुरूस्त आये। हमारे एक साथी ने इसको स्वीकार किया और मैं समझता हूँ कि बाकी प्रतिपक्ष के हमारे साथी भी इसमें सुधार लायेंगे कि जब भी दोबारा राज्यपाल महोदया बोलने आयें तो शांति से सुनें क्योंकि यह पूरा देश देखता है। दूसरी बात यह आयी कि

एक विशेष समुदाय को टार्गेट करके हमारी सरकार काम कर रही है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि योगी, कर्मयोगी आदित्यनाथ जी की सरकार जब से बनी हमने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास जीतने का काम किया और जनता ने फिर से प्रचण्ड बहुमत देकर भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों को सरकार में बिठाने का काम किया। मा0 अधिष्ठाता महोदय मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि यह सरकार जनता की चुनी हुयी है। आप भी हमारे जनता के चुने हुये साथी हैं। आपको सरकार के अच्छे कामों की प्रशंसा करनी चाहिए। हमने अगर शौचालय दिया तो सभी वर्गों को ध्यान में रखकर दिया। कोई नहीं कह सकता कि हमने पक्षपात किया। लेकिन जब इस तरफ थे तो उस समय एक विशेष वर्ग के, कब्रिस्तानों की तो बाउंड्री हो जाती है लेकिन शमशान घाट में एक ईंट नहीं लगती है। हमें इसमें एतराज नहीं है कि आपने कब्रिस्तान की बाउंड्री करायी । लेकिन चार ईंटे अगर शमशान घाट में भी लगा देते तो बाँटने का काम आप लोगों का है। दूसरी बात यह कहना चाहता हूँ कि बार-बार विधायक निधि की चर्चा आती है। मैं सभी को कहना चाहता हूँ कि यह विधायक निधि किसी की नहीं है यह विधायक निधि भी उसी जनता जनार्दन की है जिसने आपको चुनकर इस सदन में भेजा है। अगर उस विधायक निधि से आप बिजली के तार के लिए थोड़ा पैसा दे रहे हैं तो यह जनता का ही पैसा है। मैं विपक्ष के सभी साथियों से कहना चाहता हूँ कि अपनी विधायक निधि की जगह अगर हम इस शब्द का इस्तेमाल करेंगे कि यह जनता की विधायक निधि है यह जनता का पैसा है तो मैं समझता हूँ कि आधी से ज्यादा समस्यायें स्वतः ही इसमें हल हो जायेंगी।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, हमारी सरकार ने पिछली सरकारों की अपेक्षा सर्वांगीण विकास की नीतियों को धरातल पर उतारकर मूर्त रूप दिया। हमने जनहित के विकास के लिए प्रत्येक क्षेत्र में कार्य किया। चाहे वह अवस्थापना का हो, निवेश का हो समाज के प्रत्येक वर्ग जिसमें किसान, महिला, युवा, आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर दुर्बल वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए सरकार के द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है। जनसमस्याओं के तेजी से निस्तारण हेतु प्रदेश सरकार के द्वारा प्रभावी व्यवस्था दी गयी है। इसमें मुझे दो लाइने याद आती है कि हाथ में तलवार है वाणी में भी धार है फिर भी शांत रहते हैं क्योंकि भगवान श्रीराम के हमारे संस्कार हैं। मा0 अधिष्ठाता महोदय, 2017 से पहले इस उत्तर प्रदेश के बारे में जो चर्चा होती थी अन्य प्रदेशों में अगर लोग यह सुनते थे कि हम उत्तर प्रदेश से आये हैं तो हमारे बारे में अच्छी धारणा नहीं रखते थे। किराये पर मकान नहीं देते थे। लेकिन 2017 के बाद से कानून-व्यवस्था में जो सुधार हुआ उसका परिणाम ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में साढ़े तैंतीस लाख करोड़ से अधिक का निवेश हुआ और मैं यह सदन में सुन रहा था कि यह धरातल पर नहीं आया। तो मैं अपने विपक्ष के साथियों को अपने जनपद पीलीभीत में आमंत्रित करता हूँ।

मान्यवर, जब पीलीभीत जनपद की जनता ने आपको भी तीन-तीन विधायक चुनकर दिये थे। एक इण्डस्ट्री लगाने के बजाय बंद करने का जो काम आपने किया । अपने जनपद में 1400 करोड़ रुपये का निवेश पिछले इन्वेस्टर समिट का धरातल पर उतर चुका है।

मान्यवर, मेरे जनपद में एशिया का सबसे बड़ा खमीर का प्लांट लग रहा है और मैं विपक्ष के सभी साथियों को आमंत्रित करता हूँ कि आप लोग पीलीभीत आएं और मैं आपको दिखाता हूँ और पीलीभीत की जनता से पूछिए कि वर्ष 2017 से पहले जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी तब जनपद पीलीभीत के क्या हाल थे। यह मैं एक जिले की बात कर रहा हूं। वर्ष 2017 से लेकर अब तक इन छः सालों में कितना बदलाव हुआ है। मेरे विभाग में गन्ने की बात हो रही थी तो एक कहावत है कि सूप बोले तो बोले, चलनी तो न बोले, जिसमें बहत्तर छेद हों। वर्ष 2017 से समाजवादी पार्टी के द्वारा 19 चीनी मिलें बन्द करने का काम किया गया था और यह किसानों के हित की बात करते हैं। हमारी सरकार ने पांच नयी चीनी मिलों को पुनः संचालित करने का काम किया है। यह देश एवं प्रदेश की जनता देख रही है कि कौन किसानों के हित में काम कर रहा है। आज 117 चीनी मिलों में से 100 चीनी मिलें ऐसी हैं जो 90 प्रतिशत किसानों के गन्ना मूल्य का भुगतान कर चुकी हैं। यह आपका फैलाया हुआ रायता हम समेट रहे हैं और इसको समेटने में थोड़ा-सा वक्त जरूर लगेगा लेकिन यह भी आपको विश्वास दिलाते हैं कि अगला वित्तीय वर्ष आने से पहले ही चौदह दिनों के अन्दर गन्ना किसानों का भुगतान करने का काम करेंगे। इसका परिणाम यह है कि गन्ने का क्षेत्रफल बढ़ा, रकबा बढ़ा। सदन में चिकित्सा के क्षेत्र में भी बड़ी चर्चाएं हो रही थीं, आप भी लम्बे समय तक सरकार में रहे है, आपने कितनी मेडिकल की सीटें बढ़ा दीं ? आपको जनता को जवाब देना होगा। हमारी सरकार ने वर्ष 2017 से लेकर वर्ष 2022 तक 3828 सरकारी एम0बी0बी0एस0 की सीटें और प्राईवेट में 4700 सीटें करने का काम किया है। प्रत्येक जनपद में एक मेडिकल कालेज के साथ-साथ, प्रत्येक जनपद के अन्दर डायलिसिस यूनिट, आपकी सरकार में तो किसी भी अस्पताल में डॉक्टर ही नहीं बैठते थे। मैंने देखा है कि डॉक्टर अस्पताल में न बैठकर अपने प्राइवेट क्लीनिक में बैठते थे और अगर मरीज किसी प्राइवेट क्लीनिक पर दवाई लेने जाता था तो अगर वह साइकिल का झण्डा लगा हुआ देख लेता था तो वह डॉक्टर को फीस नहीं देता था बल्कि दवाई ली और आस्तीन समेटकर चले जाते थे क्योंकि डॉक्टरों में भी डर का माहौल बना हुआ था। इस डर के माहौल को खत्म करने का काम मा0 योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने किया है। अभी मा0 सदस्य सम्भल की बात कर रहे थे और मा0 सदस्य बहुत वरिष्ठ हैं और आपने जितनी देर बोला है मैंने आपसे बहुत कुछ सीखा है। आप भी सरकार में रहे हैं और जनता ने आपको सातवीं बार विधायक बनाकर सदन में भेजा है, आपकी सरकार में भी परिवहन मंत्री रहे होंगे तब वहां पर रोडवेज का डिपो क्यों नहीं बनाया गया लेकिन हमारी सरकार में सम्भल के अन्दर रोडवेज बसों की व्यवस्था भी की है और

रोडवेज के डिपो का प्रस्ताव भी हुआ है। आप लिखकर दीजिए और आपकी विधायक निधि से हेल्थ ए0टी0एम0 भी लग जायेगा और सारी चीजें हो जायेंगी क्योंकि जहां-जहां के मा0 विधायक जी ने अपनी विधायक निधि से पत्र लिखकर दिया है 24 घण्टे लगे होंगे, 25वां घण्टा नहीं लगा होगा वहां पर हेल्थ ए0टी0एम0 लगाने का काम हुआ है और हर सी0एच0सी0 एवं पी0एच0सी0 पर हेल्थ ए0टी0एम0 लगने का काम हुआ है। झूठ बोलने की एक हद होती है और मुझे लगता है कि हमारे विपक्ष साथियों ने झूठ बोलने में पी0एच0डी0 कर रखी है। मैं देख रहा हूँ कि एक झूठ बोलता है और दूसरा मेज थपथपाता है, यह भी जनता देख रही है। आपको उत्तर प्रदेश की देवतुल्य जनता ने एक बार नहीं, दो बार नहीं, तीन बार मौका दिया है। आप जाति समुदाय की बात करते हैं, जाति समुदाय पर आप क्या बात करेंगे, छः साल के अन्दर उत्तर प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ है। और आज उत्तर प्रदेश की जनता खुशहाली से रह रही है तो हमारे साथियों के पेट में दर्द है। धर्म-जाति की राजनीति भारतीय जनता पार्टी वाले नहीं करते, भारतीय जनता पार्टी विकास को लेकर, विकास के एजेण्डे को लेकर जनता के बीच जाती है और जनता आशीर्वाद भी देती है और मैं कृपापूर्वक हाथ जोड़कर कहना चाहूंगा कि आप लोग भी इस विकास की गति में अपना योगदान दीजिए। जहां तक मैं बात करूं महिलाओं की तो जिस पार्टी के लोग सैफई के अन्दर महिलाओं को बुलाकर जनता की गाढ़ी कमाई को लगाकर, हवाई जहाज से बुलाकर, उनका नृत्य देखने का काम करें...

(विपक्ष के कुछ सदस्यों के एक साथ बोलने से शोर)

वे महिलाओं को सम्मान देने की बात करेंगे। महिला सम्मान की बात अगर कोई करता है तो भारतीय जनता पार्टी करती है जो पी0ए0सी0 की तीन महिला बटालियन का गठन करके भारतीय जनता पार्टी की योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है। जहां तक प्रश्न है विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली देना, कितनी जगह आपने नये उपकेंद्र खोल दिये, कितनी जगह आपने तार बदल दिये। उत्तर प्रदेश की कर्मयोगी सरकार, योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने रिवैम्पड योजना लाकर जिसका टेण्डर भी हो गया है और जिसका काम भी शुरू हो गया, मैं तो माननीय अधिष्ठाता महोदया के माध्यम से आप लोगों से निवेदन करता हूं कि आप लोग अपने क्षेत्रों में विद्युत विभाग की रिवैम्पड योजना के साथ सहभागी बनिए और अपने क्षेत्र के विकास की बात सोचिए। ये आरोप-प्रत्यारोप लगाने में कुछ नहीं रखा, मैं सभी विपक्ष के साथियों से कहूंगा आप यहां से निकलकर अपना काला चश्मा हटाइए, ये हरा चश्मा उतारकर सच्चाई को देखना और सच्चाई को स्वीकार करना सीखिए। मैं इन्हीं सब बातों के साथ, मा0 अधिष्ठाता महोदया आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं और अन्तिम बात कहते हुए कि-

अब हवाएं ही करेंगी, रोशनी का फैसला।

जिस दीये में जान होगी, वही दीया रह जाएगा।

ऐसी महिमा है मेरे श्रीराम की, अगर कोई दूसरे धर्म का आदमी दवा बेचता है तब भी वह दवा बेचते वक्त कहता है कि ये रामबाण इलाज है। बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री त्रिभुवन राम-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, मैं आपकी अनुमति से इस प्रदेश के यशस्वी, लोकप्रिय तथा विजनरी मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी जी के दूसरे कार्यकाल के वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट पर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए उपस्थित हुआ हूं। ये बजट प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए है, शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, पर्यटन, युवाओं के लिए रोजगार तथा आत्मनिर्भर बनाने के लिए, प्रदेश के सभी लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए इस बजट में प्रावधान किया गया है। हम देख रहे थे कि वर्ष 2016-17 का बजट, जो समाजवादी पार्टी के आखिरी वर्ष का बजट था, यह बजट तीन लाख छियालिस हजार करोड़ रुपये का था और माननीय योगी जी की सरकार का यह जो छठे साल का बजट है उसके मुकाबले यह बजट 07वें वर्ष के 06 लाख 90 हजार करोड़ रुपये का है जो लगभग 100 प्रतिशत, यानी दोगुना बजट है। यह बजट इस बात का द्योतक है कि माननीय योगी जी की इस सरकार में जहाँ पर कानून-व्यवस्था का राज कायम हुआ है, वहीं पर विकास के कार्यों की प्रगति अपेक्षाकृत बढ़ी है। माननीया अधिष्ठाता महोदय, हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी यह कहा करते हैं कि जिस क्षेत्र में सड़कों का विकास हो जायेगा, उस क्षेत्र की जनता का स्वयं विकास होना स्वाभाविक है और पूर्व में हमारे प्रधानमंत्री तथा किसान के जो नेता माननीय चौधरी चरण सिंह जी थे, वह भी कहा करते थे कि देश के विकास की रफ्तार गाँव, खेतों और खलिहान से होकर आगे बढ़ती है। इसीलिए इस बजट में कृषि के विकास, किसानों के सम्मान तथा ग्रामीण विकास को विशेष महत्व दिया गया है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, अभी बहुत दिन नहीं हुआ, 10-15 दिन पहले की बात है। यह लखनऊ शहर दूल्हन की तरह सजा हुआ था और पूरा प्रदेश जो इन्वेस्टर्स थे, पूँजीनिवेशक थे, उनकी टीम की अगवानी के लिए दूल्हन की तरह सजा हुआ था। लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देश के और विदेशों से लगभग 25 हजार मेहमान आए थे। प्रदेश के आतिथ्य को देखकर तथा इस प्रदेश में विनिवेश के लिए जो आवश्यक वस्तुएँ थीं, जैसे सड़क, इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत थी, उसके अलावा बिजली की आपूर्ति, कानून-व्यवस्था, रॉ-मैटीरियल की उपलब्धता तथा उसके साथ-साथ स्किल्ड लेबर की आवश्यकता थी, इनको देखकर ही इन्वेस्टर्स उत्तर प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में आए। यह सच है कि 33 लाख 50 हजार करोड़ का इन्वेस्ट यहाँ पर हो रहा है और अधिष्ठाता महोदय, यह जो इन्वेस्टमेंट है, यह कागजों में नहीं है। पहले भी ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी हुई है और अब भी माननीय मुख्य मंत्री जी ने जितने एमओयू 19 हजार के हुए हैं, उनमें तमाम तरह की समितियाँ बनाकर सबको जिम्मेदारी दे दी

गई है। माननीय मुख्य मंत्री जी स्वयं इसकी समीक्षा भी कर रहे हैं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, इस सम्बन्ध में मैं स्वयं लिखित दो पंक्तियाँ माननीय सदन के समक्ष रखना चाहता हूँ-

टिकी निगाहें हैं विश्व की, योगी की सरकार पर,

कानून-व्यवस्था, स्वच्छ प्रशासन से पूँजी निवेश के भरमार पर।

(सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)

माननीय अधिष्ठाता महोदय, इधर कई दिनों से लगातार पंजाब के माननीय मुख्य मंत्री जी को हम लोग देख रहे हैं। अखबारों में पहले पेज पर उनकी फोटो छपती है और कहा जाता है कि 40 हजार करोड़ रुपये का पंजाब में इन्वेस्टमेंट आ रहा है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, हम लोग तो डुग्गी नहीं पीट रहे हैं। हमारे यहाँ जब 33 लाख 50 हजार करोड़ का इन्वेस्टमेंट आ रहा है तो हम उसको कागज तक ही सीमित नहीं रख रहे हैं, बल्कि वह जमीन पर भी आ रहा है, इसको माननीय मुख्य मंत्री जी सुनिश्चित कर रहे हैं।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैंने इसी बात पर दो-चार लाइनें और लिखी हैं।

आएगा पूंजी निवेश भारी, यू0पी0 होगा सब राज्यों से न्यारी,

यू0पी0 का सम्मान बढ़ेगा, भय से मुक्ति और कष्ट घटेगा,

सोच बढ़ी है आशा और उल्लास बढ़ा है,

सबका योगी महाराज पर विश्वास बढ़ा है।

कहत त्रिभुवन सुनय सब भाई,

योगी राज में सब दुख घट जाई।

आने वाला है नया सवेरा,

पुलकित होगा सभी का चेहरा।

अधिष्ठाता महोदय, पूरी दुनिया में सेमी कण्डक्टर की मारा-मारी रहती है, लेकिन यह पहली बार हो रहा है कि उत्तर प्रदेश में सेमी कण्डक्टर जिसका मोबाइल के चिप में इस्तेमाल होता है उस सेमी कण्डक्टर के लिए भी यहां पर कम्पनियों ने ऑफर दिया है और वह मौजूद हुआ है। इसी प्रकार से जो मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक इन्स्ट्रूमेंट होते हैं उनमें गोल्ड होता है, प्लैटिनम होता है, सिल्वर होता है और बहुत अच्छा पॉलीमर होता है उनको निकालने के लिए भी विदेश की कम्पनियों ने यहां एम0ओ0यू0 किया है, जो बहुत बड़ी बात है।

श्री अधिष्ठाता-

आप अपनी स्थानीय समस्याएं बता दीजिए।

श्री त्रिभुवन राम-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं इस सदन में वर्ष 2012 से 2017 तक भी रहा हूं और जो आज हमारे विपक्ष में बैठे हुए हैं उस समय बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रतिपक्ष हुआ करते थे वह यह कहा करते थे कि यह बजट नहीं झुनझुना है और बार-बार इस शब्द को रिपीट करते थे कि यह बजट नहीं झुनझुना है और इसका बाईकाट करते थे, लेकिन जनता ने उनका बाईकाट किया और झुनझुना आप लोगों को पकड़ा कर चले गए और यह झुनझुना इनके पास है जो बजता रहता है जब मर्जी होती है तब बज जाता है।

आप सभी जानते हैं कि रामचरित मानस गोस्वामी तुलसीदास जी ने 16वीं सदी में लिखा था और उस समय तुलसीदास जी ने यह बात लिखी थी उसी एक लाइन को लेकर सुर्खियों में आना चाहते हैं हमारे नेता प्रतिपक्ष जी, लेकिन उन्होंने बहुत कोशिश कर ली उनके साथ में न अनुसूचित जाति के लोग गए, न जनजाति के गए और न ही पिछड़ी जाति के गए और वह जो चाहते थे वह कहीं दिखाई नहीं पड़ा और उनको मुंह की खानी पड़ी है। यहां तक कि समाजवादी पार्टी के नेता ने उनको ऐसे स्टेटमेन्ट से बचने के लिए भी नसीहत दे डाली है तो मैं यह बताना चाहता हूं कि हजारों वर्ष पहले भगवान राम जी का कार्यकाल था और उनके राज्य में जब भगवान राम जी ने शबरी का जूठा खाया था, निषादराज के घर में उन्होंने खाना खाया था और उनकी सेना में जहां पर सुग्रीव थे जहां पर जामवन्त थे वहीं पर द्रविण लोग भी हुआ करते थे उनकी सेना में तो भगवान राम ने यह बात देखी नहीं, परन्तु इन्होंने यह बात पैदा करके देश में आज जो सामाजिक समरसता है। ये उसको समाप्त कराने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसा वैमनस्य फैलाने वाले व्यक्ति का यह इतना घृणित कार्य है, जो सर्वथा निन्दनीय है। हम इसकी जितनी भी निन्दा करें, जितनी भी भर्त्सना करें, वह कम ही होगी।

श्री अधिष्ठाता-

अगर आपकी कोई स्थानीय समस्या हो तो बता दीजिए। फिर नेक्स्ट सदस्य को बुलाएँ। अब आपका बहुत टाइम हो गया।

श्री त्रिभुवन राम-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं पी0डब्ल्यू0डी0 पर भी कुछ बात करना चाहता था।

श्री अधिष्ठाता-

आपके 10 मिनट हो गए हैं तो अब आप लिखकर दे दीजिएगा। आप अपनी समस्याएँ लिखकर दे दीजिएगा क्योंकि 10 मिनट हो गए हैं और आगे बहुत सारे स्पीकर्स हैं।

श्री त्रिभुवन राम-

मैं एक-दो मिनट में अपनी बात रख लूँगा।

श्री अधिष्ठाता-

आप आधा मिनट में अपनी बात पूरी कर लें।

श्री त्रिभुवन राम-

इनके समय में जब यहाँ पर पी0डब्ल्यू0डी0 में टेण्डर्स होते थे तो इतनी माफियागिरी थी कि बहुत से ठेकेदार, बहुत से इंजीनियर्स मारे जाते थे। लेकिन आज प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से पारदर्शी काम हो रहा है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, आज इनकी सारी माफियागिरी खत्म हो गई है और पी0डब्ल्यू0डी0 का जो सारा काम है उसमें अब पूरी तरह से पारदर्शिता आ गई है। आज लोक निर्माण विभाग का जितना भी टेण्डर होता है वह प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से होता है। यह एक ऐसा सॉफ्टवेयर है जिसमें माफियाओं की माफियागिरी नहीं चल पा रही है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, आप अपनी बाकी बातें लिखकर दे दीजिएगा, अगर सब लोग 10-10 मिनट लेंगे तो आगे बहुत सारे लोग बोलने को हैं। अभी आगे 80 जन बोलने वाले हैं।

श्री त्रिभुवन राम-

मा0 अधिष्ठाता जी, मैं लोक निर्माण विभाग पर बोलना तो बहुत कुछ चाहता था, क्योंकि हमने वहाँ पर 39 साल नौकरी की है, लेकिन यहाँ समय की कमी है तो अब मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ। मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया। धन्यवाद।

***श्री महबूब अली-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका शुक्रगुजार हूँ कि आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया। मैं पूरे सदन से कहना चाहूँगा कि यह संविधान की आस्था का सदन है, यह असत्य बातें करने का स्थल नहीं है। गरीब, पिछड़ा, बेरोजगार, महिला और लॉ एण्ड ऑर्डर पर यहाँ चारों तरफ बहुत बात हुई है। मैं इस पर अपनी कोई बात नहीं करना चाहता। कोशिश करूँगा कि बातें दोहराई कम जाएँ। आज जिस तरह से लगातार किसानों की बात हो रही है, किसान गाँवों में बसता है और गाँवों में बसने के साथ-साथ उसकी बहुत सी ऐसी पीड़ाएँ हैं

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जिन पर बहुत कम विचार किया जाता है। चाहे बिजली की परेशानी हो या और कोई हो। गाँव का ही आदमी कहीं न कहीं गाँव का प्रधान बनता है, वहीं पर बसता है। मैं उधर के अपने साथियों से भी चाहूँगा कि वे लोग भी इस पर अपनी राय दे दें। इतने वक्त में लगातार दो साल से गाँव में किसानों के लिए ग्राम सचिवालय बनाए गए। गाँव के सचिवालय के नाम से एक बिल्डिंग बना दी गई। अगर यहाँ यह कोशिश होती तो बेहतर रहता, अच्छा रहता और सदन के सारे लोग यह कहते कि ग्राम प्रधान की निधि का पैसा उसमें नहीं लगना चाहिए था। अगर सरकार इस तरह से कोई आदेश करती है तो फिर सरकार को उसके लिए पैसा भी जारी करना चाहिए था। इसके बाद वहाँ दो कर्मचारी नियुक्त किए गए, एक पंचायत सहायक के रूप में और दूसरा सफाई कर्मचारी के रूप में। ये लोग 6-6 हजार रुपये की तनख्वाह पर रखे गए और उनका पैसा भी उसी ग्राम प्रधान की निधि से जाएगा। आज अपने उत्तर प्रदेश में 213 रुपये तो नरेगा वाले को मिलते हैं, जो कि पूरे हिन्दुस्तान में सबसे कम है। इस प्रकार वे दोनों कर्मचारी तो 213 रुपये पर डे से भी कम हो गए। वे पंचायत सहायक और सफाई कर्मचारी दोनों। वह पंचायत सहायक 213 रुपये प्रतिदिन से भी कम पर हो गया। यानी कि उसकी यह दयनीय स्थिति है, बेहतर होता अगर उसकी इस दयनीय स्थिति को यहाँ बैठे सारे मा0 सदस्य लोग महसूस करते और ग्राम सभा से जो कहीं नाली और खड़न्जे की बात करता था प्रधान उस निधि का पैसा उसमें उपयोग न होकर सरकार अलग से पैसा जारी करती तो बेहतर रहता, लगातार बहुत बातें हुई हैं किसान के गन्ना पेमेण्ट के सम्बन्ध में मेरा एक अनुरोध है कि यदि श्री राज्यपाल जी का अभिभाषण और मा0 मुख्य मंत्री जी का बजट, मा0 वित्त मंत्री जी ने जो घोषणा की है जो बजट रखा है, अगर उसे पढ़ लें पेज-3 पर और पेज-24 पर देख लें तो स्वतः पता चल जाएगा कि उत्तर प्रदेश में क्या हो रहा है और यदि बात किसानों की कर ली जाए तो आप देख लीजिए उत्तर प्रदेश में 1 लाख 96 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया उस अभिभाषण में कितने किसान दर्शाये गये हैं और बजट में कितने किसान दर्शाये गये हैं, स्वतः पता चल जाएगा कि यकीनन यह झूठ का पुलिन्दा है। अगर नहीं है तो दोनों में हर हालत में तालमेल होना चाहिए और किसान की बात करने के साथ-साथ बताना चाहिए कि आज जैसे बताया गया कि 6000 करोड़ रुपया किसानों का गन्ने का भुगतान किया गया। यह तो आप छोड़िये किसान भी व्यापारी है छोटा-मोटा, किसान अपना सामान बेचता है और खरीदता है इसमें सरकार का कोई योगदान नहीं।

सरकार को यह बताना चाहिए था कि यह हमारी जो सहकारिता की मिलें हैं उसका भुगतान कितना शेष है वह बता देते तो बहुत अच्छा लगता। इसमें कहीं पर भी उसका जिक्र नहीं है कि जितनी भी सहकारी मिलें हैं उनका भुगतान बड़े पैमाने पर नहीं हुआ यह आज मैं कहता हूँ। आज किसान की दयनीय स्थिति को देखते हुए ऐसा लगता है कि सरकार बहुत लम्बे

भाषण मारती है, लेकिन शायद उसका जमीन पर क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। अगर बात कानून व्यवस्था की कर लें तो मैं कहूँगा कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध में उत्तर प्रदेश पूरे देश में प्रथम है। अगर बात बेराजेगारी की कर लें तो उत्तर प्रदेश देश में प्रथम है। अगर बात, हत्या और लूट की कर लें तो आज उत्तर प्रदेश आगे है। बात बिजली की दरों की कर लें तो उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे है। अगर विद्यालयों में शिक्षक की बात कर लें तो मैं कहूँगा कि आज शिक्षा की स्थिति बहुत बद से बदतर हो गयी है। शिक्षक उन विद्यालयों में हैं ही नहीं, विद्यालयों की स्थिति बहुत दयनीय है। मा0 मुख्य मंत्री जी ने कहा था और हमें अच्छा लगा कि हम इसमें विश्वविद्यालयों के बहुत से ऐसे टीचर हैं जिनको हम नैक ग्रेड दे रहे हैं। बहुत अच्छा है देना चाहिए इससे शिक्षक प्रोत्साहित होता है, इससे विश्वविद्यालय प्रोत्साहित होता है, लेकिन मैं कहूँगा कि यदि आज देख लेंगे तो 5186 विश्वविद्यालय वर्ष 2015-2016 में थे और उस वक्त 95 लाख स्टूडेन्ट थे। वर्ष 2020-21 में वह विश्वविद्यालय बढ़कर 7183 हो गये, लेकिन छात्र संख्या 90 लाख हो गयी। जब 2016-17 में 95 लाख थी और इसमें घटकर रह गई इस वक्त 90 लाख यानि 5 लाख स्टूडेन्ट गायब हो गए। यदि ग्रेड की बात कर लें वर्ष 2019-2020 में 8.47 प्रतिशत के आधार पर नैक ग्रेड मिला था, लेकिन यदि आज की बात कर लें तो सिर्फ 183 महाविद्यालयों को, विश्वविद्यालयों को ग्रेड मिला है जो घटकर 2.7 प्रतिशत हो गया है। यह सामने है। शिक्षा में बहुत लम्बी बातें करने की जरूरत नहीं। शिक्षा मंत्री हम भी रहे हैं और मैं सामने वाले साथियों से कहता हूँ और पूरी सरकार से कहता हूँ कि आज एक्जॉम चल रहे हैं, पूरा प्रशासन लगा हुआ है, जिस वक्त मैं शिक्षा मंत्री था एक भी पेपर अगर लीक होता है तो मेरे ख्याल से मैं सन्यास ले लूँगा कोई प्रशासन नहीं लगा था, कोई सरकारी कर्मचारी नहीं लगाया गया था।

(इस समय अपराह्न 03 बजकर 21 मिनट पर अधिष्ठाता श्री रवि शर्मा पीठासीन हुए)

आज पूरा प्रशासन सिर्फ एग्जाम कराने पर लगा है। मैं कहता हूँ कि निकाल कर देख लें, इससे बड़ी बात और कोई हो नहीं सकती, मैं इस सदन से इस्तीफा दे दूँगा। बातें बहुत लम्बी करते हैं। आज अर्थव्यवस्था की बात कर लें। इसमें देखें कि वर्ष 2016-17 में प्रति व्यक्ति आय 43 हजार 8 सौ 61 रुपये थी और आज वर्ष 2020-21 में 44 हजार 1 सौ 18 और महंगाई तीन गुनी बढ़ी और आय सिर्फ 7 सौ रुपये बढ़े हैं। मैं यह आँकड़ा झुठला नहीं सकता था, चूंकि यह सरकारी आँकड़े हैं, उस आधार पर असत्य बोलना शायद सदन में मैंने पहले भी कहा है कि मैं जीवन में कभी इस पर सोचता ही नहीं हूँ और कभी विचार ही नहीं किया है कि सदन के अन्दर इस तरह का कुछ बोला जाये। आज मैं अनुरोध करता हूँ अधिष्ठाता महोदया।

(किसी सदस्य के टोका-टाकी करने पर)

माफ करियेगा, मैं अपने बोलने पर ध्यान दे रहा हूँ। यदि स्वास्थ्य की बात करे लें, सुन लेंगे तो अच्छा रहेगा। एक मंत्री जी यहां बैठते थे, आज वह यहां नहीं बैठे हैं। बड़े लम्बे भाषण एक दिन दे रहे थे, हम सुन रहे थे, मजबूर होकर हमें खड़े होना पड़ा, टोकना पड़ा। बजट में 5 करोड़ रुपये नाव के लिए दिये गये हैं। लखनऊ के अन्दर नदी में किसी भी जगह अगर नाव उतार कर दिखा दीजिए तो चलिए, हम आपको इनाम देंगे। किसी नदी में इतनी बदबू है तो उसके करीब से निकलने पर आदमी को मुँह पर हाथ रखना पड़ता है, नाक पर हाथ रखना पड़ता है। पहले कोशिश कर लो, उसकी सफाई तो कर लो। बातें बहुत हैं।

श्री अधिष्ठाता-

महबूब भाई, कृपापूर्वक आप संक्षिप्त करें।

श्री महबूब अली-

मान्यवर, बातें तो बहुत हैं। बातें ऐसी बड़ी कर रहे हैं जैसे हिन्दुस्तान की आजादी के लिए सबसे बड़ा योगदान उन्हीं का था, उनका खानदान सब चौपट हो गया था।

(सदन में किसी सदस्य के टोका-टाकी करने पर व्यवधान)

लेकिन मैं कहूँगा कि हिन्दुस्तान की आजादी में सबका हिस्सा है। आज हिन्दुस्तान का कोई व्यक्ति उस वक्त ऐसा नहीं था। यदि इसी की बात कर लें और अगर मेरी बात कर रहे हैं कि मैं उस सरजमी से हूँ जो आज, जब आजादी का बिगुल बजा था, पहली म्यूटनी मेरठ में हुई थी।

श्री अधिष्ठाता-

अरे, आप कहां इनकी बातों में आ गये, अपनी बात बजट पर रखिए न।

श्री महबूब अली-

मान्यवर, इनकी बात का जवाब देना पड़ रहा है।

श्री अधिष्ठाता-

देखिए, बीच-बीच में रोका-टोकी न करें और आप भी कहां उनकी बातों में जा रहे हैं।

श्री महबूब अली-

मान्यवर, आज अगर स्वास्थ्य की बात कर लें तो पूरी तरह से दयनीय स्थिति उत्तर प्रदेश की है। मेरा अनुरोध है कि हमारे अमरोहा में मेडिकल कालेज नहीं है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने खड़े होकर कहा था कि हर डिस्ट्रिक्ट में एक मेडिकल कालेज खोलेंगे। अगर बेरोजगारी की बात कर लें तो सेण्टर फॉर मॉनीटरिंग इण्डियन इकोनॉमी की रिपोर्ट है और यह सामने रखी है। उत्तर प्रदेश के अन्दर वर्ष 2017 में 5.57 प्रतिशत बेरोजगार थे तो आज 5.59 बेरोजगार हो गये हैं। यह स्थिति है। बेरोजगार बढ़े हैं। उत्तर प्रदेश में जब हमारी

सरकार थी, तो हमारे वक्त में बेरोजगारी घटी थी। यह बेरोजगारी की स्थिति है। उत्तर प्रदेश के यदि सारे आँकड़े देख लिये जायें तो मैं कहूँगा कि 30 लाख 63 हजार 3 सौ 60 देश में अपराध दर्ज हुए, लेकिन अकेले उत्तर प्रदेश के अन्दर यदि आप देखें तो 3 लाख 57 हजार 9 सौ 5 अपराध हैं। इस जगह आप लोग खड़े हैं। इन आंकड़ों के आधार पर देखना चाहिए कि हम कहां खड़े हैं। मैं लम्बी बात नहीं कर रहा हूँ, परन्तु आज मैं कहूँगा कि लगातार पिछले वक्त में जब समाजवादी पार्टी की सरकार में आदरणीय अखिलेश यादव जी मुख्य मंत्री थे।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप संक्षेप करें।

श्री महबूब अली-

मान्यवर, मैं अपने क्षेत्र की बात कर रहा हूँ। उस वक्त हमारे अपने क्षेत्र के अन्दर पानी की निकासी के लिए काम हुआ था, जिसमें 40 करोड़ रुपये जारी कर दिये थे, लेकिन आज तक कनेक्टिविटी पिछले 6 सालों के अन्दर नहीं मिल पायी। यह है विकास आपका ? ड्रैनेज सिस्टम पूरी तरह से बदहाल है। मेडिकल कालेज का अनुरोध कर लिया है, एक विश्वविद्यालय का निर्माण कराये जाने के लिए लगातार हम अनुरोध कर रहे हैं। जनहित में अगर विद्युत लाइनों को भूमिगत कर दिया जाय तो बेहतर रहेगा। वन डिस्ट्रिक, वन प्रोडक्ट से सम्बन्धित अगर बात करें तो आज अमरोहा में लघु उद्योगों के अन्दर छोटे-मोटे कारोबार हैं। कॉटन वेस्ट के छोटे-मोटे कारखाने हैं। जब समाजवादी पार्टी की गवर्नमेन्ट थी उस वक्त बुनकर को सब्सिडी दी गयी थी जिसे बाद में एक करोड़ कर दिया और अब बिल्कुल खत्म कर दिया। अगर वन डिस्ट्रिक, वन प्रोडक्ट की बात करें तो अमरोहा ने ढोलक को चुना है। मेरी मांग है कि हर हालत में ढोलक को सब्सिडी देने का काम करें।

[03:30] चर्चा में प्रतिभाग हेतु मा0 सदस्यों के लिए समय का निर्धारण

श्री अधिष्ठाता-

माननीय अध्यक्ष जी की नयी व्यवस्था के तहत माननीय मंत्री लोग अपनी बात 10 मिनट में और माननीय सदस्य अपनी बात को 07 मिनट में समाप्त करेंगे।

वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय व्ययक पर साधारण चर्चा (क्रमागत)

ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास तथा ग्रामीण अभियंत्रण राज्य मंत्री (श्रीमती बिजयलक्ष्मी गौतम)-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, यह अमृत काल का बजट उत्तर प्रदेश सरकार का लोक कल्याणकारी 2023-24 का बजट है, जो हमारे उत्तर प्रदेश की समस्त जनता को आशा और आकांक्षाओं के अनुरूप समृद्ध, सम्पन्न, आत्मनिर्भर, उत्तर प्रदेश एवं अन्त्योदय की संकल्पना को

साकार करने वाला बजट है। इस बजट के माध्यम से गांव, गरीब, किसान, नौजवान, छात्र-छात्राओं, महिलाओं, मजदूरों सहित समाज के हर वर्ग के लोगों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए मैं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री माननीय परमपूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज जी एवं माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश खन्ना जी का हार्दिक अभिनन्दन, वन्दन करती हूं। उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है, जिसकी आबादी लगभग 25 करोड़ है, इसलिए उत्तर प्रदेश का आर्थिक विकास भारत के आर्थिक विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह बजट वर्ष 2023-24 का 6.9 लाख करोड़ रुपये का है, जो हमारे देश के राज्यों में सबसे बड़ा बजट है। देश के किसी भी राज्य का बजट इतना बड़ा नहीं है।

माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं बताना चाहती हूं कि उत्तर प्रदेश के इस वर्ष 2023-24 के बजट से उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ महाराज जी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रदेश के हित एवं कल्याण तथा भारत को ग्रोथ इंजन बनाने में सक्षम साबित होगी इसमें किसी को कोई संशय नहीं होना चाहिए। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको यह बताना चाहती हूं कि इस बजट में हर वर्ग के लिए प्राविधान किया गया है। जहां ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए रु0 83 करोड़ का प्राविधान किया गया है वहीं मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सामान्य वर्ग की बालिकाओं व अन्य पिछड़े वर्ग की बालिकाओं का भी ध्यान रखा गया है। निराश्रित विधवाओं, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, महिला पेंशन योजना, गर्भवती महिलाओं से जुड़ी योजना, कन्या सुमंगला योजना, इन सभी में बजट का बड़ा प्राविधान किया गया है। प्रदेश में कानून एवं शांति व्यवस्था के दृष्टिगत महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु 03 महिला पी0ए0सी0 बटालियन का भी गठन किया जा रहा है। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एक-एक गैस सिलेण्डर निःशुल्क देने का प्राविधान है, जो होली, दीपावली के शुभ अवसरों पर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत प्रदेश के लाभार्थी परिवारों को प्रति वर्ष रु0 05 लाख तक की निःशुल्क चिकित्सा दी जा रही है। इस योजना में रु0 400 करोड़ का प्राविधान किया गया है। इस बजट में महिला युवा, बेरोजगार, विकलांग एवं आवासहीन, किसान, मजदूर, छात्र, वृद्ध आदि सभी का पूर्ण ध्यान रखा गया है। माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्य मंत्री जी का हमेशा ही यह उद्देश्य रहा है कि देश का प्रत्येक नागरिक अपनी पूर्ण गरिमा एवं सम्मान से जीवन व्यतीत कर सके। इस बजट में सर्वांगीण विकास के लिए सोचा गया है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, गांव, गरीब, किसान के लिए पूर्ववर्ती सरकारें बहुत बातें करती रही हैं, लेकिन जबसे वर्ष 2014 में इस देश

के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र भाई मोदी जी ने इस गद्दी को संभाला और उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 में हमारे परमपूज्य.....

अधिष्ठाता महोदय, मैं देवरिया जनपद के सलेमपुर विधान सभा क्षेत्र से आती हूँ। वह पूर्वांचल का वह इलाका है, जहाँ पर महिलायें बहुत ही असुरक्षित रहती थीं। आज मैं ग्राम विकास विभाग की राज्य मंत्री हूँ। हमारे विभाग के द्वारा स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गाँव-गाँव से निकल करके महिलाएँ सरकार को धन्यवाद दे रही हैं। महिलायें जो पहले घर से बाहर नहीं निकलती थीं, जब हम लोग चुनाव के दौरान जाते थे तो कहती थीं कि हम लोग कैसे निकल सकते हैं। हम लोगों के साथ कोई बाहर जाने वाला नहीं है। हम लोगों के पास कोई काम नहीं है। लेकिन मैं धन्यवाद देती हूँ इस देश के प्रधानमंत्री जी को और धन्यवाद देती हूँ, इस प्रदेश के मुख्य मंत्री जी को जिन्होंने गाँव में रह रही हमारी महिलाओं के बारे में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से और आजीविका मिशन के माध्यम से रोजगार से जोड़ने का काम किया है। आज गाँव-गाँव की महिलायें हर घर से निकल करके सरकार को धन्यवाद दे रही हैं, सरकार के ऊपर विश्वास कर रही हैं और रोजगार से जुड़ रही हैं। आज हम 75वाँ अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हम लोग किसान के गाँव से आते हैं, क्षेत्र से आते हैं। कुछ ही वर्ष पहले पूर्ववर्ती सरकारों में, जब हम लोग सड़कों पर चलते थे, बड़ी-बड़ी गाड़ियों से हमारे भाई चलते थे, हमारी गाँव की महिलायें सड़कों पर शौचालय के लिए बैठा रहा करती थीं और हमारे सभी भाई अपनी गाड़ियों की लाइट्स बन्द कर लिया करते थे। लेकिन मैं धन्यवाद दूँगी अपने देश के प्रधानमंत्री जी को और धन्यवाद देती हूँ उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री जी को जिन्होंने प्रधानमंत्री शौचालय योजना ला करके और उसे इज्जत घर का नाम दे करके महिलाओं की इज्जत ढकने का काम किया है। आज गाँव में रह रही हमारी महिलायें, छप्परों में रहने वाली महिलायें, प्लास्टिक डाल करके रहने वाली महिलायें, शेड डाल करके रहने वाली महिलायें कभी सोचा नहीं करती थीं कि उनका भी अपना घर होगा और उनका अपना स्वामित्व होगा।

आज तक हमारे देश के गाँव, गरीब की महिलाओं को इतने आवास कभी नहीं मिले हैं जितने आवास हमारे प्रधानमंत्री जी के समय 2014 और 2017 से मिला है। अधिष्ठाता महोदय, हमारी सरकार की योजनाएँ मुख्यतः गाँव में रह रहे लोगों के लिए हैं। आज गाँव में ग्राम पंचायत भवनों का निर्माण हो रहा है। हर गाँव में ग्राम पंचायत भवनों को ग्राम सचिवालय बनाया गया है। वहाँ से हमारा जाति, आय, खसरा, खतौनी, आयुष्मान कार्ड आदि जो हमारी सरकार की योजनाएँ हैं, जो ऑनलाइन होती हैं, उससे जोड़ दी गई हैं। अब हमारे गाँव, गरीब, किसान को तहसीलों का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा। गाँव में ही हमारा कम्प्यूटर सहायक बैठेगा, वहाँ हमारा लेखपाल बैठेगा, वहाँ हमारा ग्राम सचिव बैठेगा और सारे कार्य हमारे गाँव में ही हो जाया करेंगे। हमारी सरकार योजना बनायी है। हमारी सरकार ने 24 घण्टे पूर्ववर्ती सरकारों में मात्र 4-5 जनपदों में ही बिजली आया करती थी और जैसे ही शाम होती थी, हमारे व्यापारी

रोने लगते थे, अंधेरा छा जाता था, गाँव में किसानों के लिए अगर 6 घण्टे बिजली रात को आती थी तो रात में अपनी नींद खराब करके खेतों की सिंचाई करनी पड़ती थी। आज जितना हमारे शहरों में बिजली आ रही है, उतनी ही हमारे गाँवों में भी जा रही है। बराबर की बिजली की व्यवस्था है। गाँव-गाँव में और हर जगह सड़कों का जाल बिछ गया है। आज हमारे ग्राम विकास विभाग के माध्यम से हाई-वे जैसे माहौल देने वाली एफ0डी0आर0 तकनीकी से सड़कें बनाई जा रही हैं। उसमें अच्छी सड़कें तो बनाई ही जा रही हैं, उससे पैसे की भी बचत है। वेस्ट मैटीरियल को डी-कम्पोज करके बनाया जा रहा है। महोदय, मैं बताना चाहती हूँ कि जो सरकारें बहुत वादा करती थीं, ये महिलाओं का क्या सम्मान करेंगे ? महिलाओं की डींग हाँकने वाली इनकी सरकार ने कभी महिलाओं की इज्जत लूटने का भी काम किया था, यह कहते हैं कि नकल हो रही है, पारदर्शी परीक्षायें नहीं हो रही हैं। हमको याद है कि जब कल्याण सिंह जी की सरकार थी, नकल विरोधी कानून लगा दिया गया था, लेकिन जैसे ही उसके बाद सपा की सरकार आई, तुरन्त यह बोला गया कि नकल विरोधी कानून हटा दिये जायेंगे, इनकी यह बदहाली की सूरत है।

आज यह बोलते हैं कि हमारी सरकार ठीक नहीं कर रही है। हमारी सरकार आम गरीब जनता, किसान, नौजवान, युवा, महिला सबका साथ, सबके विकास के साथ चल रही है। अगर हिन्दू महिला का सम्मान है तो मुसलमान महिला का भी सम्मान है, अगर हमारी योजनाओं का लाभ हिन्दू महिला को मिलता है तो मुसलमान महिला को भी मिलता है, हर वर्ग की महिलाओं को मिलता है। गाँव-गाँव में चौपाल लगा करके सभी योजनाओं का लाभ देने के लिए मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हम सभी मंत्रीगण लगातार हर जनपद-जनपद जा रहे हैं और गाँवों में रह रहे शोषित, वंचित, निराश्रित सबको सारी योजनाओं का लाभ दिलाने का काम कर रहे हैं। कहीं अगर कोई छूटा है तो उसको भी अपनी योजनाओं से जोड़ करके मान्यवर, उसको तुरन्त लाभ पहुंचाने का काम कर रहे हैं। पूर्ववर्ती सरकारों में मंत्री कहां होता था कोई देखता नहीं था, विधायक को कोई देखता नहीं था। छोटे-से-छोटा कार्यकर्ता थानों में जा करके गुण्डों की भांति खड़े होते थे। आज हमारे मंत्री भी गाँव में जा करके सेवक की भांति खड़े होते हैं। सारे अधिकारियों को बुला करके जनता की, महिलाओं की, वृद्धों की सेवा के भाव से काम करते हैं। हमारी सरकार ऐसा काम कर रही है। मैं इस लोक कल्याणकारी बजट के लिए इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में एवं माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा प्रस्तुत उत्तर प्रदेश वर्ष 2023-24 के लिए सभी को बहुत-बहुत आभार प्रकट करती हूँ। सुधर गई कानून व्यवस्था, उद्योगों की अलख जगी, यू0पी0 बना ग्रोथ का इंजन, यह पहली दफा समझ, फकत किनारे बैठे-बैठे, लहरों से मत सवाल कर, डूब के खुद गहरे पानी में, पानी का फल सफा समझ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री (श्री सतीश चन्द्र शर्मा)-

मान्यवर, प्रदेश के यशस्वी माननीय मुख्य मंत्री पूज्य योगी जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट के अवसर पर उसके समर्थन में आपने मुझे अपना विचार व्यक्त करने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार और धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। अमृतकाल का यह प्रथम बजट 2023-24 अन्त्योदय के संकल्प को साकार करने वाला सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः पल्लवित है और 25 करोड़ प्रदेशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं सहित किसानों, नौजवानों और कमजोर लोगों को समर्पित है। इस बजट की मैं प्रशंसा करते हुये इसका समर्थन करता हूँ। अभी पिछले दिनों मैं सुन रहा था नेता प्रतिपक्ष की तरफ से बात कही जा रही थी कि नेता सदन जितनी बाल फेंकने का काम करेंगे। हम सभी बाल पर छक्का लगाने का काम करेंगे। मैं कहना चाहता हूँ कि नेता सदन ने ऐसी फिल्डिंग सजाने का काम किया है, गाँव, गरीब, नौजवान, किसान और कमजोर तबके के ऐसे लोग जो अभी तक सरकारी योजनाओं से वंचित रहा करते थे वह शाट लगाने का तो काम करेंगे, लेकिन वह इस राजनीतिक पिच पर आउट भी इसी तरह होंगे। ऐसा मैं कहना चाहता हूँ, जिस प्रकार से अभी कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किये जा रहे थे तो मैं कहना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2012 और 2017 के मध्य इस उत्तर प्रदेश ने जंगल राज देखने का काम किया था। यह उत्तर प्रदेश दंगों का प्रदेश बना था। बन्दूक और सन्दूक के बल पर इस उत्तर प्रदेश को लोग लूटने का काम किया करते थे।

आज जब माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में जब उसके ऊपर करारा प्रहार किया जा रहा है तो इनकी बिलबिलाहट देखने को मिल रही है। आज जब माननीय मुख्य मंत्री जी यह बात कहते हैं कि हम माफियाओं को मटियामेट करेंगे, उनको मिट्टी में मिलाने का काम करेंगे तो विपक्ष के साथी उस पर जिस प्रकार से रिएक्शन देने का काम करते हैं। यह आज पूरे प्रदेश की जनता देखने का काम कर रही है और इनके रिश्ते को बतलाने का काम कर रही है। यह बजट आदरणीय वित्त मंत्री जी के नेतृत्व में गरीब के कल्याण के लिए समर्पित बजट है। इस बजट में जहाँ देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन मुहैया कराने का काम हो रहा है वहीं दूसरी तरफ आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में, आदरणीय वित्त मंत्री जी ने इस बजट में 3 हजार 46 करोड़ की व्यवस्था देकर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 1 करोड़ 74 लाख लाभार्थियों को होली और दिवाली में निःशुल्क रिफिलिंग देने की व्यवस्था करने का काम किया है। इस नाते मैं माननीय वित्त मंत्री जी का कोटि-कोटि आभार और अभिनन्दन ज्ञापित करता हूँ। वर्तमान में जहाँ सरकार ने 52 लाख से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री आवास देने का काम किया है। मैंने

देखा है कि वर्ष 2016 में जब प्रधानमंत्री आवास के नाम से यह योजना आई थी तब तो उस समय समाजवादी पार्टी की सरकार ने इसको रोकने का काम किया था। आज माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में उनके मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार ने 52 लाख से अधिक लोगों को छत मुहैया कराने का काम किया है।

मान्यवर, इसके साथ-साथ नौ हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था भी इस बजट में इस नाते किया कि 12 लाख लोगों को आवास मुहैया करा सकें। इसके लिए मैं मा0 वित्त मंत्री जी को बहुत-बहुत आभार और अभिनन्दन ज्ञापित करना चाहता हूँ। अधिष्ठाता महोदय, मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट में युवाओं के उत्थान एवं उनके शैक्षिक उन्नयन के लिए विशेष कार्य किया गया है। वर्तमान में जहाँ हमारी सरकार ने तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था देने का काम किया है और 'समग्र शिक्षा अभियान' के अन्दर 20 हजार 255 करोड़ रुपये और 'ऑपरेशन कायाकल्प' के लिए एक हजार करोड़ रुपये और 'पी0एम0 श्री योजना' हेतु एक हजार दस करोड़ और सिस्टर लाइब्रेरी की स्थापना गाँव में हो, वार्डों में हो, इसके लिए सरकार ने नौ सौ करोड़ रुपये की व्यवस्था देने का काम किया है। इस हेतु मैं मा0 वित्त मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार और अभिनन्दन ज्ञापित करना चाहता हूँ। हमारी सड़कों के लिए 21 हजार 159 करोड़ 62 लाख रुपये और अनुरक्षण में 6209 करोड़ रुपये की व्यवस्था देने का काम किया है। गाँव की सड़कें बनें उसके लिए 'प्रधानमंत्री सड़क योजना' के माध्यम से 5966 करोड़ रुपये का प्रावधान करने का काम हमारी सरकार ने किया है।

मा0 अधिष्ठाता जी, जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश के अन्दर आस्था का सम्मान हो रहा है, उस प्रकार से उत्तर प्रदेश के अन्दर सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने का काम हमारी सरकार द्वारा किया जा रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है, चाहे हम अयोध्या की बात करें, काशी और प्रयागराज की बात करें। जिस प्रकार से हमारी सरकार ने आस्था को सम्मान देने का काम किया है, उसके लिए सरकार का मैं हृदय से अभिनन्दन ज्ञापित करना चाहता हूँ।

अधिष्ठाता महोदय, उत्तर प्रदेश में भगवान श्री राम और श्री कृष्ण की धरती है। धार्मिक आस्था के केन्द्र बिन्दु अयोध्या में 'श्री राम जन्म भूमि' मंदिर हेतु तीन पहुँच मार्गों के चौड़ीकरण और सौन्दर्यीकरण का कार्य और मिर्जापुर में 'माँ विंध्यवासिनी' देवी मंदिर, 'माँ अष्टभुजा' देवी मंदिर और 'काली खोह' मंदिर का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण का कार्य और साथ में प्रयागराज में भजन संध्या और जनपद सीतापुर में 'नैमिषारण्य' में वेद विज्ञान अनुसंधान केन्द्र की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव हमारी सरकार ने दिया है। इसके लिए मै मा0 वित्त मंत्री जी को विशेष आभार और अभिनन्दन ज्ञापित करना चाहता हूँ।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, अभी लगातार जिस तरीके से विपक्ष के साथियों द्वारा 'राम चरित मानस' पर एक चौपाई के माध्यम से लगातार धार्मिक आस्थाओं पर प्रहार किया जा रहा है और जिस तरीके से लगातार उनके नेता द्वारा उसको पोषित करने का काम हो रहा है। आज पूरे देश की जनता उसको देखने का काम कर रही है। सौ करोड़ की जनता, जो आज हिन्दू धर्मावलम्बी हैं, जिस प्रकार से भगवान 'राम' पर प्रहार हो रहा है, उसको आज पूरे कष्ट के साथ देखने का काम कर रही है। 'राम' और 'तुलसी' तो जन-जन के मन में हैं और उनके ऊपर प्रहार, मैं उसकी प्रबल निन्दा करते हुए कहना चाहता हूँ कि आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में हमारी सरकार लोकहित को दृष्टिगत रखते हुए कार्य कर रही है। विकास की भागीरथी को जन-जन तक पहुँचाने, अन्त्योदय की मूल भावना को धरातल तक ले जाने और सांस्कृतिक पूँजी को अक्षुण्ण रखने का काम किया है। मैं इस प्रस्तुत बजट के लिए बहुत-बहुत आभार और धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, मो0 हसन 'रूमी' साहब। अनुरोध के साथ कहना चाहता हूँ कि आपके सामने घड़ी लगी हुई है, आप समय का ध्यान रखें।

श्री मोहम्मद हसन 'रूमी'-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, हमसे पहले के मा0 सदस्यों के लिए भी घड़ी थी।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 अध्यक्ष जी का जो आदेश है, मैं उस पर बात कर रहा हूँ।

श्री मोहम्मद हसन 'रूमी'-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ कि आपने मुझको वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट पर बोलने का मौका दिया। मा0 अधिष्ठाता महोदय, इस भारी-भरकम बजट में न तो बुनकरों का ध्यान रखा गया, न बेरोजगारों का ख्याल रखा गया, न सड़क, पानी, बिजली और स्वास्थ्य का ख्याल रखा गया है। आपके माध्यम से मैं सरकार से ये अनुरोध करना चाहता हूँ कि मैं कानपुर जनपद से आता हूँ। कानपुर महानगर में कैंसर का एक बहुत बड़ा अस्पताल हैलट है। उसमें जच्चा-बच्चा वार्ड भी है। पूरे प्रदेश से वहाँ पर आई0सी0यू0 में बच्चे जब अपने उपचार के लिए आते हैं, तो वहाँ आई0सी0यू0 की कमी होने के कारण सैकड़ों बच्चे या तो इलाज के अभाव से दुनिया से चले जाते हैं या उनको वहां पर लम्बे समय तक लाइन लगानी पड़ती है। दूसरी तरफ सी0एम0 रिलीफ फण्ड के तीन-तीन महीने तक जिन लोगों के हम प्रस्ताव भेजते हैं, कैंसर के तीन महीने तक उनका पैसा पास नहीं

होता है और उन लोगों की जान चली जाती है। स्वास्थ विभाग में जिस तरीके से बड़ी-बड़ी बातें करी गयीं सी0एम0 रिलीफ फण्ड का सीधा उदाहारण मैं आपको दे रहा हूं कि अभी मेरे द्वारा भेजे गए कम से कम दो दर्जन प्रस्ताव ऐसे पड़े हैं जो तीन महीने से ऊपर हो गए हैं और मेरे पास अभी भी फोन आ रहे हैं कि मेरा पैसा रिलीज नहीं हुआ है, जिसके कारण मेरा मरीज मरने की कगार पर है। हमारे यहां एक महिला अस्पताल है उसमें डाक्टरों की कमी है, आई0सी0यू0 मशीन तो लग गयी है, लेकिन वहां पर डाक्टरों का कोई अपॉइंटमेंट नहीं हुआ है। हमारे यहां जाजमऊ में चमड़ा उद्योग है वहां पर एक तरफ बड़े निवेश की बात कही गयी है दूसरी तरफ रोस्टर के माध्यम से चमड़े के उद्योग को पहले आधा किया गया उसके बाद 25 प्रतिशत कर दिया गया। वहां के इन्फ्रास्ट्रक्चर को डिस्मेंटल करने के लिए कहा गया, क्योंकि जो ट्रीटमेंट प्लाण्ट बन रहा है उसकी क्षमता वहां के इन्फ्रास्ट्रक्चर के अनुरूप नहीं है।

समाजवादी सरकार ने 2015 में जिस ट्रीटमेंट प्लाण्ट का शिलान्यास किया था वह अभी तक पूरा नहीं हुआ है ट्रीटमेंट प्लाण्ट को प्रोडक्शन के अनुरूप बल्कि और अधिक क्षमता का प्लाण्ट चालू करा कर तुरन्त चालू किया जाए। टेनरियो का इन्फ्रास्ट्रक्चर न तोड़ा जाये, शोषण बन्द किया जाए, और पॉल्यूशन डिपार्टमेंट के अधिकारी आते हैं वह उनसे कहते हैं कि जिनकी हजार हाइट की कंसेंट है उनसे कहते हैं कि आप इसकी हाइट 250 करके बाकी का सारे तोड़ दीजिए। एक तरफ बात कही जाती है इन्वेस्टर समिट के माध्यम से रोजगार को बढ़ाने की दूसरी तरफ हमारे यहां चमड़ा उद्योग व बुनकरों का भी बहुत बड़ा व्यापार होता है, कोरोना में ना जाने कितने बुनकरों के कारखाने बन्द हो गए, बेघर हो गए, समाजवादी सरकार में जो सब्सिडी दी गयी थी, उसको भी समाप्त कर दिया गया। यह दोहरा मापदण्ड उत्तर प्रदेश सरकार के नाम पर बहुत बड़ा तमाचा है। कानपुर महानगर के जेनेटिक लोग हैं, वह या तो व्यापार करते हैं या तो मजदूरी करते हैं। इन दोनों कामों से यहां के लोगों को वंचित किया जा रहा है। व्यापार और उद्योग चलाने वाले व मजदूरी करने वाले लोग यहां के लोग पलायन कर रहे हैं, या तो वह कोलकाता जा रहे हैं या बंग्लादेश या दुबई जा रहे हैं। हजारों करोड़ का व्यापार होता था, वह सब बन्द होता चला जा रहा है। सरकार ने बड़े-बड़े दावे किये कि हमने सड़कों, हमने बिजली के नाम पर पैसा दिया है। हम आपको बताना चाहते हैं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में कम से कम तीन-चार मोहल्ले बाबूपुरवा, मीरपुर, रेनबाजार ऐसे हैं जहां पर सिर्फ 8 से 12 घण्टे बिजली आती है। वहां पर क्षमता के अनुरूप ट्रांसफार्मर नहीं है। सरकार का यह भी दावा गलत है कि बिजली के नाम पर हमने बहुत पैसा दिया है, कटिया के नाम पर, छापेमारी के नाम पर जिस तरीके से उगाही हो रही है पूरे प्रदेश में, हर मा0 सदस्य जानता है।

मैं यह कहना चाहता हूं कि बातें बहुत हो गयीं, लेकिन काम के नाम पर इतना भारी-भरकम बजट की झलक महिलाओं के किचन तक भी पहुंच जाए तब यह बजट निश्चित

रूप से सार्थक होगा। महिलाओं के किचन में सिलेंडर के दाम 400 रुपये से बढ़कर 1200 रुपये हो गए हैं, दालें, सब्जी आदि के दाम आसमान छू रहे हैं, लेकिन आमदनी बढ़ाने का कोई नामोनिशान नहीं है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि बेरोजगारी की बात कही गयी कि प्रदेश के अन्दर 100 में केवल 4 आदमी बेरोजगार हैं, धरातल पर ऐसा कहीं है क्या ? इस बजट में ना तो रोजगार का खयाल रखा गया और जी-20 के नाम पर बड़ी रैलियां निकाली गयीं जैसे चुनाव में वोट को हासिल करने के लिए नेता और प्रत्याशी रैली निकालते हैं, बड़े-बड़े दावे किये गए, लेकिन इन्वेस्टमेंट के नाम पर मैं जिस जिले से आता हूं उस जिले में जी-20 का एक रुपये का इन्वेस्टमेंट आज तक पिछली सरकार से इस सरकार तक एक कारखाना नहीं लगाया गया और इण्डस्ट्रियल एरिया कानपुर में जाजमऊ, दादा नगर, रनिया आदि हैं, इन जगह में इन्वेस्टर समिट का कोई अता-पता नहीं है। तो आपके माध्यम से मैं सरकार से मांग करूंगा कि जिस तरीके से भारी-भरकम बजट की बात कही गयी है अगर उसी तरीके से जमीन पर यह उतर आयेगा तो निश्चित रूप में हम आपकी तारीफ इधर से भी करेंगे।

आपने किताब में तो बहुत भारी बजट दिया है, लेकिन यह कहीं जमीन पर नहीं है। हमारे कई साथियों ने कहा और मैं भी सुनता था कि चुनाव में जब लोग जाते थे तो अपनी कार्यशैली, अपने व्यवहार और विकास के नाम पर वोट माँगते थे, लेकिन आज कार्यशैली और विकास के नाम पर वोट माँगने का तरीका ही बदल गया है। जाति-पाति और धर्म के नाम पर भेद-भाव करके वोट माँगने का तरीका आया है, यह नया परसेप्शन शुरू हुआ है।

श्री अधिष्ठाता-

रूमी साहब, अब समाप्त करिये।

श्री मोहम्मद हसन 'रूमी'-

यह उत्तर प्रदेश ही नहीं देश के विनाश का बहुत बड़ा पर्याय बनने वाला है। अन्त में आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए अपनी बात को इन चार लाइनों के माध्यम से खत्म करना चाहता हूँ-

चमन को सींचने में, कुछ पत्तियाँ झड़ गयी होंगी,

यह इल्जाम लग रहा है, हम पर बेवफाई का।

चमन को रौंद डाला जिन्होंने अपने पैरों से,

वही दावा कर रहे हैं, इस चमन की रहनुमाई का।।

शुक्रिया।

*श्री शलभ मणि त्रिपाठी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, बजट पर बहुत सार्थक चर्चा हो रही है और बहुत बड़ी संख्या में हमारे विपक्ष के साथी भी बैठे हैं और इस पूरी चर्चा में हिस्सा ले रहे हैं। मैं पूरे सदन को और आपको भी धन्यवाद देना चाहूँगा कि आपने इस सार्थक चर्चा के बीच में मुझे अपनी बात रखने का मौका दिया। मैं विशेष तौर पर माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय वित्त मंत्री जी का इस बात के लिए साधुवाद करना चाहूँगा कि आज उत्तर प्रदेश को अपने इतिहास का सबसे बड़ा बजट मिला है। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। हम अलग-अलग विचारधाराओं से, अलग-अलग दल से हो सकते हैं, लेकिन जिस तरह का बजट आया है। मैं टेलीविजन पर देख रहा था, मीडिया में देख रहा था और भी राज्यों में बजट आता है और भी राज्य अपना-अपना बजट प्रस्तुत करते हैं, लेकिन एक कौतूहल रहा है उत्तर प्रदेश के बजट को लेकर, एक जो लोगों में उत्सुकता रही उत्तर प्रदेश के बजट को लेकर, यह हम सबके लिए गौरव की बात है। हमारे मुख्य मंत्री जी, हमारे वित्त मंत्री जी पूरे सदन की तरफ से साधुवाद के पात्र हैं। मैं अभी समाजवादी पार्टी के साथी श्री इकबाल महमूद साहब को सुन रहा था, वह बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं, हम सब उनका बहुत आदर करते हैं। कह रहे थे कि मजा नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि बजट में कुछ नहीं है। उत्तर प्रदेश में पिछले 06 सालों में कुछ नहीं हुआ। जैसी अपेक्षा थी योगी जी से, उस तरह से सीखने को नहीं मिला। कुल मिलाकर लब्बोलुआब में कहा जाये तो इकबाल महमूद साहब को मजा नहीं आ रहा है, मजा क्यों नहीं आ रहा है इकबाल साहब ? मुझे लगता है कि वह सदन से चले गये हैं। लेकिन मजा इसलिए नहीं आ रहा है कि 2017 के पहले जिस उत्तर प्रदेश के अन्दर खूंखार आतंकवादियों के मुकदमे सरकार डंके की चोट पर वापस लेती थी, आज वो वापस नहीं हो रहे हैं, इसलिए आज आपको मजा नहीं आ रहा है। आखिर किसको याद नहीं है अयोध्या, लखनऊ, काशी में सीरियल धमाके हुए थे। बाबा संकट मोचन का जो दरबार था, वह रक्त रंजित हो चुका था। काशी में दशाश्वमेध घाट खून से सना पड़ा था। सैकड़ों की संख्या में लोग घायल होकर अस्पतालों में पड़े थे।

अधिष्ठाता महोदय, बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि जो खूंखार आतंकवादी इन घटनाओं में शामिल थे, जिन्होंने इन घटनाओं को अंजाम दिया, समाजवादी पार्टी की सरकार ने उन आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेने की कोशिश की, उसकी अनुशंसा की। लेकिन धन्य हैं इस देश की अदालतें। अदालत ने फटकार लगाते हुए नसीहत दी और यह कहा कि सिर्फ मुकदमे वापस लेने की आवश्यकता नहीं है, आप चाहें तो इनको पद्म विभूषण से सम्मानित कर दीजिए। इस तरह की स्थिति थी। इसलिए इकबाल महमूद साहब आपको मजा नहीं आयेगा, क्यों मजा नहीं आयेगा ? तब आतंकवादियों के मुकदमे वापस लिये जाते थे और आज योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में आतंकवादियों को उनके असली मुकाम तक पहुँचाया जा रहा है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

(मेजों की थपथपाहट)

इसलिए मैंने कुछ दिन पूर्व देखा जब एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना प्रयागराज में हुई थी, माननीय मुख्य मंत्री जी अपना सम्बोधन देने सदन में आये थे और कैसे विपक्ष के हमारे साथी उन पर टूट पड़े थे, उन पर हमलावर थे। कह रहे थे कि कैसे हुआ, क्या हुआ ? तब हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने एक लाइन कही थी कि- 'मिट्टी में मिला दूंगा।' मीडिया के सोर्सेज से जो खबरें आ रही हैं, मैं पूरे सदन को यह बताना चाहूँगा कि उमेश पाल की हत्या में शामिल एक अपराधी को मिट्टी में मिला दिया गया है। पुलिस ने उसको एन्काउण्टर में मार गिराया है।

यह योगी आदित्यनाथ जी की सरकार है। योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में हमारे जांबाज पुलिस के लोगों ने उमेश पाल का जो हत्यारा था उसको एन्काउण्टर में ढेर कर दिया है। निश्चित तौर पर आपको यह समझना पड़ेगा कि यह 2017 के पहले की सरकार नहीं है। हम सब मा0 मुख्य मंत्री जी की कार्यशैली को देखते हैं। मैं आपसे कहना चाहूँगा कि एक तो मारा गया और बाकी जो बचे हैं वह भी बहुत जल्द मिट्टी में मिलाये जायेंगे, आप इस बात को नोट करके रख लीजिए। हम सबने देखा है कि आज उत्तर प्रदेश कैसे विकास की तरफ आगे बढ़ रहा है, आज उत्तर प्रदेश में तरक्की नजर आती है। यह जो बजट मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारे वित्त मंत्री जी लेकर आए हैं यह बजट गरीबों को समर्पित है, यह बजट किसानों को समर्पित है, यह बजट हमारी माताओं-बहनों को समर्पित है और यह बजट नौजवानों को समर्पित है।

हमें तो वह क्षण याद आता है जब 2017 में मा0 मुख्य मंत्री जी ने काम संभाला था, काम संभालने के बाद जब सरकार का खजाना देखा गया तो पता चला कि खजाना तो खाली है। सरकार के पास पैसा नहीं है, भारतीय जनता पार्टी के लोग प्रतिबद्धता लेकर आए थे, संकल्प लेकर आये थे कि नहीं हम विकास करेंगे, हम विकास को लेकर आगे बढ़ेंगे, लेकिन बहुत बड़ी चुनौती थी कि खजाना 2017 के पहले जो सरकार थी उसने किस तरह खर्च किया वह हमें बताने की आवश्यकता नहीं है। गाड़ियों पर पैसा खर्च होता था, काफिलों पर पैसा खर्च होता था, आलीशान मकानों पर पैसा खर्च होता था और मुख्य मंत्री जी के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी कि कैसे गांव, गरीब, किसान, नौजवान तक विकास की योजनाओं को लेकर पहुँचें। ऐसे वक्त पर मा0 मुख्य मंत्री जी ने तय किया कि नहीं, शुरुआत खुद से होनी चाहिए, आरंभ खुद से होना चाहिए और हम सबको गौरव होता है कि मुख्य मंत्री जी ने सबसे पहला काम किया कि जब अधिकारी उनके सामने फाइलें लेकर गये और कहा कि साहब आप मुख्य मंत्री बने हैं आपके लिए भी नई गाड़ी आनी चाहिए, मुख्य मंत्री जी ने पूछा कि क्यों आनी चाहिए तो अधिकारी बोले कि साहब यह परम्परा रही है इसके पहले जो-जो सरकारें आई हैं, जो-जो मुख्य मंत्री आए हैं सबके लिए नई-नई गाड़ियाँ आती रहीं। आप भी मुख्य मंत्री हैं, आपकी सुरक्षा की बात है, आपके लिए भी नई गाड़ी आनी चाहिए।

(इस समय सायं 04:00 बजे अधिष्ठाता श्री मनोज कुमार पाण्डेय पीठासीन हुए)

मा0 मुख्य मंत्री जी ने पूछा कि इससे पहले की गाड़ी कब आई थी तो अधिकारी ने कहा कि चार-पाँच साल पहले आई थी तो मुख्य मंत्री जी ने फाइल उठाकर फेंकी और बोले कि हमारे काफिले में जितनी गाड़ियाँ हैं उनको आधा कर दो और यह पैसा जनता की सेवा में लगा दो, जनता के चरणों में लगा दो। वी0वी0आई0पी0 कल्चर खत्म किया, सरकारी अफसरों को, सरकारी बाबूओं को समझाया कि अब बिजनेस क्लास में यात्रा नहीं चलेगी, अब आपको जनता की सेवा करनी पड़ेगी, अब आपको जनता के दरबार में जाना पड़ेगा, जो अफसर 2017 के पहले बिजनेस क्लास में घूमते थे उनको इकोनामी क्लास और ट्रेन की यात्रा पर लाने का काम मा0 मुख्य मंत्री जी ने किया है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, खजाना कैसे खाली था ? आप जरा कल्पना करिए। आदरणीय मनीष जी ने, आदरणीय संजय जी ने पूरा खाका रखा है, मैं उस पर नहीं जाना चाहता हूँ। आप जरा कल्पना करिए कि जो गरीबों का राशन था वह कहां जाता था, वह गरीबों का राशन गरीबों की थाली में नहीं जाता था, राशन माफिया के घर तक जाता था। आबकारी का जो टैक्स था, खनन का जो टैक्स था वह सरकार के खजाने में न जाकर आबकारी माफिया के घर में जाता था, खनन माफिया के घर में जाता था, उनके राजनीतिक आकाओं तक जाता था । मा0 मुख्य मंत्री जी ने जो निर्णय लिए हैं, मुख्य मंत्री जी ने जो शुरुआत की है उसी का परिणाम है कि आज जो राशन है, आज जो अनाज है वह गरीब की थाली में जा रहा है और आबकारी व खनन का टैक्स जनता के खजाने में जा रहा है और पूरी ईमानदारी से काम हो रहा है।

महबूब अली साहब आपको मजा नहीं आएगा। आपको मजा इसलिये नहीं आयेगा क्योंकि 2017 से पहले आपने हमारे आराध्य को टेन्ट के भीतर रखा हुआ था, भगवान राम टेन्ट के भीतर रहते थे और जब बारिश में पानी टपकता था, जब सन्त महात्मा कहते थे कि टेन्ट बदलने दीजिए तो आपकी सरकार महीनों तक टेन्ट बदलने का आदेश नहीं देती थी। आज भगवान राम का भव्य मन्दिर बन रहा है और वहां पर करोड़ों की संख्या में दीपक जलते हैं। आपको मजा नहीं आएगा। आपने भगवान श्रीकृष्ण जी को कैद करके रखा हुआ था। भगवान श्रीकृष्ण जी का जो दरबार था उसको आपने कैद करके रखा था वहां पर तमाम तरह की दुर्व्यवस्था थी, अराजकता थी, लेकिन आज वहां पर मा0 मुख्य मंत्री जी जाते हैं, होली का आयोजन होता है और भगवान श्रीकृष्ण का मन्दिर सजकर तैयार होता है, लेकिन आपको मजा नहीं आएगा। निश्चित तौर पर देखिए सदस्यों की भावना क्या है कि राम मन्दिर तो बन रहा है और अब मथुरा की बारी है।

मैं आपसे कहना चाहूंगा कि मैं देवरिया से आता हूं। देवरिया की पूज्य जनता ने मुझे आशीर्वाद देकर भेजा है। हमारे देवरिया में मेडिकल कालेज बनकर तैयार हो गया है। शहीद राम चन्द्र प्रजापति जी का स्मारक सज-धज कर तैयार है। स्टेडियम बहुत खूबसूरत हो रहा है।

मुझे पूरी उम्मीद है कि माननीय मुख्य मंत्री जी का आशीर्वाद जिस तरीके से रहता है। माननीय मुख्य मंत्री जी विकास को लेकर जिस तरीके से प्रतिबद्ध हैं। देवरिया शहर की जनता को बहुत जल्द रिंग रोड भी मिलेगा और एक शानदार बस डिपो/बस स्टैण्ड भी मिलेगा। हम सब यहां पर एकत्र हैं। बहुत जल्द होली का अवसर आने वाला है। मेरी तरफ से आप सभी को होली की अग्रिम शुभकामनायें। बहुत-बहुत धन्यवाद । बहुत-बहुत आभार।

श्री अनिल पाराशर-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको धन्यवाद देना चाहूंगा कि 2023-24 के बजट पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया। लगभग 6 लाख 90 हजार करोड़ का यह बजट एक ऐतिहासिक बजट माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में यह लगातार सातवां बजट प्रस्तुत किया गया है। 25 करोड़ की जनता के कल्याण के लिए माननीय सुरेश कुमार खन्ना जी के द्वारा यह बजट प्रस्तुत किया गया है। मैं धन्यवाद देना चाहूंगा इस ऐतिहासिक बजट को प्रस्तुत करने के लिए। मान्यवर, 2023-24 का यह बजट वन ट्रिलियन डालर इकोनॉमी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए मील का पत्थर साबित होगा और निश्चित रूप से यह बजट उत्तर प्रदेश के सार्वभौमिक ढांचें को पूरा करने वाला एवं उत्तम से सर्वोत्तम पूरे प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने वाला बजट साबित होगा । माननीय योगी जी के नेतृत्व में यह बजट सम्पूर्ण प्रदेश को उत्तम से सर्वोत्तम की ओर अग्रसर करने वाला बजट है। माननीय योगी जी के नेतृत्व में यह बजट कृषि क्षेत्र, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, सड़क, परिवहन, ऊर्जा, पेयजल आदि के ढांचे को सुदृढ़ करने वाला बजट साबित होगा। यह बजट सर्व व्यापी है, यह बजट सर्व स्पर्शी है, यह बजट पण्डित दीन दयाल उपाध्य जी के 'एकात्म मानववाद अन्त्योदय' के अन्तर्गत अन्तिम पंक्ति में खड़े जनहित, कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने वाला बजट है।

मान्यवर, इस ऐतिहासिक बजट में पिछले वर्षों में सबसे बड़ी उपलब्धि है, अगर देखा जाये तो हमारे प्रदेश के मुखिया योगी जी के नेतृत्व में जितना कर संग्रह, चाहे वह जी0एस0टी0 का कर हो, चाहे आबकारी का कर हो, चाहे परिवहन का कर हो, चाहे खनन का कर हो, मण्डी परिषद् का कर हो, उसमें ऐतिहासिक वृद्धि इस बजट में संकलित की गई है। संग्रह के माध्यम से ऐतिहासिक कर संग्रह इसमें किया गया है। जी0आई0एस0 के माध्यम से 35 लाख करोड़ का निवेश अपने आप में विकासपरक् व ऐतिहासिक सरकार को साबित करता है। मैं अलीगढ़ से बिलांग करता हूं। ताला और तालीम की नगरी अलीगढ़ के रूप में जानी जाती है। हार्डवेयर मूर्ति का काम यहां पर होता है। जिसमें लाखों, हजारों करोड़ के एक्सपोर्ट का काम अलीगढ़ जिले के द्वारा होता है। महोदय, तालीम के रूप में मेरे यहां विश्वविद्यालय अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय भी है। यहां पर बहुत से विपक्ष के साथी भी हैं। तमाम तरह की जाति

गणना की बात करते हैं। आरक्षण की बात करते हैं और यह साबित करना चाहते हैं कि जैसे दलित, पिछड़ों, गरीबों के मसीहा ये ही हैं। मैं आपसे मांग करना चाहता हूं कि पूरे सदन से मांग करना चाहता हूं कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में एस0सी0/ओ0बी0सी0/एस0टी0 आरक्षण की लगातार मांग के बावजूद भी आरक्षण प्रस्ताव में शामिल होने के लिये क्या विपक्ष शामिल होगा। जो आरक्षण एस0सी0 को दिया जाना चाहिये, ओ0बी0सी0 को दिया जाना चाहिये, ई0डब्लू0एस0 को दिया जाना चाहिये। मैं पूरे सदन से मांग करूंगा कि केन्द्र सरकार से हम लोग अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में जो हमारी छात्र राजनीति की मांग थी, लम्बे समय की मांग थी। पूरे सदन से निवेदन करना चाहूंगा क्योंकि पूरे प्रदेश के नहीं पूरे देश के बच्चे यहां पढ़ने आते हैं। लेकिन एक वर्ग विशेष को छोड़कर किसी भी एस0सी0/एस0टी0 के, किसी भी पिछड़ी जाति के, गरीब के आरक्षण की व्यवस्था यहां पर नहीं है। मैं मांग करना चाहूंगा सदन के माध्यम से कि एक प्रस्ताव विधान सभा के माध्यम से केन्द्र सरकार को भेजा जाये कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में आरक्षण की व्यवस्था हो एवं तत्काल प्रभाव से लागू किया जाये। महोदय, बहुत बड़ी उपलब्धि एन0सी0आर0 के नजदीक होने के कारण अलीगढ़ को मिली है। चाहे जी0आई0एस0 में इन्वेस्टर्स के रूप में लगभग 35 हजार करोड़ का इन्वेस्टमेन्ट अलीगढ़ मण्डल में अलीगढ़ को मिला है। इसके अलावा अलीगढ़ से लखनऊ तक आने में हमें पहले पूरी रात लगती थी। वह दूरी मात्र 340 किलोमीटर जो अलीगढ़-एटा जी0टी0 रोड से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से जुड़ने वाला रास्ता बना है। लगभग चार साढ़े चार घण्टे में हम लोग यहां तक आ जाते हैं। इसके लिये हम माननीय योगी जी को और माननीय मोदी जी, देश के प्रधानमंत्री जी को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहूंगा।

महोदय, बहुत ही बड़ी उपलब्धि एन0सी0आर0 के नजदीक होने के कारण अलीगढ़ को मिली है। हमें लखनऊ से अलीगढ़ तक आने के लिए जो पूरी रात लगती थी वह अलीगढ़ दूरी मात्र 340 किलोमीटर जो अलीगढ़-एटा जी0टी0 रोड से लखनऊ एक्सप्रेस-वे को जोड़ने वाला रास्ता बना है अब हम 4-5 घण्टे में लखनऊ से अलीगढ़ पहुंच जाते हैं इसके लिए मा0 योगी जी व मा0 प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा। सुबह स्वास्थ्य मंत्री जी कह रहे थे और सब लोग सुन रहे थे कि किस तरह से 45 मेडिल कॉलेज व 26 पी0पी0पी0 मॉडल कॉलेज व वर्तमान में 8500 स्नातक एम0बी0बी0एस0 सीटों की वृद्धि प्रदेश में हुई है। लगभग 2500 परास्नातक सीटों की वृद्धि मेडिकल कॉलेज के माध्यम से हुई है। आने वाले समय में चिकित्सकों की काफी संख्या में वृद्धि प्रदेश में हो जायेगी। मैं अलीगढ़ विधान सभा क्षेत्र से दूसरी बार निर्वाचित हुआ हूं और योगी जी के आशीर्वाद से इस अलीगढ़ विधान सभा क्षेत्र में विकास कार्यों की अनेकों उपलब्धियां हासिल की हैं। यह क्षेत्र ताला-चाभी का क्षेत्र है और डिफेंस कॉरिडोर के लिए भी मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा, साथा शुगर मिल के पुनरोद्धार हेतु भी धन्यवाद देना चाहूंगा और एम0एस0एम0ई0 के माध्यम से जो लघु उद्योग हैं

जो घर-घर तालों के निर्माण होना और हार्डवेयर का निर्माण होना ही पहचान है। एन0सी0आर0 के नजदीक होने के कारण अभी भी अलीगढ़ के क्षेत्र में विकास की अपार सम्भावनाएं हैं। मैं आपके माध्यम से अलीगढ़ की अन्य आवश्यकताओं की मांग करता हूं, जिसमें प्रमुख रूप से अलीगढ़ महानगर व कुवारसी-एटा चुंगी मार्ग के चौड़ीकरण की आवश्यकता है, जिसका प्रस्ताव भी यहां भी आ चुका है अभी उसके लिए पी0डब्लू0डी0 से आपके माध्यम से मांग करूंगा, दूसरी एटा चुंगी जी0टी0 रोड चौराहा और कुवारसी चौराहा जो कि मण्डल मुख्यालय भी वहां पड़ता है वहां पर फ्लाईओवर की भी मांग आपके माध्यम से करता हूं। एटा चुंगी चौराहे से मण्डी मार्ग तिराहे तक जाने वाला जी0टी0 रोड का पुराना पार्ट है उसके भी चौड़ीकरण की मांग करता हूं। मडराक नगर पंचायत में कोई भी इण्टर कॉलेज नहीं है वहां इण्टर कालेज की मांग करता हूं। अलीगढ़ महानगर की पेयजल की बहुत बड़ी समस्या आने वाले समय में होने वाली है जिसके लिए 50 क्यूसेक की गंगाजल परियोजना लम्बित है उसकी भी आपके माध्यम से मांग करना चाहूंगा। विद्युत सुधार हेतु सिविल लाइन क्षेत्र में विद्युत लाइन भूमिगत करने की भी मांग करता हूं व जलभराव की समस्या बहुत बड़ी है तो इसके लिए जो भी निदान हो उसको कराने की कृपा करें। आगरा मार्ग पर भी जल भरा रहता है उसके निदान की भी मांग करता हूं। पंडित दीनदयाल चिकित्सालय में 400 बेडों की व्यवस्था वहां कोविड काल में हुई। एक बहुत ही महत्वपूर्ण अस्पताल पश्चिम उत्तर प्रदेश के टॉप टेन अस्पताल के रूप में है। वहां चिकित्सकों की भारी कमी है उसे भी पूर्ण कराने की कृपा करें और सुपरस्पेशियलिटी का दर्जा देने के साथ एम0आर0आई0 मशीन भी पेंडिंग है उसको भी देने की कृपा करें। विपक्ष को अच्छी चीजों की सराहना भी करनी चाहिए, निश्चित रूप से सात साल का जो कार्यकाल है उसकी अगर तुलना कर ली जाए तो पिछले 25-30 साल से तुलना कर लीजिए हर मायने पर योगी जी की सरकार अव्वल मिलेगी, इस प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का कार्य योगी जी की सरकार ने किया है। धन्यवाद। जय हिन्द-जय भारत-जय श्रीराम।

***डॉ0 आर0 के0 वर्मा-**

अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे वर्ष 2023-2024 के बजट पर बोलने का मौका दिया। यह बजट 6 लाख 90 हजार 242 करोड़ का यह भारी-भरकम बजट जो गैर बराबरी का संदेशा देने का काम कर रहा है और जो भेद-भाव प्रदर्शित कर रहा है यह बजट उद्योगपतियों का उद्योग बढ़ाने के लिए है। यह बजट किसान, महिला, नौजवान, बेरोजगार विरोधी बजट है। मैंने बजट की एक-एक लाइन पढ़ी है कि सत्ता पक्ष में बैठे हुए लोगों ने बड़ा महिमा मंडन किया और मैं पूछना चाहता हूं, आप बजट के पेज नम्बर-1 से लेकर पेज नम्बर-45 तक पढ़ लीजिये कि कौन सा ऐसा पेज है, कौन सी ऐसी पंक्तियाँ है और

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कौन सा ऐसा पैराग्राफ है जिसमें उत्तर प्रदेश के नौजवानों को नौकरी देने की बात कही गई हो या उनके लिए धन आवंटन की बात कही गई हो। सारे विभागों में पद खाली पड़े हैं। बेरोजगारी का आलम यह है कि पोस्ट ग्रेजुएट, पी0एच0डी0 होल्डर, बी0टेक0, एम0टेक0 आत्महत्या करने को मजबूर हैं, लेकिन सत्ता पक्ष में बैठे हुए लोगों को हरियाली दिख रही है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि अगर इनको लगता है कि बजट अच्छा है तो यह बजट पुस्तिका के पेज नम्बर-1 से लेकर पेज नम्बर-45 तक पढ़कर बता दें कि किस सरकारी विभाग में नौकरी देने की बात कही गई है। जो प्रतियोगी छात्र हैं उनका भविष्य अन्धकारमय हो रहा है। अभी कानून-व्यवस्था की बात यह लोग कर रहे थे। उत्तर प्रदेश में लूट, डकैती, छिनैती, बलात्कार की बाढ़ आ गई है। अभी प्रयागराज की घटना हुई है और इसके पहले प्रतापगढ़ में सरेआम विशाल पाण्डेय की हत्या हुई थी जिसके अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, लेकिन उन अपराधियों के घरों पर बुल्डोजर नहीं चलता है। जनपद प्रतापगढ़ में ऐसे लोगों के घरों पर बुल्डोजर चला है जिनके बच्चों पर कभी एक एन0सी0आर0 तक दर्ज नहीं हुई थी। यह सरकार का आईना है।

यह सरकार किसानों की बात करके अपनी पीठ थपथपाना चाहती है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि किसानों की आमदनी को दोगुना करने का वायदा इस सरकार ने किया था। रबी और खरीफ की फसल में इन्होंने फर्जी खरीद दिखाई है, क्योंकि धान क्रय केन्द्रों पर बिचौलियों का धान खरीदा गया है। वहां पर व्यापारियों ने राजस्व विभाग से किसानों की खतौनियाँ लेकर एक-एक क्रय केन्द्र पर दो-दो सौ क्विंटल धान बेचने का काम किया है, लेकिन किसान अपनी फसल नहीं बेच पाये हैं। मैं पूछना चाहता हूँ कि इस बजट में कौन सी ऐसी व्यवस्था की गई है जिससे किसानों की आमदनी दोगुना हो जाये। इसमें ना तो उवर्रक की कीमत कम की गई है और ना ही बीज के दाम में कोई कमी की गई है, लेकिन यह कहते हैं कि किसानों की आमदनी को दोगुना करने का काम करेंगे। किसान पम्पिंग सेट चलाकर अपने खेतों की सिंचाई करता है, लेकिन उसके डीजल और पेट्रोल की कीमत में कोई कमी करने का काम नहीं किया गया है। किसानों को सपने दिखाने का काम किया जाता है और कहा जाता है कि किसानों की आमदनी को हम दोगुना करने जा रहे हैं। उज्ज्वला योजना के नाम पर लोगों ने अपनी पीठ खूब थपथपाई है कि हम होली और दीपावली के अवसर पर फ्री में सिलेण्डर देने जा रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूँ कि वर्ष 2014 के पहले महंगाई के नाम पर रोने वाले लोग यह क्यों नहीं बताते कि उस समय एक रसोई गैस सिलेण्डर की कीमत 400 रुपये थे और महज सात वर्षों में उस रसोई गैस सिलेण्डर की कीमत 1100 रुपये को पार कर गई है। जिन कम्पनियों की आमदनी उत्तर प्रदेश से एक महीने में 100 करोड़ रुपये थी, आज उनके द्वारा उत्तर प्रदेश से प्रति माह ढाई हजार करोड़ रुपये कमाने का काम किया जा रहा है। यह सरकार उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। अभी तीन दिन पहले उत्तर प्रदेश के इसी विधान सभा में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर सवाल आया था कि किसानों की फसल क्षतिपूर्ति का

4335 करोड़ रुपया कम्पनियों के खाते में गया है। फिर भी यह सरकार कहती है कि हम किसानों के लिए काम करते हैं, बल्कि सही बात तो यह है कि यह सरकार उद्योगपतियों के लिए काम करती है। झूठे राष्ट्रवाद का नारा देने वाले यह लोग सदन के भीतर दावे करने का काम कर रहे हैं मैं उनको चन्द पंक्तियों के माध्यम से आइना दिखाना चाहता हूँ-

छद्म राष्ट्रवाद, छद्म राजधर्म, छला है छद्मवेष ने,

जुमलों के साये में सियासत जुल्म सहे इस देश में,

अब तिमिर हटेगा, दंभ ढहेगा, समाजवादी राह प्रशस्त होगी,

बजा दुन्दुभी समर की, ललकारा है अखिलेश ने।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि सरकार पिछड़ों को लेकर अपनी पीठ थपथपाने का काम कर रही है। आप पिछले बजट को देख लीजिये छात्रवृत्ति के नाम पर पिछड़े वर्ग का 13 परसेण्ट खर्च किया गया है और अनुसूचित जाति का 23 परसेन्ट खर्च करने का काम किया गया है। इस बजट में पिछड़ा वर्ग के लिए छात्रवृत्ति में कटौती हुई है और सरकार बच्चों को पढ़ाई से दूर रखना चाहती है। मैं आपका अभिनन्दन करना चाहूंगा कि अगर आपने जिस तरीके से काँवर यात्रा में जा रहे बच्चों पर हेलीकाप्टर से फूल बरसाये थे, यह राजधर्म नहीं कहता, राजधर्म यह कहता है कि आप उनको शिक्षा मुहैया कराइये, उनके लिए कोचिंग सेण्टर दीजिये और उनको आई0ए0एस0, पी0सी0एस0, डाक्टर और इंजीनियर बनाकर फिर उनके ऊपर फूलों की वर्षा कीजिये तब लगेगा कि आपने राजधर्म का पालन किया है। मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि बेसिक शिक्षा मंत्री जी ने खूब लम्बी-लम्बी बातें की थीं। मैं पूछना चाहता हूँ कि अभी बांदा की धरती से एक खबर निकली थी कि वहां पर 10 क्विंटल से ज्यादा परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में निःशुल्क वितरित की जाने वाली पुस्तकें कबाड़ी की दुकानों से मिली थीं। बच्चों की पुस्तकों को इनके बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कबाड़ी की दुकानों को बेचने का काम किया है। 69000 शिक्षक भर्ती के मामले में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ने एक आदेश जारी किया कि पिछड़े समाज के 6500 से ज्यादा अभ्यर्थी और अगर अनुसूचित जाति को ले लें तो 11500 से ज्याद अभ्यर्थियों को अध्यापक बनाकर जिम्मेदार अधिकारियों को दण्डित करने का काम करें, लेकिन सरकार ने इसे भी नहीं किया। मान्यवर, 68500 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी जो परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके थे वह भी अभी तक बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। सरकार उनको नियुक्तियाँ नहीं दे रही है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति की बात आई है। नमामि गंगे का 20000 करोड़ रुपया कहां गया। गंगा मइया का जो बायोलॉजिकल आक्सीजन डिमाण्ड है वह बढ़ता जा रहा है और प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण जलापूर्ति को आप देख लीजिये पूरा

का पूरा जल निगम भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। आपने कहा कि हम हर घर जल पहुँचाने का काम करेंगे। आप संज्ञान में ले लीजिये कि जनपद प्रतापगढ़ में 25 से ज्यादा ऐसी पाइप पेयजल योजनायें हैं जो 2017 से अभी तक निर्माणाधीन हैं, लेकिन आज तक वह बन नहीं पाई हैं।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य आठ मिनट हो गये हैं। कृपया आप बैठें।

डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमसे पहले लोगों ने 15-15 मिनट बोला है। मेरी बात को दो मिनट सुन लीजिये। ऊर्जा विभाग में सरकार अपनी पीठ थपथपाने का काम करती है। जो बिजली उपभोक्ता हैं उन पर छापेमारी करके फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं वहीं बहुत बड़े पैमाने पर ऐसी बस्तियाँ हैं जो अभी तक अंधेरे में हैं वहां पर बिजली के खम्भे नहीं गड़ पाये और बिजली का एक भी बल्ब नहीं लग पाया है। पिछले सदन में माननीय ऊर्जा मंत्री जी ने कहा था कि रिवैम्प योजना के 65000 करोड़ रुपये जल्दी देकर हम नई बस्तियों में विद्युतीकरण कराने का काम कर रहे हैं, लेकिन इस सदन में भी उन्होंने स्वीकार किया कि हमने अभी केवल प्रस्ताव भेजने का काम किया है। यह सरकार झूठ बोलती है।

श्री अधिष्ठाता-

आपके क्षेत्र की कोई बात हो तो वह कहकर समाप्त करें।

डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैंने पहले ही कहा है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट भेदभावपूर्ण बजट है। इसमें सूचना और प्रौद्योगिकी को बहुत पैसा दिया, लेकिन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नाम पर कोई पैसा नहीं दिया गया है। आप बजट पुस्तिका को अच्छी तरह से पढ़ लीजिये इसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी को कुछ नहीं दिया गया है। आप विज्ञान के संसाधनों का इस्तेमाल करते हैं। सुबह से लेकर आपके हर जगह विज्ञापन आते रहे हैं आप जिनके सहारे अपना प्रचार करने का काम करते हैं, लेकिन विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आप पीछे ले जा रहे हैं।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप बैठिये। माननीय रमेश चन्द्र मिश्रा जी बोलेंगे।

(डॉ0 आर0 के0 वर्मा का माइक बन्द हो जाने के कारण आवाज आना बन्द हो गई)

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे वित्तीय वर्ष 2023-2024 के बजट पर बोलने का अवसर दिया। विद्वान माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा अब तक का सबसे बड़ा 69024243 लाख रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया है। अपने बजट की तारीफ तो सब करते हैं और मैं समझता हूँ कि हमारी भी सरकार है और हम भी अपने बजट की तारीफ करेंगे, लेकिन जब किसी बजट की तारीफ आम गरीब, आम किसान और दलित, मजलूम, शोषित, वंचित, विद्यार्थी करें तो मैं समझता हूँ कि वह बजट सबसे अच्छा बजट है। मान्यवर, हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी के निर्देशन में मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा जो बजट प्रस्तुत किया गया है आज उसकी तारीफ उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता कर रही है। मैं कहना चाहता हूँ कि कश्ती चलाने वालों ने जब हार कर दी पतवार हमें लहर-लहर तूफान मिले और मौज-मौज मझधार हमें, फिर भी दिखाया है हमने और फिर हम दिखा देंगे सबको किन हालातों में हमें आता है दरिया पार करना। मान्यवर, मैं कहना चाहता हूँ कि कोरोना काल में जहाँ पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था धराशायी हो गयी थी, लेकिन उसके बाद भी अगर हमारे उत्तर प्रदेश का बजट देखा जाये तो यह पाकिस्तान के बजट से कई गुना ज्यादा है।

श्री अधिष्ठाता-

भारत की चर्चा करें, पाकिस्तान की नहीं।

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

मान्यवर, आज हमारे देश के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री मा0 आदित्यनाथ जी के निर्देशन में उत्तर प्रदेश में चाहे प्रधानमंत्री आवास हो, ग्रामीण शौचालय हो, सूक्ष्म, लघु उद्योग हो, स्मार्ट सिटी हो, डी0बी0टी0 के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के खाते में धन हस्तान्तरण हो, दुग्ध उत्पादन हो, गन्ना एवं चीनी उत्पादन हो, एथेनॉल का उत्पादन हो, कोराना काल में कोरोना वैक्सीन लगाना हो, अटल पेंशन योजना हो, नरेगा हो आज हर योजना में हमारा उत्तर प्रदेश नम्बर-1 का प्रदेश है। मैं इसके लिए मा0 योगी जी के नेतृत्व में जो हमारी सरकार चल रही है उसको धन्यवाद देता हूँ। मान्यवर, यह लोग बार-बार समाजवाद की बात करते हैं, डा0 राम मनोहर लोहिया की बात करते हैं। मैंने जहाँ तक डा0 राम मनोहर लोहिया जी को पढ़ा, डा0 राम मनोहर लोहिया जाति तोड़ो की बात करते थे और आज यह जाति गणना की बात करते हैं। जातिवाद की बात करते हैं और तो और यह रामचरित मानस को अपमान करने की बात करते हैं उनके पन्नों को फाड़ने का काम करते हैं। जहाँ तक मैं जानता हूँ कि डा0 राम मनोहर लोहिया चित्रकूट में रामायण मेला लगाया करते थे। अयोध्या में रामायण मेला लगाते थे। लेकिन इनको समाजवादियों को शर्म नहीं आती है जो रामायण के पन्ने को फाड़ने का काम करते हैं। इनको शर्म आनी चाहिए डूब मरना चाहिए। मैं अपने मा0 मुख्य

मंत्री जी को, अपने मा0 वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ कि आज मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना के द्वारा 600 करोड़ का प्राविधान किया है। मैं बदलापुर महोत्सव कराता हूँ और अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि उस महोत्सव में मैं कम से कम 251 कन्याओं का विवाह कराता हूँ। अबकी बार 381 कन्याओं का विवाह कराया है और इसके पहले 311 कन्याओं का विवाह कराया है और गरीब कन्या का विवाह जिसमें गाँव के अमीर लोग नहीं जाते हैं उस गरीब कन्या के विवाह में हमारे उत्तर प्रदेश के डिप्टी सी0एम0, हमारे उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री, हमारे उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री आकर उन कन्याओं को आशीर्वाद देने का काम करते हैं। अबकी बार तो केरल के महामहिम राज्यपाल जी भी आये और उन कन्याओं को आशीर्वाद दिये और वह दंग रहे गये कि आपकी उत्तर प्रदेश की सरकार इतनी अच्छी योजना चला रही है। गरीब कन्याओं के विवाह में इतने आइटम साथ में दिये जा रहे है। पायल से लेकर, बिछिया से लेकर, बेड से लेकर, रजाई से लेकर, दूल्हे के सूट से लेकर, दुल्हन की साड़ी तक की व्यवस्था हम लोग करते हैं। आज हमारी सरकार ने फिर से 600 करोड़ दिया है मैं इसके लिए मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ। साथ में मैं बताना चाहता हूँ कि 3600 करोड़ टैबलेट वितरण करने के लिए हमारी सरकार ने दिया। हम लोग जब टैबलेट और मोबाईल वितरण कर रहे थे, तो मैंने एक बच्चे से पूछा कि तुम इसका क्या करोगे ? उसने कहा कि भईया मैं कोचिंग करता हूँ। कोचिंग प्रयागराज से ऑनलाइन चलती है, दिल्ली से ऑनलाइन चलती है हम इसके पहले अपने पड़ोसी के घर में जाकर उसके मोबाइल से ऑनलाइन क्लास करते थे लेकिन मैं धन्यवाद देता हूँ योगी आदित्यनाथ जी को कि आज हमारा मोबाइल हो गया, हम अपने मोबाइल से ऑनलाइन क्लॉसेज करेंगे, हम भी आई0ए0एस0, पी0सी0एस0, आई0पी0एस0, इंजीनियर और डाक्टर बनेंगे। मैं धन्यवाद देता हूँ मा0 मुख्य मंत्री जी को कि आज उन्होंने इसमें भी 3600 करोड़ दिया है। कौशल विकास मिशन, मान्यवर, यह लोग बेरोजगारी की बात करते हैं। हमारी सरकार ने बच्चों को प्रशिक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है।

मान्यवर, हमारी सरकार ने बच्चों के प्रशिक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि हमने अपनी खुद की विधान सभा क्षेत्र में कम-से-कम तीन से चार हजार बच्चों को प्रशिक्षण दिलवाया है और हमने कौशल विकास योजना के अन्तर्गत एक हजार बच्चों को रोजगार भी उपलब्ध कराया है और आप कहते हैं कि सरकार क्या कर रही है। हम एक विधान सभा क्षेत्र में हजारों बच्चों को रोजगार देने का काम करते हैं। मैं उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने पुलिस आवास के लिए एक हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। मैं मांग करता हूँ कि हमारे क्षेत्र में सी0ओ0 आवास नहीं है, कम-से-कम इस एक हजार करोड़ रुपये में सी0ओ0 आवास एवं तेजी बाजार थाना जो अभी किराये पर चल रहा है उसका प्रस्ताव पास हो जाए और वहां पर थाना

आवंटित कर दिया जाए। समाजवादी पार्टी की सरकार में मुंगराबादशाहपुर थाना बना था जिसमें इतना घोटाला हुआ कि कम्पनी ही ब्लैक लिस्टेड हो गयी थी, वहां पर केवल 30 प्रतिशत ही काम हुआ है और 70 प्रतिशत काम शेष है। मेरा अनुरोध है कि उस थाने का पूर्ण निर्माण कार्य कराया जाए। मेरा आग्रह है कि स्वास्थ्य विभाग में बहुत अच्छा बजट आया है, मेरी मांग है कि बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, महराजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लेदुका सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिधरामऊ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जो अंग्रेजों के जमाने का अस्पताल है उसका भी उच्चीकरण किया जाए और साथ ही सी0टी0 स्कैन मशीन एवं अल्ट्रासाउण्ड मशीन की व्यवस्था की जाए। इस बजट में लोक निर्माण विभाग में 2159 करोड़ रुपये पुल और सड़क निर्माण के लिए प्रस्तावित है। मैं मांग करता हूँ कि लोहिन्दाबक्सा से बंधवा मार्ग साथ ही, उसरा बाजार-कंधी-मछलीशहर मार्ग सिंगरामऊ से गौरामाफी, गदयीपुर से पुरालाल मार्ग का चौड़ीकरण व उच्चीकरण कार्य कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य कृपया आप समाप्त कीजिए।

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

मान्यवर, श्रीकृष्णा नगर रेलवे फ्लाईओवर की जो अवशेष धनराशि है उसको मुक्त करने का काम किया जाए। सरकार ने नहरों के लिए 900 करोड़ रुपये का बजट दिया है। मेरी नगर पंचायत से एक छोटी-सी नहर निकली है उसका पानी अधिकतर सीपेज हो जाता है और नहर से नगर पंचायत में पानी चला जाता है उसका पक्कीकरण कराया जाए, मैं यही सरकार से मांग करता हूँ। ऊर्जा विभाग का भी काफी बजट है, कई जानकार लोग बता रहे हैं। मेरे यहां पर सर्वे हो गया है और बाबूगंज व रामनगर सब-स्टेशन में इसकी भी पूर्ति कर दी जाए।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य आप लिखकर दे दीजिए और अब आप समाप्त कीजिए।

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

मान्यवर, मैं एक अन्तिम आग्रह करते हुए अपनी वाणी को विराम दूंगा कि हमारी सरकार नगर विकास सीवेज प्लाण्ट के लिए काफी काम कर रही है, हमारे जौनपुर में काफी समस्या थी उसका भी निदान कर दिया गया है। मैं मांग करता हूँ कि इस बजट के माध्यम से हमारे यहां पर एस0टी0पी0 प्लाण्ट लगाकर सीवेज नाले की समस्या को सुदृढ़ किया जाए। मैं अन्तिम बात कहना चाहता हूँ कि-

कुछ तो फूल खिलाये हमने और कुछ फूल खिलाने हैं,
मुश्किलें हैं बाग में, अब तक कांटे कई पुराने हैं।
इन कांटों को हटकर.....

श्री अधिष्ठाता-

मेरा सभी मा0 सदस्यों से निवेदन है कि वह समय का ध्यान रखें।

***श्री संजीव अग्रवाल-**

मान्यवर, आपने मुझे उत्तर प्रदेश के बजट की चर्चा में अपनी बात रखने का अवसर दिया है उसके लिये मैं आपका आभारी हूँ। उत्तर प्रदेश समग्र विकास का सतत् और समावेशी विकास का अनुपम उदाहरण बन चुका है। समाज के अन्तिम सिरे पर खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने का हमारा संकल्प पूरा हो रहा है। मा0 मुख्य मंत्री श्रद्धेय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार एक भरोसा कायम कर रही है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता मा0 नरेन्द्र मोदी जी का सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबके प्रयास के ध्येय को लेकर बिना किसी भेदभाव के यू0पी0 की डबल इंजन की सरकार दो संतों की सरकार एक कर्म से और एक धर्म और कर्म से सन्त हैं, दिन-रात पूरी तन्मयता से उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश से सर्वोत्तम प्रदेश की ओर ले जाने की दिशा में काम हो रहा है। आज उत्तर प्रदेश भारत के अन्य राज्यों के समक्ष सुशासन की नजीर बन गया है। जहां सुरक्षा और विकास की गारण्टी है। मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा सदन के पटल पर अमृतकाल वर्ष में वर्ष 2023-24 का बजट प्रस्तुत किया गया है, उत्तर प्रदेश ही नहीं भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की बुनियाद बना रहा है। समाज का ऐसा कोई वर्ग नहीं जो विकास की रोशनी से वंचित हो रहा हो। यह बजट भारत को परम वैभव के शिखर पर प्रतिष्ठित करने के सपनों को उड़ान देता है। जिसकी हम बरेली कैण्ट की जनता की ओर से भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं।

विश्व के सर्वोत्तम नेता आदरणीय मोदी जी द्वारा भारत के ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के संकल्प को मा0 मुख्य मंत्री जी के वर्ष 2027 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का जो संकल्प लिया है उसकी मजबूत नींव इस बजट में देखने को मिल रही है। अपराध और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति यूपी में खुशहाली ला रही है। अधिकारियों और कर्मचारियों को विकास सुविधा देने के पुलिस विभाग के उद्देश्य से बजट में एक हजार करोड़, नवसृजित पुलिस कमिश्नरेट के लिए 850 करोड़, शहरी क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के आवास हेतु 450 करोड़ रुपये का प्रावधान स्वागत योग्य है। मान्यवर, बजट में महिला और बच्चों के लिए बजटीय प्रावधान किया गया है। युवाओं के लिए टैबलेट और स्मार्टफोन हेतु 3600 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रदेश के नौजवानों के लिए विशेष उपहार है, जो तकनीकी रूप से उनको दक्ष बनाएगा। वे वैश्विक

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

परिदृश्य से जुड़ सकेंगे, स्टार्टअप नीति उन्हें रोजगार प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। बजट में रोजगार एवं श्रमिक कल्याण क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रावधान किये गये हैं। अब स्थापना सुविधाओं के अन्तर्गत सुगम यातायात हेतु किये गये प्रावधान भी अत्यन्त सराहनीय है। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वेज का संजाल बिछा दिया गया है, प्रदेश के आर्थिक विकास की राह जिससे सुगम हुई है। जिला मुख्यालयों में चार लेन से तथा तहसील एवं ब्लाक मुख्यालय को टू लेन सम्पर्क मार्ग से जोड़ने का कार्य प्रगति पर है।

मान्यवर, बजट में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार हेतु प्रावधान किये गये हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर योजना, स्वस्थ भारत मिशन योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान हेल्थ भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर योजना, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, मुख्य मंत्री जन आरोग्य अभियान के साथ-साथ अस्पतालों के उच्चीकरण, नये उपकरणों की खरीद हेतु पर्याप्त बजट आवंटित किया गया है। आज उत्तर प्रदेश सर्वोत्तम प्रदेश बनने जा रहा है। वैश्विक महामारी कोरोना के दौर में हम सबने जो नियंत्रण किया उसकी सराहना सब लोग कर रहे हैं। प्रत्येक जिले में नये मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु बजटीय प्रावधान, भविष्य की चिकित्सा आवश्यकताओं को देखते हुए महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, निर्यात एवं प्रोत्साहन, सड़क एवं पुल, सिंचाई एवं जल संसाधन, ग्रामीण जलापूर्ति, वैकल्पिक ऊर्जा के लिए प्रावधान, एयरपोर्ट की सुविधाएं, सबके लिए आवास की योजना, नगरों का समग्र कायाकल्प, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, गन्ना विकास, कृषि शिक्षा, पशुपालन, मछली पालन, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, सहकारिता, खादी एवं हथकरघा ग्रामोद्योग, वस्त्र उद्योग, शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास, खेल, कला और संस्कृति के साथ-साथ अन्नदाता किसानों के लिए बजट में पर्याप्त प्रावधान हुआ है। हमारे तीर्थ काशी, वृंदावन एवं अयोध्या चमक रहे हैं, विंध्याचल एवं चित्रकूट संवर रहे हैं। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के आयोजन की तैयारी चल रही है।

जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल पहुंच रहा है। स्वच्छ भारत के तहत सामुदायिक सार्वजनिक पिंक शौचालय बनाये जा रहे हैं। शहर स्मार्ट हो रहे हैं। जलापूर्ति, मार्ग प्रकाश, सीवरेज की व्यवस्था से विकास का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। मेट्रो ट्रेनें संचालित हो रही है। मान्यवर, मैं अपने विधान सभा क्षेत्र बरेली कैंट की जनता की ओर से माननीय मुख्य मंत्री और वित्त मंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूं। उनकी कृपा से हमारा क्षेत्र विकास की धारा में सम्मिलित है। कुछ महत्वपूर्ण कार्य प्रक्रिया में हैं, वे भी जल्दी पूरे होंगे, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है। मेरी मांग है कि सुभाष नगर पुलिया पर अण्डरपास, बदायूं रोड पर बस अड्डा, वीर भट्टी मलिन बस्ती सुभाष नगर में 25 बेड का हॉस्पिटल और बरेली का सबसे प्राचीन सन् 1837 में स्थापित बरेली कॉलेज, बरेली जिसमें बीस हजार छात्र पढ़ते हैं उसको केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता प्रदान की जाए। बरेली में एम्स, मेट्रो ट्रेन आदि की मैं जनहित में मांग करता

हूं। हम सभी का ध्येय अन्ततः जन-कल्याण है, यदि विपक्ष अवरोध उत्पन्न करेगा तो जनता सब देख रही है, जनता न्याय करना जानती है।

मान्यवर, भारत रत्न, श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेई जी की एक रचना है-

आँखों में वैभव के सपने, पग में तूफानों की गति हो,

राष्ट्र भक्ति का ज्वार न रुकता, आए जिस-जिस की हिम्मत हो।

इन पंक्तियों को मैं माननीय वित्त मंत्री जी को समर्पित करता हूँ। उनके द्वारा देश को परम वैभव के शिखर पर प्रतिष्ठित करने वाला है। मैं इसके लिए माननीय वित्त मंत्री जी की मुक्तकण्ठ से प्रशंसा करता हूँ, धन्यवाद देता हूँ। जय बन्धु, जय हिन्द, बन्दे भारतम्, भारत माता की जय, जय श्रीराम।

श्री हाकिम लाल बिन्द-

मान्यवर, आपने मुझे बजट सत्र, 2023-2024 पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, 2022-23 के बजट सत्र के समय भी मुझे इस समस्या को सदन में उठाना पड़ा था और आज पुनः सरकार के सामने उस समस्या को उठाना पड़ रहा है। यह झूठी-बहरी सरकार, यह अन्धी-गूंगी सरकार है। मान्यवर, हमारी नगर पंचायत हंडिया में बरसात के समय कई वार्ड पूरा जलमग्न हो जाता है। वहां पर जल निकास की समस्या है, वहाँ पर पक्के नाले का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है। माननीय अध्यक्ष जी, लेकिन सरकार के द्वारा वहाँ कुछ नहीं कराया गया है। इसी प्रकार बरौत से बिठौली सड़क जो 25 किमी0 लम्बी है, उस मार्ग के चौड़ीकरण के लिए भी मैने माँग की थी, लेकिन सरकार द्वारा कुछ नहीं किया गया। बरौत-टेला मार्ग के चौड़ीकरण की भी मैंने माँग की थी, लेकिन उसमें भी सरकार द्वारा कोई काम नहीं किया गया। मान्यवर, जब 2022 का विधान सभा का आम चुनाव आता है तो उस समय सरकार के डिप्टी सी0एम0 आदरणीय केशव प्रसाद मौर्य जी जाते हैं और गंगा नदी पर पुल के लिए भूमि पूजन करते हैं, लेकिन भूमि पूजन करने के बाद, मान्यवर, यह झूठी सरकार, गंगा नदी पर पुल का निर्माण कराने के लिए अभी तक डीपीआर भी बनाने का काम नहीं किया है। मान्यवर, बिठौली मार्ग के चौड़ीकरण के साथ-साथ मैं बिठौली मार्ग पर गम्भीर एक इलेक्ट्रिक बस चलवाने की मांग करता हूँ।

मान्यवर, मेरे समाज की एक बड़ी गम्भीर समस्या है, जिसे मैं इस सदन के समक्ष रखना चाहता हूँ। मान्यवर, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, डा0 संजय निषाद जी, जब भी सदन में बोलते हैं, हमेशा 17 जातियों को अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल करने की बात करते हैं । मान्यवर, यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है। यह उस सरकार में मंत्री हैं, जो सरकार संविधान को ही समाप्त करना चाहती है। उस सरकार से यह उम्मीद नहीं की जा सकती, लेकिन मान्यवर, 17 जातियों के नाम पर उनकी दुकान अवश्य चल सकती है। डा0 संजय

निषाद जी को 17 जातियों के दिखावटी रूप से यह बड़ी चिन्ता है, उसी की आड़ में यह अपने एक बेटे को भारतीय जनता पार्टी से सांसद, दूसरे बेटे को भारतीय जनता पार्टी से विधायक और खुद यह भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद् के सदस्य और सरकार में मंत्री हैं। मान्यवर, अपने समाज का भला न करके, अपने परिवार का ही भला करना चाहते हैं और इससे प्रतीत होता है कि यह एक ऐसी पार्टी के एजेण्ट हैं जो देश के लोकतंत्र और संविधान को ही समाप्त करना चाहती है। ये सिर्फ 17 पिछड़ी जातियों को बेच रहे हैं।

मान्यवर, आपके माध्यम से मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूँ। ये निषाद समाज के साथ बिन्द समाज को मछुआ समाज के नाम से पारिभाषित करते हैं जो निन्दनीय हैं। मान्यवर, बिन्द समाज खेती किसानी, मेहनत, मजदूरी करके जीवनयापन करने वाली जाति है। बिन्द समाज का मछली मारने और नाव चलाने का पेशा नहीं है। मान्यवर, डा0 संजय निषाद जी निषाद समाज के साथ बिन्द समाज को भी बेचने का काम कर रहे हैं, जिससे मुझे और मेरे समाज को घोर आपत्ति है। इसलिए मान्यवर, आपके माध्यम से अनुरोध है कि बिन्द समाज को मछुआ समुदाय से कभी भी पारिभाषित करने का काम न करें। माननीय अध्यक्ष जी, मैंने पिछली बार भी इस समस्या को सदन में उठाने का काम किया था। मैंने ग्राम पंचायत भूसलपुर चौराहे से संसारीपुर बिन्द बस्ती तक पक्की सड़क बनाये जाने की माँग की थी, लेकिन उस पर भी सरकार द्वारा कोई कार्य नहीं कराया गया। मैं वह कार्य कराने की माँग करता हूँ। मान्यवर, मैं लाल बहादुर शास्त्री आयुर्वेद मेडिकल कालेज के नवीनीकरण की माँग करता हूँ। मान्यवर, हंडिया में बीएसपी सरकार में एक मिनी स्टेडियम बनाया गया था, मैं उस स्टेडियम के नवीनीकरण की भी मांग करता हूँ।

(इसी मध्य सायं 04 बजकर 46 मिनट पर अधिष्ठाता श्री जय प्रताप सिंह पीठासीन हुए)

मान्यवर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उपरदहा में एम0आर0आई0 मशीन लगाने की मांग करता हूं और जनपद प्रयागराज में पोस्टमार्टम हाउस में गंदगी का अंबार है। आदरणीय डिप्टी सी0एम0 महोदय पाठक जी बड़ी-बड़ी घोषणाएं करते हैं, लेकिन आज पोस्टमार्टम हाउस इलाहाबाद में कोई खड़ा नहीं होता है, क्योंकि वहां बहुत ज्यादा गन्दगी का अम्बार लगा हुआ है। धनुपुर में फायर स्टेशन की मांग करता हूं और धनुपुर बाजार से शुकुलपुर मोड़ तक सड़क का चौड़ीकरण कराए जाने की मांग करता हूं। जगतपुर इलाहाबाद से हण्डिया जब आप जाएंगे तो जगतपुर रेलवे क्रासिंग पर एक ओवर ब्रिज का निर्माण हो रहा है और जिला कार्य योजना की बैठक में जब मैं गया तो वहाँ जो बुकलेट प्राप्त हुई उस बुकलेट पर देखने को मिला कि धन की अनुपलब्धता होने के कारण पुल का निर्माण बन्द कर दिया गया है। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि सरकार द्वारा उस पुल का निर्माण अतिशीघ्र कराया जाये। मा0 अध्यक्ष जी बशीरबद्र जी के एक शेर के साथ अपनी बात को समाप्त करूंगा।

शोहरत की बुलन्दी भी पल भर का तमाशा है,
जिस डाल पर बैठे हो टूट भी सकती है,
मोहब्बतों में दिखावें की दोस्ती न मिला,
अगर गले नहीं मिलता तो हाथ भी न मिला।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में हमारे द्वारा सदन में कहे गए सभी कार्यों को पूरा कराया जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अशरफ अली खान-

मान्यवर, आपने मुझे वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट भाषण पर बोलने का मौका दिया। मैं आपका हृदय से आभारी हूं और आपको धन्यवाद देता हूं। मा0 अधिष्ठाता जी प्रदेश सरकार ने सदन में अपना दूसरा बजट 6 लाख 90 हजार 2 सौ 42 करोड़ 47 लाख रुपये का बजट पेश किया है। यह भारी-भरकम बजट देखने में अच्छा लगता है और जब पिछला बजट देखते हैं तो वह भी इसी प्रकार का भारी-भरकम बजट था, लेकिन सरकार अभी तक लगभग फरवरी, 2023 तक 57 प्रतिशत तक ही खर्च कर पाई है। मैं सबसे पहले जल जीवन मिशन हर घर नल के बारे में अपनी कुछ बातें सदन के समक्ष रखना चाहता हूं। 15 अगस्त, 2019 से शुरू हुई यह जल जीवन मिशन योजना में किसी भी वित्तीय वर्ष में यह पूरा बजट खर्च नहीं किया गया है। सरकार को 97 हजार 24 गांव के 2 करोड़ 62 लाख 95 हजार 1 सौ 11 घर तक साफ-सुथरा पानी पहुंचाना है। फरवरी, 2023 तक अभी तक 31.5 प्रतिशत का जो काम है वह जल जीवन मिशन में पूरा हो पाया है। अभी बिहार की बात कर रहे थे और वह नहीं चाहते थे कि बिहार की तुलना की जाए। इस सदन में मैं बताना चाहता हूं कि बिहार में भी जल जीवन मिशन का 96 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है जबकि अभी तक उत्तर प्रदेश में 31.5 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो पाया है तो यह हालात है। हमारे इस तरह के हालात होंगे तो किस तरह से यह काम पूरे हो पाएंगे हम नीचे से चौथे पायदान पर हैं हमारे से नीचे वेस्ट बंगाल है, लक्षद्वीप है और झारखंड आता है तो यह हालात हमारे जल जीवन मिशन और हर घर नल के हैं।

मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर यह हालात रहे तो गर्मी शुरू होने वाली है और हम सभी विधायकों पर यह दबाव रहता है कि लोग आते हैं खेत में हैण्डपम्प की मांग करते हैं और हैण्डपम्प हम दे नहीं पाते मेरे ख्याल से अब एक साल पूरा होने जा रहा है इससे पहले भी विधायकों को हैंडपम्प नहीं दिए गए थे मैं चाहता हूं कि इस सदन के माध्यम से आपके माध्यम से राज्य सरकार को पहुंचाना चाहता हूं कि जब तक यह मिशन पूरा हो। जो विधायकों को दो सौ नल दिए जाते थे वह हम लोगों को मिलने चाहिए। जो बहुत जरूरी है, क्योंकि हर घर में सरकार जो है टंकी का पानी नहीं पहुंचा सकती। हमारे बहुत से और गाँव ऐसे हैं, जो मुख्य सम्पर्क मार्ग से एक-एक, दो-दो किलोमीटर अन्दर जाकर पड़ते हैं और जहाँ तिराहे और

चौराहे होते हैं, जहाँ पर बसों के बस स्टॉप होते हैं, वहाँ से लोग बस पकड़ करके अपने गन्तव्य को जाते हैं तो वहाँ पर पेयजल हेतु नल का होना बहुत जरूरी है। अभी चूँकि फरवरी का लास्ट है आगे मार्च, अप्रैल, मई और जून को आना है और इण्डिया मार्का-2 नल की इतनी ज्यादा मांग आती है तो मेरा आपसे निवेदन है, दरख्वास्त है कि मेरी यह बात भी सरकार तक पहुँचाने का काम करें कि विधायकों को इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प दिये जाएँ। अधिष्ठाता महोदय, अब मैं अपने स्वास्थ्य विभाग के बारे में बात रखना चाहूँगा क्योंकि स्वास्थ्य विभाग का भी बजट आया है। मैं उसके बारे में भी कुछ बातें करना चाहता हूँ। सी0एच0सी0 के ऊपर सिर्फ 15 करोड़ रुपये का बजट सरकार ने रखा है। जबकि वे इतनी ओवर लोड रहती है, एक सी0एच0सी0 पर कई-कई लाख की आबादी पड़ती है। वहाँ पर न डॉक्टर होते हैं, न टाइम से नर्स वहाँ पर मिलती है और लोग बाजवक्त बड़े बुरे हालात में वहाँ पहुँचते हैं और वहाँ के लोग उन्हें जिला अस्पताल या हायर सेण्टर पर रेफर करने का काम करते हैं। वहाँ पर न कोई पैथोलॉजी लैब होती है, न कोई एक्स-रे मशीन होती है कि जो पीड़ित हैं, परेशान हैं, बीमार हैं उन्हें सही तरीके से वहाँ पर इलाज मिल सके। सरकार को चाहिए था कि वह इसका अपग्रेडेशन करती, उनकी बिल्डिंगें बनतीं क्योंकि उनकी बिल्डिंगें भी जर्जर हालत में हैं। पी0एच0सी0 के तो इतने बुरे हालात हैं क्योंकि मैं जिस कस्बे में रहता हूँ, वहाँ पर सिर्फ एक पी0एच0सी0 है और वहाँ पर कई-कई महीने डॉक्टर की शक्ल नहीं दिखती है।

आज ये हालात हैं, मैं आपके माध्यम से यह बात सरकार तक पहुँचाना चाहता हूँ कि इन चीजों पर विशेष ध्यान दिया जाए। जो सरकार ने हर जनपद में एक मेडिकल कॉलेज के लिए कहा है तो हमारा जिला कोई बहुत बड़ा जिला नहीं है। हमारे जिले के मरीज एम्स, दिल्ली में जाते हैं या उनको मेरठ जाना पड़ता है। हमारे वहाँ कोई मेडिकल इंस्टीट्यूट ऐसा नहीं है कि जो सही तरीके से वहाँ के लोगों का इलाज कर सके। मेरा सरकार से निवेदन है कि जो जिला शामली है उसे प्राथमिकता से लेते हुए हमारे जिले में जल्दी से जल्दी मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जाए। जो बहुत जरूरी है और वहाँ से कोई भी अच्छा मेडिकल इंस्टीट्यूट 100-150 किलो मीटर से कम की दूरी पर नहीं बैठता है। मैं शिक्षा के क्षेत्र में यह कहना चाहता हूँ कि 85 हजार 03 करोड़ रुपये का बजट सरकार ने शिक्षा में रखा है। लेकिन अभी सर्दियों में मैंने खुद अपनी आँखों से देखा है कि हमारे विधान सभा क्षेत्र में एक गाँव पड़ता है भनेड़ाऊदा, वहाँ के लोगों के मेरे पास फोन आए कि वहाँ के बच्चे इतनी सर्दी में कोहरे में बैठे हुए पढ़ रहे हैं, उनके नीचे टाट बिछा हुआ है। मैंने वहाँ जाकर अपनी आँखों से वह नजारा देखा है। वह छठवीं से 8वीं तक के बच्चों का स्कूल यानी पूर्व माध्यमिक विद्यालय था और वहाँ केवल 7वीं के बच्चे कक्षा में बैठकर पढ़ रहे थे लेकिन छठवीं और 8वीं के बच्चे कोहरे में, ठण्ड में जमीन पर बैठकर पढ़ते हुए मैंने देखे हैं। सरकार को चाहिए कि ये जो हमारे स्कूलों की बिल्डिंग बननी है, चाहे वे हमारे पूर्व माध्यमिक विद्यालयों की हों, चाहे प्राथमिक विद्यालयों की हों तो हमारे स्कूलों में जिस चीज की भी कमी है, उसको दूर किया जाए क्योंकि इतना बड़ा

और भारी-भरकम बजट है शिक्षा का तो इसको पूरा खर्च करते हुए जर्जर विद्यालय भवनों की जगह नये विद्यालय भवन बनाए जाएँ। मैं आपके माध्यम से हमारे पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जनता जो बहुत ज्यादा परेशान है, हमें सुलभ न्याय नहीं मिल पाता। हाई कोर्ट हमारे यहाँ शामली, सहारनपुर, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, मेरठ से 700 किलोमीटर दूर पड़ता है और हमें 700 किलोमीटर दूर जाकर भी सही तरीके से न्याय नहीं मिल पाता है।

मैं आपके माध्यम से अपनी यह बात सरकार तक पहुँचाना चाहता हूँ कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं पर भी हाई कोर्ट की एक बेंच की स्थापना होनी चाहिए। यह बहुत ज्यादा जरूरी है, वहाँ के लोग न्याय पाने के लिए बहुत ज्यादा परेशान हैं, इसलिए यह सरकार की जिम्मेदारी बनती है और बहुत दिनों से इसकी मांग चल रही है। मैं देख रहा हूँ कि तकरीबन 10-12 सालों से इसकी मांग की जा रही है। वकील इसके लिए कई बार हड़ताल भी करते हैं, मगर इस ओर किसी का ध्यान नहीं है। हमारे यहाँ से हाई कोर्ट इतनी दूर पड़ता है कि पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और यहाँ तक कि उत्तराखण्ड का हाई कोर्ट भी जहाँ के हम लोग हैं, वहाँ से करीब पड़ता है और जो हमारा अपना हाई कोर्ट है, वह हमसे 700 किलोमीटर दूर पड़ता है। यानी उक्त राज्यों के हाई कोर्ट से भी कहीं ज्यादा दूरी पर पड़ता है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं अपने क्षेत्र की बात करूँ तो हमारे क्षेत्र में एक कृष्णा नदी बहती है। मैं उसकी हालत पर थोड़ा सा प्रकाश डालना चाहता हूँ कि वह आज एक नाले का रूप ले चुकी है और उसमें आस-पास की सभी फैक्ट्रियों का केमिकल युक्त गन्दा पानी जाता है जिसमें कई प्रकार के जहरीले केमिकल मिले हुए होते हैं। वह गन्दा पानी बहकर हमारे पूरे क्षेत्र के जिलों जैसे सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर से बहते हुए वह जाती है और उस पानी से कैंसर की बीमारी इतनी फैल रही है। मेरी विधान सभा के 10-12 गाँव उसके बिल्कुल धार पर, उसके करीब में पड़ते हैं। वहाँ पर इतनी ज्यादा कैंसर की बीमारी फैल रही है। हम यह चाहते हैं और हमारी यह माँग है सरकार से जो आपके माध्यम से मैं कहना चाहता हूँ कि इसमें गंगा का पानी छोड़ा जाए जिससे वह साफ-सुथरी हो और उसे साफ करने का काम सरकार को करना चाहिए जो कि बहुत ज्यादा जरूरी है।

हमारे क्षेत्र में तीन लुहारी, भैसानी और गढ़ी अब्दुल्ला ये बड़े गाँव है मेरा आपसे निवेदन है कि इनको नगर पंचायत का दर्जा दिलाने का आप लोग काम करें और कृषि के क्षेत्र में आप देख रहे हैं कि बजट में अन्य प्रदेशों के मुकाबले हमारे प्रदेश में कृषि का बजट बहुत कम है। उत्तर प्रदेश ने अपना कुल व्यय का 2.9 प्रतिशत कृषि के लिए रखा है वह दूसरे राज्यों द्वारा कृषि पर रखे गये बजट से 5.8 प्रतिशत कम है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, देश के किसान की जो आय प्रतिमाह होती है वह रु0 8931/- है और यू0पी0 के किसान की आय रु0 6668/- प्रतिमाह है, कहाँ जाएगा किसान। गन्ने का 700/- करोड़ रुपया बकाया है, हमारे जिले का 611 करोड़ रुपया इस वर्ष का बकाया है। मेरा आपसे निवेदन है और मुझे इस बात की पूरी उम्मीद है कि आप मेरी बात को सरकार तक पहुँचाएंगे और हमारे ये काम होने

चाहिए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया इस हेतु आपका बहुत धन्यवाद ।

श्री दुधराम-

धन्यवाद अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया उसके लिए हम आपका धन्यवाद करते हैं। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आने वाले दिनों में किसान के लिए जो बजट दिया गया है वह लालीपॉप ही साबित होगा क्योंकि किसान के हाल इतना बेहाल है और किसान इतना मजबूर है आप जानते हैं कि मार्च-अप्रैल में जब रात में 12:00 बजे, किसान गन्ना की बुआई करेगा, अच्छे-अच्छे लोग ए0सी0 में सोये रहते हैं लेकिन किसान गरीब आदमी है वह खेतों में रहता है और जब खेत में गन्ने की छिलाई होती है तब यह बड़े-बड़े लोग ठण्डी में चार-चार रजाई ओढ़कर सोते हैं और किसान उस ठण्डी में जाकर अपना गन्ना छिलाई का काम करता है। यह जो बजट आया है हम समझते है कि वह किसानों के लिए एक लालीपॉप है, जब से यह सरकार बनी है एक पैसे भी गन्ने का दाम नहीं बढ़ा है। आप लोगों से अनुरोध है कि आने वाले दिनों में किसानों को उसकी लागत का दूना लाभ देंगे इसी सरकार ने कहा था लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। यही आपसे अनुरोध करते हैं कि यह बात सरकार तक पहुँचाई जाए कि चाहे किसान हो या नौजवान हो, मजदूर हो या व्यापारी हो सभी के साथ यह छलावा किया गया है। आपसे अनुरोध है कि यह बात भी आगे सरकार तक पहुँचायी जाए। हम आप से अनुरोध करते हैं कि तमाम अस्पतालों में हमने घूमा है, लेकिन किसी में भी न तो दवाई है और डाक्टर लोग लिख देते हैं कि प्राइवेट अस्पताल में जाकर वहाँ दवाई कराइये, ऐसा लिख देते हैं क्योंकि उनका वहाँ पर कमीशन बंधा रहता है तो आपसे हमारा अनुरोध है कि आपसे ही न्याय मिल सकता है आप इस सम्बन्ध में सरकार को निर्देश दें कि इस व्यवस्था को सुधारा जाए। आपसे एक चीज और कहना चाहते हैं कि हमारे गाँव में एक कस्बा कुसौरा बाजार है। वह एक बहुत पिछड़ा एरिया है। आपसे चाहते हैं कि यदि वह नगर पंचायत बन जाएगा तो कुसौरा बाजार की तरक्की होगी और गरीबी दूर होगी, उसी के बाद विकास के काम होंगे। एक बात और कहना चाहते हैं आपसे मा0 अध्यक्ष जी, कि जो हमारे विधान सभा क्षेत्र में सरयू नदी है, मनोवर है, लालगंज है, इसमें बंधा बंधाई और ऊँची कराई हो जाए क्योंकि जब बह जाता है तो चारों तरफ के गाँव डूब जाते हैं। एक चीज का अनुरोध और करना चाहते हैं कि हमारे इलाके में नील गाय नाम के जानवर का इतना प्रकोप है कि सरकार ने कहा था कि आने वाले दिनों में किसान को उसकी लागत का दूना पैसा मिलेगा लेकिन नीलगाय के प्रकोप से जो पैदा होता था उसका 20 प्रतिशत खुद ही कम हो जा रहा है। फायदा होगा ही क्या जो उत्पादन हो रहा था उससे भी कम हो जा रहा है।

हमारे विधान सभा क्षेत्र में एक स्टेडियम बनाये जाने हेतु अनुरोध है जो नौजवान लड़कों के खेलने-कूदने के लिए प्रयोग में आएगा। आपसे अनुरोध है कि यह किया जाए इससे और तरक्की होगी और इससे क्षेत्र का विकास होगा। आपसे अनुरोध है कि बनकटी ब्लॉक से आगे जाकर रोड बहुत पतली है, जो पक्का बाजार जाती है। आज से 20 साल पहले वह रोड बनी थी, वह बहुत पतली रोड है। यदि रोड का उच्चीकरण और चौड़ीकरण हो जाएगा तो क्षेत्र का विकास हो जाएगा। आपसे एक और चीज का अनुरोध करते हैं कि गायघाट से जो सरयू नदी की तरफ मार्ग जाता है, वहाँ पर बालू माफिया लोग हैं, जिन्होंने सड़क को तोड़ दिया है, जिससे सड़क पर चलते नहीं बनता है। एक कुदरहा से सरयू नदी तक का मार्ग है, वह सड़क पहले बढ़िया थी लेकिन बालू माफिया लोग उस पर बड़ी-बड़ी ऊँची-ऊँची गाड़ी चलाते थे जिससे वह सड़क चलने लायक नहीं है, वह टूट गयी है। इसमें मेरा अनुरोध है कि आप सरकार को निर्देश दें कि आने वाले दिनों में उसको बनाया जाये जिससे कि वहां तक जाने वाला रास्ता ठीक हो जाये। मैं आपसे एक बात और कहना चाहूंगा कि सरकार कहती है, डंका पीटती है कि हम बहुत विकास के काम कर रहे हैं। मेरी महोदवा, विधान सभा क्षेत्र-311 है, इसमें मेरा आपसे अनुरोध है कि आप इसकी जांच करा लें यदि 100 सड़कें हैं, 25 सड़कें ठीक हैं तो 75 सड़कें चलने लायक नहीं हैं। यह तमाम विसंगतियां हैं। खाली घोषणा करने से काम नहीं होगा, धरती पर जब काम होगा तब विकास होगा। जय भीम। जय भारत।

***श्री सुनील कुमार शर्मा-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे वर्ष 2023-24 के बजट पर बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ और आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। आजादी के अमृत काल में मा0 वित्त मंत्री जी ने, मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में जो बजट प्रस्तुत किया है, इसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी का और मा0 वित्त मंत्री जी को बधाई देता हूँ। यह बजट प्रदेश को 1 ट्रिलियन इकोनॉमी की तरफ ले जाने वाला बजट है। यह कृषि, किसान, महिला, बाल, युवा, श्रमिक सभी के हितों का कल्याण करने वाला बजट है। इसमें शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, रोजगार, औद्योगिक विकास, सौर ऊर्जा, अवस्थापना की व्यवस्था की गयी है। अधिष्ठाता महोदय, मुझसे पूर्व विपक्ष के कुछ वक्ता बोल रहे थे। एक वक्ता कह रहे थे कि इस सरकार का ध्यान अल्पसंख्यकों की तरफ नहीं है। एक वक्ता कह रहे थे कि काँवड़ यात्रा पर पुष्प वर्षा की जा रही है, क्या यह राजधर्म है ? मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि क्या वह राजधर्म था, जब काँवड़ यात्रा पर प्रतिबन्ध लगाया जाता था ? क्या वह राजधर्म था, जब सप्ताह में एक दिन शहर के सारे मार्ग अवरुद्ध

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कर दिये जाते थे ? क्या वह राजधर्म था, जब केवल एक ही वर्ग की बात की जाती थी ? मेरी पार्टी का राजधर्म तो यह है कि यदि प्रधानमंत्री आवास दिये जा रहे हैं, तो सबको दिये जा रहे हैं। यदि गांव-गांव में शौचालय दिये जा रहे हैं, तो प्रत्येक को दिये जा रहे हैं। यदि निःशुल्क गैस के कनेक्शन दिये जा रहे हैं, तो सबको दिये जा रहे हैं। यदि बिजली के फ्री कनेक्शन दिये जा रहे हैं तो सबको दिये जा रहे हैं।

मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक मोहल्ला मौसमविहार है, मैं एक दिन वहां गया। मैंने देखा कि 1 हजार लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत ढाई-ढाई लाख रुपये मिले थे। उसमें से साढ़े 7 सौ लोग अल्पसंख्यक समुदाय के थे। यह है भारतीय जनता पार्टी की सरकार का राजधर्म, जो जाति, धर्म, मजहब के आधार पर भेद-भाव नहीं करती। सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबको साथ लेकर चलने का काम माननीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में, माननीय मोदी जी के मार्गदर्शन में यह सरकार कर रही है। आज प्रदेश में कानून का राज है। अपराधी, गुण्डे, मवाली नेस्तनाबूद हो चुके हैं, प्रदेश छोड़ कर भाग चुके हैं। विकास की गंगा बह रही है। सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। प्रत्येक जिले में मेडिकल कालेज बनाये जा रहे हैं। 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति की जा रही है। आज प्रदेश में एक अच्छा माहौल बना है। निवेश करने के लिए लोग आ रहे हैं। इन्वेस्टर समिट में साढ़े 33 लाख करोड़ के एम0ओ0यू0 पर साइन हुए हैं। आज एक अच्छा माहौल उत्तर प्रदेश में बन रहा है तो लोगों को यह हजम नहीं हो रहा है। वे वातावरण बिगाड़ना चाहते हैं। अधिष्ठाता महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि एक पंछी तोता होता है, वह जैसे वातावरण में रहता है, वैसी भाषा बोलता है। वह जब किसी योगी की कुटिया पर होता है, वह जब साधु-सन्तों के बीच में होता है, तो बहुत अच्छा राम-राम रटता है। और वही जब मवालियों के बीच में चला जाता है, वही जब कुसंगतियों में चला जाता है तो गाली देना शुरू कर देता है। ऐसा ही आज कल श्रीरामचरित मानस को ले करके भी हो रहा है, उनकी पंक्तियों को ले करके जनता का ध्यान भटकाने, जनता में फूट डालने का प्रयास किया जा रहा है। मैं कहना चाहता हूँ कि श्रीरामचरित मानस वह ग्रन्थ है जिसे लोग अपने साथ में ले करके फीजी चले गये तो आज फीजी में हिन्दुस्तान जिन्दा है, अगर मारीशस लेकर चले गये तो आज मारीशस में हिन्दुस्तान जिन्दा है और जब मुगल और अक्रांता इस देश में तलवार के बल पर धर्मांतरण करा रहे थे तो इसी श्रीरामचरित मानस को पढ़ करके ये हिन्दू धर्म जिन्दा है। ये श्रीरामचरित मानस वो पवित्र ग्रंथ है। आज उसकी प्रतियां फाड़ने का काम विपक्ष के द्वारा किया जा रहा है। मैं बताना चाहता हूँ कि जिस-जिस ने यह पाप किया है वह राजनीति से समाप्त हो गया। तुलसीदास जी तो वो संत है जिन्होंने अपने श्रीरामचरित मानस में लिखा है कि-''सीय राम मय सब जग जानी। करउँ प्रनाम जोरि जुग पानी''। समस्त जग को पूरी दुनिया को सीय राम मान करके

जिन्होंने प्रणाम किया है, जिन्होंने नमन किया है ऐसे बाबा तुलसीदास हुए हैं लेकिन उनकी श्रीरामचरित मानस को फाड़ने का काम किया जा रहा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि भगवान राम का अवतरण त्रेता युग में हुआ था और उसके बाद वह बैकुण्ठ लोक अपने धाम को चले गये लेकिन जाते वक्त हनुमान जी को यहीं छोड़ गये थे। भगवान परशुराम भी आज इस युग में हैं वो इसलिए हैं कि कलयुग आएगा और कलयुग में ऐसे-ऐसे पापी होंगे जो धर्म को नष्ट करना चाहेंगे। धर्म की स्थापना के लिए भगवान परशुराम और हनुमान जी आज विराजमान हैं और उन्हीं के आशीर्वाद से और उन्हीं की दी हुई शक्ति से आज मोदी और योगी जी इस देश में इस प्रदेश में धर्म की स्थापना कर रहे हैं। अधिष्ठाता महोदय, मैं अपने क्षेत्र के विषय में कहना चाहता हूं, मेरे विधान सभा क्षेत्र की आबादी हिन्दुस्तान के 09 राज्यों से अधिक है, जिन राज्यों में मुख्य मंत्री बनता है उनसे ज्यादा आबादी मेरे क्षेत्र की है। हिन्दुस्तान के और प्रदेश के हर प्रान्त के नागरिक वहां आ करके रहते हैं क्योंकि हमारी सरकार ने इतना अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर दिया है। एक समय वह भी था जब गाजियाबाद के नाम पर फिल्म बनी थी, जिला गाजियाबाद के लोगों ने गाजियाबाद को अपराध की नगरी बना करके रख दिया था, परन्तु आज माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में लोग गाजियाबाद में आकर बसना चाहते हैं। दिल्ली छोड़कर लोग गाजियाबाद में आकर बसना चाहते हैं इसलिए वहां की जनसंख्या बढ़ रही है और जनसंख्या बढ़ रही है तो आवश्यकताएं भी बढ़ रही हैं। मैं यह मांग करता हूँ कि हमारे यहां एक पुरा महादेव हैं, भगवान परशुराम की तपोस्थली है। पुरा महादेव के आस-पास के क्षेत्र को पुरा महादेव सर्किट के नाम से घोषित किया जाय और कर्नाटक की सरकार की भांति पुरा महादेव में भी भगवान परशुराम की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाय।

अधिष्ठाता महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूँ कि हमारे मुख्य मंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी एक सन्त हैं और सन्त का स्वभाव होता है कि वह सबका ध्यान रखते हैं, सबको साथ ले करके चलते हैं, सबकी चिन्ता करते हैं, एक किसान भी सन्त स्वभाव का होता है उसकी भी इच्छा होती है कि वह भी अपने सब पशुओं का, अपने बैल का, अपनी गाय का ध्यान रखे लेकिन महोदय, सबका ध्यान रखते हुए यह भी ध्यान रखना पड़ता है कि जो बैल हल में चल रहा है उसका स्वास्थ्य ठीक रहना चाहिए ताकि खेती लगातार होती रहे, जो गाय अच्छा दूध देती है उसकी भी चिन्ता ज्यादा करनी चाहिए, वह दूध-घी देगी तो सबको मिलेगा।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, अब समाप्त कर लें।

श्री सुनील कुमार शर्मा-

मान्यवर, बस दो मिनट में अपनी बात समाप्त कर रहा हूँ। गाजियाबाद और नोएडा सर्वाधिक टैक्स देने वाले शहर हैं। इसलिए यहाँ की भी चिन्ता इस प्रकार होनी चाहिए और मैं माँग करता हूँ कि जिस प्रकार से कानपुर और लखनऊ में राज्य सरकार के द्वारा मेट्रो को फण्ड दिया गया है। उसी प्रकार से नोएडा से गाजियाबाद तक और वैशाली से गाजियाबाद तक मेट्रो को जोड़ने के लिए सरकार के द्वारा अनुदान दिया जाना चाहिए, ताकि वहाँ का विकास और तेजी से हो। महोदय, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि खोड़ा में जल आपूर्ति की बड़ी दिक्कत है। खोड़ा में जल आपूर्ति की बहुत आवश्यकता है। उस पर सरकार शीघ्र ध्यान दे करके शीघ्र कार्यवाही कराये। यूँ तो मेरी विधान सभा क्षेत्र में 25 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं और 30 हेल्थ वेलनेस सेन्टर बनने जा रहे हैं। लेकिन मेरे वहाँ और ज्यादा आवश्यकता है, इसलिए एक सरकारी अस्पताल की स्वीकृति भी सरकार के द्वारा की जाये ।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, समाप्त करें, आपका 10 मिनट हो रहा है।

श्री सुनील कुमार शर्मा-

मान्यवर, बस आधा मिनट दे दें। हिंडन पार क्षेत्र में एक स्कूल और एक कॉलेज की बहुत आवश्यकता है। अधिष्ठाता महोदय, हिंडन एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए, बनारस के लिए और गोरखपुर के लिए फ्लाइट शुरू की जाये, मैं इसके लिए माँग करता हूँ। मैं पुनः माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी को, माननीय वित्त मंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ कि उन्होंने 25 करोड़ की जनता का हित करने वाला बजट प्रस्तुत किया है। मैं आपका पुनः आभार व्यक्त करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद, नमस्कार ।

***डॉ0 मनोज कुमार प्रजापति-**

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, धन्यवाद। वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट पर मुझे अपने बात रखने का अवसर प्रदान किया इसके लिए आपको हृदय की गहराइयों से धन्यवाद देता हूँ। उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री माननीय योगी जी एवं वित्त मंत्री जी के द्वारा उ0प्र0 के इतिहास का सबसे बड़ा लोक कल्याणकारी सर्वस्पर्शी एवं सर्वसमावेशी बजट प्रस्तुत करने के लिए मैं धन्यवाद देता हूँ। मान्यवर, बजट के अध्ययन करने से यह पता चलता है कि यह बजट विकास के सभी पैमानों को समाहित करता है। जहाँ इसमें किसानों के हितों, छात्रों के हितों, नौजवानों के हितों, महिलाओं के हितों का ध्यान रखा गया है, वहीं दूसरी तरफ स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, सिंचाई एवं रोजगार के सृजन को भी प्रमुखता दी गई है। मान्यवर, उत्तर प्रदेश के मुख्य

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मंत्री माननीय योगी जी के नेतृत्व में एवं प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश की 25 करोड़ जनता को बिना भेद-भाव के शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। यह हमारी नीतियों का ही परिणाम है कि आज हमारा प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन में प्रथम स्थान पर है।

मान्यवर, देश में जितनी भी कृषि योग्य भूमि है, उसकी लगभग 11 प्रतिशत भूमि के हम हिस्सेदार हैं और हमारी 20 प्रतिशत की उत्पादन में हिस्सेदारी है। यह भी हमारी कहीं न कहीं सरकार की उपलब्धि है। यह हमारी सरकार की नीतियों का परिणाम है कि आज हमारा प्रदेश, देश में गेहूँ उत्पादन में प्रथम स्थान पर है, यह हमारी सरकार की नीतियों का ही परिणाम है कि आलू के उत्पादन में हम प्रथम स्थान पर है, यह हमारी सरकार की नीतियों का परिणाम है कि मटर के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है, यह हमारी सरकार की नीतियों का परिणाम है कि आम के उत्पादन में हम प्रथम स्थान पर हैं, हम आँवला उत्पादन में प्रथम स्थान पर हैं, यह हमारी सरकार की नीतियों का परिणाम है कि हम गन्ना उत्पादन में प्रथम स्थान पर हैं एवं दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान रखते हैं। प्रधानमंत्री जनधन खातों का लाभ देने के मामले में भी हम प्रथम स्थान पर हैं। उज्ज्वला योजना के कनेक्शन देने में भी हम प्रथम स्थान पर हैं। एक्सप्रेस-वे के निर्माण के कार्य को गति प्रदान करने में भी हम प्रथम स्थान पर हैं, कृषि सम्बन्धित अनुदान देने में भी हम प्रथम स्थान पर हैं। मान्यवर, अभी हमारे विपक्ष के साथी डॉ0 आर0 के0 वर्मा जी बोल रहे थे कि कृषि में कैसे आय को दुगना किया जाये। हम बताना चाहते हैं कि अनुसंधान, शिक्षा और प्रसार के माध्यम से, कृषि की तकनीकियों के प्रसार के माध्यम से हम किसानों को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करके उनके उत्पादन में हम वृद्धि करके कृषि की आय को दुगना करने का काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में स्थित 4 कृषि विश्वविद्यालय, बाँदा कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या कृषि विश्वविद्यालय, इन सभी कृषि विश्वविद्यालयों को विकास के लिए हमारी सरकार ने 35 करोड़ रुपये देने का काम किया है, वहीं पर एग्रीटेक स्टार्टअप योजना को बढ़ावा देने के लिए इन सभी विश्वविद्यालयों को 20 करोड़ रुपये देने का काम किया है। मान्यवर, इसी के साथ-साथ हमारी सरकार ने कुशीनगर में महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु 50 करोड़ की व्यवस्था करने का काम किया इसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूँ। हमारी सरकार ने ही पिछले एक वर्ष के दौरान 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों को भी क्रियाशील करने का काम किया है वह कृषि विज्ञान केन्द्र जो बीजों का उत्पादन भी करते हैं, किसानों को ट्रेनिंग भी देते हैं और तकनीकि प्रसार का भी काम करते हैं।

इन्हीं सब बातों के साथ मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के सम्बन्ध में भी कुछ आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ। जनपद हमीरपुर के विकास खण्ड मौदहा के ग्राम

किशवाही एवं परेहटा के पास चन्द्रावल नदी पर एक लघु सेतु निर्माण कराने का आग्रह आपके माध्यम से करना चाहता हूँ। जनपद हमीरपुर की न्याय पंचायत सिसोलर को सामुदायिक विकास खण्ड की स्थापना का मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूँ। पूरे बुन्देलखण्ड की सभी ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन या बारातशाला की बहुत आवश्यकता है। पूर्व में प्राइमरी विद्यालयों में बारातें रुक जाया करती थीं लेकिन जब से माननीय न्यायालय का एक आदेश आ गया तो विद्यालयों में जो गाँव में गरीब की बेटियों की शादियाँ होती तो वहाँ पर नहीं रुक पाती हैं तो मेरा आपसे आग्रह है कि बुन्देलखण्ड की प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक सामुदायिक केन्द्र या बारातशाला बन जाये तो हमारी सरकार में यह बहुत सफलता होगी। कस्बा सुमेरपुर में एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना के लिए मैं आपसे आग्रह करता हूँ और हमारी विधान सभा क्षेत्र के कुरारा विधान सभा क्षेत्र में एक राजकीय महाविद्यालय की स्थापना का आग्रह भी मैं आपके माध्यम से करता हूँ। जिला मुख्यालय बस स्टैण्ड में वर्कशाप भी संचालित है, जिस कारण से वहाँ जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूँ कि अगर वह वर्कशाप वहाँ से हटा करके जो परिवहन निगम की जो जमीन पहले से पड़ी हुई है वहाँ पर स्थापित कर दें तो बस स्टैण्ड अपना वृहद् और अच्छा रूप ले लेगा। जनपद हमीरपुर के नगर मौदहा में एक खेल का स्टेडियम बनाने का मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूँ। इन्हीं सब बातों के साथ मैं पुनः आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ और एक शानदार बजट प्रस्तुत करने के लिए अपनी सरकार को अपने मुख्य मंत्री जी को, अपने वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

डॉ0 डी0 सी0 वर्मा-

मान्यवर, माननीय सदस्य ने हमारा नाम बोल करके मेरे ऊपर चर्चा की है तो मैं माननीय सदस्य से जानना चाहता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य आप बैठ जायें।

***श्री राजेश कुमार गौतम-**

मान्यवर, आपने मुझे वर्ष 2023-24 के बजट पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। उत्तर प्रदेश का यह बजट गाँव, गरीब, किसान, नौजवान, महिला, शोषित, पीड़ित उपेक्षित सबके लिए लाभकारी साबित होगा। मैं सर्वप्रथम यशस्वी मुख्य मंत्री आदरणीय श्री योगी आदित्यनाथ जी को, उनकी कैबिनेट को धन्यवाद देना

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

चाहूंगा कि जिन्होंने पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी के अन्त्योदय को और बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के सपनों को साकार करने का इस बजट में पूर्ण रूप से दिखाई देता है। यह बजट पण्डित दीनदयाल के सपनों को साकार करने का बजट है। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था कि पंक्ति में खड़े हुये अन्तिम व्यक्ति का कैसे उद्धार हो। आज इन्वेस्टर्स समिट के द्वारा उत्तर प्रदेश के अन्दर हजारों करोड़ का निवेश होने जा रहा है, हजारों की संख्या में रोजगार का सृजन होगा। महिला सशक्तिकरण की बात जहाँ होती है, मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत प्रत्येक लाभार्थी को 15 हजार तक की धनराशि से लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह के माध्यम से 600 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। अगर पिछली सरकारों के बारे में ध्यान देते हैं। तो निश्चित तौर पर मातृ शक्तियों की कहीं सुरक्षा नहीं थी। वर्ष 2002, 2007, 2012 जो लोग शोषित दलित वंचित की बात करते थे जो बाबा साहब की बात करते थे और मैं बड़े गर्व के साथ कह सकता हूँ कि वर्ष 2017 में जब यशस्वी मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में यह सरकार बनी और आज 6 वर्ष बीत गये हैं।

उत्तर प्रदेश के किसी भी गाँव में चले जाईये, निश्चित तौर पर उन गरीब, शोषित, मजदूर किसानों को जितने आवास मिले हैं, निश्चित तौर पर कहीं न कहीं बाबा साहब का जो सपना था वह आज पूरा हो रहा है। युवाओं के लिए रोजगार की अगर हम बात करें, तो 'स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण' योजना के तहत् छात्र-छात्राओं को टेबलेट और स्मार्ट फोन देते हुए नई तकनीकी से उत्तर प्रदेश के युवाओं को जोड़ा जा रहा है। 'एक जनपद, एक उत्पाद' के लगभग एक लाख पैंतीस हजार से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। 'प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना' के तहत् 17 लाख से ज्यादा आवास स्वीकृत हुए हैं। अगर हम एक्सप्रेस-वे की बात करें, चाहें वह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे हो, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे हो, जिसका निर्माण हो रहा है। आज अगर हम उत्तर प्रदेश के बाहर जाते हैं, तो देखेते हैं कि लोगों की सोच/धारणा बदली है। यही उत्तर प्रदेश हुआ करता था, जब लोग उत्तर प्रदेश के बाहर जाते थे, तो निश्चित तौर पर जब उत्तर प्रदेश की बात आती थी, तो लोग माफिया और गुण्डों की बात करते थे। मैं आज बड़े गर्व के साथ कह सकता हूँ कि जब उत्तर प्रदेश के बाहर हम जाते हैं, तो आज उत्तर प्रदेश के बारे में लोगों की सोच बदली है। लोग आज विकास के बारे में बात करते हैं, रोजगार के बारे में बात करते हैं। वर्ष 2014 में जब हमारी केन्द्र में सरकार बनी थी, तो निश्चित तौर पर जो केन्द्र सरकार की योजना थी। डबल इंजन की सरकार के होते हुए आज विकास दिख रहा है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 45 जनपदों को मेडिकल कॉलेज से आच्छादित किया जा चुका है और अगर बात करें, तो मैं उस विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ जो तीनों

तरफ से, एक तरफ अम्बेडकरनगर जिला, एक तरफ आजमगढ़ जिला, तो दूसरी तरफ जौनपुर और प्रतापगढ़ से घिरा हुआ है। मैं बड़े गर्व के साथ कह सकता हूँ कि आज उसी विधान सभा क्षेत्र में जहाँ पर आजादी के बाद, जो पिछड़ी विधान सभा क्षेत्र कही जाती थी, जो मुख्यालय से 80 किमी0 दूर है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं बड़े गर्व के साथ कह सकता हूँ कि मैं जिस विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ, वहाँ पर 'बजरंगबली बाबा' जो हमारे आराध्य हैं, 'बिजथुआ धाम' है आज उसी विधान सभा क्षेत्र के अन्दर, चाहे वह नवोदय विद्यालय हो, पॉलीटेक्निक कॉलेज हो, चाहे फायर स्टेशन हो, इन सबका निर्माण हुआ है और निश्चित तौर पर मैं आज कह सकता हूँ कि आजादी के बाद आज हर विधान सभा क्षेत्र में इसी तरीके के विकास हुए हैं।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, ये कानून की बात करते हैं। हमको आज भी याद है जब वर्ष 2002 में ढाई-ढाई साल की गठबंधन की सरकार इन लोगों ने बनायी थी, तो वर्ष 2007 में जो लोग दलित की बात करते थे, बाबा साहब के नाम पर वोट बटोरने का काम करते थे, तो मुझको लगता है कि बगल में जो अम्बेडकरनगर जिला है, जहाँ पर लोग दूसरे पार्टी में चले गये हैं, वहीं पर वर्ष 2012 में जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, तो वहाँ एक नौजवान प्रधान की हत्या कर दी गयी थी। वर्ष 2012-2017, जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी और वर्ष 2007-2012 तक बहुजन समाज पार्टी की सरकार थी। आज जो दलित, शोषित और वंचित की बात करते हैं, अगर इनसे पूछा जाए, तब इनकी सोच कहां थी। जब-जब चुनाव आता है, तो दलित, शोषित और वंचित की बात करते हैं। मैं ये बड़े गर्व के साथ कह सकता हूँ कि निश्चित तौर पर जो बाबा साहब का सपना था। आज जो हमारा शिक्षित वर्ग है, उत्तर प्रदेश के बाहर, चाहे किसी प्रदेश में बैठा है, हमारा हर नौजवान आज ये देख रहा है कि उत्तर प्रदेश में किस तरीके से काम हो रहा है। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश की जनता ने आशीर्वाद दिया, वर्ष 2019 में केन्द्र में पुनः मा0 मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनी और वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश की जनता ने पुनः भारतीय जनता पार्टी को प्रचण्ड बहुमत देकर सरकार बनाने का मौका दिया। यह उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश बन गया है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 राजेश जी, अपनी बात को संक्षिप्त करते हुए समाप्त करिए ।

श्री राजेश कुमार गौतम-

अधिष्ठाता महोदय, अब मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की बात करता हूँ। मैं जिस विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ वहाँ पर एक ब्लाक मुख्यालय है। जब से उस ब्लाक मुख्यालय की घोषणा हुई, तब से आज तक उस ब्लाक मुख्यालय की बिल्डिंग नहीं बनी। मैं आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी से माँग करता हूँ कि उस ब्लाक की बिल्डिंग का निर्माण हो जाए। वहीं

बिजथुआ धाम पर मैंने एक कॉरीडोर की माँग की थी, वह कॉरीडोर बन जाये। हमारी जो विधान सभा क्षेत्र है, वहाँ से 70 किमी0 दूर अयोध्या धाम है, 100 किमी0 की दूरी पर काशी और 100 किमी0 की दूरी पर प्रयागराज है। आपके माध्यम से माँग करता हूँ कि बिजथुआ धाम पर अगर कॉरीडोर बन जायेगा, तो हर शनिवार और मंगलवार को जो लाखों श्रद्धालु वहाँ दर्शन करते हैं, उससे निश्चित तौर पर उसका विकास होगा। आपने वर्ष 2023-24 के बजट पर मुझे बोलने का मौका दिया। मैं इस बजट का पूर्ण रूप से समर्थन करता हूँ और अपने कादीपुर विधान सभा क्षेत्रवासियों को पुनः धन्यवाद देता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्रीमती सरोज कुरील-**

भगवान गौतमबुद्ध जी व विधान निर्माता डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी और अपना दल पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय डॉ0 सोने लाल पटेल जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी और हमारे मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी को कोटि-कोटि प्रणाम करती हूं, तथा अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुश्री अनुप्रिया पटेल को प्रणाम करती हूं। अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ कि आपने मुझे उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री जी के द्वारा प्रस्तुत बजट 2023-24 में बोलने का अवसर प्रदान किया। यह बजट लगभग 6 लाख 90 हजार 242 करोड़ रुपये का है यह काफी रियलिस्टिक बजट है, उत्तर प्रदेश का योगदान देश की जी0डी0पी0 का 8 प्रतिशत है, बजट में हर वर्ग के लोगों का ध्यान रखा गया है किसान, मजदूर, महिला, युवाओं को यह बजट भविष्य में विकास की एक नई ऊर्जा देगा। यह बजट नई उम्मीदों को पंख लगा देगा। आदरणीय योगी जी की सरकार के द्वारा पेश किये गए देश के सबसे बड़े बजट की वजह से ही, देश के अन्नदाता किसान पेंशन में लगभग 7 हजार करोड़ की पेंशन योजनाएं तथा कृषि विकास एवं सिंचाई के लिए 24 हजार करोड़ तथा किसान दुर्घटना बीमा के लिए प्रत्येक किसान को 5 लाख तक का बीमा एवं किसानों को बिजली सब्सिडी से लेकर बड़ी घोषणाएं की गयी है। अन्नदाता कि लिए कृषि स्टार्टअप के लिए मोटे अनाज हेतु उद्योग लगाने हेतु भी बढ़ावा दिया गया है। 1700 से अधिक किसान पाठशालाओं की व्यवस्था करा कर नयी तकनीकी से अन्नदाता को फसल में उपज बढ़ाने की योजना बनायी गयी, महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए 7 करोड़ के लिए प्रस्तुत बजट पर विशेष ध्यान देते हुए, देश की शान्ति व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, महिला पी0ए0सी0 बटालियन का गठन किया जा रहा है। इतना ही नहीं महिला उत्थान हेतु बहुत सारी योजनाएं भी चलाकर महिला सशक्तीकरण की दिशा में

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

प्रदेश सरकार के सराहनीय कदम हैं। इसी सराहनीय कदम में हमारी मा0 अध्यक्षा अनुप्रिया पटेल जी, जो कि पिछड़ा वर्ग के लिए संघर्ष कर रही हैं, उनके लिए दो शब्द कहना चाहूंगी।

''ना थके कभी पैर ना कभी हिम्मत हारी है,
हौसला है जिन्दगी में कुछ कर दिखाने का,
इसलिए अभी भी सफर जारी है।''

उत्तर प्रदेश के इस ऐतिहासिक बजट को देखते हुए हमारा उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनने की और अग्रसर है। पिछले दिनों किए गये ग्लोबल समिट में उत्तर प्रदेश को जो मेजबानी करने का गौरव उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार को प्राप्त हुआ, उसका व्याख्यान करना सूरज को रोशनी दिखाने जैसा है। मा0 खन्ना जी के द्वारा प्रस्तुत बजट चुनावी संकल्प पत्र को भी पूर्ण करता है। मा0 अध्यक्ष जी मैं आपका ध्यान अपनी विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर की और ले जाना चाहूंगी। मेरी घाटमपुर विधान सभा क्षेत्र में जल निकास की एक प्रमुख समस्या है। बरसात के दिनों में जल भराव के कारण कस्बे की बस्तियां जलमग्न हो जाती हैं, इसको ध्यान में रखकर जल निकासी हेतु विशेष बजट पारित कर घाटमपुर के नागरिकों को समस्या से निजात दिलाया जाए। एक जमुना पट्टी के तिहर क्षेत्र में गांव काटर पर शासन के द्वारा 66 हेक्टेयर भूमि को सरकार द्वारा अधिग्रहण करा कर उस पर 2 हजार मेगावाट का सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए कार्य किया गया था। परन्तु 2015 से अब तब यह सौर संयंत्र योजना अधूरी पड़ी है, अति शीघ्र इस परियोजना को चालू करा कर क्षेत्रवासियों को ऊर्जा समस्या से निजात दिलाया जाए। घाटमपुर के कस्वा क्षेत्र में स्थित घाटमपुर बस स्टेशन के अधूरे पड़े काम को पूर्ण कराया जाए। तो इससे भारी राजस्व की प्राप्ति होगी। अस्तु निवेदन है कि उपर्युक्त मूल समस्याओं को देखते हुए घाटमपुर विधान सभा क्षेत्र को विशेष पैकेज देकर यहाँ की जनता को लाभान्वित किया जाए, महान दया होगी। इन्हीं शब्दों के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया मा0 योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व एवं आदरणीय श्री खन्ना जी द्वारा प्रस्तुत किये हुए बजट का पूर्ण समर्थन करते हुए अपनी वाणी को विराम देने के पहले कुछ पंक्तियाँ मैं जरूर कहना चाहूँगी-

मत सोच कि तेरा सपना क्यों पूरा नहीं होता,
हिम्मत वालों का इरादा कभी अधूरा नहीं होता।
जिस इन्सान के कर्म अच्छे होते हैं,
उसके जीवन में कभी अँधेरा नहीं होता।।

इसी के साथ जय भीम, जय भारत, जय अपना दल।

श्री गौरव कुमार-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा रखे गये बजट पर मा0 श्री लालजी वर्मा द्वारा प्रस्तुत किये गये संशोधन के प्रस्ताव पर मुझे बोलने का अवसर दिया। सर्वप्रथम देवा और महादेवा की धरती को नमन करते हुए मैं स्व0 बेनी प्रसाद वर्मा जी और आदरणीय नेता जी, मा0 मुलायम सिंह यादव जी को अपनी श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मैं अपनी जैदपुर की जनता को बहुत-बहुत बधाई और धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मुझे दोबारा इस सदन में भेजा। मैं अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष और पार्टी के नेता आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी को बधाई और धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने दोबारा इस सदन में भेजने का आशीर्वाद दिया। सर्वप्रथम मैं आपके माध्यम से अपनी क्षेत्र की समस्याओं से सरकार को अवगत कराना चाहता हूँ। मान्यवर, बाराबंकी जिला मुख्यालय में जो जिला चिकित्सालय है, हमारा जनपद राजधानी के पड़ोस में होने के कारण तमाम ऐसी समस्यायें होती हैं, कोई एक्सीडेंट हो जाता है या तमाम बीमारियों से ग्रसित होते हैं तो अक्सर देखा गया है कि हमारे जिला चिकित्सालय से सिर्फ रेफर किया जाता है वहाँ पर उनका इलाज नहीं होता है। कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है कि जो गम्भीर बीमारी से ग्रसित हैं, उसको वहाँ से इलाज मिल सके। मैं आपके माध्यम से सरकार से माँग करता हूँ कि हमारे जनपद में अच्छे डॉक्टर और अच्छी सुविधायें मुहैया करायी जायं जिससे आम जन मानस को सहायता और मदद मिल सके। मान्यवर, हमारी विधान सभा क्षेत्र जैदपुर को हर साल की तरह बजट में एकदम नकार दिया जाता है। क्योंकि विपक्ष का विधायक होने के नाते मेरा कोई प्रस्ताव जाता है तो उसको कभी भी शामिल नहीं किया जाता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से माँग करता हूँ कि हमारी विधान सभा क्षेत्र का जो हमारा हिस्सा है चाहे रोड के मामले में, चाहे शिक्षा के मामले में, चाहे विद्युत व्यवस्था के मामले में हो वह हमें दिया जाये। माननीय ऊर्जा मंत्री जी बैठे हैं, मैंने व्यक्तिगत रूप से आपसे अनुरोध किया है कि जो कस्बा जैदपुर है वहाँ की जो सबसे बड़ी समस्या विद्युत की है वह हमारा पॉवर हाउस है, वह जमीनी स्तर से नीचे है, उसमें बरसात में अक्सर पानी भर जाता है और कम से कम 40 हजार की आबादी उससे प्रभावित होती है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अपनी विधान सभा क्षेत्र के लिए आग्रह करूँगा कि इस समस्या का समाधान करने का काम करें।

महोदय, हमारी विधान सभा क्षेत्र राजधानी से लगभग 30-40 किमी0 की दूरी पर स्थित है। क्योंकि हम लोग राजधानी से सटे हुए हैं। मैं देखता हूँ कि हमारे जनपद को विद्युत व्यवस्था में उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी का मौसम आने वाला है। मा0 अधिष्ठाता जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी और सरकार से माँग करता हूँ कि यह आदेश हुआ है कि जिला मुख्यालय को 24 घण्टे और ग्रामीण क्षेत्रों को 18 घण्टे बिजली दिये जाने का रोस्टर बना हुआ है उसमें मैं देखता हूँ कि उस रोस्टर के तहत् बिजली नहीं दी जाती है। मैं

आज भी अपने गाँव में रहता हूँ जब अधिकारियों को फोन करता हूँ तो ऊपर से कोई कोड आता है, उस कोड के आधार पर घण्टे-घण्टे भर के लिए बिजली का रोस्टर बढ़ाया जाता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से माँग करता हूँ कि जो भी रोस्टर दिया जाये उसमें सुबह के टाइम और शाम के टाइम में बिजली मिले, क्योंकि गाँव में रहने वाले बच्चों को पढ़ाई में असुविधा होती है। उसके लिए कम से कम ऐसी व्यवस्था हो कि सुबह 10 बजे तक और शाम को 06 से 10 बजे तक बिजली जरूर मिले। इससे गाँव में रहने वाले गरीब बच्चों की शिक्षा में आसानी हो और मदद मिल सके। मान्यवर, तमाम सी0एच0सी0 बने हुए हैं, उसमें डाक्टर पोस्टेड तो हैं लेकिन वहाँ पर उपलब्ध नहीं रहते क्योंकि राजधानी के बगल होने के कारण वह लखनऊ निकल जाते हैं। जब भी बात करते हैं तमाम समस्यायें हैं, आपके माध्यम से मैं चाहता हूँ कि इन पर ध्यान दिया जाय। मैं सरकार की कोई विफलता का विरोध नहीं कर रहा हूँ। मैं मांग करता हूँ क्योंकि मेरे क्षेत्र में भी जनता रहती है वह हमको भी सुनती है लेकिन आपको भी कहीं न कहीं वोट मिलता है। मैं चाहता हूँ कि हमारी विधान सभा क्षेत्र को उपेक्षित न रखा जाय। क्योंकि मेरी विधान सभा क्षेत्र ऐसी है जहां से तमाम बड़े-बड़े नेताओं ने प्रतिनिधित्व किया है। रोडों के बारे में बात करना चाहता हूँ। हमारी विधान सभा क्षेत्र जैदपुर में जितनी भी बड़ी रोडे हैं सबको पी0एम0जी0एस0वाई0 में कनवर्ट कर दिया गया और मैं तीन से चार सालों से देख रहा हूँ कि उनका शिलान्यास भी हो गया है लेकिन उनका काम अभी तक नहीं शुरू हुआ है। इनमें प्रमुख रूप से भानमऊ से सलेमपुर घाट होते हुए सुल्तानपुर रोड को जोड़ने वाली प्रमुख रोड है, इसके बाद जैदपुर पानी टंकी से लगाकर सतरिक होते हुए लखनऊ सीमा तक की रोड है, सिध्धौर होते हुए बाराबंकी शहर को जोड़ने वाली रोड है, एक अन्य बीबीपुर होते जैदपुर से कोटी तक की जाने वाली रोड है। यह प्रमुख रोडें हैं जो कि पी0एम0जी0एस0वाई0 में कनवर्ट कर दी गयी हैं।

मैने मा0 प्रधानमंत्री जी को भी पत्र लिखा है लेकिन उस पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। हमारी जो मौजूदा सांसद हैं उनके द्वारा शिलान्यास भी कर दिया गया है लेकिन कोई काम नहीं चल रहा है। जब मैं विभागीय अधिकारियों से पूछता हूँ तो बताया जाता है कि एफ0डी0आर0के0 माध्यम से काम होना है, जब टेक्नोलॉजी से ही काम होना है तो फिर इतनी देर क्यों? मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि उस पर जल्द से जल्द काम शुरू किया जाय जिससे हमारी क्षेत्र की जनता को आराम मिल सके। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं बताना चाहता हूँ कि मेरा जनपद राजधानी लखनऊ नगर निगम से सटा हुआ है और लखनऊ के जो छुट्टा जानवर नगर निगम के द्वारा पकड़े जाते हैं वह हमारी विधान सभा क्षेत्र और गांव जो कि देवा रोड पर पड़ता है वहां पर छोड़ दिए जाते हैं जिससे तमाम किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। एक मांग मैं और करना चाहता हूँ कि जो किसान पथ बन रहा है जो कि सुलतानपुर रोड से कुर्सी रोड तक चालू हो गया है, उसमें तमाम जगहों पर गड्ढे हो गये हैं मैं

चाहूँगा कि सरकार इसे अपनी निगरानी में दिखवा लें क्योंकि यहां पर रोज तमाम दुर्घटनायें होती हैं। हमारे क्षेत्र की तमाम समस्यायें हैं जिन्हें मैं लिखकर दे दूँगा आप शामिल करा लीजिएगा, बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री हंसुराम-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं पूर्वांचल के अन्तिम छोर पर बसे बलिया जनपद के बेल्थरा रोड विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र में इस समय स्वास्थ्य और चिकित्सा, टेक्निकल एजुकेशन, पेयजल, बिजली और सड़क की प्रमुख समस्यायें हैं। स्वास्थ्य के नाम पर इस विधान सभा क्षेत्र में दो सी0एच0सी0 हैं जबकि मेरी विधान सभा क्षेत्र की कुल आबादी पाँच लाख से ऊपर है ऐसे में पाँच लाख लोगों की देखभाल के लिए दो सी0एच0सी0 काफी नहीं हैं। मेरे मुख्यालय बेल्थरा रोड पर स्थित सी0एच0सी0 में मात्र दो चिकित्सक हैं जहां पर आए दिए गम्भीर किस्म के रोगी जाते हैं जिन्हें बाहर के जनपदों में भेज दिया जाता है। ऐसी स्थिति में रास्ते में ही उनकी असमय मृत्यु हो जाती है। मैंने कई बार वहां पर स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाने के लिए कहा है जैसे कि भीमपुरा में सी0एच0सी0 खोलने के लिए तथा 100 बेड का अस्पताल बनाने के लिए अनुरोध किया है। मेरे बलिया जनपद में अभी तक मेडिकल कॉलेज की सुविधा भी नहीं मिल पायी है। ऐसी स्थिति में वहां की स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत ही खराब है। वहां पर फरसाकार, पशुहारी, खडंवा और इन्दौली मल्कौली में 4 सी0एच0सी0 आज से 10 से 12 साल पहले से बनी हुई है लेकिन वहां पर डाक्टरों की तैनाती न होने के कारण उनकी स्थिति बहुत ही खराब और जर्जर होती जा रही है। और वह बेकार पड़े हुए हैं। इसी तरह से हमारी विधान सभा क्षेत्र में कोई स्टेडियम नहीं है। जबकि बेल्थरा रोड के सोनाडी में एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय है। वहां से निगम, आंचल, और नीतू पाण्डेय नाम की तीन बच्चियों ने आसाम में पिछले साल आयोजित हुई नेशनल फुटबाल प्रतियोगिता में भाग लिया था और नेशनल चैम्पियनशिप की वह सदस्य रही हैं। साथ ही सृजनापुर भीमपुरा नम्बर-2 की एक बालिका ज्योत्सना यादव ने भी नेशनल कराटे प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। ऐसी स्थिति में वहां युवा प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए कोई अवसर नहीं है। मैं मांग करता हूँ कि वहां पर एक स्टेडियम अथवा मिनी स्टेडियम अवश्य दिया जाये। जिससे वहां के युवा प्रतिभागियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

मान्यवर, 2016 में तत्कालीन सरकार ने भीमपुरा ब्लाक की स्थापना की घोषणा की थी। ब्लाक का सृजन हुआ और 2016 में विधिवत संचालन भी शुरू हो गया। लेकिन 2017 में ब्लाक का संचालन अचानक बन्द कर दिया गया और आज तक वह ब्लाक बन्द है। जिससे उस क्षेत्र के जनमानस में भारी आक्रोश है। मेरी मांग है कि उस ब्लाक का सृजन हुआ था

उसका संचालन शुरू हुआ था उसे पुनः आरम्भ किया जाये ताकि वहां का जनमानस सन्तुष्ट हो सके तथा सरकार के प्रति जो आकांक्षायें हैं वह पूरी हो सकें। एक उभाव थाने में सी0ओ0 कार्यालय बनाया गया। वहां पर अभी तक सी0ओ0 नगरा में बैठते हैं। जिससे आये दिन जो भी छोटी-मोटी घटनायें होती हैं उसके लिए उनको रसणा तक जाना पड़ता है। एस0सी0/एस0टी0 के जो मामले होते हैं। उसके विवेचक सी0ओ ही होते हैं। ऐसी स्थिति में गरीब समुदाय के लोगों को वहां जाने में और अपनी बात कहने में काफी धन और समय का व्यय होता है। वह सी0ओ0 कार्यालय बनकर तैयार है। मेरी मांग है कि वहां पर सी0ओ0 की तैनाती करके स्थापना कर दी जाये। जो उस क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत ही राहत की बात होगी।

महोदय, हमारा क्षेत्र नगरा और बेल्थरा दो टाउन एरिया है। उस टाउन एरिये में ओवर हेड टैंक से पानी की सप्लाई होती है जो बहुत छोटी कैपेसिटी के हैं। इसके साथ ही एपड़ी विधान सभा क्षेत्र में जल वितरण प्रणाली की कोई व्यवस्था नहीं है। जिससे छोटे हैण्डपम्पों से पानी पीने के लिए लोग मजबूर हैं। ऐसी स्थिति में पेट की बीमारियां वहां अधिक हो रहीं है। हम जानते हैं कि 80 प्रतिशत बीमारियां अशुद्ध पानी पीने से होती हैं। ऐसी स्थिति वहां के लिए विकट समस्या बनती जा रही है। मैं चाहूंगा कि इसको 'हर घर नल जल योजना' में हमारी विधान सभा क्षेत्र को लिया जाये जिससे इस समस्या से राहत मिल सके। इसके साथ ही मैं अनियमित विद्युत आपूर्ति के बारे में कहूंगा कि वहां के तार अभी भी जर्जर हैं। पॉवर फार ऑल की योजना के अन्तर्गत हमारे जनपद को लिया गया है। उसमें यह विधान सभा क्षेत्र भी है। एक नागार्जुना कम्पनी तार बदलने का काम कर रही थी। गांव में आधे-अधूरे जगहों पर तार बदले जिससे यह समस्या और विकराल हो गयी है। इससे लो-वोल्टेज और अनियमित विद्युत आपूर्ति की समस्या बनी हुई है। साथ ही मलेरा में 132 के0वी0ए0 विद्युत पारेषण केन्द्र की स्थापना की स्वीकृति शासन से मिली हुई है। इस सम्बन्ध में यह अनुरोध करूंगा कि वहां पर जमीन भी उपलब्ध करा दी गयी है लेकिन अभी तक उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। जिस कारण वहां पर बिजली की सप्लाई नियमित रूप से नहीं हो पा रही है इससे सरकार की भी छवि धूमिल होती है और क्षेत्र में हम लोगों के लिए यह बहुत ही विकट समस्या है। इसके साथ-साथ मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि बलिया में एक पालिटेक्लिक कॉलेज है। वहां पर कोई इंजीनियरिंग कॉलेज अथवा अन्य टैक्निकल इन्स्टीट्यूट नहीं है जिसके कारण वहां के बच्चों को भी कौशल व टैक्निकल एजुकेशन लेने में दिक्कत हो रही है और बच्चों को दूर पढ़ने जाना पड़ता है और गरीब लोगों के बच्चों को सही शिक्षा नहीं मिल पाती है जिससे समाज का एक बड़ा हिस्सा कौशल विकास से वंचित हो रहा है। मैं चाहूंगा की वहां पर एक टैक्निकल पालिटेक्निक व एक इंजीनियरिंग कॉलेज दिया जाए। यही मेरी मांग है। धन्यवाद।

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी-

अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री आदरणीय सुरेश कुमार खन्ना जी के द्वारा पेश किये गये वर्ष 2023-2024 के विशाल बजट को जो सम्भवतः किसी और के द्वारा संभव नहीं था जिस पर मा0 मुख्य मंत्री जी का दृष्टिकोण और उनकी प्रेरणा से यह बजट आया है। इसके लिए मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूँ सदन और प्रदेश को यह जनता के कल्याण के लिए विगत् 6 वर्षों से जो भारतीय जनता पार्टी की सरकार मा0 योगी जी के नेतृत्व में काम रही है। इन 6 वर्षो में इस प्रदेश का अमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। हमारे कुछ साथी चर्चा कर रहे थे किसानों के बारे में किसानों को उनकी उपज का मूल्य उनकी आय को दोगुना करने के विषय में सिर्फ एक उदाहरण देना चाहता हूँ कि आज से लगभग चार वर्ष पहले देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने जो किसानों को सम्मान निधि के द्वारा हर व्यक्ति जिसके नाम से चाहे वह छोटी भूमि हो या बड़ी भूमि हो हर व्यक्ति को किसान सम्मान निधि देने का काम किया तो मुझे लगता है कि किसानों की आय बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है और बहुत ही बड़ा कारक है। हमारी सरकार ने पिछले 6 वर्षों में किसानों के हितों में चाहे वह सिंचाई का मामला हो और चाहे उनकी उपज को खरीदने का मामला हो चाहे उनको दी जा रही सब्सिडी खाते में डालने का मामला हो किसानों के लिए आज तक उत्तर प्रदेश में किसी की सरकार ने वह काम नहीं किया जो हमारी सरकार ने किया है। इस प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए जो योजना हमारी सरकार ने दी अभी ऊर्जा के क्षेत्र की बात हो रही थी तो हमारे प्रदेश के मा0 ऊर्जा मंत्री जी ने जो इसके पूर्व में इस देश के एक विकसित प्रदेश में काम कर चुके हैं और ऊर्जा विभाग को जो ऊर्जा उन्होंने दी कि आज नगरीय क्षेत्रों में 24 घण्टे और ग्रामीण क्षेत्रों में 22 घण्टे की बिजली मिल रही है और जो समस्याएं फाल्ट से लेकर ट्रान्सफार्मर की समस्याएं जो भी आती हैं उन समस्याओं का निदान 24 घण्टे में किया जाता है और अभी जो योजना उन्होंने दी आज हमारी विधान सभा क्षेत्र के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के हर गांव में विद्युतीकरण के सम्बन्ध में चाहे वह पोल का मामला हो चाहे वह तार का मामला हो जितने भी तार थे पूरी तरीके से बदले जा रहे हैं। आज जितने भी जर्जर तार व पोल हैं वह बदले जा रहे हैं। मुझे लगता है कि आने वाले इसी एक वर्ष के अन्दर उत्तर प्रदेश में विद्युत की सारी समस्याओं का समाधान निश्चित रूप से हो जायेगा । आपने देखा होगा कि इस प्रदेश में आवागमन में कितनी कठिनाइयाँ होती थी। लेकिन पिछले 6 वर्षों में हमारी सरकार ने सड़कों का जाल बिछाया, एक्सप्रेस हाई-वे से लेकर स्टेट हाई-वे जिला मार्ग-अन्य जिला मार्ग, हर सड़क के ऊपर हमारी सरकार ने काम किया । स्थानीय स्तर पर कोई ऐसी विधान सभा क्षेत्र नहीं होगी जहाँ पर छोटे से लेकर बड़े मार्गों का नवीनीकरण, उनका चौड़ीकरण करने का कार्य तथा पुनर्निर्माण न किया जा रहा हो। लेकिन आरोप लगाना बहुत आसान है। आरोप तो

लगाया ही जायेगा लेकिन आरोपों में कोई दम नहीं है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि आज चाहे किसानों की सिंचाई का मामला हो, सिंचाई के लिए उत्तर प्रदेश में हर इलाके में नहरों का जाल बिछा हुआ है। जहां पर नहरें नहीं हैं वहाँ पर नलकूप के द्वारा सिंचाई का कार्य किया जा रहा है। अभी इसी वर्ष उत्तर प्रदेश में 2100 नलकूप लगाने का काम आरम्भ हुआ है। मुझे लगता है कि ऐसी कोई विधान सभा नहीं होगी जहाँ पर अनेकों गाँवों में नलकूप न लगाये जा रहे हों। हमारी सरकार को मैं बधाई देना चाहता हूँ कि इस प्रदेश के औद्योगीकरण के लिए जो एक विराट योजना बनायी उस योजना का ही एक माध्यम जो ग्लोबल इन्वेस्टर समिट था और इस ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के माध्यम से इस प्रदेश में 35 लाख करोड़ से ज्यादा का प्रस्ताव देश और विदेश से आया है। इसलिए मैं विशेष रूप से आदणीय प्रधानमंत्री जी, आदरणीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूँ। किसी भी मोर्चे पर हमारी सरकार कहीं से भी आम जनता के हितों को ध्यान देने में पीछे नहीं रही है।

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, मैं एक विषय को आपके समक्ष रखना चाहता हूँ कि जैसे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का अपमान अभी दो दिन पहले किया था उसी तरह से समाजवादी पार्टी के हमारे साथी ने आज भी इस सदन में आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष, निर्बल इण्डियन शोषित हमारा आम दल डॉ0 संजय निषाद के ऊपर टिप्पणी की। उन्होंने जो सामाजिक न्याय के आन्दोलन को खड़ा किया है, खून-पसीने से सींचा है उस गरीब समुदाय के लिए जिसे निषाद समुदाय कहते हैं, जाति के लिए जिस समुदाय के लिये इस देश के संविधान में व्यवस्था है कि उन्हें अनुसूचित जाति का आरक्षण मिले और उस समुदाय से परिभाषित जो 17 जातियाँ हैं उसमें बिन्द समाज भी है निषाद समाज भी है अन्य इस समुदाय के लोग हैं। लेकिन आज जो टिप्पणी की उसकी मैं घोर भर्त्सना करता हूँ। शायद उनके ऊपर भी वही प्रभाव है। जो उनके नेता के हृदय में है जो उनकी भावनाओं में है वही हमारे भाई के मन में भी है। इस कारण उन्होंने हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की फिर से भर्त्सना करने की कोशिश की है मैं इसकी घोर भर्त्सना करता हूँ। आदरणीय अधिष्ठाता जी, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र जो उत्तर प्रदेश की ऐसी महत्वपूर्ण विधान सभा क्षेत्र मेंहदावल है जिसकी मैंने कई बार चर्चा किया है जो कि तराई का पिछड़ा इलाका है, बाढ़ प्रभावित है, जलप्लावित रहता है, सड़कें टूट जाती हैं और जो भी सरकारी योजनायें हैं 6 वर्ष पहले तक उस विधान सभा क्षेत्र में जो हमारे जनप्रतिनिधि हुआ करते थे उन्होंने उस क्षेत्र के विकास पर ध्यान नहीं दिया। अपने विकास पर ध्यान दिया। मैं आपके माध्यम से सदन को अवगत कराना चाहता हूँ कि विधान सभा क्षेत्र मेंहदावल के विकास के लिए वहाँ की सड़कों को दुरुस्त करना पड़ेगा।

मान्यवर, अभी भारी संख्या में सड़कों का पुनर्निर्माण एवं चौड़ीकरण हुआ है। लेकिन मुझे लगता है कि अभी भी काफी ध्यान देने की जरूरत है। हमारी विधान सभा क्षेत्र में कोई भी

इंजीनियरिंग कालेज नहीं है कोई भी स्टेडियम नहीं है, बड़े अस्पताल नहीं हैं। इसलिये मैं मांग करता हूं कि टेक्निकल एजुकेशन के लिए एक इंजीनियरिंग कॉलेज बनाया जाए और कम से कम सौ बेड का एक अस्पताल बनाया जाए और वहां की बखिरा झील की ज्वलंत समस्या है, झील के पास के तमाम गांव ऐसे हैं जहां के किसानों के खेत जब उस बखिरा झील को वेट लैण्ड के रूप में घोषित किया गया तो वहां के तमाम गांवों के किसानों के खेत उसमें सम्मिलित हो गये और वह किसान आज भ्रमित हैं क्योंकि सरकार ने खेतों के बेचने पर प्रतिबन्ध लगा दिया है। इस पर मैंने मा0 मुख्य मंत्री जी से चर्चा की थी उन्होंने भी सहमति दी है कि उन किसानों को उचित मुआवजा दिया जायेगा। मैं सदन के माध्यम से मांग करता हूँ कि हमारे उन किसानों को उचित मुआवजा देकर उन्हें संतुष्ट किया जाय। जिससे कि उनकी रोजी-रोटी का अवसर बन सके। इसके साथ मैं फिर से आपके माध्यम से प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री पूज्य योगी जी महाराज को और अपने वित्त मंत्री जी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूँ और प्रशंसा भी करता हूँ कि उन्होंने एक ऐसा ऐतिहासिक बजट दिया है जो उत्तर प्रदेश की जनता का भविष्य और भाग्य बदलने का काम करेगा। एक बार फिर बहुत-बहुत धन्यवाद।

डॉ0 अवधेश सिंह-

मान्यवर, आपने मुझे बजट के पक्ष में बोलने का अवसर दिया है उसके लिए आपका बहुत-बहुत आभारी हूँ। मैं अपने उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उनके दिशा-निर्देश में हमारे सम्मानित वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है वह अपने आप में अनुकरणीय एवं ऐतिहासिक है। यह बजट किसी समाज वर्ग के लिए नहीं बल्कि यह बजट सर्व समाज के लिए है, जैसा कि भारतीय जनता पार्टी का नारा है कि सबका साथ, सबका विकास और इस दृष्टि को रखकर जो यह बजट सामने आया है। मैं समझता हूँ कि कोई भी क्षेत्र उससे छूटा नहीं है, चाहे किसानों के हित की बात हो, चाहे बेरोजगारों के हित की बात हो, चाहे बिजली विभाग को देख लें, चाहे सिंचाई विभाग को देख लें। आप किसी भी क्षेत्र में देख लें तो मैं समझता हूँ कि कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जो उससे छूटा हुआ हो। मैं आपका ध्यान जनपद वाराणसी की ओर ले जाना चाहता हूँ। मैं विपक्ष में बैठे हुए साथियों को लगातार सुन रहा हूँ उनके मुख से यही आवाज आती है कि उत्तर प्रदेश में कोई भी कार्य नहीं हो रहा है, उत्तर प्रदेश के हालात बहुत ज्यादा खराब हैं। मैं उनको बताना चाहता हूँ कि विकास किस चीज का नाम है उसको आप अच्छी तरह से जानते हैं, उसके बाद भी आप इस तरीके की बात करते हैं कि जैसे आपने कुछ देखा ही नहीं है। मै आपको बताना चाहता हूँ कि वर्ष 2017 के पहले बिजली विभाग की स्थिति क्या थी। हमारे पक्ष-विपक्ष के सभी मा0 सदस्य इससे भलीभांति परिचित हैं कि वर्ष 2017 से पहले छः घण्टे एवं पांच घण्टे बिजली आती थी। वर्ष 2017 के बाद हमारे वाराणसी शहर ही नहीं बल्कि सभी जगहों पर 18 घण्टे से लेकर

22 घण्टे एवं 24 घण्टे बिजली मिल रही है। क्या आप इसको विकास की कड़ी में नहीं मानते हैं? इसी बिजली के कारण (चाहे कृषि कार्य हो, चाहे लघु उद्योग हो) प्रदेश में इन्वेस्टर्स के लिए होड़ लगी हुई है। आज उत्तर प्रदेश में बड़े-बड़े लोग कार्य करना चाहते हैं कि यह प्रदेश ऐसा है जहां पर विकास हो सकता है, जहां पर हम सुरक्षित रह सकते हैं। चाहे आप प्राइमरी विद्यालय के क्षेत्र को देख लें, चाहे नहरों को देख लें, चाहे पर्यटन के क्षेत्र को देख लें। मैं इस दिशा में भी आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। पर्यटन की दृष्टि से मैं एक बार पहले भी आह्वान कर चुका हूँ कि एक बार काशी की यात्रा के लिए सदन के सारे लोगों से अनुरोध करना चाहता हूँ कि इस बार आएं और देखें कि काशी में गंगा के उस पार एक टेन्ट सिटी लगा हुआ है। लोग कह रहे थे कि इसमें तो बड़ा पैसा खर्च हो रहा है, मैं बताना चाहता हूँ कि पैसा खर्च नहीं, सरकार का जितना पैसा खर्च हुआ होगा, पांच साल का कान्ट्रेक्ट उन लोगों को दिया गया है, कई गुना अधिक प्रॉफिट उससे सरकार को मिल रहा है और उसके अलावा पर्यटन की दृष्टि से होटल के कारोबारी, कपड़े के कारोबारी, जो हमारे जूता-चप्पल के कारोबारी हैं, जो हमारे खाने-पीने के कारोबारी हैं, वे सभी पर्यटन के कारण बहुत आगे बढ़ चुके हैं। एक हमारे साथी ने कहा कि यहां पर क्रूज चलाये जा रहे हैं, किसके पास फुर्सत है जो क्रूज में यात्रा करेगा। मैं बताना चाहता हूँ कि यदि आप क्रूज की बुकिंग करना चाहेंगे तो एक साल तक लगातार क्रूज फुल है, उसमें जगह नहीं है इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि आप जाकर देखें। केवल यहां पर बैठे-बैठे किसी चीज को कह देते हैं, कहकर आप लोग स्वयं ही हास्यास्पद बन जाते हैं।

मैं एक बार आमंत्रण देता हूँ कि आप लोग काशी में आएं और काशी में हुए विकास को देखें। आप वर्ष 2017 के पहले जब काशी गये होंगे तो आपने देखा होगा कि जब आप लखनऊ से बनारस की ओर जाते रहे होंगे तो कैसी सड़कें थीं, कैसे लोग थे, लेकिन अब एयरपोर्ट पर उतरने के बाद आप जब काशी की यात्रा करने जाएंगे तो लगेगा कि मैं किस देश में आ गया हूं, यह बनारस है या दुनिया का कोई दूसरा देश है। इस तरीके की तस्वीरें आपको देखने को मिलती हैं चाहे वह रेस्टोरेन्ट का नजारा हो, चाहे मां गंगा का तट हो। हमारे एक साथी कह रहे थे कि क्या गंगा साफ हो गयी है? मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि यहीं से बैठे-बैठे आप न बोलिए, इसके पहले भी यदि आपने गंगा को देखा होगा और यदि आप उस मां गंगा को देख लें तो निश्चित रूप से मन करता है कि इसका जल लेकर अपने माथे पर लगायें। लोगों के अन्दर विश्वास जगा है। वरुणा का जो हालात आप लोगों के जमाने में हुए थे, मैं उस चीज को नहीं बताना चाहता हूं। वरुणा में जिस तरीके का भ्रष्टाचार हुआ था, 2017 के पहले एक बार केन्द्र सरकार ने किसानों की फसल का जो नुकसान हुआ था उसके लिए पांच सौ करोड़ रुपया बनारस के लिए भेजा था ताकि उस नुकसान की भरपाई की जा

सके लेकिन किसानों को पैसा नहीं दिया गया। किसान तड़पते रह गये और उस पैसे को लेकर वरुणा में लगा दिया गया और उस समय वरुणा नदी में लगाया गया जब बरसात का सीजन था, पैसा लगाया जा रहा था, वरुणा में पानी भरा और सबका सब पैसा बह गया और यही बताया गया कि हमने तो पैसा खर्च कर दिया था, वरुणा उफान पर आ गयी और सब बह गया। ऐसा वातावरण आप लोगों ने तैयार किया था। जिस तरह से आदरणीय मोदी जी एवं आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है क्या वह आप लोगों को दिखाई नहीं दे रहा है? क्या आप लोगों के क्षेत्रों में नहीं हो रहा है।

मैं धन्यवाद देना चाहूंगा अपने पर्यटन मंत्री जी को, इसके पहले से लेकर आज तक पर्यटन के क्षेत्र में गांव एवं देहात को जो बाबतपुर एरिया एयरपोर्ट का पड़ता है, वही मेरा क्षेत्र है। वहां पर पर्यटन की दृष्टि से कम से कम 15 करोड़ रुपया दिया गया और उस क्षेत्र में मैंने काफी काम किया है। यह नजारा अगर देखना हो तो आप काशी में आएं। आदरणीय मोदी जी ने एक सपना देखा था, वे हमेशा अपने भाषण में यह कहा करते थे कि मैं तो मां गंगा के बुलाने पर यहां आया हूँ लेकिन समझ नहीं पा रहे होंगे कि उनके मुंह से इस तरीके की आवाज क्यों निकल रही थी। उनका यह सपना वर्ष 2014 में था लेकिन आज जब वर्ष 2017 में आदरणीय योगी जी की सरकार बनती है, भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है तो एक हजार मकान खरीदकर मां गंगा को सीधे बाबा विश्वनाथ से जोड़ दिया गया है। यह एक अनोखा इतिहास है और उसका परिणाम है कि देश ही नहीं, दुनिया के अधिकांश देशों से लोग आकर बाबा विश्वनाथ के मन्दिर पर मस्तक लगाते हैं। अभी आपने देखा कि इस वर्ष आपका बसंत पंचमी एक त्यौहार पड़ा था उस त्यौहार पर 07 लाख लोग एक दिन में बनारस आए थे। तीन करोड़ का व्यवसाय केवल माला-फूल बेचने वाले का हुआ, जो गरीब तबके के लोग एक-एक बीघा जमीन लेकर फल सब्जी उगाते हैं और यदि वह मार्केट में बिकता है तो उसे आप मँहगाई कहते हो क्या आप भूल रहे हैं कि आपके जमाने में गेहूँ का खरीद मूल्य क्या था, आपके जमाने में धान का मूल्य क्या था? यह तो आपको गर्व होना चाहिए, यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार, आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी की सरकार, आदरणीय योगी जी की सरकार कि उसी गाँव से किसानों का उचित मूल्य दे करके 2040 रुपये में गेहूँ खरीदते है, 2060 रुपये में धान खरीदते हैं और खरीद करके वहाँ के किसानों को, वहाँ के गरीबों को फ्री में महीने में दो-दो बार निःशुल्क राशन देते हैं। कोरोनाकाल में जब देश और दुनिया में तहलका मचा था, हमारी सरकार ने लोगों को फ्री में राशन और दवाइयाँ उपलब्ध कराने का काम किया। मैं आप लोगों से अनुरोध करना चाहूँगा, मैं अपने सभी साथियों को निमंत्रण दे रहा हूँ कि आप काशी में आयें, मैं दर्शन कराता हूँ। आप लोग बाबा विश्वनाथ का दर्शन करें, हम सभी का भला हो जायेगा। अगर भला चाहते हो तो आइये, मैं आह्वान करता हूँ, मैं दर्शन

कराता हूँ। अब मैं अपने क्षेत्र की कुछ चीजों के बारे में मान्यवर, आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ। हमारे माननीय बिजली मंत्री जी हैं, मैं अनुरोध करना चाहता हूँ, मेरा एक प्रस्ताव है, 33 केवीए और 132 केवीए को, मैंने इन दोनों के लिए जमीन उपलब्ध करा दी है। मैं चाहता हूँ कि हमारे वहाँ वह स्थापित हो जायें। मान्यवर, हमारे वहाँ बच्चों को पढ़ने के लिए बड़ी असुविधा होती है, वहाँ पर एक महाविद्यालय की स्थापना हो जाए। उसके लिए भी मैं जमीन दे चुका हूँ। मैं चाहता हूँ कि वहाँ पर एक महाविद्यालय बन जाए।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से एक और अनुरोध करना चाहता हूँ, इनके जमाने का वहाँ कुरु में एक पॉलीटेक्निक कालेज बना है, वह मेरे समय का नहीं है, 10 साल पहले का वह पॉलीटेक्निक कालेज है, आज तक पूरा नहीं कर पाये। जब मैंने खोजा तो मालूम हुआ कि वहाँ के बच्चे गाजीपुर जाकर पढ़ते हैं। मान्यवर, इस तरीके का हास्यास्पद कार्य करने का साहस, गलत कार्य करने का साहस यदि किसी के पास है तो यही हमारे भाई लोग हैं, यही हमारे साथी हैं। पुनः मैं अपनी बात को समाप्त करते हुए, आप सब लोगों को प्रणाम करते हुए और आदरणीय योगी जी को, आदरणीय वित्त मंत्री जी को, जो उन्होंने बजट पेश किया है, उसका पुरजोर समर्थन करते हुए, अपनी बात समाप्त करता हूँ, जय हिन्द, जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

धन्यवाद। अब श्रीमती मनीषा अनुरागी।

श्रीमती मनीषा-

धन्यवाद, माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी आभारी हूँ कि आपने मुझे वर्ष 2023-24 के बजट भाषण के धन्यवाद प्रस्ताव के पक्ष में बोलने का मौका दिया। मैं श्रद्धेय मुख्य मंत्री जी का स्वागत करते हुए, आदरणीय यशस्वी वित्त मंत्री जी को बधाई देती हूँ। सामने बैठे माननीय सदस्यों से भी मैं कुछ कहना चाहूँगी-

'तुमने किया राज बरसों और प्रदेश को पल-पल तोड़ा है,

हमने अपने कार्यकाल में, पल-पल प्रदेश को जोड़ा है।'

यह बजट उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने वाला बजट है। यह बजट गाँव, गरीब, किसान, नौजवान, आदिवासी, पिछड़ों, दलितों व वंचितों को सशक्त और सक्षम बनाने में अहम भूमिका निभायेगा। माननीय अध्यक्ष जी, एक हमारे माननीय सदस्य जो बहुजन समाज पार्टी में हुआ करते थे, वर्तमान में समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। उन्होंने बाबा साहब का नाम ले करके कहा था कि महिलाओं और शूद्रों को पढ़ने का अधिकार आदरणीय बाबा साहब ने दिया। हम स्वीकार करते हैं और हमें गर्व है हमारे बाबा साहब पर। लेकिन माननीय अध्यक्ष जी, मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि मैं खुद एक दलित परिवार में पैदा होने वाली एक दलित

की बेटी हूँ, पर ये लोग भूल जाते हैं, जब बाबा साहब का नाम आता है कि बाबा साहब ने कहा था कि शूद्रों को शूद्र न कहा जाए, उनको दलित कहा जाए। यह याद रखें, क्योंकि उनको एतराज था यह बाबा साहब की बात करते हैं जो बाबा साहब की कही गई बात को भूल जाते हैं, यह क्या बाबा साहब को सम्मान देंगे। मा0 अध्यक्ष जी हम धन्यवाद देते हैं हमारे नेता देश और दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री जी का जिन्होंने पंच तीर्थ बनाकर के हमारे बाबा साहब की समृद्ध स्मृतियों को संरक्षित कर बाबा साहब के गौरव को बढ़ाने का काम किया है।

मा0 अध्यक्ष जी हम अपनी सरकार का अभिनन्दन करते हैं और कहना चाहते हैं कि बेटी जब मां के गर्भ में आती है तब से लेकर के इसके पूरे जीवन भर की चिन्ता आज हमारी सरकार कर रही है। मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना इसका जीवन्त उदाहरण है और इसके लिए इस बजट में एक हजार 50 करोड़ का प्रावधान इस प्रस्तुत बजट में किया है। समाज कल्याण विभाग भी गरीब बेटियों के हाथ पीले करा रहा है तो वहीं दूसरी ओर पिछड़ा वर्ग भी हमारी गरीब बहनों की शादी करा रहा है। एक तरफ श्रम विभाग भी मजदूर की बेटियों के हाथ पीले कर रहा है और हमारे प्रदेश के श्रद्धेय मुख्य मंत्री जी उन बेटियों को आर्शीवाद देने के लिए खुद वहां जाते हैं। प्रदेश की मातृ शक्ति को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए और मजबूत बनाने के लिए पी0ए0सी0 की तीन महिला बटालियन बनाने का फैसला लेकर के पूरे देश में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। वीरांगना झलकारीबाई के नाम से हथकरघा एवं पावरलूम विकास योजना चलाने का निर्णय लेकर के प्रस्तुत बजट में 18 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है इसके लिए मैं सरकार का अपने समाज की तरफ से पूरे कोरी समाज की तरफ से स्वागत करती हूँ उन्होंने आज हमारे पूरे समाज का गौरव व सम्मान बढ़ाने का काम किया है। मैं बुन्देलखण्ड के जनपद हमीरपुर की राठ विधान सभा क्षेत्र से चुन करके आती हूं। मैं इस बजट में जिस तरह से बुन्देलखण्ड के इतिहास को संरक्षित करने, पर्यटन से जोड़ने का फैसला जो हमारी सरकार ने लिया है हम उसका धन्यवाद करते हैं। जब दुनिया के लोग आकर के हमारे किलों में रुकेंगे तो बुन्देलखण्ड के जो बेरोजगार नौजवान हैं उनको रोजगार का रास्ता निकलेगा उनके लिए अवसर बनेगा। हमारी सरकार ने झांसी लिंक एक्सप्रेस-वे बनाने का फैसला लिया है। चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे भी बनाने का फैसला हमारी सरकार ने लिया। हम कल्पना नहीं कर सकते हैं कि जब यह दोनों लिंक एक्सप्रेस-वे बनकर के तैयार हो जाएंगे तो पर्यटन और विकास की सम्भावना पैदा होगी। छः वर्ष पहले बुन्देलखण्ड की गिनती पिछड़े इलाकों में होती थी वहां भी आज पांच लाख करोड़ का निवेश आ रहा है। हम लोगों ने वह समय भी देखा है जहां कम्पनियां बन्द होकर के अन्य जगह जाती थीं हमारे बुन्देलखण्ड से क्या इस प्रदेश से बाहर जाती थीं। आज बुन्देलखण्ड विकास के रास्ते पर सरपट दौड़ने के लिए तैयार है। आज देश और प्रदेश का सक्षम नेतृत्व है।

आज भारत के बताए गए रास्ते पर पूरी दुनिया चलने को तैयार है हमने देखा है जब देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने योग को अभियान बनाया। आज पूरा विश्व 21 जून को योग दिवस मना रहा है वहीं मोटे अनाज को प्रधानमंत्री जी ने श्री अन्न का नाम दिया। उत्तर प्रदेश की सरकार ने मोदी जी के इस मिशन का अनुसरण करने का फैसला लिया और मोटे अनाज को प्रमोट करने के लिए बजट में 55 करोड़ 60 लाख रुपए की व्यवस्था की। इसका सबसे ज्यादा फायदा अगर कहीं होगा तो बुन्देलखण्ड के अन्नदाता किसानों को होगा। आप जानते होंगे अधिष्ठाता महोदय की बुन्देलखण्ड का किसान कितने बड़े पैमाने पर मोटा अनाज पैदा करता है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, जहाँ तक मेरे अपने क्षेत्र की बात है तो मेरे क्षेत्र पर श्रद्धेय मुख्य मंत्री जी का पूरा आशीर्वाद है। मेरे क्षेत्र का सर्वांगीण विकास मा0 योगी जी की सरकार में बहुत अच्छे से हो रहा है। मेरे पूरे क्षेत्र में विकास कार्य हो रहा है। अन्त में अपनी बात खत्म करने से पहले अपनी राठ विधान सभा क्षेत्र की सम्मानित जनता का मैं हृदय से आभार प्रकट करती हूँ और उन्होंने दोबारा अपना आशीर्वाद अपना समर्थन, अपना सहयोग दे करके मुझे उत्तर प्रदेश की विधान सभा में भेजने का काम किया। मैं आपको भी पुनः धन्यवाद दे करके अपनी वाणी को विराम देती हूँ। जय हिन्द जय भारत, बोलिए भारत माता की जय।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, बजट की इस सामान्य चर्चा पर आपने हमें बोलने का अवसर दिया, मैं आपका आभारी हूँ। उत्तर प्रदेश का यह जो बजट आज यहाँ रखा गया, उस पर हमारी पार्टी की ओर से मा0 लालजी वर्मा जी की बातों से अपने को सम्बद्ध करते हुए अपनी बात को आगे बढ़ाता हूँ। यह जो बजट उत्तर प्रदेश के लिए दिया गया है, हम कह सकते हैं कि यह उत्तर प्रदेश का एक दिशाविहीन बजट है जो छात्र, किसान, मजदूर और नौजवान विरोधी बजट है और हम कह सकते हैं कि मा0 वित्त मंत्री जी ने जो बजट रखा, इस बजट में कथनी और करनी में अगर अन्तर न होता तो शायद हम इसकी प्रशंसा करते। सरकार की तरफ से 06 लाख 90 हजार 242 करोड़ रुपये का जो बजट रखा गया है, ये पिछली बार से कहा गया है कि 10.83 प्रतिशत अधिक है। लेकिन आज हम अगर बात करें कि जो पिछला बजट था, उसके व्यय को देखें तो आवास विकास ने केवल 34.68 प्रतिशत का व्यय किया है, कृषि एवं अन्य सम्बद्ध विभाग ने 27.83 प्रतिशत का व्यय किया है, बहुत ही आवश्यक मंत्रालय जो जनता से जुड़ा है महिला एवं बाल कल्याण विभाग ने केवल 66 प्रतिशत का व्यय किया है। वहीं लोक निर्माण विभाग जैसा बड़ा विभाग केवल 28.59 परसेण्ट, समाज कल्याण विभाग (विकलांग कल्याण) 39 परसेण्ट, समाज कल्याण विभाग (जनजाति) 30.64 परसेण्ट, सिंचाई विभाग जैसा आवश्यक, किसानों से और आम जनता से जुड़ा हुआ

महत्वपूर्ण विभाग ने अपने बजट का मात्र 25.38 प्रतिशत का कुल व्यय किया। मान्यवर, भारत और उत्तर प्रदेश की आबादी का लगभग 62 फीसदी व्यक्ति कृषि से जुड़ा है और कृषि ही उसके जीवन के रोजगार का मेन साधन भी है। लेकिन अगर हम इस बजट पर चर्चा करें और किसान जो भारत की अर्थ व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए हमारे देश की रीढ़ की हड्डी है तो यह एक निराशाजनक बजट है जिसमें किसानों के लिए कुछ नहीं है। देश और उत्तर प्रदेश का किसान बड़े संकट से गुजर रहा है। ये बातें बहुत बार देश के बड़े सदन और उत्तर प्रदेश के इस सदन में चर्चा और भाषणों के दौरान कही गई कि हम उत्तर प्रदेश के किसानों की आमदनी दोगुनी कर देंगे।

मान्यवर, आज सच्चाई यह है कि किसान घाटे की खेती करने का काम कर रहा है। आज उसको उसके उत्पादन का मूल्य नहीं मिल पा रहा है। सरकार ने बात की और यहीं अपने इस सदन में मेरे ही प्रश्न के उत्तर में यह महसूस किया और स्वीकार भी किया कि वर्ष 2017-18 में उत्तर प्रदेश की जो कृषि दर 10.38 परसेण्ट थी, आज वह घटकर 7.9 प्रतिशत रह गई है। जिस राज्य का एग्रीकल्चर ग्रोथ रेट घटेगा तो हम यह कल्पना कैसे कर सकते है कि उत्तर प्रदेश का किसान आगे बढ़ेगा और मजबूत होगा। सरकार के द्वारा बातें चाहे कितनी भी कर ली जाएँ लेकिन सच यही है कि एक तरफ किसान डी0ए0पी0 और यूरिया के संकट से गुजर रहा है तो दूसरी तरफ उसको उसके उत्पादन का मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है और तीसरी तरफ छुट्टा जानवर रात-दिन एक करके उसके खेतों को चरने का काम कर रहे हैं। आज किसान ही नहीं बल्कि बेरोजगार नौजवान निराश होकर घूम रहा है। आज अगर आप आँकड़े देखिए तो उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी में वृद्धि हुई है। ये आँकड़े बता रहे हैं आई0पी0सी0आर0 के। लगातार बेरोजगारी की वृद्धि बढ़ रही है। और जिस बूढ़े माता पिता ने मा0 अधिष्ठाता महोदय, इस उम्मीद से अपने बेटे को पढ़ाया था, धान एवं गेहूँ बेचकर कि पढ़-लिखकर बेटा कहीं नौकरी लगेगा और हमारे बुढ़ापे की लाठी बनेगा आज वह बेटा हताश है और निराश है और घर में बैठा हुआ है यह सोचकर कि हमारा नम्बर कब आएगा और हम कब रोजी-रोटी से जुड़ने का काम करेंगे? बात कितनी भी बड़ी कर ली जाए जिस प्रदेश का नौजवान बेरोजगार होगा और हताश सड़कों पर घूम रहा होगा, केवल प्रदर्शनी और मेले से उसको न तो सम्मान मिलना है और न उसको रोजगार मिलना है और लगभग यही परिस्थितियाँ आज मजदूर की हैं। आज मजदूर कहाँ खड़ा हुआ है, आज मजदूर की आय के आंकड़े को ही आप ले लीजिए और उसके सापेक्ष उसका एक महीने का खर्च ले लीजिए तो मान्यवर, आज स्थिति यह है कि गरीब की थाली में दाल की कटोरी तो बहुत पहले गायब हो गयी थी, पिछली ही सरकार में सब्जी की कटोरी भी गायब हो गई और मान्यवर, आज अगर यदि आम दिनचर्या की और रोजमर्रा की चीजों को हम लोग देखें तो महँगाई और एक आदमी की औसत आमदनी जिसको आप स्वीकार करते हैं।

यदि दोनों की तुलना हम करें तो आज औसत आमदनी से दोगुना ज्यादा खर्च आज एक गरीब व्यक्ति का और एक सामान्य परिवार का आ रहा है। उसका जीवन कैसे चलेगा और मैं इसलिए आज कहना चाहता हूँ कि यह बजट जिसको मैंने पढ़ा उसके लिए यह कह देना ठीक रहेगा कि 'झूठे वादों से फुसला कर, ये जनता को मूर्ख बनाते हैं, और उनका दिल जीत लेने के बाद, उनके वादों को भूल जाते हैं।' यह है आपका बजट, मान्यवर और इसलिए आज हम कहना चाहते हैं हम समय का भी ध्यान रखेंगे और इसलिए मा0 अधिष्ठाता महोदय, हमारे विधान सभा क्षेत्र में एक बकुलाही ड्रेन है, जो ऊँचाहार से होकर प्रतापगढ़ की सई नदी में गिरती है। हमारी सरकार के वर्ष 2016-2017 के बजट में 10 करोड़ रुपये का प्राविधान इस हेतु बजट के अन्दर किया था। मैं दुःख के साथ कहना चाहता हूँ कि कितने वर्ष बीत जाने के बाद भी उस पर काम नहीं लगा। लगभग 28 हजार हेक्टेयर जमीन कृषि योग्य आज सीपेज से खराब पड़ी है और लोग खेती नहीं कर पा रहे हैं, पलायन करते जा रहे हैं और यही स्थिति इसौर ड्रेन की है जो जगतपुर में आती है तथा जगतपुर, दीनशाहगौरा और डलमऊ तीन ब्लॉकों में जाती है। आज सीपेज के कारण हजारों एकड़ जमीन पड़ी हुई है, किसान खेती नहीं कर पा रहा है। आप किसान की बात करते हैं और वहीं हम आज आपसे कहेंगे कि जहाँ हमने इन दो समस्याओं की बात की वहीं हमारे एक.....

(इसी मध्य सायं 06 बजकर 23 मिनट पर अधिष्ठाता श्री उमाशंकर सिंह पीठासीन हुए।)

विकास खण्ड जो गंगा के किनारे बसता है, धीरनपुर और नारायणपुर बन्ना जिसके पुल के निर्माण के लिए इसी सरकार में आश्वासन दिया गया और पत्र भी दिया गया लेकिन आज तक पुल नहीं बना। सुल्तानपुर जनौली से चूली तक पुल के लिए स्वीकृति आ गई लेकिन आज तक पुल नहीं बना। ऊँचाहार खरौली मार्ग जहाँ पर हमारी सरकार ने पक्का पुल दिया है, उस सड़क के चौड़ीकरण पर भी आज तक काम नहीं हुआ। इसलिए आपके माध्यम से यह माँग करते हैं कि हमारे ऊँचाहार की यह समस्यायें इस बजट में जो देखने को नहीं मिलीं। आपसे निवेदन करते हैं कि उसके लिए अलग से बजट में व्यवस्था करके उसे जोड़ा जाए। वहीं ऊँचाहार में एक पॉलिटेक्निक कालेज की स्थापना का जिक्र भी इस बजट में नहीं है। सरकार ने इस बात को कहा था हम उम्मीद करते हैं और आग्रह करते हैं कि इस बजट का कहीं न कहीं उल्लेख भी किया जाए और संशोधन में लिया जाए और उसको स्वीकृत भी किया जाए। आपका बहुत-बहुत आभार धन्यवाद।

(मेजों की थपथपाहट)

श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट भाषण पर बोलने का अवसर दिया, उसके लिए बहुत-बहुत, साधुवाद। मान्यवर, यह विधान सभा अपने परिवर्तन के लिए और विकासशील

परिवर्तन के लिए जानी जाएगी। मैं मा0 अध्यक्ष, विधान सभा को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उनके जैसे योग्यतम अध्यक्ष के नेतृत्व में काम करने का हमें अवसर मिला जिनके द्वारा इस विधान सभा को ई-विधान सभा, महिला विशेष सदन और वीथिकाओं का बेहतरीन सौन्दर्यीकरण किया गया। जहाँ पर हम सब विधायकों का समूहशः फोटो लगाने का जो कार्य हुआ है, जब निकलते हैं, देखते हैं तो मन प्रफुल्लित होता है। मैं ऐसे विधान सभा अध्यक्ष को बहुत-बहुत साधुवाद देना चाहता हूँ और यह कहना चाहता हूँ कि अगर मैं मुमतहिन होता, मुमतहिन का अर्थ है- परीक्षक, 'अगर मै मुमतहिन होता तो उनको सौ में सौ देता, लियाकत के अलग देता, शराफत के अलग देता'। माननीय अधिष्ठाता महोदय, इस विकासोन्मुखी अन्त्योदय को समर्पित सफलतम बजट के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री आदरणीय योगी जी व माननीय वित्त मंत्री आदरणीय सुरेश खन्ना जी को बहुत-बहुत साधुवाद देता हूँ क्योंकि इस बजट में आदरणीय सुरेश खन्ना जी की योग्यता परिलक्षित होती है। अधिष्ठाता महोदय, सदन के प्रथम दिन महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण का जिस प्रकार से विरोध किया गया, वह विरोध बेहद शर्मनाक था। मैं इसकी घोर-घोर निन्दा करता हूँ और आपके माध्यम से माननीय अध्यक्ष जी से यह अनुरोध करना चाहता हूँ कि ऐसी कोई संवैधानिक व्यवस्था बने ताकि पूरा सदन संयमित और मर्यादित रहकर महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण सुन सके। मान्यवर, यहां पर मैं देख रहा हूँ कि लम्बे समय से हमारे विपक्ष के मित्रों के द्वारा कानून व्यवस्था पर बड़े पुरजोर ढंग से विरोध दर्शाया जा रहा है लेकिन शायद यह अपना कालखण्ड भूल गये हैं। चूंकि बहुत लम्बा समय नहीं हुआ है, इन्हीं के कालखण्ड में लखनऊ के हजरतगंज में एक सी0ओ0 को जीप के बोनट पर टाँगकर बेवजह रंगबाजी के चक्कर में घुमाया गया था। इन्हीं के कालखण्ड में अपराध चरम सीमा पर था, दंगा-फसाद चरम सीमा पर था। ऐसा लगता है जैसे 'गूँगे निकल पड़े हैं, गूँगे निकल पड़े हैं, जुबां की तलाश में, सरकार के खिलाफ यह साजिश तो देखिए जनाब'। मैं आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिनके कालखण्ड में डकैती, राहजनी, चोरी, लुटैती-छिनैती, अपराध अब कहां हैं ? जो इनके कालखण्ड में उद्योग बन गया था, वह सब समापन की ओर है। आज किसान अपने बोरिंग पर इंजन लगाकर सुकून से घर में जाकर सोता है।

मान्यवर, इन्हीं के कालखण्ड में मेरे स्वयं के 3-3 मोटर चोरी हुए थे। आज बड़ा सुकून है, बड़ा चैन है कि कोई भी किसान रात को इंजन लगाता है और आराम से घर में सोता है। आज हमारी बेटियां सुरक्षित हैं। गन्ने को लेकर बहुत हाय-तौबा मचाया गया, लेकिन मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि गन्ने के माफिया खत्म हो गये हैं, जो 1-1 साल में 3-3 करोड़ रुपये पैदा करते थे। गन्ने की पर्ची के लिए कहीं कोई जुगाड़ की आवश्यकता नहीं है, सारा सिस्टमैटिक ढंग से, पेपर लैस वर्क हो गया है। सिस्टमैटिक ढंग से मोबाइल पर मैसेज आता है और गन्ने की पर्चियां आती हैं। बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा शोरगुल किया गया है।

मैं इन सब विपक्ष के मित्रों को, अपने सभी दोस्तों को आमंत्रित करता हूँ कि आएं मेरी विधान सभा क्षेत्र में और जो मियांपुर कालोनी का सम्विलियन विद्यालय जो मैंने गोद लिया था, वह अपनी बेहतरीन खूबसूरती के लिए जाना जाता है। अच्छी शिक्षा के लिए जाना जाता है। आज लगभग सारे विद्यालयों की बाउण्ड्री हो गयी है और मेरी विधान सभा क्षेत्र में ऐसे एक नहीं, पचासों विद्यालय उस खूबसूरती को टक्कर देते हैं। मान्यवर, मैं उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को बधाई देना चाहता हूँ जिनके सफलतम प्रयास से ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में 25 हजार निवेशक आए। साढ़े 33 लाख करोड़ के एम0ओ0यू0 हस्ताक्षर किये गये और इसके पीछे योगी सरकार के प्रति लोगों की विश्वसनीयता है, लोगों का भरोसा है। इसलिए यहां 25 हजार निवेशकों ने आने का साहस किया है, लेकिन विपक्ष द्वारा उसका भी विरोध किया गया। हर जिले को मेडिकल कालेज क्यों साहब ? इसका भी विरोध। इतने एयरपोर्ट क्यों बना दिये, इसका भी विरोध । इतने एक्सप्रेस-वे क्यों बना दिये, इसका भी विरोध। 'वाह साहब वाह एक-आध बार हम जो कभी हँस-हँसा दिये तो इन्होंने अपने हाथ में पत्थर उठा लिये और फेंके जो हम पर कई बार, बार-बार बेशुमार, हमने उन्हीं को जोड़कर घर बना दिये'। माननीय अधिष्ठाता महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि इन्होंने सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने-संवारने का काम किया है। जाइए देखिए न, बनारस के घाट। अभी बनारस के विधायक जी बोल रहे थे। जाइए बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर देखिए। किसी की भी परिकल्पना से ऊपर भगवान राम का भव्य मन्दिर आज अयोध्या में बन रहा है। जा करके देखिये तो एक बार। जहां पर माननीय मुख्य मंत्री जी ने 17 लाख दीपक जला करके भव्य दीवाली मनाने का काम किया। सांस्कृतिक धरोहरों को संवारने सहेजने का कार्य माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा किया जा रहा है उसके लिए मैं उन्हें साधुवाद देना चाहता हूं। ऐसा नहीं है मान्यवर कि ये लोग जाते नहीं हैं। जाते तो हैं लेकिन चोरी चुपके से जाते हैं और चुपके से दर्शन करके मुँह चुराकर चले आते हैं कहीं कोई देख न ले, यह स्थिति है मान्यवर। अभी सदन में उस दिन विपक्ष के हमारे एक काबिल दोस्त जाहिद भाई जो सपा के एक बड़े अच्छे विधायक हैं ने कहा कि ''आप तो राम की चादर ओढ़ कर सत्ता में आ गए'' हां आ गए न, भारत का एक-एक राष्ट्रवादी कार्यकर्ता भगवान राम की चादर ओढ़े है। मान्यवर, मैं हरिओम पवार की एक पंक्तियां कहता हूं- **''राम हमारे गौरव के प्रतिमान हैं, राम हमारे भारत की पहचान हैं, राम हमारे घर-घर के भगवान हैं, राम हमारे पूजा हैं और अरमान हैं, राम हमारे अन्तर्मन के प्राण हैं, मन्दिर मस्जिद पूजा के समान हैं।''** राम हमारे अराध्य हैं, हमारे आदर्श हैं, हमारी मर्यादा हैं। हमें राम पर कमेण्ट्स स्वीकार नहीं है, रामायण पर कमेण्ट्स स्वीकार नहीं है, सन्त तुलसीदास पर अभद्रता स्वीकार नहीं है, किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है।

मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र की समस्याओं पर आ जाता हूं। हमारा विधान सभा क्षेत्र मोहम्मदी जिला मुख्यालय से 60 से 100 किलोमीटर की दूरी पर है वहां के अधिवक्ता और

व्यापारी समाज बीते 15 वर्षों से मोहम्मदी को जिला बनाने के लिए आन्दोलनरत् हैं, जिसकी बहुत आवश्यकता भी है। मेरा आप सबसे हाथ जोड़कर आग्रह है कि मोहम्मदी को जिला बना दें। मेरी मोहम्मदी विधान सभा क्षेत्र सूखे से ग्रस्त रहती है और मेरा आग्रह है कि भू-गर्भ जल स्तर बहुत नीचे गिर गया है, बुन्देलखण्ड जैसी स्थिति है। मेरा आग्रह है कि गोमती को शारदा से जोड़ देंगे तो लखीमपुर की बाढ़ के हिस्से का पानी हम गोमती में लेकर चले जायेंगे। लखीमपुर को बाढ़ से निजात मिल जायेगी और हमको गोमती में आचमन के लिए शुद्ध जल मिल जायेगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में साढ़े 33 लाख करोड़ के एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित हुए हैं। हमारे यहां 25 एकड़ भूमि संरक्षित है। कोई इण्डस्ट्री लग जायेगी तो हमारे यहां लोगों को रोजगार मिल जायेगा। बजट में अधिवक्ता चेम्बर का प्राविधान है। मेरे यहां सिविल कोर्ट में अधिवक्ता सड़क पर बैठते हैं कृपया चेम्बर बनवाने का कष्ट करें। हमारे यहां अग्निशमन केन्द्र, इण्टर कालेज, पोस्टमार्टम हाउस, स्टेण्डियम, ट्रामा सेण्टर स्वीकृत कराने की कृपा करें। कुरुक्षेत्र में खड़े पार्थ को योगी जी समझाने निकले हैं, घायल पड़े जटायू को वो गोद उठाने निकले हैं वह निकले हैं, सबरी की कुटिया में दीप जलाने को, पत्थर बनी अहिल्या को सम्मान दिलाने निकले हैं। भारत माता की जय। धन्यवाद मान्यवर।

***श्री पूरन प्रकाश-**

''बोलिये गिरिराज महाराज की जय, बोलिये दाऊ जी महाराज की जय, बोलो बांके बिहारी लाल की जय।'' आज मैं देश की सबसे बड़ी विधान सभा, उत्तर प्रदेश के बजट 2023-24 के समर्थन में खड़ा हुआ हूं। देश की आजादी के बाद पहली बार रु0 6,90,242 करोड़ का बजट उत्तर प्रदेश में पेश हुआ है वह भी अपने आपमें एक मिसाल है। हमारे प्रदेश के वित्त मंत्री जी ने आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में यह बजट तैयार किया है, प्रदेशवासियों के लिए परोसा है, यह बजट किसान, गरीब, मजदूर, अगड़ा, पिछड़ा, महिला, बच्चे, बेरोजगार, दलित एवं बेसहारा लोगों का बजट है। मान्यवर, यह शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण के लिए बजट है, सड़कों को बनाने के लिए बजट है, बिजली घर-घर पहुँचाने वाला बजट है, नहरों को अच्छा करने वाला बजट है। कहना चाहिए कि यह कि यह 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' वाला यह बजट आपके सामने प्रस्तुत किया है। अगर आप इस बजट में जायें तो उत्तर प्रदेश के किसी तबके को नहीं छोड़ा गया है। जो आज तक देश की आजादी के बाद राह देखता था कि कब उसके वहाँ उजाला हो, उसके वहाँ बिजली जले, कब उसके वहाँ चूल्हा जले, कब उसके वहाँ स्वास्थ्य सेवायें मिल सकें। यह सब प्रावधान बजट में किया गया है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपके माध्यम से बजट पर ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगा, बजट में जो बात है, चाहे पक्ष हो या विपक्ष हो, उसको मानना चाहिए। आप बजट पर पूरा प्राविधान देखें किसी तबके के गन्ना किसान का मामला आये। यह भी इतिहास है कि प्रदेश में लगभग 46 लाख 22 हजार गन्ना किसानों को वर्ष 2017 से अब तक 1,96,000 करोड़ रुपये से अधिक का रिकार्ड गन्ना मूल्य भुगतान किया गया। प्रदेश में कानून-व्यवस्था और शान्ति व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु तीन महिला पी0ए0सी0 बटालियन का गठन किया जा रहा है। प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण देने की योजना के तहत कौशल विकास मिशन के माध्यम से 6 वर्षों में 12 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है। 4 लाख 88 हजार युवाओं को प्रतिष्ठित कम्पनियों में रोजगार कराया गया है। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के पात्र छात्र-छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन देने के लिए वित्तीय वर्ष 2023-2024 के बजट में 3600 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्राविधान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत मार्च 2017 से अद्यतन 17.62 लाख आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है। डिफेंस कॉरीडोर योजना के लिए 550 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। पूर्वांचल में विशेष योजनाओं के लिए 550 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। किसान समृद्धि योजना के लिए 102.80 करोड़ रुपया प्रस्तावित किया गया है। प्रदेश में ओ0डी0पी0 एवं हस्तशिल्प उत्पादों के विपणन को प्रोत्साहित करने के लिए यूनिटी मॉल की स्थापना होगी जिस पर 200 करोड़ रुपए खर्च करने का प्राविधान किया गया है। मुख्य मंत्री शहरी विस्तारीकरण/ नए शहर प्रोत्साहन योजना हेतु 3,000 करोड़ रुपए की व्यवस्था का प्रस्ताव है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अन्तर्गत 2023-2024 में 12,39,877 आवासों का लक्ष्य प्रस्तावित है। योजना हेतु 9000 करोड़ रुपए की बजट व्यवस्था दी गई है। आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश में 5 इण्टरनेशनल एयरपोर्ट तथा 16 घरेलू एयरपोर्ट समेत कुल 21 एयरपोर्ट क्रियाशील हो जायेंगे। महाकुम्भ मेला, 2025 की तैयारी के लिए 2,500 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित की कई है। आकांक्षी नगर योजना के लिए 100 करोड़ रुपए का प्राविधान किया गया है। मुख्य मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 1203 करोड़ रुपए प्रस्तावित हैं। केन्द्र सरकार की मदद से पी0एम0 श्री (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इण्डिया) नामक नई योजना के लिए 510 करोड़ रुपए का बजट का प्रावधान किया गया है। ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की नई योजना के लिए 300 करोड़ रुपए की व्यवस्था है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय पूरन प्रकाश जी, सब्जेक्ट पर आ जाइये। आप विद्वान साथी हैं।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, हम अपने बजट के बारे में नहीं बोलेंगे तो क्या उधर वाले लोग बोलेंगे। महोदय, खन्ना जी ने रात-रात भर जगकर कितना अच्छा बजट तैयार किया है, हम उनको आभार व्यक्त करेंगे और अपने मुख्य मंत्री जी का भी आभार व्यक्त करेंगे। खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए 30 करोड़ रुपए की व्यवस्था है।

श्री अधिष्ठाता-

आप बिल्कुल बधाई दीजिए, लेकिन समय के अन्तर्गत।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, आपने टाइम दिया है, आप अधिष्ठाता हैं।

श्री अधिष्ठाता-

अध्यक्ष जी के द्वारा एक व्यवस्था दी गई है, मैं उसी व्यवस्था पर चल रहा हूँ।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, एक कल्पना थी, हमारे क्षेत्र में कहते हैं कि रामराज्य आयेगा। रामराज्य आयेगा नहीं, रामराज्य चल रहा है। आप किसी स्तर पर देख लीजिए, पहले क्या स्थिति थी, कब कौन बहन-बेटी के साथ बदतमीजी कर जाये, उसे छेड़ जाये, आज सब ऐसे लोग जेलों में पड़े हैं, जमानत नहीं करा रहे हैं, उन्हें मालूम है कि अब कानून का राज है। अगर आज कोई बदमाश हो, माफिया हो, भू-माफिया हो, आगे बढ़कर कोई बदतमीजी करेगा तो उसके हाथ काट दिये जायेंगे। बजट में किसानों का पूरा ध्यान रखा गया है। खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए 30 करोड़ रुपए की व्यवस्था का प्रावधान है। नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर योजना हेतु 831 करोड़ 93 लाख का बजट में प्रावधान किया गया है। बजट में माननीय मुख्य मंत्री जी ने महिलाओं का मान बढ़ाया है। मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत 1050 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना में 600 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान किया है, निराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण के लिए 4032 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया है। सरकार ने वस्त्रोद्योग क्षेत्र में 40 हजार रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा है। बुजुर्गों एवं दिव्यांगों को सम्मान दिया है जिसके तहत वृद्धावस्था/किसान पेंशन योजना के अन्तर्गत 7240 करोड़ रुपए के खर्च का प्रावधान किया गया है। वहीं दिव्यांग पेंशन योजना के अन्तर्गत दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान के लिए 1120 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन लोगों की बेटियों की शादी पर सरकार द्वारा 150 करोड़ रुपए अनुदान की व्यवस्था की गई है। ओ0डी0ओ0पी0 एवं हस्तशिल्प उत्पादों के विपणन को प्रोत्साहित करने के लिये 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। नए शहर प्रोत्साहन योजना हेतु 3000 करोड़ रुपए की व्यवस्था का प्रस्ताव है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)

के अन्तर्गत 2023-2024 में 12,39,877 आवासों का लक्ष्य प्रस्तावित है। योजना हेतु 9000 करोड़ रुपए की बजट व्यवस्था दी गई है। 5 इण्टरनेशनल एयरपोर्ट तथा 16 घरेलू एयरपोर्ट समेत कुल 21 एयरपोर्ट क्रियाशील हो जायेंगे। महाकुम्भ मेला, 2025 की तैयारी के लिए 2500 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है।

मान्यवर, यह कानून का राज है और कानून के राज में 6 साल में जो काम हुये हैं वह देश की आजादी के बाद 60 साल में नहीं हुये हैं और अभी बजट में जो प्रावधान किया है उसमें किसी को छोड़ा नहीं है। इसके लिए हम वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना साहब को बधाई देंगे, अपने मुख्य मंत्री यशस्वी श्री योगी आदित्यनाथ जी को बधाई देंगे और बधाई भी कैसे न दें पहले क्या रहता था। हमारे देश के प्रधानमंत्री हैं, 145 करोड़ हिन्दुस्तान की जनता है उसके रहनुमा हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी की माता जी की मृत्यु होती है। अगर हमारे किसी के यहाँ भी ऐसा होता है तो लोग 15, 15, 20, 20 दिन बैठे रहते हैं, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री सिर्फ 4 घण्टे बैठे थे और अपनी माता जी का क्रिया-कर्म करके निकल गये और फिर देश की सेवा में लग गये। किसी भी हिन्दुस्तान के नेता को डिस्टर्ब नहीं किया। प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय श्री योगी आदित्यनाथ जी के पिता जी का जब स्वर्गवास होता है तब कोविड काल चल रहा था प्रदेश के हर जिले में मुख्य मंत्री जी जा रहे थे अपने पिता को कन्धा देने भी उत्तर प्रदेश के बाहर नहीं गये। कोई घर परिवार नहीं है। 25 करोड़ की जनता उनका घर परिवार है। जब उनके पिता जी खत्म हुये थे तो वह नहीं जा पाये।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अब आपका समय समाप्त हुआ।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, जो समय सबको दिया गया था मैं उतना ही समय लूंगा ज्यादा नहीं लूंगा। हमारे क्षेत्र की कुछ समस्यायें हैं। जनपद मथुरा में दाऊ जी महाराज का, रेवती मैया जी का बहुत बड़े-बड़े विशाल मन्दिर हैं। जहाँ पर करोड़ों श्रद्धालु आते हैं, टूरिस्ट आते हैं दर्शन करते हैं लेकिन उनकी कुछ समस्यायें हैं जैसे हमारा नोएडा-आगरा एक्सप्रेस-वे जो जे0पी0 ग्रुप ने बनाया है और पूरा टोल टैक्स वसूल रहा है। यह एक्सप्रेस-वे दाऊ जी महाराज के मन्दिर के पास से गुजरता है, इस पर चढ़ने-उतरने का कोई कट नहीं, कोई सड़क नहीं बनानी है सिर्फ चढ़ने उतरने के लिए कट बनना है। माननीय वित्त मंत्री जी सामने बैठे हैं प्रदेश सरकार बजट में प्रावधान रख करके चढ़ने-उतरने का कट बनावे। हमारा क्षेत्र पूरा आलू बाहुल्य है बहुत अच्छी क्वालिटी का आलू का उत्पादन हमारे क्षेत्र का किसान करता है, लेकिन उसको उसकी पूरी कीमत नहीं मिल पाती है। इसलिए हमारे क्षेत्र में आलू से चिप्स बनाने की फैक्ट्री/आलू से बियर बनाने की फैक्ट्री व अन्य आलू से बनने वाले अन्य फैक्ट्री प्रदेश सरकार हमारे बलदेव

क्षेत्र में स्थापित करने की कृपा करे जिससे किसानों को आलू की सही लागत मिल सके। हमारे क्षेत्र में बलदेव से बरौली कैलाश मार्ग (नेरा-मंगना) जो कि मात्र 24 किलोमीटर का है जो पूरी तरह से टूट गया है इसका चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का पूरा इस्टीमेट विभाग के द्वारा शासन को भेजा जा चुका है अभी वित्तीय स्वीकृति के अभाव में काम शुरू नहीं हो पा रहा है यह लगभग 50 बड़े ग्रामों व दूसरे जनपद को जोड़ता है, इसको तुरन्त शुरू किया जाये। हमारे क्षेत्र में नये बालक खेल कूद में फौज में भर्ती होने की तैयारी करते हैं तथा मल्ल कुस्ती की तैयारी करते हैं कोई भी स्थान नहीं है। अतः क्षेत्र में एक मिनी स्टेडियम स्थापित करें। इतना ही नहीं सबसे ज्यादा फौज में मेरे ही क्षेत्र के लोग तैनात हैं तथा देश की सीमा पर शहीद होते रहते हैं। हमारे क्षेत्र में कन्याओं का सरकारी डिग्री कॉलेज बलदेव एवं राया में खोलने का भी कष्ट करें। एक पशु चिकित्सालय का नव निर्माण कराया जाये। राधे-राधे, बोलिये राधे-राधे।

श्री जै किशन साहू-

मान्यवर, मैं आदरणीय लालजी वर्मा की बातों का समर्थन करते हुये, मैं अपनी बात को शुरू कर रहा हूँ। मैं एक बात के लिए बधाई दूंगा कि मेरे बोलते समय संसदीय कार्य मंत्री जी उपस्थित हैं। आज सारे मित्रों ने इन्वेस्टर्स समिट की बड़ी बड़ाई की, लेकिन उत्तर प्रदेश के उद्योग को कैसे सुरक्षित रखा जाये इसकी एक बार चिन्ता नहीं की। जो उत्तर प्रदेश की बिजली के सम्बन्ध में हमसे आकर इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के लोगों ने बताया कि उत्तर प्रदेश में बिजली का तीन रेट होता है। समय सुबह 5 बजे से शाम 5 बजे तक का रेट = 7.10/- प्रति यूनिट, शाम 5 बजे से रात्रि 11 बजे तक रेट = 8.17/- प्रति यूनिट, रात्रि 11 बजे से सुबह 5 बजे तक रेट = 6.04/- जो पीक आवर का 8 रुपया 17 पैसा रेट है, वह 7 बजे से 10 बजे तक हर सरकार में रही है, लेकिन आपकी सरकार आते-आते यह 10 बजे से 11 बजे कर दिया गया है। क्या इन्वेस्टर्स समिट के सारे लोग करोड़ों में गिना रहे हैं बिजली विभाग के माध्यम से उद्योग को बढ़ावा नहीं मिलेगा।

महोदय, इन्वेस्टर्स समिट का सभी लोग करोड़ों में गिना रहे हैं। बिजली विभाग के माध्यम से उद्योग को बढ़ावा नहीं मिलेगा, तो क्या इन्वेस्टर्स समिट की मीटिंग सक्सेज होगी। अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि मैं पिछले बजट में भी संशोधन बजट पर अपनी बात कहा था कि घरम्मरपुर ग्राम सभा द्वारा बनाया गया 3 किमी0 का बंधा वहाँ के ग्राम प्रधान के सहयोग से बना है। मैंने उस बंधे को चौड़ा करने के लिए कहा था। जिसकी वजह से तीन हजार एकड़ से अधिक जमीन बाढ़ से जलमग्न हो जाती है। आपसे मैंने कहा था कि कल्लनपुर गाजीपुर में रेलवे ब्रिज बनना अति आवश्यक है, इसका जल्द निर्माण करवाया जाए।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से एक निवेदन पर्यटन विभाग से करना चाहता हूँ कि बहुत ही पौराणिक धार्मिक स्थल बुढ़ेश्वर महादेव में गंगा किनारे एक घाट का निर्माण कराया जाए। महोदय, मैं पिछले संशोधन बजट में बोला था कि चोचकपुर गंगा पुल पर एक पुल का निर्माण कराया जाना नितान्त आवश्यक है।

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, पुरैना, वैयपुर, सोकनी, व बडहरिया रफीपुर, तुलसीपुर-गद्दोगढ़ा, यह बाढ़ कटान का क्षेत्र है और हर साल वहाँ के लोग तीन बार विस्थापित होते हैं। वहाँ कटान के लिए तटबन्ध बनाया जाए, मेरा यह खास निवेदन है। महोदय, जो राजस्व का एक बहुत बड़ा आमदनी का स्रोत है मार्केट, व्यापारिक प्रतिष्ठान। नंदगंज, आदर्शबाजार, चोचकपुर हरिहरपुर, सिरगिथा, बड़सरा जो हमारे विधान सभा क्षेत्र की बड़ी बाजार है, यहाँ पर मार्केट में नाला नहीं है, हमारी माँग है कि यहाँ ढक्कनदार नाला बनाया जाए।

महोदय, मेडिकल पर सभी लोगों ने बताया। हमें एक बात समझ नहीं आती है कि सत्ता पक्ष के विधायक कहते हैं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में 35 हजार करोड़ है, उसके साथ ही फिर कहते हैं कि एक लाख का मेरा यह भी कार्य है। महोदय, मेरे पास तो कुछ नहीं है। मैं सारे विधायकों से कहना चाहता हूँ कि आप वित्त मंत्री जी से कहें कि गाजीपुर सदर पर थोड़ा सा ध्यान दे दें, तो हमारे जनपद का भी कल्याण हो जाए। आदरणीय महोदय, गाजीपुर मेडिकल कॉलेज बन गया है। बड़े मेहनत से 5-6 बेड से बढ़कर 10 बेड डायलिसिस का बना है। उसके बावजूद भी डायलिसिस के मरीज बहुत परेशान रहते हैं और प्राइवेट में जाकर अपना इलाज करवाते हैं। वहाँ वेंटीलेटर है, लेकिन समुचित डाक्टर नहीं हैं, हम चाहते हैं कि वहाँ समुचित व्यवस्था बनायी जाए।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, शहर में विद्युत व्यवस्था बहुत खराब है। विद्युत में बहुत पैसा जा रहा है, मेरे समझ में नहीं आ रहा है। गाजीपुर शहर में अण्डरग्राउण्ड केबिल बिछी हुई है, उस केबिल को या तो चलाया जाए या तो शहर और देहात में जर्जर तारों को बदलवाया जाए।

महोदय, हमारे यहाँ गाजीपुर में फल मण्डी नहीं है। राजस्व के लिहाज से, व्यापारियों के लिहाज से वहाँ फल मण्डी की स्थापना की जाए। नमामि गंगे घर-घर नल, घर-घर जल। मैं क्षमा चाहता हूँ कि इतने बड़े बजट के बावजूद उन संस्थाओं की चेकिंग करने वाला कोई अधिकारी नहीं है। रकम क्या हो रही है, भगवान जाने ? अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय सदन से कहना चाहता हूँ कि नमामि गंगे योजना के तहत जो काम हो रहा है, उसको पूर्ण रूप से देख-रेख में बनवाया जाए। किसी विधान सभा क्षेत्र में हैण्डपाइप दी नहीं जा रही है और जो नल बनवाया जा रहा है, उसके पाइप की थिकनेस बहुत कमजोर है। बार-बार शिकायत करने पर भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। गाँव में जिन रोडों की खुदाई कर दी गयी है। उसे फिर से नहीं बनाया गया है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, कृपया अपनी बात को समाप्त करें।

श्री जै किशन साहू-

महोदय, पिछला वक्ता कितना बोला है, हमारे साथ अन्याय मत करिए। मैं विपक्ष का हूँ, बराबर का समय दीजिए। जमुआव में किसानों के खेत में बांध विषम परिस्थितियों में बना दिया गया है। किसानों को अब तक मुआवजा नहीं मिला है और छोटी सी मांग नंदगंज से सादियाबाद चौड़ीकरण के सम्बन्ध में सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं। मा0 वित्त मंत्री जी नंदगंज चीनी मिल जमाने से बन्द है, मा0 कल्याण सिंह के जमाने से बन्द है, अब यह मत कहना कि मा0 मुलायम सिंह जी ने बन्द कर दिया था। उस चीनी मिल को चलाया जाए, गाजीपुर में विश्वविद्यालय नहीं है और नंदगंज गाजीपुर में सदर में जितने स्वास्थ्य केन्द्र हैं सब अस्वस्थ हैं इनको व्यवस्थित किया जाए और मा0 अधिष्ठाता जी, बूस्टर डोज का मेरे यहां मैसेज आता है, परन्तु मेरे यहां बूस्टर डोज लगा नहीं है। गाजीपुर स्टेडियम उप जिलाधिकारी कार्यालय अधूरा पड़ा है उसमें 5 वर्ष से एक ईंट नहीं रखी गयी है और मान्यवर, नगर पालिका गाजीपुर की सड़क और बिजली के तार अति जर्जर हैं उसे व्यवस्थित किया जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती अर्चना पाण्डेय-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, सर्वप्रथम मैं अपनी छिबरामऊ विधान सभा क्षेत्र की जनता की तरफ से और अपनी तरफ से मा0 योगी सरकार-2 के बजट के लिए प्रदेश के मुख्य मंत्री जी को, प्रदेश के वित्त मंत्री मा0 खन्ना जी को हृदय की गहराइयों से धन्यवाद ज्ञापित करती हूं। मुझे श्रद्धेय अपने पिताजी स्वर्गीय श्रीराम प्रकाश त्रिपाठी जी की एक बात याद आती है, वह कहा करते थे कि पॉलिटिक्स तीन प्रकार की होती है। पॉलिटिक्स फार फैशन, पॉलिटिक्स फार प्रोफेशन, पॉलिटिक्स फार मिशन तो मैं देख रही हूँ कि कुछ लोग तो वाकई केवल पॉलिटिक्स फार प्रोफेशन करते हैं और करते रहे हैं जिनके बड़े-बड़े व्यापार काले धन्धे राजनीति के कारण चल रहे थे, ऐसे लोगों की राजनीति इस समय मन्दी बाजार में आ गयी है, यही कारण मुझे दिखाई पड़ता है इनके विचलित होने का। दूसरी तरफ कुछ लोग पॉलिटिक्स फार फैशन करते हैं, वह निश्चित रूप से धीरे-धीरे अपने आप पॉलिटिक्स से गायब हो जाएंगे, ऐसा मेरा मानना है। इधर बैठे लोग जो मैं देख रही हूँ वह केवल एक उद्देश्य के लिए कार्य करते हैं, जिनके लिए राजनीति केवल सत्ता तक पहुंचने का माध्यम नहीं है, जिनके लिए केवल सत्ता जनता की सेवा करने का एक माध्यम है, ऐसे लोग भारतीय जनता पार्टी की सरकार में काम कर रहे हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की कुछ पंक्तियों के माध्यम से मैं कहना चाहती हूं। ''प्रबल विरोधों के सागर में हम चट्टान बनेंगे, जो आकर सर टकराएगें वह अपनी-अपनी मौत मरेंगे, वह अपनी-अपनी मौत मरेंगे।''

मा0 अधिष्ठाता महोदय, सर्वसमावेशी, समग्र विकास और आत्मनिर्भर यू0पी0 की अवधारणा महज एक संकल्पना नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश की जनता द्वारा सरकार में व्यक्त की गयी एक अपनी आस्था है। मैं सदन का ध्यान विशेष रूप से आकृष्ट करना चाहूंगी कि अभी 3 दिन पूर्व सत्र संचालन के समय एक मुख्य दल के प्रमुख द्वारा वित्तीय समावेशन में उत्तर प्रदेश की स्थिति पर प्रश्न चिन्ह खड़ा किया गया था, मैं सम्मानपूर्वक उन्हें बताना चाहती हूँ कि कोविड 19 की चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर प्रबंधन के अन्तर्गत वैक्सीनेशन हेतु 39 करोड़ से अधिक डोज लगाने वाला उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। डी0बी0टी0 के माध्यम से धनराशि हस्तान्तरण करने में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। दुग्ध उत्पादन, गन्ना एवं चीनी उत्पादन तथा एथेनॉल को आपूर्ति में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। कृषि निवेश पर किसानों के अनुदान देय डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान करने वाला उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। अटल पेंशन योजना के अन्तर्गत पंजीकरण करने में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। मैं कहना चाहती हूँ कि राजनीति अपने आप में कुछ भी नहीं है राजनीति जैसे हाथों में पहुंचती है वैसे ही बन जाती है। राजनीति राम के हाथ में गयी, तो भक्ति बन गयी, राजनीति कृष्ण के हाथ में गयी तो युक्ति बन गयी, राजनीति पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के हाथ में गयी तो विरक्ति बन गयी, राजनीति कुछ नेताओं के हाथ में गयी तो धन की अभिव्यक्ति बन गयी। राजनीति कुछ नेताओं के हाथ में गयी तो अपराध की अभिव्यक्ति बन गयी, राजनीति सन्त के हाथ में गयी तो सन्त की प्रवृत्ति बन गयी, राजनीति मोदी जी के हाथ में गयी तो विकास की गति बन गयी, विकास की गति बन गयी.....

(सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं।)

ऐसी राजनीति के लिए मैं आज इस सदन के माध्यम से अपने वित्त मंत्री जी को, प्रदेश के मुख्य मंत्री जी को हृदय तल की गहराइयों से बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ।

अब अपने क्षेत्र की दो-तीन समस्यायें बताना चाहूँगी। मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद् गुरुसहायगंज में माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा कानपुर मण्डल की समीक्षा के दौरान राजकीय महिला महाविद्यालय के निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध कराने को जिला प्रशासन से कहा गया था, जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा राजकीय महिला महाविद्यालय गुरुसहायगंज हेतु भूमि भी आरक्षित कर दी गयी है। उक्त क्षेत्र की सुदूर ग्रामीण छात्राओं के

उच्च शिक्षा हेतु प्राथमिकता के आधार पर राजकीय महिला महाविद्यालय की स्वीकृति प्रदान करते हुए महिला महाविद्यालय का नव-निर्माण कराने का आग्रह करती हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ऐतिहासिक च्यवन ऋषि आश्रम च्यासर में गंगा नदी, च्यासर से दहेलिया हरपालपुर (हरदोई) के असेवित क्षेत्र को जोड़ने हेतु माँ गंगा नदी पर एक पुल की महती आवश्यकता है, जिसका आगणन उत्तर प्रदेश सेतु निगम द्वारा तैयार कर शासन को प्रेषित किया गया है, जिसकी जनहित में स्वीकृति प्रदान कर निर्माण कराने का आग्रह करती हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत गुरुसहायगंज में यात्रियों की सुविधा हेतु रोडवेज बस स्टाप का निर्माण कराया जा रहा है, जिसकी कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश निर्माण सहकारी संघ द्वारा पूर्ण नहीं हुआ है, जो अधूरा पड़ा है, उसे जल्द ही पूरा कराया जाये। मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत तहसील छिबरामऊ के 25 ग्राम के अभिलेख 1990 में आग से जल गये थे, जिनके अभिलेख अभी तक तैयार नहीं हुए जिनके कारण उक्त ग्रामों के हजारों किसान परिवार बुनियादी लाभ से वंचित हैं। उक्त ग्रामों के अभिलेख पुनः तैयार किये जाने हेतु चकबन्दी प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी है, लेकिन अपेक्षित चकबन्दी कार्मिक, अधिकारी न होने के कारण चकबन्दी प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पा रही है। अतः मेरी तहसील के आग से जले हुए ग्रामों के अभिलेख शीघ्र तैयार कराने हेतु पर्याप्त चकबन्दी कार्मिक/अधिकारी नियुक्त कराये जाने का आग्रह है। मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत खोजीपुर से जलालाबाद तक बम्बा नहर का निर्माण वर्ष 2016 से प्रारम्भ हुआ है, जो अभी तक पूर्ण नहीं है। इसके कारण अति दोहित विकास खण्ड तालग्राम व जलालाबाद के किसानों को सिंचाई की परेशानी है। अतः उक्त बम्बा नहर को जनहित में शीघ्र पूर्ण कराने का आग्रह करती हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया समाप्त करें।

श्रीमती अर्चना पाण्डेय-

अन्त में दो पंक्तियों के साथ अपनी बात समाप्त करूँगी। बस अन्तर इतना है-

संकल्प से सिद्धि को समाज समझ रहा है, समाजवादी नहीं,
अपराधी के पेशानी पर बल, माफिया गमगीन है,
मोदी जी हैं तो मुमकिन है और योगी जी हैं
तो यकीन है, यकीन है, यकीन है।।

भारत माता की जय।

***श्रीमती जय देवी-**

आदरणीय अधिष्ठाता जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका आभार व्यक्त करती हूँ। मैं यह कहना चाहती हूँ कि यह बजट आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में वित्त मंत्री श्री सुरेश खन्ना जी ने जो सदन में पेश करने का काम किया है। यह बजट उत्तर प्रदेश के सभी वर्ग के लोगों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस बजट में सभी वर्ग के लोगों का ध्यान रखा गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि पूरे प्रदेश में जो लोग इस बात के लिए चिंतित रहते थे कि छुट्टा जानवर किसानों की फसल को चर लेते हैं, इसके लिए आपने बजट में अलग से व्यवस्था करके धन उपलब्ध कराने का काम किया है जिससे प्रदेश का किसान बहुत ही खुश है। महोदय, मैं यह भी कहना चाहती हूँ कि आपने सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए पढ़ने वाले छात्र और छात्राओं के लिए स्मार्टफोन और टेबलेट भी मुफ्त में उपलब्ध कराएंगे जिससे पढ़ने वाले बच्चों में खुशी की लहर है। इसके अलावा महिलाओं के लिए विशेष सुविधाएं देने का काम आपने किया है। सबसे बड़ी बात है कि मजदूर वर्ग के लिए उनके बच्चों को आर्थिक मदद करने के लिए लड़कों के लिए बीस हजार का और लड़कियों के लिए पचीस हजार का तथा दिव्यांगजन बच्चों के लिए पचास हजार रुपए डिपॉजिट करने की जो व्यवस्था इस बजट में की गयी है। इससे सभी मजदूर वर्ग, वंचित वर्ग व कमजोर वर्ग के लोगों में बहुत ही खुशी है। साथ में आपने उत्तर प्रदेश के अन्दर सभी जनपदों में मेडिकल कॉलेज बनाने का निर्णय लिया है जिससे पूरे प्रदेश में सभी लोगों को लाभ मिलेगा और लोगों का इलाज भी आसान हो जाएगा तथा मेडिकल कॉलेज में डाक्टरों की पढ़ाई से डाक्टरों की संख्या भी ज्यादा बढ़ जाएगी। यह बजट उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर व विकसित प्रदेश तथा उद्यमी प्रदेश बनाने का काम करेगा। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी का इस बात के लिए भी आभार व्यक्त करती हूँ कि लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कराकर लगभग साढ़े तेतीस लाख करोड़ रुपए का इन्वेस्ट करा कर दसियों लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का बहुत बड़ा काम आपने किया है। इसके अलावा जी-ट्वन्टी का सफल आयोजन करके आपने उत्तर प्रदेश को देश में एक अग्रणी प्रदेश बनाने का काम किया है। इस बजट के माध्यम से किसान, मजदूर पढ़ने वाले बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और नौजवानों का तथा व्यापारियों का सभी का हित होगा। यह बजट प्रदेश में दिन दूना रात चौगुना लोगों के लिए भलाई का बजट साबित होगा। एक बार पुनः मैं आपको धन्यवाद देते हुए इस बेहतर बजट के लिए मुख्य मंत्री जी का और वित्त मंत्री जी का आभार व्यक्त करती हूँ, बहुत-बहुत धन्यवाद।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

***श्री राकेश प्रताप सिंह-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, ''वह देखो पास खड़ी मन्जिल इंगित कर हमें बुलाती है साहस से बढ़ने वालों के माथे पर तिलक हमेशा लगाती है।'' बहुत-बहुत धन्यवाद अधिष्ठाता महोदय आपने मा0 वित्त मंत्री जी के द्वारा रखे गये बजट पर सामान्य चर्चा के लिए अपनी बात रखने का मौका दिया। मैं मा0 लालजी वर्मा जी से अपने आप को सम्बद्ध करते हुए अपनी बात रखूँगा। मैं आज सुबह से देख रहा था, सुन रहा था कि जो भी सत्ता पक्ष का विधायक बोलने के लिए खड़ा हो रहा है वह हर बात में केवल यही बोल रहा है कि हमने राजस्व प्राप्तियाँ इतनी बढ़ा लीं, हमने इतने रोजगार दे दिए, हमने इतना उत्पादन बढ़ा लिया हर व्यक्ति यही चर्चा कर रहा था। मैं एक छोटा सा उदाहरण देकर अपनी बात को आगे बढ़ाऊँगा कि नई योजनाओं के लिए 2022-23 के बजट में 39 हजार 181 करोड़ रुपया लिया गया था। 2023-24 के बजट में उसको घटाकर 32721.96 हजार लाख करोड़ रुपये कर दिया गया। पिछले बजट से लगभग साढ़े छः हजार करोड़ रुपये घटा दिया गया। अगर आपकी राजस्व प्राप्तियां बढ़ी हैं, आपकी आमदनी बढ़ी है तो मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि नई योजनाओं के लिए पैसा क्यों कम किया गया है ? कई चीजें आई हैं इसके लिए मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा जो कि नागार्जुन जी का शेर है- 'अभी-अभी उस दिन मिनिस्टर साहेब आये थे, बत्तीसी दिखाई थी, वायदे दोहराये थे, भाषा लटपटाई थी, नयन शर्माये थे, आया हुआ बजट भी पूरा खर्च नहीं कर पाये थे, जाते वक्त हाथ जोड़कर कैसे मुस्कुराये थे, कैसे मुस्कुराये थे।' जो पिछला बजट था जो विभागों को दिया गया था उस बजट का लगभग 50 प्रतिशत पैसा अभी तक नहीं खर्च हो पाया है। पी0डब्लू0डी0 जैसा महत्वपूर्ण विभाग अपनी नई योजनाओं के लिए नई सड़कों के लिए जो बजट लेता है उसका केवल 30 प्रतिशत पैसा खर्च कर पाता है। इससे यह प्रमाणित होता है कि सरकार में बैठे मंत्री और अधिकारी अपने विभागों को संचालित करने में पूरी तरह से विफल हैं। वह जो मैंने अभी चार लाइन सुनाई वह पूरी तरह सही है। राजस्व प्राप्तियों की बात की गयी। आबकारी में हमने 3 गुना पैसा ज्यादा प्राप्त कर लिया। परिवहन में भी चार गुना ज्यादा प्राप्त कर लिया। निबन्धन में 5 गुना ज्यादा प्राप्त कर लिया। खनन में 4 गुना ज्यादा प्राप्त कर लिया। जो 2016-17 में था उससे चार गुना ज्यादा 2022-23 में कर लिया।

मैं जानना चाहता हूँ कि जब 2011-12 में राजस्व प्राप्तियां थीं उसमें 2016-17 में कितने प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई थी। भारतीय जनता पार्टी की सरकार 1996 से लेकर 2002 तक थी। 2002 में जो राजस्व प्राप्तियां थीं 2001-02 के बजट में उसमें 11 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई थी। यह राजस्व प्राप्तियां अपने आप बढ़ती रहती हैं और यह सभी सरकारों की उपलब्धता रही है कि जो भी सरकार उत्तर प्रदेश में रही है उसकी सरकार में राजस्व प्राप्तियां बढ़ी है। भौतिकता बढ़ रही है, आधुनिकता बढ़ रही है, गाड़ियां ज्यादा खरीदी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जायेंगी, रजिस्ट्रेशन ज्यादा होगा। आर्थिक सम्पन्नता बढ़ रही है। जमीनें ज्यादा खरीदी जायेंगी, रजिस्ट्री ज्यादा होगी तो राजस्व प्राप्तियां बढ़ेंगी और यह सभी सरकारों में बढ़ी है। मैं इस सरकार से जानना चाहता हूँ कि 2016-2017 में खनन की जो राजस्व प्राप्तियां थीं। अगर आपने राजस्व प्राप्तियां ज्यादा बढ़ा ली थीं तो जो गिट्टी, मौरंग का दाम 3000, 2000, 2500 था, वह किसानों को, गरीबों को, मजदूरों को 10000, 8000, 9000 में क्यों मिला। अगर राजस्व प्राप्तियां ज्यादा हुई थीं तो उनका दाम घट जाना चाहिए था। उनको और सुविधायें मिलनी चाहिए थीं, लेकिन वह भी नहीं हुआ। इस तरह से केवल कागजी आँकड़े देकर जनता को कोई लाभ नहीं मिला है।

मैं दो-तीन चीजें जानना चाहता हूँ कि जब आपकी 2016 में सरकार बनी थी तो गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन कितने प्रतिशत पर होता था। 2017 में कितने प्रतिशत पर और जब 2017 में आपकी सरकार बनी थी तो स्टैम्प ड्यूटी कितनी देनी पड़ रही थी। आज कितने प्रतिशत गरीब को देना पड़ रहा है। 2017 में आपकी सरकार बनी थी तो बिजली का बिल गरीब, किसान, मजदूर को कितने रुपये महीने देना पड़ता था और आज कितने रुपये देना पड़ रहा है। अगर आपकी आमदनी बढ़ी है तो गरीबों, किसानों को इसका लाभ क्यों नही मिल रहा है। निश्चित तौर से आपकी न तो प्राप्तियां बढ़ी हैं न तो आमदनी बढ़ी है, बल्कि गरीब का शोषण करने का काम किया गया है और मैं इस बजट के लिए केवल इतना कह सकता हूँ कि मैं इस बजट का जरूर प्रशंसक होता अगर यह बजट किसानों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए होता। यह गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए होता। यह बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए होता। यह छात्रों को शिक्षा देने के लिए होता। अच्छी व्यवस्था के लिए होता। यह विजलेन्स से परेशान गरीब, गांव में रहने वाले लोगों को राहत देने वाला होता तो मैं जरूर इसकी तारीफ करता। यह बजट पूरी तरह से गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान, बेरोजगार के विरोध का बजट है। बहुत दिनों से एक चर्चा चल रही है कि सन्तों का सम्मान होना चाहिए। महापुरूषों का सम्मान होना चाहिए। मैं सरकार से पूछना चाहता हूँ कि पिछले बजट में केशव दास जी के नाम पर, तुलसी दास जी के नाम पर, सूरदास जी के नाम पर अकादमी के गठन पर 50-50 लाख रुपये लिये गये थे।

अधिष्ठाता महोदय, पचास-पचास लाख रुपये लेने के बाद बोर्ड का गठन नहीं हुआ और एक पैसा खर्च नहीं किया गया आप कैसा सन्तों का सम्मान कर रहे हैं और कैसे महापुरुषों को आप सम्मान देने की बात करते हैं। बुजुर्गों, सन्तों, पुजारियों, पुरोहितों के लिए पुरोहित कल्याण बोर्ड गठन की घोषणा की गयी थी और अभी तक बोर्ड का गठन नहीं हो पाया है किस तरह से आप सबको सम्मान देने की बात कर रहे हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका सम्मान और सबका प्रयास कैसे सम्भव है। आप अपनी घोषणा और वादों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं, मैं कहना चाहता हूँ भगवान राम हमारे आराध्य हैं, भगवान राम हमारे

भगवान हैं और भगवान राम हमारे विश्वास के प्रतीक हैं, भगवान राम हमारे जीवन जीने की आदर्श जीवन मर्यादा के मार्गदर्शक हैं, लेकिन कुछ लोग उनके नाम का व्यापार कर रहे हैं, लेकिन हम उनको आराध्य के रूप में मानते हैं और मैं जानना चाहता हूँ इस सरकार से वर्ष 2018 में अपने क्षेत्र की दो सड़कों के लिए मैंने अनशन कर डाला और आमरण अनशन कर डाला और मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी ने तीन महीने में बनवाने का वादा किया और आनन्द प्रकाश जी ने वादा किया और मोती सिंह ने वादा किया अभी पीछे मई में आदरणीय केशव प्रसाद जी ने कहा कि बहुत ही जल्दी बनवा दूंगा, लेकिन वर्ष 2018 से लेकर 2023 आ गया है, लेकिन सरकार एक भी गिट्टी उन दो सड़कों पर नहीं डलवा पायी है। भारत सरकार के आपके एक मंत्री आप ही के जनपद में आये हैं और वह कह रहे हैं कि वर्ष 2024 तक अमेरिका जैसी सडकें उत्तर प्रदेश में होंगी। मैं उस दिन बधाई दूंगा आपको सभी लोगों को। मा0 मंत्री जी इस सदन में आपके द्वारा सरकार द्वारा लगातार वर्ष 2020 से आश्वासन दिया जा रहा हो और लगातार निर्देश दिया जा रहा हो पीठ पर बैठे विधान सभा अध्यक्ष द्वारा सरकार को निर्देश दिया जाए कि बहुत गम्भीर मामला है तीन महीने के अन्दर इसको पूरा किया जाए और इतने कहने पर एक गिट्टी तक न पड़े तो सरकार को भी शर्म आनी चाहिए और सरकार में बैठे मंत्री को भी शर्म आनी चाहिए और सरकार में बैठे अधिकारी को भी शर्म आनी चाहिए कि एक गिट्टी तक न डलवा पाये पिछले 6 साल में आपने हमको इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया। लश्कर भी तेरा है, सरदार भी तेरा है, सच को झूठ लिखने वाला अखबार भी तेरा है, जुर्म मुजरिम का है सजा बेगुनाह को मिलती है, क्योंकि सरकार भी तेरी है दरबार भी तेरा है।... कहते हैं हम हर बार जुबान से इशारा नहीं करते आसमां तक चलने वाले जमीं से गुजारा नहीं करते हर हालात बदलने की हिम्मत है हम में वक्त का हम हर फैसला हम गंवारा नहीं करते। जय हिन्द, जय भारत।

श्रीमती सलोना कुशवाहा-

अधिष्ठाता महोदय जी, सर्वप्रथम मैं आपको धन्यवाद देना चाहती हूँ कि आपने मुझे बजट जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है साथ ही उत्तर प्रदेश के जनप्रिय, लोक प्रिय आदरणीय मुख्य मंत्री जी एवं हमारे प्रदेश के यशस्वी वित्त मंत्री श्री आदरणीय सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा जो बजट पेश किया गया है वह ऐतिहासिक एवं अपने आप में अभूतपूर्व है। और मैं अपनी तरफ से और जिन्होंने मुझे जिताकर इस सदन में भेजा, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र की महान जनता की और से वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देती हूं। हमारी सरकार द्वारा जो भारी-भरकम 6 लाख 90 हजार करोड़ से अधिक का बजट प्रस्तुत किया गया है, जो गांव, गरीब, किसान, महिलाओं, नौजवानों के कल्याण का बजट है। बजट के माध्यम से किसान, मजदूर, पढ़ने वाले प्रदेश के, महिलायें और नौजवान, व्यापारियों के लिए दिन दोगुनी रात

चौगुनी भलाई का बजट होगा। मा0 अधिष्ठाता महोदय, इस बजट में उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में मेडिकल कालेज बनाने का निर्णय लिया गया है जिसमें पूरे प्रदेश में सभी लोगों को लाभ ही लाभ मिलेगा और लोगों को इलाज कराने में आसानी होगी। मेडिकल कालेज में डाक्टरों की संख्या भी बढ़ेगी। यह बजट उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनायेगा। अधिष्ठाता महोदय जी पं0 दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय की अवधारणा के अनुरूप समाज के अन्तिम व्यक्ति के उत्थान के लिए आवास, रोजगार, चिकित्सा, बिजली इत्यादि की व्यवस्था बजट में मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा की गयी है। इसकी मैं भूरि-भूरि प्रशंसा करती हूँ।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, भारत की आत्मा गांव में बसती है हमारा देश कृषि प्रधान देश है। मा0 वित्त मंत्री जी ने बजट में कृषि एवं किसानों को प्राथमिकता दी है। इसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी और मा0 वित्त मंत्री जी का धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ। महोदय, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं मुख्य मंत्री जी के तत्वाधान में डबल इंजन की सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुये सभी वर्गों की उन्नति, कल्याण एवं चौतरफा विकास के लिए हमारी सरकार दृढ़संकल्पित है। महोदय, जब से परिवारवादी सरकारों की परम्परा खत्म हुयी है संगठित अपराधों का अन्त हो गया है। आज योगी जी के नेतृत्व वाली सरकार से अपराधियों के अन्दर डर और दहशत है। शासन, सुरक्षा एवं विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते हुये अपराध एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ प्रदेश आगे बढ़ रहा है। अधिष्ठाता महोदय जी, आज हम सब गौवंश और किसानों की पीड़ा से अनभिज्ञ नहीं हैं। हमारी सरकार ने 500 करोड़ का बजट गौवंश के पुनर्वास के लिए रखा है। जो अपने आप में अभूतपूर्व है। महोदय, आपके माध्यम से मैं बताना चाहती हूँ कि मैंने अपनी विधान सभा क्षेत्र की जानकारी हासिल की है। प्रत्येक गाँव में पांच से लेकर बीस बीघा जमीन चारागाह के लिए पड़ी है जिस पर या तो अवैध कब्जे हैं या निष्प्रयोज्य पड़ी है। मेरा आपसे अनुरोध है कि पशु चारागाह की जमीन को चिन्हित कर उसे अवैध कब्जे से मुक्त कराकर ठीक से साफ-सफाई कराकर व्यवस्थित करने की आवश्यकता है, ताकि गौवंश को उचित आश्रय मिल सके और हमारे किसान भाईयों को होने वाली फसल की बर्बादी की पीड़ा से बचाया जा सके। प्रदेश उत्तम प्रदेश बनने की ओर निम्न समस्याओं का निराकरण आवश्यक है। सिंधौली में एक कन्या महाविद्यालय न होने के कारण बहुत सी बच्चियां या तो पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं या फिर दूर जाने को मजबूर रहती हैं। मेरे यहां एक कन्या महाविद्यालय बनाया जाये जिससे उचित शिक्षा की व्यवस्था हो सके। हमारे विधान सभा क्षेत्र तिलहर के ब्लाक निगोही में बच्चों के खेलने के लिए व्यायाम के लिए स्टेडियम नहीं है जिसके कारण अधिकांश नवयुवकों की खेल प्रतियोगिता का यथोचित विकास नहीं हो पा रहा है।

मान्यवर, हमारे यहां एक मिनी स्टेडियम बनाया जाए और तिलहर विधान सभा क्षेत्र के निगोही ब्लाक में ग्यारह हजार की लाइन लोगों के घरों के ऊपर से जा रही है, जिससे आए दिन हादसे होते रहते हैं। मैं अनुरोध करती हूँ कि इन समस्याओं का निराकरण किया जाए। इसी के साथ मैं दो लाईन अन्त में बोलना चाहूँगी कि-

परिवारवादी विचारधारा वाले लोग सुन लें,
मंजिल पाना तो बहुत दूर की बात है,
गुरूर में रहोगे तो रास्ते भी न देख पाओगे।

श्रीमती ओममणी वर्मा-

मान्यवर, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ कि आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया है। इस लोकतंत्र के पावन मन्दिर में प्रत्येक मुद्दे पर आपके द्वारा चर्चा-परिचर्चा इसलिए करायी जाती है कि हम लोग उ0प्र0 की 25 करोड़ जनता के हितों के लिए अच्छा कर सकें। जिसके लिए हम सबको जनता चुन करके यहां पर भेजती है, किन्तु बजट पर चर्चा के दौरान विपक्ष के कई मा0 साथियों द्वारा सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर तमाम कमियां गिनाई गयी हैं, किन्तु विपक्ष की ओर से ऐसा कोई सुझाव सरकार को नहीं दिया गया है, जो जनता के हित का हो। मात्र बजट में कमियां बताकर सरकार को बदनाम करने का कार्य किया जा रहा है, जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। सत्ता पक्ष व विपक्ष के मत अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हम सबका उद्देश्य मात्र एक होना चाहिए कि हमारा उत्तर प्रदेश नम्बर-1 कैसे बने और हम जनता के लिए कितना अच्छा कर सकते हैं जिसके लिए जनता हमको चुन करके सदन में भेजती है। मा0 मोदी जी, मा0 योगी जी व भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक पदाधिकारी/सम्मानित कार्यकर्ता बन्धु दिन-रात जनता के बीच रह कर उनके सुख-दुःख को देखते व महसूस करते हुए उनके हितों की चिन्ता करते हैं। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में दोबारा सरकार बनाने में सफल हुई और सपा विपक्ष में बैठी है। समाजवादी पार्टी के लोगों का वही हाल है कि ''नाच न आवे आंगन टेढ़ा''। उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता का आशीर्वाद मा0 मोदी जी, मा0 योगी जी व भारतीय जनता पार्टी के साथ है। मा0 मोदी जी, मा0 योगी जी तथा भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं की कार्य-प्रणाली से मुझे पवित्र ग्रन्थ रामचरित मानस की यह चौपाई बार-बार याद आती है कि-

परहित बस जिनके मनमाहीं।
तिन्हू कहुँ जग दुर्लभ कछु नाहीं।।
पुरजन परिजन प्रजा गोसाई।
सब सुचि सरस सनेह सगाई।।

मान्यवर, हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं लोकप्रिय मुख्य मंत्री पूज्य योगी महाराज जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, रोजगार, आत्मनिर्भरता की दिशा में नित्य नई ऊँचाइयों को छू रहा है। मा0 मुख्य मंत्री जी के कुशल मार्ग निर्देशन में मा0 वित्त मंत्री जी आदरणीय सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए 6 लाख 90 हजार 242 करोड़ 43 लाख रुपये का जो ऐहिहासिक बजट प्रस्तुत किया गया है, वह उत्तर प्रदेश के किसानों, नौजवानों, महिलाओं, व्यापारियों, दलितों, पिछड़ों व आम-जनमानस के हितों को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया गया है। यह बजट प्रदेश को समग्र विकास की ओर ले जायेगा। वर्तमान समय में चल रही लोक कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ इस बजट में 32 हजार 721 करोड़ रुपये की नई योजनाओं को भी सम्मिलित किया गया है। इस बजट में मुख्य मंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना हेतु 750 करोड़, किसान समृद्धि योजना हेतु 102 करोड़, 42 लाख रुपये, आत्मनिर्भर कृषक समन्वित योजना हेतु 100 करोड़ रुपये, उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार योजना कार्यक्रम हेतु 55 करोड़ 60 लाख रुपये, निजी नलकूपों उपभोक्ताओं को विद्युत बिलों में 100 प्रतिशत छूट दिये जाने हेतु 1500 करोड़ रुपये की व्यवस्था करके किसानों को सुखी, समृद्ध बनाये जाने के साथ-साथ मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा किसानों की आय को दोगुना करने के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के जीवन को सुगम एवं सुरक्षित बनाये जाने हेतु उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेण्डर भराये जाने हेतु 03 हजार 47 करोड़ रुपये, महिलाओं को समर्थ बनाये जाने हेतु महिला समूहों की सहायता के लिए 63 करोड़ रुपये, मुख्य मंत्री सामूहिक गरीब कन्या विवाह योजना हेतु 600 करोड़ रुपये की व्यवस्था करके गरीबों को बेटी की शादी से चिन्ता मुक्त करते हुए महिला सशक्तीकरण का मार्ग भी प्रशस्त किया गया है। युवाओं हेतु स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत छात्र-छात्राओं को निःशुल्क टैबलेट व स्मार्ट फोन उपलब्ध कराये जाने हेतु 36 सौ करोड़ रुपये की व्यवस्था करके युवा साथियों को तकनीक से जोड़ने का काम किया गया है। मान्यवर, मैं बुन्देलखण्ड क्षेत्र से आती हूँ और इस बजट में बुन्देलखण्ड के लिए बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से झांसी व चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे बनाये जाने हेतु 235 करोड़ रुपये, बुन्देलखण्ड डिफेन्स कॉरिडोर के लिए 550 करोड़ रुपये, बुन्देलखण्ड में स्थापित होने वाली सौर ऊर्जा परियोजना हेतु 1554 करोड़ रुपये, बुन्देलखण्ड विशेष विकास योजना हेतु 600 करोड़ रुपये, बुन्देलखण्ड में समेकित पर्यटन योजना हेतु 40 करोड़ रुपये की व्यवस्था करके बुन्देलखण्ड को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया गया है। चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे को यदि भगवान नीलकंठ की तपोस्थली व महारानी दुर्गावती जी की जन्मस्थली

कालिंजर जो चित्रकूट से मात्र 45 किमी0 की दूरी पर है, तक बढ़ा दिया जाए जो यहां से हीरा नगरी पन्ना (मध्य प्रदेश) व विश्व धरोहर खजुराहो भी जुड़ जायेंगे।

मेरी विधान सभा क्षेत्र नरैनी, जनपद बांदा के कस्बा अतर्रा की आबादी एक लाख से ऊपर है, कस्बे के अन्दर जाने वाले राजमार्ग संख्या-71 फतेहपुर-करतल में जाम से निजात पाने हेतु बाईपास, रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है तथा तेरामहुटा के पास बागे नदी व कुईयांकगर-शाहपाटन में रंज नदी पर एक-एक पुल का निर्माण कराया जाना आवश्यक है। इसी प्रकार नगर पंचायत ओरन में जलभराव की समस्या से निजात पाने हेतु मुख्य मार्गों पर नालों का निर्माण, नगर पंचायत ओरन व ग्राम पंचायत सिंहपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण तथा ग्राम पंचायत सढ़ा व सिंहपुर में राजकीय इण्टर कॉलेज की स्थापना और नगर पंचायत नरैनी में बेसहारा गौवंशों के संरक्षण हेतु कान्हा गौशाला का निर्माण, नरैनी कस्बा में बालिकाओं की शिक्षा हेतु राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज की स्थापना अति आवश्यक है। इसी तरह से ग्राम पंचायत बदौसा को विकास खण्ड का दर्जा दिया जाना व पर्यटक स्थल कालिंजर को नगर पंचायत बनाया जाना जनपद बांदा की सबसे पुरानी तहसील नरैनी में मुंसिफ कोर्ट की स्थापना कराया जाना और शान्ति व्यवस्था एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस चौकी करतल व ओरन को थाना का दर्जा दिये जाने हेतु मैं आपके माध्यम से सरकार से विनम्र अनुरोध करती हूं। उपरोक्त सभी कार्य जनहित में प्राथमिकता के आधार पर कराया जाना आवश्यक है। अन्त में, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी, मा0 वित्त मंत्री जी तथा वित्त विभाग के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को ऐतिहासिक एवं जन-कल्याणकारी बजट 2023-24 तैयार कराकर प्रस्तुत करने के लिये अपनी ओर से व अपनी विधान सभा क्षेत्र नरैनी की सम्मानित जनता की ओर से हृदय से धन्यवाद देती हूं और इस बजट का समर्थन करती हूं।

***श्री प्रदीप कुमार सिंह-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे वर्ष 2023-24 के बजट पर बोलने का अवसर दिया उसके लिये तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। मैं दो दिन से आम बजट पर हो रही चर्चा को देख रहा हूं और सुन रहा हूं। सत्ता पक्ष के लोग वाहवाही लूटने का काम कर रहे हैं कि बजट में हमने किसानों के लिये ये कर दिया और नौजवानों के लिये यह कर दिया, उद्योगपतियों के लिये यह कर दिया। मैं ऐसे क्षेत्र से आता हूं जहां पर आलू उत्पादन उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा होता है, लेकिन हमारे क्षेत्र आगरा और अलीगढ़ मण्डल में सबसे ज्यादा आलू का उत्पादन होता है। सौभाग्य से आदरणीय कृषि मंत्री जी भी यहाँ बैठे हुए हैं और वित्त मंत्री जी भी बैठे हुए हैं। मैं पूछना चाहता हूँ कि आलू किसानों के आलू की खरीद के लिए क्या

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उन्होंने कोई वाजिब मूल्य की घोषणा की है, इन्होंने आलू के लिए समर्थन मूल्य की क्या कोई घोषणा की है ? आलू की फसल आ चुकी है, अभी तक उसका कोई समर्थन मूल्य घोषित नहीं किया गया है और न ही आलू के कोई खरीद केन्द्र बनाये गए हैं। प्रदेश के अन्दर आलू का अगर कोई खरीद केन्द्र बनाया गया हो या समर्थन मूल्य घोषित किया गया हो तो उस पर माननीय वित्त मंत्री जी और माननीय कृषि मंत्री जी ध्यान आकर्षित करें। किसानों को राहत देने के लिए मेरा इनसे अनुरोध है कि भाड़े में सब्सिडी देने का प्रावधान करें, जिससे किसानों को राहत मिल सके। अगर सरकार के माध्यम से कोल्ड स्टोर का कुछ भाड़ा चला जायेगा तो किसानों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी तथा किसानों के बिजली के बिल, जो ट्यूबवेल धारक हैं, उनके बिजली के बिल माफ किए जायें, उससे भी किसानों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी।

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, मैं सिंचाई विभाग की व्यवस्था पर ध्यान आकर्षित कराना चाहूँगा। हमारे क्षेत्र में रजबहा और माइनर काफी पुराने हो चुके हैं, जिनकी लाइनिंग की जाए तथा इन्हें पक्का कराया जाए, जिससे टेल तक पानी पहुँच सके। साल में टेल तक एक बार पानी पहुँचाने के नाम पर मात्र खानापूर्ति की जाती है, क्योंकि वह इतने जर्जर हो चुके हैं कि जब तक उनकी लाइनिंग नहीं होगी, पक्के नहीं कराये जायेंगे, तब तक पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुँच सकेगा। हमारा पूरा क्षेत्र खारे पानी से ग्रसित है और खारे पानी की वजह यह है कि बीसियों साल से रजबहों में पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा है और उसका कारण यह है कि वह इतने जर्जर हो चुके हैं कि जब तक पक्के नहीं कराये जायेंगे, तब तक पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो सकेगा। मैं आदरणीय वित्त मंत्री जी का ध्यान जल जीवन मिशन की ओर आकर्षित कराना चाहूँगा। जिस तरीके से जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पूरे प्रदेश के अन्दर हर घर जल, हर घर नल योजना चल रही है, मैं इसकी सराहना तो करता हूँ, जिस तरीके से 05 साल से वह योजना चालू है, लेकिन किसी भी गाँव में उस योजना से स्टार्टिंग नहीं हुई है और जो उन्होंने पाइप लाइन डालने के नाम पर जितने भी रास्ते हैं, वह सभी खोद के डाल दिए हैं। सारी सड़कें गाँव और देहात की बन्द कर दी हैं और मैं कहना चाहता हूँ कि जिस तरीके से गाँव में सड़कें और खड़न्जे तोड़ दिए है, वह विधायक निधि या ग्राम पंचायत की निधि से पूरे नहीं हो सकते हैं और इन्होंने सबसे गलत काम यह और कर दिया है कि जो विधायक निधि इन्होंने 05 करोड़ कही थी, उसे 03 करोड़ दिया है, इससे किसानों का और क्षेत्र की जनता का बड़ा नुकसान हुआ है। यदि वह 02 करोड़ निधि और मिल जाती तो शायद खड़न्जा और रास्ते बनाने में बड़ी राहत मिलती। मैं बिजली की समस्या के बारे में कहना चाहूँगा।

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, गाँवों की बिजली की लाइनें बीसों साल, पच्चीसों साल पुरानी हो चुकी हैं, जर्जर लाइनें हैं, आए दिन बिजली के तार टूटते हैं, कभी किसान की मृत्यु हो जाती है, कभी संविदा कर्मी की मृत्यु हो जाती है। हमारे हाथरस जिले में आए दिन ऐसी

घटनाएँ होती रहती हैं। मैं आपके माध्यम से ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा कि वहाँ जितनी भी बिजली की जर्जर लाइनें हैं, उन्हें बदलने का काम करें और नए तार डलवाने का काम करें। मेरे क्षेत्र में खेल के लिए कोई भी मिनी स्टेडियम नहीं है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूँगा कि क्षेत्र में कोई मिनी स्टेडियम खोला जाए तथा हमारा क्षेत्र, पहलवानी का क्षेत्र है, मल्ल विद्या का क्षेत्र है, उसमें अखाड़ों की समुचित व्यवस्था की जाए और सरकार द्वारा समुचित रूप से अखाड़ों का निर्माण कराया जाए। मान्यवर, मैं स्वास्थ्य विभाग के बारे में कहूँगा, हमारे वहाँ जो पीएचसी और सीएचसी हैं, समाजवादी सरकार में हमारे वहाँ 200-200 बेड के बहुत बढ़िया हास्पिटल बनाये गए थे। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, हमारे वहाँ कुरसंडा, मई और बिसावर ऐसे बड़े-बड़े गाँव हैं, जिनकी आबादी 7-7, 8-8 हजार की है, वहाँ पर बहुत बड़े हास्पिटल बनाये गये थे। कुरसंडा में 200 बेड का हास्पिटल बनाया गया था, लेकिन 5 साल से वह जर्जर होने की कगार पर है। उसमें न तो कोई डाक्टर है, न कोई दवाई देने वाला है, न कोई वहाँ देख-भाल वाला है। मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि वहाँ के अस्पतालों में डाक्टरों की समुचित व्यवस्था की जाए, जिससे वहाँ के लोगों को राहत मिल सके। मैं दो बातें और कहना चाहूंगा कि शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी-बड़ी बातें और वायदे हो रहे थे। बेसिक शिक्षा के बारे में बताना चाहूंगा कि दिसम्बर के महीने में बेसिक शिक्षा विभाग से किताबें पहुंची हैं जुलाई से सेशन चालू होता है और दिसम्बर में बच्चों के लिए किताबें पहुंचेंगी तो बच्चे क्या पढ़ेंगे और क्या देश की उन्नति करेंगे। मेरा आपसे अनुरोध है कि सही समय पर उन्हें किताबें उपलब्ध कराई जाएं। मेरा आपसे अनुरोध है कि हमारे यहां बिसावर एक घुंघरू उद्योग का केन्द्र है जहां पर चांदी के घुंघरू बनाए जाते हैं छोटा-सा कस्बा है उसे आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि उसे नगर पंचायत का दर्जा दिया जाए और वहां पर चांदी का कारोबार होता है वहां पर एक पुलिस चौकी है और आए दिन वहां पर कारोबारियों से लूट-पाट होती रहती है। मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि वहां पर थाने की स्थापना की जाए। सादाबाग में एक बहुत पुरानी करवन नदी बहती है करवन नदी में बहुत बड़ी सिल्ट जमी है और पुरानी पन्नियां जमी हुई हैं उसकी सफाई कराई जाए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती पूनम संखवार-

मान्यवर, सर्वप्रथम मैं आपको धन्यवाद देती हूँ कि मुझे बजट पर महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर प्रदान किया। उत्तर प्रदेश के इतिहास में अब तक सबसे बड़े और ऐतिहासिक बजट के सन्दर्भ में सीमित समय की सीमाओं में रहकर विस्तार से चर्चा करने का प्रयास कर रही हूं। वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश के किसानों की दयनीय स्थिति किसी से छिपी नहीं है। जब चारों ओर से बन्द कमरों में रजाई के अन्दर सोने के बाद सुबह उठकर लोग कहते हैं कि आज की रात बहुत सर्द थी पूस की उसी सर्द रात में नंगे पैर घुटने तक डूबे बर्फ जैसे ठण्डे पानी में रात भर घूम-घूमकर हम सबके लिए अन्न के एक-एक दाना बुनने वाले किसान

की पीड़ा को हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने समझा और प्रधानमंत्री जी के निर्देशन में किसानों को राहत देने के लिए किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से वर्ष 2022-23 में अब तक 51 हजार छः सौ 39.67 करोड़ रुपये की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से किसानों के बैंक खाते में सीधे भेजकर किसानों की पीड़ा को कम करने व उन्हें सम्मानित करने का कार्य किया है। सभी वर्ग की लड़कियों को उनके शादी हेतु सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत छः करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। दहेज के कारण कष्ट पाने वाली पुत्रियों की सहायता कर मा0 मुख्य मंत्री जी ने समाज को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि दुल्हन ही दहेज है इस योजना से उनके दाम्पत्य जीवन में बहुत बदलाव हुआ है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने की दिशा में महिला स्वयं सहायता समूह का गठन कर उन्हें स्वावलम्बी बनाकर जीवन स्तर को सुधारने का काम किया है। इस प्रकार हमारे मुखिया ने आधी आबादी को मजबूत करने का सराहनीय प्रयास किया है। तुम्हें मौका मिला तो नचवाया पांव में बांधकर घुंघरू हमने कौशल सिखाकर युवाओं को काबिल बनाया है, भारत युवा शक्ति का देश है एक ओर जहां वर्ष 2017 से पहले देश के युवाओं को तत्कालीन मुख्य मंत्री के सामने मंच पर घुंघरू बांधकर नाचने को विवश किया जाता था वहीं अब उनकी सम्पूर्ण क्षमता एवं सामर्थ्य को विकसित करने के लिए स्मार्ट फोन, टैबलेट देने के लिए विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के माध्यम से बजट में 36 सौ करोड़ का प्रावधान करके युवा में उत्सव का संचार किया गया है। सबसे निचले स्तर पर हर हाथ को काम देने की दिशा में मनरेगा योजना के अर्न्तगत वित्तीय वर्ष 2022-23 में अब तक 26 लाख 29 हजार मानव दिवस सृजित कर प्रदेश द्वारा देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है। हमें तो खूब आता है सभी का दर्द कम करना तुम्हें फुर्सत कहां कि गम में शामिल हुआ जाए। आज के बिखरते समाजिक सम्बन्धों के कारण माता-पिता की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। मा0 मुख्य मंत्री जी ने ऐसे वृद्ध लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए 72 सौ 48 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। दिव्यांग योजना के अन्तर्गत उनके भरण पोषण एवं सम्मानजनक जीवन के लिए 11 सौ 20 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित है। इन योजनाओं से एक ओर जहां पूरे देश हित में योगदान दे सकें। वहीं ऐसे निराश्रित लोगों को मुख्य मंत्री के रूप में श्रवण कुमार जैसे सहारे की प्राप्ति हुई है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे, डिफेंस कॉरिडोर परियोजना से बुन्देलखण्ड का सम्पूर्ण क्षेत्र अपने भाग्य की नई इबारत लिख रहा है। इसके लिए 585 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। इससे जन सामान्य की सुविधाओं के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उत्तर प्रदेश में पर्यटन की असीम सम्भावनाएँ हैं। बुन्देलखण्ड का विकास मा0 मुख्य मंत्री जी की प्राथमिकता है।

मान्यवर, यह बताने की कोई जरूरत नहीं है कि पहले आपराधिक प्रदेश बन चुका उत्तर प्रदेश अब भयमुक्त होकर जीवन जी रहा है। हत्या, बलात्कार, अपहरण और बलवा आदि की घटनाओं में भारी गिरावट आई है। अब भू-माफियाओं को अवैध कब्जा करने से पहले 100 बार सोचना पड़ता है। मा0 योगी जी का बुल्डोजर हमारी पहरेदारी के लिए हमेशा तैयार रहता है। तुम तो बाँटते थे एम0वाई0 को बन्दूक और कट्टा, बुल्डोजर दिखाकर हमने तो चलने का सलीका सिखाया है। हमारा विधान सभा क्षेत्र कन्नौज में रसूलाबाद-205 है। मान्यवर, हमारे विधान सभा क्षेत्र में महिला डिग्री कॉलेज नहीं है, मैं आपसे अनुरोध करूँगी कि रसूलाबाद में महिला डिग्री कॉलेज देने का काम किया जाए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का संचालन सम्पूर्ण प्रदेश में दिनांक 23 दिसम्बर, 2018 से चलाया जा रहा है। योजना के अन्तर्गत 2.34 करोड़ से अधिक लाभार्थी पंजीकृत हो चुके हैं। लाभार्थी परिवारों को प्रति वर्ष 05 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा सूचीबद्ध राजकीय एवं निजी चिकित्सालयों के माध्यम से प्रदान की जा रही है। योजना हेतु 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। हमारे यहाँ जब हम लोग लखनऊ से जाते हैं तो हमारे विधान सभा क्षेत्र में आगरा एक्सप्रेस-वे पर अरौल में एक कट है, उससे पहले हम मकनपुर में एक कट चाहते हैं। हमारा लखनऊ से जाने का जो रास्ता है, वह मकनपुर और रसूलाबाद से होते हुए सिकन्दरा तक जाता है। मान्यवर, यदि मकनपुर में एक कट हो जाएगा तो इससे लोगों को आने-जाने की सुविधा हो जाएगी। हमारे झींझक ब्लॉक में अगर एक तहसील बन जाएगी तो हमारे लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। ऐसे ही हम कहिजरी को ब्लॉक बनाने के लिए आपसे अनुरोध करते हैं। मैं इसी के साथ अपनी वाणी को विराम देती हूँ। जय हिन्द जय भारत।

श्री विवेकानन्द पाण्डेय-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने वर्ष 2023-24 के आम बजट पर मुझे भी बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। यह बजट परमपूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज, उत्तर प्रदेश के कर्मयोगी तथा उनके सहयोगी वित्त मंत्री जो प्रदेश में निरन्तर नौवीं बार इस विधान सभा के सदस्य के रूप में सुशोभित हो रहे हैं, जो प्रदेश के वित्त मंत्री हैं, आदरणीय श्री सुरेश कुमार खन्ना जी के द्वारा जो बजट लाया गया, वह बजट गरीब हो, किसान हो, नौजवान हो, व्यापारी हो, शिक्षक हो, हर क्षेत्र के लिए उपयोगी और लाभकारी है। इसमें सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए हर क्षेत्र में बजट का अंश कैसे पहुँचे, इसको ध्यान में रखते हुए काम किया गया है। वर्ष 2017 से पहले जो बजट आता था, वह सीमित जिलों के लिए आता था। वर्ष 2017 के बाद परम पूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज की सरकार का जो बजट आता है, तो उसमें प्रदेश के सभी

75 जिलों का विकास कैसे हो, इसकी चिन्ता की जाती है। हमारे बड़े भाई और विपक्ष के साथी कह रहे थे कि आज सड़क नहीं बन रही हैं। वे इस सदन के वरिष्ठ सदस्य हैं और हमारे बड़े भाई के जैसे हैं। वर्ष 2017 के पहले कुछ सीमित जिलों में ही विकास होता था, कुछ सीमित जिलों में ही सड़क दिखती थी कुछ सीमित जिलों में ही हॉस्पिटल और स्वास्थ्य के क्षेत्र में व अन्य क्षेत्र में काम होते थे, लेकिन परमपूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में और प्रदेश के वित्त मंत्री आदरणीय श्री सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा बजट 75 जिलों का विकास कैसे हो, इसकी चिन्ता की गई है। आज पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी का सपना कि ''समाज के अन्तिम व्यक्ति का विकास कैसे हो'', उसको पूरा करने के लिए बजट से पूरे प्रदेश में विकास की गंगा बहाने का कार्य किया जाय इसका प्रयास है। इससे पहले वर्ष 2012-17 का जो कार्यकाल था जिसमें कुछ सीमित जिलों में ही विकास का कार्य होता था। वही चाहते हैं कि इस कार्यकाल में भी हो, परन्तु परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी के कार्यकाल में यह सम्भव नहीं है। 75 जिलों का विकास उनकी प्राथमिकता में है। चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, चाहे स्वास्थ्य का क्षेत्र हो। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पी0एच0सी0 और सी0एच0सी0 में नये उपकरण खरीदने के लिए इस बजट में प्राविधान किया गया है। किसान सम्मान निधि को देने के लिए इस बजट में प्राविधान किया गया है मुख्य मंत्री राहत कोष के द्वारा किसानों की बात की गई है। विपक्ष के हमारे साथी कह रहे थे कि सांड़ मार देता है, किसान मर जाता है, सरकार की व्यवस्था क्या है ? हमारी सरकार किसानों की दुर्घटना पर 5 लाख रुपये देने का काम करती है। पूज्य योगी आदित्यनाथ जी की सरकार और वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना और कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही के नेतृत्व में सरकार कोई भी किसान हो, किसी भी जाति का हो, किसी भी धर्म का हो, किसान दुर्घटना पर 5 लाख रुपये देने का काम हमारी सरकार करती है।

हमारी सरकार चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, मुझे अभी यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि प्रधानमंत्री, भारत सरकार और प्रदेश सरकार के सहयोग से हर विकास खण्ड में एक मॉडल स्कूल की स्थापना सरकार करने जा रही है, जो बड़े स्कूल बनेंगे और एक-एक ब्लाक में एक-एक मॉडल स्कूल बनाने के प्रस्ताव हेतु हमारी सरकार ने इस बजट में इसका प्राविधान किया है। चाहे बिजली का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, सुशासन का क्षेत्र हो, कृषि का क्षेत्र, बेरोजगारी कैसे दूर की जाए मुख्य मंत्री जी के द्वारा हमारी बहनों के सामूहिक विवाह के लिए भी एक अलग से बजट देकर कि कैसे हमारी बहनों के हाथ पीले हों, इसका भी प्रबन्ध इस बजट में किया गया है। किसान हो या मजदूर हो, किसानों के लिए सम्मान निधि के साथ-साथ, किसानों के लिए जो नलकूप की बात हो रही है। मुझे बताते हुए हर्ष हो रहा है कि मैं भी पहली बार का विधायक हूँ। मेरे विधान सभा में चार नलकूप की स्थापना इसी एक साल के कार्यकाल में की गयी, इसी तरह से जिले के हमारी सातों विधान सभाओं में सरकारी नलकूप

लग रहे हैं। कैसे किसान सन्तुष्ट हो, कैसे आम आदमी सन्तुष्ट हो, कैसे व्यापारी सन्तुष्ट हो यह सरकार का प्रयास है। मैंने पिछली बार भी इस बात को कहा था कि उत्तर प्रदेश आज सबसे शक्तिशाली प्रदेश बनने जा रहा है और कहीं न कहीं विकास और कार्य की बदौलत प्रदेश का नाम पूरे देश में हो रहा है और हमारे मुख्य मंत्री सबसे लोकप्रिय मुख्य मंत्री हो रहे हैं। विकास और अपने कार्य की बदौलत हमारे प्रदेश के मुख्य मंत्री आज देश के सबसे लोकप्रिय मुख्य मंत्री बन चुके हैं। मा0 अधिष्ठाता महोदय, अगर अपने क्षेत्र की इस बात को कहा जाए कि क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही है अतिशयोक्ति नहीं होगी। लेकिन कुछ हमारे क्षेत्र की जो आवश्यकता है। हम आपके माध्यम से बिजली विभाग को एक सुझाव देना चाहते हैं। यह कोई माँग नहीं है, बिजली विभाग में आप हर सब स्टेशन पर, हर विद्युत स्टेशन पर जैसे मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्दर चार सब स्टेशन हैं और हम उन चारों सब स्टेशन पर चाहते हैं कि एक मोबाइल ट्रान्सफार्मर की व्यवस्था की जाए। मा0 ऊर्जा मंत्री जी हमारे इस सदन में बैठे हुए है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि बिजली विभाग में ट्रान्सफार्मर जब जल जाते हैं तो तुरन्त नहीं लग जाते हैं लेकिन मोबाइल ट्रान्सफार्मर के माध्यम से जोड़ा जाए, सभी विद्युत उप केन्द्रों पर मोबाइल ट्रान्सफार्मर दिया जाए ताकि यदि कहीं जरूरत पड़े तो तत्काल वह ट्रान्सफार्मर चला जाए। दूसरा जो बिजली के बिल की समस्या होती है। सभी लोग करेन्ट बिल देना चाहते हैं। ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि लोग करेन्ट बिल जमा कर दें। करेन्ट बिल जमा करने से यह होगा कि बहुत से ऐसे लोग हैं जो अपना पुराना बिल जमा नहीं कर पाते हैं और उसी के चक्कर में करेन्ट बिल भी नहीं दे पा रहे हैं। ऐसी व्यवस्था बनायी जाए कि वह करेन्ट बिल जमा करें उनकी बिजली न कटे और करेन्ट बिल देते हुए पुराने बिल के बारे में पार्ट वाइज करके देने की हमारी सरकार की जो पॉलिसी है उसे लागू की जाए। हो क्या रह है कि कुछ ऐसे गरीब दुखिया लोग है जिनका बिल 50 हजार या 1 लाख से अधिक हो गया है, जिसकी वजह से वह बिल जमा नहीं कर पाते हैं, ऐसे में करेन्ट बिजली के बिल जमा होने से राजस्व प्राप्ति बढ़ेगी।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, हमारे क्षेत्र में नारायणी नदी के उस पर ऐसे जो गाँव हैं जहाँ पर 50 हजार से अधिक की आबादी है, वहाँ एक इण्टर कालेज की स्थापना होनी चाहिए। हमारे विधान सभा क्षेत्र में एक राजकीय डिग्री कालेज की स्थापना होनी चाहिए। हमारे क्षेत्र में एक पैरामेडिकल कालेज या नर्सिंग कालेज होना चाहिए हमारी भी सरकार ने जो बजट दिया है हम चाहेंगे कि इसी बजट से यह बजट मेरे क्षेत्र में भी जाए क्योंकि मेरा खड्डा विधान सभा क्षेत्र नेपाल और यू0पी0 का बार्डर है। जिसका पर्यटन विकास अति आवश्यक है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट भाषण पर अपने विचार रखने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

***श्री जियाउद्दीन रिजवी-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपका बहुत धन्यवाद आपने बजट भाषण पर हमको दो मिनट बोलने का मौका दिया है। यह बजट बाजीगरी का बजट है और इसमें जो भी दर्शाया गया है वह आंकड़ों की बाजीगरी है। सारे वक्ताओं ने कहा कि जो पिछला बजट था वर्ष 2022 का, वह खर्च नहीं हो पाया है। पी0डब्लू0डी0 की हालत बहुत खराब है। यह केवल घोषणा मात्र है, चूंकि कहीं भी सड़कों पर कोई काम नहीं हो पाया है। हमारे बलिया जिले के सिकन्दरपुर विधान सभा क्षेत्र में तड़वा से लेकर नगरा तक जर्जर अवस्था में सड़क है। तड़वा से लेकर रक्सण मार्ग के सतड़सर गांव के सम्बन्ध में हमने कई याचिकाएं भी प्रस्तुत की हैं, वहां पर पैदल भी आदमी नहीं जा सकता और न ही कोई गाड़ी जा सकती है। गौरी से लेकर पूर तक इतनी खराब सड़क है कि मोटर साइकिल भी नहीं जा सकती। सिकन्दरपुर से लेकर देवकली होते हुए छितौना कैम्प की पूरी सड़क गड्ढे में है। सड़क गड्ढे में है या गड्ढा सड़क में है, यह पता ही नहीं चल रहा है। मान्यवर, हमारे विधान सभा क्षेत्र में वर्ष 2008 में सरयू नदी व घाघरा नदी पर पक्का पुल माननीय अखिलेश जी की सरकार में स्वीकृत हुआ था। उस पर साढ़े 17 करोड़ रुपया माननीय अखिलेश जी ने स्वीकृत किया था। वह पुल बनने लगा जिसमें 14 पिलर बन गये तथा जो बिहार और यू0पी0 को जोड़ता है, खरीदरौली घाट सिकन्दरपुर तहसील के अन्तर्गत और 6 साल में सरकार द्वारा उस पर एक रुपया भी नहीं दिया गया है। वह पुल इस सरकार के नाम पर रो रहा है। मान्यवर, घाघरा नदी की इतनी कटान हो रही है, वह कटान इस बार बिहार में न होकर उत्तर प्रदेश में हो रही है। हमारे इलाके में खरीदगांव पुरुषोत्तम पट्टी, सिसोटाल, लिलकर, डुहाबियरा।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय रिजवी जी, आप समाप्त करें।

श्री जियाउद्दीन रिजवी-

मान्यवर, बस समाप्त कर रहा हूँ। यह सारे क्षेत्र कटान से प्रभावित हैं।

श्री अधिष्ठाता-

देखिए, आपके साथी लोग नाराज हो रहे हैं।

श्री जियाउद्दीन रिजवी-

और मैं चाहता हूँ कि सिंचाई मंत्री जी और पी0डब्लू0डी0 मंत्री उस पुल पर ध्यान दें और कटान को रोकने की समुचित व्यवस्था की जाये।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अधिष्ठाता-

आदरणीय श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी जी।

श्री जियाउद्दीन रिजवी-

मान्यवर, कटान से सारे लोग परेशान हैं और यह जो कह रहे हैं कि हमने समिट किया है, तमाम उद्योगपति आये तो हमारे बलिया में भेज दीजिए ।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री जियाउद्दीन रिजवी-

मान्यवर, रसड़ा में कांग्रेस के जमाने में दो उद्योग थे, रसड़ा कताई मिल और शुगर मिल।

श्री अधिष्ठाता-

रिजवी जी, वह विभागवार, मदवार होगा तो चर्चा कर लीजियेगा।

श्री जियाउद्दीन रिजवी-

वह सरकार के नाम पर रो रहा है।

(सदस्य का माइक बन्द होने तथा अपने स्थान से निरन्तर बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अधिष्ठाता-

माननीय रिजवी जी, आपका माइक बन्द हो गया है, कृपया बैठ जाइये।

श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बजट के समर्थन में बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मान्यवर, अब तक का सबसे बड़ा 6 लाख 90 हजार 2 सौ 42 करोड़ 43 लाख रुपये का लोक कल्याणकारी जनहित का बजट प्रस्तुत करने के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी एवं माननीय वित्त मंत्री जी को मारहरा विधान सभा क्षेत्र की देवतुल्य महान जनता एवं अपनी तरफ से बधाई देता हूँ। मान्यवर, यह हमारे लिए अत्यन्त हर्ष का विषय है कि हमारी सरकार का पहला आम बजट वर्ष 2023-24 एक लोक कल्याणकारी बजट है। यह गांव, गरीबों, किसानों, दलितों, पिछड़ों, शोषितों, वंचितों, दिव्यांगजनों, आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को सशक्त और सक्षम बनाने वाला बजट है। मान्यवर, यह महज वर्ष 2023-24

के डेवलपमेण्ट का एजेण्डा नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश की 1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की बुनियाद रखने वाला ब्लूप्रिन्ट है। मान्यवर, मैं 2 दिन से यह समझ रहा था कि विपक्ष की तरफ से इस बजट का विरोध क्यों हो रहा है। हम सारे लोग जब गरीबों के कल्याण की बात करते हैं तो उधर से भी करते हैं और हमारी भी विचारधारा अन्त्योदय की है। माननीय दीन दयाल उपाध्याय की विचारधारा अन्त्योदय की कि समाज के अन्तिम व्यक्ति को, जो गरीब व्यक्ति है, उसको मुख्यधारा से जब तक नहीं जोड़ेंगे, तब तक न इस गांव का विकास हो सकता है, न इस देश का विकास हो सकता है। मान्यवर, बजट की जन स्वीकार्यता कानून व्यवस्था से प्रमाणित होती है। किसी भी सरकार का संवैधानिक दायित्व नागरिकों को आत्म सुरक्षा, जीवन रक्षा, भयमुक्त वातावरण देना होता है। बेहतर कानून राज देने के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। जीरो टॉलरेन्स कानून-व्यवस्था को माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्रमाणित भी किया है। 02 दिन पहले हुई घटना को माननीय मुख्य मंत्री जी ने वक्तव्य के बाद आज उसको मिट्टी में मिला दिया है। मान्यवर, वर्ष, 2017 से पहले प्रदेश में अराजकता थी, गुण्डागर्दी चरम पर थी, गुण्डों, माफियाओं को संरक्षण दिया जाता था। जमीनों, मकानों, दुकानों पर अवैध कब्जे होते थे। भय का वातावरण व्याप्त था। सूर्य अस्त होने से पहले लोग घरों में छुप जाते थे। बाजार बन्द हो जाते थे, उद्योगपतियों से हफ्ता वसूली हो जाती थी। इनको इस बजट में यह करने को नहीं मिल रहा है। यह सब इनका कष्ट का कारण है। मान्यवर, किसी भी प्रदेश के विकास में सम्पर्क मार्गों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक एक्सप्रेस-वे देने वाला प्रदेश है और बेहतर कनेक्टीविटी के लिए बजट में धन की व्यवस्था की गई है।

मान्यवर, शिक्षा की बात करें तो पिछली सरकार में नकल माफिया हावी थे, योगी सरकार ने मिशन कायाकल्प के तहत् प्राइमरी विद्यालय में, हम सब प्राइमरी विद्यालय में पढ़े हैं, मैं भी पढ़ा हूं। मैं जब गांव से जाता था तो खादी के सीमेण्ट की बोरी सिलवा के हम लोग एक बोरी ले जाते थे और कच्ची मिट्टी पर बैठते थे। किसी ने प्रदेश में यह कल्पना भी नहीं की होगी कि अब प्रदेश के प्राइमरी स्कूलों में टाइल्स की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था, पंखे की व्यवस्था, लाइट की व्यवस्था, बाउण्ड्री की व्यवस्था और स्मार्ट क्लास की व्यवस्था कर दी जायेगी, यह व्यवस्था योगी सरकार ने की है। ग्रामीण और शहर के विद्यालय का जो अन्तर था, वह खत्म किया गया है, माध्यमिक विद्यालयों और महाविद्यालयों में नकल माफिया हावी थे इस सरकार में वह खत्म कर दिया गया है, यह भी कष्ट है। स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रत्येक जिले में मेडिकल कालेज बनाने का अभियान चलाकर गरीब जनता के लिए अच्छे इलाज की व्यवस्था की है, यह भी कष्ट हो रहा है। उद्योगों की बात करें तो योगी सरकार ने 33 लाख करोड़ से भी अधिक के एम0ओ0यू0 साइन करके करीब एक करोड़ रोजगार सृजन की व्यवस्था की है।

इनकी और हमारी जीरो टालरेन्स नीति में अन्तर है। माननीय योगी जी पिछले 05 वर्ष से अब तक 05 लाख लोगों से अधिक लोगों को पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ नौकरी दे चुके हैं और उनको योगी जी संस्कार देते हैं कि जिस सीट पर तुम जाओ वहां सेवा भाव का काम करना और इनकी सरकार में जो भर्तियां होती थी उनके रेट फिक्स थे। मैं एटा का रहने वाला हूं। समाचार माध्यमों से पढ़ते थे, इटावा, औरैया पास में ही हैं। वहां एक रेट लिस्ट हुआ करती थी, कांस्टेबल की भर्ती के रेट, बाबू की भर्ती के रेट, जे0ई0 की भर्ती के रेट, इंजीनियर की भर्ती के रेट ये सब खुले हुए रेट थे। गरीब पढ़े-लिखे ईमानदार बच्चों के पास रिश्वत देने के लिए पैसा नहीं होता था। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में 20 उद्योग धन्धे चलते थे। इनके उद्योग धन्धे, भू-माफिया उद्योग, नकल माफिया उद्योग, गुण्डागर्दी का उद्योग, पकड़ का उद्योग, हफ्ता वसूली का उद्योग, फर्जी एफ0आई0आर0 के उद्योग होते थे। योगी सरकार ने अयोध्या को विश्व स्तरीय पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए बजट की व्यवस्था की है। जब अयोध्या के विकास की बात आयी तब इस सदन के महान नेता रहे परम श्रद्धेय माननीय कल्याण सिंह जी को नहीं भुलाया जा सकता जिन्होंने मन्दिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था। करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का सम्मान करते हुए अपनी सरकार का बलिदान दिया था। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूँ कि उन्होंने माननीय कल्याण सिंह जी की त्याग और तपस्या हिन्दुओं के प्रति आस्था को ध्यान में रखते हुए उनके नाम से लखनऊ में एक कैंसर संस्थान और बुलन्दशहर में मेडिकल कालेज बाबूजी के नाम से रखा है। अभी माननीय विधायक जी उधर से कह रहे थे कि हम महापुरुष और आदर्श श्रीराम की बात कर रहे थे। इनसे आशा क्या की जा सकती है कि जिनके केन्द्रीय कार्यालय से श्रीराम चरितमानस की प्रतियां जलाने का काम किया गया, वे कभी ऐसा नहीं कर सकते। अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि अयोध्या में बाबू जी की एक मूर्ति लगायी जाय जिससे आने वाली पीढ़ियों को माननीय बाबू जी के त्याग, तपस्या और बलिदान की प्रेरणा मिलती रहे।

मान्यवर, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के लिए कुछ मांगों की मांग कर रहा हूं। पिछले 05 वर्ष में बहुत सारे कार्य कराये, सम्पर्क मार्ग बनवाये, एक आई0टी0आई0 कालेज एवं पॉलीटेक्निक की घोषणा की, आई0टी0आई0 कालेज निर्माणाधीन है। पॉलीटेक्निक की समस्त औपचारिकताएं पूर्ण हो चुकी हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूँ कि उसके लिए धन अवमुक्त करने की कृपा करें। मेरी विधान सभा में 14 किलोमीटर एटा से गंजडुण्डवारा रोड है, जो 3 विधान सभा क्षेत्रों एवं कासगंज जनपद को जोड़ता है, उसका चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण कराया जाय। मरथरा, मिरहची, मारहरा, मोहनपुरा जिसकी लम्बाई 28 किमी0 है उक्त सम्पर्क मार्ग मिरहची नगर पंचायत मारहरा नगर पालिका कासगंज 4 लाइन से मोहनपुरा मटर की किसानों की मण्डी से जोड़ता है। उक्त मार्ग का सौन्दर्यीकरण एवं चौड़ीकरण कराया जाय।

श्री अधिष्ठाता-

आप सभी आदरणीय सदस्यों से आग्रह है, अभी बहुत सारे माननीय सदस्य बोलने के लिए इच्छुक हैं। आपके अपने क्षेत्र की बात भी आ जायेगी और हमारे अधिकांश माननीय सदस्य इसमें प्रतिभाग भी कर सकेंगे। इसलिए 5 मिनट में ही आप समाप्त करने की कृपा करें।

***डॉ0 सुनील पटेल-**

धन्यवाद अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे वर्ष 2023-24 के बजट भाषण पर बोलने का मौका दिया है, इसके लिए आपको बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद। अधिष्ठाता महोदय, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी एवं अपनी नेता बहन अनुप्रिया पटेल जी के आशीर्वाद से अपनी पार्टी अपना दल (एस) के टिकट पर भगवान बुद्ध व महादेव की पावन धरती वाराणसी के रोहनिया विधान सभा क्षेत्र की जनता जनार्दन ने मुझे विधायक बनाकर आज यहां पर भेजा है। इसके लिए मैं रोहनिया विधान सभा क्षेत्र की पूरी जनता जनार्दन का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। अधिष्ठाता महोदय, मुझे बेहद खुशी है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में इण्टरनेशनल स्टेडियम के निर्माण की घोषणा की गयी है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। इसके लिए मैं अपनी पार्टी अपना दल (एस) और रोहनिया की देवतुल्य जनता की तरफ से माननीय मुख्य मंत्री जी एवं माननीय वित्त मंत्री जी के प्रति तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। अधिष्ठाता महोदय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने कहा था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों के विकास से ही देश का विकास और गांव के आत्मनिर्भर होने से ही देश आत्मनिर्भर होगा। इस संकल्प के साथ ही मा0 योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए बजट में 5966 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कृषकों के लिए निजी नलकूपों हेतु रियायती दरों पर विद्युत आपूर्ति हेतु 1950 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। रोग मुक्त स्वस्थ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मोटे अनाज के सेवन के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया है। इसके मद्देनजर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु 55 करोड़ 60 लाख रुपए की व्यवस्था की है। इस जन लोक कल्याणकारी फैसले के लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी और मा0 वित्त मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

अधिष्ठाता महोदय, कृषि के साथ-साथ पशुपालन से किसान की आय में वृद्धि होती है और उसका परिवार आर्थिक तौर पर मजबूत होता है। इस ध्येय के मद्देनजर बजट में

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

वाराणसी में डेयरी परियोजनाओं हेतु 60 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। इसके लिए मैं अपनी पार्टी अपना दल (एस) की तरफ से मा0 मुख्य मंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ जी एवं मा0 वित्त मंत्री जी का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। अधिष्ठाता महोदय, प्रदेश में हमारे वाराणसी जनपद में काफी तादाद में पॉवरलूम चलाने वाले बुनकर निवास करते हैं। वहां के बुनकरों की मेहनत के बगैर वाराणसी की विश्व प्रसिद्ध साड़ी की परिकल्पना नहीं की जा सकती है। बजट में पॉवरलूम बुनकरों को रियायती दरों पर विद्युत उपलब्ध कराने हेतु 345 करोड़ रुपए की व्यवस्था करना प्रशंसनीय है। इसके अलावा मुख्य मंत्री पॉवरलूम उद्योग विकास योजना हेतु 20 करोड़ रुपए और मुख्य मंत्री बुनकर सौर ऊर्जा योजना हेतु 10 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गयी है। इस सराहनीय पहल के लिए मैं अपनी पार्टी अपना दल (एस) की तरफ से मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी एवं मा0 वित्त मंत्री जी के प्रति बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद देता हूँ। हमारे नेता जी का भी यह मानना है कि जिस तरह से इस बजट में पिछड़े, दलित, शोषित समाज के लिए प्रावधान किया गया है, यह बजट बहुत ही सराहनीय है। मैं अपने क्षेत्र के लिए कुछ कहना चाहूँगा। हमारे रोहनियां विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत बैरवन ग्राम में रेलवे लाइन पर फुट ब्रिज निर्माण कार्य जनहित के लिए बहुत आवश्यक है। साथ ही रोहनियां विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत खेवसीपुर में रिंग रोड फेज-2 पर फुट ब्रिज निर्माण कार्य कराया जाये, वह जनहित के लिए बहुत ही आवश्यक है। इन्हीं शब्दों के साथ आपको पुनः धन्यवाद देता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

अब श्री विशम्भर सिंह यादव जी बोलें।

(सदस्य श्री विशम्भर सिंह यादव जी का नाम पुकारा गया, लेकिन वह उपस्थित नहीं थे)

श्री अधिष्ठाता-

अब राघवेन्द्र कुमार सिंह बोलें।

श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह-

मान्यवर, आपने मुझे सामान्य बजट पर चर्चा हेतु बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं हृदय की गहराइयों से आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ। आज सत्ता पक्ष की तरफ से हमारे जनप्रतिनिधियों ने अतिशयोक्ति अलंकार लगा करके सरकार का जिस तरीके से गुणगान किया है मुझे लगता है कि अगर सत्ता पक्ष के मा0 सदस्य अपने क्षेत्रों में जायेंगे और धरातल पर देखेंगे तो निश्चित तौर से जिस तरीके से हम पीड़ित हैं कि हमारे क्षेत्र में चाहे वह शिक्षा हो, चाहे वह स्वास्थ्य हो, चाहे किसान या नौजवान की समस्या हो यह भी उन समस्याओं से

अवगत होंगे, उससे इनके पास भी फरियादी आते होंगे, क्योंकि इनके यहाँ भी डाक्टर नहीं हैं, इनके यहाँ भी बिजली समय पर नहीं आती होगी। इनके यहाँ भी यह दिक्कते हैं, लेकिन कुछ मजबूरी है उनकी जो सही बात यह कह नहीं सकते हैं इस सदन में। आज जो मेरी विधान सभा क्षेत्र भरथना का चकरनगर ब्लाक जो 5 नदियों से घिरा हुआ है। मैंने पिछली बार भी सदन में बताया था कि मेरे यहाँ 42 गाँव हैं जो बाढ़ क्षेत्र में प्रतिवर्ष डूब जाते हैं। मैं सदन से यह चाहूंगा कि अगली बार बारिश के समय वहाँ पर जिला प्रशासन द्वारा ऐसी व्यवस्था की जाये कि वहां बाढ़ क्षेत्र में उनकी सारी समस्यायें दूर हों। वहाँ पर आजादी के बाद से ले करके जो छात्र और छात्राओं का भविष्य अधर में है आज तक वहाँ कोई ऐसा डिग्री कॉलेज नहीं है कि जिससे उनकी शिक्षा का माध्यम और शिक्षा का स्तर बढ़ाया जाये। भरथना में 50 हजार की आबादी के ऊपर की नगर पालिका परिषद् है, लेकिन वहाँ पर एक प्राविधिक शिक्षा का विद्यालय नहीं बना है जिससे वे प्राविधिक शिक्षा से जुड़ सकें और इस प्रदेश को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग दे सकें। इसी तरीके से जो बिजली पर कहा जा रहा है कि हमारे यहाँ 24 घण्टा, 18 घण्टा, लेकिन अगर इसको धरातल पर देखेंगे तो निश्चित तौर पर जैसे मैं हूँ, मैं एक गाँव का निवासी हूँ गाँव का रहने वाला हूँ। घड़ी देख करके 6 बजे बिजली चली जाती है और 10 बजे आती है। रात में भी गायब। गर्मी का सीजन आ रहा है निश्चित तौर पर यदि हम परेशान हैं तो बहुत सारे लोग इस व्यवस्था से परेशान होंगे।

आजादी के बाद से ले करके चकर नगर ब्लाक एक ऐसा ब्लाक है जिसमें एक दर्जन से ज्यादा गाँव और तीन दर्जन से ज्यादा गांव ऐसे हैं जिनमें किसानों की जमीन का नक्शा ही नहीं है, जमीन की तो वहाँ पर बहुत ज्यादा समस्या है। मैं आपके माध्यम से राजस्व मंत्री जी से यह चाहता हूँ कि वहाँ पर जो नक्शे जीर्ण-क्षीर्ण हैं और किसानों के जो गाँव बिना नक्शे के रह गये हैं उनके नक्शे बनाये जायें। हनुमन्तपुरा में स्नातक स्तर का एक विद्यालय बनाया जाये जिससे कि वहाँ के बच्चों का भविष्य सुन्दर हो सके। सरकार ने अभी जिस तरीके से इस बजट का और सरकार की उपलब्धियों का गुणगान किया है। इस सरकार का तो काम है गरीबों का मजाक बनाना। बहुत-सी योजनाओं का डी0बी0टी0 के माध्यम से सीधे पैसा चला जाता है। मुझे लगता है कि इस प्रदेश का कोई भी माता पिता ऐसा नहीं होगा कि वह अपनी लड़की की शादी जा करके किसी बाहर जगह करे। वह यह चाहता है कि वह अपनी लड़की के हाथ पीले अपने घर से करे। यह हर माता- पिता की इच्छा होती है। उसमें भी एक बाउण्डेशन लगा दिया। अगर सरकार चाहे तो वह सीधे डी0बी0टी0 के माध्यम से लड़की के खाते में कर दे। मुझे कई जगह ऐसा लगता है कि एक लड़की की शादी दो-दो बार हो जाती है। एक बार ब्लाक में फिर दोबारा जा करके घर में उसकी शादी हो जाती है। मैं आपके माध्यम से यह चाहूंगा कि यह पैसा दिया जा रहा है वह सीधे लड़की के डी0बी0टी0 के माध्यम से खाते में दिया जाये और वह घर पर ही अपना काम कर ले। इस बजट पर बड़ी चर्चा हुई क्या किसानों की

डी0ए0पी0, यूरिया, बीज सस्ता हो गया। अन्दावा ग्राम एक गाँव है जो 50 गाँवों का सम्पर्क मार्ग है और मैंने पिछली बार बजट सत्र में कहा था कि यदि यहां यमुना नदी पर स्थाई पक्का पुल बन जाये तो कम से कम 50 गांवों के करीब 50000 लोगों का आवागमन ठीक हो जायेगा। हमारे यहां पिछली से पिछली सरकार में तीन बड़ी ऐसी पंचायतें हैं कि जिनको नगर पंचायत का दर्जा देने के लिए फाइल विभाग में है। अहेरीपुर, चकर नगर और महेवा मैं सरकार से यह भी चाहूंगा कि ये 10 हजार से भी ज्यादा की पंचायतें हैं। यहाँ एक और समस्या है। एक इकदिल क्षेत्र है जो 4 भागों में बंटा है 48 गाँवों का एरिया है। महेवा में, भरथना में, बड़पुरा में, बसरेहर में। मैं यह चाहता हूँ कि इकदिल में उनको जमीन भी दे दी गई है। मैं सरकार से चाहूंगा कि इकदिल नवसृजित ब्लाक बना दिया जाये तो उससे वहाँ के लोगों को काफी सहूलियत हो जायेगी। जय भीम, जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

आदरणीय श्री कैलाश राजपूत जी।

श्री कैलाश राजपूत-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशन में मा0 वित्त मंत्री श्री सुरेश खन्ना जी के द्वारा रखे गये वर्ष 2023-24 के बजट पर बोलने का मौका दिया। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी एवं मा0 खन्ना जी के प्रति आभार प्रकट करता हूँ कि उत्तर प्रदेश का यह ऐतिहासिक बजट पहली बार सर्व समाज के लिए बनाया गया है। निश्चित तौर से इससे हमारे प्रदेश का विकास होगा।

मान्यवर, हमारे विधान सभा तिर्वा में ग्राम हरईपुर में 200 के0वी0ए0 का बिजली घर स्वीकृत है। बिजली घर बनने के लिए ग्राम सभा की 50 बीघा जमीन भी दे दी गई है। सुनने में आ रहा है कि किसी कम्पनी का टेण्डर हो गया है, मैं चाहता हूँ कि इसका शीघ्र निर्माण कराया जाए। हमारे विकास खण्ड हसेरन में ग्राम खनियापुर के सामने पिछली सरकार में ईसन नदी के पुल के लिए प्रस्ताव दिया था, सम्भवतः स्वीकृत होने की स्थिति में होगा। अगर नहीं है, तो उसको तत्काल स्वीकृत कराने की आवश्यकता है। औसेर, सरसई, खानपुर, शाहनगर होते हुए उर्मदा बेला फोरलेन तक लम्बाई लगभग 9 किमी0 की जो रोड बनी है, उसे 7 मीटर चौड़ा करने की जनहित में आवश्यकता है। तिर्वा, कलुआपुर, मलियापुर, शिरसा मार्ग की लम्बाई लगभग 09 किमी0 है, इसको 7 मीटर चौड़ी कराकर जनहित में बनाया जाना आवश्यक है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, लाख बहोजी में लगभग 2 हजार बीघे जमीन में तालाब है। विदेश से प्रतिवर्ष लगभग हजारों पक्षी आते हैं। इसको नवाबगंज के तर्ज पर पर्यटन स्थल घोषित करने एवं 7 मीटर चौड़े रोड से जोड़ने की कृपा करें। फकीरपुरा में डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम के नाम से सौर ऊर्जा का प्लाण्ट लगा हुआ है, जो किसी कारणवश बन्द हो गया है। अनुरोध है कि इसकी मरम्मत कराकर पुनः चालू कराने की व्यवस्था की जाए।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, राजकीय मेडिकल कॉलेज तिर्वा में कैंसर यूनिट एवं हृदय रोग संस्थान बनकर तैयार है। मशीनों को खरीदने के लिए मेडिकल कॉलेज के पास फण्ड भी है। अनुरोध है कि वहाँ पर मशीनें खरीदवा कर दोनों यूनिट चालू कराई जाएं। चूँकि मा0 कल्याण सिंह जी का तिर्वा से बहुत सम्बन्ध रहा है। मैं चाहता हूँ कि वहाँ पर कैंसर और हृदय रोग संस्थान की जो यूनिट है, बाबू कल्याण सिंह के नाम पर प्रस्तावित कर दी जाए। तिर्वा में पैरा मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार है, इसको शीघ्र ही प्रारम्भ ही कराया जाए।

श्री अधिष्ठाता-

महोदय, जनपद कन्नौज आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे एवं कानपुर-दिल्ली हाई-वे पर स्थित है। कन्नौज जनपद में आलू एवं मक्का की खेती ज्यादातर होती है और ये कन्नौज जनपद फर्रुखाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया और कानपुर के मध्य स्थित है। हमारा आग्रह है कि आलू पर आधारित अल्कोहल बनाने की फैक्ट्री एवं आलू से चिप्स बनाने की फैक्ट्री अगर लग जाए, तो आस-पास के जिलों को रोजगार का साधन मिल जायेगा। हमारे जनपद में मक्का की फसल बहुत होती है। अगर मक्का पर आधारित कारखाना लग जाए तो उससे कन्नौज और आस-पास के लोगों को रोजगार मिल जायेगा।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, हमारे यहाँ आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे बना है और एक्सप्रेस-वे के पास सर्विस रोड बना है। नहर पर हाई-वे वालों ने पुल नहीं बनाया है, जिससे वहाँ की जनता को तहसील व जिला मुख्यालय पर आने में बहुत कठिनाई होती है। हमारा आपसे आग्रह है कि एक्सप्रेस-वे के पास नहर में अगर पुल बन जाए, तो जिला मुख्यालय पहुँचने में लगभग 10 किमी0 की दूरी कम हो जायेगी। वहीं पर हमारे मैनपुरी जनपद से कन्नौज को नहर विभाग का जो बम्बा आता है, उसका रास्ते में लोग खन्दी कर लेते हैं, हमारी विधान सभा क्षेत्र तिर्वा में पानी नहीं आ पाता है। मान्यवर, मैं चाहता हूँ कि जो नहर हमारी विधान सभा क्षेत्र से होकर गयी है, मिर्जापुर पुल के पास तिर्वा रामनगर का जो रजवाहा है 100 मीटर की दूरी पर है, अगर यह हमारी विधान सभा क्षेत्र तिर्वा, कन्नौज जनपद में मिर्जापुर पुल के पास नाले को जोड़ दिया जाए तो निश्चित तौर से पूरे क्षेत्र को पानी की सुविधा मिलेगी। मा0 कल्याण सिंह ने अपनी सरकार में विवादित ढांचे को ढहाने के लिए अपनी सरकार को दांव पर लगा दिया था और जब विवादित ढांचा ढहाया गया तो सरकार चली गयी थी। पुरातत्व विभाग ने जांच की और जांच में मन्दिर के अवशेष पाये गये, इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने मन्दिर बनाने का फैसला लिया और मा0 कल्याण सिंह के जीवनकाल में ही, मा0 मोदी जी ने उसका शिलान्यास किया। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं चाहता हूँ कि अयोध्या में जो मन्दिर को जाने का मार्ग है उसका नाम कल्याण सिंह मार्ग रखा जाए और कल्याण सिंह की एक विशाल मूर्ति लगायी जाए जिससे पूरे देश को बहुत खुशी होगी। धन्यवाद।

श्री प्रभात कुमार वर्मा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, आपने मुझे मा0 वित्त मंत्री खन्ना जी द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट के समर्थन में बोलने के लिए अवसर दिया मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं। यह बजट गांव, गरीब, महिलाओं का बजट है, प्रस्तुत बजट 6 लाख 90 हजार 242 करोड़ 43 लाख रुपये का है। उत्तर प्रदेश 24 करोड़ देश की सर्वाधिक जनसंख्या वाला प्रदेश है, यह प्रदेश भारत का सबसे बड़ा उपभोक्ता है एवं श्रम बाजार है, देश की जी0डी0पी0 में प्रदेश का योगदान 8 प्रतिशत से अधिक का है और मुझे बताते हुए हर्ष है कि 2021-22 में प्रदेश में सकल घरेलू उत्पाद में 16.8 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है, जो देश की विकास दर से अधिक है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, उत्तर प्रदेश में जहां इन्वेस्टर समिट लखनऊ में 25 हजार से अधिक निवेशकों द्वारा प्रतिभाग किया गया, वहीं मा0 प्रधानमंत्री जी और मा0 मुख्य मंत्री योगी जी के आशीर्वाद से जी-20 का सम्मेलन भी उत्तर प्रदेश में हो रहा है, यह हमारे लिए गर्व का विषय है। आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है, जहां पर तहसील दिवस हो या थाना दिवस हो, सभी मामलों का निस्तारण हो रहा है। 6 साल के अन्दर उत्तर प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ है। आज बाबा साहेब अम्बेडकर के सपनों का, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी के सपनों का भारत, उत्तर प्रदेश हर एक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। मा0 मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से शिक्षा के क्षेत्र में गोण्डा जनपद में इस बजट में मां पारेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 50 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है इसके लिए मा0 मुख्य मंत्री जी को, वित्त मंत्री जी को मैं बधायी देना चाहता हूं। यहां पर परसों से ही चर्चा हो रही है कि सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत कुछ किया है, जब मैं 2017 में पहली बार जीत करके आया था उस समय मैंने कहा था कि देश की आजादी के इतने सालों बाद गोण्डा जिले में जिला मुख्यालय पर एक भी राजकीय महाविद्यालय नहीं है, लेकिन मा0 मुख्य मंत्री जी ने भारतीय जनता पार्टी के सभी विधायकों की बात सुन करके विश्वविद्यालय देने का काम किया इसके लिए मैं उनको बहुत-बहुत बधायी देना चाहता हूं। गरीबों के बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय मनकापुर में लगभग बनकर तैयार हो गया है। इसी तरह राजकीय मेडिकल कॉलेज गोण्डा में निर्माणाधीन है, प्रदेश में प्राथमिक विद्यालय का कायाकल्प करके अच्छी शिक्षा बच्चों को दी जा रही है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, स्वास्थ के क्षेत्र में 6 वर्षों के दौरान अभूतपूर्व परिर्वतन आया है, चाहे सी0एच0सी0 छपिया हो, या मेरे विधान सभा क्षेत्र की सी0एच0सी0 बभनजोत में दोनों जगहों पर मैंने विधायक निधि से एक्स-रे मशीन देने का काम किया। इसी तरह दोनों अस्पतालों में अच्छे डाक्टर उपलब्ध हैं, जहां गरीबों का इलाज हो रहा है तथा इन्हीं दोनों जगहों पर हेल्थ ए0टी0एम0 के लिए पैसा दिया जा चुका है, वह भी जल्दी ही लग जाएगा। आयुष्मान भारत कार्ड से 5 लाख की दवा व इलाज हो रहा है। मा0 मुख्य मंत्री सहायता कोष से गम्भीर

बीमारियों के लिए मैंने मा0 मुख्य मंत्री जी से लगभग 5 करोड़ रुपया अपने क्षेत्र के लोगों को दिला चुका हूँ इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूँ। जहाँ आज गरीबों को फ्री राशन देने का काम भारत सरकार और प्रदेश सरकार कर रही है वहीं गरीबों के लिए उज्ज्वला योजना में लाभार्थियों को दो-दो सिलेण्डर की व्यवस्था इस बजट में की गयी है। माननीय अध्यक्ष जी, शुद्ध पानी के लिए हमारी सरकार द्वारा जल जीवन मिशन योजना के तहत हर घर नल, हर घर जल देने की बात कर रही है। प्रथम चरण में बुन्देलखण्ड, द्वितीय चरण में विन्ध्य क्षेत्र और तृतीय चरण में मैदानी क्षेत्रों में काम तेज गति से चल रहा है, जो 2024 तक प्रत्येक घर को जल देने का काम करेंगे। माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, मा0 योगी जी के आशीर्वाद से मेरे क्षेत्र में गाँवों व शहरों में पर्याप्त बिजली मिल रही है।

श्री अधिष्ठाता-

आदरणीय वर्मा जी, अगर क्षेत्र की कोई समस्या हो तो उसे कह लीजिए।

श्री प्रभात कुमार वर्मा-

मान्यवर, इसी तरह से बिजली बराबर हर क्षेत्र में आ रही है। कई 33/11 के विद्युत सब-स्टेशन बनाये गये, छपिया में एक और बनने जा रहा है। 132 के0वी0ए0 का सब-स्टेशन बन करके तैयार हो गया है। इस तरह से मेरे क्षेत्र में कुछ टू-लेन की सड़कें हैं, जिसको बनाया जाना बहुत आवश्यक है। मेरे क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय कूकनगर ग्रंट में बनाया जाये। इसी तरह से परसा तिवारी से बगदर ग्रंट-अल्लीपुर-नरहरपुर तक मार्ग का चौड़ीकरण व उच्चीकरण कराया जाये। रेनुवा-दौलतपुर ग्रंट मार्ग का चौड़ीकरण व उच्चीकरण कराया जाये।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री प्रभात कुमार वर्मा-

छपिया-बखरौली-गोंदहा-बीरपुर मार्ग का चौड़ीकरण, उच्चीकरण कराया जाये। स्वामी नरायन मंदिर, छपिया का 84 कोसी परिक्रमा मार्ग मखौड़ा धाम को 4 लेन से जोड़ा जाये। विसुही नदी पर घारीघाट में पुल बनाया जाये। माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, आपने मुझे माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट के समर्थन में बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार। धन्यवाद।

***श्री प्रसन्न कुमार-**

माननीय अधिष्ठाता जी, आपने अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार। मान्यवर, दो दिन से चर्चा चल रही है और जो सत्ताधारी विधायकगण हैं उनकी बड़ी-बड़ी बातें

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सारा सदन सुन रहा है। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि जो असली चीज है, जहाँ बजट की बात है शायद उस पर इनका ध्यान नहीं गया। यदि बात करें बजट में ग्रामीण विकास की तो बजट में जो खर्चा है ग्रामीण विकास पर वह लगभग 5 प्रतिशत के आस-पास है। अगर दूसरे प्रदेश से उसकी तुलना करें तो 0.7 प्रतिशत कम है। यदि शिक्षा पर खर्च की बात करें तो हमारी सरकार ने शिक्षा पर लगभग 13 प्रतिशत बजट दिया है, जो दूसरे प्रदेश की तुलना में लगभग 1.8 प्रतिशत कम है। अगर बात करें कृषि की तो हमारी सरकार ने कृषि पर 2.9 प्रतिशत खर्च किया है, जो दूसरे प्रदेशों के मुकाबले लगभग 3 प्रतिशत कम है। तो इससे जाहिर होता है कि वर्तमान सरकार ने शिक्षा, ग्रामीण विकास और कृषि पर कोई ध्यान नहीं दिया है, केवल और केवल बड़े-बड़े वायदे किये गये, घमंड की बात की गयी और ग्रामीण क्षेत्र को बिल्कुल खाली छोड़ दिया गया। मान्यवर, लगभग ग्रामीण क्षेत्र की 62 प्रतिशत आबादी से विकास की दर में 62 प्रतिशत वृद्धि होती है, जो केवल गाँवों से आती है। स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी ने कहा था कि देश का विकास खेत और खलिहानों से हो करके जाता है। वर्तमान सरकार चौधरी चरण सिंह जी और आदरणीय भीमराव अम्बेडकर जी के विचारों को खत्म करना चाहती है। मान्यवर, यदि बात करें युवाओं की, नौजवानों की बात करें तो इस बजट से नौजवानों को भी निराशा हाथ लगी है। उनके हाथ में केवल और केवल ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का झुनझुना पकड़ा दिया गया है। जिसके अन्तर्गत कहने को और कागजों में 94 लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा किया गया है। परन्तु इसकी कोई व्यवस्था नहीं है कि उनको कितना पैकेज मिलेगा। मुझे ऐसा लगता है कि जिस प्रकार से 8-8 हजार रुपये में संविदा कर्मचारी रखे गये हैं इसी प्रकार से वह भी उद्योगपतियों के नाम पर ऐसे ही 8-8 हजार रुपये में रखे जायेंगे। यह सरकार युवाओं से नौकरी छीनने का कार्य करती है। जितनी भी सरकारी नौकरियाँ हैं या तो उसमें भर्ती नहीं निकलती है और यदि भर्ती निकलती है, तो पेपर लीक हो जाता है और यदि पेपर लीक नहीं होता है तो सरकार की गैर जिम्मेदारी से वह भर्ती कोर्ट में पहुँच जाती है। अगर मैं पुलिस की भर्ती की बात करूँ तो नौजवान 2019 से वेट कर रहे हैं कि पुलिस में कब भर्ती निकलेगी। लेकिन तीन साल में कोई भी भर्ती नहीं निकली है। मान्यवर, बात होती है किसान सम्मान निधि की, हर चीज के रेट बढ़े हैं, कोई ऐसी वस्तु नहीं है जिसके रेट न बढ़े हों, नमक 35 रुपये किलो हो गया है, लेकिन किसान सम्मान निधि के रूप में जो व्यवस्था पाँच साल पहले थी वही ज्यों की त्यों बनी हुई है। रही बात गन्ने की तो कुछ फसलें ऐसी हैं कि न गन्ने के रेट बढ़ाये गये, न गेहूँ के रेट बढ़ाये गये हैं और न ही धान के रेट बढ़ाये गये हैं।

श्री अधिष्ठाता-

प्रसन्न कुमार जी यह बात आप महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर बोल चुके हैं, अब आप समाप्त करें।

श्री प्रसन्न कुमार-

अब यदि बात करें कानून व्यवस्था की, बस कानून व्यवस्था पर थोड़ा सा कह लेने दीजिए। अभी इलाहाबाद के अन्दर क्या हुआ है ? कानपुर के अन्दर क्या हुआ है ? दिनदहाड़े तीन-तीन लोगों को गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया जाता है, जिसमें दो पुलिस कर्मी भी होते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

जब गृह विभाग का बजट आएगा तब उस पर आप बोल लीजिएगा।

(श्री प्रसन्न कुमार जी का माइक बन्द कर दिया गया उसके बाद भी वह लगातार बोलते रहे)

डॉ0 आर0 के0 पटेल-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे 2023-24 के बजट पर बोलने का मौका दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत आभार।

श्री अधिष्ठाता-

प्रसन्न कुमार जी सब लोग व्यवस्था से बंधे हुए हैं मा0 अध्यक्ष जी ने जो व्यवस्था दी है उसके अनुसार हम सब लोग उसका अनुपालन कर रहे हैं, कृपया आप इसमें सहयोग करें। आपको जो कुछ भी बोलना है वह आप दे दीजिए वह कार्यवाही का भाग बन जायेगा, सारा लिख लिया जायेगा।

डॉ0 आर0 के0 पटेल-

मान्यवर, मन्दी के दौर में भी मोदी एवं योगी की दूरदर्शी सोच की वजह से प्रदेश की अर्थव्यवस्था का विकास उत्साहजनक है। यह बजट के माध्यम से बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा पर पर्याप्त ध्यान दिया गया है। ऊर्जा के क्षेत्र में 55 हजार करोड़ की व्यवस्था की गयी है। जिसमें बिजली वितरण की बेहतरी के लिए 6 हजार 500 करोड़ की व्यवस्था की गयी है, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 45 हजार करोड़ से ज्यादा की व्यवस्था की गयी है, नयी सड़क एवं पुल के निर्माण के लिए 21 हजार करोड़ से ज्यादा की व्यवस्था की गयी है, रख-रखाव के लिए भी 6200 करोड़ की व्यवस्था की गयी है, नए एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए 2500 करोड़ की व्यवस्था की गयी है, ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए भी 1500 करोड़ से ऊपर की व्यवस्था की गयी है।

(इसी मध्य रात्रि 08 बजकर 28 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

प्रदेश में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 3 नये विश्वविद्यालय खोलने के लिए 150 करोड़ की व्यवस्था करके उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण पहल की गयी है। बाढ़

नियंत्रण के लिए भी सरकार ने 18000 करोड़ की व्यवस्था की है जिससे बाढ़ नियंत्रण में बहुत कामयाबी मिलेगी। 5 सालों में सौर ऊर्जा से 22000 मेगावाट की उत्पादन क्षमता का लक्ष्य निर्धारित कर हरित ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल की गयी है। मिर्जापुर, प्रतापगढ़, गोण्डा, बस्ती में निर्माणाधीन इन्जीनियरिंग कालेजों में पढ़ाई अगले सत्र से चालू हो जायेगी इससे तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ावा मिलेगा। 8710 हेक्टेयर में जैविक खेती की तरफ सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में एस0जी0पी0जी0आई0 में 560 इमरजेन्सी बेड की व्यवस्था की गयी है और हिपेटाइटिस बी, सी के इलाज के लिए निःशुल्क जांच और इलाज की व्यवस्था की गयी है। यह व्यवस्था यदि सभी मेडिकल कालेजों में कर दी जाये तो इमरजेन्सी सेवाओं में और हिपेटाइटिस बी, सी के इलाज में बहुत मदद मिलेगी। मेरी सरकार से यह भी मांग है कि इमरजेन्सी सेवाओं के लिए एवं ट्रामा सेन्टरों में डाक्टरों की कमी को दूर करने के लिए इमरजेन्सी मेडिसिन में 200 से 300 अतिरिक्त पी0जी0 की सीट क्रिएट कर दी जाती है तो इस समस्या का हमेशा के लिए समाधान हो जायेगा। कृषि के क्षेत्र में 88000 करोड़ के ऊपर का बजट मिला है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी 87000 करोड़ के ऊपर का बजट मिला है। इण्डस्ट्रियल और बाजार की मांग के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए टाटा के सहयोग से 150 आई0टी0आई0 के अपग्रेडेशन का कार्य होगा। इसमें 35 हजार युवाओं को प्रतिवर्ष 72 तरह के व्यवसायिक प्रशिक्षण के लिए आई0टी0आई0 में दिया जायेगा इससे युवाओं का कौशल विकास होगा। पर्यटन रोजगार और विदेशी मुद्रा अर्जन का सबसे बड़ा माध्यम है। इससे चार लाख से ज्यादा रोजगार का सृजन होगा। मैं क्षेत्र के लिए बहुत कुछ नहीं मागूंगा इसके लिए माननीय योगी जी एवं वित्त मंत्री जी हैं। मैं विशेष मांग करूंगा जिस तरह से हर थानों में महिलाओं के लिए स्पेशल हेल्प डेस्क बनाई गयी है उसी तरह से हर थानों में बुजुर्गों के लिए हेल्प डेस्क बनाई जाये, ताकि वर्तमान परिवेश में उनको सम्मानजनक जीवन जीने का मौका मिल सके। मैं बजट पर अपनी पार्टी अपना दल की तरफ से बहन अनुप्रिया पटेल, योगी जी, मोदी जी एवं वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देकर अपनी वाणी को विराम देता हूं। धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

[08:32] याचिकाओं का उपस्थापन

श्री अध्यक्ष-

अब हम याचिकाएं लेंगे। श्री सचिन यादव (अनुपस्थित), डॉ0 अमित सिंह चौहान (उपस्थित) डॉ0 आर0 के0 पटेल (उपस्थित), डॉ0 डी0सी0 वर्मा (उपस्थित), डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा (उपस्थित), श्री राजेश्वर सिंह (अनुपस्थित), डा0 विनोद कुमार बिन्द (उपस्थित),

डॉ0 सुनील पटेल (उपस्थित), डॉ0 एम0पी0 आर्य (उपस्थित), श्री अजय सिंह (अनुपस्थित), श्री अतुल प्रधान (अनुपस्थित), श्री अनिल कुमार (उपस्थित), श्री अनिल प्रधान (उपस्थित), श्री अमिताभ बाजपेई (अनुपस्थित), श्री अरमान खान (उपस्थित)।

श्री सचिन यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री सचिन यादव, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद फिरोजाबाद, तहसील जसराना के ग्राम मेंम में सुरेश जी के घर से शौकीन जी के घर तक सी0सी0 मार्ग व नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शौकीन कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

2-जनपद फिरोजाबाद, तहसील जसराना के ग्राम न0 दान सहाय से मछरिया तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमरपाल सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

3-जनपद फिरोजाबाद, तहसील जसराना के ग्राम भवानी, विकास खण्ड हाथवन्त में भवानी से डेरा बंजारा तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हिर्देश कुमार एव अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

4-जनपद फिरोजाबाद, तहसील जसराना के ग्राम खेरिया पटीकरा में महेन्द्र वाल्मीक जी के घर से पदम मार्ग तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामनाथ शाक्य एवं अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका तथा

5-जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के अन्तर्गत ग्राम नउदी में गाँधी जी के घर से देवदत्त जी के घर तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामनाथ जी व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका।

डॉ0 अमित सिंह चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

डॉ0 अमित सिंह चौहान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद अयोध्या के तहसील सोहावल, विकास खण्ड मसौधा में पक्की सड़क से गड़रियन का पुरवा (अन्तपुर) (गन्ना विकास विभाग द्वारा 15 वर्ष पूर्व निर्मित) के पुनर्निर्माण/मरम्मत के सन्दर्भ में श्री जगदम्बा वर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद अयोध्या के सोहावल तहसील में तहसीनपुर लहरापुर किला कपासी बरवा मार्ग सम्पर्क मार्ग (ग्रामीण अभियन्ता विभाग) द्वारा 15 वर्ष पूर्व निर्मित के पुनर्निर्माण/मरम्मत के सन्दर्भ में श्री संजय चौबे एवं अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

3-जनपद अयोध्या के तहसील सोहावल अन्तर्गत ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग द्वारा 15 वर्ष पूर्व निर्मित राष्ट्रीय राजमार्ग से सखलौदी के पुनर्निर्माण/मरम्मत के सन्दर्भ में श्री राजवंश एवं अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

4-जनपद अयोध्या के ब्लाक व तहसील सोहावल अन्तर्गत ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा/जिला पंचायत द्वारा 15 वर्ष पूर्व निर्मित पंडितपुर से बरौली सम्पर्क मार्ग के पुनर्निर्माण/मरम्मत के सन्दर्भ में श्री सुरेंद्र कोरी एवं अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका तथा

5-जनपद अयोध्या के सोहावल तहसील अन्तर्गत विकास खण्ड मसौधा में ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग द्वारा 15 वर्ष पूर्व निर्मित हनुमत नगर भरतकुण्ड मार्ग से बिबियापुर के पुनर्निर्माण/मरम्मत के सन्दर्भ में श्री सत्य प्रकाश दुबे एवं अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका।

डॉ0 आर0 के0 पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर एवं जनपद भदोही से सम्बन्धित एक-एक याचिका†

डॉ0 आर0 के0 पटेल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद जौनपुर के वाराणसी-भदोही बार्डर पर कंधिया फाटक के पास 400 बीघा जमीन को स्पेशल इकोनॉमिक जोन स्थापित किये जाने हेतु औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) को ट्रान्सफर करने के सम्बन्ध में श्री आशीष सिंह व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

2-जनपद भदोही में निर्मित एक्सपो मार्ट के निर्माण में हुए भारी धन के घोटाले की जांच एवं दोषियों के खिलाफ कार्यवाही कराए जाने के सम्बन्ध में श्री तेज बहादुर यादव व अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका।

डॉ0 डी0 सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

डॉ0 डी0 सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम बिल्सा में रामस्वरूप के खेत से कमलेश के खेत तक नाली, सुरक्षा दीवार एवं सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धर्मेन्द्र कुमार वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज की ग्राम पंचायत बफरी बुजुर्ग के ग्राम काशीपुर में अवधेश गिरी के घर से ब्रम्हदेव बाबा के स्थान तक सुरक्षा दीवार का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अवधेश गिरी व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

3-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के मीरगंज-सिरौली मार्ग पर ताहिर काँटे से चुरई दलपतपुर आंगनबाड़ी केन्द्र तक डामरीकरण का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गोपाल कृष्ण गंगवार व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

4-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम तुरसा पट्टी में शाही-धौंरा रोड से प्राइमरी स्कूल तक सी0सी0 रोड एवं तालाब पर सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मोहन स्वरूप वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका तथा

5-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम चकदाह भगौतीपुर पुलिया से बाईपास तक पुलिया एवं खड़न्जा का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामपाल गंगवार व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका।

डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के अन्तर्गत ग्राम गलमाई का मुख्य मार्ग सतीश चन्द्र कठेरिया के घर से श्री वीरेन्द्र सिंह के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

2-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम पंचायत हरगनपुर में घाघऊ रोड पर रमेश के घर से नरेश के ट्यूबवेल तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री केशकान्ती यादव व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

3-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम पंचायत वासदेवपुर की ठार में सुजातगढ़ में डेरी के पास पक्की सड़क से महेश ठेकेदार के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री विरेन्द्र शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

4-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम वासठ में मुकेश के होटल से कन्हैया लाल के घर वासठ से ठार मुस्ताबाद तक सी0सी0 रोड निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री कन्हैया लाल व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

5-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम वासठ में फूल सिंह के घर से अन्त्येष्टि स्थल तक सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका।

श्री राजेश्वर सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री राजेश्वर सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर के अन्तर्गत सेक्टर-डी वृन्दावन योजना, लखनऊ के अन्तर्गत सेक्टर-7डी/119 से 7डी तक की नाली एवं सड़क का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धीरेन्द्र पाण्डेय, निवासी जनपद लखनऊ की याचिका,

2-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर के अन्तर्गत रुस्तम विहार कालोनी, नियर डायमण्ड कालोनी, गली नं0 3 नादरगंज में 150 मीटर सड़क एवं नाली के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जियाउलहक खान व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

3-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर के अन्तर्गत एल0डी0ए0 कालोनी, कानपुर रोड योजना के सेक्टर-आई एवं सेक्टर-जे में निर्मित पानी की टंकी का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री निर्मला सिंह व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका तथा

4-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर के अन्तर्गत नाई टोला चन्द्रा विहार खरिका तेलीबाग में रोड व सीवर लाइन बनवाने के सम्बन्ध में श्रीमती सुशीला सिंह व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका।

डॉ0 विनोद कुमार बिन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज एवं जनपद मिर्जापुर से सम्बन्धित एक-एक याचिका†

डॉ0 विनोद कुमार बिन्द, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-भारत के संविधान में अनुसूचित जाति की सूची में सूचीबद्ध मझवार समुदाय को परिभाषित कर उसकी पर्यायवाची जातियों केवट, मल्लाह आदि को मझवार जाति का प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में श्री लाल साहब एवं अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद मिर्जापुर के मेडिकल कालेज में सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवम निषाद एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका।

डॉ0 सुनील पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

डॉ0 सुनील पटेल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-387, रोहनियां के अन्तर्गत वार्ड कन्दवा में पंचकोशी रोड डिह बाबा मंदिर के पास से ममता मिश्रा के मकान तक सी0सी0 रोड या इण्टरलॉकिंग कार्य (लगभग 600 मीटर) के निर्माण के सम्बन्ध में श्री विमलेश पटेल एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

2-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-387, रोहनियां के अन्तर्गत रमना में पिच रोड से ठाकुर प्रसाद लालजी के घर तक सड़क (लगभग 400 मीटर) के निर्माण के सम्बन्ध में श्री अमित पटेल एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

3-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-387, रोहनियां के अन्तर्गत बच्छाव बाजार से छितौनी तालाब तक नाली (लगभग 700 मीटर) के निर्माण के सम्बन्ध में श्री बचाऊ पटेल एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका,

4-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-387, रोहनियां के अन्तर्गत बहरोनपुर चौराहा से अनिल राजभर के घर तक सड़क (लगभग 600 मीटर) के निर्माण के सम्बन्ध में श्री राम सकल पटेल एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका तथा

5-जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-387, रोहनियां के अन्तर्गत पंचकोशी मार्ग करोंदी में मुंशी पटेल के मकान से सरदार पटेल स्कूल होते हुए राकेश विश्वकर्मा के मकान तक सड़क (लगभग 200 मी0) के निर्माण के सम्बन्ध में श्री देव आशीष पटेल एवं अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका।

डॉ0 एम0 पी0 आर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

डॉ0 एम0 पी0 आर्य, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बरेली की तहसील नवाबगंज के अन्तर्गत आसपुर हसनअली से धर्मपुर तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरपाल गंगवार व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद बरेली की तहसील नवाबगंज के अन्तर्गत रिछोला चौकी नहर मार्ग से लभेड़ा नेशनल हाई-वे तक सड़क चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रेमपाल व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका।

श्री अजय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित 03 याचिकाएं तथा जनपद गोण्डा से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री अजय सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद बस्ती की विधान सभा क्षेत्र हर्रैया के अन्तर्गत श्रृंगीनारी विक्रमजोत टूटीभीटी मार्ग से अटल आवासीय विद्यालय से बसेवा राय मार्ग (लम्बाई लगभग 6.50 किमी0) का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हर्ष नन्दन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका,

2-जनपद बस्ती की विधान सभा क्षेत्र हर्रैया के अन्तर्गत सिकन्दरपुर मसकनवा मार्ग कुशमौर से मदनापुर, चौबेपुर, महेवा, सेहरिया होते हुए गोण्डा बार्डर (लम्बाई लगभग 4.350 किमी0) तक मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका,

3-जनपद बस्ती की विधान सभा क्षेत्र हर्रैया के अन्तर्गत ग्राम सभा मझाकित्ता अव्वल एवं माझा गडना में पीपे के पुल के स्थान पर पक्के पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आशुतोष सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका,

4-जनपद गोण्डा के तहसील करनैलगंज के अन्तर्गत मसौलिया, गौरा, नकहरा से होते हुए चचरी तक मार्ग को (ओ0डी0आर0) में सम्मिलित करके चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका तथा

5-जनपद गोण्डा के तहसील करनैलगंज के अन्तर्गत भौरीगंज, राजापुर, दुरौनी, तिवारी बाजार से वेनुआ तक मार्ग को (ओ0डी0आर0) में सम्मिलित करके चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अन्तर्गत ग्राम सकौती टाण्डा में रूहासा रोड पर नाले से टाण्डा रोड पर राजवीर सिंह के खेत तक खड़न्जा निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजवीर व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

2-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अन्तर्गत अन्दावली से श्यामपुर महल मार्ग व गड़ीना जमालपुर मार्ग से कुणडा तक मार्ग पर खड़न्जा निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवकुमार व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

3-जनपद मेरठ के फलावदा नगर से दिल्ली के लिये बस चलवाने के सम्बन्ध में श्री बाबर रिजवी व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

4-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अन्तर्गत ग्राम महल से अन्दावली मार्ग के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवकुमार व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका तथा

5-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अन्तर्गत खालिदपुर से बड़ागांव तक खड़न्जा निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेन्द्र प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका।

श्री अनिल कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री अनिल कुमार, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र के पुरकाजी के अन्तर्गत ग्राम कासमपुर के छपर सिमर्थी मार्ग राजवाहा की पुलिया से लेकर ग्राम कासमपुर तक क्षतिग्रस्त मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भीष्म कुमार व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

2-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी के अन्तर्गत ग्राम चरथावल रोड से कसियारा तक क्षतिग्रस्त मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जयवीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

3-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम मांडला में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील कुमार व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका।

श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद चित्रकूट से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र चित्रकूट सदर के अन्तर्गत वि0 ख0 पहाड़ी के ग्राम पंचायत पचोखर मजरा मझियार में श्रीकेशन यादव के घर से प्राथमिक विद्यालय मझियार (लम्बाई लगभग 300 मी0) तक सी0सी0 रोड एवं नाली नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती बिजली यादव व अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका,

2-जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र चित्रकूट सदर के अन्तर्गत वि0ख0 पहाड़ी के ग्राम पंचायत पचोखर में शिवचरन के घर से मेन रोड (लम्बाई लगभग 120 मी0) तक नाला निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती सविता देवी (ग्राम प्रधान) व अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका,

3-जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र चित्रकूट सदर के अन्तर्गत वि0ख0 कर्वी के ग्राम पंचायत परसौंजा में ओरन-बिसण्डा मार्ग से परसौंजा की तरफ (लम्बाई लगभग 600 मी0) सम्पर्क मार्ग उच्चीकृत एवं नाला निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कल्लू सिंह व अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका,

4-जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र चित्रकूट सदर के अन्तर्गत वि0ख0 पहाड़ी के ग्राम पंचायत अशोह में पचोखर मेन रोड से मातादीन यादव के घर तक सी0सी0 रोड एवं नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती मंटू देवी (ग्राम प्रधान) व अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका तथा

5-जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र चित्रकूट सदर के अन्तर्गत वि0 ख0 पहाड़ी के ग्राम पंचायत अशोह में सूरज यादव के घर से राममिलन यादव के घर तक इण्टरलॉकिंग खड़न्जा का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती मंटू देवी (ग्राम प्रधान) व अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्री अमिताभ बाजपेई, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री अमिताभ बाजपेई, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद कानपुर नगर के वार्ड-36 के अन्तर्गत अजीतगंज स्थित चाचा नेहरू पार्क में नलकूप लगवाये जाने एवं वार्ड-102 ईदगाह बेगमपुरवा में नलकूप को बदलवाने के सम्बन्ध में श्री जिब्रान उस्मानी, निवासी जनपद कानपुर नगर की याचिका तथा

2-जनपद कानपुर नगर में शूटर श्रेणी में शस्त्र लाइसेंस को जिलाधिकारी, कानपुर नगर द्वारा नियम विरुद्ध लम्बित रखने एवं रिजेक्ट करने के सम्बन्ध में श्री निवोदित सिंह, निवासी जनपद कानपुर नगर की याचिका।

श्री अरमान खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री अरमान खान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र-171, लखनऊ पश्चिम के अन्तर्गत हैदरगंज तृतीय वार्ड में ग्राम मुन्नू खेड़ा से ग्राम डाक्टर खेड़ा होते हुए तिकोनिया पुल तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमित कुमार यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

2-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र-171, लखनऊ पश्चिम के अन्तर्गत कन्हैया माधवपुर तृतीय वार्ड के ग्राम कुल्हड़कटा के पास स्थित नहर पर बनी पुरानी जर्जर व सँकरी पुलिया हटाकर नई पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

3-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र-171, लखनऊ पश्चिम क्षेत्र के न्यू हैदरगंज वार्ड में चन्द्रलोक कालोनी न्यू हैदरगंज पुलिया के निकट 2 पानी की टंकी के पास माता प्रसाद के प्लाट के पास बनी सड़क से पूजा यादव के घर तक सम्पर्क मार्ग व नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती शबनम नसीम एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

4-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र-171, लखनऊ पश्चिम के अन्तर्गत शिया कालोनी निकट प्रभातपुरम्, आलमनगर में वृद्धाश्रम से लेकर सैफी के घर के पास तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती शबीह फातिमा एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

5-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र-171, लखनऊ पश्चिम के अन्तर्गत राजाजीपुरम क्षेत्र के सबसे बड़े व्यवसायिक बाजार ई-ब्लाक में भूमिगत पार्किंग स्थल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सिराज खान एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका।

याचिकाओं का उपस्थापन (क्रमागत)

श्री अध्यक्ष-

श्री अशरफ अली खान (उपस्थित), श्री अशोक कुमार (उपस्थित), श्री ओम कुमार (अनुपस्थित), श्री कमलाकान्त राजभर (अनुपस्थित), श्री कविन्द्र चौधरी (उपस्थित), श्री गणेश चन्द्र (अनुपस्थित), श्री गौरव कुमार (उपस्थित), श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी) (उपस्थित), श्री चन्दन चौहान (अनुपस्थित), श्री चन्द्रपाल सिंह (उपस्थित), श्री चेतराम सिंह (अनुपस्थित), श्री बाबूलाल (उपस्थित), श्री छोटे लाल वर्मा (उपस्थित), श्री जय प्रकाश अंचल (उपस्थित), श्री जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द (उपस्थित), श्री जवाहर लाल राजपूत (उपस्थित), श्री जियाउद्दीन रिजवी (उपस्थित), श्री जियाउर्रहमान (उपस्थित), श्री जै किशन साहू (उपस्थित), श्री ज्ञानेन्द्र सिंह (उपस्थित), श्री त्रिभुवन दत्त (उपस्थित), श्री देवेन्द्र निम (उपस्थित), श्री देवेन्द्र सिंह (उपस्थित), श्री देवेन्द्र सिंह लोधी (उपस्थित), श्री पल्टूराम (उपस्थित), श्री प्रदीप कुमार चौधरी (उपस्थित), श्री पंकज कुमार मलिक (उपस्थित), श्री प्रदीप कुमार सिंह (उपस्थित), श्री प्रसन्न कुमार (उपस्थित), श्री प्रेम नरायन पाण्डेय (उपस्थित), श्री बम्बा लाल (उपस्थित), श्री ब्रजेश कुमार (उपस्थित), श्री बेचई सरोज (उपस्थित), श्री बेदी (उपस्थित), श्री मनीष रावत (उपस्थित), श्री महेन्द्र नाथ यादव (अनुपस्थित), श्री महेन्द्र (अनुपस्थित), श्री मूल चन्द्र सिंह (उपस्थित), श्री मो0 हसन 'रूमी' (उपस्थित), श्री मोहन वर्मा (उपस्थित), श्री मौ0 फहीम इरफान (उपस्थित), श्री योगेश शुक्ला (अनुपस्थित), श्री रमेश चन्द्र मिश्र (उपस्थित), श्री रमेश जायसवाल (उपस्थित), श्री रमेश (उपस्थित), श्री रविदास मेहरोत्रा (उपस्थित), श्री राज प्रसाद उपाध्याय (अनुपस्थित), श्री राजमणि (उपस्थित), श्री राजपाल सिंह बालियान (उपस्थित), श्री राजेन्द्र कुमार (उपस्थित), श्री राजेन्द्र सिंह पटेल (उपस्थित), श्री राम अचल राजभर (उपस्थित), श्री राम फेरन पाण्डेय (उपस्थित), श्री राम अवतार सिंह (उपस्थित), श्री रामरतन कुशवाहा (उपस्थित), श्री राहुल राजपूत (उपस्थित), श्री लकी यादव (अनुपस्थित), श्री लक्ष्मी राज सिंह (उपस्थित), श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह (उपस्थित)।

श्री अशरफ अली खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री अशरफ अली खान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद शामली के ग्राम हसनपुर लुहारी में मिलन बारात घर से होकर वाया जूनियर हाई स्कूल राजवाहे के पुल तक क्षतिग्रस्त सड़क लम्बाई लगभग 1 किमी0 का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में डा0 बरकतउल्ला व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद शामली के ग्राम ताना से पीर खेड़ा तक लगभग 2.5 किमी0 तक क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विकास व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

3-जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के वि0ख0 थानाभवन के ग्राम मंटी हसनपुर से यारपुर तक क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जय सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

4-जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के वि0ख0 थानाभवन के बाबरी मार्ग से बनती खेड़ा तक क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री इकबाल राव व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका तथा

5-जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र थानाभवन के वि0ख0 थानाभवन के ग्राम पलठेडी व गढ़ी अब्दुल्ला की सीमा से तीतरों बाईपास सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शेर मोहम्मद व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका।

श्री अशोक कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री अशोक कुमार, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद रायबरेली में ग्राम सभा दोस्तपुर बुढबारा, ब्लाक-छतोह में छोटे लाल मौर्या के घर से ओम प्रकाश के घर तक लगभग 285 मीटर मार्ग का निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री छोटे लाल मौर्या एवं अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

2-जनपद रायबरेली में ग्राम सभा लहुरेपुर, ब्लाक-सलोन में नारायणपुर मार्ग से काली माता मन्दिर तक लगभग 210 मीटर मार्ग का निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री लल्लन सरोज एवं अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

3-जनपद रायबरेली में ग्राम सभा घाटमपुर, ब्लाक-डीह में नहर के पुल से मनोज सिंह के दरवाजे तक लगभग 215 मीटर मार्ग का निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री मोनू लाल एवं अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

4-जनपद रायबरेली में ग्राम सभा परहरी, ब्लाक-सलोन में देवनाथ मौर्य के घर से संतोष सोनी के दरवाजे तक लम्बाई लगभग 250 मीटर मार्ग का निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री देवनाथ मौर्य एवं अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

5-जनपद रायबरेली में ग्राम सभा बरवलिया, ब्लाक-सलोन में रामीपुर कंचन के दरवाजे से रतिपाल के दरवाजे तक लम्बाई लगभग 250 मीटर मार्ग का निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती कंचन एवं अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका।

श्री ओमकुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री ओम कुमार, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद बिजनौर के ब्लाक हलदौर अन्तर्गत नुरपुर-बिजनौर हाई-वे से अट्टा पुट्टा मडौरा जट मार्ग तक सड़क निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में श्री वरूण प्रताप प्रधान एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

2-जनपद बिजनौर के ब्लाक हलदौर अन्तर्गत नुरपुर हाई-वे छजूपुरा से नसीरपुर नैनसिंह मार्ग तक सड़क निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में श्री हेमेन्द्र सिंह प्रधान एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका तथा

3-जनपद बिजनौर के ब्लाक हलदौर में कन्या इण्टर कालेज के निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेश एवं अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका।

श्री कमलाकान्त राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री कमलाकान्त राजभर, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद लखनऊ के फेजुल्लागंज, बलरामपुर, गाजीपुर स्थित माधव काम्प्लेक्स के बराबर वाली गली में खड़न्जे का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पंकज कुमार वर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका व्यपगत हुई।

श्री कविन्द्र चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री कविन्द्र चौधरी, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत पिपरहिया कोदई मार्ग से खरकादेवरी गांव (लम्बाई लगभग 02 किमी0) तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र चौहान, निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत गोपालपुर मार्ग से राजाजीत गांव (लम्बाई लगभग 02 किमी0) तक सड़क निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुख सागर चौहान, निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

3-जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत निपनिया गांव में विनोद चौधरी के घर से गोपालपुर मार्ग (लम्बाई लगभग 1.50 किमी0) तक सड़क निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद वर्मा, निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

4-जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत निपनिया चौराहे से शिवपुर गांव (लम्बाई लगभग 2 किमी0) तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री उमेश वर्मा, निवासी जनपद बस्ती की याचिका तथा

5-जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत बड़ी कोदई मार्ग से राजाजीत मार्ग (लम्बाई लगभग 1.5 किमी0) तक रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश कुमार, निवासी जनपद बस्ती की याचिका।

श्री गणेश चन्द्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद सन्तकबीरनगर से सम्बन्धित

05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री गणेश चन्द्र, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद सन्तकबीरनगर के ब्लॉक पौली के अन्तर्गत पीड़िया मार्ग से घोरांग रूस्तमपुर बस्ती सम्पर्क मार्ग का मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सर्वेश व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीरनगर की याचिका,

2-जनपद सन्तकबीरनगर के ब्लॉक पौली के अन्तर्गत रामपुमर बारहकौनी से सोनहन कोलहवां होते हुये बानपुर सम्पर्क मार्ग का मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राहुल तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीरनगर की याचिका,

3-जनपद सन्तकबीरनगर के ब्लॉक पौली के अन्तर्गत ग्राम गागरगाड सम्पर्क मार्ग से भुतहा सम्पर्क मार्ग तक पिच निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सत्य प्रकाश व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीरनगर की याचिका,

4-जनपद सन्तकबीरनगर के ब्लॉक पौली के अन्तर्गत तुफानी चौराहा से शिवा पार उदहा, हड़िया होते हुए गागरगाड सम्पर्क मार्ग का विशेष मरम्मत निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामअजोर कसोधन व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीरनगर की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

5-जनपद सन्तकबीरनगर के ब्लॉक हैंसर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिरसी में फायर स्टेशन का निर्माण पूरा कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शुभम पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीरनगर की याचिका।

श्री गौरव कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद बाराबंकी से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री गौरव कुमार, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बाराबंकी की विधान सभा क्षेत्र जैदपुर के ब्लाक मसौली में मसौली सफदरगंज मार्ग से सिकन्दरपुर क्षतिग्रस्त मार्ग लम्बाई 900 मी0 की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमर सिंह यादव व अन्य निवासीगण जनपद बाराबंकी की याचिका,

2-जनपद बाराबंकी की विधान सभा क्षेत्र जैदपुर के ब्लाक हरख में सतरिख-तीरगांव मार्ग से बासूखेड़ा तक लम्बाई लगभग 600 मी0 की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुलायम यादव व अन्य निवासीगण जनपद बाराबंकी की याचिका तथा

3-जनपद बाराबंकी की विधान सभा क्षेत्र जैदपुर के ब्लाक हरख में तीरगांव से खदराखोल तक लम्बाई 500 मी0 का नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जगदीश प्रसाद वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बाराबंकी की याचिका।

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद जालौन के 221-उरई विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत राजकीय मेडिकल कालेज में ट्रामा सेन्टर एवं कैंसर रिसर्च सेन्टर की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरूण गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

2-जनपद जालौन के 221-उरई विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत उरई नगर में शहर के बीचोंबीच अजनारी रेलवे फाटक पर उपरिगामी सेतु बनाये जाने के सम्बन्ध में डा0 गिरीष चतुर्वेदी व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

3-जनपद जालौन के 221-उरई विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत जालौन के नगरीय क्षेत्र में दूसरी चौकी की स्थापना के सम्बन्ध में श्री रामचन्द्र गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

4-जनपद जालौन के उरई विधान सभा क्षेत्र में जालौन नगर में राजकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा की अन्य कक्षाओं हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर/प्रोफेसरों की नियुक्ति कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रदुम्न द्विवेदी व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

5-जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र उरई के अन्तर्गत चुर्खी रोड से चिरगुवां जलालपुर जाने वाले रास्ते पर नुन नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री देवेन्द्र यादव व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका।

श्री चन्दन चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री चन्दन चौहान, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र-16, मीरापुर के वि0ख0 मोरना, ग्राम किशनपुर मदरसे से ग्राम तिस्सा तक मार्ग (ल0 लगभग 2.5 किमी0) क्षतिग्रस्त मार्ग का नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आबिद व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

2-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र-16, मीरापुर के वि0ख0 मोरना, ग्राम तेवड़ा में मंदिर से ग्राम खेकनी तक मार्ग (ल0 लगभग 3 किमी0) क्षतिग्रस्त मार्ग का नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मोहम्मद शमी व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

3-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र-16, मीरापुर के वि0ख0 जानसठ, ग्राम सलारपुर, पानीपत, खटीमा राजमार्ग पर ग्राम में स्थित स्वठप रोलिंग मील से शुक्रताल तक (ल0 लगभग 3 किमी0) क्षतिग्रस्त मार्ग का नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजू प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

4-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र-16, मीरापुर के वि0ख0 जानसठ, ग्राम टण्डेढा से निजामपुर मार्ग तक (ल0 लगभग 4 किमी0) क्षतिग्रस्त मार्ग का नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री खुर्रम व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका तथा

5-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र-16, मीरापुर के वि0ख0 मोरना के ग्राम भोकरहेड़ी सिकन्दपुर मार्ग से अथाई होते हुए भोपा तक (ल0 लगभग 3 किमी0) क्षतिग्रस्त मार्ग का नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कविन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ब्लाक डिबाई अन्तर्गत गाँव मौहम्मदपुर कलां में मेन रास्ता पोखर से बनवारी व राममूर्ति के मकान से होते हुए रिसेन्द्र सिंह के घर तक सड़क इण्टरलॉकिंग द्वारा नवनिर्मित करायी जाने के सम्बन्ध में श्री श्रीनिवास एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ब्लाक दानपुर अन्तर्गत प्राइमरी पाठशाला सुल्तानपुर बिलौनी से अनुमान चौराहा-नारायनपुर सम्पर्क मार्ग तक 400 मी0 मार्ग को आर0सी0सी0 या इण्टरलॉकिंग द्वारा नवनिर्मित किये जाने के सम्बन्ध में श्री महिपाल सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ब्लाक दानपुर के अन्तर्गत दानपुर-धर्मपुर मार्ग से रल्ला होते हुए प्रकाशपुर मार्ग तक 1500 मी0 डामरीकरण सड़क को नवनिर्मित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र डिबाई के अन्तर्गत गंगा किनारे स्थित गाँव राजघाट में राजवीर नाई के घर से कल्याण आश्रम तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नीलकमल व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ब्लाक दानपुर के अन्तर्गत डिबाई-धर्मपुर मार्ग से गाँव जरेना में मित्तल बहोरी के घर तक सड़क का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नानक चन्द्र लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्री चेतराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री चेतराम, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद शाहजहाँपुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत तहसील पुवायां से खुटार के मध्य गोमती नदी की सहायक मेसी नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रोहित कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद शाहजहाँपुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ब्लाक-बण्डा से ब्लाक-पुवायां की तरफ से होकर जाने वाली गोमती नदी की सफाई कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अखिलेश एवं अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका,

3-जनपद शाहजहाँपुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ब्लाक-खुटार अन्तर्गत ग्राम सिमरा वीरान में बड़ी गौशाला बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री भूपेन्द्र एवं अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका,

4-जनपद शाहजहाँपुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत डूडा द्वारा बनाये गये आवासों में व्याप्त भ्रष्टाचार की जाच के सम्बन्ध में श्री भूषण एवं अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका तथा

5-जनपद शाहजहाँपुर विधान सभा के क्षेत्र अन्तर्गत ब्लाक-सिधौली के अन्तर्गत ग्राम-चेनारूरिया में पुलिस चौकी स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भूषण एवं अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका।

श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद आगरा के ब्लाक-अकोला, ग्राम गहर्रा खुर्द पर फ्लाईओवर बनाने के सम्बन्ध में श्री भूरी सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका,

2-जनपद आगरा के ब्लाक अकोला के ग्राम कराहरा से गढ़ी विचित्रा होकर तालग्राम तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पुष्कर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका,

3-जनपद आगरा के ब्लाक अछनेरा ग्राम सकतपुर-रसूलपुर मार्ग से पाली सदर मार्ग तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पप्पू व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका,

4-जनपद आगरा के ब्लाक अकोला में खारी नदी पर जैगारा ग्राम पर फ्लाई ओवर बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री रणवीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका तथा

5-जनपद आगरा के ब्लाक अछनेरा के ग्राम अटूस से लोहकोरा ग्राम तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री तेजवीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्री छोटे लाल वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री छोटे लाल वर्मा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद आगरा के ब्लाक फतेहाबाद के फतेहाबाद रिहावली मार्ग उटंगन नदी पर पक्का पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लायक सिंह व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका,

2-जनपद आगरा के ब्लाक फतेहाबाद के फतेहाबाद निवोहरा मार्ग से भोगपुरा बाग उटंगन नदी से पिनाहट मार्ग पर पक्का पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेश वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका तथा

3-जनपद आगरा के ब्लाक शमशाबाद के अन्तर्गत आगरा शमशाबाद मार्ग से धमेंना मीरपुर मार्ग से गढ़ी रामसुख करोधना खुर्द, करोधना कला, टोढरा, गढ़ी रामफल, कुर्रा चित्तरपुर तक मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामकृष्ण व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका।

श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत श्रीनगर-दलछपरा मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश वर्मा निवासी जनपद बलिया की याचिका,

2-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत मानगढ़ पी0एम0जी0एस0वाई0 मार्ग से गोपाल नगर पंचायत भवन तक जर्जर मार्ग की विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राज प्रताप यादव निवासी जनपद बलिया की याचिका,

3-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के सोनबरसा में नवनिर्मित 100 बेड के अस्पताल को जनहित में अतिशीघ्र चालू कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दशरथ यादव निवासी जनपद बलिया की याचिका,

4-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत दत्तहा दिमागी चट्टी से नूरपुर रेखहां पी0एम0जी0एस0वाई0 मार्ग तक विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महाबीर चौधरी निवासी जनपद बलिया की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

5-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के अन्तर्गत दलन-छपरा रामपुर कोड़रहा बिहार बार्डर मार्ग का उच्चीकरण एवं चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द्रशेखर यादव निवासी जनपद बलिया की याचिका।

श्री जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद पीलीभीत के विधान सभा क्षेत्र-128, बरखेड़ा तहसील कली नगर के अन्तर्गत विकास खण्ड पूरनपुर आसाम रोड जरा चौराहे से नहर होते हुए रामनगर जगतपुर तक सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मिलाप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका,

2-जनपद पीलीभीत के विधान सभा क्षेत्र-128, बरखेड़ा तहसील कली नगर के अन्तर्गत विकास खण्ड पूरनपुर आसाम रोड सकरिया चौराहे से मथ्ना जप्ती माधौ डाटा तक सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री छवि सहोता व अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका,

3-जनपद पीलीभीत के विधान सभा क्षेत्र-128, बरखेड़ा तहसील पीलीभीत के अन्तर्गत विकास खण्ड मरौरी आसाम रोड माला मोड़ से रिछौला तक सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रितेश व अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका,

4-जनपद पीलीभीत के विधान सभा क्षेत्र-128, बरखेड़ा तहसील पीलीभीत के अन्तर्गत विकास खण्ड मरौरी गजरौला कस्बा के निकट कृषि महाविद्यालय निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय कुमार गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका तथा

5-जनपद पीलीभीत के विधान सभा क्षेत्र-128, बरखेड़ा तहसील पीलीभीत के अन्तर्गत विकास खण्ड बरखेड़ा में महिला महाविद्यालय निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरद्वारी लाल गंगवार व अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका।

श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव एवं झांसी से सम्बन्धित एक-एक याचिका†

श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद उन्नाव की पुरवा तहसील की ग्राम पंचायत-रामाअमरापुर में गाटा संख्या-1229 के पास भू-विनियमन के आधार पर अभिलेखीय नाली को विलोपित कर वर्तमान स्थिति

---

† छापी नहीं गयीं।

के अनुसार अभिलेखों में नाली अंकित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रशान्त कुमार वर्मा निवासी जनपद उन्नाव की याचिका तथा

2-जनपद झांसी के कस्बा मोंठ में राजकीय पालीटेक्निक कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री करन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका।

श्री जियाउद्दीन रिजवी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

श्री जियाउद्दीन रिजवी, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दरपुर के अन्तर्गत सिकन्दरपुर से कोथ सिकिया होते हुए देवकली तक सड़क का विशेष मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमर देव एवं अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका तथा

2-जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दरपुर के अन्तर्गत ग्राम टड़वा इकइल से रतसड़ मार्ग से सतड़सड़ ग्राम तक विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सच्चन यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका।

श्री जियाउर्रहमान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री जियाउर्रहमान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी के ग्राम सरकाड़ा खास ब्लाक मूढ़ा पाण्डे में एक (आई0टी0आई0) कालेज को संचालित करने के सम्बन्ध में श्री मो0 नईफ एवं अन्य निवासीगण जनपद मुरादाबाद की याचिका,

2-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी के ब्लाक मुडाणडे के ग्राम बीरपुर थाने में बिजली के तारों को बदलवाने के सम्बन्ध में श्री रीयाजुल एवं अन्य निवासीगण जनपद मुरादाबाद की याचिका,

3-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी में ग्राम मचघरिया से रोडा मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रीयाजुल एवं अन्य निवासीगण जनपद मुरादाबाद की याचिका तथा

4-जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी में ग्राम डिमरपुर से कुन्दरीक मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जियाउल हसन एवं अन्य निवासीगण जनपद मुरादाबाद की याचिका।

---

†छापी नहीं गयीं।

श्री जै किशन साहू, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

श्री जै किशन साहू, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद गाजीपुर के विकास खण्ड देवकली में नन्द्रगंज से शादियाबाद तक सड़क का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमन जायसवाल व अन्य निवासगणी जनपद गाजीपुर की याचिका तथा

2-जनपद गाजीपुर के विकास खण्ड सदर गाजीपुर के अन्तर्गत फललनपुर रेलवे गेट से ग्राम भिरनापुर तक क्षतिग्रस्त सड़क एवं नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गुड्डू यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका।

श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद महराजगंज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद महराजगंज के विधान सभा क्षेत्र पनियरा के अन्तर्गत ग्राम सभा डोमरा के पास पनियरा नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुभाष विश्वकर्मा व अन्य निवासीगण जनपद महाराजगंज की याचिका,

2-जनपद महराजगंज विधान सभा क्षेत्र पनियरा में भुवना पकडियार कप्तानगंज मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री श्रीपति सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद महाराजगंज की याचिका,

3-जनपद महराजगंज विधान सभा क्षेत्र पनियरा के मध्य नई तहसील घोषित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय कुमार द्विवेदी एवं अन्य निवासीगण जनपद महराजगंज की याचिका,

4-जनपद महराजगंज विधान सभा क्षेत्र पनियरा में जर्दी डोमरा अकटहवा लाला बडहरा बंधा को (पक्की सड़क) नवनिर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरेन्द्र सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद महराजगंज की याचिका तथा

5-जनपद महराजगंज विधान सभा क्षेत्र पनियरा में रोहिन नदी के बंधे पर जल निकासी हेतु नरकटहा बंधा पर पम्प लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री अभय सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद महराजगंज की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्री त्रिभुवन दत्त, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री त्रिभुवन दत्त, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड जहांगीरगंज में राजेसुल्तानपुर जहांगीरगंज मुख्य मार्ग पर ग्राम भभौरा में रामपति यादव के घर से दक्षिण ग्राम जगदीशपुर कादीपुर राम अवध गौतम के घर तक शून्य से लेपन/पिच सम्पर्क मार्ग कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमरजीत यादव निवासी जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका,

2-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड रामनगर के न्योरी मुख्य मार्ग पर ग्राम झखरवारा में श्री राम प्रजापति के घर से ग्राम शिवतारा तक मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रेम सागर प्रजापति निवासी जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका,

3-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड रामनगर के बसखारी जहांगीरगंज मुख्य मार्ग पर ग्राम आरोपुर में राम जनम बाबा के घर के पीछे नहर की पटरी होते हुए ग्राम खतमीपुर तक मार्ग का सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दयाराम गौतम व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका,

4-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड रामनगर के अमोला गोविन्द साहब एन0एच0-233 (अ0जि0मा0) मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम सुरेश निवासी जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका तथा

5-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड रामनगर के हंसवर आरोपुर मार्ग (अ0जि0मा0) का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम प्रवेश निवासी जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका।

श्री देवेन्द्र कुमार निम, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री देवेन्द्र कुमार निम, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद सहारनपुर में नशरतपुर से मधुनुकी सम्पर्क मार्ग खड़न्जा को काली/सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका,

2-जनपद सहारनपुर में गंगोह रोड से बितिया तक राजवाहे पटरी सम्पर्क मार्ग मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महावीर सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

3-जनपद सहारनपुर में पहाड़पुर से नगली महनाज सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री विकास नंगली एवं अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका।

श्री देवेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित याचिका†

श्री देवेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज के सदर के अन्तर्गत ग्राम गोयती में लोक निर्माण विभाग से सी0सी0 कार्य (300 मी0) कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विद्याराम, निवासी जनपद कासगंज की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा के क्षेत्र के स्याना ग्राम बुकलाना में लखपत के घर से बाँके के घर से तिराहे तक सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री देवेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र के स्याना ग्राम डरोली में देवेन्द्र के मकान से अजीत ठेकेदार के मकान तक 100 मी0 सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजकुमार वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

3-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र के स्याना के अन्तर्गत गढ़िया बादशाहपुर में देवेन्द्र के घर से प्रताप सिंह के घर तक लम्बाई लगभग 100 मी0 सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सोमवीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्री पल्टूराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलरामपुर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री पल्टूराम, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बलरामपुर पुलिस लाइन में बाउण्ड्रीवाल व इण्टरलॉकिंग लाइटिंग एवं मुख्य द्वार/रेजिडेन्स द्वारा/गेस्ट हाउस द्वार का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेश मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका,

2-जनपद बलरामपुर नगर मुख्यालय स्थित एक मात्र पार्क (तुलसी पार्क) का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रीतपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

3-जनपद बलरामपुर मुख्यालय पर सर्किट हाउस/गेस्ट हाउस का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बृजेन्द्र तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका।

श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र-65 के अन्तर्गत ग्राम अजीतपुर में रास्ता निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री घनश्याम कंसल व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र-65 के अन्तर्गत ग्राम गुठावली खुर्द में रास्ता निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र-65 के अन्तर्गत ग्राम ग्यासपुर में रास्ता निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजकुमार सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र-65 के अन्तर्गत ग्राम ज्ञानलोक कॉलोनी मऊखेड़ा में रास्ता निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लोकेश शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र-65 के अन्तर्गत ग्राम ज्ञानलोक कॉलोनी मऊखेड़ा में रास्ता के निर्माण के सम्बन्ध में श्री कालू चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर, विधान सभा क्षेत्र चरथावल, ग्राम-रोनी हाजीपुर से हरनाकी सड़क मार्ग लम्बाई लगभग 02 किमी0 मार्ग को मरम्मत करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री मेहताब एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हाथरस से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री प्रदीप कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद हाथरस के विकास खण्ड सादाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत ताजपुर सादाबाद में जर्जर चिकित्सा केन्द्र की मरम्मत/पुनर्निर्माण कराये जाने एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद कुमार व अन्य निवासीगण जनपद हाथरस की याचिका,

2-जनपद हाथरस के विकास खण्ड सादाबाद के अन्तर्गत ग्राम गढ़ी गुभानी से ग्राम धानोटी ऊँचागांव मार्ग होते हुए ग्राम जुगसना रजवाही की पटरी तक जर्जर मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चोव सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हाथरस की याचिका,

3-जनपद हाथरस के विकास खण्ड सादाबाद के अन्तर्गत ग्राम ताजपुर से कुम्हरई तक जर्जर मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हाथरस की याचिका,

4-जनपद हाथरस के विकास खण्ड सादाबाद के अन्तर्गत ग्राम सरोठा से नगला मदारी (मालवीय नगर) राजवाहा की पटरी तक जर्जर मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री उम्मेंद सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हाथरस की याचिका तथा

5-जनपद हाथरस के विकास खण्ड सादाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत विसावर में एक स्थायी गौशाला का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रजनीश चाहर व अन्य निवासीगण जनपद हाथरस की याचिका।

श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री प्रसन्न कुमार, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद शामली के विकास खण्ड शामली के ग्राम लॉक में कन्या डिग्री कॉलेज बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री सतेन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

2-जनपद शामली के विकास खण्ड कांधला के ग्राम गंगेरू रोड से जाबिर पुत्र मीना के मकान तक (लगभग 02 किमी0) मार्ग का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हम्माद व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

3-जनपद शामली के वि0ख0 कांधला के ग्राम-मिमला से मतनावली प्राथमिक विद्यालय तक मार्ग का पुनः निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विश्वास व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका,

4-जनपद शामली के वि0ख0 कांधला के ग्राम पंचायत-गंगेरू में कन्या डिग्री कालेज बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री इजराइल व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका तथा

5-जनपद शामली के वि0ख0 शामली के आई0टी0आई0 कालेज बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री बीर सिंह मलिक व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका।

श्री प्रेम नरायन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री प्रेम नरायन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के विकास खण्ड तरबगंज में घोरहराघाट पक्की सड़क से खानपुर के मध्य घोघरा नाले पर लघु सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आर0डी0 तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

2-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत अत्यधिक आवागमन वाला मार्ग गोड़वा पक्की सड़क से थड़क्की पट्टी सम्पर्क मार्ग का सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ब्रज माधव व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

3-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा कोडर में स्थित महर्षि पतांजलि जन्म स्थली को पर्यटन स्थली के रूप में सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विपिन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

4-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा अमदही में स्थित राम घार मुनि आश्रम को पर्यटन स्थल के रूप में सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कमलेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका तथा

5-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के विकास खण्ड बेलसर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मुकुन्दपुर में विजनेश प्लान 2019-20 के अन्तर्गत 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र की स्थापना हेतु देवीपाटन में लम्बित प्राक्कलन पर धन आवंटित कराकर निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हीरा सिंह मधुर व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड सफीपुर के ग्राम सभा मऊ मंसूरपुर में सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री उमाशंकर व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

2-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड मियागंज के ग्राम पंचायत चकबरेसर के मजरा डालखेड़ा में पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजाराम व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

3-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड सफीपुर के ग्राम सभा खैरी चन्द्रला में इण्टर कालेज का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक विमल व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

4-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड सफीपुर के ग्राम सभा बीजीमऊ में सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बेचेलाल व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

5-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड सफीपुर के ग्राम सभा ओसिया के मजरा गोबई में सी0सी0 रोड व नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रमेश व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

श्री बृजेश कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री बृजेश कुमार, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद उन्नाव की विधान सभा क्षेत्र मोहान के अन्तर्गत ग्राम मौला बाकीपुर से पंचमखेड़ा होते हुये रायखेड़ा जाजमऊ तक व उलरापुर मल्झा होते हुये मोहान-मलिहाबाद सम्पर्क मार्ग तक सड़क निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पप्पू सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

2-जनपद उन्नाव की विधान सभा क्षेत्र मोहान के अन्तर्गत तहसील हसनगंज व ब्लॉक नवाबगंज के कतिपय मार्गों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राघवेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

3-जनपद उन्नाव की विधान सभा क्षेत्र मोहान के अन्तर्गत नवी निवाजी खेड़ा से मखदुमपुर चूरमा (लम्बाई लगभग 1.75 किमी0) तक व कतिपय क्षेत्रों में सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

4-जनपद उन्नाव की विधान सभा क्षेत्र मोहान के अन्तर्गत ब्लॉक औरास के बयारीगांव से हसनपुर तक व कतिपय क्षेत्रों में सड़क निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

5-जनपद उन्नाव की विधान सभा क्षेत्र मोहान के अन्तर्गत विकास खण्ड हसनगंज के गज्जफ्फरनगर से ग्राम सभा बरौना तक व कतिपय क्षेत्रों में सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

श्री बेचई सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री बेचई सरोज, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज की ग्राम पंचायत सलेमपुर में उदन्ती नदी पर बांध बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री राजकुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका,

2-जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा खनियरा के राजभर बस्ती में 500 मीटर सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरविन्द राजभर एवं अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका,

3-जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत मुड़हर-सराय मोहन मार्ग के बगल में ग्राम पंचायत शंकरपुर कनोना में 500 मीटर आर0सी0सी0 रोड बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री अभिषेक उर्फ सोनू एवं अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका,

4-जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा मई खरगपुर में सड़क पर जलभराव से निजात पाने के लिए 500 मीटर नाला बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री लाल बहादुर राम एवं अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका तथा

5-जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत ग्राम असवनियां, खरगीपुर व कुड़िहर में शारदा सहायक खण्ड 23 से लिंक अधूरे माइनर का निर्माण कराकर पानी गांगी नदी तक पहुंचाने के सम्बन्ध में श्री राम शंकर एवं अन्य निवासीगण जनपद आजगढ़ की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्री बेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री बेदी, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जखनियां के विकास खण्ड-सादात में बाबा गजाधर दास इण्टर कालेज कौड़ा डढ़वल गाजीपुर से बाबा साहेब भीम स्मारक पार्क पिच रोड तक विशेष मरम्मत कार्य करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री मदन एवं अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

2-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जखनियां के विकास खण्ड-जखनियां के जखनियां से भुडकुड़ा होते हुए आजमगढ़ तक विशेष मरम्मत कार्य एवं अन्य कतिपय मरम्मत कार्य करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री मदन एवं अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

3-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जखनियां के विकास खण्ड-सादात में बहरियाबाद में पानी टंकी से भरतपुर होते हुए आजमगढ़ सीमा तक मार्ग चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य एवं अन्य कतिपय मरम्मत कार्य करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री कमलेश यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका तथा

4-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जखनियां के बिजहरी में उदन्ती नदी पर छलका पुल तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य के सम्बन्ध में श्री रामकेश एवं अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका।

श्री मनीष रावत, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर से सम्बन्धित 03 तथा जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 01 याचिका†

श्री मनीष रावत, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद सीतापुर के विधान सभा क्षेत्र सिधौली के धरांवा में एक राजकीय इण्टर कालेज बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद सीतापुर की याचिका,

2-जनपद सीतापुर में गोमती नदी एवं सरायन नदी के गिरते जल स्तर एवं बढ़ते प्रदूषण से मुक्ति दिलवाने के लिये गोमती नदी में जमा गाद एवं जलकुम्भी हटाने के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद सीतापुर की याचिका,

3-जनपद सीतापुर के विधान सभा क्षेत्र सिधौली के नीलगाँव में पशुपालन विभाग की 771 हेक्टेयर अनुपजाऊ कृषि फार्म भूमि पर विशाल कान्हा गौशाला का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद सीतापुर की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

4-जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र फाफामऊ के कठअउआ पुल से पटना उच्च प्राथमिक विद्यालय तक जर्जर सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बाबू लाल साहू व अन्य निवासीगण जनपद सीतापुर की याचिका।

श्री महेन्द्र नाथ यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री महेन्द्र नाथ यादव, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद बस्ती के ग्राम-भुअर निरंजनपुर, पोस्ट गांधी नगर में सुशील पाल के घर से अगनू के घर तक का रास्ता बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री अशोक कुमार चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका,

2-जनपद बस्ती के ग्राम-गदहाखोर तिराहे से प्रेम नाथ उपाध्याय के घर तक का रास्ता बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रेम नाथ उपाध्याय व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका,

3-जनपद बस्ती के मोहल्ला-महरीखांवा, पोस्ट गांधीनगर में स्थित सुरेश पांडे के घर से होते हुए राजेश मिश्रा के घर तक का रास्ता बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश पांडेय व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका तथा

4-जनपद बस्ती के मोहल्ला-बेलवाडांडी, पोस्ट गांधी नगर में स्थित फरूख ए आजम पब्लिक स्कूल से साहिवान अली के घर तक का रास्ता बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री साहिवान अली व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका।

श्री महेन्द्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री महेन्द्र, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद अमरोहा के विकास खण्ड रहरा के ग्राम जल्लोपुर, तहसील हसनपुर में गांव से शिव नारायण के खेत तक खड़न्जा/काली सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धीरज व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका व्यपगत हुई।

श्री मूल चन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री मूलचन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद जालौन के तहसील माधौगढ़ के अन्तर्गत ग्राम अतरौली के पास पहूंज नदी पर रपटा निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मंगल सिंह सेंगर व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद जालौन के तहसील माधौगढ़ के अन्तर्गत ग्राम नावली-सुस्करा के मध्य पहूज नदी पर पीपे का पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संतराम व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

3-जनपद जालौन के तहसील माधौगढ़ के अन्तर्गत ग्राम वावली (ब्लॉक कुठौंड) में मिनी स्टेडियम का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रशांत कश्यप व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

4-जनपद जालौन के तहसील कोंच के अन्तर्गत ग्राम बेड़ा से ऊंचा सम्पर्क मार्ग पर क्षतिग्रस्त पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कल्याण सिंह व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका तथा

5-जनपद जालौन के तहसील कोंच के अन्तर्गत नहर पटरी से चमरसेना मार्ग का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गजराज सिंह व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका।

श्री मो0 हसन 'रूमी', सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री मो0 हसन 'रूमी', सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर के ग्राम पतुलकी मौजा-अरवल की आराजी सं0-363 में तह0 बल्दीराय, जिला सुल्तानपुर के दबंग उप प्रधान के पुत्रों व भाई के पुत्रों के नाम अवैध ढंग से किये गये वृक्षारोपण का पट्टा निरस्त किये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश कुमार, निवासी जनपद कानपुर नगर की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

श्री मोहन वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद कुशीनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री मोहन वर्मा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा के अन्तर्गत ग्राम सभा अजीजनगर में बनारसी के घर से श्री हनुमान मन्दिर तक आर0सी0सी0 (100 मी0) सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री बनारसी व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका,

2-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा के अन्तर्गत ग्राम सभा अनन्तपुर में दयाराम प्रजापति के घर से ओमप्रकाश सिंह के घर तक आर0सी0सी0 (400 मी0) सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री दयाराम प्रजापति व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका,

3-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा के अन्तर्गत ग्राम सभा पट्टन में रामकृपाल सिंह के दरवाजे से राम बसावन शर्मा के घर तक आर0सी0सी0 (50 मी0) सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री राम कृपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

4-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा के अन्तर्गत ग्राम सभा गनौरिया में रोशन वर्मा के घर से व्यास सिंह के घर होते हुए रामस्वरूप मिश्रा के घर तक आर0सी0सी0 (400 मी0) सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री रामस्वरूप मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका तथा

5-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा के अन्तर्गत ग्राम सभा पैकौली लाला में त्रिभुवन मिश्रा के घर से वनचरा जाने वाली पिच तक इण्टरलॉकिंग (160 मी0) सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री त्रिभुवन मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका।

श्री मौ0 फहीम इरफान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुरादाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री मौ0 फहीम इरफान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद मुरादाबाद की तहसील बिलारी के अन्तर्गत ग्राम बगपुरा तिराहे से ग्राम नस्सू मार्ग तक सड़क (लगभग 1 किमी0) निर्माण के सम्बन्ध में श्री मोहर व अन्य निवासीगण जनपद मुरादाबाद की याचिका,

2-जनपद मुरादाबाद की तहसील बिलारी के अन्तर्गत ग्राम थांवला से ग्राम गुलड़िया तक सड़क (लगभग 800 मी0) निर्माण के सम्बन्ध में श्री मौ0 फहीम व अन्य निवासीगण जनपद मुरादाबाद की याचिका,

3-जनपद मुरादाबाद की तहसील बिलारी के अन्तर्गत ग्राम खजरा में प्राइमरी स्कूल से अब्दुल मजीद के मकान तक सड़क (लगभग 200 मी0) निर्माण के सम्बन्ध में श्री अब्दुल मजीद व अन्य निवासीगण जनपद मुरादाबाद की याचिका,

4-जनपद मुरादाबाद की तहसील बिलारी के ग्राम कलालखेड़ा उर्फ शहजादखेड़ा में मकान तक सड़क बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री मोबीन पुत्र छिद्दा खां, जनपद मुरादाबाद की याचिका तथा

5-जनपद मुरादाबाद की तहसील बिलारी के ग्राम नरूखेड़ा से ग्राम बनियाठेर तक सड़क बनाये जाने के सम्बन्ध में हर्षबाबू, जनपद मुरादाबाद की याचिका।

श्री योगेश शुक्ला, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री योगेश शुक्ला, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद लखनऊ के चिनहट क्षेत्र के अन्तर्गत मटियारी-फैजाबाद रोड से सीता मिष्ठान व भारत भवन होते हुए डूडा कालोनी

---

† छापी नहीं गयीं।

को जाने वाले सम्पर्क मार्ग का अतिक्रमण हटाकर चौड़ीकरण कराने के सम्बन्ध में श्री लवकुश मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका व्यपगत हुई।

श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत कवेली व बहुर के मध्य पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद मौर्या व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

2-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत दुगौली खुर्द व मरगुपुर के मध्य पीली नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामजीत गौतम व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

3-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत रारीकलां-अगरैरा के मध्य लघु सेतु/पैन्टून पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमर चौहान व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

4-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत प्रा0 विद्यालय श्री कृष्णानगर जूनियर हाई स्कूल व कतिपय क्षेत्रों के जर्जर भवनों का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संतोष निषाद व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

5-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर में हिम्मतपुर-रूपचन्दपुर के मध्य नाले पर बाक्स कलवर्ट का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रमन निषाद व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका।

श्री रमेश जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद चन्दौली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री रमेश जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम सभा अलीनगर वार्ड नं0-16 नहर के बाएं तरफ हरिजन बस्ती से छलका तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बब्बन सिंह चौहान व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

2-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम सभा गुवास में मेन रोड से काली माता मन्दिर तक इण्टरलॉकिंग व नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राज कुमार व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

3-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम पंचायत हसनपुर के ग्राम मछरियाँ में गंगा बिन्द के मकान से पप्पू हरिजन के मकान तक इण्टरलॉकिंग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम डिहल व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

4-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम सभा लौंदा में झारखण्डी के खेत व ट्यूबवेल के नाली से रामाशंकर कनौजिया के घर तक सी0सी0 रोड व नाली के निर्माण के सम्बन्ध में श्री बब्बन सिंह चौहान व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका तथा

5-जनपद चन्दौली में विकास खण्ड नियामताबाद के ग्राम पंचायत रोहड़ा में मुलई के घर से जैश्री के घर तक आर0सी0सी0 का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री इन्द्रजीत व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका।

श्री रमेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री रमेश, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र शाहगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड सुइथकला, ग्राम पंचायत सारी जहाँगीरपट्टी स्थित लखनऊ-बलिया मार्ग से कटघर बाजार होते हुए रामनगर-भगासा मार्ग तक कटघर माइनर की पटरी पर पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम सकल व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

2-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र शाहगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड सुइथकला, ग्राम पंचायत से घमहकपुरा बिंद बस्ती होते हुए रामनगर-भगासा मार्ग तक सुइथकला माइनर की पटरी पर पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम आसरे प्रजापति व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

3-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र शाहगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड सुइथकला, ग्राम पंचायत शमसुद्दीनपुर में अल्लीपुर पिच रोड से मियांपुर पाल बस्ती होते हुए शारदा सहायक खण्ड-36 बड़ी नहर तक पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भूपेश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

4-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र शाहगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड सुइथकला, ग्राम पंचायत शमसुद्दीनपुर में अल्लीपुर पिच रोड से शारदा नहर तक जमुनिया माइनर की पटरी पर पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अक्षय लाला बिंद व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

5-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र शाहगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड सुइथकला, ग्राम पंचायत सारी जहाँगीरपट्टी में हुसेनाबाद रजवाहा स्थित सारी पुल से अनुसूचित बस्ती तक पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय प्रकाश व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका।

श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ मध्य के अन्तर्गत मनोज पाण्डे चौराहे से पत्रकारपुरम् चौराहे होते हुए हुसड़िया तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनुल्द्दीन अहमद व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

2-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ मध्य के अन्तर्गत सिटी स्टेशन रोड से रफेआम क्लब रोड के पीछे रोड तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुफियान अहमद व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

3-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ मध्य के अन्तर्गत अमीनाबाद के राजेन्द्रनगर मोड़ से सीतापुर सिटी ब्रांच मार्ग होते हुए गुरु गोविंद सिंह मार्ग हनुमान मंदिर तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मोहम्मद तारिक व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

4-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ मध्य के अन्तर्गत लाप्लास कालोनी मार्ग पर लगी इण्टरलॉकिंग टाइल्स का उच्चीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शरद यादव व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका तथा

5-जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ मध्य के अन्तर्गत कैसरबाग कोतवाली के पीछे से बस अड्डे चौराहे तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री तौसीफ अंसारी व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका।

श्री राज प्रसाद उपाध्याय, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री राज प्रसाद उपाध्याय, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद सुल्तानपुर के विधान सभा क्षेत्र सदर स्थित सिंचाई खण्ड-16 का अतिथि गृह की विशेष मरम्मत कराए जाने के सम्बन्ध में श्री दुर्गेश मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद सुल्तानपुर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद सुल्तानपुर के विधान सभा क्षेत्र सदर में लखनऊ-बलिया राजमार्ग पर स्थित बरौसा बाजार में बस डिपो बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री ऋषि शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद सुल्तानपुर की याचिका तथा

3-जनपद सुल्तानपुर के विधान सभा क्षेत्र कादीपुर के 33/11 विद्युत उपकेन्द्र रतनपुर को 132 बनी से जोड़े जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार व अन्य निवासीगण जनपद सुल्तानपुर की याचिका।

श्री राजमणि, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 04 याचिकाएं तथा भदोही से सम्बन्धित 01 याचिका †

श्री राजमणि, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र कोरांव के ग्राम सभा बढ़वारी खुर्द में विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रोहिण प्रसाद पाण्डेय, निवासी जनपद प्रयागराज की याचिका,

2-जनपद प्रयागराज के तहसील कोरांव में नाली की खुदाई एवं निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुमित कुमार पाण्डेय, निवासी जनपद प्रयागराज की याचिका,

3-जनपद प्रयागराज के तहसील मेंजा के ग्राम बडिडहा में नाले पर रपटे का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिव बदन शुक्ल, निवासी जनपद प्रयागराज की याचिका,

4-जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र कोरांव में ग्राम टुड़ियार में पुल का मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नन्द कु0 मिश्र, निवासी जनपद प्रयागराज की याचिका तथा

5-जनपद भदोही के सुरियाँवा विकास खण्ड के पूरेसनाथ (सनाथपुर ग्राम) में इण्टरलॉकिंग सड़क व नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बटेश्वर नाथ पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद भदोही की याचिका।

श्री राजपाल सिंह बालियान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री राजपाल सिंह बालियान, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना के विकास खण्ड बुढ़ाना के हिण्डन नदी पुल से ग्राम-आदमपुर बाईपास नहर के पुल तक 4 किमी0 क्षतिग्रस्त मार्ग का नव

---

† छापी नहीं गयीं।

निर्माण/विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजीव एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

2-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना के विकास खण्ड बुढ़ाना के ग्राम-मुण्डभर के पुल से ग्राम सिसौली तक क्षतिग्रस्त मार्ग का नव निर्माण/विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री फूल सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

3-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना के विकास खण्ड बुढ़ाना के ग्राम-गढ़ी नौआबाद से भौराकला तक क्षतिग्रस्त मार्ग का नव निर्माण/विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका,

4-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना के विकास खण्ड बुढ़ाना के ग्राम-पंचायत दुर्गनपुर में एलम-बिराल मार्ग से हरिया-खेड़ा कमरुद्दीन उर्फ (सैनपुर) मार्ग तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राधेश्याम एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका तथा

5-जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना के विकास खण्ड बुढ़ाना के ग्राम-भौराकला नहर पुल से ग्राम कुराव तक राजवाहे नहर पटरी का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अंकुर बालियान एवं अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका।

श्री राजेन्द्र कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री राजेन्द्र कुमार, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद प्रतापगढ़ में विकास खण्ड-सदर अन्तर्गत चमनगंज से सराय महिमा सम्पर्क मार्ग दूरी लगभग 1.5 किमी0 का मरम्मत कार्य शीघ्र कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संदीप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद प्रतापगढ़ की याचिका,

2-जनपद प्रतापगढ़ में विधान सभा क्षेत्र-248, के ग्रामीण अंचलों में रेल मार्ग पर जगशेरगंज कान्धरपुर कोंहडौर क्रासिंग पर अन्डरपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सच्चिदानन्द मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद प्रतापगढ़ की याचिका,

3-जनपद प्रतापगढ़ में विधान सभा क्षेत्र-248, के ग्रामीण अंचलों में आवागमन हेतु रेल मार्ग पर ग्राम-नरहरपुर में फैजाबाद-प्रतापगढ़ रेल मार्ग के पिलर सं0 85/8 व 85/9 के मध्य स्थित क्रासिंग पर अण्डरपास कार्य शीघ्र कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सच्चिदानन्द मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद प्रतापगढ़ की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

4-जनपद प्रतापगढ़ में विकास खण्ड-सण्डवा चण्डिका अन्तर्गत चन्दीपुर रोड से महावीर पाल मण्डल अध्यक्ष के घर तक सम्पर्क मार्ग का मरम्मत कार्य शीघ्र कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महावीर पाल व अन्य निवासीगण जनपद प्रतापगढ़ की याचिका तथा

5-जनपद प्रतापगढ़ में विकास खण्ड-सण्डवा चण्डिका अन्तर्गत चन्दीपुर रोड से कृपाल गुन्टी होते हुए प्राथमिक विद्यालय संग्रामपुर तक सम्पर्क मार्ग दूरी लगभग 1.00 किमी0 का मरम्मत कार्य शीघ्र कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महावीर पाल व अन्य निवासीगण जनपद प्रतापगढ़ की याचिका।

श्री राजेन्द्र सिंह पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री राजेन्द्र सिंह पटेल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद फतेहपुर, ग्राम देवमई व विकास खण्ड देवमई को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री अरूण शुक्ला एवं अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका,

2-जनपद फतेहपुर, ग्राम देवमई में राजकीय महिला महाविद्यालय बनाने के सम्बन्ध में श्री अरूण शुक्ला एवं अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका,

3-जनपद फतेहपुर, ग्राम अमौली व विकास खण्ड अमौली को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री साहब सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका,

4-जनपद फतेहपुर, ग्राम अमौली में बालिका इण्टर कालेज बनाने के सम्बन्ध में श्री राम भक्त वर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका तथा

5-जनपद फतेहपुर, तहसील बिन्दकी, ग्राम दपसौरा से इटरा वाया बनीताला जनपद फतेहपुर में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क बनाने के सम्बन्ध में श्री शिवा कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका।

श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित 04 याचिकाएं तथा जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित 01 याचिका†

श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर अन्तर्गत स्थित न्यू सिटी हास्पिटल के आगे से (पिचमार्ग) से विजय राजभर (बहादीपुर) घर तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क

---

† छापी नहीं गयीं।

मार्ग का मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दुर्जन राजभर एवं अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका,

2-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर अन्तर्गत स्थित ग्राम सभा मीरमलूमपुर सी0सी0 रोड से रमेश के घर तक सी0सी0 नाले का निर्माण जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दुखराम एवं अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका,

3-जनपद गाजीपुर के विकास खण्ड-देवकली विधान सभा क्षेत्र-374, सैदपुर अन्तर्गत स्थित ग्राम सभा कोलवर सागर पाल के खेत से अम्बिका राजभर के खेत तक 3 विद्युत पोल एवं तार, 25 के0वी0ए0 ट्रान्सफार्मर निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अम्बिका राजभर एवं अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

4-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर अन्तर्गत स्थित ग्राम सभा भगवानपुर हरीराम के खेत से राजाराम की दुकान तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुखराम एवं अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका तथा

5-जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड-अकबरपुर अन्तर्गत स्थित ग्राम सभा कुढा मोहम्मदगढ़ बाजार से जोखना निषाद के घर तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री इन्द्रजीत शर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका।

श्री राम फेरन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद श्रावस्ती से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री राम फेरन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत कटरा-मथुरा सम्पर्क मार्ग से लपेटन सिंह के घर तक मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द शेखर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका,

2-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत एन0एच0-730 से सोनरई गांव तक पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भूपेन्द्र कुमार पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

3-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत इकौना बीरपुर सम्पर्क मार्ग से छोटी नहर किनारे होते हुए गुरदास यादव के घर तक आर0सी0सी0 का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गुरदास यादव व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका,

4-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत इकौना के कटरा मथुरा मार्ग पर भक्कू मड़िया तालाब से शिव मन्दिर होते हुए महेठ की सीमा तक पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री स्वामीनाथ दूबे व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका तथा

5-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड गिलौली के अन्तर्गत कटरा मेन रोड से धर्मपुर तक पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रीमा सिंह व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका।

श्री राम अवतार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री राम अवतार सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत रूपपुर बरखेड़ा मार्ग से बीरमपाल सिंह के घर से बेरखेड़ा स्योहारा मार्ग तक सड़क निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बीरमपाल व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

2-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत स्योहारा मुरादाबाद रोड से नहर की पटरी होते हुए ग्राम सैनी (लम्बाई लगभग 3.35 किमी0) तक सड़क मरम्मत का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजमल व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

3-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत नूरपुर से स्योहारा मार्ग नहर की पटरी होते हुए ग्राम मिट्ठेपुर तक (लम्बाई लगभग 3.35 किमी0) सड़क मरम्मत का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश प्रजापति व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

4-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत छजलैट मार्ग से झीरन मार्ग (लम्बाई लगभग 04 किमी0) तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

5-जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नूरपुर के अन्तर्गत रहपन-मेवाजट-कुमरिया मार्ग से रहपनपुर मोड़ से बहलौलपुर मार्ग (लम्बाई लगभग 3.2 किमी0) तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शकील अहमद व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका।

श्री रामरतन कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद ललितपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री रामरतन कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद ललितपुर के विधान सभा क्षेत्र-226 के विकास खण्ड तालबेहट के ग्राम खैराडांग में देवदाना नाला पर रपटा/चेकडैम के निर्माण के सम्बन्ध में श्री अवधेश व अन्य निवासीगण जनपद ललितपुर की याचिका,

2-जनपद ललितपुर के विधान सभा क्षेत्र-226 के विकास खण्ड जखौरा के ग्राम गेंचवारा में खरखडी नाला पर रपटा/चेकडैम के निर्माण के सम्बन्ध में श्री फूल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद ललितपुर की याचिका,

3-जनपद ललितपुर के विधान सभा क्षेत्र-226 के विकास खण्ड जखौरा के ग्राम महरौनी खुर्द में नलघाट नाला पर रपटा/चेकडैम के निर्माण के सम्बन्ध में श्री उत्तम सिंह राजपूत व अन्य निवासीगण जनपद ललितपुर की याचिका,

4-जनपद ललितपुर के विधान सभा क्षेत्र-226 के विकास खण्ड विरधा के ग्राम बरौदा विजलौन में घुंसी नाला पर रपटा/चेकडैम के निर्माण के सम्बन्ध में श्री मुन्ना तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद ललितपुर की याचिका तथा

5-जनपद ललितपुर के विधान सभा क्षेत्र-226 के विकास खण्ड तालबेहट के ग्राम पिपरई में उडवा नाला पर रपटा/चेकडैम के निर्माण के सम्बन्ध में श्री राजकुमार व अन्य निवासीगण जनपद ललितपुर की याचिका।

श्री राहुल राजपूत ''राहुल लोधी'', सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री राहुल राजपूत ''राहुल लोधी'', सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड खीरों के अन्तर्गत अकोहरिया में गया प्रसाद के घर से राम बहादुर कुशवाहा के घर (लम्बाई लगभग 250 मी0) तक इण्टरलॉकिंग और नाली

---

† छापी नहीं गयीं।

निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमित कुमार व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

2-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड खीरों के अन्तर्गत ग्राम पाहों में सुरेश पासी के घर से ग्राम फत्तेखेड़ा तक सड़क का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश पासवान व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

3-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड खीरों के अन्तर्गत ग्राम सगुनी मोड़ से अवसेरीखेड़ा नहर पटरी तक सड़क का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वेद प्रकाश लोधी व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका,

4-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतांव के अन्तर्गत ग्राम स्वामी खेड़ा में चौराहे से केदार लोधी के घर तक दूरी 250 मी0 तक इण्टरलॉकिंग और नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवरतन लोधी व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका तथा

5-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतांव के अन्तर्गत आर0जी0के0एस0के0 मार्ग के मलिकमऊ चौबारा तक दूरी 2 किमी0 डामरीकरण रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामबहादुर पासवान व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका।

श्री लकी यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री लकी यादव, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद जौनपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड सिकरारा में क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सजल यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

2-जनपद जौनपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड सिकरारा में जौनपुर-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग से पकड़ी चौराहा से हसरौली चौराहा होते हुए खमपुर तिराहा होते हुये बबुरा, बक्शा, तेजीबाजार क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राज बहादुर यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

3-जनपद जौनपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड करंजाकला में छबीलेपुर, बैजारापुर मार्ग पर कोलाहलगंज बाजार से हमजापुर बाजार होते हुए जेठपुर, जौरपुर मल्हनी क्षतिग्रस्त सड़क का नवीनीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जयहिन्द यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

4-जनपद जौनपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड करंजाकला में मल्हनी-जौनपुर रोड पर महेन्द्र यादव के घर के सामने शंकरपुर पोखरा तक क्षतिग्रस्त सड़क का नवीनीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हेमन्त यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

5-जनपद जौनपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड करंजाकला में मल्हनी-नरौली मार्ग से सलहदीपुर हिन्दीबघैला, हरिजन बस्ती होते हुए बेलाव पुल तक क्षतिग्रस्त सड़क का नवीनीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जमुना प्रसाद यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका।

श्री लक्ष्मी राज सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री लक्ष्मी राज सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत खुर्जा-सिकन्दराबाद मार्ग पर ग्राम चाला प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से बंचावली-बहोरावास सम्पर्क मार्ग तक डामर रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पिताम्बर प्रजापति व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम गिरधरपुर नबादा में स्थित श्मशान घाट सम्पर्क मार्ग पर इण्टरलॉकिंग एवं सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सूरजपाल व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम कनकपुर (नगला) में स्थित श्मशान घाट का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम बरमंदनगर में स्थित श्मशान घाट की चहारदीवारी एवं सौन्दर्यीकरण कराने के सम्बन्ध में श्री देवेन्द्र विधूड़ी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

5-जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के अन्तर्गत ग्राम अजयनगर में स्थित श्मशान घाट के सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ईश्वर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद खीरी से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद खीरी के विकास खण्ड मोहम्मदी के अन्तर्गत ग्राम राजापुर बेनी मार्ग से बेलहरा चौराहे से दुबहा तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में श्री वैभव प्रताप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद खीरी के विकास खण्ड मोहम्मदी के अन्तर्गत बढेरा-भंगेली मार्ग से भंगेली होते हुए शिशोरा नकेड़ा चौराहे एन0एच0-730ए रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुशील त्रिवेदी व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका,

3-जनपद खीरी के विकास खण्ड मोहम्मदी में स्थित अपर सत्र न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के बैठने हेतु अधिवक्ता शेड बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री विवेक शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका,

4-जनपद खीरी के विकास खण्ड मोहम्मदी के अन्तर्गत नगर पंचायत बरबर में गाँधी नगर वार्ड में स्थित तालाब का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आदित्य चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका तथा

5-जनपद खीरी के विकास खण्ड मोहम्मदी में अग्निशमन केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री नितीश कुमार सिंह व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका।

याचिकाओं का उपस्थापन (क्रमागत)

श्री अध्यक्ष-

श्री वाचस्पति (अनुपस्थित), श्री विकास गुप्ता (अनुपस्थित), श्री विवेक कुमार वर्मा (उपस्थित), श्री विशम्भर सिंह यादव (अनुपस्थित), श्री वीर विक्रम सिंह (अनुपस्थित), श्री श्याम सुन्दर (उपस्थित), श्री श्रीकान्त कटियार (उपस्थित), श्री संग्राम सिंह (उपस्थित), श्री संदीप सिंह (उपस्थित), श्री समरपाल सिंह (अनुपस्थित), श्रीमती सरोज सोनकर (उपस्थित), श्री सर्वेश सिंह (अनुपस्थित), श्री सुरेन्द्र चौरसिया (अनुपस्थित), श्री सौरभ श्रीवास्तव (उपस्थित), श्री स्वामी ओउ्मवेश (अनुपस्थित), श्री हंसु राम (अनुपस्थित), श्री हरिओम वर्मा (उपस्थित), श्री हरीश चन्द्र (उपस्थित), श्रीमती ओममणी वर्मा (उपस्थित), श्रीमती गीता शास्त्री (पासी) (अनुपस्थित), श्रीमती गुड़िया कठेरिया (अनुपस्थित), श्रीमती मीनाक्षी सिंह (अनुपस्थित), श्रीमती विजमा यादव (अनुपस्थित), श्रीमती सरोज कुरील (उपस्थित), श्रीमती सलोना कुशवाहा (अनुपस्थित), श्रीमती अनुपमा जायसवाल (उपस्थित), श्री हरेन्द्र सिंह (उपस्थित), श्री महेश त्रिवेदी (उपस्थित), श्री सुरेन्द्र मैथानी (उपस्थित)।

जो सदस्य सदन में उपस्थित हैं उनकी याचिकायें उपस्थित हुई मानी जायेंगी।

श्री वाचस्पति, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री वाचस्पति, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद प्रयागराज के ब्लाक कौंधियारा के अन्तर्गत ग्राम निरौंधा व कतिपय स्थानों पर सोलर लाइट लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री इन्द्रसेन यादव व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद प्रयागराज के ब्लाक शंकरगढ़ के ग्राम धरा में शंकर जी के मन्दिर के पास व कतिपय स्थानों पर सोलर लाइट लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री बृजेश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

3-जनपद प्रयागराज के ब्लाक शंकरगढ़ के ग्राम अमिलिया तरहार में शारदा देवी इण्टर कालेज व कतिपय स्थानों पर सोलर लाइट लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री शिव कुमार निषाद व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

4-जनपद प्रयागराज के बारा विधान सभा क्षेत्र में जसरा ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम टिकरी में माँ शीतला देवी चौराहे पर सोलर लाइट के सम्बन्ध में श्री वेद प्रकाश शर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका तथा

5-जनपद प्रयागराज के बारा विधान सभा क्षेत्र में जसरा ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम कूडी में आदिवासी बस्ती में सोलर लाइट के सम्बन्ध में श्री विनोद गोस्वामी एवं अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका।

श्री विकास गुप्ता, सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री विकास गुप्ता, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद फतेहपुर के अयाहशाह के अन्तर्गत कस्बा गाजीपुर से औगासी-चित्रकूट मार्ग में बाई पास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका तथा

2-जनपद फतेहपुर के अयाहशाह के ग्राम सभा महम्मदपुर के ब्लॉक बहुआ में ए0एन0एम0 सेन्टर की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शशिभूषण व अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका।

श्री विवेक कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री विवेक कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद पीलीभीत के ब्लाक-बीसलपुर अन्तर्गत पीलीभीत रोड पर स्थित बारा पत्थर से कितनापुर सम्पर्क मार्ग की छूटी कड़ी का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजीव गंगवार एवं अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका,

2-जनपद पीलीभीत के ब्लाक-बिलसण्डा/बीसलपुर में स्टेडियम की स्थापना के सम्बन्ध में श्री अमित अग्रवाल एवं अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

3-जनपद पीलीभीत के ब्लाक-बिलसण्डा के अन्तर्गत ग्राम बमरौली स्थित महुआताल को पर्यटक स्थल बनाने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका,

4-जनपद पीलीभीत के ब्लाक-बिलसण्डा के अन्तर्गत ग्राम इलाबास देवल को पर्यटक स्थल बनाने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप कुमार एवं अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका तथा

5-जनपद पीलीभीत के ब्लाक-बीसलपुर पीलीभीत रोड पर स्थित रम्पुरा चौराहे से श्मशान भूमि तक सड़क बनाने के सम्बन्ध में श्री हर्षित शर्मा एवं अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका।

श्री विशम्भर सिंह यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद बांदा से सम्बन्धित

04 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री विशम्भर सिंह यादव, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद बांदा के विधान सभा क्षेत्र-233, बबेरू के ग्राम मरका में मरका से कमासिन रोड पर मरका बस्ती के अन्दर नाले में बने रपटा को उच्चीकृत कर पुल बनाने के सम्बन्ध में श्री मुलायम सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका,

2-जनपद बांदा के विधान सभा क्षेत्र-233, बबेरू में जाम से निजात दिलाने के लिए बबेरू बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम किशोर यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका,

3-जनपद बांदा के विधान सभा क्षेत्र-233, बबेरू में कढार पम्प कैनाल का निर्माण सिंह वाहिनी देवी मन्दिर लखनपुर से कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम किशोर यादव एवं अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका तथा

4-जनपद बांदा के विधान सभा क्षेत्र-233, बबेरू के ग्राम सिमौनी में गडरा नाले पर बने रपटे को उच्चीकृत कर पुल निर्माण के सम्बन्ध में श्री लप्पू प्रजापति एवं अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका।

श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित

05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद शाहजहांपुर के विकास खण्ड जैतीपुर में ग्राम गोगेपुर से लोचन-नगरा होते हुए मधुपुरी तक कच्चे मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जगदीश राठौर व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद शाहजहांपुर के विकास खण्ड जैतीपुर में लोचन-नगरा मार्ग से जाटव गौटिया तक कच्चे मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अशोक व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

3-जनपद शाहजहांपुर के विकास खण्ड जैतीपुर-गोगेपुर-गढ़ियारंगीन मार्ग से सुनौरा रमपुरा तक कच्चे मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जगदीश राठौर व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

4-जनपद शाहजहांपुर के विकास खण्ड जैतीपुर में खेड़ा-बझेड़ा-गढ़ियारंगीन मार्ग से भरतापुर तक कच्चे मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जगवीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका तथा

5-जनपद शाहजहांपुर के विकास खण्ड मदनापुर में ग्राम रसीदपुर में सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री जयवीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका।

श्री श्याम सुन्दर, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

श्री श्याम सुन्दर, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड महराजगंज, विधान सभा क्षेत्र बछरावां के अन्तर्गत अलीपुर से हैदरगढ़-महराजगंज तक पक्की रोड की मरम्मत करवाए जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका तथा

2-जनपद रायबरेली के विकास खण्ड शिवगढ़, विधान सभा क्षेत्र बछरावां के अन्तर्गत शिवगढ़-महराजगंज रोड श्री गंगा सिंह के घर से पूरे छत्ता सिंह खड़न्जा तक पक्की रोड बनवाए जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका।

श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के अन्तर्गत ग्राम गौरईया खुर्द में प्राथमिक पाठशाला की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुकेश पाल व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

2-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अटवा में प्राथमिक विद्यालय की बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जयपाल सिंह पटेल व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

3-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अमीरपुर नेवादा माइनर सम्पर्क मार्ग से जूनियर हाई स्कूल होते हुये शारदा नहर तक मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ज्ञानेन्द्र तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

4-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड बांगरमऊ की ग्राम पंचायत मवई घनश्याम के मजरा गहिरा में राजकीय नलकूप लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री जगदीश पासी व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

5-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड बांगरमऊ की ग्राम पंचायत चहलहा में छंगालाल खेड़ा से हुलासी खेड़ा तक नवीन डामरीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दिवाकर वर्मा प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

श्री संग्राम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री संग्राम सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बलिया के विकास खण्ड सोहांव के अन्तर्गत धर्मापुर मटही बन्धे से शाहापुर तक सम्पर्क मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री राजकुमार यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

2-जनपद बलिया के विकास खण्ड सोहांव के अन्तर्गत धर्मापुर चट्टी से ग्राम सभा कारो सम्पर्क मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री चुनमुन व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

3-जनपद बलिया के विकास खण्ड सोहांव के अन्तर्गत आई0टी0 बन्धे से ग्राम सभा इच्छा चौबे का पुरा सम्पर्क मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री चेतन यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

4-जनपद बलिया के अन्तर्गत नगर पंचायत रतसर (बाबातर) से ग्राम सभा छतवां तक सम्पर्क मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराने के सम्बन्ध में श्री अनिल गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका तथा

5-जनपद बलिया के नगर पंचायत चितबड़ागांव के बिजली के तार को बदलने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्री संदीप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री संदीप सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड उरुवा के अन्तर्गत ग्राम सभा सूकाठ नहर में सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रमा शंकर पटेल, निवासी जनपद प्रयागराज की याचिका,

2-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड उरुवा के अन्तर्गत ग्राम सभा नीबी कुकुरटवा से ओनौर बिन्द बस्ती में इन्टरलॉकिंग सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शशिकान्त बिन्द व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

3-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड उरुवा के अन्तर्गत ग्राम सभा राम नगर के रौजा बारी से ग्राम सभा समोगरा के पटेल बस्ती तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संदीप यादव व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

4-जनपद प्रयागराज के तहसील मेजा के विकास खण्ड उरुवा के ग्राम सभा सोनबरसा में सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में श्री किशोरी लाल व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका तथा

5-जनपद प्रयागराज के तहसील मेजा के मेजा खास से भगवती प्रसाद महाविद्यालय तक इण्टरलॉकिंग सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में श्री सतेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका।

श्री समरपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री समरपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद अमरोहा की विधान सभा क्षेत्र नौगावां सादात के अन्तर्गत ग्राम भैड़ा भरतपुर से करौंदी तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुखवीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका,

2-जनपद अमरोहा की विधान सभा क्षेत्र नौगावां सादात के अन्तर्गत ग्राम खेड़ा अपरोला में बाजार तालाब तक सी0सी0 रोड व नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मौलाना कमरूद्दीन व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

3-जनपद अमरोहा की विधान सभा क्षेत्र नौगावां सादात के अन्तर्गत ग्राम मकदूमपुर में अल्पसंख्यक और मलिन बस्ती में सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनीस व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका,

4-जनपद अमरोहा की विधान सभा क्षेत्र नौगावां सादात के अन्तर्गत ग्राम पैतीकलां में अमरोहा रोड से पैती होते हुए वाजिदपुर तक सड़क के मरम्मत व चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री इमरान व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका तथा

5-जनपद अमरोहा की विधान सभा क्षेत्र नौगावां सादात के अन्तर्गत ब्लॉक हसनपुर में अतरासी-अमरोहा रोड से ग्राम के चौक होते हुए विपिन कुमार के मकान तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विपिन कुमार व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका।

श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बहराइच की तहसील मिहींपुरवा मोतीपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत उर्रा में खेलो इण्डिया खेलो के तहत स्टेडियम निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नीरज पोरवल व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

2-जनपद बहराइच की तहसील मिहींपुरवा मोतीपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोतीपुर में बालिका इण्टर कालेज का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमित बाल्मीकि व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

3-जनपद बहराइच की तहसील मिहींपुरवा मोतीपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोतीपुर में एक रोडवेज बस स्टैण्ड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पंकज गिरी व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

4-जनपद बहराइच की तहसील मिहींपुरवा के अन्तर्गत ग्राम सभा सर्राकला के भादापुर में 02 किमी0 ठोकर निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में श्री ब्रजेश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका तथा

5-जनपद बहराइच की तहसील मिहींपुरवा के अन्तर्गत ग्राम सभा झाला से गिरजवा मन्दिर तक लम्बाई लगभग 03 किमी0 सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आशाराम व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्री सर्वेश सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री सर्वेश सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद फिरोजाबाद की विधान सभा क्षेत्र सिरसागंज के अन्तर्गत ब्लॉक मदनपुर के ग्राम आलीपुर से बालादीन की ठार तक सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कृष्ण गोपाल व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

2-जनपद फिरोजाबाद की विधान सभा क्षेत्र सिरसागंज के अन्तर्गत ब्लॉक मदनपुर के ग्राम सभा लोहरई में अन्त्येष्टि स्थल बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री गिरीश चन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

3-जनपद फिरोजाबाद की विधान सभा क्षेत्र सिरसागंज के अन्तर्गत ब्लॉक मदनपुर के ग्राम सभा फतेहपुर नसीरपुर में सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में डा0 मुकेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

4-जनपद फिरोजाबाद की विधान सभा क्षेत्र सिरसागंज के अन्तर्गत ब्लॉक मदनपुर के ग्राम सभा फतेहपुर नसीरपुर में बारात घर बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री राम नरायण व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका तथा

5-जनपद फिरोजाबाद की विधान सभा क्षेत्र सिरसागंज के अन्तर्गत ब्लॉक मदनपुर के ग्राम सभा फतेहपुर नसीरपुर में अन्त्येष्टि स्थल बनवाये जाने के सम्बन्ध में डा0 मुकेश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका।

श्री सुरेन्द्र चौरसिया, सदस्य, विधान सभा की जनपद देवरिया से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री सुरेन्द्र चौरसिया, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद देवरिया के विधान सभा क्षेत्र रामपुर कारखाना के अन्तर्गत बड़हरा-धनौती-सिधुवा मार्ग का विशेष मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमित यादव व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद देवरिया के विधान सभा क्षेत्र रामपुर कारखाना अन्तर्गत पगरा उर्फ परसिया से कब्रिस्तान होते हुए घटैला मार्ग का नव निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में श्री पवन चौरसिया व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया की याचिका।

श्री सौरभ श्रीवास्तव, सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित याचिका†

श्री सौरभ श्रीवास्तव, सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी के बजरडीहा वार्ड के अन्तर्गत देवपोखरी नामक जलाशय की पक्की पैमाइश करवाये जाने व अतिक्रमण हटवाये जाने के सम्बन्ध में श्री श्याम आसरे मौर्य व अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

श्री स्वामी ओउम्वेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री स्वामी ओउम्वेश, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद बिजनौर के विकास खण्ड नूरपुर के अन्तर्गत ग्राम मुराहट से ग्राम सीमला तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री उधम सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका,

2-जनपद बिजनौर के विकास खण्ड जलीलपुर के अन्तर्गत ग्राम बसन्तपुर आश्रम से एस0एस0 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसन्तपुर तक डामरयुक्त सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका तथा

3-जनपद बिजनौर के विकास खण्ड हल्दौर के अन्तर्गत ग्राम गावड़ी से ग्राम पिलाना तक डामरयुक्त सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चौ0 कैलाश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका।

श्री हंसु राम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री हंसु राम, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद बलिया के भिन्ड से सिघौली तक ब्लाक सीयर, तहसील बेल्थरा रोड, जनपद बलिया के लगभग 05 किमी0 जर्जर रोड के निर्माण के सम्बन्ध में श्री प्रकाश राजभर एवं अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद बलिया के नगरा तुर्तीपार मार्ग पर तिरनई से रामपुर होते हुए तेलमा जमालुद्दीनपुर तक ब्लाक सीयर, तहसील बेल्थरा रोड, जनपद बलिया के लगभग 03 किमी0 जर्जर रोड के निर्माण के सम्बन्ध में श्री अजय राजभर एवं अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

3-जनपद बलिया के बरौली से रामपुर असढ़िया तक ब्लाक नगरा, तहसील बेल्थरा रोड, जनपद बलिया के लगभग 06 किमी0 जर्जर रोड के निर्माण के सम्बन्ध में श्री शैलेन्द्र राजभर एवं अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका,

4-जनपद बलिया के बलिया-सोनौली मार्ग से साहब लाल के घर होते हुए वहाटपुर तक ब्लाक सीयर, तहसील बेल्थरा रोड, जनपद बलिया के लगभग 2.5 किमी0 जर्जर रोड के निर्माण के सम्बन्ध में श्री शैलेन्द्र राजभर एवं अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका तथा

5-जनपद बलिया के शाहपुर शहीदवाडे से मोलनापुर प्रा0वि0 तक ब्लाक सीयर, तहसील बेल्थरा रोड, जनपद बलिया के लगभग 04 किमी0 जर्जर रोड के निर्माण के सम्बन्ध में श्री अजय राजभर एवं अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका।

श्री हरिओम वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री हरिओम वर्मा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र-101, अमापुर के बरसोड़ा से चौराहा तक मार्ग पर सी0सी0 कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शैलेन्द्र एवं अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका,

2-जनपद कासगंज विधान सभा क्षेत्र-101, अमापुर के अमापुर अतरंजी खेड़ा मार्ग से नगला खार तक मार्ग पर नाला व सी0सी0 निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुनेन्द्र एवं अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका,

3-जनपद कासगंज विधान सभा क्षेत्र-101, अमापुर के ग्राम भरतपुर में हेतराम कश्यप के घर से जगदीश चन्द्र साहू की झोपड़ी तक मार्ग पर सी0सी0 निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हेतराम एवं अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका तथा

4-जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र-101, अमापुर के ग्राम रानामऊ में अमापुर मोहनपुर मार्ग से हरिवंश के घर तक मार्ग पर सी0सी0 निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रवीन एवं अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्री हरीश चन्द्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद बदायूं से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री हरीश चन्द्र, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद बदायूं के विधान सभा क्षेत्र बिल्सी में ग्राम अठगौना मंदिर सराय मुडिया खागी तक सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रघुराज व अन्य निवासीगण जनपद बदायूं की याचिका तथा

2-जनपद बदायूं के विधान सभा क्षेत्र बिल्सी में ग्राम दीनापुर चौराहे से मुडसान तक सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील शाक्य व अन्य निवासीगण जनपद बदायूं की याचिका।

श्रीमती ओममणी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बांदा से सम्बन्धित 04 याचिकाएं †

श्रीमती ओममणी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बांदा के नगर पंचायत ओरन में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अविनाश चौरसिया व अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका,

2-जनपद बांदा के ग्राम पंचायत फतेहगंज में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में विशेषज्ञ डाक्टरों की तैनाती के सम्बन्ध में श्री रवि शिवहरे व अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका,

3-जनपद बांदा के ग्राम पंचायत सढ़ा में राजकीय इण्टर कालेज की स्थापना के सम्बन्ध में श्री प्रदीप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका तथा

4-जनपद बांदा के ग्राम पंचायत सिंहपुर माफी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद बांदा की याचिका।

श्रीमती गीता शास्त्री (पासी), सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्रीमती गीता शास्त्री (पासी), सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद प्रयागराज के ग्राम पंचायत देवरिया के पसियापुर दलित बस्ती में 10 के0वी0 ट्रांसफार्मर के स्थान पर 25 के0वी0 का ट्रांसफार्मर लगाये जाने के सम्बन्ध में श्री राम कृपाल व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद प्रयागराज के ग्राम पसियापुर के गौरियान टोला में विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रवि कुमार व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

3-जनपद प्रयागराज के ग्राम शहबाजपुर (बभनौटी) में 50 के0वी0 ट्रांसफार्मर के साथ विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जमुना प्रसाद व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

4-जनपद प्रयागराज के ग्राम छीतेमऊ उर्फ बाजितपुर में होरीलाल के घर से शिव मंदिर तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरिश्चन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका तथा

5-जनपद प्रयागराज के ग्राम पंचायत वृसिंहपुर उर्फ अलीपुर में राजेन्द्र उर्फ ननकऊ के घर से नौगीरा बार्डर होते हुए रामकुमार यादव के घर के पास से तिलई रोड तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल कुमार व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका।

श्रीमती गुड़िया कठेरिया, सदस्य, विधान सभा की जनपद औरैया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्रीमती गुड़िया कठेरिया, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद औरैया के अन्तर्गत अनन्तपुर में सेंगर नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री इन्द्रपाल व अन्य निवासीगण जनपद औरैया की याचिका,

2-जनपद औरैया के अन्तर्गत वृद्धावस्थाश्रम का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री इन्द्रपाल व अन्य निवासीगण जनपद औरैया की याचिका,

3-जनपद औरैया के अन्तर्गत बस स्टैण्ड औरैया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राहुल शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद औरैया की याचिका,

4-जनपद व तहसील औरैया के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मई के मजरा नौरी में प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालय का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरपाल सिंह, निवासी जनपद औरैया की याचिका तथा

5-जनपद औरैया के अन्तर्गत ग्राम मढ़ापुर में कन्या इण्टर कॉलेज का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामाधार, निवासी जनपद औरैया की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के अरनिया ब्लॉक के गांव करौरा में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय से सन्त आश्रम-सैनी मन्दिर तक रास्ता (650 मी0) बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री जय प्रकाश शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

2-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के ग्राम अरनिया मंसूरपुर के पास बने नाले पर पुल बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री विजयपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

3-जनपद बुलन्दशहर की तहसील खुर्जा के एन0आर0ई0सी0 महाविद्यालय में एन0सी0सी0 का प्रशिक्षण पुनः प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजीव पाठक व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्रीमती विजमा यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्रीमती विजमा यादव, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद प्रयागराज के अन्तर्गत विविध मार्गों पर पुलों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अशोक अंजान, निवासी जनपद प्रयागराज की याचिका, व्यपगत हुई।

श्रीमती सरोज कुरील, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्रीमती सरोज कुरील, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद कानपुर नगर के अन्तर्गत ब्लॉक भीतरगांव में टेक होम राशन न्यूट्रीमिक्स टी0एच0आर0 प्लाण्ट स्थापित कर संचालित कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती दिव्यांशी देवी व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

2-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर के अन्तर्गत ग्राम जमालपुर से मिहिरअलीपुर तक छूटी हुई कड़ी का शून्य स्तर से लेकर लेपन स्तर तक डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कपिल तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

3-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा कोरों में कन्या विद्यालय स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रहलाद सिंह व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

4-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर के अन्तर्गत ग्राम रार के रजवाड़े में सज्जन तिवारी के बगीचे के सामने रजबाहा का पुल बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका

5-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर के अन्तर्गत परास गांव में आयुर्वेदिक सरकारी अस्पताल की बाउण्ड्री एवं गेट तथा छत की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती अंजली तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका।

श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद शाहजहाँपुर के विकास खण्ड सिधौली के अन्तर्गत ग्राम महमूदापुर स्कूल तक लिंक मार्ग का इण्टरलाकिंग कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामप्रसाद प्रजापति व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका,

2-जनपद शाहजहाँपुर के विकास खण्ड सिधौली के अन्तर्गत ग्राम कुमुलिया की मेन रोड से अशोक के मकान तक आर0सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल व अन्य निवासी जनपद शाहजहाँपुर की याचिका,

3-जनपद शाहजहाँपुर के विकास खण्ड सिधौली के अन्तर्गत ग्राम मुडाहरीश लिंक रोड से नन्हेलाल प्रजापति, राम प्रसाद प्रजापति, शिवराम प्रजापति के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजू सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका,

4-जनपद शाहजहाँपुर के विकास खण्ड सिधौली के अन्तर्गत ग्राम कुमुलिया में कनक हास्पिटल से सरिता सिंह के मकान तक आर0सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बृजभान व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका तथा

5-जनपद शाहजहाँपुर की विधान सभा क्षेत्र तिलहर के अन्तर्गत वि0ख0 सिधौली के ग्राम अनावा से मुडिया रहदेवा (लम्बाई लगभग 1.3 किमी0) तक सड़क निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुकेश व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका।

---

† छापी नहीं गयीं।

श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर में नगर क्षेत्र अन्तर्गत मो0 बक्शीपुरा वार्ड चांदमारी गावट थान चौराहा से रणजीत सिंह स्कूल होते हुए समर्पण हास्पिटल जाने वाले रास्ते तक सी0सी0 व नाली (लगभग 1 किमी0) निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दुर्गेश पाण्डेय, निवासी जनपद बहराइच की याचिका,

2-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर में नगर क्षेत्र अन्तर्गत मो0 बक्शीपुरा वार्ड चांदमारी शिव शक्ति मंदिर से सिटी कान्वेन्ट स्कूल होते हुए मुबीन होटल दरगाह रोड तक सीवर पाइप लाइन व डामर रोड (लगभग 1 किमी0) निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दुर्गेश पाण्डेय, निवासी जनपद बहराइच की याचिका,

3-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर में नगर क्षेत्र अन्तर्गत मो0 बक्शीपुरा शिव नरायन पालेशर से शमशान घाट तक सी0सी0 रोड व नाली (लगभग 700 मी0) निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दुर्गेश पाण्डेय, निवासी जनपद बहराइच की याचिका,

4-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर में विकास खण्ड चित्तौरा, ग्राम पंचायत खलीलपुर में लालगढ़ा सम्पर्क मार्ग से पासीपुरवा खलीलपुर सीमा तक डामर रोड (लगभग 1200 मी0) निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शम्भू प्रसाद, निवासी जनपद बहराइच की याचिका तथा

5-जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच सदर में विकास खण्ड चित्तौरा, ग्राम पंचायत बक्शीपुरा मानपुरवा में सलारपुर सब्जी मण्डी के बगल से द्वारिका प्रसाद विश्वकर्मा, सेक्टर संयोजक के मकान तक नाली व सी0सी0 रोड (लगभग 1 किमी0) निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दुर्गेश पाण्डेय, निवासी जनपद बहराइच की याचिका।

श्री हरेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हापुड़ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री हरेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद हापुड़ के विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत गढ़मुक्तेश्वर के ग्राम बदरखा में एन0एच0-9 से शिव मंदिर (लम्बाई लगभग 1.2 किमी0) तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेन्द्र चौहान व अन्य निवासीगण जनपद हापुड़ की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

2-जनपद हापुड़ के विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत गढ़मुक्तेश्वर के ग्राम सैनी में डिप्टी साहब के बाग से कृष्णपाल के ट्यूबवेल (लम्बाई लगभग 01 किमी0) तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दिलबाग व अन्य निवासीगण जनपद हापुड़ की याचिका,

3-जनपद हापुड़ के विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत गढ़मुक्तेश्वर के ग्राम मोहम्मदपुर साकरपुर में गांव से हरवेन्द्र के डेयरी मार्ग (लम्बाई लगभग 01 किमी0) तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरवेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हापुड़ की याचिका,

4-जनपद हापुड़ के विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत गढ़मुक्तेश्वर के ग्राम लोधीपुर छपका से ग्राम सादुल्लापुर (लम्बाई लगभग 01 किमी0) तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री एलकार सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हापुड़ की याचिका तथा

5-जनपद हापुड़ के विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत गढ़मुक्तेश्वर के ग्राम शाहपुर चौधरी में हरेन्द्र सिंह के फार्म से मानवजीत के खेत (लम्बाई लगभग 500 मी0) तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हापुड़ की याचिका।

श्री महेश त्रिवेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका†

श्री महेश त्रिवेदी, सदस्य, विधान सभा की डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलसचिव श्री सचिन कुमार सिंह द्वारा की जा रही अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच कराए जाने के सम्बन्ध में श्री वी0 प्रकाश, निवासी जनपद-लखनऊ की याचिका उपस्थित की हुई मानी गई।

श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं †

श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गईं :-

1-जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत पनकी धाम रेलवे स्टेशन को विकसित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सत्येन्द्र पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

2-जनपद कानपुर नगर के गोविन्दनगर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत विशालकाय खुले रफाका नाला को ढके जाने के सम्बन्ध में श्री रवि गुप्ता एवं अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

3-जनपद कानपुर नगर के गोविन्दनगर विधान सभा क्षेत्र के शास्त्रीनगर लेबर कालोनी निवासियों को उनके स्वामित्व का मालिकाना हक दिलाये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयीं।

4-जनपद कानपुर नगर में शहरी रिहायसी इलाकों से गुजरती जानलेवा अति आवश्यक कच्ची नहर (सी0टी0आई0 नहर) को जनहित में पक्का कराने के सम्बन्ध में श्री दीपक सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका तथा

5-जनपद कानपुर नगर के गोविन्दनगर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत लखनऊ-झाँसी मार्ग से शक्ति नगर, नौरय्याखेड़ा होते हुए नगर के सी0टी0आई0 चौराहे तक पक्का मार्ग एवं छठ घाट का सौन्दर्यीकरण के सम्बन्ध में श्री दीपक सिंह एवं अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका।

श्री अध्यक्ष द्वारा सोविनियर्स (स्मृति चिन्ह) की दुकान के बारे में सूचना

श्री अध्यक्ष-

हम पार्लियामेण्ट में बहुत सारी अच्छी प्रैक्टिसेज सीखते हैं। विशेष रूप से ऐसे स्थान से जहां से हमको प्रेरणा मिलती है। पार्लियामेण्ट में सोविनियर्स (स्मृति चिन्ह) की दुकान है जहां पर पार्लियामेण्ट के सोविनियर्स, पेन, पेंसिल, माउस पैड, टाई, कप, प्लेट इत्यादि-इत्यादि देखने को मिलते हैं। मैं जब पार्लियामेण्ट गया था तो मैं उसे देखा था और वह मेरे स्मरण में था। गेट नम्बर-9 के पास हमने एक बहुत अच्छी सोवियनर्स शॉप बनवाई है जिसमें साहित्य की पुस्तकें मिलेंगी, हमारे लीडर्स जैसे मुख्य मंत्री, स्पीकर, विधान सभा सदस्य आदि द्वारा लिखित पुस्तकें, फ्लाक्स, इत्यादि लगभग 100 आइटम ऐसे हैं, जो आपको वहां पर पेमेण्ट पर मिलेंगे। उसमें यह भी सुविधा है कि अगर कोई माननीय सदस्य अगर चाहता है कि उसे 20 पेन मिल जाये या 20 एक तरह की कप-प्लेट मिल जाये तो जब वह वहां पर आर्डर करेंगे तो वह भी मिल जायेगा। कल सुबह 09:45 बजे माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी उसका उद्घाटन करेंगे और 10:00 बजे के बाद वह उपलब्ध हो जायेगा।

श्री हरीश चन्द्र-

मान्यवर, इसे टैक्स फ्री करा दिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

(हँसकर) हमने टैक्स फ्री तो करवा दिया है, लेकिन विधान सभा का जो टैक्स है वह उसके ऊपर लगेगा। किसी चीज को टैक्स फ्री करना मेरे हाथ में नहीं है। जो व्यवस्था है उसी के आधार पर वहां अवलेवल होगा। हमारी डिजिटल गैलरी भी लगभग तैयार है। एक होलोग्राम आना था उसी वजह से इसमें विलम्ब हुआ है। चीजों को जब बहुत अच्छा बनाना होता है, तो हमें बहुत छोटे-छोटे विषय भी देखने होते हैं। मेरी इच्छा थी कि मैं आज इसकी घोषणा कर दूँ, लेकिन पहले मैं उसे कल देख लूँ कि सम्भवतः कल ही एनाउन्स भी कर दूँगा।

[08:45] नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 27-02-2023 को नियम-51 के अन्तर्गत कुल 98 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से निम्नलिखित माननीय सदस्यों की सूचनाएं स्वीकार की गयी :-

पहली सूचना डॉ0 रागिनी सोनकर की जनपद जौनपुर के उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को वेतन दिलवाये जाने के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्री राकेश प्रताप सिंह की जनपद अमेठी में प्रधानमंत्री ग्रामीण योजना के तहत बनी कतिपय सड़कों की मरम्मत के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री अभय सिंह की मे0 जे0पी0एस0 इम्पोरियम तथा देव इन्फ्रा में बिजली के काम में हो रही अनियमितता के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की जनपद रायबरेली के ऊंचाहार के जगतपुर में ड्रेन की सफाई व पुल निर्माण के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना श्री पंकज मलिक की उ0प्र0 की चीनी मिलों में मजदूरों को न्यूनतम वेतन दिलाये जाने के सम्बन्ध में है, वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई।

पहली सूचना श्री राहुल राजपूत की जनपद रायबरेली के हरचन्दपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों के निर्वाचित ग्राम प्रधानों के अधिकारों का हनन एवं कार्यों में अवरोध उत्पन्न किये जाने के सम्बन्ध में है तथा दूसरी सूचना श्रीमती पूनम संखवार की जनपद कानपुर देहात के विधान सभा क्षेत्र रसूलाबाद में मंगलपुर को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में है, केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई।

पहली सूचना श्री मुकेश चौधरी की प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में मिड-डे मील में हो रही गड़बड़ी के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्रीमती सरोज सोनकर की जनपद बहराइच के अन्तर्गत वि0ख0 मिर्हींपुरवा के ग्राम चहलवां जो कि बाढ़ से कट जाते हैं उसके लिये पक्की ठोकरें व सफाई करवाने के सम्बन्ध में है तथा तीसरी सूचना डॉ0 मुकेश चन्द्र वर्मा की जनपद फिरोजाबाद की विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के ग्राम जलालपुर राशन डीलर के सम्बन्ध में है, ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत हुई।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनाओं को अस्वीकार किया गया :-

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', श्री महबूब अली, श्री योगेश शुक्ला, श्रीमती जय देवी, श्रीमती केतकी सिंह, श्री बम्बालाल दिवाकर, श्री प्रकाश द्विवेदी, श्री स्वामी ओउ्मवेश, श्री अमित सिंह चौहान, श्री संदीप सिंह, श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री राकेश कुमार सिंह, श्री एच0एन0 सिंह पटेल, श्री देवेन्द्र सिंह राजपूत, श्री विवेक कुमार वर्मा, श्री हरेन्द्र सिंह तेवतिया, श्री विकास गुप्ता, श्री उमाशंकर सिंह, श्री राजेन्द्र कुमार मौर्य, श्री भगवान सिंह कुशवाहा, श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री सुरेन्द्र मैथानी, श्री बाबूलाल, श्री राम दुलार गोंड़, श्री राहुल बच्चा सोनकर, श्री पल्टूराम, डॉ0 नीरज बोरा, प्रो0 श्याम बिहारी लाल, श्री जवाहर लाल राजपूत, श्री जाहीद बेग, श्री रामरतन कुशवाहा, श्री बृजेश कुमार रावत, श्री बम्बा लाल दिवाकर, डॉ0 राजेश्वर

सिंह, श्री बाबूलाल, श्री राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री गौरीशंकर वर्मा, श्री विपुल दुबे, श्रीमती मीनाक्षी सिंह, श्री अरमान खान, श्री बेचई सरोज, श्री मनीष असीजा, श्री जियाउर्रहमान बर्क, श्री त्रिभुवन दत्त, श्री आशुतोष शुक्ल, श्री दुधराम, श्री अनिल पाराशर, श्री मोहन वर्मा, श्री राजीव तरारा, डॉ0 वीर विक्रम सिंह, श्री रामअवतार सिंह सैनी, श्रीमती नीलिमा कटियार, श्रीमती राजबाला सिंह, श्री गणेश चन्द्र, ई0 श्रवन कुमार निषाद, श्री लक्ष्मीराज सिंह, श्री मदन भैया, श्री प्रदीप कुमार चौधरी, मो0 हसन रूमी, श्री राज प्रसाद उपाध्याय, श्री अमरेश कुमार, श्री विनय द्विवेदी, श्री रवि शर्मा, श्री राजेश त्रिपाठी, श्री बेदी, श्री पंकज गुप्ता, श्री विनोद चतुर्वेदी, श्री मनीष रावत, श्री राजपाल सिंह बालियान, श्री रमेश चन्द्र जायसवाल, श्री रमेश चन्द्र मिश्र, श्री प्रदीप कुमार यादव, श्री आशु मलिक, श्री संग्राम सिंह, श्रीमती ऊषा मौर्या, डॉ0 शिव प्रताप यादव, श्री सर्वेश सिंह, श्री जय प्रकाश अंचल, श्रीमती इन्द्राणी देवी, ई0 बृजेश कठेरिया, श्री राजेन्द्र कुमार, श्री गुलाम मौहम्मद, श्री अनिल कुमार, श्री चन्द्रपाल सिंह, श्री राम चन्द्र यादव, श्री महेन्द्र नाथ यादव, श्री मौ0 फहीम इरफान तथा श्री हरिओम वर्मा।

[08:48] जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र सदर में टौंस नदी पर पुल बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री दुर्गा प्रसाद यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य

लोक निर्माण राज्य मंत्री (श्री ब्रिजेश)-

माननीय अध्यक्ष जी, श्री दुर्गा प्रसाद यादव, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा आपके माध्यम से सदन का ध्यान .....

श्री लालजी वर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, वक्तव्य को पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाता है।

(लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य लोक निर्माण राज्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र सदर आजमगढ़ के अन्तर्गत आजमगढ़-दोहरीघाट मार्ग से ककरहटा कोल्ह होते हुए मुबारकपुर रोड जाती है। ग्राम कोल्ह के पास टौंस नदी है। इस टौंस नदी पर पुल न होने के कारण वहां के स्थानीय एवं आस-पास के कई गांवों के गरीब, मजदूर एवं अन्य लोगों को जीवन यापन हेतु नाव द्वारा नदी को पार करके आना-जाना पड़ता है। बाढ़ एवं बरसात के दिनों में कई बार घटना भी घटित हो चुकी है। उपरोक्त पुल का निर्माण कराये जाने हेतु मैंने कई बार शासन-प्रशासन को पत्र भी लिखा है, जिसके सापेक्ष शासन द्वारा प्रस्ताव मांगा गया था कि पुल

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

का निर्माण कहां कराया जाय। मेरे द्वारा पुल का निर्माण कराये जाने हेतु सेतु निगम मुख्यालय, लखनऊ में पत्र भेजा जा चुका है। पिछले सत्र में नियम-51 के अन्तर्गत सूचना सदन में मेरे द्वारा दी गयी थी, स्वीकृत होने के उपरान्त शासन द्वारा उत्तर सही नहीं दिया गया है। बताया गया है कि 10 किमी0 की परिधि में पुल होने के कारण टौंस नदी पर पुल नहीं बनाया जा सकता। जबकि जनपद लखनऊ एवं उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों में 2 किमी0, 3 किमी0, 5 किमी0 की दूरी पर जनसुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए पुल बनाये गये हैं। जन-सुविधाओं को देखते हुए टौंस नदी पर पुल बनाया जाना न्यायसंगत है। पुल न बनाये जाने के कारण सरकार के प्रति स्थानीय जनता में निराशा एवं आक्रोश व्याप्त है।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए सरकार से तत्काल टौंस नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने हेतु वक्तब्य दिये जाने की मांग करता हूँ।]

वक्तव्य-

प्रश्नगत स्थल के अपस्ट्रीम में लगभग 9 किमी0 की दूरी पर टौंस नदी सेतु हाजीपुर-बम्हौर निर्मित है, जिसकी दर व्यवस्था 5x25 मी0 एवं लम्बाई 133.08 मी0 है तथा डाउनस्ट्रीम में लगभग 6 किमी0 की दूरी पर टौंस नदी सेतु बलिया कल्याणपुर निर्मित है, जिसकी दर व्यवस्था 4x22 मी0 एवं लम्बाई 94.30 मी0 है।

प्रश्नगत स्थल ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। स्थल से अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम में दोनों तरफ 10 किमी0 से कम दूरी पर सेतु पूर्व से निर्मित होने के बावजूद स्थानीय जन-समस्याओं के दृष्टिगत नये सेतु के निर्माण हेतु स्थल का विस्तृत सर्वेक्षण करने के लिये क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है। सर्वेक्षण के उपरान्त नये सेतु का निर्माण कराया जाना वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।]

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

इस रोड पर मैंने एक पुल मांगा था। टौंस नदी जाती है उस टौंस नदी पर कोल्ह गाँव के सामने पड़ता है। वहाँ पर यह दिखा रहे हैं कि 9 किमी0 के अन्तर्गत वहाँ पुल बना है। यहां हमारे मा0 अखिलेश जी बैठे हैं यह हमारे वहाँ के विधायक हैं। इनका हमारा विधान सभा क्षेत्र सटा हुआ है। हम यह कहना चाहते हैं कि वह 12-13 किमी0 यह घूम कर जायेंगे और 13-14 किमी0 उधर से घूम कर जायेंगे। जनहित के लिए आपके लखनऊ में एक-एक किमी0 पर पुल बना है। आपके आजमगढ़ में बना है, पूरे प्रदेश में बना है। यह सरकार जनहित के लिए काम कर रही है। जनता ने आपको चुना है। इसलिए हम यह कहना चाहते हैं कि धन के अभाव में, तो धन कहाँ जाता है। आपके विभाग में बहुत बजट आता है, तो यह महत्वपूर्ण विषय है। मैं मा0 अध्यक्ष जी से निवेदन करता हूँ कि आपके कहने पर मैंने पिछली बार सदन

में बोला था और मैंने यह भी कहा था कि मैं सड़कों के बारे में कह रहा हूँ कि सड़क खराब हैं, लेकिन यह लोग बैठे हैं यह पैसा नहीं देंगे। लेकिन आपने कहा कि तुरन्त कहा कि आपके यहाँ बजट जायेगा, मैं आपका इसके लिए आभारी हूँ।

श्री अध्यक्ष-

बजट गया कि नहीं गया?

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

जी गया, अब बन रही है। अभी उस पर काम चल रहा है। इसलिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। यह पुल बहुत महत्वपूर्ण है। मुबारकपुर में बुनकर रहते हैं, साड़ियों का काम होता है। हम चाहते हैं ताकि गरीब लोग मुबारकपुर पुल से आयें-जायें। मेरी यही मांग है।

श्री ब्रिजेश-

मान्यवर, आपने कहा कि पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

वक्तव्य है। वक्तव्य दिया जा सकता है।

श्री ब्रिजेश-

मान्यवर, जनहित की समस्या को ध्यान में रखते हुये सेतु निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। हमने यह नहीं कहा कि धनाभाव के कारण नहीं बनायेंगे। हमने यह कहा है कि वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे, तो हम आपका पुल बनायेंगे।

श्री अध्यक्ष-

आपका आश्वासन हो गया।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

मैं यह कहना चाहता हूँ कि आप हमारे संरक्षक हैं। हम चाहते हैं कि इस पुल को बनवा दें। इसमें केवल 16 करोड़ की लागत आनी है यह आपके लिये कोई ज्यादा भी नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

इसको प्राथमिकता पर दिखवा लेंगे।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

ठीक है, बहुत-बहुत धन्यवाद।

जनपद गाजीपुर के विकास खण्ड सदर के ग्राम सभा जैतपुरा के प्रधान के कार्यों की टी0ए0सी0 जांच के सम्बन्ध में श्री वीरेन्द्र यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मा0 सदस्य द्वारा दी गयी सूचना में यह उल्लेख.....

लोक निर्माण राज्य मंत्री (श्री ब्रिजेश)-

मान्यवर, इसको पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इस वक्तव्य को पढ़ा हुआ माना जाता है।

श्री वीरेन्द्र यादव-

मान्यवर, यह हमारे पास आ गया है इसमें हमें एप्लीकेशन देना है वह हम दे देंगे।

(मुख्य मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[किया गया है कि जनपद गाजीपुर विकास खण्ड सदर के ग्राम सभा जैतपुरा के प्रधान द्वारा वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 से अब तक गाँव में जितने भी मदों से कार्य हुए हैं। उसकी जाँच के दौरान मा0 विधायक (मैं स्वयं) या प्रतिनिधि की उपस्थिति में कराये जाने की माँग सदन के पटल पर रखे जाने की आवश्यकता है। अतः लोक महत्व के इस विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए प्रकरण पर कार्यवाही की माँग की गयी है।

2-उक्त के सम्बन्ध में जिलाधिकारी, गाजीपुर द्वारा अवगत कराया गया है कि पंचायती राज अधिनियम, 1947 की धारा-95 की उपधारा-1 के खण्ड (छ) के अन्तर्गत प्राविधानित उत्तर प्रदेश पंचायत राज (प्रधानों व सदस्यों का हटाया जाना) जाँच नियमावली, 1997 में प्रधान के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में वर्णित बिन्दुओं के अधीन जाँच की व्यवस्था दी गयी है। जनपद-गाजीपुर की ग्राम सभा जैतपुरा में वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 से अब तक प्रधान द्वारा कराये गये कार्यों की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में उक्त नियमावली में वर्णित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोई शिकायत प्राप्त नहीं है। उत्तर प्रदेश पंचायत राज (प्रधानों व सदस्यों का हटाया जाना) जाँच नियमावली, 1997 में वर्णित नियमों के अधीन शिकायत प्राप्त होने पर सम्बन्धित पंचायत की जाँच करायी जा सकती है। जाँच के समय मा0 विधायक या प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग से गौसगंज होते हुये नवादा मोड़ तक जर्जर मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में प्रो0 श्याम बिहारी लाल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, विधान सभा क्षेत्र-12, फरीदपुर जनपद बरेली ...

(प्रो0 श्याम बिहारी लाल का नाम पुकारे जाने पर अनुपस्थित)

लोक निर्माण राज्य मंत्री (श्री ब्रिजेश)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

प्रो0 श्याम बिहारी लाल अनुपस्थित हैं कोई बात नहीं। यह वक्तव्य पढ़ा हुआ माना जाता है।

(लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[के विकास खण्ड फरीदपुर के अन्तर्गत राष्ट्रीय राज मार्ग से गौसगंज होते हुए नवादा मोड़ (शाहजहांपुर जनपद) तक जर्जर मार्ग का चौड़ीकरण एवं पुनर्निर्माण जनहित में अत्यन्त आवश्यक है। उक्त मार्ग बरेली जनपद को शाहजहांपुर एवं बदायूं जनपद को जोड़ता है।

अतः नियम-51 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के एवं जनहित के इस विषय पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए वक्तव्य की मांग करता हूँ।

वक्तव्य-

नियमगत मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-24 के किमी0-264 के दायीं ओर से प्रारम्भ होकर गौसगंज होते हुए फतेहगंज-दातागंज मार्ग (राज्य मार्ग 126) के किमी0-80 में मिलता है। यह अन्य जिला मार्ग श्रेणी का नहर पटरी मार्ग है। इस मार्ग की कुल लम्बाई 23.200 किमी0 एवं चौड़ाई 3.00/3.75 मी0 है। वर्तमान में मार्ग की दशा ठीक है। मार्ग के 5.50 मी0 चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जाना वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चलने वाले यातायात में गोरखपुर-देवरिया, नगरा-रसड़ा पर कट न होने पर हो रही असुविधा के सम्बन्ध में श्री उमाशंकर सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर औद्योगिक विकास मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, उक्त सूचना के सम्बन्ध में अवगत कराना .....

लोक निर्माण राज्य मंत्री (श्री ब्रिजेश)-

मान्यवर, इसको पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, श्री उमाशंकर सिंह जी का वक्तव्य पढ़ा हुआ माना जाता है।

(औद्योगिक विकास मंत्री का वक्तव्य, संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[चाहता हूँ कि जनपद बलिया को लखनऊ से जोड़ने हेतु पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया गया था, परन्तु इसी एक्सप्रेस-वे के पास से एक महत्वपूर्ण अन्य जिला मार्ग गोरखपुर-देवरिया-नगरा-रसड़ा-कासिमाबाद-गाजीपुर (राज्य मार्ग) गुजरता है, जिस पर एक्सप्रेस-वे से उतरने हेतु कोई भी स्थाई कट नहीं दिया गया है जिससे इस राज्य मार्ग का इस्तेमाल करने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए इस राज्य मार्ग के भारी यातायात दबाव को देखते हुए किमी0-309 पर स्थायी कट की मांग जनता द्वारा बराबर की जाती रही है।

अतः जनहित एवं लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के गोरखपुर-देवरिया, नगरा-रसड़ा-कासिमाबाद-गाजीपुर (राज्य मार्ग) पर किमी0-309 में स्थाई कट खोले जाने हेतु शासन से कार्यवाही/वक्तव्य की मांग करता हूँ।

मा0 अध्यक्ष द्वारा दिये गये निर्देश-

(1) वक्तव्य के लिए स्वीकार किया गया है।

(2) उक्त सूचना पर सदन में वक्तव्य दिये जाने के लिए दिनांक 27-02-2023 निर्धारित की गयी है।

सूचना पर कृत कार्यवाही-

उक्त सूचना के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि मा0 अध्यक्ष के उक्त निर्देशों के अनुपालन में शासन के पत्र संख्या-नियम-02/77-3-23-01-नियम/23, दिनांक 23-02-2023

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

के क्रम में यूपीडा के पत्रांक-8583/यूपीडा/17/1208/ तक0, दिनांक 25-02-2023 द्वारा उपलब्ध करायी गयी आख्या के आधार पर स्थिति निम्नवत् है :-

वर्तमान में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किमी0 चैनेज सं0 294+245 का इण्टरचेंज (एक्सप्रेस-वे पर प्रवेश/निकास), एक्सप्रेस-वे एवं वाराणसी-गाजीपुर-मऊ-गोरखपुर (एन0एच0-24) के क्रासिंग पर स्थित है। इस इण्टरचेंज से उतरने के उपरान्त रसड़ा व बलिया जाने के लिये एन0एच0-24 एवं एन0एच0-128बी होते हुए मार्ग उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इण्टरचेंज पर उतरने के उपरान्त पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड से रसड़ा-कासिमाबाद-गाजीपुर मार्ग भी जुड़ा हुआ है, इससे भी रसड़ा एवं बलिया पहुंचा जा सकता है।

इसके साथ ही पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के चैनेज सं0-253 इण्टरचेंज (प्रवेश/निकास) से उतरकर बड़हलगंज एन0एच0-128सी से होते हुए एन0एच0-227ए द्वारा सलेमपुर-देवरिया हेतु मार्ग उपलब्ध है।

उक्त के अतिरिक्त वर्तमान में एन0एच0-27 द्वारा लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर से होते हुए देवरिया तथा सलेमपुर राज्य मार्ग से जुड़े हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे जो कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के चैनेज सं0-191 पर जुड़ रहा है, का निर्माण पूर्ण होने के पश्चात् पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गोरखपुर होते हुए देवरिया-सलेमपुर पहुंचा जा सकता हैं।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एन0एच0-31 गाजीपुर से बलिया-मांझीघाट ग्रीनफील्ड परियोजना का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से सीधा बलिया को जोड़ने हेतु यूपीडा एवं एन0एच0ए0आई0 के मध्य एक समझौते के अनुसार इस मार्ग के लिये आवश्यक भूमि क्रय में यूपीडा द्वारा सहयोग किया जा रहा है। यह मार्ग बलिया निवासियों को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के चैनेज सं0-328 से जोड़ेगा।

2-उपरोक्त वर्णित स्थिति के दृष्टिगत मा0 सदस्य द्वारा की गई मांग के अनुसार पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के गोरखपुर-देवरिया नगरा-रसड़ा-कासिमाबाद-गाजीपुर (राज्य मार्ग) पर कि0मी0-309 में स्थायी कट खोले जाने का औचित्य नहीं है।]

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, आपका संरक्षण भी चाहेंगे और मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी की कृपा दृष्टि भी चाहेंगे। अध्यक्ष जी, जो हमारे यहाँ पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बना है जो कहने के लिये बलिया तक है लेकिन बलिया तक नहीं गया है। गाजीपुर में जाकर रुक गया है। मान्यवर, इसमें उत्तर में यह आना चाहिए था कि जिन अधिकारियों ने यहाँ पर कट नहीं देने का प्राविधान किया उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। अध्यक्ष जी, यह देवरिया से निकलकर गाजीपुर, बनारस के लिए यह बहुत पुरानी स्टेट हाई-वे घोषित है। तो उस स्टेट हाई-वे पर कट होना चाहिए। जब

हमने कुछ अधिकारियों से मौखिक बात किया तो उनका कहना था कि कहीं न कहीं से डी0पी0आर0 बनाने में मिस्टेक है। इसको हमने मा0 मुख्य मंत्री जी से भी व्यक्तिगत रूप से आग्रह किया था तो उन्होंने कहा कि वहाँ बनना चाहिए और बनेगा। अध्यक्ष जी, बलिया जिसको भी जाना है वहीं से उतरकर जाना है। तो इसलिए मैं यह आपके माध्यम से चाहूंगा कि उत्तर में आया है कि मऊ उतर जाइये वहाँ से जाइये, देवरिया वाले के लिए उत्तर आया है कि आप बड़हलगंज उतर जाइये वहाँ से जाइये। जाने के लिए तो हम कहीं से कहीं जा सकते हैं। मान्यवर, हम जाने के लिए तो कहीं भी जा सकते हैं, जा ही रहे हैं, ऐसा नहीं है कि हम बलिया नहीं जाते हैं। इसलिए मेरा आग्रह है कि मा0 मंत्री जी की तरफ से उसका आश्वासन आ जाय लेकिन पीछे बैठे छोटे वाले मा0 मंत्री जी कह रहे हैं कि हम आश्वासन नहीं देंगे क्योंकि मुझे ही उत्तर देना है। इस पर मैने कहा कि बड़े वाले मा0 मंत्री जी और मा0 वित्त मंत्री जी भी बैठे हैं तो मुझे लगता है कि आश्वासन आ जायेगा तो बड़ी कृपा होगी।

संसदीय कार्य राज्य मंत्री (श्री मयंकेश्वर शरण सिंह)-

मान्यवर, मा0 सदस्य श्री उमाशंकर जी बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं और सड़कों के मामले में बहुत जानकार भी हैं। आपको मालूम ही होगा कि इण्टरचेंज के विषय में वरीयता की चार श्रेणियां हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर इण्टरचेंज नेशनल हाई-वे, स्टेट हाई-वे एम0डी0आर0 मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड पर दिए गये हैं और आप जो सड़क बनवाना चाह रहे है वह ओ0डी0आर0 सड़क है और यह सड़क 3.75 मीटर चौड़ी रोड है और इस मार्ग पर सम्बन्धित व्हीकल पर इण्टरचेंज मार्ग पहले से ही उपलब्ध है।

श्री उमाशंकर सिंह-

मान्यवर, आप जब इस विभाग के मंत्री थे आपने बनने के लिए आदेश भी किया था। औद्योगिक विभाग ने सूचना दी है कि यह सड़क 3.75 मीटर ओ0डी0आर0 है। अभी ओ0डी0आर0 के बाद एम0डी0आर0 आयेगा। यह स्टेट हाई-वे है और यह सड़क 7 मीटर की पहले से ही है और फोर लेन होने की प्रक्रिया चल रही है। उस सड़क से हमारे मा0 कृषि मंत्री जी अक्सर आते-जाते हैं और इन्होंने ही कहा था कि उमाशंकर जी इस सड़क को जरूर चौड़ा कराया जाए। आपका ही आर्डर है लेकिन उस समय के अधिकारी नहीं करा पाए। इसलिए मैं चाहता हूँ कि पीठ से आदेश हो जाए और इस सूचना को जिसने भी दिया हो कि 3.75 मीटर की ओ0डी0आर0 सड़क है उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही कराई जाए।

श्री मयंकेश्वर शरण सिंह-

मान्यवर, आपने जो बात बताई है उन दोनों का मिलान करके दिखवा लेंगे और उसके बाद आपको सूचित कर देंगे।

जनपद गोरखपुर में तरंग क्रासिंग ओवर ब्रिज के नीचे ड्रेनेज सिस्टम व सड़क सुधार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल कुमार त्रिपाठी द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर नगर विकास मंत्री का वक्तव्य

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री (श्री अरविन्द कुमार शर्मा)-

मान्यवर, श्री अनिल कुमार त्रिपाठी मा0 सदस्य, विधान सभा क्षेत्र-312 मेंहदावल, जनपद सन्तकबीरनगर.....

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(नगर विकास मंत्री का वक्तव्य उन्होंने ही दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[द्वारा उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, 1958 के नियम-51 के अन्तर्गत दिनांक 23-02-2023 को दी गयी सूचना में निम्न तथ्यों का उल्लेख करते हुए वक्तव्य की मांग की गयी है :-

''मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि गोरखपुर नगर में तरंग क्रासिंग ओवर ब्रिज के नीचे ड्रेनेज सिस्टम एवं सड़क सुधार कराया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है। उक्त मार्ग क्षतिग्रस्त होने के कारण आम जनमानस को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। ड्रेनेज सिस्टम नष्ट होने के कारण वहां भारी जल जमाव होता है, जिससे गम्भीर बीमारियां पैदा हो सकती हैं।

अतः अनुरोध है कि जनहित को दृष्टिगत रखते हुए जनपद गोरखपुर में तरंग क्रासिंग ओवर ब्रिज के नीचे ड्रेनेज सिस्टम एवं सड़क सुधार कराए जाने हेतु इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर आपके माध्यम से सदन में वक्तव्य की मांग करता हूँ।''

2-इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि नगर निगम, गोरखपुर के अन्तर्गत गंगेज होटल से तरंग क्रासिंग तक सड़क के बायीं तरफ नाला निर्मित है, जो धर्मशाला रोड के बड़े नाले से जुड़ा हुआ है। सड़क के दायीं तरफ आर0सी0सी0 नाला निर्मित है, जिसके अन्तिम 60 मीटर का भाग कच्चा है। नगर निगम, गोरखपुर द्वारा उक्त कच्चे नाले के स्थान पर आर0सी0सी0 नाले का निर्माण किया जा रहा है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

तरंग क्रासिंग से गंगेज होटल तक पुल के नीचे स्थित सड़क का समय-समय पर पैच से मरम्मत कार्य कराया जाता है। उक्त सड़क के पुनर्निर्माण का कार्य नगर निगम, गोरखपुर के आगामी कार्य योजना में प्रस्तावित है, जिसकी स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।]

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी-

मान्यवर, आपकी कृपा प्राप्त करते हुए मुझे यह बताना है कि जो अभी सूचना मिली है कि गोरखपुर के अन्दर गंगेज होटल से तरंग क्रासिंग तक सड़क की बायीं ओर नाला निर्मित है जो धर्मशाला के बड़े नाले से जुड़ा हुआ है। मैंने आज ही व्यक्तिगत रूप से पता कराया है कि वह बड़े नाले से जुड़ा नहीं है बल्कि वह बीच में अवरुद्ध है। सड़क के बायीं तरफ का नाला अभी भी नहीं जुड़ा है। दूसरी सूचना दी गयी है कि दायीं तरफ का नाला 7 मीटर कच्चा है और उसका निर्माण हो रहा है। इसका वर्तमान में निर्माण हो रहा है मुझे लगता है कि एक-दो दिन में पूरा भी हो जायेगा। लेकिन बायीं तरफ का नाला जुड़ा नहीं हुआ है जिसकी वजह से पानी रुक जाता है और जिसकी मैंने शिकायकत भी की थी और अगर वह नही जुड़ेगा तो समस्या यथावत् बनी रहेगी।

श्री अध्यक्ष-

यह दायां-बायां कैसे तय होगा, जायेंगे तो दायां या आयेंगे तो दायां क्योंकि आने-जाने में बदल जाता है।

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी-

मान्यवर, अगर दक्षिण से उत्तर की तरफ जा रहे हैं तो दायां, तरंग क्रांसिंग से धर्मशाला रोड की तरफ दायां है। उसका निर्माण कार्य चल रहा है लेकिन जो उत्तर से दक्षिण की तरफ बायां नाला है वह क्षतिग्रस्त है और अभी जुड़ा भी नहीं है। ओवर ब्रिज के साथ जो पिलर है, पिलर के इस ही साईड से नाला बना हुआ है जो 12-14 फीट चौड़ा है और नाले के क्षतिग्रस्त होने से कभी-कभी लोग नाले में गिर जाते हैं दूसरी तरफ एन्क्रोचमेण्ट एवं कच्चा होने की वजह से सड़क के दोनों तरह से आवागमन नहीं हो पा रहा है। जिस कारण वहां पर बहुत विकट स्थिति है, अक्सर दुर्घटनाएं हो जाती हैं तो दोनों तरफ की सड़क और दोनों तरफ का नाला दुरूस्त होना जरूरी है।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, मा0 सदस्य जी की चिन्ता उचित है और इसीलिए जैसा इन्होंने स्वयं कहा है स्थल पर काम शुरू करा दिया गया है।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य, नोटिस आने के बाद काम शुरू हो गया है।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जहां तक बाएं और दायें का सवाल है तो गंगेज होटल से आते समय जो बायें तरफ का काम है वह नाला काफी हद तक ठीक है, थोड़ा बहुत काम बाकी है लेकिन दायें तरफ काफी काम बाकी है और उस पर काम शुरू हो गया है प्लस इनका ये कहना है कि ओवर ब्रिज के नीचे की रोड खराब हो गयी है उसको अलग से दिखा लिया जाएगा।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, वैरी गुड, थैंक्यू।

जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र खुर्जा नगर में जेवर रोड रेलवे जंक्शन के पास एन0एच0-91 पर स्थित कैलाश हॉस्पिटल तक 4 कि0मी0 लम्बा बाइपास बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती मीनाक्षी सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य राज्य मंत्री (श्री मयंकेश्वर शरण सिंह)-

श्रीमती मीनाक्षी सिंह, मा0 सदस्य, विधान द्वारा दिनांक 23-02-2023 को नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना में यह उल्लिखित किया गया है.....

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाता है।

(लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य, संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[कि, ''जनपद बुलन्दशहर की खुर्जा विधान सभा में खुर्जा नगर विश्व प्रसिद्ध पॉटरी उद्योग के लिए जाना जाता है एवं औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण सारा हैवी ट्रैफिक शहर के बीचो-बीच से गुजरता है जिससे हर समय शहर में जाम की समस्या बनी रहती है। इसलिए जेवर रोड स्थित रेलवे जंक्शन के पास से NH-91 पर स्थित कैलाश हॉस्पिटल तक 04 किलोमीटर का एक मिनी बाईपास बनाये जाने की मांग क्षेत्रीय जनता द्वारा पिछले कई दशकों से उठाई जाती रही है। इसलिए खुर्जा नगर में जाम की समस्या के निस्तारण के लिए मैं

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

खुर्जा जंक्शन से NH-91 तक पी0डब्लू0डी0 विभाग के माध्यम से बाईपास बनाये जाने का अनुरोध करती हूँ।

अतः इस लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए वक्तव्य की माँग करती हूँ।''

2-इस प्रकरण पर खुर्जा विकास प्राधिकरण से आख्या प्राप्त की गयी। खुर्जा विकास प्राधिकरण के पत्र दिनांक 25-02-2023 द्वारा अवगत कराया गया है कि खुर्जा तहसील, बुलन्दशहर में खुर्जा विकास क्षेत्र की महायोजना-2021 में दर्शायी गयी 45 मी0 चौड़ी प्रस्तावित मास्टर प्लान रोड जो रिंग रोड के रूप में चारों ओर दर्शित है, उक्त 04 किमी0 का बाईपास इसका भाग है। खुर्जा महायोजना-2021 के अनुसार प्रस्तावित रिंग रोड की लम्बाई लगभग 17 कि0मी0 है। वर्तमान में एन0एच0ए0आई0 द्वारा बुलन्दशहर मार्ग से अलीगढ़ मार्ग तक बाईपास का निर्माण किया जा चुका है। वर्तमान में बाईपास पर भूमि क्रय एवं निर्माण हेतु लगभग रु0 250 करोड़ से अधिक का व्यय होना संभावित है। वर्तमान में मौके पर प्रस्तावित स्थल के दोनों ओर अधिकतर भूमि रिक्त है। वर्तमान में खुर्जा विकास प्राधिकरण की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ नहीं है। उक्त योजना में प्रथम दृष्ट्या वृहद वित्तीय उपाशय सन्निहित है। वित्तीय संसाधन न होने के कारण उक्त वित्तीय उपाशय प्राधिकरण के लिए वहनीय सम्भव नहीं है।

3-खुर्जा विकास प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराये गये आख्या के आलोक में एवं कार्य में अत्याधिक वित्तीय उपाशय के दृष्टिगत उपाध्यक्ष, खुर्जा विकास प्राधिकरण को निर्देशित किया गया है कि यह स्पष्ट करें कि उपर्युक्त कार्य अगर मास्टर प्लान में प्रस्तावित है, तो उसके निर्माण हेतु वित्तीय संसाधनों के बारे में क्या प्राविधान किये गये हैं ? इस बात का भी परीक्षण कर लें कि प्रस्तावित बाईपास के फलस्वरूप विकसित होने वाले क्षेत्र से प्राप्त होने वाले विकास शुल्क इत्यादि से प्रस्तावित कार्य का वित्त पोषण किया जाना सम्भव है अथवा नहीं। साथ ही साथ इस बात का भी परीक्षण कर लें कि प्रस्तावित कार्य एन0एच0ए0आई0 अथवा पी0डब्ल्यू0डी0 की कार्य योजना में सम्मिलित किया जा सकता है अथवा नहीं। उपरोक्तानुसार वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर अग्रिम कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है।]

जनपद चित्रकूट में कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में हो रही अनियमितताओं के सम्बन्ध में श्री अनिल प्रधान द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर कृषि मंत्री का केवल वक्तव्य

संसदीय कार्य राज्य मंत्री (श्री मंयकेश्वर शरण सिंह)-

श्री अनिल प्रधान, मा0 सदस्य विधान सभा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत यह सूचना दी गयी है कि- कृपया मैं आपका ध्यान विधान सभा क्षेत्र चित्रकूट....

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाता है।

(कृषि मंत्री का केवल वक्तव्य संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[की भूमि संरक्षण की तीनों इकाइयों चित्रकूट, प्रथम व द्वितीय तीनों इकाइयों में सरकारी धन का उप निदेशक, भूमि संरक्षण बांदा के नेतृत्व में तीनों इकाइयों के बी0एस0ए0 द्वारा जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। खेत, तालाब योजना में मानक के अनुरूप खुदाई न कराकर आधी अधूरी खुदाई करके तीनों किस्तों का भुगतान किया जा रहा है। पुराने तालाबों को नया दिखाकर पैसे का बंदर बाट किया जा रहा है। पं0 दीन दयाल किसान समृद्धि योजना में मानक के अनुरूप कार्य नहीं कराया जा रहा है। 01 से 02 मी0 गहराई करके व बिना एप्रोच बनाये पैसे का भुगतान कर रहे हैं। नमसा योजना में अत्यधिक फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। फर्जी बिल बनवाकर भैंस आदि पालन का पैसा निकाला जा रहा है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई व किसान समृद्धि योजना व उद्यानीकरण कार्पस फण्ड एवं पोस्ट हार्वेस्ट, एग्रोफारेस्टी सहित कई अन्य मदों में पैसा निकालकर कोई कार्य पूर्ण रूप से नहीं किया गया है। तीनों बी0एस0ए0 (भूमि संरक्षण अधिकारियों) द्वारा जमकर लूट की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में खर्च किये गये बजट की प्रत्येक कार्यो की जांच जमीनी स्तर पर कराना अति आवश्यक है।

अतः इस लोक महत्व की सूचना पर आपके माध्यम से उपरोक्त प्रकरण पर तत्काल कार्यवाही किये जाने हेतु सरकार से केवल वक्तव्य दिये जाने की मांग करता हूँ।

2-मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा दी गयी उपरोक्त सूचना के सम्बन्ध में कृषि निदेशक, उ0प्र0 द्वारा अवगत कराया गया है कि मा0 विधायक जी द्वारा समान विषय पर एक शिकायती पत्र कृषि निदेशक, उ0प्र0 को प्रेषित किया गया था, जिसमें नियम-51 के अन्तर्गत दिये गये सूचना में उठाये गये सभी बिन्दु सम्मिलित हैं। इस शिकायती पत्र में उठाये गये बिन्दुओं की जाँच हेतु कृषि निदेशालय के स्तर से मण्डलीय संयुक्त कृषि निदेशक, चित्रकूट धाम मण्डल को जांच अधिकारी नामित करते हुए जांच करायी जा रहा है। यह भी अवगत कराना है कि जनपद चित्रकूट में भूमि संरक्षण इकाईयों द्वारा कराये जा रहे कार्यों का विभागीय अधिकारियों द्वारा सत्यापन एवं समय-समय पर उपयोगिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु जनपद के मुख्य विकास अधिकारी एवं जिलाधिकारी द्वारा भी निरीक्षण किया गया है।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

भदोही-मिर्जापुर सीमा पर सेमरा में व शास्त्री सेतु के पश्चिम मवैया के सामने कटान क्षेत्र से बांध बनाकर बाढ़ से बचाव के सम्बन्ध में श्री रत्नाकर मिश्रा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर जल शक्ति मंत्री का केवल वक्तव्य

संसदीय कार्य राज्य मंत्री (श्री मयंकेश्वर शरण सिंह)-

जनपद मिर्जापुर-भदोही सीमा पर सेमरा एवं शास्त्री सेतु हेतु पश्चिम मवैया के सामने गंगा नदी के .....

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाता है।

(जल शक्ति मंत्री का केवल वक्तव्य संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने दिया, जो पक्ष हुआ माना गया)

[कटान क्षेत्र पर 200-200 मीटर बाँध बनाया जाना जनहित में बहुत आवश्यक है। यहाँ पर बाँध बना दिए जाने से लगभग 13000 हेक्टेयर से अधिक भूमि एवं काफी आबादी बाढ़ के कटान की विभीषिका से बचाया जा सकेगा । पूर्वा बल्ली परवा कौन ब्लाक 500 मीटर गंगा पर काफी समय से यहाँ पर बाँध बनाये जाने की मांग की जा रही है परन्तु अधिकारियों की उदासीनता के कारण कोई सार्थक कार्यवाई न होने से क्षेत्र के आम जनमानस में आक्रोश एवं निराशा व्याप्त है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए भदोही-मिर्जापुर सीमा पर सेमरा में व शास्त्री सेतु के पश्चिम मवैया के सामने कटान क्षेत्र पर लगभग 200-200 मीटर बाँध बनाये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूँ।

2-मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा दी गयी सूचना पर केवल वक्तव्य निम्नवत् है :-

अधीक्षण अभियन्ता एवं अधिशासी अभियन्ता गंगा द्वारा दिनांक 24-02-2023 को स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मवैया ग्राम गंगा नदी के बांयें तट पर स्थित है। गंगा नदी से लगभग 200 मीटर की दूरी पर आबादी स्थित है। उक्त स्थल की भूमि उचित स्लोप लिए हुए है, तथा कटान की कोई स्थिति नहीं बनती है। स्थानीय ग्रामीणों से वार्ता के दौरान उनके द्वारा अवगत कराया कि बाढ़ के समय मवैया ग्राम में गंगा नदी के

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

बाढ़ के पानी से जलभराव की स्थिति लगभग एक सप्ताह तक रहती है एवं कटान जैसी कोई समस्या नहीं है ।

ग्राम बल्ली परवा, कोन ब्लाक गंगा नदी के बांयें तट पर स्थित है। गंगा नदी से लगभग 500 मीटर की दूरी पर आबादी है। उक्त स्थल की भूमि उचित स्लोप लिए हुए है, तथा कटान की कोई स्थिति नहीं बनती है। स्थानीय ग्रामीणों से वार्ता के दौरान अवगत कराया गया कि बाढ़ के समय बल्ली परवा ग्राम में गंगा नदी के बाढ़ के पानी से जलभराव की स्थिति लगभग एक सप्ताह तक होती है एवं कटान जैसी कोई समस्या नहीं है।

अतः उक्त स्थलों पर बाँध बनाया जाना/कटाव निरोधक कार्य कराया जाना तकनीकी रूप से साध्य नहीं है।]

श्री अध्यक्ष-

अब हम कल पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिये उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन रात्रि 09:00 बजे अगले दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :

दिनांक, 27 फरवरी, 2023 ई0

प्रदीप कुमार दुबे,

प्रमुख सचिव,

विधान सभा, उत्तर प्रदेश।

नत्थी (क)

(देखिये तारांकित प्रश्न सं0-02 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-11-13 पर)

क्रमांक	जनपद
(1)	(2)
1	आगरा
2	अलीगढ
3	अम्बेडकर नगर
4	अयोध्या
5	आजमगढ
6	बहराइच
7	बांदा
8	बरेली
9	बस्ती
10	इटावा
11	फिरोजाबाद
12	गौतमबुद्ध नगर
13	गाजियाबाद
14	गोण्डा
15	गोरखपुर
16	झांसी
17	कानपुर
18	लखनऊ
19	मथुरा
20	मेरठ
21	मीरजापुर
22	मुरादाबाद
23	मुजफ्फरनगर
24	प्रयागराज
25	सहारनपुर
26	शाहजहांपुर
27	सुल्तानपुर
28	वाराणसी

नत्थी (ख)

(देखिये तारांकित प्रश्न सं0-08 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-24-26 पर)

36 ट्रामा सेन्टर– कियाशीलता

पूर्णरूप से कियाशील–03	आंशिक कियाशीलता–28	अकियाशील–05
1–कानपुर नगर (काशीराम चिकित्सालय) 2–प्रयागराज (टी0बी0सप्रू चिकित्सालय) 3–वाराणसी (पं0 दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सालय)	1–बस्ती जिला चिकित्सालय बस्ती 2–जालौन जिला चिकित्सालय उरई 3–इटावा जिला चिकित्सालय 4–ललितपुर जिला चिकित्सालय 5–गाजियाबाद जिला संयुक्त चिकित्सालय गाजियाबाद 6–जौनपुर जिला चिकित्सालय हौज 7–कन्नौज जिला चिकित्सालय 8–आजमगढ़ जिला चिकित्सालय 9–बुलन्दशहर जटिया चिकित्सालय,खुर्जा 10–बाराबंकी जिला चिकित्सालय 11–उन्नाव जिला चिकित्सालय 12–सुल्तानपुर जिला चिकित्सालय सुल्तानपुर 13–बांदा जिला चिकित्सालय 14– झाँसी मोंठ सी0एच0सी0 15– मुरादाबाद जिला चिकित्सालय 16–मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय मुजफ्फरनगर 17–हाथरस मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अन्तर्गत हाथरस सी0एस0सी0 18–लखीमपुर जिला चिकित्सालय लखीमपुर 19–प्रतापगढ़ (लालगंज अझारा) 20–प्रतापगढ़ (रानीगंज) 21–बिजनौर सी0एच0सी0 धामपुर 22–भदोही औराई 23– बलिया जिला चिकित्सालय 24– सीतापुर (खैराबाद) 25– अमेठी (जगदीशपुर) 26– कौशाम्बी 27– पीलीभीत 28– सहारनपुर जिला चिकित्सालय	1– सोनभद्र जिला चिकित्सालय 2– गाजीपुर (मोहम्मदाबाद) 3– अलीगढ़ (स्टैण्ड अलोन) 4– कानपुर देहात जिला चिकित्सालय 5– ओरैया

नत्थी (ग)

(देखिये तारांकित प्रश्न सं0-15 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-40 पर)

संलग्नक

विधान सभा के प्रथम सत्र, 2023 के प्रथम सोमवार हेतु निर्धारित श्री मनोज कुमार पारस, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा पूछा गया तारांकित प्रश्न संख्या-15 का विवरण

वर्तमान में होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों के 1182 पद स्वीकृत हैं जिनमें 1128 पद भरे हैं एवं 54 पद रिक्त है। उक्त रिक्त 54 पदों को भरे जाने हेतु उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज को अधियाचन भेजे जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। वर्तमान में होम्योपैथिक फार्मासिस्ट के 1581 पद स्वीकृत है जिनमें से 878 पद भरे हैं एवं 703 पद रिक्त हैं। उक्त रिक्त पदों में से 412 पदों को भरे जाने हेतु उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ को अधियाचन भेजा गया था, जिसके सन्दर्भ में आयोग द्वारा चयन की कार्यवाही की जा चुकी है किन्तु इस सम्बन्ध में मा0 उच्च न्यायालय में आरक्षण आदि को लेकर अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न रिट याचिकायें योजित किये जाने एवं उक्त रिट याचिकायें लम्बित होने के कारण उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा चयनित अभ्यर्थियों की सूची निदेशालय को उपलब्ध नहीं करायी गयी है, जिसके फलस्वरूप नियुक्ति की कार्यवाही अवरूद्ध है। होम्योपैथिक फार्मासिस्ट के शेष रिक्त 291 पदों को भरे जाने हेतु निदेशालय के पत्र दिनॉक 09-12-2022 द्वारा उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को अधियाचन भेजा जा चुका है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के स्वीकृत 2343 पदों के सापेक्ष 1107 पद नियमित कार्मिकों से तथा 1218 पद आउट सोर्सिंग के माध्यम से भरे हैं। शेष रिक्त 18 पदों को भी आउट सोर्सिंग के माध्यम से भरे जाने की कार्यवाही की जा रही है।

प्रदेश के राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेजों हेतु चिकित्साधिकारी/लेडी फिजीशियन के 18 पद, आवासीय चिकित्साधिकारी के 25 पद, आशुलिपिक के 07 पद, कनिष्ठ सहायक के 32 पद एवं फार्मासिस्ट के 23 पद सृजित है, जिसके सापेक्ष चिकित्साधिकारी/लेडी फिजीशियन के 10 पद भरे हैं तथा 08 पद रिक्त हैं। आवासीय चिकित्साधिकारी के 10 पद भरे तथा 15 पद रिक्त है। आशुलिपिक के 02 पद भरे 05 पद रिक्त है। कनिष्ठ सहायक के सभी 32 पद भरे हैं तथा फार्मासिस्ट के 11 पद भरे 12 पद रिक्त है। होम्योपैथिक मेडिकल कालेजों में चिकित्साधिकारी/लेडी फिजीशियन, आवासीय चिकित्साधिकारी, आशुलिपिक के रिक्त पदों को भरे जाने हेतु लोक सेवा आयोग/उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को अधियाचन भेजे जा चुके हैं। फार्मासिस्ट के तत्समय रिक्त 08 पदों को भरे जाने हेतु उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ को अधियाचन भेजा गया था, जिस पर आयोग की संस्तुति प्राप्त नहीं हुई है। शेष रिक्त 04 पदों में से 02 पदों का अधियाचन उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ को भेजा गया है तथा 02 पदों को भरे जाने हेतु अधियाचन भेजे जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। प्रदेश के राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेजों में चतुर्थ श्रेणी के 259 पद स्वीकृत है, जिनमें 43 पद नियमित कार्मिकों से तथा 215 पद आउट सोर्सिंग के माध्यम से भरे हैं। वर्तमान में चतुर्थ श्रेणी का 01 पद रिक्त है, जिसे आउट सोर्सिंग के माध्यम से भरे जाने की कार्यवाही की जा रही है।

नत्थी (घ)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-03 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-50-51 पर)

National Programme for Control of Blindness & Visual Impairment, U.P.
District Wise Cataract Operation Performance Till October-2022

Sl. No.	Name of District	Cataract Operations
1	Agra	15821
2	Firozabad	1915
3	Mainpuri	432
4	Mathura	10759
5	Aligarh	8202
6	Kasganj	951
7	Etah	1144
8	Hathras	952
9	Azamgarh	1561
10	Ballia	3716
11	Mau	1185
12	Prayagraj	11937
13	Pratapgarh	4744
14	Fatehpur	4073
15	Kaushambi	1938
16	Bareilly	14124
17	Badaun	2307
18	Pilibhit	170
19	Shahjahanpur	4138
20	Banda	3384
21	Chitrakut	2325
22	Hamirpur	2184
23	Mahoba	1662
24	Gonda	1300
25	Bahraich	3593
26	Shravasti	307
27	Balrampur	1317
28	Barabanki	4623
29	Ayodhya	3707
30	Ambedkar Nagar	861
31	Sultanpur	4700
32	Amethi	3138
33	Basti	1650
34	Siddharthnagar	847
35	Sant Kabir Nagr	541
36	Deoria	3321
37	Kushinagar	647
38	Gorakhpur	11042
39	Maharajganj	673
40	Jalaun	2065
41	Jhansi	7612
42	Lalitpur	1776
43	Etawah	1745
44	Farrukhabad	603

10/2/2023
संयुक्त निदेशक (नेत्र उपचार)
चि० एवं स्वा० सेवाएँ उ० प्र०
स्वा० भवन लखनऊ।

National Programme for Control of Blindness & Visual Impairment, U.P.
District Wise Cataract Operation Performance Till October-2022

Sl. No.	Name of District	Cataract Operations
45	Kanpur(Urban)	5979
46	Kanpur(Dehat)	1365
47	Kannauj	812
48	Auraiya	192
49	Hardoi	3442
50	Lakhimpur	7696
51	Lucknow	15149
52	Raibareilly	365
53	Sitapur	12304
54	Unnao	1991
55	Bulandshahar	7386
56	Gautambudh Nagar	14259
57	Gaziyabad	14848
58	Hapur	2530
59	Meerut	17366
60	Bagpath	2285
61	Muzaffar Nagar	8531
62	Shamli	2524
63	Saharanpur	5744
64	Mirzapur	1490
65	Sonbhadra	536
66	Sant Ravi das Nagar	4349
67	Bijnore	8134
68	Moradabad	8346
69	Sambhal	2517
70	Rampur	1809
71	Amroha	1881
72	Ghazipur	2061
73	Varanasi	12745
74	Jaunpur	1024
75	Chandauli	721
	Total Uttar Pradesh:	**326073**

नोट– जनपदों में किये जा रहे मोतियाबिन्द आपरेशनों की रिपोर्ट का संकलन प्रत्येक माह की 21 तारीख से अगले माह की 20 तारीख तक किया जाता है। तदोपरान्त राज्य स्तर पर मासिक आधार पर जनपदवार प्राप्त सूचनाओं को संकलित किया जाता है। उक्त रिपोर्ट वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022–23 में 17 अक्टूबर, 2022 तक जनपद स्तर पर किये गये मोतियाबिन्द आपरेशनों की है।

10/21 2023
संयुक्त निदेशक (नेत्र उपचार)
चि0 एवं स्वा0 सेवाएँ उ0 प्र0
स्वा0 भवन लखनऊ।

नत्थी (ङ)

(देखिये अतरांकित प्रश्न संख्या-14 का उत्तर पीछे पृष्ठ संख्या-57-58 पर)

	UTTAR PRADESH MEDICAL SUPPLIES CORPORATION LTD.		
	Regd. Office: SUDA Bhawan, 7/23, Sector-7, Gomti Nagar Extension, Lucknow-226010		
	Stock Stats EDL		
		DATE	14/02/2023
		TIME	12:41:52
S. No.	Drug Name	Total (75) WareHouse Stock	Total CMO/CMS Stock
1	1 Tab Azithromycin (1 gm) /2 Tab Azithromycin (500mg) & 1 Tab C	85562	20599
2	ACECLOFINAC : 100 mg (Tab) [D010020] (E)	7612699	13909750
3	ACETAZOLAMIDE : 250 mg (Tab) [D100021] (E)	1088110	71370
4	ACYCLOVIR : 400 mg (Tab) [D040002] (E)	1456530	218170
5	ALBENDAZOLE : 200 mg/5 ml (Suspension) 10ml Phial/ Bottle [D05	828384	88391
6	Albendazole Tablet 400mg (Fruit Flavored, Chewable Scored) [D09	26038489	4781429
7	ALLOPURINOL : 100 mg (Tab) [D260001] (E)	1248095	206300
8	ALPRAZOLAM : 0.5 mg (Tab) [D280001] (E)	20288540	3425444
9	AMBROXOL Syrup 15 mg / 5 ml 100 ml bottle [D030014] (E)	544109	83267
10	AMIKACIN SULPHATE : - 100 mg/2ml : 2ml (Inj) Vial [D040003] (E)	838969	277225
11	AMIKACIN SULPHATE : IP - 500 mg/2ml : 2ml (Inj) Vial [D040004] (	974836	766928
12	AMINOPHYLLINE DIHYDRATE : IP - 25 mg/ml : 10ml (Inj) Ampoule	251986	36555
13	AMIODARONE HYDROCHLORIDE :- 50 mg./ml. : 3ml (Inj) Ampoule	28020	4452
14	AMLODIPINE BESYLATE : 5 mg (Tab) [D100002] (E)	5455148	1415320
15	AMOXYCILLIN AND POTASSIUM CLAVULANATE ORAL SUSPENSION	387107	132769
16	AMOXYCILLINE SODIUM WITH CLAVULANATE POTASSIUM : - 500	440977	250355
17	AMOXYCILLINE TRIHYDRATE WITH CLAVULANATE : 250 mg+125 m	447793	1813410
18	AMOXYCILLIN SODIUM : IP - 500 mg : Dry powder (Inj) Vial [D0400	384541	30141
19	Amoxycillin Trihydrate DT Tablet Scored 250mg [D040051] (E)	200	141210
20	AMOXYCILLIN TRIHYDRATE EQUIVALENT TO AMOXYCILLIN AND CL	2145367	2710749
21	AMOXYCILLIN TRIHYDRATE Syrup 125mg/5ml 60ml Phial [D04006	452251	98702
22	AMPICILLIN SODIUM : IP - 500 mg : Dry powder (Inj) [D040012] (E)	102710	6210
23	Antacid Tablet, Each chewable tablet contains Magnesium Trisilica	437879	5131841
24	ANTI SERUM POLYVALENT SNAKE VENOM ASV : USP - 10 ml : LYOF	39293	43294
25	ARTESUNATE : IP - 60 mg : Dry powder (Inj) Vial [D110002] (E)	756480	22967
26	ASCORBIC ACID : 500 mg (Tab) [D340001] (E)	47861284	9947844
27	Aspirin Gastro Resistant Tab IP 75 mg [D010002] (E)	14613377	1036175
28	ASPRIN UNCOATED Tablet 325 mg [D010023] (E)	30277940	867730
29	ATENOLOL : 50 mg (Tab) [D100003] (E)	603577	636418
30	ATORVASTATIN CALCIUM : 10 mg (Tab) [D100004] (E)	17356680	1466970
31	ATRACURIUM BESYLATE :10 mg/ml : 2.5ml (Inj) Ampoule [D20000	44260	3330
32	ATROPINE SULPHATE : IP - 0.6 mg/ml : 1ml (Inj) Ampoule [D20000	2105153	118930
33	AZITHROMYCIN : 500 mg (Tab) [D040013] (E)	19641431	11103784
34	AZITHROMYCIN Suspension 100mg/5ml (-) 30ml Phial/ Bottle [D04	120203	23071
35	B COMPLEX : VITAMIN B1 5 MG THIAMINE HYDROCHLORIDE VITA	21308116	22054018
36	BENZYL BENZOATE APPLICATION : 25% w/w (-)100 ml Bottle (-) [D	116503	45470
37	Betamethasone :0.5mg (Tab) [D160007] (E)	6451780	1226495
38	BETAMETHASONE SODIUM PHOSPHATE BP : 4 mg/ml : 1ml (Inj)Am	84462	68871
39	Betamethasone Valerate Cream,0.1% W/W, 15 Gm Tube [D16001	338875	149619
40	BISACODYL ENTERIC COATED : 5 mg (Tab) [D250001] (E)	5290395	282285
41	BROMHEXINE HYDROCHLORIDE Tablet 4mg 10 strip [D030012] (E)	4222090	1628530
42	BUDESONIDE : 0.5mg/ml Raspule 2ML [D130003] (E)	161450	53121
43	BUDESONIDE Inhaler 100mcg [D130017] (E)	296713	27636

44	CALCIUM CARBONATE WITH VITAMIN D3 : 1250mg+250IU (Tab) [	44170080	16622755
45	CALCIUM CITRATE 500 mg Elemental Calcium [D230001] (E)	22476470	11277825
46	CALCIUM GLUCONATE : IP - 100 mg : 10ml (Inj) Ampoule [D23000	112765	16586
47	Calcium Vitamine D3 Suspension (Each 5ml contains Calcium Carb	399860	168443
48	CARBAMAZEPINE : 400 mg CR (Tab) [D080002] (E)	4415720	1331445
49	Carbamazepine susp 100mg/5ml 100ml bottle with measuring cup	231216	27945
50	CARBIMAZOLE : 10 mg (Tab) [D310001] (E)	5750250	65070
51	CARBOPROST TROMETHAMINE : IP - 250 mcg/ml : 1ml (Inj) Ampo	24585	16419
52	CARBOXYMETHYL CELLULOSE SODIUM Eye Drop 1% W/v 10ml Gr	325581	122554
53	Cefixime Oral Suspension IP, 100mg/5ml, 30ml Bottle [D040015] (	136932	48535
54	CEFIXIME TRIHYDRATE : 200 mg (Tab) [D040016] (E)	4046750	2207579
55	CEFOTAXIME SODIUM : IP - 1 gm : dry powder (Inj) in vial [D04006	328988	537653
56	CEFTAZIDIME PENTAHYDRATE : IP - 1 gm : dry powder (Inj) Vial [D	144350	57241
57	CEFTAZIDIME PENTAHYDRATE : IP - 250 mg : dry powder (Inj) Vial	1218854	171611
58	Ceftazidime Powder for Inj. 500mg [D040045] (E)	61960	0
59	CEFTRIAXONE 1g: dry powder vial (Inj) [D040020] (E)	74055	92358
60	CEFTRIAXONE 500 mg : dry powder (Inj) [D040021] (E)	510600	394061
61	CEPHALEXIN Dry Syrup 125mg/5ml (-) 30 ml Phail/Bottle [D04002	23379	27223
62	CETRIMIDE : 0.2% 5L Jar(-) [D220001] (E)	3627	1670
63	Chloramphenicol 5% w/v Benzocaine 1%w/v : 5% w/v+ 1% w/v Ea	48969	7290
64	CHLOROQUINE PHOSPHATE : 250 mg (Tab) [D110003] (E)	27123	30740
65	CHLOROQUINE PHOSPHATE : IP - 40mg/ml : 5ml (Inj) Ampoule [D1	197728	12527
66	CHLORPHENIRAMINE MALEATE : 4 mg (Tab) [D030015] (E)	6168000	1863294
67	CICLOPIROX OLAMINE Cream 0.01 10gm Tube [D290011] (E)	83054	45868
68	CINNARIZINE : 25 mg (Tab) [D070009] (E)	109970	95590
69	CIPROFLOXACIN : 2 mg/ml (Inj): 100ml FFS Bottle [D040047] (E)	234951	71575
70	CIPROFLOXACIN HYDROCHLORIDE : 0.3% w/v Eye Drop,5ml FFS via	1641085	760888
71	CIPROFLOXACIN HYDROCHLORIDE : 500 mg (Tab) [D040027] (E)	8176544	9881689
72	CLOBAZAM : 5mg (Tab) [D280022] (E)	1188690	327250
73	CLONAZEPAM : 0.5 mg (Tab) [D280003] (E)	3512890	2250170
74	CLOPIDOGREL : 75mg (Tab) [D100005] (E)	1137263	193880
75	CLOTRIMAZOLE : 2% w/w (Cream) 15gm Tube [D290003] (E)	566420	395647
76	CLOTRIMAZOLE+LIGNOCAINE HCL Ear Drop 1%+2%w/v 10ml FFS	127234	76151
77	CLOTRIMAZOLE VAGINAL : 200 mg (WITH APPLICATOR) (Tab) 1*6	7107682	215966
78	DANAZOL : 100 mg (Caps) [D180003] (E)	11970	6800
79	DEXAMETHASONE : 0.5mg (Tab) [D160002] (E)	22874055	1579210
80	DEXAMETHASONE SODIUM PHOSPHATE : IP - 4 mg/ml : 2ml (Inj) v	1270009	682747
81	DEXTROSE Injection - 25% w/v : 100ml (Inj) [D240001] (E)	139378	28138
82	DEXTROSE : IP - 10% w/v : 500ml (Inj) FFS Bottle [D240002] (E)	249778	77595
83	DEXTROSE : IP - 5% w/v : 500ml (Inj) FFS Bottle [D240003] (E)	115679	235906
84	DEXTROSE MONOHYDRATE (GLUCOSE) Powder 75 gm PacketDEXT	4314572	105785
85	DEXTROSE WITH SODIUM CHLORIDE : IP - 5% w/v +0.9%W/V : 500	255128	473837
86	DIAZEPAM : IP - 5 mg/ml : 2ml (Inj) 2ml Ampoule [D280004] (E)	1888383	119428
87	Diclofenac Gel (Diclofenac Sodium 1% W/W), 30Gm Tube [D01000	863411	460419
88	Diclofenac Sodium Inj 75mg/ml, 1ml Ampoule [D010004] (E)	1009771	915548
89	DICLOFENAC SODIUM SR Tablet 100 mg 10 per strip [D010005] (E)	62868	6343651
90	DICYCLOMINE HYDROCHLORIDE - 10 mg/ml : 2ml (Inj) Ampoule2m	22660	135377
91	DICYCLOMINE HYDROCHLORIDE : 10 mg (Tab) [D120003] (E)	22652320	5683325
92	DICYLOMINE HCL WITH ACTIVATED DIMEHICONE : 10 mg+40 mg/	508536	74686
93	DICYLOMINE HCL WITH ACTIVATED DIMETHICONE Drop 10 mg+40	574151	54816
94	DIETHYLCARBAMAZINE CITRATE : 100 mg (Tab) [D090003] (E)	1363130	370359

[illegible]	DIGOXIN : 0.25 mg (Tab) [D100006] (E)	861960	64360
96	DILTIAZEM HYDROCHLORIDE : 30 mg (Tab) [D100007] (E)	2164350	43300
97	DISODIUM HYDROGEN CITRATE : 1.53 gm/5 ml 100 ml bottle [D35	26918	41720
98	DOBUTAMINE HYDROCHLORIDE : USP - 50 mg./ml. : 5ml (Inj) [D10	208578	20066
99	DOMPERIDONE : 10 mg (Tab) [D070001] (E)	18051920	2414770
100	DOMPERIDONE SUSPENSION 1 mg/ml 30ML Phial/Bottle [D07000	588576	57920
101	DOPAMINE HYDROCHLORIDE :- 40 mg/ml : 5ml (Inj) [D100009] (E	3828	12428
102	DOXYCYCLINE HYDROCHLORIDE : EQUIVALENT OF 100mg DOXYCY	6166220	10636685
103	DOXYLAMINE SUCCINATE WITH PYRIDOXINE HCL : 10 mg+10 mg (	404550	5000
104	DULOXEITINE HYDROCHLORIDE : 20 mg (Tab) [D280025] (E)	3745950	360950
105	ENEMA GLYCERIN SODIUM CHLORIDE Tube 15% W/w+15% W/v 2	1394925	66133
106	ENOXAPARIN LOW MOL WT HEPARIN Injection 60mg/0.6ml Prefil	137724	10417
107	ESCITALOPRAM : 10 mg (Tab) [D280026] (E)	7747130	1303795
108	ETHAMSYLATE : 500 mg (Tab) [D150005] (E)	4164550	241950
109	Ethamsylate injection - 125 mg/ml : 2ml ampoule [D050006] (E)	2400042	188784
110	ETHINYLESTRADIOL : 0.01 mg (Tab) [D180004] (E)	343500	32290
111	FERROUS SULPHATE : 200mg EQUIVALENT TO 60mg FERROUS ION	3082114	1033700
112	FLUCONAZOLE : 150 mg (Tab) [D040030] (E)	4736413	1912545
113	FLURBIPROFEN SODIUM Eye Drop: 0.03% w/v 5ml Bottle [D19000	66390	180
114	Folic Acid (B9) Tablet : 5mg [D340003] (E)	68137359	3859525
115	FRAMYCETIN SULPHATE : 1% W/w 30gm (Cream) [D290004] (E)	1569810	385402
116	FRUSEMIDE : 40 mg (Tab) [D100022] (E)	2878651	568683
117	FRUSEMIDE : IP - 10 mg/ml : 2ml (Inj) [D100023] (E)	73970	11335
118	Gentamicin Sulphate 0.3%w/v+ Betamethasone0.1%w/v : 0.3% w/	64395	19239
119	GENTAMICIN SULPHATE : IP - 40 mg/ml : 2ml vial [D040032] (E)	247902	406610
120	GLIBENCLAMIDE : 5 mg (Tab) [D060001] (E)	1047680	109280
121	Gliclazide :40 mg (Tab) [D060002] (E)	4161240	418030
122	GLIMEPRIDE : 1 mg (Tab) [D060003] (E)	6229670	2200110
123	GLIMEPRIDE : 2 mg (Tab) [D060004] (E)	21073035	1671410
124	GLIPIZIDE : 5 mg (Tab) [D060005] (E)	358990	198050
125	GLYCOPYRROLATE : IP - 0.2 mg/ml : 1ml (Inj) Ampoule [D200005] (	100799	15535
126	HYDROCHLORTHIAZIDE : 12.5mg (Tab) [D100013] (E)	2883430	207895
127	HYDROCORTISONE CREAM : 1% w/w (Cream) 15gm Tube [D16001	40195	5880
128	HYDROCORTISONE SODIUM SUCCIINATE : IP - 100 mg : dry powde	400815	226906
129	Hydrogen Peroxide Solution I.P. : 6% w/v 400 ml (-) [D220003] (E)	24223	2668
130	HYDROXIZINE HCL : 10 mg/5 ml (Syr)30ml Phial/bottle [D030013] (	28426	9478
131	Hydroxyprogesterone caproate injection 250mg/ml 2ml Ampoule	243387	27917
132	IBUPROFEN : 200 mg (Tab) [D010006] (E)	16708100	12923426
133	IBUPROFEN Suspension: 100 mg/5 ml , 60 ml bottle with meauring	11998	51085
134	Immunoglobulin Human Anti-D Monoclonal : Ip - 300mcg : 1ml [D1	13312	5984
135	INDOMETHACIN : 25mg (Caps) [D260002] (E)	4127320	959490
136	INJ METHYLERGOMERTINE MALEATE 0.2 MG 1ml Vial [D220004] (	1525733	66243
137	INSULIN GLARGINE Insulin 100 IU PER ml, 3 ml Cartridge [D06001	75100	6735
138	INSULIN HUMAN SOLUBLE with INSULIN HUMAN NEUTRAL PROTA	27277	169037
139	IPRATROPIUM BROMIDE MDI 20mcg/puff,200 doses [D130004] (E	86757	6978
140	Ipratropium Bromide Respule 250mcg/ml, 15ml vial [D130005] (E)	439390	13288
141	IRON AND FOLIC ACID CONTAINING DRIED FERROUS SULPHATE IP	133572252	4692210
142	Iron and Folic Acid IFA Large Tablet Containing 60 MG Elemental Ir	357697915	15576550
143	IRON AND FOLIC ACID IFA (WIFS-JUNIOR) CONTAINING DRIED FER	79230364	877950
144	IRON SUCROSE CONTAINING FERRIC HYDROXIDE AS COMPLEX WI	866340	11250
145	IRON SUCROSE CONTAINING FERRIC HYDROXIDE AS COMPLEX WI	2003669	71943

	IRON WITH FOLIC ACID : 20 mg+100 mcg/ml 100ml (Syr) Phial/ Bo	246033	54063
147	ISOFLURANE USP 100ML BOTTLE [D200006] (E)	2195	578
148	ISOSORBIDE DINITRATE : 5 mg (Tab) [D100014] (E)	640668	121533
149	ISOSORBIDE MONONITRATE : 10 mg (Tab) [D100015] (E)	1095640	286290
150	ISOXUPRIME HYDROCHLORIDE : 10 mg (Tab) [D180006] (E)	29089180	904810
151	IVERMECTIN : 12 mg. (Tab) [D090005] (E)	73198050	3086629
152	LABETALOL HCL : 100 mg (Tab) [D180008] (E)	17466139	321175
153	LABETALOL HCL :5mg/ml : 20ml (Inj) Vial [D180009] (E)	154024	2137
154	Lactulose Syrup 3.325gm/5ml or 3.335 gm/5ml or 10gm/15ml,whi	50226	93870
155	LEVOCETIRIZINE HYDROCHLORIDE Syrup 2.5mg/5ml 30ml Bottle	1071086	84590
156	LEVOCETIRIZINE Tablet 5mg, 10 per strip [D030002] (E)	805091	1454540
157	LEVOFLOXACIN : 500 mg (Tab) [D040033] (E)	556350	1916600
158	LEVOSALBUTAMOL : 1 mg/5 ml (Syr) 30ml Bottle [D130012] (E)	159249	90616
159	LIGNOCAINE GEL : 2%W/V 30GM TUBE [D200009] (E)	103378	53783
160	LIGNOCAINE HCL : 2%w/w : 30ml (Inj) [D200010] (E)	114848	31271
161	LIGNOCAINE HCL WITH ADRENALINE Injection (LIGNOCAINE HCL 2	22495	5089
162	LOSARTAN POTASSIUM : 50 mg (Tab) [D100029] (E)	1023030	333760
163	MAGNESIUM SULPHATE Injection 50% w/v in 2ml Ampoule [D180	162498	2105
164	MANNITOL INJECTION 20% w/v in 100 ml FFS Bottle [D240012] (E)	3171	2723
165	MEDROXYPROGESTRONE ACETATE TABLETS IP 10MG, 10PER STRI	176347	32900
166	Meropenam 1gm inj. 100mg/ml, 10ml vial or Meropenam 1 gm in	156228	43074
167	METFORMIN HYDROCHLORIDE : 500 mg (Tab) [D060009] (E)	10930855	3514554
168	METHYLCOBALAMINE (B12) : 500 mcg (Tab) [D340004] (E)	1637540	2918910
169	METHYLCOBALAMINE : USP - 500 mcg/ml : 3ml (Inj) 3ml Ampoule	971088	113604
170	METOCLOPRAMIDE HYDROCHLORIDE Injection 5 mg/ml in 2ml : V	1187469	484392
171	METOPROLOL : 50mg (Tab) [D100017] (E)	362870	97380
172	METRONIDAZOLE : 400 mg (Tab) [D040040] (E)	16741910	10947220
173	METRONIDAZOLE BENZOATE Suspension 40mg/ml 60 ml phial (-)	566069	134482
174	METRONIDAZOLE : IP - 5 mg/ml : 100ml (Inj) 100ml FFS Bottle [D0	435088	465337
175	MICONAZOLE Cream 2% 20G TUBE [D290005] (E)	146495	181750
176	MIDAZOLAM HCL 1 mg/ml in 10ml (Inj) Vial [D200013] (E)	156244	11162
177	MISOPROSTOL : 200 mcg (Tab) [D180014] (E)	1626278	378585
178	MONTELUKAST SODIUM : 10 mg (Tab) [D030003] (E)	4840940	6971105
179	Multiple electrolytes and dextrose type-1 (Isolyte P) : - Sodium ac	194687	68733
180	Multiple electrolytes and dextrose type-3(Isolyte M) : - Sodium ac	229197	54326
181	Multivitamin Drops Each ml contains Vit-A-3000IU, Vit D3 - 300IU,	1446306	260911
182	NEOSTIGMINE METHYL SULPHATE : IP - 0.5 mg/ml : 5ml (Inj) Ampo	146158	12240
183	NICOTINE PASTILLE/GUM 4mg 10 strip [D230024] (E)	4557520	218650
184	NIKETHAMIDE Injection 250 mg/ml 2 ml ampule [D130018] (E)	56822	17257
185	Nitrofurantoin :100 mg (Tab) [D040035] (E)	7475510	373150
186	NORADRENALINE TARTRATE : 2 mg/ ml : 2ml (Inj) Ampoule [D200	45179	9952
187	NORETHISTERONE : 5 mg (Tab) [D180015] (E)	1032760	734145
188	NORFLOXACIN : 100 mg/5 ml Syrup/Suspension 60 ml phial/bottle	182476	35349
189	NORFLOXACIN : 400 mg (Tab) [D040036] (E)	16487850	3346780
190	OFLOXACIN : 200 mg (Tab) [D040037] (E)	2863270	5229520
191	OLANZAPINE : 10mg (Tab) [D280028] (E)	1366200	783955
192	OMEPRAZOLE Gastro Resistent : 20 mg. (Caps) 1 * 10 strip [D0200	4259890	9718914
193	ONDANSETRON HCL : 2 mg base/5 ml (Syr) 30 ml Phial/Bottle [D07	404671	81820
194	ONDANSETRON HCL : 4 mg (Tab) [D070005] (E)	3772610	1600735
195	Ondansetron IP Inj 2 Mg/Ml in 2 ML Ampoule [D070006] (E)	566271	246690
196	ORAL REHYDRATION SALTS CITRATE (W.H.O. Formula)	13012925	1375760

19[illegible]	ORNIDAZOLE : 500 mg (Tab) [D040060] (E)	1336720	999260
198	eltamivir oral suspension IP 12 mg/ml (75 Ml) Phial/bottle. [D22	38547	1230
199	Oseltamivir PHOSPHATE : 75mg (Caps) [D040038] (E)	456755	26800
200	OSELTAMIVIR PHOSPHATE Capsule 45mg [D040061] (E)	263085	20890
201	OXYTOCIN : IP - 5IU/ML : 1ml (Inj)1ml Ampoule [D180016] (E)	337877	249845
202	PANTAPRAZOLE Injection 40mg/vial with Dilutant [D020002] (E)	63985	270479
203	PARACETAMOL : 500 mg (Tab) [D010008] (E)	41664685	43570884
204	PARACETAMOL Drop : 100mg/ml (15 ml pack with dropper)) [D01	264251	122603
205	PARACETAMOL INFUSION Injection 10mg/ml 100ml Bottle 100ml	220171	42074
206	PARACETAMOL : IP - 150mg/ml : 2ml (Inj) [D010010] (E)	199942	138389
207	PARACETAMOL Suspension 250mg/5ml 60ml bottle with measurir	2063541	394735
208	PARACETAMOL SYRUP 125mg/ 5ml (60 Ml bottle with measuring c	184935	310903
209	PENTAZOCINE LACTATE : IP - 30 mg/ml : 1ml (Inj) [D010011] (E)	77173	70899
210	PERMETHRIN : 5% W/w (Cream) 60gm Tube [D290007] (E)	10802	8174
211	PHENIRAMINE MALEATE Injection 22.75 mg/ml in 2ml Ampoule [D	101664	119129
212	Phenobarbitone Susp 20MG/5 ML, 60 ML Bottle With Measuring C	380313	15877
213	PHENYTOIN SODIUM Injection 50 mg./ml. in 2 ml Ampoule [D080	135354	44636
214	PHYTOMENADIONE Vit.K1 : IP - 1mg/ml : 1ml (Inj) Ampoule [D230	2396521	158780
215	PILOCARPINE NITRATE : 1% W/v Eye Drop 5ML [D270002] (E)	5870	330
216	PIPERACILLIN WITH TAZOBACTAM SODIUM - 4gm + 500mg : dry p	193804	185488
217	POVIDONE IODINE : 5% W/w (Ointment) 15gm Tube [D290008] (E	154443	309735
218	PREDENISOLONE : 10 mg (Tab) [D160006] (E)	134240	282160
219	PREDENISOLONE SODIUM PHOSPHATE : 1.0% w/v Eye Drop 5ML E	444501	74475
220	Primaquine Tablet 2.5 mg [D110005] (E)	7081480	4600
221	Primaquine Tablet 7.5 mg [D110006] (E)	1029514	84800
222	PROMETHAZINE HYDROCHLORIDE : 25 mg/ml : 2ml (Inj) 2ml ampo	125411	85210
223	PROMETHAZINE HYDROCHLORIDE : 5 mg/5 ml (Syr) 60ml Phial/ Bo	83497	95043
224	PROPOFOL 1 PERCENT : IP - 10 mg/ml : 20ml (Inj) 20ml Vial (Inj) [D	20895	5088
225	PROPRANOLOL HYDROCHLORIDE : 20mg (Tab) [D280029] (E)	113820	86299
226	QUETIAPINE FUMARATE : 100mg (Tab) [D280027] (E)	7486540	1204150
227	RAMIPRIL : 5mg (Tab) [D100030] (E)	635560	208670
228	RANITIDINE HYDROCHLORIDE : 150 mg (Tab) [D020003] (E)	263170	4064335
229	RANITIDINE HYDROCHLORIDE : IP - 25mg/ ml : 2ml (Inj) 2ml Ampo	936506	1186012
230	RINGER LACTATE: IP - 0.24%w/v Lactic Acid (eq.0.32%w/v Sod. Lac	366568	635538
231	RISPERIDONE : 3 mg. (Tab) [D280030] (E)	7228930	1322325
232	Salbutamol Aerosol 200MTD 100mcg/Metered dose inhaler [D130	222740	34899
233	SALBUTAMOL Respiratory Solution 5mg/ml, 15 ml Bottle [D13000	752848	39161
234	SALBUTAMOL SULPHATE : 4 mg (Tab) [D130007] (E)	23016900	2535100
235	SALMETEROL 25 MCG + FLUTICASONE 250 MCG 120 MDI 25 mcg +	369414	47519
236	S AMLODIPINE BESYLATE : 5mg (Tab) [D100031] (E)	4885727	711560
237	SERRATIOPEPTIDASE : 10mg (Tab) [D010021] (E)	4007850	1394540
238	SILVER SULPHADIAZINE : 1% W/w 250gm (Cream) [D290010] (E)	788	1010
239	SODIUM BICARBONATE : - 7.5% w/v : 10ml (Inj) 10ml Ampoule [D2	220087	22058
240	Sodium Chloride Injection 0.9 % w/v in 100ml FFS Bottle [D240014	94905	294687
241	SODIUM CHLORIDE : IP - 0.9% w/v : 500ml (Inj) 500ml FFS Bottle [	252044	395599
242	SODIUM VALPORATE / valporic acid Susp. 200mg/5ml, 100 ml bot	95219	52981
243	SODIUM VALPROATE : 500 mg CR (Tab) [D080010] (E)	162330	48300
244	SPIRONOLACTONE : 25 mg (Tab) [D100024] (E)	4925330	279690
245	STREPTOCOCCUS FAECALIS+CLOSTRIDIUM BUTYRICUM+BACILLUS	9926715	2581320
246	TELMISARTAN : 40 mg (Tab) [D100019] (E)	2160260	1027520
247	THEOPHYLLINE WITH ETOPHYLLINE : 69 mg+231 mg (Tab) [D13001	647880	948413

24[illegible]	THEOPHYLLINE WITH ETOPHYLLINE : IP - 25.3mg+84.7 mg/ml : 2m	321588	322257
249	THYROXINE SODIUM : 0.05 mg (Tab) 100/phial or Bottle [D310002	168905	104140
250	Tramadol Hydrochloride :50 mg Tablets [D010012] (E)	3735300	2776001
251	TRAMADOL HYDROCHLORIDE : IP - 50mg/ ml : 2ml (Inj) 2ml Ampo	64908	100113
252	TRANAXAMIC ACID Injection 500mg/5ml ampoule [D050005] (E)	30278	35971
253	TRANEXAMIC ACID : 500mg (Tab) [D150002] (E)	114627	252671
254	TRIHEXYPHENIDYL HYDROCHLORIDE : 2 mg (Tab) [D280016] (E)	6603440	2319137
255	TRIMETHOPRIM WITH SULPHAMETHOXOZOLE : 160mg+800mg (T	9241515	3185500
256	TRIMETHOPRIM WITH SULPHAMETHOXOZOLE : 40mg+200mg/5 m	620638	54367
257	TROPICAMIDE : 1%W/V Eye Drop 5ML [D160009] (E)	46995	9085
258	Vaccine Anti Rabies : - 1ml : 2.5 IU Per Vial (Inj) [D330004] (E)	279134	200648
259	VACCINE TENTANUS TOXOID : IP - 0.5ml :ampoule [D330006] (E)	653101	65270
260	VERAPAMIL HCL : 40 mg (Tab) [D100020] (E)	140030	10250
261	VILDAGLIPTIN : 50 mg (Tab) [D060013] (E)	1234734	647961
262	VITAMIN A PALMIPATE Arachis oil base Liquid 100000 IU/ml, 100 r	154138	16424
263	VITAMIN A SOFTGEL : 25000IU (-) 10 per Strips [D340007] (E)	838231	339355
264	Vitamin D3 Tablet/Capsule 60000IU, 10 Tablet/ capsule per strip/	15081272	1723630
265	WATER FOR INJECTION in 10ml Ampoule [D240011] (E)	347015	1187027
266	Wax dissolving Ear Drops: Paradichlorobenzene,Benzocaine, Chlor	378551	92576
267	XYLOMETAZOLINE : 0.001 Nasal Drop 10ML 15ml Bottle [D030005	333832	104154
268	ZINC SULPHATE DISPERSIBLE DT : eq. to elemental zinc 20mg [D23	140962573	7407516
269	ZOLPIDEM TARTARATE : 5 mg (Tab) [D280017] (E)	4700145	1108295

नत्थी (च)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-19 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-60-61 पर)

100 शैय्या युक्त संयुक्त चिकित्सालय लालगंज आजमगढ़			
1	डा0 बिन्ध्याचल कुमार सिह	अधीक्षक	9838610075
2	डा0 सुरजीत सिंह	चि0अ0	9792228880
3	डा0 संजय पासी	चि0अ0	8765430621
4	डा0 आलोक रंजन	चि0अ0	9451887896
5	डा0 सूर्यबलि मौर्या	चि0अ0	9450388644
6	डा0 प्रभाकर राम	चि0अ0	9450374934
7	डा0 अनिला सिंह	चि0अ0	9335633366
8	डा0 अतुल सिंह	चि0अ0	9415191823
9	डा0 रामआशीष यादव	चि0अ0	9450826334
10	डा0 शशांक सुमन यदुवंशी	चि0अ0	6387541831
11	डा0 फणीश श्रीवास्तव	चि0अ0	8800405401
12	श्री लालमन यादव	चीफ फार्मासिस्ट	9450116179
13	श्री अशोक कुमार	फार्मासिस्ट	9918066455
14	श्री रमाकान्त सिंह	फार्मासिस्ट	9118849942
15	श्रीमती प्रेमशीला वर्मा	स्टाफ नर्स	9453345323
16	श्रीमती उषा कुमारी	स्टाफ नर्स	884036824
17	मो0 फैयाज अहमद	सफाईकर्मी	

मुख्य चिकित्साधिकारी
आजमगढ़

नत्थी (छ)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-27 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-65-66 पर)

36 ट्रामा सेन्टर– कियाशीलता

पूर्णरूप से कियाशील–03	आंशिक कियाशीलता–28	अकियाशील–05
1–कानपुर नगर (काशीराम चिकित्सालय) 2–प्रयागराज (टी0बी0सप्रू चिकित्सालय) 3–वाराणसी (पं0 दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सालय)	1–बस्ती जिला चिकित्सालय बस्ती 2–जालौन जिला चिकित्सालय उरई 3–इटावा जिला चिकित्सालय 4–ललितपुर जिला चिकित्सालय 5–गाजियाबाद जिला संयुक्त चिकित्सालय गाजियाबाद 6–जौनपुर जिला चिकित्सालय हौज 7–कन्नौज जिला चिकित्सालय 8–आजमगढ़ जिला चिकित्सालय 9–बुलन्दशहर जटिया चिकित्सालय,खुर्जा 10–बाराबंकी जिला चिकित्सालय 11–उन्नाव जिला चिकित्सालय 12–सुल्तानपुर जिला चिकित्सालय सुल्तानपुर 13–बांदा जिला चिकित्सालय 14– झाँसी मोंठ सी0एच0सी0 15– मुरादाबाद जिला चिकित्सालय 16–मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय मुजफ्फरनगर 17–हाथरस मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अन्तर्गत हाथरस सी0एस0सी0 18–लखीमपुर जिला चिकित्सालय लखीमपुर 19–प्रतापगढ़ (लालगंज अझारा) 20–प्रतापगढ़ (रानीगंज) 21–बिजनौर सी0एच0सी0 धामपुर 22–भदोही ओरी 23– बलिया जिला चिकित्सालय 24– सीतापुर (खैराबाद) 25– अमेठी (जगदीशपुर) 26– कौशाम्बी 27– पीलीभीत 28– सहारनपुर जिला चिकित्सालय	1– सोनभद्र जिला चिकित्सालय 2– गाजीपुर (मोहम्मदाबाद) 3– अलीगढ (स्टैण्ड अलोन) 4– कानपुर देहात जिला चिकित्सालय 5– औरैया

नत्थी (ज)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-45 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-74-75 पर)

संख्या-1/2019/33/एक-2-2019-19(रिट)/2018

प्रेषक,

सुरेश चन्द्रा,
प्रमुख सचिव,
उ0प्र0 शासन ।

सेवामें,

आयुक्त एवं सचिव,
राजस्व परिषद,
उ0प्र0, लखनऊ ।

राजस्व अनुभाग-2 लखनऊः दिनांकः 10 जनवरी, 2019

विषयः- नदियों में मत्स्य आखेट हेतु पट्टा/ठेका का अधिकार दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या-31309/2018 "मत्स्य जीवी सहकारी समिति लि0 बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य" में मा0 उच्च न्यायालय द्वारा नदियों में मत्स्य आखेट हेतु पट्टा/ठेका का अधिकार दिये जाने के लिए नीति बनाये जाने के आदेश पारित किए गए हैं। अतः उ0प्र0 राज्य के भौगोलिक क्षेत्राधिकार में पड़ने वाली नदियों/बहती जल धाराओं में मत्स्य आखेट प्रबन्धन हेतु निम्न व्यवस्था निर्धारित की जाती है:-

(क) मत्स्य आखेट क्षेत्रों का चिन्हांकन-

(1) उ0प्र0 राज्य के भौगोलिक क्षेत्राधिकार में पड़ने वाली नदियों में मत्स्य आखेट (शिकारमाही) हेतु सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक तहसील में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील स्तरीय मत्स्य आखेट समिति का गठन निम्नवत् किया जायेगा-

1.	उप जिलाधिकारी	अध्यक्ष
2.	जिलाधिकारी द्वारा नामित खण्ड विकास अधिकारी	सदस्य
3.	अधिशासी अभियंता, सिंचाई द्वारा नामित सहायक अभियंता	सदस्य
4.	अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा नामित अधिकारी	सदस्य
5.	सहायक वन संरक्षक	सदस्य
6.	सहायक निदेशक, मत्स्य/जनपदीय मत्स्य अधिकारी	सदस्य सचिव

(2) उक्त समिति द्वारा तहसील में बहने वाली नदियों/बहती जलधाराओं में सर्वेक्षण कर मत्स्य आखेट क्षेत्रों का चिन्हांकन किया जायेगा। मत्स्य आखेट क्षेत्रों का चिन्हांकन ग्राम पंचायत अथवा आवागमन की सुगमता अथवा नौका घाट आदि सीमा विभाजक के रूप में लेते हुए किया जायेगा।

(3) उक्त समिति द्वारा नदियों में मत्स्य आखेट क्षेत्रों का चिन्हांकन, मत्स्य मात्रा के निर्धारण एवं उसका न्यूनतम आरक्षित मूल्य निर्धारण का कार्य प्रत्येक वर्ष माह अप्रैल में पूर्ण किया जायेगा।

(4) नदियो में मत्स्य आखेट हेतु प्रतिबन्धित क्षेत्रों को मत्स्य आखेट क्षेत्रों के चिन्हांकन से पृथक रखा जायेगा ।

(ख) **मत्स्य आखेट क्षेत्रों में मत्स्य मात्रा का निर्धारण:**

(1) वर्तमान नदियों बहती जलधाराओं में जल प्रवाह की लम्बाई, चौड़ाई एवं गहराई को दृष्टिगत रखते हुए चिन्हित मत्स्य आखेट क्षेत्रों में संभावित मत्स्य उत्पादकता का निर्धारण किया जायेगा।

(2) मत्स्य उत्पादकता के सम्बन्ध में यदि कोई मत्स्य उत्पादन का आंकड़े उपलब्ध हों, तो उसका भी संज्ञान लिया जाय।

(3) मत्स्य मात्रा के निर्धारण के आधार पर मत्स्य आखेट क्षेत्र का न्यूनतम आरक्षित मूल्य निर्धारित किया जायेगा।

(4) न्यूनतम आरक्षित मूल्य का निर्धारण (1)क(1), में गठित समिति द्वारा किया जायेगा जिसका अनुमोदन जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा।

(ग) **मत्स्य आखेट हेतु मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता का वरीयताक्रम निम्नवत होगा-**

(क) संबंधित ग्राम में निवास करने वाले मछुआ समुदाय के व्यक्तियों की सहकारी समितियां जो उ0प्र0 सहकारी समिति अधिनियम, 1965 के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकृत हों और मत्स्य पालन विभाग, उ0प्र0 द्वारा मान्यता प्राप्त हो,

(ख) संबंधित न्याय पंचायत क्षेत्र में निवास करने वाले मछुआ समुदाय के व्यक्तियों की सहकारी समितिया, जो ऊपर की भांति पंजीकृत और मान्यता प्राप्त हो,

(ग) संबंधित विकास खण्ड में निवास करने वाले मछुआ समुदाय की सहकारी समितियां जो ऊपर की भांति पंजीकृत और मान्यता प्राप्त हो,

(घ) संबंधित जनपद में निवास करने वाले मछुआ समुदाय की सहकारी समितियां जो ऊपर की भांति पंजीकृत और मान्यता प्राप्त हो,

(ङ) उ0प्र0 राज्य में निवास करने वाले मछुआ समुदाय की सहकारी समितियां जो ऊपर की भांति पंजीकृत और मान्यता प्राप्त हो,

(च) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों की सहकारी समितियां जो ऊपर की भांति पंजीकृत और मान्यता प्राप्त हो,

(छ) अन्य सहकारी समितियां जो ऊपर की भांति पंजीकृत और मान्यता प्राप्त हो,

स्पष्टीकरण

1. चिन्हित मत्स्य आखेट क्षेत्र जिस ग्राम/ग्रामों में पड़ता है उस ग्राम/ग्रामों की ग्राम पंचायत/पंचायतों में पड़ने वाली मत्स्य जीवी सहकारी समितियां पात्र मानी जायेगी।

2. यदि चिन्हित मत्स्य आखेट क्षेत्र में केवल एक मत्स्य जीवी सहकारी समिति पात्र है तो न्यूनतम आरक्षित मूल्य पर पट्टा किया जायेगा । यदि पात्रता सूची में एक से अधिक मत्स्य जीवी सहकारी समितियां हैं तो मौके पर नीलामी करायी जायेगी। जिसमें केवल पात्रता सूची में उल्लिखित समितियों के अधिकृत प्रतिनिधि ही प्रतिभाग कर सकेंगे ।

3. यदि चिन्हित मत्स्य आखेट क्षेत्र वाली नदी दो जिलों की सीमाओं से होकर पूरब पश्चिम बहती है तो उत्तर में पड़ने वाले जनपद के जिलाधिकारी द्वारा प्रथम वर्ष में पट्टा/नीलामी की जायेगी और दक्षिण में पड़ने वाले जिलाधिकारी द्वारा दूसरे वर्ष पट्टा/नीलामी की जायेगी । इसी प्रकार यदि नदी उत्तर दक्षिण में बहती है तो पूरब में पड़ने वाले जनपद के जिलाधिकारी द्वारा प्रथम वर्ष में पट्टा/नीलामी की जायेगी और पश्चिम में पड़ने वाले जिलाधिकारी द्वारा दूसरे वर्ष पट्टा/नीलामी की जायेगी। यह व्यवस्था क्रमानुसार आगे की अवधि के लिये भी जारी रहेगी।

2- यदि चिन्हित मत्स्य आखेट क्षेत्र हेतु पट्टा आवंटन के लिए केवल एक मत्स्य जीवी सहकारी समिति पात्र है, तो पट्टा न्यूनतम आरक्षित मूल्य पर या राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर नियत भाटक की धनराशि पर दिया जायेगा।

3- सबंधित जिलाधिकारी द्वारा नामित अपर जिलाधिकारी या उप जिलाधिकारी पट्टा आवंटन/नीलाम अधिकारी होगा।

4- चिन्हित मत्स्य आखेट क्षेत्रों में पट्टा/नीलामी समिति द्वारा माह मई व जून के अन्त तक कर दी जायेगी।

5- पट्टा आवंटन/नीलामी अधिकारी द्वारा चिन्हित मत्स्य आखेट क्षेत्रों के पट्टा आवंटन/नीलामी की सूचना जनपद में पर्याप्त प्रचार-प्रसार वाले कम से कम दो हिन्दी समाचार पत्रों में प्रकाशित करायी जायेगी। मत्स्याखेट के पट्टा/नीलामी के आवेदन हेतु कम से कम 21 दिन (3 सप्ताह) का समय दिया जायेगा।

6- मत्स्य आखेट समिति बोली में उच्चतम धनराशि वाली मत्स्य जीवी सहकारी समिति से बोली की 25 प्रतिशत धनराशि तत्काल जमा करायेगी। अवशेष धनराशि एक सप्ताह में जमा करना अनिवार्य होगा ।

7- उच्चतम बोली की धनराशि जमा कर दी गयी हो, तो पात्रता सूची, नीलामी प्रपत्र और बोली की धनराशि को जमा करने संबंधी विवरण सहित तहसील स्तरीय मत्स्य आखेट समिति अपनी आख्या सम्बन्धित जिलाधिकारी को अग्रसारित करेगी ।

8- यदि जिलाधिकारी का समाधान हो जाता है कि मत्स्य आखेट क्षेत्र को आवंटित करने का निर्णय नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया गया है तो जिलाधिकारी पट्टा/नीलामी की स्वीकृति बिन्दु संख्या-12 में निर्धारित शर्तों के अधीन प्रदान कर देंगे।

9- पट्टा/नीलामी से प्राप्त धनराशि की 25 प्रतिशत धनराशि आनुपातिक रूप से संबंधित ग्राम पंचायतों को 25 प्रतिशत धनराशि जिला पंचायत को और 50 प्रतिशत धनराशि जिलाधिकारी द्वारा स्थापित किये जाने वाले मत्स्य विकास निधि के बैंक खाते में जमा की जायेगी जिसका उपयोग जिलाधिकारी के निर्देशानुसार मत्स्य विकास कार्यक्रमों में व्यय किया जा सकेगा।

10- मत्स्य आखेट पट्टा/नीलामी से क्षुब्ध व्यक्ति पट्टा/नीलामी की स्वीकृति की तिथि से 30 दिन के अन्दर सम्बन्धित मण्डलायुक्त को अपील कर सकता है । मण्डलायुक्त के आदेश के विरुद्ध 30 दिन के अन्दर राजस्व परिषद में निगरानी योजित की जा सकती है और निगरानी में पारित आदेश अन्तिम आदेश होगा।

<u>(घ) मत्स्य आखेट हेतु शर्तें</u>

(1) पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता द्वारा प्रत्येक वर्ष 01 जून से 31 अगस्त तक नदियों में मत्स्य आखेट प्रतिबन्धित रखा जायेगा।

(2) पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुयी नदीजलधारा के प्रवाह को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा और न ही नदी/जलधारा में बाड़े (Fixed Engine) लगाये जायेंगे।

(3) मछुआरों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु नदियों में बढ़ते हुए प्रदूषण एवं घटती हुई मत्स्य सम्पदा के दृष्टिगत पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता द्वारा मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देखरेख में 2000 मत्स्य अंगुलिका (70 से 100 मि0मी0आकार) प्रति किमी0 की दर से भारतीय मेजर कार्प मत्स्य प्रजातियों को नदियों में पुनर्स्थापित करने के लिए रिवर रैन्चिंग कराया जायेगा।

(4) पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता नदी में कोई ऐसा विषैला अथवा विस्फोटक पदार्थ उपयोग में नहीं लायेगा जिससे जल प्रदूषण एवं जलीय जीव जन्तुओं की मृत्यु होने की सम्भावना हो।

(5) पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता को नदी में कछुआ, घड़ियाल, गैन्जेटिक डॉलफिन, मगर एवं अन्य प्रतिबन्धित जलीय वन्य जीवों को पकड़ने का अधिकार नहीं होगा।

(6) मत्स्य आखेट हेतु प्रतिबन्धित श्रेणी के जाल का प्रयोग नहीं किया जायेगा।

(7) पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता को नदी के उस भाग में जो उसने नीलाम में लिया है प्रतिबन्धित अवधि में जीरा एकत्र करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

(8) मत्स्य विभाग को परिस्थिति विशेष में जबकि मछली के सम्पूर्ण विनाश का भय उत्पन्न हो जावे तो शिकारमाही बन्द करने अथवा नियंत्रित करने का पूर्ण अधिकार होगा।

(9) मत्स्य विभाग के कर्मचारियों/अधिकारियों को नदी में अनुसंधान कार्य हेतु प्रायोगिक शिकारमाही करने में पट्टाधारक/नीलाम प्राप्तकर्ता को कोई आपत्ति नहीं होगी।

(10) पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता को समयऽ पर राज्य सरकार द्वारा मत्स्य पालन व मत्स्य आखेट हेतु जारी आदेशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

(11) यदि पट्टा आवंटन/नीलामी की अवधि में पट्टाधारक आवंटन/नीलामी की शर्तों का उल्लंघन करता है, तो जिलाधिकारी आवंटी/नीलामी प्राप्तकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी करके आवंटन/नीलामी निरस्त कर सकेगा और पुनः नीलामी की कार्यवाही की जायेगी।

(12) किसी मामले में यदि मा0 उच्चतम न्यायालय, मा0 उच्च न्यायालय, राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एन0जी0टी0) या अन्य कोई न्यायालय का आदेश है तो वह प्रभावी रहेगा ।

भवदीय,
सुरेश चन्द्रा
प्रमुख सचिव

संख्या-33(1)/एक-2-2019 तद्दिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, उ0प्र0 शासन ।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 शासन ।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन ।
4. समस्त मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश ।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश ।
6. गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,
जी0एस0 प्रियदर्शी
सचिव ।

नत्थी (झ)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-50 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-77-78 पर)

विधान सभा के प्रथम सत्र 2023 के 1–सोमवार हेतु निर्धारित श्री बेचई सरोज, मा0 सदस्य विधान सभा द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या–50 का संलग्नक

क.सं.	जनपद	चिकित्सालय का नाम	उपकरण	बारकोड
1	आगरा	जिला महिला चिकित्सालय, आगरा	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–241 0701
		जिला पुरूष चिकित्सालय, आगरा	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–241 0571
		जिला पुरूष चिकित्सालय, आगरा	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–241 0573
		जिला पुरूष चिकित्सालय, आगरा	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–241 0576
2	अलीगढ़	मलखान सिंह जिला चिकित्सालय, अलीगढ़	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–191 1413
3	अम्बेडकरनगर	महात्मा ज्योतिबाफुले संयुक्त जिला चिकित्सालय, अम्बेडकरनगर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–521 0438
4	औरैया	100 शैय्या संयुक्त जिला चिकित्सालय, औरैया	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–281 0242
5	आजमगढ़	100 शैय्या संयुक्त जिला चिकित्सालय, आजमगढ़	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–661 0806
		संयुक्त चिकित्सालय, तरवां आजमगढ़	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–661 0804
		डिवीजनल जिला चिकित्सालय, आजमगढ़	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–661 0821
		डिवीजनल जिला चिकित्सालय, आजमगढ़	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–661 0823
		डिवीजनल जिला चिकित्सालय, आजमगढ़	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–661 0825
		डिवीजनल जिला चिकित्सालय, आजमगढ़	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–661 0828
		डिवीजनल जिला चिकित्सालय, आजमगढ़	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–661 0829
		महापंडित राहु सांस्कृत्यायन जिला महिला चिकित्सालय, आजमगढ़	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–661 0801

6	बागपत	जिला चिकित्सालय, बागपत	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–041 0287
		जिला चिकित्सालय, बागपत	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–041 0289
7	बहराईच	जिला पुरूष चिकित्सालय, बहराईच	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–561 0301
8	बरेली	महराणा प्रताप संयुक्त जिला चिकित्सालय, बरेली	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–161 0532
		महराणा प्रताप संयुक्त जिला चिकित्सालय, बरेली	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–161 0533
		महराणा प्रताप संयुक्त जिला चिकित्सालय, बरेली	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–161 0537
		महराणा प्रताप संयुक्त जिला चिकित्सालय, बरेली	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–601 0538
9	बस्ती	जिला पुरूष चिकित्सालय, बस्ती	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–601 0029
		जिला पुरूष चिकित्सालय, बस्ती	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–601 0075
		जिला पुरूष चिकित्सालय, बस्ती	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–601 0082
10	भदोही	महराजा चेत सिंह जिला चिकित्सालय भदोही	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–781 0741
11	बदायूं	जिला चिकित्सालय, बदायूं	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–0151 0377
12	चन्दौली	जिला संयुक्त चिकित्सालय चकिया चन्दौली	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–711 0504
		पं0 कमलापति त्रिपाठी जिला चिकित्सालय, चन्दौली	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–711 0501
13	चित्रकूट	जिला संयुक्त चिकित्सालय, चित्रकूट	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–451 0552
		जिला संयुक्त चिकित्सालय, चित्रकूट	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–451 0670
14	देवरिया	बाबू मोहन सिंह जिला चिकित्सालय देवरिया	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप	एम.एच.यू.पी.–651 0074

			लाइन सिस्टम	
		बाबू मोहन सिंह महिला चिकित्सालय देवरिया	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–651 0017
15	एटा	जिला चिकित्सालय, एटा	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–221 0352
16	फर्रुखाबाद	राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय फर्रुखाबाद	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–291 0911
17	गाजियाबाद	जिला संयुक्त चिकित्सालय, संजय नगर गाजियाबाद	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–061 0601
		जिला संयुक्त चिकित्सालय, संजय नगर गाजियाबाद	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–061 0602
		जिला संयुक्त चिकित्सालय, संजय नगर गाजियाबाद	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–061 0603
		एम0एम0 जी0 जिला चिकित्सालय, गाजियाबाद	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–061 0673
		एम0एम0 जी0 जिला चिकित्सालय, गाजियाबाद	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–061 0676
18	गोरखपुर	जिला चिकित्सालय, गोरखपुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–071 0705
19	हरदोई	पं0 राम दयाल त्रिवेदी जिला चिकित्सालय, हरदोई	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–371 0544
20	हाथरस	हसया सी0एच0सी0 हाथरस	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–212 0703
21	जालौन	जिला पुरूष चिकित्सालय, जालौन	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–391 0468
22	जौनपुर	अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला चिकित्सालय, जौनपुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–701 0325
23	झाँसी	जिला चिकित्सालय झाँसी	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–401 0573
24	कन्नौज	100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय कन्नौज	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–301 0712
		जिला चिकित्सालय कन्नौज	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–301 0711

25	कानपुर नगर	ए.एच.एम. चिकित्सालय, कानपुर नगर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–321 1292
		कमलापति मेमोरियल हॉस्पिटल कानपुर नगर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–321 1297
		एम0के0एस0 जिला संयुक्त चिकित्सालय, कानपुर नगर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–321 0987
		यू0एच0एम0 जिला पुरूष चिकित्सालय कानपुर नगर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–321 0973
		यू0एच0एम0 जिला पुरूष चिकित्सालय कानपुर नगर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–321 0975
26	कौशाम्बी	जिला चिकित्सालय मझनपुर कौशाम्बी	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–471 0237
27	कुशीनगर	जिला संयुक्त चिकित्सालय कुशीनगर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–641 0012
		जिला संयुक्त चिकित्सालय कुशीनगर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–541 0513
28	लखीमपुर खीरी	जिला पुरूष चिकित्सालय, लखीमपुर खीरी	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–381 0299
29	ललितपुर	जिला महिला चिकित्सालय ललितपुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–411 0436
		जिला महिला चिकित्सालय ललितपुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–411 0438
		जिला पुरूष चिकित्सालय ललितपुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–411 0421
30	लखनऊ	संयुक्त चिकित्सालय बक्शी का तालाब लखनऊ	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–351 5151
		डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल चिकित्सालय लखनऊ	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–351 2950
		लोक बन्धु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–351 5390
		आर0एल0बी0 संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–351 5160
		वीरांगना अवन्तीबाई महिला चिकित्सालय, लखनऊ	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप	एम.एच.यू.पी.–351 5072

			लाइन सिस्टम	
31	महाराजगंज	जिला संयुक्त चिकित्सालय, महराजगंज	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–631 0104
32	मथुरा	जिला संयुक्त चिकित्सालय चकिया मथुरा	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–231 0552
33	मऊ	जिला पुरूष चिकित्सालय मऊ	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–671 0379
34	मेरठ	पी0एल0शर्मा जिला चिकित्सालय मेरठ	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–951 0259
		पी0एल0शर्मा जिला चिकित्सालय मेरठ	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–951 0292
		पी0एल0शर्मा जिला चिकित्सालय मेरठ	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–951 0293
		पी0एल0शर्मा जिला चिकित्सालय मेरठ	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–951 0297
35	मिर्जापुर	जिला महिला चिकित्सालय मिर्जापुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–741 0396
		जिला पुरूष चिकित्सालय मिर्जापुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–741 0402
		जिला पुरूष चिकित्सालय मिर्जापुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–741 0581
		जिला पुरूष चिकित्सालय मिर्जापुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–741 0583
36	मुरादाबाद	जिला महिला चिकित्सालय, मुरादाबाद	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–121 0499
		जिला पुरूष चिकित्सालय मुरादाबाद	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–121 0578
37	मुजफ्फरनगर	जिला पुरूष चिकित्सालय, मुजफ्फरनगर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–051 0502
38	पीलीभीत	जिला पुरूष चिकित्सालय, पीलीभीत	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–171 0375
39	प्रतापगढ़	जिला पुरूष चिकित्सालय प्रतापगढ़	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–481 0702
		जिला पुरूष चिकित्सालय	आक्सीजन प्लान्ट	एम.एच.यू.पी.–481 0709

		प्रतापगढ़	जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	
40	रायबरेली	जिला पुरूष चिकित्सालय रायबरेली	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–341 0342
41	रामपुर	जिला पुरूष चिकित्सालय, रामपुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–131 0303
		जिला पुरूष चिकित्सालय, रामपुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–131 0304
		जिला पुरूष चिकित्सालय, रामपुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–131 0305
42	सम्भल	जिला संयुक्त चिकित्सालय, सम्भल	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–141 0185
43	संत कबीरनगर	जिला चिकित्सालय, संतकबीर नगर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–611 0200
44	सिद्धार्थनगर	जिला संयुक्त चिकित्सालय, सिद्धार्थनगर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–591 0343
45	सीतापुर	जिला चिकित्सालय, सीतापुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–361 0401
46	सोनभद्र	जिला संयुक्त चिकित्सालय, सोनभद्र	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–751 0378
47	सुल्तानपुर	जिला पुरूष चिकित्सालय सुल्तानपुर	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–511 1192
48	वाराणसी	जिला महिला चिकित्सालय, वाराणसी	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–721 1047
		जिला महिला चिकित्सालय, वाराणसी	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–721 1050
		एल0बी0एस0 संयुक्त महिला चिकित्सालय, रामनगर वाराणसी	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–721 1065
		पं0दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सालय वाराणसी	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–721 1102
		एस0एस0पी0जी0 डिवीजनल जिला चिकित्सालय, वाराणसी	आक्सीजन प्लान्ट जनरेटर सेन्ट्रल पाईप लाइन सिस्टम	एम.एच.यू.पी.–721 1105

नत्थी (ञ)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-104 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-105 पर)

LIST OF EDL MEDICINE

S. No.	Drug_Co	Drug_Name
1	D040064	1 Tab Azithromycin (1 gm) /2 Tab Azithromycin (500mg) & 1 Tab Cefixme (400mg)
2	D010020	ACECLOFINAC : 100 mg (Tab)
3	D100021	ACETAZOLAMIDE : 250 mg (Tab)
4	D320001	ACTIVE CHARCOAL : 400 MG (Tab)
5	D040002	ACYCLOVIR : 400 mg (Tab)
6	D090001	ALBENDAZOLE : 200 mg/5 ml (Suspension) 10 ml phial
7	D090002	Albendazole Tablet 400mg (Fruit Flavored, Chewable Scored)
8	D260001	ALLOPURINOL : 100 mg (Tab)
9	D280001	ALPRAZOLAM : 0.5 mg (Tab)
10	D030014	AMBROXOL Syrup 15 mg / 5 ml 100 ml bottle
11	D040003	AMIKACIN SULPHATE : - 100 mg/2ml : 2ml (Inj)
12	D040004	AMIKACIN SULPHATE : IP - 500 mg/2ml : 2ml (Inj)
13	D130001	AMINOPHYLLINE DIHYDRATE : IP - 25 mg/ml : 10ml (Inj)
14	D100001	AMIODARONE HYDROCHLORIDE :- 50 mg./ml. : 3ml (Inj)
15	D100002	AMLODIPINE BESYLATE : 5 mg (Tab)
16	D040006	AMOXYCILLIN AND POTASSIUM CLAVULANATE ORAL SUSPENSION : 200 mg+ 28.5 mg/5 ml (-) 30ml Phial / Bottle
17	D040007	AMOXYCILLINE TRIHYDRATE WITH CLAVULANATE : 250 mg+125 mg (Tab)
18	D040008	AMOXYCILLINE TRIHYDRATE WITH CLAVULANATE POTASSIUM : - 500MG+100mg : Dry powder (Inj)
19	D040065	AMOXYCILLIN SODIUM : IP - 500 mg : Dry powder (Inj)
20	D040051	Amoxycillin Trihydrate DT Tablet Scored 250mg
21	D040010	AMOXYCILLIN TRIHYDRATE EQUIVALENT TO AMOXYCILLIN AND CLAVULANATE POTASSIUM EQUIVALENT TO CLAVULANIC ACID : 500 mg + 125 mg (Tab)
22	D040067	AMOXYCILLIN TRIHYDRATE Syrup 125mg/5ml 60ml Phial
23	D040011	AMOXYCILLIN TRIHYDRATE WITH CALVUNATE POTASSIUM Inj. 1.2g Dry Powder Vial
24	D040012	AMPICILLIN SODIUM : IP - 500 mg : Dry powder (Inj)
25	D020006	Antacid Tablet, Each chewable tablet contains Magnesium Trisilicate 250 mg, Dried Aluminium Hydroxide Gel 120 mg, Peppermint Oil 0.003 ml 10 per strip
26	D110002	ARTESUNATE : IP - 60 mg : Dry powder (Inj)
27	D340001	ASCORBIC ACID : 500 mg (Tab)
28	D010002	Aspirin Gastro Resistant Tab IP 75 mg
29	D010023	ASPRIN UNCOATED Tablet 325 mg
30	D100003	ATENOLOL : 50 mg (Tab)
31	D100004	ATORVASTATIN CALCIUM : 10 mg (Tab)
32	D270001	ATROPINE SULPHATE : 1.0% w/w atropine sulphate (-)
33	D200002	ATROPINE SULPHATE : IP - 0.6 mg/ml : 1ml (Inj)
34	D040013	AZITHROMYCIN : 500 mg (Tab)
35	D040014	AZITHROMYCIN Suspension 100mg/5ml (-)
36	D230015	B COMPLEX : VITAMIN B1 5 MG THIAMINE HYDROCHLORIDE VITAMIN B2 5MG RIBOFLAVIN VITAMIN B6 2MG PYRIDOXINE HYDROCHLORIDE VITAMIN B3 NICOTINAMIDE 50 MG VITAMIN B5 CALCIUM PANTOTHENATE 5 MG Tablet (Tab)
37	D290001	BENZYL BENZOATE APPLICATION : 25% w/w (-)100 ml Bottle (-)
38	D160007	Betamethasone :0.5mg (Tab)
39	D160001	BETAMETHASONE SODIUM PHOSPHATE : 4 mg/ml : 1ml (Inj)
40	D160010	Betamethasone Valerate Cream,0.1% W/W, 15 Gm Tube
41	D250001	BISACODYL ENTERIC COATED : 5 mg (Tab)

42	D030012	BROMHEXINE HYDROCHLORIDE Tablet 4mg 10 strip
43	D130003	BUDESONIDE : 0.5mg/ml Respule 2ML
44	D130017	BUDESONIDE Inhaler 100mcg
45	D200003	BUPIVACAINE HYDROCHLORIDE : IP - 0.5%W/V : 20ml (Inj)
46	D300001	Bupivacaine Injection (Bupivacaine 5mg/ml, Dextrose 80 mg/ml)
47	D340010	CALCIUM CARBONATE WITH VITAMIN D3 : 1250mg+250IU (Tab)
48	D230001	CALCIUM CITRATE 500 mg Elemental Calcium
49	D230002	CALCIUM GLUCONATE : IP - 100 mg : 10ml (Inj)
50	D340002	Calcium Vitamine D3 Suspension (Each 5ml contains Calcium Carbonate eq. to Elemental Calcium 250mg+Vitamin D3 -125 IU), 200 ml Bottle)
51	D080002	CARBAMAZEPINE : 400 mg CR (Tab)
52	D080001	Carbamazepine susp 100mg/5ml 100ml bottle with mensuring cup
53	D310001	CARBIMAZOLE : 10 mg (Tab)
54	D190005	CARBOXYMETHYL CELLULOSE SODIUM Eye Drop 1% W/v 10ml Green/Amber COLOUR VIAL
55	D040015	Cefixime Oral Suspension IP, 100mg/5ml, 30ml Bottle
56	D040016	CEFIXIME TRIHYDRATE : 200 mg (Tab)
57	D040068	CEFOTAXIME SODIUM : IP - 1 gm : dry powder (Inj) in vial
58	D040046	CEFTAZIDIME PENTAHYDRATE : IP - 1 gm : dry powder (Inj)
59	D040018	CEFTAZIDIME PENTAHYDRATE : IP - 250 mg : dry powder (Inj)
60	D040045	Ceftazidime Powder for Inj. 500mg
61	D040020	CEFTRIAXONE 1g: dry powder vial (Inj)
62	D040021	CEFTRIAXONE 500 mg : dry powder (Inj)
63	D040063	CEPHALEXIN : 100mg/ml Drop
64	D040025	CEPHALEXIN Dry Syrup 125mg/5ml (-)
65	D220001	CETRIMIDE : 0.2 SL (-)
66	D190001	Chloramphenicol 5% w/v Benzocaine 1%w/v : 5% w/v+ 1% w/v Ear Drop 5ML
67	D110003	CHLOROQUINE PHOSPHATE : 250 mg (Tab)
68	D110004	CHLOROQUINE PHOSPHATE : IP - 40mg/ml : 5ml (Inj)
69	D030015	CHLORPHENIRAMINE MALEATE : 4 mg (Tab)
70	D290011	CICLOPIROX OLAMINE Cream 1% 10gm Tube
71	D070009	CINNARIZINE : 25 mg (Tab)
72	D040047	CIPROFLOXACIN : 2 mg/ml : 100ml FFS Bottle
73	D040043	CIPROFLOXACIN HYDROCHLORIDE : 0.3% w/v Eye Drop,5ml FFS vial
74	D040027	CIPROFLOXACIN HYDROCHLORIDE : 500 mg (Tab)
75	D180018	Clindamycine Phosphate IP equivalent to CLINDAMYCINE +CLOTRIMAZOLE 100mg + 200 mg, CLINDAMYCINE +CLOTRIMAZOLE soft gelatin veginal Suppository 100mg+200mg 3 strip (E)
76	D280022	CLOBAZAM : 5mg (Tab)
77	D280003	CLONAZEPAM : 0.5 mg (Tab)
78	D100005	CLOPIDOGREL : 75mg (Tab)
79	D290003	CLOTRIMAZOLE : 2% w/w (Cream)
80	D190003	CLOTRIMAZOLE+LIGNOCAINE HCL Ear Drop 1%+2%w/v 10ml VIAL
81	D180002	CLOTRIMAZOLE VAGINAL : 200 mg (WITH APPLICATOR) (Tab)
82	D180003	DANAZOL : 100 mg (Caps)
83	D160002	DEXAMETHASONE : 0.5mg (Tab)
84	D160003	DEXAMETHASONE SODIUM PHOSPHATE : IP - 4 mg/ml : 2ml (Inj)
85	D240001	DEXTROSE Injection - 25% w/v : 100ml (Inj)
86	D240002	DEXTROSE : IP - 10% w/v : 500ml (Inj)
87	D240003	DEXTROSE : IP - 5% w/v : 500ml (Inj)

88	D240013	Dextrose Monohydrate : I.P. 75 gm
89	D240004	DEXTROSE WITH SODIUM CHLORIDE : IP - 5% w/v +0.9%W/V : 500ml (Inj)
90	D280004	DIAZEPAM : IP - 5 mg/ml : 2ml (Inj)
91	D010003	Diclofenac Gel (Diclofenac Sodium 1% W/W), 30Gm Tube
92	D010004	Diclofenac Sodium Inj 75mg/ml, 1ml Ampoule
93	D010005	DICLOFENAC SODIUM SR Tablet 100 mg 10 per strip
94	D120002	DICYCLOMINE HYDROCHLORIDE - 10 mg/ml : 2ml (Inj)
95	D120003	DICYCLOMINE HYDROCHLORIDE : 10 mg (Tab)
96	D120004	DICYLOMINE HCL WITH ACTIVATED DIMEHICONE : 10 mg+40 mg/5ml (-) 30 ml bottle with measuring cap
97	D120005	DICYLOMINE HCL WITH ACTIVATED DIMEHICONE Drop 10 mg+40 mg/5ml 10ml phial
98	D090003	DIETHYLCARBAMAZINE CITRATE : 100 mg (Tab)
99	D100006	DIGOXIN : 0.25 mg (Tab)
100	D100007	DILTIAZEM HYDROCHLORIDE : 30 mg (Tab)
101	D350001	DISODIUM HYDROGEN CITRATE : 1.53 gm/5 ml 100 ml bottle
102	D100008	DOBUTAMINE HYDROCHLORIDE : USP - 50 mg./ml. : 5ml (Inj)
103	D070001	DOMPERIDONE : 10 mg (Tab)
104	D070002	DOMPERIDONE SUSPENSION 1 mg/ml 30ML Phial
105	D100009	DOPAMINE HYDROCHLORIDE :- 40 mg/ml : 5ml (Inj)
106	D040029	DOXYCYCLINE HYDROCHLORIDE : EQUIVALENT OF 100mg DOXYCYCLINE (Caps)
107	D070010	DOXYLAMINE SUCCINATE WITH PYRIDOXINE HCL : 10 mg+10 mg (Tab)
108	D280025	DULOXETINE HYDROCHLORIDE : 20 mg (Tab)
109	D290012	ENEMA GLYCERIN SODIUM CHLORIDE Tube 15% W/w+15% W/v 20ml PKT
110	D280026	ESCITALOPRAM : 10 mg (Tab)
111	D150005	ETHAMSYLATE : 500 mg (Tab)
112	D050006	Ethamsylate injection - 125 mg/ml : 2ml ampoule
113	D180004	ETHINYLESTRADIOL : 0.01 mg (Tab)
114	D230004	FERROUS SULPHATE : 200mg EQUIVALENT TO 60mg FERROUS ION (Tab)
115	D040030	FLUCONAZOLE : 150 mg (Tab)
116	D280006	Fluphenazine Deconate Inj USP 25mg/ml, 5ml vial
117	D190006	FLURBIPROFEN SODIUM Eye Drop: 0.03% w/v 5ml FFS VIAL
118	D340003	Folic Acid (B9) Tablet : 5mg
119	D330001	ANTI SERUM POLYVALENT SNAKE VENOM ASV : USP - 10 ml : LYOPHILIZED POWDER WITH DILUENT (Inj)
120	D200001	ATRACURIUM BESYLATE :10 mg/ml : 2.5ml (Inj)
121	D180001	CARBOPROST TROMETHAMINE : IP - 250 mcg/ml : 1ml (Inj)
122	D050001	ENOXAPARIN LOW MOL WT HEPARIN Injection 60mg/0.6ml Prefilled Syringe
123	D180005	Immunoglobulin Human Anti-D Monoclonal : Ip - 300mcg : 1ml
124	D060007	INSULIN HUMAN SOLUBLE with INSULIN HUMAN NEUTRAL PROTAMINE HAGEDORN : BP - 30%70%40 IU/ml : 10ml (Inj)
125	D180016	OXYTOCIN : IP - 5IU/ML : 1ml (Inj)
126	D050004	STREPTOKINASE : IP - 1500000 IU : dry powder (Inj)
127	D330006	VACCINE TENTANUS TOXOID : IP - 0.5ml :ampoule
128	D290004	FRAMYCETIN SULPHATE : 1% W/w 30gm (Cream)
129	D100022	FRUSEMIDE : 40 mg (Tab)
130	D100023	FRUSEMIDE : IP - 10 mg/ml : 2ml (Inj)
131	D190004	Gentamicin Sulphate 0.3%w/v+ Betamethasone0.1%w/v : 0.3% w/v+0.1% w/v (-)ear drop 5ml FFS/BFS Vial
132	D040032	GENTAMICIN SULPHATE : IP - 40 mg/ml : 2ml vial
133	D060001	GLIBENCLAMIDE : 5 mg (Tab)

134	D060002	Gliclazide :40 mg (Tab)
135	D060003	GLIMEPRIDE : 1 mg (Tab)
136	D060004	GLIMEPRIDE : 2 mg (Tab)
137	D060005	GLIPIZIDE : 5 mg (Tab)
138	D200005	GLYCOPYRROLATE : IP - 0.2 mg/ml : 1ml (Inj)
139	D040058	GRISEOFULVIN : 250mg (Tab)
140	D280008	HALOPERIDOL LACTATE : USP - 5mg/ml : 1ml (Inj)
141	D100013	HYDROCHLORTHIAZIDE : 12.5mg (Tab)
142	D160012	HYDROCORTISONE CREAM : 0.01 (Cream)
143	D160005	HYDROCORTISONE SODIUM SUCCINATE : IP - 100 mg : dry powder (Inj)
144	D220003	Hydrogen Peroxide Solution I.P. : 6% w/v 400 ml (-)
145	D030013	HYDROXIZINE HCL : 10 mg/5 ml (Syr)30ml Phial/bottle
146	D180019	HYDROXYPROGESTERONE Injection 500mg/2ml 2 ml Inj
147	D010006	IBUPROFEN : 200 mg (Tab)
148	D010007	IBUPROFEN Suspension: 100 mg/5 ml , 60 ml bottle with meauring cup
149	D260002	INDOMETHACIN : 25mg (Caps)
150	D220004	INJ METHYLERGOMETRINE MALEATE 0.2 MG
151	D060012	INSULIN GLARGINE Insulin 100 IU in 3ml Cartridge
152	D130004	IPRATROPIUM BROMIDE MDI 20mcg/puff,200 doses
153	D130005	Ipratropium Bromide Respule 250mcg/ml, 15ml vial
154	D230005	IRON AND FOLIC ACID CONTAINING DRIED FERROUS SULPHATE IP : equivalent to ferrous iron 60 mg & folic acid 0.5 mgIFA WIFS LARGE BLUE COLOURED INDIGO CARMINE (Tab)
155	D230006	Iron and Folic Acid IFA Large Tablet Containing 60 MG Elemental Iron + 500 mcg Folic Acid, Sugar-Coated, Red Color, 10S Strip
156	D230007	IRON AND FOLIC ACID IFA (WIFS-JUNIOR) CONTAINING DRIED FERROUS SULPHATE EQ TO FERROUS IRON 45 MG AND FOLIC ACID 0.4MG : 45 mg+0.4 mg PINK IFA WIFS JUNIOR (Tab)
157	D230008	IRON SUCROSE CONTAINING FERRIC HYDROXIDE AS COMPLEX WITH SUCROSE EQ TO ELEMENTAL IRON 20MG/ML : - 20 mg/ml : 2.5ml (Inj)
158	D230009	IRON SUCROSE CONTAINING FERRIC HYDROXIDE AS COMPLEX WITH SUCROSE EQ TO ELEMENTAL IRON 20MG/ML : 20 mg/ml : 5ml (Inj)
159	D230010	IRON WITH FOLIC ACID : 20 mg+100 mcg/ml 100ml (Syr)
160	D200006	ISOFLURANE USP 100ML BOTTLE
161	D100014	ISOSORBIDE DINITRATE : 5 mg (Tab)
162	D100015	ISOSORBIDE MONONITRATE : 10 mg (Tab)
163	D180006	ISOXUPRIME HYDROCHLORIDE : 10 mg (Tab)
164	D180020	ISOXUPRIME HYDROCHLORIDE : USP - 5mg/ml : 2ml (Inj)
165	D090005	IVERMECTIN : 12 mg. (Tab)
166	D180008	LABETALOL HCL : 100 mg (Tab)
167	D180009	LABETALOL HCL :5mg/ml : 20ml (Inj)
168	D250002	Lactulose Syrup 10gm/15ml,100ml Bottle
169	D030017	LEVOCETIRIZINE HYDROCHLORIDE Syrup 2.5mg/5ml 30ml Bottle
170	D030002	LEVOCETIRIZINE Tablet 5mg. 10 per strip
171	D040033	LEVOFLOXACIN : 500 mg (Tab)
172	D130012	LEVOSALBUTAMOL : 1 mg/5 ml (Syr) 30ml bottle
173	D200009	LIGNOCAINE GEL : 2%W/V 30GM
174	D200010	LIGNOCAINE HCL : 2%w/w : 30ml (Inj)
175	D200011	LIGNOCAINE HCL WITH ADRENALINE Injection (LIGNOCAINE HCL 20mg/ml ADRENALINE BITARTATE Eq. TO Adrenaline 5mcg/ml) : 30ml Vial

176	D100029	LOSARTAN POTASSIUM : 50 mg (Tab)
177	D180011	MAGNESIUM SULPHATE Injection 50% w/v in 2ml Ampoule
178	D240012	Mannitol Injection 20 % W/V in 100 ml FFS Bottle
179	D180012	MEDROXYPROGESTRONE ACETATE TABLETS IP 10MG, 10PER STRIP
180	D040034	MEROPENAM 1g INJ. 100MG/ML, 10 ML VIAL
181	D060009	METFORMIN HYDROCHLORIDE : 500 mg (Tab)
182	D230011	METHYLCOBALAMINE - 500 mcg/ml : 3ml (Inj)
183	D340004	METHYLCOBALAMINE (B12) : 500 mcg (Tab)
184	D070003	METOCLOPRAMIDE HYDROCHLORIDE Injection 5 mg/ml in 2ml : Vial/Ampoule
185	D100017	METOPROLOL : 50mg (Tab)
186	D040040	METRONIDAZOLE : 400 mg (Tab)
187	D040041	METRONIDAZOLE BENZOATE Suspension 40mg/ml 60 ml phial (-)
188	D040042	METRONIDAZOLE : IP - 5 mg/ml : 100ml (Inj)
189	D290005	MICONAZOLE Cream 2% 20G TUBE
190	D200013	MIDAZOLAM HCL 1 mg/ml in 10ml (Inj)
191	D180014	MISOPROSTOL : 200 mcg (Tab)
192	D030003	MONTELUKAST SODIUM : 10 mg (Tab)
193	D240005	Multiple electrolytes and dextrose type-1 (Isolyte P) : - Sodium acetate trihydrate 0.32gm Potassium chloride 0.13gm Dipotassium hydrogen phosphate heptahydrate 0.026gm magnisium chloride hexahydrate 0.031gm Dextrose 5.0gm Water for injection to 100ml pH 5.0 : 500ml (Inj)
194	D240006	Multiple electrolytes and dextrose type-3(Isolyte M) : - Sodium acetate trihydrate 0.28gm Sodium chloride 0.091gm Potassium chloride 0.15gm Dipotassium hydrogen phosphate heptahydrate 0.13gm Dextrose 5.0gm Water for injection to 100ml pHS : 500ml
195	D340005	Multivitamin Drops Each ml contains Vit-A-3000IU, Vit D3 - 300IU, Vit- B1 -1mg, Riboflavine Phosphate Sodium- 2mg, D-Pentenol-2.5mg, Niacinamide- 10mg, Pyridoxime HCL- 1mg, Cynocobalamine 1 mcg, Lysine HCL 10 mg, 15 ml vial with Dropper
196	D200014	NEOSTIGMINE METHYL SULPHATE : IP - 0.5 mg/ml : 5ml (Inj)
197	D280024	NICOTINE PASTILLE/GUM 4mg 10 strip
198	D100018	NIFEDIPINE : 10mg Capsule (Caps)
199	D130018	NIKETHAMIDE Injection 250 mg/ml 2 ml ampule
200	D040035	Nitrofurantoin :100 mg (Tab)
201	D200015	NORADRENALINE TARTRATE : 2 mg/ ml : 2ml (Inj)
202	D180015	NORETHISTERONE : 5 mg (Tab)
203	D040062	NORFLOXACIN : 100 mg/5 ml (Syr)
204	D040036	NORFLOXACIN : 400 mg (Tab)
205	D040037	OFLOXACIN : 200 mg (Tab)
206	D280028	OLANZAPINE : 10mg (Tab)
207	D020001	OMEPRAZOLE : 20 mg. (Caps)
208	D070004	ONDANSETRON HCL : 2 mg base/5 ml (Syr) 30 ml Phial/Bottle
209	D070005	ONDANSETRON HCL : 4 mg (Tab)
210	D070006	Ondansetron IP Inj 2 Mg/Ml in 2 ML Ampoule
211	D170001	ORAL REHYDRATION SALTS CITRATE (W.H.O. Formula) : ORS 20.5Gm. Each sachet Contains Sodium Chloride IP 2.6g Potassium Chloride IP 1.5g Sodium Citrate IP 2.9g Anhydrous Dextorse IP 13.5g for making 1 ltr (-)
212	D040060	ORNIDAZOLE : 500 mg (Tab)
213	D220005	oseltamivir oral suspension IP 12 mg/ml (75 Ml Phial)
214	D040038	Oseltamivir PHOSPHATE : 75mg (Caps)
215	D040061	OSELTAMIVIR PHOSPHATE Capsule 45mg

216	D020002	PANTAPRAZOLE Injection 40mg/vial with Diluent
217	D010008	PARACETAMOL : 500 mg (Tab)
218	D010009	PARACETAMOL Drop : 100mg/ml (15 ml pack with dropper))
219	D010022	PARACETAMOL INFUSION Injection 10mg/ml 100ml Bottle
220	D010010	PARACETAMOL IP - 150mg/ml : 2ml (Inj)
221	D010015	PARACETAMOL Suspension 250mg/5ml 60ml bottle with measuring cup (F)
222	D010014	PARACETAMOL SYRUP 125mg/ 5ml (60 Ml bottle with measuring cap)
223	D010011	PENTAZOCINE LACTATE : IP 30 mg/ml : 1ml (Inj)
224	D290012	PERMETHRIN : 5% W/w (Cream)
225	D010004	PHENIRAMINE MALEATE Injection 22.75 mg/ml in 2ml Ampoule
226	D080004	Phenobarbitone Susp 20MG/5 ML, 60 ML Bottle With Measuring Cup
227	D080006	PHENYTOIN SODIUM Injection 50 mg./ml. in 2 ml Ampoule
228	D240012	PHYTOMENADIONE Vit.K1 : IP - 1mg/ml : 1ml (Inj)
229	D270002	PILOCARPINE NITRATE : 1% W/v Eye Drop 5Ml.
230	D040009	PIPERACILLIN WITH TAZOBACTAM SODIUM - 4gm + 500mg : dry powder (Inj)
231	D290010	POVIDIONE IODINE SOLUTION : 5% w/v (-)
232	D290008	POVIDONE IODINE : 5% W/w (Oint) 15G
233	D160006	PREDENISOLONE : 10 mg (Tab)
234	D160008	PREDENISOLONE SODIUM PHOSPHATE : 1.0% w/v Eye Drop 5Ml.
235	D110005	Primaquine Tablet 2.5 mg
236	D110006	Primaquine Tablet 7.5 mg
237	D070007	PROMETHAZINE HYDROCHLORIDE : 25 mg/ml : 2ml (Inj)
238	D070008	PROMETHAZINE HYDROCHLORIDE : 5 mg/5 ml (Syr)60 ml bottle
239	D200016	PROPOFOL 1 PERCENT : IP - 10 mg/ml : 20ml (Inj)
240	D280029	PROPRANOLOL HYDROCHLORIDE : 20mg (Tab)
241	D280027	QUETIAPINE FUMARATE : 100mg (Tab)
242	D100040	RAMIPRIL : 5mg (Tab)
243	D020003	RANITIDINE HYDROCHLORIDE : 150 mg (Tab)
244	D020004	RANITIDINE HYDROCHLORIDE : IP - 25mg/ ml : 2ml (Inj)
245	D240008	RINGER LACTATE : IP - 0.24%w/vLacticAcid (eq.0.32%w/vSod.Lac.) with0.6%w/vSod.Cl., 0.04%w/vPot .Cl. & 0.027% w/vCal Cl : 500ml (Inj)
246	D280030	RISPERIDONE : 3 mg. (Tab)
247	D280023	RISPERIDONE PROLONGED RELEASE Injection 25 mg
248	D130014	Salbutamol Aerosol 200MTD 100mcg/Metered dose inhaler
249	D130006	SALBUTAMOL Respiratory Solution 5mg/ml, 15 ml Bottle
250	D130007	SALBUTAMOL SULPHATE : 4 mg (Tab)
251	D130011	SALMETEROL 25 MCG + FLUTICASONE 250 MCG 120 MDI 25 mcg + 250 mcg Inhaler
252	D100031	S AMLODIPINE BESYLATE : 5mg (Tab)
253	D010021	SERRATIOPEPTIDASE : 10mg (Tab)
254	D290010	SILVER SULPHADIAZINE : 1% W/w 250gm (Cream)
255	D240009	SODIUM BICARBONATE : - 7.5% w/v : 10ml (Inj)
256	D240014	Sodium Chloride Injection 0.9 % w/v in 100ml FFS Bottle
257	D240010	SODIUM CHLORIDE : IP - 0.9% w/v : 500ml (Inj)
258	D080007	SODIUM VALPORATE / valporic acid Susp. 200mg/5ml, 100 ml bottle with measuring cup
259	D080010	SODIUM VALPROATE : 500 mg CR (Tab)
260	D100024	SPIRONOLACTONE : 25 mg (Tab)
261	D010024	STREPTOCOCCUS FAECALIS+CLOSTRIDIUM BUTYRICUM+BACILLUS MESENTERICUS+LACTIC ACID BACILLUS Capsule 60 Millions spores 4 Millions Spores 2 Millions Spores 100 Millions Spores, 10 capsule per strip

262	D200017	SUCCINYLCHOLINE CHLORIDE : IP - 50 mg./ml. : 10ml (Inj)
263	D100019	TELMISARTAN : 40 mg (Tab)
264	D130015	THEOPHYLLINE WITH ETOPHYLLINE : 69 mg+231 mg (Tab)
265	D130008	THEOPHYLLINE WITH ETOPHYLLINE : IP - 25.3mg+84.7 mg/ml : 2ml (Inj)
266	D310002	THYROXINE SODIUM : 0.05 mg (Tab) 100/phial or Bottle
267	D010012	Tramadol Hydrochloride :50 mg Tablets
268	D010013	TRAMADOL HYDROCHLORIDE : IP - 50mg/ ml : 2ml (Inj)
269	D050005	TRANAXAMIC ACID Injection 500mg/5ml ampoule
270	D150002	TRANEXAMIC ACID : 500mg (Tab)
271	D280016	TRIHEXYPHENIDYL HYDROCHLORIDE : 2 mg (Tab)
272	D040066	TRIMETHOPRIM WITH SULPHAMETHOXOZOLE : 160mg+800mg (Tab)
273	D040039	TRIMETHOPRIM WITH SULPHAMETHOXOZOLE : 40mg+200mg/5 ml 50ML Phial(-)
274	D160009	TROPICAMIDE : 1%W/V Eye Drop 5ML
275	D330004	Vaccine Anti Rables : - 1ml : 2.5 IU Per Vial (Inj)
276	D330005	Vaccine H1N1 Influenza Inj. 0.5ml in quadrivalent split vrion PFS
277	D100020	VERAPAMIL HCL : 40 mg (Tab)
278	D060013	VILDAGLIPTIN : 50 mg (Tab)
279	D340006	VITAMIN A PALMIPATE Arachis oil base Liquid 100000 IU/ml, 100 ml bottle with feeding spoon (to be packed in mono carton)
280	D340007	VITAMIN A SOFTGEL : 25000IU (-) 10 per Strips
281	D340008	Vitamin D3 Tablet/Capsule 60000IU, 10 Tablet per strip/ blister Chewable/non chewable
282	D240011	WATER FOR INJECTION in 10ml Ampoule
283	D190002	Wax dissolving Ear Drops: Paradichlorobenzene,Benzocaine, Chlorobutanol,Turpentine oil 2% +2.7% + 5% +15%,15 ml Bottle with dropper
284	D030005	XYLOMETAZOLINE : 0.001 Nasal Drop 10ML
285	D230013	ZINC SULPHATE DISPERSIBLE DT : eq. to elemental zinc 20mg
286	D280017	ZOLPIDEM TARTARATE : 5 mg (Tab)

नत्थी (ट)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-127 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-117-118 पर)

जनपद फिरोजाबाद में आयुष्मान योजनान्तर्गत आबद्ध निजी चिकित्सालयों की सूची :-

क्र0सं0	निजी चिकित्सालय का नाम
1	सेवार्थ संस्थान ट्रामा एण्ड फिजियोथेरेपी धर्मार्थ समिति
2	डा0 एम0सी0 अग्रवाल हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा0लि0
3	जीवन ज्योति हॉस्पिटल
4	यूनिटी हॉस्पिटल
5	जीवनधारा हॉस्पिटल
6	ओम हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
7	रघु शान्ति हॉस्पिटल
8	फॉको आई सर्जरी सेन्टर
9	गीता नेत्र चिकित्सालय प्रा0लि0
10	माता जावित्री देवी चैरिटेबल हॉस्पिटल टूण्डला
11	कीर्ति हॉस्पिटल
12	एफ0एच0 मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

जनपद फिरोजाबाद में आयुष्मान योजनान्तर्गत आबद्ध सरकारी चिकित्सालयों की सूची :-

क्र0सं0	सरकारी चिकित्सालय का नाम
1	जिला महिला चिकित्सालय, फिरोजाबाद
2	जिला पुरूष चिकित्सालय, फिरोजाबाद
3	जिला संयुक्त चिकित्सालय, शिकोहाबाद
4	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, टूण्डला
5	उप मण्डलीय रेलवे चिकित्सालय, टूण्डला
6	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, खैरगढ़
7	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जसराना
8	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जटायूँ
9	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिरसागंज
10	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, एरांव
11	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, धनपुरा
12	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, एका

नत्थी (ठ)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-131 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-119-120 पर)

संलग्नक

विधान सभा के प्रथम सत्र 2023 के प्रथम सोमवार हेतु निर्धारित श्री आर0 के0 वर्मा, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा पूछा गया अतारांकित प्रश्न संख्या-131 का उत्तर।

उत्तर प्रदेश जनहित गारंटी अधिनियम 2011 में अधिसूचित 10 सेवायें:-

1. पैंशन स्वीकृति पर निर्णय।
2. जी0पी0एफ स्वीकृति पर निर्णय।
3. चिकित्सा अवकाश स्वीकृति पर निर्णय।
4. चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर निर्णय।
5. प्रोवीजनल पैंशन स्वीकृति पर निर्णय।
6. उपार्जित अवकाश स्वीकृति पर निर्णय।
7. वेतन भुगतान पर निर्णय।
8. गोपनीय प्रविष्टि पर निर्णय।
9. सुनिश्चित कैरियर प्रोन्नयन पर निर्णय।
10. मृतक आश्रित नियुक्ति (सामान्य मामलों में) पर निर्णय।

नत्थी (ड)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-134 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-121 पर)

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की सूचना

क्र0सं0	जनपद	ब्लॉक	2019-20		2020-21		2021-22		26.12.2022 तक	
			पात्र बच्चे	उपचारित बच्चे	पात्र बच्चे	उपचारित बच्चे	पात्र बच्चे	उपचारित बच्चे	पात्र बच्चे	उपचारित बच्चे
1	फिरोजाबाद	टूण्डला	749	737	89	86	112	111	453	449
2		जसराना	920	902	111	111	30	30	369	369
3		खैरगढ़	1082	1061	94	94	148	139	458	458
4		फोटला	1375	1364	82	82	116	116	488	487
5		एका	482	479	28	28	71	71	151	151
6		जसराना	1512	1505	167	167	406	406	715	714
7		अरांव	943	925	81	80	177	177	337	335
8		मदनपुर	1765	1744	202	198	332	330	1516	1516
9		घिनपुरा	1482	1467	289	284	126	126	367	365
		योग	10310	10184	1143	1130	1518	1506	4854	4844

नत्थी (ढ)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-162 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-136-137 पर)

जनपद शाहजहांपुर में अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अन्तर्गत अनुबन्ध के आधार पर किराये के वाहनों की सूची।

S.R. No.	Vehicle No.	
1	UP27AS-4438	R.B.S.K
2	UP27AT-9470	
3	UP31AT-1724	
4	UP34AT-2774	
5	UP34AT-2775	
6	UP27BT-2960	
7	UP27AT-9377	
8	UP27AT-3328	
9	UP27AT-3396	
10	UP27AT-3327+ UP27AT-0256	
11	UP27AL-5471	
12	UP27AP-8095	
13	UP27BT-1069	
14	UP30BT-8804	
15	UP27AT-3280	
16	UP27BT-0672	
17	UP27BT-1160	
18	UP27AT-3393	
19	UP27AP-8082	
20	UP27AP-7552	
21	UP27AT-3395	
22	UP27AT-8651	
23	UP32KN-2429	
24	UP27BB-0297	
25	UP26AN-9523	MONITRING VEHICLE
26	UP27AN-1384	
27	UP27AP-2063	
28	UP27BT-1413	
29	UP26X-3014	
30	UP34AT-8664	
31	UP27AT-1776	
32	UP27BT-1079	
33	UP25CT-8923	
34	UP25CT-7538	
35	UP27AT-6897	
36	UP27BT-2251	
37	UP32KN-1789	
38	UP34AT-2801	
39	UP27AT-3766	
40	UP34AT-2802	
41	UP25CM-5494	
42	UP27AT-6898	D.T.O.
43	UP27AT-4723	DPM U
44	UP25ET-5406	NUHM
45	UP27AT-1712	DMO
46	UP27AT-6898	Mental Health Progamme

दिनॉक 13-02-2023

DY. GOVIND SWARNAKAR
BEMO. R.C.H

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
शाहजहाँपुर।

नत्थी (ण)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-197 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-155-156 पर)

संलग्नक-1

प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थापित राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, उ0प्र0।

क्र0 सं0	स्थान का नाम	कालेज का नाम
1.	प्रयागराज	राजकीय लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, शांतीपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज-211013
2.	कानपुर	राजकीय पं0 जवाहर लाल नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, कानपुर-208024
3.	लखनऊ	राजकीय नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, लखनऊ-226010
4.	अयोध्या	राजकीय बृजकिशोर होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, देवकाली, अयोध्या-224001
5.	गाजीपुर	राजकीय गाजीपुर होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, रौजा, गाजीपुर-233001
6.	मुरादाबाद	राजकीय के0जी0के होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, लाईनपार मुरादाबाद-244001
7.	आजमगढ़	राजकीय श्री दुर्गा जी होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, आजमगढ़ -276128
8.	गोरखपुर	राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, बड़हलगंज, गोरखपुर-273402
9.	अलीगढ़	राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, छेरत, अलीगढ़-202122

प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थापित निजी होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, उ0प्र0।

क्र0 सं0	स्थान का नाम	कालेज का नाम
1.	ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर	बैक्सन होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, बी-36ए, नॉलेज पार्क, फेज-1, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर
2	आगरा	नेमिनाथ होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, ग्राम नवलपुर, जिला आगरा

संलग्नक-2

विधान सभा प्रथम सत्र-2023 के प्रथम सोमवार हेतु निर्धारित **श्री मौहम्मद** फहीम इरफान, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या-197 के उत्तरालेख का संलग्नक-2

उत्तर प्रदेश में होम्योपैथिक निर्माण इकाइयों की सूची		
क्र0 सं0.	फर्म का नाम	पता
1	मैसर्स हैनीमैन सर होमियो लैब	गांव- गुलरिवा, जिला- अमरोहा, उ0प्र0।
2	मैसर्स ईस्टर्न होमियो लेबोरेटरी	213, आसिफगंज, आजमगढ़, उ0प्र0 -276001
3	मैसर्स हैनीमैन प्योर ड्रग कंपनी	सिविल लाइंस, आजमगढ़, उ0प्र0-276001
4	मैसर्स राजश्री होमियो लैब	सहारनपुर रोड बड़ौत, बागपत, उ0प्र0।
5	मैसर्स शैल होमियो प्रयोगशाला	बी-8. इंडस्ट्रियल एस्टेट माधोपुर, पी.ओ.-रसड़ा जिला-बलिया, उ0प्र0।
6	मैसर्स अपोलो होमियो फार्मेसी	ई-82,83,84 यूपीएसआईडीसी, इंडस्ट्रियल एरिया, कुर्सी रोड, बाराबंकी, उ0प्र0-225302
7	मैसर्स एचएपीडीसीओ लाइफसाइंसेज	जे-34 से जे-37, एबो पार्क, कुर्सी रोड, जिला बाराबंकी, उ0प्र0।
8	मैसर्स सिमिलिया रिसर्च लेबोरेटरी प्रा० लिमिटेड,	प्लॉट नंबर 361,363, करवट, परगना-रल्हूपुर, मुगलसराय, पीओ दांडी, वाराणसी (ई) डिवीजन, जिला- चंदौली, उ0प्र0।
9	मैसर्स मेडिकैगो देव लैब्स	पंचशील नगर (राघवपुर), देवरिया, उ0प्र0।
10	डॉ० विलमर श्वाबे इंडिया (पी.) लिमिटेड	ए-36, सेक्टर-60, फेज-III, नोएडा, जी.बी.नगर, उ0प्र0।
11	मेसर्स हैनीमैन प्योर ड्रग कंपनी प्रा. लिमिटेड,	डी-13, सेक्टर-63, नोएडा, जी.बी. नगर, उ0प्र0।
12	मेसर्स बर्नेट होम्योपैथी प्राइवेट लिमिटेड	बी-47, सेक्टर-88, नोएडा, जिला- गौतम बुद्ध नगर, उ0प्र0।
13	मेसर्स जिष्णु फार्मास्युटिकल्स प्रा. लिमिटेड	बी-22, सेक्टर-ए-5 व 6, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद, उ0प्र0।
14	मैसर्स एस.बी.एल. प्रा. लिमिटेड	ए-3, साइट-IV, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उ0प्र0।
15	मैसर्स एम.डी होमियो लैब प्राइवेट लिमिटेड	महाराजगंज, गाजीपुर, उ0प्र0।
16	इंडो जर्मन रेमेडीज	भवानीराम, जालौन, उ0प्र0।
17	मैसर्स वाराणसी होमियो लेबोरेटरी प्राइवेट लिमिटेड	आराजी नं0-776, ग्राम बोडारी, तहसील केराकट, जौनपुर, उ0प्र0।

18	मैसर्स जर्मन होमियो लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड	प्लाट नं0-56, अपट्रान इस्टेट, पनकी साइट-1, कानपुर, उ0प्र0।
19	मैसर्स पारुल होमियो लैबोरेटरीज प्रा. लिमिटेड	बी-29, साइट-5, पनकी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर नगर, उ0प्र0-208022
20	मैसर्स रेडियंट फार्मा	6एफ/1, (293), बाबा नगर नौबस्ता, कानपुर, उ0प्र0।
21	हैनीमैन अनुसंधान प्रयोगशाला	2, सुभाष मार्ग, लखनऊ, उ0प्र0-226003
22	हैनीमैन साइंटिफिक लेबोरेटरी (इंडिया) प्रा.लिमिटेड	4, यूपीएसआईडीसी, चिनहट औद्योगिक क्षेत्र, देवा रोड, लखनऊ, उ0प्र0।
23	मैसर्स भारत होमियो लेबोरेटरीज (इंडिया)	कशाना, सीतापुर रोड, निकट-लखनऊ, उ0प्र0-226020
24	मैसर्स भारत होमियो फार्मेसी	ग्राम- राजापुर इंदौरा, बख्शी का तालाब, लखनऊ, उ0प्र0।
25	मैसर्स हैनीमैन मेमोरियल प्रयोगशाला	प्लॉट नंबर-21/22, गोपाल नगर, जल निगम रोड, लखनऊ, उ0प्र0।
26	मैसर्स हैनीमैन वैज्ञानिक प्रयोगशाला (भारत)	11, माइल स्टोन, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ, उ0प्र0।
27	मैसर्स ह्यूमन क्योर लाइफ लैब्स प्राइवेट लिमिटेड	भादसा मनोपुर एनएच के बगल में 29, मऊ, कोपागंज, मऊ, उत्तर प्रदेश- 275305
28	मैसर्स क्योर वेल लैबोरेटरीज	रुड़की रोड, सिवाया, मोदीपुरम मेरठ, उ0प्र0-250110
29	मैसर्स बायोस होमियो लैबोरेटरी	120, अतरसुइया, इलाहाबाद, उ0प्र0-211003
30	मैसर्स मलिक फार्मास्युटिकल लैबोरेटरी (भारत)	मोहम्मदपुर, थुलेहंडी, रायबरेली, उ0प्र0-229001
31	मैसर्स सुलोचना होमियो प्रयोगशाला	एस-26/231-सी, रघुवंशी हाउस, अनौला, कैंट वाराणसी, उ0प्र0।
32	मैसर्स वाराणसी होमियो प्रयोगशाला।	एस-8/313 बी, पाण्डेयपुर, वाराणसी, उ0प्र0।
33	हनुराइट ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स प्रा० लिमिटेड,	नरसंधा जखनी रोहनिया, वाराणसी, उ0प्र0।
34	प्रख्यात होमियो लैब	आराजी नं0-1, सुल्तानपुर रोड, रामनगर, वाराणसी, उ0प्र0।

संलग्नक-3

विधान सभा प्रथम सत्र-2023 के प्रथम सोमवार हेतु निर्धारित श्री मौहम्मद फहीम इरफान, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा पूछा गया अतारांकित प्रश्न संख्या-197 के उत्तरालेख्य का संलग्नक-3

प्रदेश सरकार होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के उत्थान हेतु निरन्तर प्रयासरत/प्रतिबद्ध है। विगत 05 वर्षों में होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के उत्थान के क्षेत्र में निम्नवत कार्य किये गये है:-

(1) प्रदेश के राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालयों में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से 773 होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों का चयन किया गया और आयुष विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा इनकी नियुक्ति की गयी।

(2) मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अन्तर्गत प्रदेश में 09 राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालयों की स्थापना की गयी।

(3) प्रदेश में पूर्व से स्थापित राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालयों में से 176 चिकित्सालयों का उच्चीकरण किया गया।

(4) प्रदेश में 393 राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालयों पर हेल्थ वेलनेस सेन्टर स्थापित किये गये।

(5) प्रदेश में जनपद-गोरखपुर व अलीगढ़ में नवनिर्मित राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेजों में बी0एच0एम0एस0 (होम्योपैथिक चिकित्सा शिक्षा) पाठयक्रम प्रारम्भ किया गया।

(6) प्रदेश के राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज, लखनऊ, प्रयागराज व कानपुर में होम्योपैथिक में स्नातकोत्तर शिक्षा प्रारम्भ की गयी।

(7) इस विधा के पूर्व से स्थापित चिकित्सालयों के अतिरिक्त प्रदेश के सभी जनपदों में होम्योपैथिक चिकित्सा विधा से रोगियों के उपचार हेतु आरोग्य मेला का आयोजन कर उपचार किया जाता है।

(8) प्रदेश के जनपद-वाराणसी में एक नये राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।

नत्थी (त)

(देखिये अतारांकित प्रश्न सं0-211 का उत्तर पीछे पृष्ठ सं0-164 पर)

क्रमांक	जनपद
(1)	(2)
1	आगरा
2	अलीगढ़
3	अम्बेडकर नगर
4	अयोध्या
5	आजमगढ़
6	बहराइच
7	बांदा
8	बरेली
9	बस्ती
10	इटावा
11	फिरोजाबाद
12	गौतमबुद्ध नगर
13	गाजियाबाद
14	गोण्डा
15	गोरखपुर
16	झांसी
17	कानपुर
18	लखनऊ
19	मथुरा
20	मेरठ
21	मीरजापुर
22	मुरादाबाद
23	मुजफ्फरनगर
24	प्रयागराज
25	सहारनपुर
26	शाहजहांपुर
27	सुल्तानपुर
28	वाराणसी

पी0एस0यू0पी0-एल0 01 विधान सभा (02)-03-04-2024-76 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।